SABDHANI COACHING INSTITUTE
AN ISO 9001:2008 CERTIFIED INSTITUTE

For info on vacancies & results-
Whatsapp – "READY"
To send 7747910525

LIKE US ON facebook
https://www.facebook.com/sabdhanicoaching

1. सामान्य जानकारी

- राज्य का गठन– 1 नवम्बर 1956 ई.
- मध्यप्रदेश दिवस– 1 नवम्बर।
- वर्तमान स्वरूप में राज्य का गठन – 1 नवम्बर, 2000 ई.
- मध्य प्रदेश नाम किसने दिया:– पंडित जवाहर लाल नेहरू
- मध्य प्रदेश को हृदय प्रदेश नाम किसने दिया:– पंडित जवाहर लाल नेहरू
- मध्य प्रदेश की राज्य भाषा – हिन्दी
- मध्य प्रदेश का राजकीय पक्षी – दूधराज या शाह बुलबुल (पैराडइज फ्लाईकेचर)
- मध्य प्रदेश का राजकीय पशु – बारहसिंगा (ब्रेडरी जाति)
- मध्य प्रदेश का राजकीय पुष्प – लिलि
- मध्य प्रदेश का राजकीय खेल – मलखम्ब
- मध्य प्रदेश का राज्य नाट्य – माच
- मध्य प्रदेश का राज्य नृत्य – राई
- मध्य प्रदेश की राज्य फसल – सोयाबीन
- मध्य प्रदेश का राजकीय वृक्ष – बरगद
- राज्य चिन्ह– मध्यप्रदेश शासन ने राज्य स्थापना के उपरांत जो राजकीय प्रतीक चिन्ह अपनाया, उसमें भारत के राजकीय चिन्ह और स्थानीय विशेषताएँ दोनों को महत्व दिया जाता है। चिन्ह में सबसे बाहर चौबीस स्तूप अंकित है। इसके बाद एक वृत्त हैं, जो तरक्की और विकास की असीम सम्भावनाओं का द्योतक है। इस वृत्त के भीतर मध्यप्रदेश शासन और सत्यमेव जयते उत्कीर्ण है साथ ही राज्य की प्रमुख फसलें गेहूँ और धान की बालियाँ भी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

अंकित है। केन्द्रीय वृत्त में अशोक स्तंभ की सिंह आकृति और राज्य वृक्ष बरगद को दर्शाया गया है।

– मध्य प्रदेश के उपनाम –

1. नदियों का मायका, 2. सोयाबीन राज्य, 3. हृदय प्रदेश

प्रशासन

भौगोलिक क्षेत्रफल	**3,08,252** वर्ग किमी.
जिले	51
तहसीलें	364
विकासखण्ड	313
आदिवासी विकासखण्ड	89
नगर	476
कुल ग्राम	55393
आबाद ग्राम	52143
नगर निगम	16
नगर पालिकायें	100
नगर पंचायत	264
ग्राम पंचायत	23040
जनपद पंचायत	313
जिला पंचायत	51
जोन (आई.जी. पुलिस)	11
रेंज (डी.आई.जी. पुलिस)	15
कंट्रोल रूम	53
पुलिस थाने	1035
पुलिस चौकियां	562
पुलिस उप संभाग	179
पुलिस जिले	51
लोक सभा सीटें	29
राज्य सभा सीटें	11
विधान सभा सीटें	230+1
लोकसभा सीटों में आरक्षण	– अनुसूचित जाति–4
	– अनुसूचित जनजाति–6
विधानसभा सीटों में आरक्षण	– अनुसूचित जाति–35
	– अनुसूचित जनजाति–47

मध्य प्रदेश का उच्च न्यायालय – जबलपुर

मध्य प्रदेश न्यायालय की खंडपीठ – इंदौर, ग्वालियर

राज्य का पूर्वी जिला– सिंगरौली

पश्चिमी जिला– अलीराजपुर

दक्षिणी जिला– बुरहानपुर

उत्तरी जिला– मुरैना

मध्य जिला– सागर

कुड़ेदान मुक्त शहर– पन्ना, सैलाना, कुक्षीनगर

10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले नगर– इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर।

सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता दर वाले तीन जिले (घटते क्रम में)– बालाघाट, भिंड, नरसिंहपुर

न्यूनतम ग्रामीण साक्षरता दर वाले तीन जिले (बढ़ते क्रम में)– अलिराजपुर, झाबुआ, बड़वानी।

शहरी साक्षरता सर्वाधिक शहरी साक्षरता दर वाले तीन जिले (घटते क्रम में)– सिवनीं, हरदा, मंडला, जबलपुर।

न्यूनतम शहरी साक्षरता दर वाले तीन जिले (बढ़ते क्रम में)–श्योपुर, टीकमगढ़, सिंगरौली।

मुख्य न्यायाधीश	–	न्यायमूर्ति अजय मानिकराव खानविलकर (22वें)
विधानमण्डल	–	एक सदनात्मक
वर्तमान राज्यपाल	–	श्री रामनरेश यादव
मुख्यमंत्री	–	श्री शिवराज सिंह चौहान
नेता प्रतिपक्ष	–	श्री सत्यदेव कटारे
विधानसभा अध्यक्ष	–	श्री सीताशरण शर्मा
विधानसभा उपाध्यक्ष	–	डॉ. राजेन्द्रकुमार सिंह
मुख्य सचिव	–	श्री एण्टोनी जे.सी. डिसा
मध्यप्रदेश विधानसभा में नामित सदस्य	–	लारेंस बी. लोवों
म.प्र. वित्त आयोग के अध्यक्ष	–	श्री हिम्मत कोठारी
म.प्र. के लोकायुक्त	–	पी.पी. नावलकर
म.प्र. के मुख्य सूचना आयुक्त	–	श्री के.डी. खान

विधानसभा चुनाव –2013

भारतीय जनता पार्टी	–	165
कांग्रेस पाटी	–	58
बीएसपी.+अन्य	–	7

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

2. राज्य पुनर्गठन

- स्वतंत्रता पश्चात् म.प्र. को 'थ्री स्टेट-A, B तथा' C में बाँटा गया।
- सेन्ट्रल प्राविन्स तथा बरार में छत्तीसगढ़ और बघेलखण्ड को मिलाकर पार्ट-A (स्टेट-A) बनाया गया।
- पश्चिम की रियासतों को मिलाकर पार्ट-B (स्टेट-B) बनाया गया। इसका नाम मध्य भारत रखा।
- उत्तर की रियासतों को मिलाकर पार्ट-C (स्टेट-C) बनाया गया। भोपाल पार्ट-C का भाग था।

स्टेट	राजधानियाँ
स्टेट-A	नागपुर
स्टेट-B	ग्वालियर तथा इन्दौर
स्टेट-C	रीवा
महाकौशल क्षेत्र	जबलपुर

- राज्य पुनर्गठन आयोग-1953
- 1953 में बने फजल अली की अध्यक्षता में गठित **राज्य पुनर्गठन आयोग** की अनुशंसा पर 1नवम्बर, 1956 को नवीन म.प्र. का गठन हुआ (भाषायी आधार पर)।
- राज्य पुनर्गठन आयोग 1953 की सिफारिशों के आधार पर राज्य की सीमाओं में निम्नलिखित परिवर्तन किये गये-
  1. बुल्ढाना, अकोला, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भण्डारा, चाँदा को तत्कालीन मुम्बई राज्य (महाराष्ट्र) में मिला दिया गया। शेष Part-A का भाग वर्तमान म.प्र. का भाग बना।
  2. मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के सुनैल टप्पा को छोड़कर शेष भाग को म.प्र. में मिला दिया गया।
  3. कोटा जिले की सिरोंज तहसील को म.प्र. के विदिशा जिले में लाया गया।
  4. शेष Part-B का हिस्सा वर्तमान म.प्र. का अंग है।
  5. Part-C State (विंध्यप्रदेश) का पूरा-पूरा भाग वर्तमान म.प्र. में मिलाया गया।
  6. भोपाल राज्य भी वर्तमान म.प्र. का अंग बना।
  7. नवनिर्मित म.प्र. में 43 जिले थे। (1-11-1956)
- 16 नवम्बर, 1972 को भोपाल और राजनाँदगाँव दो नये जिले बने और जिलों की संख्या 45 हो गई। नवीन म.प्र. की राजधानी भोपाल को बनाया गया, जो पूर्व में सीहोर जिले की एक तहसील थी।
- **बी.आर. दुबे** की अध्यक्षता में गठित जिला पुनर्गठन आयोग की सिफारिश पर वर्ष 1998 में 10 नये जिले बने।
- 6 और जिले 1998 में गठित **सिंहदेव समिति** की सिफारिश पर बनाये गये। इस प्रकार जिलों की संख्या 61 हो गई।
- 31 अक्टूबर, 2000 को म.प्र. से छत्तीसगढ़ के अलग होने से 16 जिले नवीन राज्य में चले गये और म.प्र. में पुन: जिलों की संख्या 45 हो गई।
- वर्ष 2003 में तीन जिले-बुरहानपुर (खण्डवा से) अनूपपुर (शहडोल से) तथा अशोकनगर (गुना से) का गठन किया। जिससे प्रदेश मे जिलों की संख्या 48 हो गई
- वर्ष 2008 में प्रदेश सरकार ने अलीराजपुर तथा सिंगरौली को जिला बनाया गया और जिससें में जिलों की संख्या 50 हो गई।
- वर्ष 2013 में प्रदेश सरकार ने आगर को नया जिला बनाया है, जिससें अब जिलों की संख्या 51 हो गई है।
- मध्य प्रदेश को 1956 से पूर्व मध्य भारत कहा जाता था।
- मध्य भारत प्रांत 25 रियासतों से मिलकर बना था और राजधानी ग्वालियर और इन्दौर थी।
- विंध्यप्रांत 38 रियासतों से मिलकर बना था। इसकी राजधानी रीवा थी।
- सेण्ट्रल प्राविन्स की एकमात्र रियासत जो वर्तमान मध्य प्रदेश में शामिल है- मकड़ाई रियासत (हरदा)।

मध्य प्रदेश पुनर्गठन	
1847-1956	म. प्र. के स्थान पर चार राज्य 1. सी.पी. बरार 2. मध्य भारत 3. विंध्य प्रदेश 4. भोपाल स्टेट
1 नवम्बर, 1956	म. प्र. की स्थापना, 43 जिले
1972	45 जिले-भोपाल, राजनांद दो जिले
25 मई, 1998	4 नये जिले- बड़वानी, श्योपुर, कटनी, डिंडोरी।
10 जून, 1998	3 नये जिले- उमरिया, हरदा, नीमच।
1 नवम्बर, 2000	म. प्र. का पुनर्गठन (छत्तीसगढ़ पृथक) 84वां संशोधन विधेयक
2003	3 नये जिले- अशोक नगर, बुरहानपुर, अनूपपूर।
2008	2 नये जिले- अलीराजपुर, सिंगरौली।
1 अप्रैल, 2012	1 अप्रैल, 2012 से 9 तहसीले म. प्र. में अस्तित्व में आ गयी है। अब म. प्र. में तहसीलों की संख्या 352 हो गयी है। शहडोल में - बुढ़ार, गोपारू नीमच में - रामपुरा छिंदवाडा में - चांद बालाघाट में - बिरसा सिंगरोली में - सरई, माडा अलीराजपूर में - कटटीवाडा, सोण्डवा
अगस्त, 2013	शाजापुर जिले से अलग कर आगर जिला बनाया गया। (51वां जिला)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

3. जनसंख्या

- म.प्र. की प्रथम जनगणना 1881 में हुई मानी जाती है।
- प्रदेश की 15वीं जनगणना 2011 में हुई।
- जनगणना कार्य प्रत्येक 10 वर्ष पश्चात् किया जाता है।
- वर्ष 2001 की जनगणना 21वीं सदी की प्रदेश की पहली जनगणना है।
- जनगणना संबंधी कार्य भारत सरकार द्वारा किया जाता है।
- जनगणना कार्य जनसंख्या अधिनियम 1948 के अनुसार किया जाता है।
- 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है।
- साक्षरता दर में 7 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों को शामिल किया जाता है।
- 11 मई को म.प्र. मे जनसंख्या नियंत्रण दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 2011 की जनगणना के अन्तिम आँकड़ो के मुताबिक मध्यप्रदेश की जनसंख्या 7 करोड़ 26 लाख 26 हजार 809 हो गई है। यह देश की कुल जनसंख्या का छह फीसदी है। जबकि प्रदेश का क्षेत्रफल (308252 वर्ग किमी.) देश के कुल क्षेत्रफल का 9.38% है। पिछले एक दशक में प्रदेश की आबादी में 20.35 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। संक्षेप में म.प्र. से सम्बन्धित आँकड़ें निम्न प्रकार है-

प्रशासनिक इकाई

2011की जनगणना के अनुसार म.प्र. की प्रशासनिक इकाईयों में 10 संभाग, 50 जिले, 342 तहसीलें, 476 टाउन तथा 54903 गाँव है।

नोट:- 51वां जिला आकड़ों के प्रकाशन के बाद बना है।

जनसंख्या

2011 की जनगणना के अनुसार म.प्र. की जनसंख्या निम्न प्रकार है-

व्यक्ति- 726,26,809

पुरूष- 376,12,306

महिलाएँ- 3,50,14,503

वर्ष 2001 व 2011 की तुलना

वर्ष	2011	2001
जनसंख्या	7,26,26,809	6,03,48,023
जनसंख्या वृद्धि दर	20.3%	24.26%
लिंगानुपात	931	920
लिंगानुपात (नगरीय)	918	898
लिंगानुपात (ग्रामीण)	936	927
शिशु लिंगानुपात	918	932
साक्षरता	69.3%	63.7%
साक्षरता (पुरूष)	78.7%	76.1%
साक्षरता (महिला)	59.2%	50.3%
जनसंख्या (0-6) वर्ष	1,08,09,395	1,07,82,214

2011 की जनगणना के अनुसार म.प्र. का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला इन्दौर है, जिसकी आबादी 3276697 हैं, जबकि सबसे कम जनसंख्या हरदा जिले की है जो 5,70,465 है।

सर्वाधिक जनसंख्या वाले जिले ***(Tricks-इजसाभारी)***

1. इन्दौर, 2. जबलपुर, 3. सागर, 4. भोपाल, 5. रीवा।

न्यूनतम जनसंख्या वाले जिले ***(Tricks-हर उमर से डिले)***

1. हरदा, 2. उमरिया, 3. श्योपुर, 4. डिण्डोरी, 5. अलीराजपुर।

लिंगानुपात

2011 की जनगणना के मुताबिक प्रदेश में प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या 931 है। अर्थात् म.प्र. का लिंगानुपात 1000 : 931 है। राज्य में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला बालाघाट है। जहाँ प्रति हजार पुरूषों पर 1021 महिलाएँ है, जबकि प्रदेश का भिण्ड जिला न्यूनतम लिंगानुपात वाला जिला है, जिसमें प्रति हजार पुरूषों पर मात्र 838 महिलाएँ ही है। चिन्तनीय पहलू यह है कि प्रदेश में 6 वर्ष तक के बच्चों में लिंगानुपात (918) के अन्तर में कमी आई हैं

ग्रमीण लिंगानुपात - 936

शहरी लिंगानुपात - 918

सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिले ***(Tricks- बालक अली मंडी में बुआ)***

1. बालाघाट (1021), 2. अलीराजपुर (1011), 3. मण्डला (1008), 4. डिण्डोरी (1002), 5. झाबुआ (990)।

न्यूनतम लिंगानुपात वाले जिले ***(Tricks- भीम गदा शिव)***

1. भिण्ड (837), 2. मुरैना (840), 3. ग्वालियर (864), 4. दतिया (873), 5. शिवपुरी (877)।

म.प्र. के सर्वाधिक लिंगानुपात (0-6 वर्ष आयु समूह है) वाले जिले ***(Tricks - ADM बालक)***

1. अलीराजपुर, 2. डिण्डोरी, 3. मण्डला, 4. बालाघाट, 5. सिवनी।

न्यूनतम लिंगानुपात (0-6 वर्ष) वाले जिले ***(Tricks- मर गया भाण्ड दैत्य रे)***

1. मुरैना, 2. ग्वालियर, 3. भिण्ड, 4. दतिया, 5. रीवा।

जनसंख्या घनत्व

2001 की जनगणना में म.प्र. का जनसंख्या घनत्व 196 था, जो 2011 की जनगणना में बढ़कर 236 हो गया। प्रदेश का सर्वाधिक घनत्व वाला जिला भोपाल (855) है, जबकि सबसे कम जनघनत्व वाला जिला डिण्डोरी (94) है।

म.प्र. के सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाले जिले ***(Tricks-भाई जग मरे)***

1. भोपाल (855), 2. इन्दौर (841), 3. जबलपुर (473), 4. ग्वालियर (446), 5. मुरैना (394)।

न्यूनतम जनघनत्व वाले जिले ***(Tricks-झण्डे से पान बेच)***

1. डिण्डोरी (94), 2. श्योपुर (104), 3. पन्ना (142), 4. बैतूल (157), 5. रायसेन, सिवनी (157)।

साक्षरता

म.प्र. की साक्षरता जहाँ 2001 में 63.7 प्रतिशत थी वही 2011 की जनगणना में यह बढ़कर 69.32 प्रतिशत हो गयी है। इसमें पुरूषों की साक्षरता 78.73 प्रतिशत एवं महिलाओं की 59.24 प्रतिशत हो गयी है। प्रदेश का जबलपुर जिला साक्षरता में 81.

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

01% शीर्ष पर है, जबकि अलीराजपुर साक्षरता में सबसे पीछे है।

2001 एवं 2011 की जनगणना में साक्षरता प्रतिशत

	2001	2011
व्यक्ति	63.7%	69.32
पुरुष	76.1%	78.73
महिला साक्षरता	50.3%	59.24

म.प्र. के सर्वाधिक साक्षरता वाले जिले ***(Tricks- जई भाबला)***

1. जबलपुर (81.01%), 2. इन्दौर (80.87), 3. भोपाल (80.37), 4. बालाघाट (77.09), 5. ग्वालियर (76.65)

न्यूनतम साक्षरता वाले जिले ***(Tricks-अझब से)***

1. अलीराजपुर, 2. झाबुआ, 3. बड़वानी, 4. श्योपुर, 5. धार।

न्यूनतम पुरूष साक्षरता वाले जिले ***(Tricks- अली बुआ बड़े धाशु)***

1. अलीराजपुर, 2. झाबुआ, 3. बड़वानी, 4. धार, 5. श्योपुर।

सर्वाधिक पुरूष साक्षरता वाले जिले:-

1. जबलपुर, 2. इन्दौर, 3. भोपाल, 4. बालाघाट, 5. भिण्ड।

सर्वाधिक महिला साक्षरता वाले जिले ***(Tricks-भोजी इब गई)***

1. भोपाल, 2. जबलपुर, 3. इन्दौर, 4. बालाघाट, 5. ग्वालियर।

न्यूनतम महिला साक्षरता वाले जिले-

1. अलीराजपुर, 2. झाबुआ, 3. बड़वानी, 4. श्योपुर, 5. सिंगरौली।

जनसंख्या वृद्धि दर

म.प्र. सरकार द्वारा जनसंख्या नियंत्रण की कोशिश का परिणाम 2011 की जनगणना में जनसंख्या वृद्धि दर में आयी कमी के रूप में दिखलाई दे रहा है। 2001 की जनगणना के मुकाबले 2011 में प्रदेश की जनसंख्या वृद्धि की दर में लगभग चार प्रतिशत की कमी आई है। 2001 में यह 24.3 प्रतिशत था जो 2011 में 20.3 प्रतिशत रह गयी है। अर्थात् बीते एक दशक में जनसंख्या वृद्धि दर में 3.96 फीसदी की कम आई है।

दशकीय सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिले-

1. इन्दौर (32.9%), 2. झाबुआ (30.7%), 3. भोपाल (28.6%), 4. सिंगरौली (28.0%), 5. बड़वानी (27.6%)

न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले जिले ***(Tricks- अबे छी मंद बुद्धि)***

1. अनूपपुर (12.3), 2. बैतूल (12.9), 3. छिंदवाड़ा (13.0), 4. मन्दसौर (13.2), 5. बालाघाट (13.6)।

शहरी व ग्रामीण जनसंख्या

जनगणना के ताजा अन्तिम आँकड़ों के अनुसार, प्रदेश की कुल जनसंख्या 7.25 करोड़ में 5,25,57,404 लोग ग्रामीण क्षेत्र में निवास करते है, जबकि 2,00,69,405 लोग शहरों में निवास करते है।

2011 के अन्तिम आँकड़ों के अनुसार, प्रदेश की 72.37% जनसंख्या गाँवों में निवास करती है, जबकि 27.63% जनसंख्या शहरी हैं। प्रदेश का सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला इन्दौर है, जबकि सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला रीवा है। कुल ग्रामो की संख्या 54,903 है।

सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाले जिलें ***(Tricks- इंदौर भी जागा)***

1. इन्दौर, 2. भोपाल, 3. जबलपुर, 4. ग्वालियर, 5. उज्जैन

न्यूनतम शहरी जनसंख्या वाले जिले (प्रतिशत में)

1. डिण्डोरी (4.6%), 2. अलीराजपुर (7.8%), 3.सीधी 4. झाबुआ 5. सिवनी

सर्वाधिक नगरीकृत जिले (प्रतिशत में) 1. भोपाल, 2. इंदौर, 3. ग्वालियर, 4. जबलपुर, 5. उज्जैन

अनुसूचित जाति

जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में अनुसूचित जाति की जनसंख्या 11342320 (पुरूष- 5908638, महिलाएं- 5433682) है। जो राज्य की कुल जनसंख्या की 15.6 प्रतिशत है। देश के सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में अनुसूचित जाति जनसंख्या की दृष्टि से मध्यप्रदेश का आठवां स्थान है जबकि अनुसूचित जाति प्रतिशतता की दृष्टि से यह 17वें स्थान पर है। न्यूनतम अनुसूचित जाति जनसंख्या वाला जिला झाबुआ (17427) है।

सर्वाधिक अनुसूचित जाति (SC) वाले जिले (प्रतिशत में)

1. उज्जैन, 2. दतिया, 3. टीकमगढ़, 4. शाजापुर, 5. छतरपुर

न्यूनतम अनुसूचित जाति (SC) वाले जिले (प्रतिशत में)

1. झाबुआ, 2. अलीराजपुर, 3. मंडला, 4. डिंडोरी 5. बड़वानी

सर्वाधिक अनुसूचित जाति संख्या वाले जिले (संख्या में)

1. इंदौर, 2. उज्जैन, 3. सागर, 4. मुरैना, 5. छतरपुर।

अनुसूचित जनजाति

जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार मध्यप्रदेश में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या 15316784 (पुरूष- 7719404, महिलाएं- 7597380) है जो राज्य की कुल जनसंख्या की 21.1 प्रतिशत है। देश के सभी राज्यों/संघीय क्षेत्रों में अवरोही क्रम में अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या की दृष्टि से मध्यप्रदेश का शीर्ष स्थान है जबकि अनुसूचित जनजाति प्रतिशतता के संदर्भ में यह 13वें स्थान पर है। न्यूनतम अनुसूचित जनजाति जनसंख्या वाला जिला भिंड (6131) है।

सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति वाले जिले (संख्या में)

1.धार, 2. बडवानी, 3. झाबुआ, 4. छिदवाड़ा 5. पं. निमाड़

सर्वाधिक अनुसूचित जनजाति वाले जिले (प्रतिशत में)

1.अलीराजपुर, 2. झाबुआ, 3. बडवानी, 4. डिंडोरी, 5. मण्डला।

न्यूनतम अनुसूचित जनजाति वाले जिले (प्रतिशत में)

1. भिण्ड, 2. मुरैना, 3. दतिया, 4. मंदसौर, 5. शाजापुर।

विभिन्न धर्म

धर्म	जनसंख्या	राज्य का देश में स्थान	साक्षरता
हिन्दू	94%	चौथा	62.8%
मुस्लिम	3.5%	21वां	70.3%
जैन	0.9%	चौथा	96.2%
बौद्ध	0.3%	10वां	74.4%
इसाई	0.2%	23वां	85.8%
सिख	0.2%	-	82.9%
अन्य	0.30%	-	-

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

4. संभाग/जिलेवार अध्ययन

1.	**जबलपुर संभाग** :	यह क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा, सर्वाधिक साक्षरता वाला संभाग
2.	**इन्दौर संभाग** :	यह दूसरा बड़ा संभाग है। मुख्यालय इन्दौर, न्यूनतम साक्षरता वाला संभाग, सबसे अधिक जनसंख्या वाला
3.	**भोपाल संभाग** :	मुख्यालय राजधानी भोपाल।
4.	**ग्वालियर संभाग** :	मुख्यालय ग्वालियर।
5.	**रीवा संभाग** :	मुख्यालय रीवा।
6.	**उज्जैन संभाग** :	मुख्यालय उज्जैन।
7.	**सागर संभाग** :	मुख्यालय सागर।
8.	**चम्बल संभाग** :	मुख्यालय मुरैना, सबसे कम लिंगानुपात वाला संभाग
9.	**नर्मदापुरम संभाग** :	इसका मुख्यालय होशंगाबाद।
10.	**शहडोल संभाग** :	मुख्यालय शहडोल, जनसंख्या में सबसे छोटा संभाग।
	:	14 जून, 2008 में शहडोल संभाग का गठन किया गया।

उज्जैन संभाग

जिले- नीमच, उज्जैन, देवास, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, आगर

नीमच जिला

- **जनसंख्या**- 825958
- **क्षेत्रफल**- 4256 वर्ग किमी.
- **स्थापना:**- 10 जून, 1998 में मंदसौर से अलग
- गर्वेन्ट ओपियम (अफीम) एण्ड एल्केलाइड फैक्ट्री (भारत सरकार)।
- **मेला:**- शहाबुद्दीन औलिया का उर्स।
- 3 जून, 1857 की क्रांति मध्य प्रदेश में नीमच से ही प्रारंभ हुई।
- CRPF ट्रेनिंग सेंटर।
- मध्य प्रदेश का पहला ग्राम न्यायालय झांतला ग्राम में स्थापित। (10 ग्राम पंचायत मिलाकर)
- नीमच, जावद, मानसा तीनों तहसीलों को मिलाकर 1998 में जिला।
- नीमच का आकार हृदय जैसा हैं।
- कुकडेश्वर महादेव व भदवा माता का मंदिर।,

मंदसौर जिला

- **जनसंख्या**- 1339832
- **क्षेत्रफल**- 5535 वर्ग किमी.।
- **स्थिति:**- मंदसौर शिवना नदी के किनारे स्थित है।
- **प्राचीन नाम:**- दसपुर।
- पशुपति नाथ का मंदिर,फूट तालाब, सिवानी की खाड़ी।
- स्लेट-पेंसिल बनाने का कारखाना,स्टार्च फैक्ट्री, जीवाजी राव शुगर मिल, वर्धमान फेब्रिक्स।
- **मुख्य फसल:**- अफीम (प्रमुख उत्पादक)
- यशोवर्मन का मंदसौर अभिलेख जुलाहा श्रेणी द्वारा सूर्य मंदिर हेतु दान का उल्लेख।
- भानपुरा तहसील के सुनेलटप्पा गांव को राजस्थान को दे दिया गया।
- गांधी सागर बांध को (चम्बल नदी पर स्थित) (विद्युत क्षमता 115 मेगावाट)।
- गांधी सागर अभ्यारण्य (इसमें नील गाय, चिंकारा व तेन्दुआ हैं)।
- रावण की पूजा, रावण का ससुराल माना जाता है।
- राजस्थान के 4 जिलों से घिरा जिला है।
- गांधी सागर मंदसौर को दो भागों में बांटता है-(1) पूर्वी मंदसौर, (2) पश्चिमी मंदसौर
- हिंगलाज गढ़ पहाड़ी किला है।
- पीपल्या मंडी में बट्टी पार्श्वनाथ जैन मंदिर
- भादवा माता मंदिर- सभी हिन्दुओं की अराध्य देवी, भीलों द्वारा प्रतिवर्ष पूजा।
- सीतामऊ ऐतिहासिक स्थल
- चंदवासा में धर्म राजेश्वर मंदिर।
- मध्यप्रदेश का एकमात्र उद्यानिकी महाविद्यालय।

रतलाम जिला

- **जनसंख्या**- 1454483
- **क्षेत्रफल**- 6196 वर्ग किमी.
- **उपनाम:**- सेव (नमकीन) की नगरी।
- सेलखड़ी उद्योग, जावरा तहसील में शुगर मील
- **फसल:**- अफीम
- **अभ्यारण्य:**- सैलाना फ्लोरिकन अभ्यारण्य, इसी में खरमौर का संरक्षण किया जाता है।
- त्रिवेणी मेला
- गंगा सागर एक तालाब है, जिसे पिकनिक पाइंट बनाया गया है।
- जावरा की हुसैन टेरी जो चमत्कारी सिद्ध इलाज हेतु प्रसिद्ध हैं।
- IPCA प्रसिद्ध दवा कम्पनी
- लोटस टेम्पल है।
- सोगोद में जैन मंदिर है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

उज्जैन जिला

- **जनसंख्या**- 1986597
- **क्षेत्रफल**- 6091 वर्ग किमी.
- **प्राचीन नाम:**- अवन्तिका
- **उपनाम:**- महाकाल की नगरी, मंदिर एवं मूर्तियों का नगर।
- **मेला:**- सिंहस्थ मेला (12 वर्ष बाद)
- नागदा में कृत्रिम रेशे बनाने का कारखाना, कॉटन सीड्स सालवेंट प्लांट।
- **पर्यटन स्थल**- भृर्तहरि गुफाऐं, संदीपनी आश्रम, बड़े गणेश मंदिर, काल भैरव मंदिर, कालिया देह मंदिर, साक्षी गोपाल मंदिर, जंतर-मंतर केन्द्र (म.प्र. की एकमात्र वैद्यशाला), चंपा कीप बावड़ी, मंगलनाथ मंदिर (प्रसिद्ध नवग्रह मंदिर), वैश्य टेकरी स्तूप, दुर्गादासी की छतरी, कालीदास अकादमी, रूणाजी- तेजाजी का प्रसिद्ध स्थान।
- जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक अनुसूचित जाति (प्रतिशत) वाला जिला।
- विश्व का एकमात्र स्थान जहॉ 21 जून को सूर्य 90^0 लम्बत होता हैं।
- उज्जैन को राजा विक्रमादित्य ने अपनी राजधानी बनाया था।
- एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन संयंत्र।
- 600 ई. पूर्व में भारत के 16 महाजनपदों में शामिल अवन्ति को राजधानी उज्जैन थी।
- महैदपुर शक्कर कारखाना।
- पाणिनी संस्कृत महाविद्यालय।
- गोपाल मंदिर।
- सिंधिया प्राचीन शोध संस्थान।
- 24 खंभा।
- विक्रम यूनिवर्सिटी।

देवास जिला

- **जनसंख्या**- 1563107
- **क्षेत्रफल**- 7020 वर्ग किमी.
- आयसर ट्रेक्टर की फैक्ट्री
- चमड़ा कॉम्पलेक्स (संयंत्र)
- टाटा का असेम्बली सेंटर
- मंगालिया में गैस बाटलिंग प्लांट
- एस. कुमार शूटिंग एवं सर्टिंग
- जामगोदरानी में और राजोदा में पवन संयंत्र, रैनबैक्सी कम्पनी।
- **मंदिर**- चामुण्डा देवी का मंदिर
- नोट छापने का कारखाना (5 ₹ से अधिक कीमत के नोट)
- पीपरी में अभ्यारण्य प्रस्तावित।
- I.S.O. प्रमाणित पहला थाना देवास।
- I.S.O. प्रमाणित पहला शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय देवास।
- देवास के बागली गांव से काली सिंध नदी निकलती है।
- बागली में ही हनुमान जी (20 फीट) का प्राचीन मंदिर।
- हॉट पीपल्या पूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी का गृह क्षेत्र।

शाजापुर जिला

- **जनसंख्या**- 1512353
- **क्षेत्रफल**- 6196 वर्ग किमी.
- राजस्थान से लगा पश्चिमी जिला।
- मक्सी तहसील में डाबर का संयंत्र।
- मोमन बड़ोदिया मेला
- मुल्ला शमशुद्दीन का मकबरा
- रावण की पूजा
- पूर्व नाम है- रवानकर खेड़ी
- सुजालपुर व कालापीपल को प्रसिद्ध अनाज मंडी।
- शाहजहां के नाम पर शाहजहांपुर हुआ फिर शाजापुर हुआ।
- बर्सी दरगाह यहीं पर है।
- बाल कृष्ण शर्मा 'नवीन' की जन्मस्थली।
- नलखंडा का प्रसिद्ध मंदिर।
- जामा मस्जिद का प्रारूप।
- चिलर नदी के तट पर किला।

आगर जिला

- नवनिर्मित 51वाँ जिला
- इसें 16 अगस्त 2013 को शाजापुर जिले से अलग कर बनाया गया
- तहसील- आगर, बड़ोद, सुसनेर व नलखेडा
- उपखण्ड- आगर, सुसनेर
- जनसंख्या 480 लाख, 52% पुरूष, 48% महिला।
- क्षेत्रफल (2785 वर्ग किमी.)
- साक्षरता (65%)
- कोटा- इन्दौर राज्य मार्ग-27 पर अवस्थित
- प्रथम गौ-अभ्यारण्य (देश का पहला गाय अभ्यारण्य) सुसेनर तहसील।
- दसवीं शताब्दी में परमार साम्राज्य की अवन्तिका के साथ राजधानी थी।
- मुगल काल में यह सबसे चर्चित पर्यटन स्थल था।
- मोती सागर (बड़ा तालाब), रत्न सागर (रातोडिया तालाब)
- काली सिंध नदी पर परसुखेड़ी बांध बना है।
- इस के अलावा पिपलिया कुमार व तिलार बांध बना है।
- बैजनाथ महादेव मन्दिर जिसे एक ब्रिटिश कालीन कर्नल की पत्नी ने अपने पति के अफगानिस्तान युद्ध में बचने पर बनवाया था।
- मंदिर-गुफा बारदा (तुलजा भवानी मंदिर), केवादा स्वामी (काल भैरव मंदिर) कमल कुड़ली, रणछोड़ मंदिर, रानी सती दादीजी का मन्दिर चिंताहरण गणेश मंदिर,
- आगर लाल मिट्टी के लिए प्रसिद्ध है।

इंदौर संभाग

जिले- इन्दौर, धार, झाबुआ, खरगौन, खण्डवा, बुरहानपुर, बडवानी, अलीराजपुर

इंदौर जिला

- **जनसंख्या**- 3272335
- **क्षेत्रफल**- 3898 वर्ग किमी.
- **उपनाम**- Mini Bombay, औद्योगिक राजधानी,
- **प्राचीन नाम:**- इंद्रपुर
- होल्कर वंश की राजधानी रहा।
- भारत में एक मात्र शहर जहां IIT और IIM दोनों है।
- मध्य प्रदेश का शेयर मार्केट केन्द्र है।
- इलेक्ट्रानिक्स काम्प्लेक्स।
- इंदौर एयरपोर्ट (D.A.B. एयरपोर्ट) को अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट को दर्जा दिया जा रहा है।
- डॉ. अम्बेडकर सोशल राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट महू में है।
- जेम्स एवं ज्वैलरी पार्क प्रस्तावित।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- रालामंडल अभ्यारण्य मध्य प्रदेश का सबसे छोटा अभ्यारण्य।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला।
- सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र।
- एशिया में प्रथम एवं विश्व में तीसरा लेसर अनुसंधान केन्द्र।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग।
- मध्य प्रदेश का प्रथम डेंटल कॉलेज है।
- मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी देवी अहिल्या बाई यूनिवर्सिटी।
- महु में सैनिक छावनी है।
- पशु चिकित्सालय कॉलेज इंदौर में।
- जाना पावा- (1) चम्बल नदी का उद्गम स्थल, (2) ऋषि जमदाग्नि और परशुराम की तपोभूमि,
- गोम्मटगिरी जैन प्रसिद्ध मंदिर है।
- यशवंत सागर- इंदौर शहर को जल प्रदान करने वाला एक मात्र स्त्रोत
- गौतमपुरा में हिंगोट मेला जिसमें सांडों की लड़ाई व मनुष्य अग्निबाण से लड़ाई करते हैं।
- सिरपुर शहर- इंदौर के इस तालाब को पक्षी बिहार घोषित
- क्षिप्रा नदी काकड़ीबाड़ी से निकलती है।
- देश का पहला सोयाबीन वायदा बाजार।
- राज्य का सबसे बड़ा शक्कर कारखाना - बरलाई (इन्दौर)
- दूरसंचार अभियांत्रिकी सैनिक कॉलेज - महू
- पैदल सेना स्कूल - महू
- राज्य सरकार द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान की स्थापना अंबेडकर की जन्मभूमि महू में की गई है।
- अम्बेडकर नगर महू का नया नाम।
- पोलोग्राउंड प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र हैं जहां प्रमुखत: रसायन एवं प्लास्टिक उद्योग हैं।
- कपड़ा उद्योग जिले का प्रमुख उद्योग हैं।

खरगौन (पश्चिमी निमाड़) जिला

- **जनसंख्या**- 1872413
- **क्षेत्रफल**- 8030 वर्ग किमी.
- **फसल:**- रंगीन सुनहरे कपास के उत्पादन में राज्य के चार जिलों में से एक।
- **मेला:**- सिंगाजी का मेला
- दोजल-देवदा- इस गांव में कुंडा नदी पर मिट्टी बांध, जिसकी सिंचाई क्षमता 8 हजार हेक्टेयर।
- प्रसिद्ध कसरावद स्तूप।
- मंडलेश्वर ऐतिहासिक स्थल तथा जल विद्युत परियोजना (नर्मदा नदी पर)।
- नर्मदा नदी का सबसे बड़ा घाट-महेश्वर।
- आहिल्या बाई होल्कर की राजधानी महेश्वर थी।
- **उन**-चन्देल परमार शैली के अनेक मंदिर
- CISF का प्रशिक्षण केन्द्र बड़वाह
- लक्ष्मीबाई का दूसरा नाम मनुकर्णिका था।
- महेश्वर की साड़ी प्रसिद्ध है।
- सिरवल महादेव- यहां पर शिव मंदिर है, रावण ने अपना सिर महादेव को अर्पित किया था।
- बकवा- नर्मदा के पत्थरों से निर्मित शिवलिंग यही पर है।
- रावरखेडी- मराठा पेशवा बाजीराव की समाधि
- सर्वाधिक हाइड्रेम जलपम्प खरगौन जिले में है
- कपास अनुसंधान केंद्र।
- देश का पहला मोबाईल बैंक।
- हाइडल पॉवर प्लांट।

खंडवा (पूर्व निमाड़) जिला

- **जनसंख्या**- 1309443
- **क्षेत्रफल**- 7349 वर्ग किमी.
- 1956 के पूर्व यह निमाड़ जिले के रूप में महाकौशल का हिस्सा था।
- खालवा नामक जगह से म.प्र. का पहला कोरकू जनजाति सामुदायिक रेडियो केन्द्र शुरू।
- गांजा उत्पादक जिला एवं राज्य का कपास जिला।
- 15 अगस्त 2003- बुरहानपुर से अलग।
- किशोर कुमार की समाधि है (जन्मस्थली), किशोर कुमार की स्मृति में गौरी कुंज का निर्माण कराया गया था।
- ओमकारेश्वर, 12 ज्योर्तिलिंग में से एक।
- छनेरा ग्राम (हरसूद) जो इंदिरा सागर परियोजना के डूब क्षेत्र में आ गया है।
- पुनासा ग्राम में इंदिरा सागर परियोजना स्थापित है, मानव निर्मित भारत की सबसे बड़ी झील।
- नागचुन बांध- खण्डवा को इसी से पानी मिलता हैं।
- माखनलाल चतुर्वेदी तथा सुभद्रा कुमारी चौहान की कर्मस्थली है।
- खंडवा क्षेत्र का आकार 'उ' आकार का है।
- राष्ट्रीय उद्यान प्रस्तावित- ओंकारेश्वर-माद्याता
- मंदिर- तुलजा भवानी मंदिर, धनी वाले (दादाजी दरबान),

बुरहानपुर - जिला

- **जनसंख्या**- 756993
- **क्षेत्रफल**- 3427 वर्ग किमी.
- 2003 में खण्डवा से पृथक होकर बना यह जिला महाराष्ट्र से सटा हुआ हैं एवं इसे दक्षिण प्रदेश का दरवाजा कहते हैं।
- नेपानगर में National News Paper Print कारखाना।
- नेपानगर में चांदनी तापविद्युत केन्द्र (17 MW) क्षमता सबसे कम उत्पादन।
- मध्य प्रदेश का पहला यूनानी चिकित्सा कॉलेज है।
- अहुखाना में मुमताज को पहले दफना दिया गया था, बाद में ताजमहल में।
- असीरगढ़ के किले को अकबर ने 1601 में जीता था। कमरगढ़, मलयगढ़, असीरगढ़ को 3 किलों का समूह कहा जाता हैं।
- असीरगढ़ में शाहजहां की प्रेमिका मोती बेगम की कब्र।
- खूनी भंडारा- बुरहानपुर की मुगल कालीन जल प्रदाय व्यवस्था।
- बुरहानपुर, खाकनार, नेपानगर 3 तहसील है।
- गांजा उत्पादन में शीर्ष जिला है।
- ये ताप्ती नदी में तट पर स्थित है।
- शेख बुरहानदीन द्वारा अपने नाम पर बसाया गया नगर
- प्रसिद्ध ऐतिहासिक- बीबी की मस्जिद, बादशाही किला, जामा मस्जिद, आदिल शाह का मकबरा
- राजा औरंगजेब ने जयसिंह की मृत्यु पर छतरी बनवायी।
- बुरहानपुर हथकरघा (हस्त) औद्योगिक केन्द्र।

बड़वानी जिला

- **जनसंख्या**- 13,85,659

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- **क्षेत्रफल**- 5422 वर्ग किमी.
- स्थापना- 25 मई 1998 से खरगौन से अलग
- सिसौदिया वंश की राजधानी रहा।
- चावल अनुसंधान केन्द्र।
- 52 फीट ऊंची आदिनाथ जी की मूर्ति (विश्व) को सबसे ऊंची
- अन्य नाम - बड़नगर, सिद्ध नगर
- 52 गजा जैन तीर्थ (11 मंदिरों का समूह)
- बीजासेन का प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर
- भंवरगढ़ का प्रसिद्ध किला।
- सेंधवा तहसील- महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित, मध्य प्रदेश की कपास (प्रसिद्ध) मंडी।
- सेंधवा मध्य प्रदेश को सर्वाधिक परिवहन राजस्व अर्जित करने वाला वेरियल।
- 2007-08 में 1 दिन का सर्वाधिक तापमान यहीं दर्ज किया।

धार जिला

- **जनसंख्या**- 21,84,672
- **क्षेत्रफल**- 8153 वर्ग किमी.
- सर्वाधिक विकास खण्ड वाला जिला।
- मांडू के महल, 56 महल, रूपमती महल
- हुशंगशाह का मकबरा, जहाजमहल, बाघ की गुफाऐं (गुप्तकालीन), हिण्डोला महल (ग्यासुद्दीन ने)
- पुरातात्विक-जनजातिय सांस्कृतिक म्यूजियम।
- धार परमार वंश की राजधानी थी।
- मांडु को 'सिटी ऑफ ज्वाय' कहते है।
- पीथमपुर (धार) को मध्य प्रदेश का डेट्रायट (ऑटोमोबाइल केन्द्र) कहते है। पीथमपुर में प्रदेश का पहला सेज (यूनिकेम कम्पनी का हैं) एव निर्यात संवर्धन पार्क है।
- राजा भोज निर्मित भोजशाला (सरस्वती का मंदिर)।
- सरदारपुर अभ्यारण्य (खरमौर का संरक्षण)।
- डायनासौर जीवाश्म पार्क (2007 में जीवाशम मिले)
- ज्ञानदूत परियोजना की यहीं से शुरूआत।
- भारत का पहला ऑटो टेस्टिंग ट्रेक।
- मोहनखेड़ा-प्रसिद्ध जैन तीर्थ 16 फीट की आदिनाथ की मूर्ति।
- चारा बनाने का संयंत्र।

झाबुआ जिला

- **जनसंख्या**- 1024091
- **क्षेत्रफल**- 3596 वर्ग किमी.
- गुजरात एवं राजस्थान की सीमा पर स्थित म.प्र. का पश्चिमी जिला।
- रेल रिपेयर फैक्ट्री।
- **फसल** - मक्का उत्पादन।
- भगोरिया हाट मेला
- सबसे ज्यादा अनुसूचित जनजाति वाला जिला।
- भील-भिलाला जनजातियों का घर।
- गोल गधेड़ों विवाह (भील जनजाति)।
- आदिवासी शोध संचार केन्द्र।
- मेघनगर में रॉक फास्फेट खनिज पाया जाता है। (सीमेंट चादरे बनाने हेतु)
- सुनार नदी के तट पर देवीझीरी नामक देव स्थल।
- जल ग्रहण मिशन में राज्य का शीर्ष जिला।

अलीराजपुर (चन्द्रशेखर आजाद) जिला

- **जनसंख्या**- 728677
- **क्षेत्रफल**- 3182 वर्ग किमी.
- **स्थापना**- 17 मई, 2008 झाबुआ से पृथक।
- राज्य का प्रथम आदिवासी खेल विद्यालय हैं।
- भगोरिया जनजाति के लिए प्रसिद्ध।
- जोबट मान परियोजना, नर्मदा के प्रवाह क्षेत्र में।
- मक्का उत्पादन
- न्यूनतम साक्षरता (37.68) वाला जिला
- खनिज - डोलोमाइट
- 3 तहसील- अलीराजपुर, भावरा (चंद्रशेखर आजाद की जन्मभूमि), जोवट
- कठ्ठीवाड़ा- कठ्ठीवाड़ा अभ्यारण प्रस्तावित, आम के लिए प्रसिद्ध, कठ्ठीवाडा झरना।

भोपाल संभाग

जिले- भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़

भोपाल जिला

- **जनसंख्या**- 2368145
- **क्षेत्रफल**- 2772 वर्ग किमी.
- स्थापना:- राजा भोज द्वारा बसाया गया भोजताल वर्तमान भोपाल है।
- 26 जनवरी, 1972 को भोपाल जिला बनाया गया (पहले यह सिहोर की तहसील थी)।
- प्रदेश का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व 854 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी
- 'झीलों का शहर' उपनाम से नामित जिला
- इसरो का उपग्रह केन्द्र भोपाल है।
- भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (IIFM), एशिया का पहला संस्थान
- उन्नत सांड प्रजनन केन्द्र-भदभदा।
- जनसंख्या वृद्धि दर में द्वितीय स्थान पर (प्रथम इंदौर)।
- सर्वाधिक महिला साक्षरता (76.6%)
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला भोपाल।
- इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय (1985)।
- पंडित कुंजीलाल विधि कॉलेज।
- पुलिस यातायात प्रशिक्षण केन्द्र।
- जेल अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान।
- एशिया की सबसे बड़ी जिला अदालत ।
- भारत भवन।
- इंदिरा गांधी विधान सभा भवन।
- पर्यावास भवन।
- गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल।
- **संग्रहालय**- दुष्यंत कुमार पांडुलिपि, प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, बिड़ला म्यूजियम, माधवराव सप्रे पत्रकारिता, राज्य संग्रहालय, दूर संचार संग्रहालय।
- **पर्यटन स्थल**- नवाब हसन सिद्दीकी का मकबरा, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, गौहर महल, ताजूल मस्जिद में (भारत की सर्वाधिक बैठक क्षमता वाली), सबसे छोटी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

मस्जिद (ढ़ाई सीढ़ी), आकार गुड़िया घर, इस्लाम नगर का किला, कमला पार्क बिड़ला मंदिर, मछली घर, सामसगढ़ (जैनतीर्थ),
- सारू, मारू की प्रसिद्ध गुफाऐं, बडोया खेडी का रामलला मंदिर।
- गुमुसुद्दीन शाह द्वारा निर्मित जामा मस्जिद।
- प्रथम राष्ट्रीय सैलिंग स्कूल 2006 में भोपाल की बड़ी झील में शुरू।
- भारत हैवी इलेक्ट्रिकल (BHEL-1960)की औद्योगिक ईकाई (ब्रिटेन के सहयोग से)
- मैदा मील
- रेलवे कोच फैक्ट्री, निशांतपुरा
- MCF (Master Facility Centre) 2007 में इसरो द्वारा उपग्रह नियंत्रण केन्द्र घोषित किया गया।
- HSADTL (हाई सेन्सटिव एनीमल डिजिज टेस्टिंग लेबोरिट्री) भारत की एकमात्र
- सीमैट(SIEMAT)-स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशनल मैनेजमेंट एण्ड ट्रेनिग सीमेंट की स्थापना दिसंबर 2009 भोपाल में हुई
- भोपाल स्थित मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम की स्थापना सन् 1965 में हुई थी।
- सोया बिस्कुट बनाने का कारखाना
- नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी भोपाल।
- साई (SAI) का क्षेत्रीय कार्यालय गोरागांव, भोपाल।
- मध्य प्रदेश का पहला पर्यावरण न्यायालय।
- एशबाग स्टेडियम भोपाल में है।
- भारत सरकार का केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान ।
- प्रथम टी.वी. स्टूडियो भोपाल।
- देश का प्रथम 'आपदा प्रबंधन संस्थान'- भोपाल में।
- सर्वाधिक हिन्दी विश्वविद्यालय वाला जिला- बरकतउल्ला वि.वि. भोपाल, माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, राजा भोज खुला विश्वविद्यालय, राजीव गॉधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय।
- दो समकक्ष विश्वविद्यालय- एम.ए.एन.आई.टी., सरोजिनी नायडू विश्वविद्यालय भोपाल

सीहोर जिला

- **जनसंख्या**- 1311008
- **क्षेत्रफल**- 6578 वर्ग किमी.
- पूर्वनाम सिद्वापुर।
- सकलन पुर मेला।
- बुहानी में रेलवे स्लीपर कारखाना।
- भोपाल शुगर मिल्स सीहोर
- मध्य प्रदेश का मंगल पॉडें- चैन सिंह
- नरसिंहगढ़ का युवराज -चैनसिंह
- **नदियाँ**- आस्टा तहसील से पार्वती नदी, कोलार नदी का उद्गम एवं कोलार जलाशय परियोजना
- देश का पहला आवासीय खेल विद्यालय।
- ट्रेक्टर प्रशिक्षण केन्द्र-बुधनी में है।
- सीहोर का पूर्व नाम सिद्धपुर (शिवान नदी के नाम पर)
- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुहानी से विधायक तथा सीहोर गृह जिला है।
- पान गुडारिया, बुधनी से अशोक के अभिलेख प्राप्त हुए।

विदिशा जिला

- **जनसंख्या**- 21458212
- **क्षेत्रफल**- 7371 वर्ग किमी.
- **प्राचीन नाम**- विदिशा का प्राचीन नाम भेलसा, महामालिस्तान या बेसनगर था।
- **पर्यटन स्थल**- उदयगिरि की गुफाऐं, जैन तीर्थकर शीतलनाथ की जन्मस्थली।
- उदयपुर का नीलकंठेश्वर मंदिर-परमार वंश का समकालीन, ग्यारसपुर का मालादेवी मंदिर।
- भागवत धर्म से संबंधित हेलियोडोरस का गरूड़ स्तंभ बेसनगर में हैं।
- **फसल**- विदिशा में चना अधिक होता है।
- वनस्पति घी उद्योग, प्लास्टिक पाइप उद्योग हेतु प्रसिद्ध।
- राजस्थान से प्राप्त सिरोज तहसील यही सम्मिलित हुई थी।
- सम्राट अशोक सागर (हलाली डेम) परियोजना
- सम्राट अशोक इंजीनियरिंग कॉलेज
- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान यही से पहले सांसद थे।
- अशोक की रानी महादेवी यहीं की थी।
- कुरवाई प्रसिद्ध मंडी है।

रायसेन जिला

- **जनसंख्या**- 1331699
- **क्षेत्रफल**- 8466 वर्ग किमी.।
- औद्योगिक महत्व का जिला।
- **मंड़ीद्वीप**- देश की पहली फाइबर ऑप्टिकल फैक्ट्री, म.प्र. का दूसरा प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र, दवा उद्योग हेतु प्रसिद्ध।
- हिन्दुस्तान इलेक्ट्रो ग्रेफाइट फैक्ट्री, एशिया में सबसे बड़ी फैक्ट्री।
- **नदी:**- रायसेन के कुम्हरा गांव से बेतवा नदी (380 किमी.) निकलती हैं।
- **अभ्यारण्य:**- रातापानी (टाइगर प्रोजेक्ट)
- मृगेन्द्रनाथ गुफा पाटनी प्रागैतिहासिक कालीन हैं।
- **विश्व धरोहर:**- सांची स्तूप (बौद्ध जगत की पवित्र नगरी), भीमबेटका (विश्व का सबसे बड़ा शैलाश्रय)
- विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग भोजपुर में है भाजपुर में मकर संक्रांति। शिवरात्रि एवं बसंत पंचमी पर मेला लगता है। इसे पूर्व का सोमनाथ कहते हैं।
- रायसेन जिले के कुचवाड़ा ग्राम में रजनीश (ओशो) का जन्म हुआ।
- कामखेडा- मुगलकालीन प्रशासनिक मुख्यालय।

सांची

- ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक स्थल।
- अशोक द्वारा निर्मित बौद्व स्तूप (भारत में सबसे बड़ा, मोगली पुत्र तिस्य की अस्थियों पर निर्मित)
- सांची स्तूप का प्रदक्षिणा पथ शुंग शासक ने बनाया।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- **सांची अभिलेख**- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के बारे में जानकारी।
- स्तंभ लेख (जातक कथाऐं उत्कीर्ण)।
- विशाल प्रवेश द्वार, एक बौद्ध, विहास, सतधार स्तूप।
- विशाल पाषाण पर निर्मित कटोरा (भिक्षुओं का भोजन इसीमें बनता था)।
- गुप्तकालीन मंदिर के भग्नावशेष।
- पुरातात्विक संग्रहालय

राजगढ़ जिला

- **जनसंख्या**- 1546541
- **क्षेत्रफल**- 6154 वर्ग किमी.
- नरसिंहगढ़ अभ्यारण्य।
- नरसिंहगढ़ का किला, रानी रूपमति का मकबरा, जाल्या माता मंदिर, धरैल पहाड़ी का पशुपतिनाथ मंदिर, खोयरी महादेव मंदिर, भामगढ़ का हनुमान मंदिर।
- गिन्नौरगढ़ किले के तोते प्रसिद्ध है।
- राजगढ़ देश का पहला ऐसा जिला है। जिसने पृथक मानव विकास प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। (बेरोजगार, शिक्षित आदि का ब्यौरा)
- व्यावरा में राष्ट्रीय राजमार्गों का चौराहा है।
- चिड़ी खो- इसे मालवा का कश्मीर कहते है, 1978 में बनी वन्य जीव अभ्यारण्य के मध्य झील।

होशंगाबाद संभाग (नर्मदा पुरम)
जिले- होशंगाबाद, हरदा, बैतूल

होशंगाबाद जिला

- **जनसंख्या**- 1240975
- **क्षेत्रफल**- 6703 वर्ग किमी.
- **स्थापना:**- नर्मदा नदी के तट पर स्थित जिसे हुशंगशाह गौरी (मांडू नरेश) ने बसाया था।
- **उद्योग:**- (1) सिक्युरिटी पेपर मिल, (2) स्टील संयंत्र डोलारिया में प्रस्तावित।
- **पर्यटन स्थल**- पचमढ़ी सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, पांडव गुफाऐं, तवा डेम, सेठानी घाट, सन सेट प्वाइन्ट, डचेस जलप्रपात, बोरा अभ्यारण्य।
- होशंगाबाद संभाग का नाम नर्मदापुरम कर दिया गया है।
- होशंगाबाद सबसे अधिक सिंचित जिला।
- भारत की दूसरी मदर दूध डेयरी (पहली लीलावती हॉस्पिटल मुम्बई)।
- मध्य प्रदेश हिलस्टेशन एकमात्र पचमढ़ी
- म.प्र. की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ पंचमढ़ी में हैं।
- मानव जीवाश्म नर्मदेनसिस इथनोरा से मिला हैं।
- जड़ी बूटी बैंक व जैव विविधता केन्द्र पंचमढ़ी में हैं।
- म.प्र. का सबसे बड़ा कृषि फार्म बाबई में हैं, बाबई ही माखनलाल चतुर्वेदी की जन्म स्थली हैं।
- इटारसी में आयुध डिपो।
- इटारसी मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन।
- मध्य प्रदेश का पहला जैव आरक्षित मंडल पंचमढ़ी।
- प्रसिद्ध तवा कोयला क्षेत्र।
- बुल्फ्राम खनिज (टंगस्टन का स्त्रोत) के लिए प्रसिद्ध- अगरिया।
- एम.पी. एग्रो मोरार जी खाद कारखाना- रेसलपुर।
- सबसे लम्बा नदी पुल मध्य प्रदेश का तवा नदी पर।
- सिविल न्यायालय ऑन लाइन होने वाला पहला जिला।
- आर्मी एजुकेशन कोर पंचमढ़ी में है।
- मेला- रामजी बाबा का मेला।
- नव-पाषाणकालीन स्थल आदमगढ़ यहीं पर है।
- होशंगाबाद का गेहूं में प्रतिहेक्टेयर उत्पादन में देश में पहला स्थान है।
- राज्य की दूसरी खुली जेल 2010 में स्थापित

हर्दा जिला (हरदा)

- **जनसंख्या**- 570302
- **क्षेत्रफल**- 3334 वर्ग किमी.
- **स्थापना:**- हरदा, खिरकिया, टिमसी तहसील को मिलाकर 1998 में जिला बनाया गया।
- कान्हा बाबा का मेला (शोडलपुर),नेमाव तीर्थ (तर्मदा तट पर)।
- **अभ्यारण्य:**- बोरी अभ्यारण्य
- जनसंख्या की दृष्टि से छोटा जिला मध्य प्रदेश का।
- सर्वाधिक औसत जोत वाला जिला।
- हण्डिया-ब्रिटिश कालीन प्रशासकीय क्षेत्र।
- लोकमान्य तिलक ने एक बार, महात्मा गांधी ने चार बार हरदा की यात्रा की थी।
- हरदा के प्रोफेसर महेश दत्त मिश्र ने गांधी जी के अभिन्न सहयोगी थे।
- 15 अगस्त 1947 को बेराठा जी ने हरदा पुलिस स्टेशन पर तिरंगा फहराया था।

बैतूल-जिला

- **जनसंख्या**- 1575247
- **क्षेत्रफल**- 10043 वर्ग किमी.
- भारत का मध्य बिन्दु, पिछडा हुआ क्षेत्र जो वनाच्छादित हैं।
- बैतूल में कोरकू जनजाति पायी जाती है।
- बैतूल में ग्रेफाइट पाया जाता है।
- कुकरू में कॉफी पैदा होती हैं।
- **नदी**- ताप्ती नदी बैतूल जिले के मुल्ताई से निकलती है। (724 Km)
- **अभ्यारण्य:**- कालीभीत अभ्यारण्य में भालुओं का संरक्षण किया जाता है।
- **मंदिर:**- (1) मठारदेव (सारणी), (2) बालाजी मंदिर (बैतूल)
- सारणी ताप विद्युत केन्द्र है।
- आमला में वायु सेना की सैनिक छावनी है।
- मुक्तागिरि जैन तीर्थ स्थल है, यहां जैन धर्म के 56 मंदिर है।
- कोरकू जनजाति में सडोली प्रथा व चटकोरा नृत्य प्रसिद्ध है।
- प्रदेश की संतरा मण्डी- मुल्ताई।
- पशु बाजार के लिए प्रसिद्ध- बिरूल।
- वनरक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय।
- सालबरडी नामक ठण्डे गर्म पानी का श्रोत एवं शिव गुफा।
- भोपाली का मेला।
- भैंसदेही नामक बांस की बड़ी मण्डी।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

जबलपुर संभाग

जिले- जबलपुर, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मण्डला, छिंदवाड़ा, क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग हैं।

जबलपुर जिला

- **जनसंख्या**- 2460714
- **क्षेत्रफल** - 5210 वर्ग किमी.
- **पर्यटन स्थल:**- मदन महल (1116 में), चौसंठ योगिनी का मंदिर, पिसनहारी की मढ़िया, पीजनहरि जैन तीर्थ, माला देवी मंदिर
- भेड़ाघाट धुआंधार जलप्रपात व सफेद संगमरमर हेतु प्रसिद्ध।
- धुआधार जलप्रपात एकमात्र जलप्रपात है जो संगमरमर की चट्टानो से बना है।
- भारी वाहन कारखाना।
- गन कैरेज एवं आर्डीनेन्स फैक्ट्री (खमरिया)।
- मध्य प्रदेश का मानक समय जबलपुर से लिया जाता है।
- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की स्थापना 1956 में जबलपुर में हुई थी। इसे न्यायिक राजधानी भी कहते है।
- रानी दुर्गावर्ती यूनिवर्सिटी तथा महर्षि वैदिक यूनिवर्सिटी।
- देश का पहला रत्न परिष्कृत केन्द्र हैं।
- महात्मा गॉधी सामुदायिक विकास प्रशिक्षण केन्द्र।
- पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ वर्कशाप हैं।
- मध्य प्रदेश का प्रथम कृषि विश्वविद्यालय-1964(जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय)है।
- त्रिपुरी ऐतिहासिक नगरी है, जो कल्चुरियों की राजधानी थी तथा 1939 में कांग्रेस अधिवेशन हुआ था।
- तिगवा नामक गांव में त्रिपुर सुन्दरी देवी मां का प्रसिद्ध मंदिर हैं।
- रूपनाथ में अशोक का अभिलेख मिला है।
- जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा बड़ा जिला है।
- म.प्र. का सबसे साक्षर जिला (2011) 82.5 प्रतिशत
- महिला N.C.C. प्रशिक्षण कॉलेज
- भारतीय वन अनुसंधान संस्थान एवं ट्रेनिंग सेन्टर क्षेत्रीय कार्यक्रम।
- देश का प्रथम पुनर्वास विकलांग केन्द्र है।
- मध्य में यह गोंडवाना क्षेत्र का मध्य बिन्दु था।
- इसे महाकौशल क्षेत्र के नाम से भी जाना जाता।
- तिलवाड़ा घाट पर महात्मा गांधी की (नर्मदा) अस्थियां प्रवाहित की गई थी।
- 1939 में त्रिपुरी कांग्रेस अधिवेशन हुआ था।
- तिगवा में गुप्तकालीन विष्णु मंदिर , बरेला में दुर्गावती समाधि है।
- वर्गी गांव में रानी अवंती बाई बांध नर्मदा नदी पर।
- मध्य प्रदेश का द्वितीय पशु चिकित्सा महाविद्यालय।
- थल सेना का शस्त्र स्कूल - जबलपुर
- पश्चिम मध्य रेलवे मुख्यालय- जबलपुर, जिसकी स्थापना 1 अप्रैल 2003 को की गई।
- लकड़ी चीरने का मुख्य केंद्र जबलपुर है।
- मध्य प्रदेश राज्य का एकमात्र कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर में है।
- बीड़ी उद्योग का महत्वपूर्ण केंद्र जबलपुर है।
- जबलपुर **आम्र जिला** घोषित।
- प्रदेश की संस्कार राजधानी कहा जाता हैं।
- सुभद्रा कुमारी चौहान समारोह जबलपुर में आयोजित होता हैं।
- गंगऊ, दुर्गावती अभ्यारण्य।
- सर्वाधिक पुरूष साक्षरता वाला जिला (91.40 प्रतिशत)
- जनसंख्या घनत्व 472 व्यक्ति/वर्ग किमी.

कटनी जिला

- **जनसंख्या**- 1291684
- **क्षेत्रफल**- 4950 वर्ग किमी.
- **स्थापना:**- 1998 में जबलपुर से अलग हुआ।
- **उपनाम**- चूना नगरी, मारबल नगरी
- यहां का रेलवे जंक्शन मुंडवारा के नाम से प्रसिद्ध हैं।
- A.C.C. सीमेण्ट फैक्ट्री कैमूर में हैं।
- ओर्डिनेन्स फैक्ट्री
- सहकारी क्षेत्र का कीटनाशक दवाई बनाने का संयंत्र कटनी में स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश में चूने का सर्वाधिक उत्पादन कटनी में होता है।
- **नदी:**- केन नदी
- देश की पहली किन्नर महापौर (कमला जान) यहीं की थी।
- कर्नल स्लीमन (ठगी प्रथा का उन्मूलन करने वाले) के नाम पर स्लीमनाबाद नगर कटनी जिले है।
- बहूरीवन - प्रसिद्ध धार्मिक एवं पुरातात्विक स्थल ।
- शांतिनाथ की 12 फीट ऊंची जैनतीर्थ की मूर्ति
- **बिलहारी** (पुष्पावटी नगर) दीवान ए अकबरी में (अबुल फजल) बखान है।
- **रूपनाथ**- मौर्य कालीन स्थल, पाली भाषा में अशोक का अभिलेख, पांच लिंगी शिवप्रतिमा तथा तीन पवित्र कुण्ड- रामकुण्ड, सीताकुण्ड, लक्ष्मण कुण्ड
- **टीगवन**- यहां पर ओरछा वीर आल्हा ऊदल ने माधवगढ़ के विरूद्ध लडाई लडी थी, गुप्तकालीन ब्राम्ही लिपि का अभिलेख।
- **झीनझरी**- रंगीन चित्रित 14 विशाल चट्टाने (प्रागेतिहासिक स्थल)

सिवनी जिला

- **जनसंख्या**- 1378876
- **क्षेत्रफल**- 8758 वर्ग किमी.
- समुद्री घोडे की आकृति वाला।
- सिवनी को मध्य प्रदेश का लखनऊ कहा जाता है।
- मेरोथान का मेला लगता है।
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान में मौगली लेण्ड बनाया गया है, इसका नाम प्रियदर्शनी पार्क हैं।
- कालीमूंछ का चावल एवं मावा वाटी के लिए लखनादौन प्रसिद्ध है।
- **नदी:**- बेनगंगा नदी (मुंद्रा से उद्गमित)
- भीमगढ़ बांध सिवनी जिले में है। बेनगंगा पर एशिया का सबसे बड़ा कीचड़ (मिट्टी) बांध।
- सिवनी से NH-7 गुजरता है।
- सिवनी का नामकरण बहुतायत में उपलब्ध सिओना नाम के वृक्ष पर पड़ा, इस वृक्ष की लकड़ी से ढ़ोलक बनती है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- सहकारी क्षेत्र का सबसे बड़ा सोयाबीन कारखाना।
- प्रथम पीपीपी आधारित मेडिकल कॉलेज सिवनी में प्रस्तावित।

बालाघाट जिला

- **जनसंख्या**- 1701156
- **क्षेत्रफल**- 9229 वर्ग किमी.
- छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के साथ म.प्र. की सीमा बनाता हैं।
- पहले यह जिला शिकारियों का स्वर्ग के नाम से प्रसिद्ध था।
- बालाघाट का स्थानीय नाम बुरहा या बुरा था।
- नेहलेसरा बांध चंदन नदी पर निर्मित हैं तथा इसके निकट अम्मा माई का प्रसिद्ध मंदिर हैं।
- लामटा- यहां धूति बांध वेनगंगा नदी पर निर्मित हैं।
- बालाघाट को मैगनीज की नगरी कहा जाता है।
- बालाघाट धान उत्पादक शीर्ष जिला है।
- बालाघाट नक्सल प्रभावित जिला है।
- बालाघाट में बैगा जनजाति पायी जाती हैं।
- **भरवेली**- एशिया की सबसे बड़ी भूमिगत मैगनीज खान।
- बालाघाट में बांस सर्वाधिक होता है।
- मध्य प्रदेश का सर्वाधिक लिंगानुपात (1000: 1021) वाला जिला।
- मलाजखंड तहसील (तांबा नगरी) से तांबा निकलता है।
- फॉरेस्ट कॉलेज बालाघाट मे है।
- गांगुल पारा जल प्रपात।
- हिन्दुस्तान कॉपर प्रोजेक्ट- मलाजखण्ड (बालाघाट)।
- मिराजपुर व उकवा में मैग्नीज की खदान हैं।
- वेनगंगा, बागदेव नदियां
- लांजी का प्रसिद्ध किला जिसे कलचुरि वंश के शासकों ने बनवाया।
- कल्चुरि कालीन मंदिर।
- रामपायली नामक ऐतिहासिक स्थल चन्दन नदी के तट पर स्थित हैं।
- हठ्ठा नामक ऐतिहासिक स्थल जो वावड़ी व मन्दिर के लिए प्रसिद्ध हैं तथा यहां पर ब्रिटिश कालीन शक्तिशाली जमोदरी थी।

मंडला-जिला

- **जनसंख्या**- 1053522
- **क्षेत्रफल**- 5800 वर्ग किमी.
- **लिंगानुपात**- 1000-1009, दूसरे स्थान।
- 25 मई, 1998 में डिण्डोरी को पृथक, जिला बनाया गया।
- यह एक आदिवासी जिला हैं।
- दो राष्ट्रीय उद्यानो वाला एकमात्र जिला।
- चुटका में परमाणु विद्युत गृह प्रस्तावित हैं।
- स्वतंत्रता सेनानी अवन्तिबाई यहीं की थी।
- बैगाचक क्षेत्र यही हैं।
- **निवास**- यहॉ फासिल्स उद्यान (कुछ भाग डिण्डोरी) हैं, जो कि प्रदेश का सबसे छोटा (270 वर्ग मीटर) राष्ट्रीय उद्यान हैं। (भुगुवा पार्क)
- फेन अभ्यारण्य।
- **कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान**- यह हालोघाटी (मण्डला) में स्थित हैं तथा उद्यान का कुछ हिस्सा बंजर घाटी (बालाघाट) में हैं। यह एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान हैं, जहां हवाई पट्टी हैं।
- मोतीलाल, बघेलिन महल है।
- क्षेत्रफल के आधार पर म.प्र. की सबसे बड़ी तहसील।
- नर्मदा नदी से घिरा हुआ हैं तथा इसे नदियों का द्वीप कहा जाता हैं।
- मंडला जिले की रामनगर तहसील पहले गौंड राजाओं की राजधानी थी।
- प्रसिद्ध शनि मंदिर

नरसिंहपुर-जिला

- **क्षेत्रफल**- 5133 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 1092141
- राज्य का मध्यवर्ती जिला।
- **मेला**- बरमान मेला
- **पर्यटन स्थल**- डमरूघाटी (विशाल शिवलिंग के भीतर लघुशिवलिंग), नरसिंहपुर का किला, बरमान घाट।
- **फसल**- सोयाबीन, गन्ना
- मध्य प्रदेश का केन्द्र बिन्दु।
- जाट सरदार द्वारा नरसिंह भगवान का विशाल मंदिर बनवाया गया था।
- अरहर उत्पादन में प्रथम जिला।
- **वरहाटा**- महाभारत कालीन विराट नगरीं।
- **बल्थारी**- यहां पर भीमकुण्ड और अर्जुन कुण्ड़ हैं, पाण्डव ने यहीं पर सतधारा निकाली थी तथा राजाबली की स्थली एवं बल्थारी के निकट ही सांकल घाट पर शंकराचार्य जी ने ध्यान किया था।
- **बोहानी**- आल्हा-ऊदल के पिता जसराज और चाचा बछराज 12वीं शताब्दी में यहीं के राजा थे।
- **बाछी**- कीचक की विशाल मूर्ति।
- **चौरागढ़**- गौंड राजा संग्राम शाह द्वारा निर्मित भव्य किला।
- **जोटेश्वर**- परमहंसी गंगा आश्रम, जोटेश्वर, लोधेश्वर शिवमंदिर, हनुमान टेकरी, पारे के शिवलिंग।
- **ब्रहमाण्ड घाट (मणिसागर)**- नर्मदा तट पर उपस्थित, ब्रहमा जी की यज्ञशाला, रानी दुर्गावती मंदिर, हाथी दरवाजा, वराह मूर्ति।
- हिन्दी भाषी क्षेत्र में नरसिंहपुर जिला भारत का पहला पूर्णत: साक्षर जिला होने का गौरव सन् 1992 में प्राप्त कर चुका है।

छिंदवाड़ा जिला

- **जनसंख्या**- 2090306
- **क्षेत्रफल**- 11815 वर्ग किमी.
- म.प्र. का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला।
- म.प्र. के कुल क्षेत्रफल का 3.85 प्रतिशत।
- छिन्दवाड़ा का नाम छिन्दवृक्ष (पाम) की बहुतायत थी साथ ही सिंह की बहुतायत के कारण छिन्दवाडा (सिंह द्वार से छिन्दवाडा) पड़ा।
- छिन्दवाडा पर प्राचीनकाल में राष्ट्रकूटों का शासन था जिनको राजधानी नीलकंट (छिन्दवाडा में) थी।
- सर्वाधिक शक्तिमान राजा भक्त बुलंद ने मुस्लिम धर्म अपनाया था।
- अंग्रेजों के पूर्व भोंसले रघुजी तृतीय के नागपुर राज्य का हिस्सा था।
- बादलकोई अदिवासी म्यूजियम (1954 में स्थापित) इसमें म.प्र. की सभी जनजातियों से संबंधित तथ्यों को प्रदर्शित किया गया हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- आदिवासी कला संग्राहलय छिन्दवाडा में हैं।
- एग्रो काम्पलेक्स की स्थापना (राज्य द्वारा)।
- टेक्सटाइल पार्क की घोषणा (केंन्द्र द्वारा)
- रेयान इण्डस्ट्रीज (वस्त्र उद्योग)।
- हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड का कारखाना।
- पेंच राष्ट्रीय उद्यान का कुछ भाग इसी जिले में हैं।
- यहां कोरकू जनजाति भी पाई जाती हैं।
- कोयला, ताबां, मैग्नीज का उत्पादन होता हैं।
- **लिलाही** गांव के समीप कान्हन नदी पर निर्मित सुन्दर जलप्रपात हैं।
- **देवगढ**- गोंड राजाओं की राजधानी का (मध्ययुग),प्रसिद्ध किले के अवशेष।
- **कुकड़ी खापा**-तिल्वेनी पर्वत श्रेणी पर स्थित 60 फीट ऊंचा जलप्रपात।
- **अनहोनी**- सल्फर युक्त गर्म पहाड़ी झरना।
- **कपुर्धा**-कल्याणी देवी का प्रसिद्ध मंदिर

पातालकोट

- तामिया तहसील में स्थित सुदुर वन क्षेत्र।
- भारिया जनजाति का घर।
- घाटी का 1500 फीट नीचला क्षेत्र।
- माना जाता हैं कि यहां से एक सुरंग पचमढ़ी तक जाती हैं।
- भारिया के साथ गोंडों का भी निवास हैं।
- पातालकोट विकास प्राधिकरण का मुख्यालय।

नगरवाड़ी

- अनेक गुफाएं मौजूद।
- एक विशाल गुफा में तो हजारों व्यक्ति आ सकते हैं।

पांढुर्ना

- गोटमार मेले के लिये विश्व प्रसिद्ध, मेला प्रतिवर्ष (भाद्रपक्ष शुक्ल) जाम नदी तट पर आयोजित।
- सवरगांव और पांढुर्ना के लोग पत्थर (गोट) फेंकते हैं।
- मेला मां दुर्गाजी को समर्पित।

शहडोल संभाग

जिले- शहडोल, उमरिया, डिण्डोरी, अनूपपुर

शहडोल जिला

- **जनसंख्या**- 1064989
- **क्षेत्रफल**- 6205 वर्ग किमी.
- **अभ्यारण्य:**- सोन नदी पर सोन घड़ियाल अभ्यारण्य सीधी एवं शहडोल सीमा पर है।
- अमरकंटक ताप विद्युत केन्द्र (300 mw)।
- ओरियंट पेपर मिल अमलई में है।
- शहडोल में दूरदर्शन, आकाशवाणी व DTI केन्द्र हैं
- सोहागपुर कोयला क्षेत्र प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र व गुणवत्ता में एशिया कां।
- देश की पहली किन्नर विधायक शबनम मौसी सोहागपुर से निर्वाचित हुई थी।
- बाण सागर परियोजना देवलोद नामक स्थान पर है।
- शहडोल में प्राचीन प्रसिद्ध बूढ़ी देवी माता-मंदिर।
- अंतरा में कंकाली देवी मंदिर में प्रसिद्ध नवरात्रि मेला लगता हैं।
- **बाण गंगा:**- बटेश्वर मंदिर (कल्चुरी शासक युवराज देव द्वारा निर्मित)

डिण्डोरी जिला

- **जनसंख्या**- 704218
- **स्थापना:**- 1998 से मंडला में से पृथक कर दिया गया था।
- न्यूनतम सिंचित जिला।
- छत्तीसगढ़ राज्य से सटा हुआ पूर्वी जिला।
- जगतपुर इको टूरिज्म, जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान, लोकनृत्य सुआ, करमा, रीना, बिल्मा।
- प्रदेश में सबसे कम जनसंख्या घनत्व (94 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.) वाला जिला है।
- लिंगानुपात में चौथा स्थान है।(1000;1004)
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत वाला जिला।
- बैगा एवं गोण्ड जनजाति पाई जाती है।
- सरई पिपरीया- इसका अधिकांश क्षेत्र राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान के अंतर्गत हैं।

अनूपपुर जिला

- **क्षेत्रफल**- 3747 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 749521
- **साक्षरता**- 69.1 प्रतिशत
- **स्थापना:**- 15 अगस्त 2003 को शहडोल से अलग हुआ।
- **पर्यटन स्थल:**- माई की बगिया, माई का हाथी, सोनमुड़ा, नवग्रह मंदिर, कबीर चौरा, जलेश्वर महादेव मंदिर, आदिनाथ मंदिर, भृगु ऋषि की गुफा।
- कपिल धारा जलप्रपात एवं दूधधारा जलप्रपात
- **प्रमुख खनिज**- कोयला, बॉक्साइट (अमरकंटक), फायरक्ले (पुष्पराजगढ़)
- **कोतमा**- कोल माइन्स के लिए प्रसिद्ध हैं।
- **बेंकट नगर**- बीडी उद्योग के लिए प्रसिद्ध।

अमरकंटक

- मैकाल श्रेणी पर उपस्थित एक हिल स्टेशन।
- **नदियाँ**- अमरकंटक से तीन नदियां निकलती है- नर्मदा, सोन, जोहिला
- शम्भुधारा एवं दुर्गाधारा नर्मदा नदी की दो जलधाराऐं हैं जो अमरकंटक की पहाडियों में हैं।
- **खनिज**- बॉक्साइट (अमरकंटक)
- चचाई थर्मल पॉवर स्टेशन
- इन्दिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक
- ग्रामीण पंचायत प्रशिक्षण केन्द्र।
- अमरकंटक को पवित्र नगर घोषित किया गया है।
- नर्मदा मंदिर- अमरकंटक की पहाड़ी पर स्थित इस मंदिर को नागपुर के भोसले राजाओं द्वारा निर्मित हैं जबकि रीवा के बघेल राजा गुलाब सिंह द्वारा परिक्रमा स्थल निर्मित हैं। यह 20 मंदिरों का समूह हैं। इसमें महेन्द्रनाथ और पातालेश्वर मंदिर कल्चुरी शासकों द्वारा निर्मित हैं।
- जैन धर्म का महाकुम्भ अमरकंटक में आयोजित किया गया था, यहां पर आदि नाथ जैन तीर्थंकर की सबसे बड़ी अष्ठधातु की प्रतिमा लगाई गई है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

उमरिया जिला

- **जनसंख्या**- 643579
- **क्षेत्रफल**- 4076 वर्ग किमी.
- **साक्षरता**- 67.3 प्रतिशत
- स्थापना:- 1998 में शहडोल से प्रथक
- हर्रा से भिलाला निकाला जाता हैं।
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान।
- लाख से चपड़ी बनाने का शासकीय कारखाना।
- बांधवगढ़ का किला बघेल वंश के शासक विक्रमादित्य ने 14वीं शताब्दी में बनवाया था।
- बांधवगढ़ के किले में शेषशाही तालाब और विष्णु मंदिर है।
- पानपठा नामक कोयला क्षेत्र।
- जोहिला कोयला घाटी।
- ताला नामक प्रागैतिहासिक स्थल।

रीवा संभाग

जिले- रीवा, सीधी, सतना, सिंगरौली

रीवा जिला

- **क्षेत्रफल**- 6314 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 19,73,306
- उत्तर प्रदेश से सटा हुआ जिला।
- **उपनाम:**- सफेद शेरों की भूमि व विंध्य प्रदेश की राजधानी
- **खनिज:**- जिप्सम, चूना पत्थर, हरसौंठ, बॉक्साइट, डोलोमाइट, गेरू
- **जलप्रपात:**- बीहड़ नदी पर- (1) चचाई जलप्रपात, (2) केवटी, (3) बहूटी
- **उद्योग:**- (1) सीमेंट उद्योग, (2) कत्था उद्योग
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला हैं।
- सुपाड़ी के खिलौने बनते हैं।
- महामृत्युंजय का मेला।
- प्रदेश का एक मात्र सैनिक स्कूल
- अवधेश प्रताप सिंह यूनिवर्सिटी।
- आम अनुसंधान केन्द्र, गोविन्द गढ़ में है।
- टोंस जल विद्युत (315 मेगवाट) सिरमौर में है।
- बाण सागर परियोजना का मुख्यालय रीवा में है।
- रीवा का पूर्व नाम 'भया' था।
- यहां के राजा रामचन्द्र के दरबार में तन्ना मिश्र (तानसेन) था, जिसे अकबर ने प्राप्त किया।
- रीवा के अंतिम राजा भारतंद्र सिंह कई बार यहां से सांसद चुने गये।
- 1950 में विंध्य प्रदेश से अलग होकर रीवा बना।
- पुलिस मोर्च्स वर्क शॉप रीवा में है।
- पुलिस वाहन प्रशिक्षण केन्द्र रीवा में है।
- अलसी के उत्पादन में रीवा जिला अव्वल है। अलसी राज्य के रीवा, सतना, होशंगाबाद व मुरैना आदि जिलों में भी उत्पादित की जाती है।

सीधी जिला

- **क्षेत्रफल** - 4851 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 9,10,000
- संजय गाधी राष्ट्रीय उद्यान जो 2007 में प्रोजेक्ट टाइगर भी बना।
- सोन अभ्यारण्य- सोन नदी पर घडियाल अभ्यारण्य हैं।
- छत्तीसगढ़ से लगा हुआ है।
- सीधी की भूमि को कोयला एवं चावल की भूमि कहते है।
- चुरहट पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह का गृहक्षेत्र था।
- बगदरा और डूंबरी यहां की प्रसिद्ध कोयला खदाने है।
- सहरिया जनजाति वाला जिला।

सिंगरौली जिला

- **क्षेत्रफल**- 5675 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 920169
- स्थापना:- 24 मई 2008 सीधी से अलग (सर्वाधिक पूर्वी जिला)
- सिंगरौली का जिला मुख्यालय बैढ़न है, जिसे राज्य की ऊर्जा राजधानी भी कहा जाता हैं।
- विध्यांचल ताप विद्युत ताप केन्द्र बैढ़न की 2260 मेगावाट (210×6, 400×2 मेगावाट) उत्पादन क्षमता हैं।
- सीधी जिले के कुछ हिस्से को अलग करके सिंगरौली जिले का निर्माण किया गया हैं। इसमें तीन तहसीलें हैं- सिंगरौली, देवसर और चितरंगी।
- जिले की पूर्व से पश्चिम दिशा की ओर लम्बाई अलगभग 70 किलोमीटर तथा उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर 100 किलोमीटर हैं।
- इसकी सीमा छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले और उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से लगती हैं।
- Northern Coalfied के अंतर्गत 9 खदानें संचालित है।
- NTPC का 4000 MW का शक्ति संयंत्र स्थापित है।
- सिंगरौली में प्रागैतिहासिक भित्ती चित्र युक्त गुफा **मारा** स्थित।
- सर्वाधिक कोयला राजस्व सिंगरौली से प्राप्त होता है।
- NMDC 1963 से उत्खन्न कर रही है।
- ST/SC के लिए विशेष न्यायालय।
- $82\frac{1^0}{2}$ देशान्तर रेखा यहॉ से गुजरती है।

सतना जिला

- **जनसंख्या**- 22, 28, 619
- **क्षेत्रफल**- 7502 वर्ग किमी.
- **उद्योग**- सीमेण्ट उद्योग (जे. पी. सीमेण्ट) एवं बीडी उद्योग
- चित्रकूट में गधा मेला लगता है।
- **मंदिर**-मैहर में शारदा देवी का मंदिर, भूमरा एवं खोह में गुप्तकालीन मंदिर।
- **खनिज**- चूना, गेरू में शीर्ष उत्पादन जिला
- **नदियां**- यहां मंदाकिनी एवं गुप्त गोदावरी नदी है, चित्रकूट जलप्रपात मंदाकिनी नदी पर हैं।
- स्फटिक जिला चित्रकूट में राम के पद चिन्ह हैं।
- सती अनसुइया व अन्नि कृषि का आश्रम है।
- भरहूत स्तूप की खोज अलेक्जेंडर कानिंघम ने की।
- चित्रकुट में ब्रम्हा, विष्णु, महेश ने बाल अवतार लिया था।
- चित्रकुट को पवित्र नगर घोषित।
- राम वन (तुलसी संग्रहालय)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- चित्रकूट में महात्मा गांधी ग्रामोदय विश्वविद्यालय है जिसके संस्थापक नानाजी देशमुख है
- विकलांग विश्वविद्यालय चित्रकूट में है।
- उस्ताद अलाउद्दीन खां की कर्मस्थली मैहर में ही है।
- अलाउद्दीन खां की संगीत अकादमी मैहर में ही है।

सागर-संभाग

जिले- सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़

सागर जिला

- **जनसंख्या**- 23,78,295
- **क्षेत्रफल**- 10,252 वर्ग किमी.
- सात जिलों से घिरा हुआ जिला।
- **मेला:**- सागर में धमोनी उर्स लगता है।
- **अभ्यारण्य**- नौरादेही।
- **यूनिवर्सिटी**- स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी, हरि सिंह गौर यूनिवर्सिटी (प्रदेश की सबसे पुरानी यूनिवर्सिटी (1946) एवं राज्य की प्रथम केन्द्रीय यूनिवर्सिटी, प्रदेश का वनस्पति विज्ञान का सबसे बड़ा उद्यान इसी यूनिवर्सिटी में हैं।)
- जवाहर लाल नेहरू राज्य पुलिस अकादमी
- महार रेजीमेंट का मुख्यालय।
- बीना तहसील के आगासोद में ओमान के सहयोग से रिफाइनरी लगाई गई है।
- स्टील कॉम्पलेक्स-सागर।
- फोरेसिंक साइंस लैब-सागर
- एरण (सागर) में सती प्रथा का प्रथम अभिलेख मिला एवं समुद्र गुप्त का स्वभोग नगर।
- मंगलगिरी जैन तीर्थ स्थल।
- राहतगढ़ तथा गढ़कोटा का किला।
- कीटनाशक बोने का संयंत्र बीना (सागर) में स्थापित ।
- गेहूं अनुसंधान केंद्र।
- स्वान योजना जुलाई 2009 में सागर जिले में शुरू हुई थी।
- बुदेलखंड विकास प्राधिकरण का मुख्यालय।

छतरपुर जिला

- **उपनाम:**- चंदेल शासकों की राजधानी होने के कारण छतरपुर को 'जेजाक भुक्ति' कहा जाता था।
- **मेला**- जल बिहारी का मेला
- **पर्यटन स्थल**- खजुराहों, धुबेला संग्रहालय एवं मंदिर समूह के लिए प्रसिद्ध-नौगॉव,पाण्डव प्रपात, रंगभ झील बेनीसागर बांध, केन- बेतवा सम्पर्क के तहत दोहन बांध निर्माणाधीन है।
- खनिज- पायरोफाइट, डाइस्फोर, ओकार छुई मिट्टी।
- छतरपुर में हीरे के भण्डार ज्ञात हुए है।

खजुराहों

- यूनेस्को के द्वारा मध्य प्रदेश के खजुराहों के मंदिरों को विश्व धरोहर (प्रथम) घोषित किया गया था।
- चंदेल कालीन (11वीं शताब्दी) अनेक मन्दिरों का समूह जिनमें कन्दरिया महादेव, चौंसठ योगिनी मंदिर, चित्रगुप्त मंदिर, विश्वनाथ मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, आदिनाथ मंदिर, चतुर्भुज मंदिर प्रमुख हैं।
- आदिवासी कला संग्रहालय-खजुराहों में

टीकमगढ़ जिला

- **जनसंख्या**- 14,44,920
- **क्षेत्रफल**- 5048 वर्ग किमी.
- तालाब और पर्वतों का जिला।
- बुदेलों की शौर्य भूमि, लोक कवियों (इसूरी, जगनिक, घाघ) की भूमि।
- **दर्शनीय स्थल**- बेतवा के किनारे बुंदेला वंश की राजधानी ओरछा में शहीद स्मारक एवं राम-राजा का प्रसिद्ध मंदिर, जटाशंकर तीर्थ, वृद्धकिला, कुकेडश्वर मंदिर जहां शिवलिंग का आकार प्रतिवर्ष बढ़ता हैं, पायोराजी जैन तीर्थ।
- मध्य प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री उमा भारती टीकमगढ़ जिले की है।
- हरदौल मेला मनौती यही मांगी जाती है।
- कवि केशवदास ओरछा के थे।
- सर्वाधिक तालाबों वाला जिला, यहां के सभी चंदेल कालीन तालाबों का निर्माण वैज्ञानिक तरीके से हुआ हैं, जिसमें एक तालाब का पानी दूसरे तालाब में अंदरूनी ढंग से चला जाता हैं।

दमोह जिला

- **जनसंख्या**- 12,63,703
- **क्षेत्रफल**- 7306 वर्ग किमी.
- रानी दमयंती के नाम पर दमोह नाम रखा गया।
- पाषाणकालीन स्थल सिगरामपुर घाटी।
- भैंसा के पास में निदानकुण्ड नामक जलप्रपात।
- रानी दुर्गावती अभ्यारण्य, नपारा पिकनिक स्पॉट।
- नरसिंहगढ़ में लाईम स्टोन हैं।
- डायमंड सीमेंट की फैक्ट्री।
- पीतल के सामान के लिए प्रसिद्ध।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक बाल श्रमिक दमोह जिले में है।
- चंदेलों की राजधानी नोहटा रही, नोहटा में ही नोहलेश्वर मंदिर है।
- कुण्डलपुर नामक जैन तीर्थ स्थल, बादकपुर प्रसिद्ध शिवमंदिर
- बातीगढ़ का किला दमोह, पर्शियन वास्तुकला का उदाहरण है।
- दमोह से कर्तव्य नामक समाचार पत्र प्रकाशित होता है।
- पत्रकार माधव सप्रे, चित्रकार सैयद हैदररजा इसी जिले से संबंधित हैं।
- सिंगरगढ़ में गुलाबों से युक्त झील।

पन्ना जिला

- **जनसंख्या**- 10,16,028
- **क्षेत्रफल**- 7135 वर्ग किमी.
- हीरा उत्खनन के लिए पन्ना विश्व प्रसिद्ध है।
- जून 2009 से NMDC ने हीरा खनन पुन: शुरू किया, प्रतिवर्ष 80 हजार केरेट उत्पादित।
- पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश की सबसे छोटी तहसील है।
- अजयगढ़ का किला प्रसिद्ध है।
- पन्ना में ट्री हाऊस है।
- पुरैना में सीमेण्ट औद्योगिक केन्द्र है।
- **पन्ना राष्ट्रीय उद्यान** जो कि पन्ना व छतरपुर जिले में विस्तृत हैं यह प्रदेश का पांचवा टाइगर रिजर्व हैं, केन नदी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

इस उद्यान से गुजरती हैं जहां केन घडियाल अभ्यारण्य भी हैं। हाल ही में पन्ना टाइगर प्रोजेक्ट से बाघों की समाप्ति से पन्ना चर्चित रहा था।
- आंवला के अधिक उत्पादन के कारण पन्ना जिले को **आंवला जिला** घोषित किया गया।
- पांडव जल प्रपात
- प्रसिद्ध बलदेव मंदिर (लंदन स्थित पालंस केथेड्रल की शैली में बना, इटालियन विशेषज्ञ मानली के निर्देशन में)
- किलकिला नदी के तट पर पद्मावती या बड़ी देवी का प्रसिद्ध मंदिर हैं।

ग्वालियर संभाग
जिले- ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया

ग्वालियर जिला
- **जनसंख्या**- 20,30,543
- **क्षेत्रफल**- 5214 वर्ग किमी.
- **स्थापना**- राजा सूरज सेन ने पवित्र संत ग्वालिया या गालव ऋषि के सम्मान ने 8वीं शताब्दी में।
- **पर्यटन स्थल**- छतरी बाग, ग्वालियर का किला, मान मंदिर, बाड़ा, गुर्जरी महल (मानसिंह तोमर ने प्रेमिका मृगनयनी गुर्जर की याद में), तानसेन का मकबरा, रूपसिंह स्टेडियम, गौस मोहम्मद का मकबरा, लक्ष्मीबाई की समाधि, मोतीमहल (मंडला में भी है), जय विलास पैलेस, गोपाचल की दिगम्बर जैन मूर्ति, तेली का मंदिर (द्रविड़ शैली), सूर्य मंदिर (उड़ीसा के सूर्य मंदिर की नकल)।
- मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा व्यापारिक मैला लगता है।
- गजराराजा मेडिकल कॉलेज
- मध्य प्रदेश का राजस्व मुख्यालय एवं महालेखाकार का कार्यालय ग्वालियर में है।
- CRPF का प्रशिक्षण केन्द्र है।
- घाटी गांव अभ्यारण्य जिसमें सोन चिड़िया का संरक्षण किया जाता है।
- संगीत सम्राट तानसेन का मकबरा है यहां पर तानसेन समारोह का आयोजन होता है जबकि तानसेन की जमस्थली बेहट है।
- सरोद घर के नाम से स्थापित संग्रहालय, जिसे उस्ताद हाफिज अली खान के प्राचीन घर में स्थापित।
- ग्वालियर का किला (निर्माता- सूरजसेन), किलों का रत्न या जिब्राल्टर कहलाता है। (बाबर ने दी संज्ञा)
- पूर्व में ग्वालियर को मध्य प्रांत की राजधानी था।
- दाताबंदी छोड़ का गुरूद्वारा 6 वे गुरू हरगोविंद को जहांगीर ने यहां 2 साल कैद रखा था। किले के अंदर, ही इस स्थान पर गुरूद्वारा है।
- N.C.C. का महिला प्रशिक्षण केन्द्र है।
- भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का संबंध।
- समूदन जैविक फार्म हाउस डबरा (ग्वालियर)
- देश का प्रथम एडव्होकेट ट्रेनिंग सेंटर - ग्वालियर (31 अक्टूबर 2009)
- पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र।
- दियासलाई के डिब्बे बनाने का कारखाना।
- उच्च न्यायालय की खण्डपीठ इन्दौर और ग्वालियर में स्थित।
- मानसिक चिकित्सा संस्थान- ग्वालियर, इन्दौर।

यूनिवर्सिटी:-
- जीवाजी विश्व विद्यालय ग्वालियर में है।
- ग्वालियर में सूचना तकनीकी यूनिवर्सिटी स्थापित।
- महारानी लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय को, जिसे समकक्ष डीम्ड, यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया गया है।
- राजा मानसिंह संगीत यूनिवर्सिटी (2008)
- विजया राजे सिंधिया कृषि वि. वि. (2008 में स्थापित) म.प्र. में द्वितीय स्थान पर।

शिवपुरी जिला
- **जनसंख्या**- 1725818
- **क्षेत्रफल**- 10277 वर्ग किमी.
- म.प्र. का दूसरा बड़ा जिला।
- **मेला**- पीर बुधान का मेला लगता है।
- माधव राष्ट्रीय उद्यान में जार्ज कैसल भवन है।
- **अभ्यारण्य:**- करैरा अभ्यारण्य, जहॉ सोन चिड़िया का संरक्षण किया जा रहा है, इस उद्यान से राष्ट्रीय राजमार्ग-3 गुजरता हैं।
- मनिहारी नदी पर सांख्य सागर एवं माधव सागर बांध हैं।
- 2010 में शिवपुरी को मध्य प्रदेश का पहला पर्यटन शहर घोषित किया गया है।
- शिवपुरी में नरवर का किला है, जो नल दमयंती की कथा से जुड़ा हैं।
- तात्या तोपे की समाधि है।
- सिंधिया परिवार की छत्रियां।
- शिवपुरी से राष्ट्रीय राजमार्ग-3 गुजरता है।
- पूर्व में इसका नाम शिपरी था।
- कत्था बनाने का कारखाना भी यहीं है।
- शिवपुरी को भगवान शिव की नगरी कहा जाता है।
- राज्य का पहला परमाणु विद्युत ग्रह भीमपुर में प्रस्तावित है।
- मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान शिवपुरी में पाया जाता है।

गुना जिला
- **जनसंख्या**- 1240938
- **क्षेत्रफल**- 6390 वर्ग किमी.
- **मेला:**- तेजाजी का मेला
- विजयनगर में G.A.I.L. कम्पनी है।
- नेशनल फर्टिलाइजर्स विजयपुर यही पर है। अमेरिका एवं इटली के सहयोग से स्थापित।
- भू-उपग्रह दूर संचार अन्वेषण केन्द्र है।
- हजीरा-विजयपुर-जगदीशपुर पाइप लाइन यही से निकलती है।
- प्राचीन काल में गुना अवन्ती राज्य का हिस्सा था।
- 18वीं शताब्दी में राधोगढ़ रियासत का हिस्सा था।
- 1948 में गठित मध्य प्रान्त के 16 जिलों में से एक गुना जिला था।
- कुम्भराज गुना की महत्वपूर्ण मंडी है। (गल्ला)
- राधौगढ़ में दिग्विजय सिंह (पूर्व मुख्य मंत्री) का गांव (किला) है।
- बजरंगढ़ में प्राचीन किला, हिन्दु एवं जैनधर्म से सम्बन्धित प्रसिद्ध स्थल हैं।

अशोक नगर जिला
- **जनसंख्या**- 844979
- **क्षेत्रफल**- 4676 वर्ग किमी.

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- **स्थापना:**- 15 अगस्त 2003 को गुना से अलग करके बनाया गया है।
- चंदेरी का प्रसिद्ध किला।
- चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है।
- चंदेरी में बैजू बाबरा (संगीतकार) की समाधि है।
- मुंगावली में ओपन जेल है।
- आनंदपुर आश्रम (सिक्ख समुदाय) यही पर स्थापित है।
- अशोक नगर जिला पार्वती और बेटमा नदी का जल विभाजक है।
- मोल बांध एवं कोछ बांध (पार्वती नदी)
- अशोक मौर्य के नाम पर, सिंध व बेतवा नदी के मध्य, त्रिकाल मंदिर में 24 जैन तीर्थकर हैं।
- लव-कुश जन्मस्थल, थुवान जैन क्षेत्र, सहयोग सम्प्रदाय का चंदल मठ
- चंदेरी बादल महल, कोषक महल
- अशोकनगर, ईसागढ़, चंदेरी व मुंगावली तहसीलें इस जिले में हैं।

दतिया जिला

- **जनसंख्या**- 786375
- **क्षेत्रफल**- 2691 वर्ग किमी.
- **प्राचीन नाम:**- दतिया का पुराना नाम दिलीप नगर था।
- वीर सिंह बुंदेला द्वारा 17वीं शताब्दी में 7 मंजला (सतखण्डा) महल का निर्माण, इसे पुराना महल, हवा महल, खेत्री महल, भी कहा जाता हैं।
- प्रदेश का सर्वाधिक सिंचित जिला (60 प्रतिशत)।
- गुर्जरा से अशोक के अभिलेख प्राप्त हुए। जहां अशोक का नाम, अशोक मिलता है।
- दतिया में पीताम्बरा पीठ (शक्तिपीठ) है।
- रतनगढ़ माता का प्रसिद्ध मंदिर।
- जैनों का तीर्थस्थल सोनागिरी है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे छोटा जिला है।
- कुंदऊ सिंह संगीत कॉलेज।
- अनेक मंदिरों के कारण दतिया को लघु वृंदावन की संज्ञा दी जाती हैं।
- बगुलामति देवी, इमावती देवी मंदिर, मीर में महाभारतकालीन शिवमंदिर।
- यहाँ के किले में लिखा हैं कि न्यायमुकुट का हीरा हैं।
- दतिया भांडेर मार्ग पर वनस्पति उद्यान।
- श्योनधा जलप्रपात सिंधु नदी पर।
- भांडेर में गैस आधारित प्रथम विद्युत संयंत्र है।

चंबल संभाग

जिले- भिंड, मुरैना, श्योपुर

क्षेत्रफल में सबसे छोटा संभाग

भिण्ड जिला

- **जनसंख्या**- 1703562
- **क्षेत्रफल**- 4459 वर्ग किमी.।
- विभंडक ऋषि की भूमि।
- **प्रमुख फसल:**- सरसों
- **मंदिर:**- जमधारा का रेणुका माता मंदिर, ददरौआ सरकार का हनुमान मंदिर।
- भिण्डी ऋषि के नाम पर भिण्ड नाम पड़ा।
- अटेर किला-भिण्ड।
- भिण्ड को बागियों का गढ़ कहा जाता है।
- मध्य प्रदेश का सबसे कम वर्षा (55 सेमी.) वाला स्थान।
- कम लिंगानुपात में पहला स्थान है। (1000 : 838)
- मध्य प्रदेश का दूसरा सूखा बंदरगाह मालनपुर भिण्ड में है।
- केडबरी, रैनबैक्सी कम्पनियां स्थापित।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटी तहसील रौन इसी जिले में है।
- अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या सबसे कम
- मालनपुर में रक्षा उत्पादन हेतु सायमन corps india लिमिटेड का निवेश।

श्योपुर जिला

- **क्षेत्रफल**- 6606 वर्ग किमी.
- **जनसंख्या**- 687952
- **स्थापना:**- 1998 में मुरैना से पृथक कर।
- **अभ्यारण्य:**- श्योपुर में पालपुर कुनो अभ्यारण्य में अफ्रीकी चीतों का संरक्षण हेतु।
- **फसल:**- सरसों
- श्योपुर कुपोषित जिला है।
- सबसे ज्यादा जनजाति यहीं पर पायी जाती है।
- इसकी सीमा राजस्थान से लगी हुई है।
- चंबल नहर से सिंचित जिला।
- काष्ट नक्काशी कला केन्द्र।
- काकैटा डैम।

मुरैना जिला

- **जनसंख्या**- 1965137
- **क्षेत्रफल**- 4988 वर्ग किमी.
- म.प्र. का शहद जिला।
- सिहोनिया में कनकमठ मंदिर व सास बहु अभिलेख है।
- बटेश्वर में 6-7 के शताब्दी के मंदिर है। बटेश्वर को पर्यटन हेतु विकसित किया जा रहा है।
- **फसल:**- सरसों
- गजक हेतु प्रसिद्ध।
- 0-6 वर्ष आयुवर्ग में सबसे कम लिंगानुपात (1000:839)।
- चंबल नदी के किनारे है- यहां चंबल घड़ियाल परियोजना, यहां डाल्फिनों का संरक्षण भी किया जा रहा है।
- बीहड़ की समस्या इस जिले में भी है।
- पडावली व मितावली ऐतिहासिक स्थल है, यहां मतावली स्थल महाभारत कालीन है व गुप्तकालीन मंदिर के भी यहां अवशेष ज्ञात हुये है।
- औद्योगिक विकास केन्द्र, कत्था बनाने का कारखाना- बानमौर।
- मुरैना में मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा पोस्ट ऑफिस है।
- के.एस.सरसों तेल कम्पनी है।
- कालीन निर्माण हेतु प्रसिद्ध जिला।
- मथुरा रिफायनरी पर आधारित पेट्रो कैमिकल उद्योग, मुरैना में स्थापित किया जा रहा है
- गुजर सरदार साबला द्वारा निर्मित किला, खूबसूरत बांध-सबलगढ़।
- प्रागैतिहासिक कालीन 86 गुफाओं की श्रृखंला- पहाड़गढ़।
- चम्बल अभ्यारण्य का मुख्यालय।
- नूराबाद-जहांगीर कालीन नगर, क्वारी नदी पर मध्य युगीन बांध, गौना बेगम का मकबरा।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

5. भौगोलिक स्थिति

मध्य प्रदेश की भौगोलिक अवस्थिति

मध्यप्रदेश के भारत के मध्य में होने के कारण इसे भारत का हृदय स्थल कहा जाता है। मध्यप्रदेश का क्षेत्रफल 308252 वर्ग किमी. है, जो भारत के कुल क्षेत्रफल का 9.38% है। यह राजस्थान के पश्चात देश का दूसरा सबसे अधिक क्षेत्रफल वाला प्रदेश है। पं. नेहरू ने मध्य प्रदेश को हृदय प्रदेश की संज्ञा दी, कर्क रेखा (23.5^0 उत्तरी अक्षांश) राज्य के मध्य से गुजरती है। **कुल 14 जिले** कर्क रेखा पर अवस्थित है।

अक्षांशीय-देशांतर विस्तार: इसका विस्तार $21^0\ 6'-26^0\ 30'$ उत्तरी अक्षांश तथा $74^0 59'-82^0 66'$ पूर्वी देशान्तर।

क्षेत्रफल: मध्य प्रदेश का क्षेत्रफल 3,08,252 वर्ग किमी. है। यह देश का 9.38 प्रतिशत है। क्षेत्रफल में भारत का दूसरा बड़ा राज्य मध्य प्रदेश है।

लंबाई (उत्तर-दक्षिण): 605 किमी.
चौड़ाई (पूर्व-पश्चिम): 870 किमी.

- **सीमावर्ती प्रदेश: (TRICK-उत्तर मच्छर गुरू)** इसकी सीमा पांच राज्यों को छूती है- उत्तर में उत्तर प्रदेश, दक्षिण में महाराष्ट्र पूर्व में छत्तीसगढ़ और पश्चिम में राजस्थान और गुजरात अवस्थित है। सीमा सबसे अधिक उत्तर प्रदेश और सबसे कम गुजरात (बड़ोदा जिला)।

पड़ोसी राज्यों से लगे म.प्र. के जिले

उत्तर प्रदेश (13 जिले)- मुरैना, भिण्ड, दतिया, शिवपुरी, अशोक नगर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, सीधी, सिंगरोली।

राजस्थान (10 जिले)- झाबुआ, रतलाम, मन्दसौर, नीमच, आगर, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, श्योपुर, मुरैना।

महाराष्ट्र (9 जिले)- अलीराजपुर, बडवानी, खरगौन, खण्डवा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट।

गुजरात (2 जिले)- झाबुआ तथा अलीराजपुर।

छत्तीसगढ़ (6 जिले)- सीधी, सिंगरोली, शहडोल, अनुपपुर, डिण्डोरी और बालाघाट।

म.प्र. की सीमा से लगे राज्य और उनके जिले

उत्तर प्रदेश (11 जिले)- आगरा, इटावा, उरई, झाँसी, ललितपुर, हमीरपुर, बांदा, इलाहाबाद, मिर्जापुर, महोबा, सोनभद्र, चित्रकुट

छत्तीसगढ. (6 जिले)- सुरजपुर, कोरिया, मुंगेली, बिलासपुर, कबीरधाम, राजनांदगांव।

राजस्थान (10 जिले)- बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, झालावाड़, बारां, सवाई माधोपुर, धौलपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़ भीलवाड़ा, करौली।

गुजरात (2 जिले)- बड़ौदरा, दाहोद

महाराष्ट्र (9 जिले)- धुले, भुसावल, अमरावती, नागपुर, भण्डारा, बुल्ढाना, जलगाव, नन्दुरबार, गोंदिया।

भौतिक या प्राकृतिक विभाजन

भू-वैज्ञानिक दृष्टि से मध्यप्रदेश सर्वाधिक प्रचीन **गोंडवाना लैण्ड** का भू-भाग है।

'फिजियोग्राफी मैप ऑफ इंडिया' में म. प्र. को 3 भौगोलिक प्रक्षेत्रों में बांटा गया है:-

1. **मध्य उच्च प्रदेश**- पश्चिम से लेकर पूर्व तक म. प्र. की उठी हुई भूमि म. प्र. में सर्वाधिक विस्तृत मध्य उच्च प्रदेश है, इसके 5 भाग है:-

मालवा पठार: मध्य प्रदेश के पश्चिम में स्थित मालवा पठार $20^0\ 17'-25^0\ 8'$ उत्तरी अक्षांश से लेकर $14^0 20'-79^0\ 20'$ पूर्वी देशान्तर तक, दक्कन ट्रेप की बैसाल्ट चट्टानों से निर्मित इंदौर, झाबुआ, अलीराजपुर, रतलाम, उज्जैन, देवास, भोपाल, धार, खण्डवा, बुरहानपुर, बडवानी, खरगोन, राजगढ़ विदिशा, गुना आदि। कर्क रेखा इसके मध्य से गुजरती है। औसत ऊंचाई 500 मीटर है। जनापाव पहाड़ी (चम्बल उद्गम)। सिगार (881) यहां की प्रमुख चोटी है। मालवा पठार नर्मदा और चम्बल के बीच जल विभाजक है।

मालवा पठार के उपविभाजन- सोनवाडा पठार, सागर पठार, विदिशा की उच्च भूमि, भोपाल पठार आदि।

मध्य भारत का पठार: यह वस्तुत: उत्तर प्रदेश, राजस्थान से सटा हुआ। चम्बल घाटी इसी में है। चंबल एवं कालीसिंध इस प्रदेश की प्रमुख नदियॉ हैं।

रीवा-पन्ना का पठार: विध्यन कगारी क्षेत्र है जो कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है यह कडप्पा और विध्यन शैल समूहों से निर्मित है। प्रमुख नदियॉ सोन एवं केन हैं तथा अमरकंटक इस पठार की सबसे ऊॅची चोटी हैं।

नर्मदा सोन घाटी: वस्तुत: मध्य उच्च प्रदेश के केन्द्र में स्थित एक भ्रंश क्षेत्र है, प्रमुख नदियाँ नर्मदा और सोन हैं। इस घाटी के उत्तर में विंध्याचल पर्वत श्रेणी और दक्षिण में सतपुडा पर्वत श्रेणी हैं।

बुन्देलखण्ड पठार: असमान ऊचाइयों तथा लाल-पीली मिट्टी वाला यह पठार नीस और ग्रेनाइट (प्री. कैम्बियन युगीन) से बना है। सिद्धबाबा पहाडी (1172 मी.) इस पठार की सबसे ऊॅची पर्वत चोटी हैं। बेतवा एवं धसान इस प्रदेश की प्रमुख नदियॉ हैं।

2. **सतपुड़ा-मैकल श्रेणी प्रदेश**- म.प्र. की दक्षिण-पश्चिम सीमा से पूर्व में अमरकण्टक तक विस्तृत इस श्रेणी के तीन उपविभाजन है- एक **राजपीपला श्रेणी।** दूसरा **मध्य श्रेणी हिस्सा** जिसमें- ग्वालीगढ़ श्रेणी, महादेव श्रेणी आदि। इसका तीसरा भाग **मैकल श्रेणी** है जो इसके बिल्कुल पूर्व में स्थित अर्धचन्द्राकार भाग है। अमरकंटक मैकाल श्रेणी का पठार हैं। जहॉ से एक ओर नर्मदा दूसरी ओर सोन तथा तीसरी ओर जोहिला का उदगम हैं। अमरकंटक की अधिकांश ऊॅची सतहों पर बॉक्साइट के विशाल भण्डार हैं।
3. **पूर्वी पठार या बघेलखंड का पठारी भाग**- मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्व में स्थित इस पठार का सीधी शहडोल वाला भाग मध्य प्रदेश में है, गोण्डवाना शैल समूह से प्रमुखत: निर्मित इस पठार में विध्यन ग्रेनाइट शैल समूह भी मिलते है। यहॉ लाल बलुई मिट्टी पाई जाती हैं, सोन टॉस, बीहड व जोहिला प्रमुख नदियॉ हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

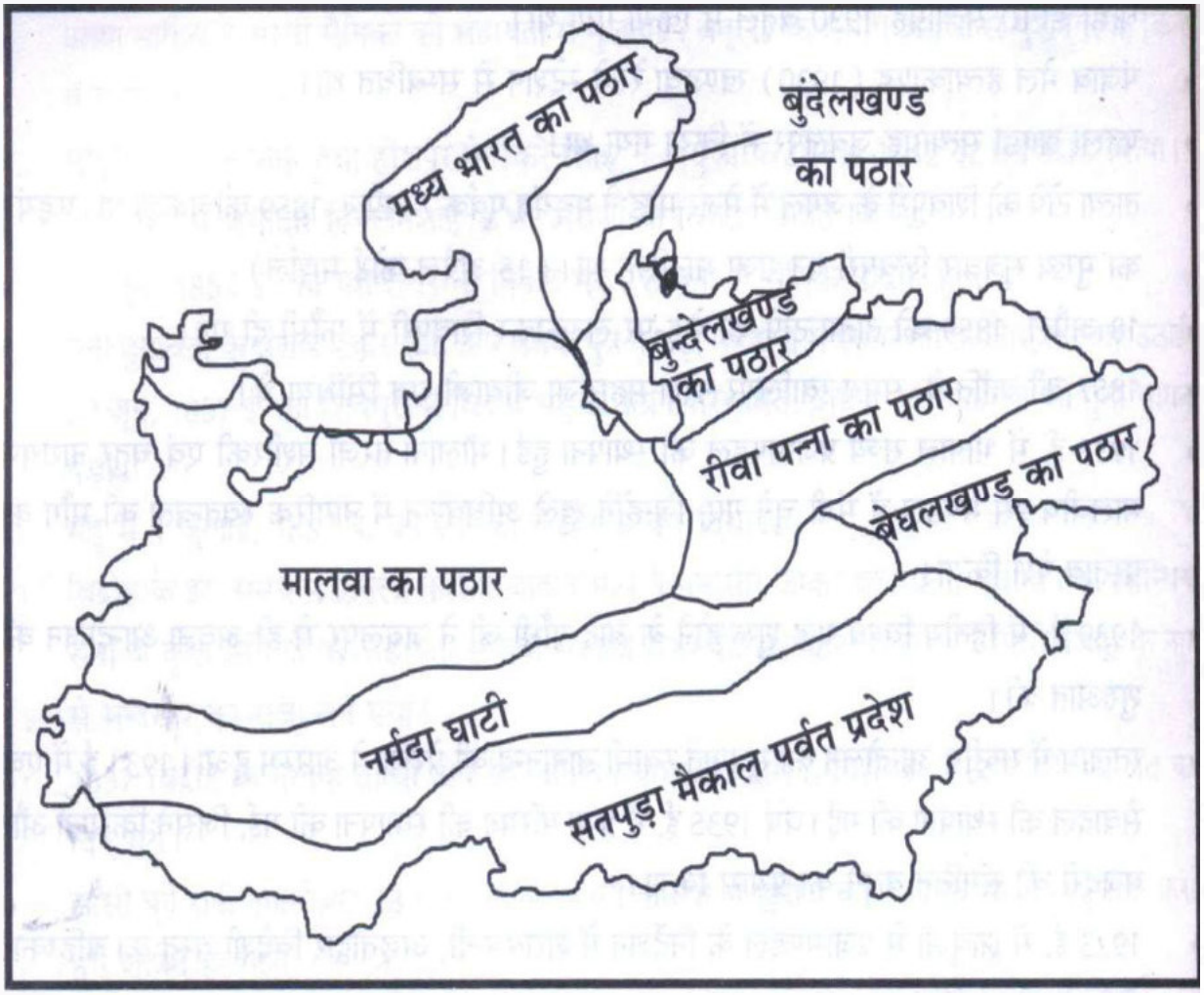

मध्य प्रदेश के शैल-समूह			
	शैल समूह	**क्षेत्र**	**श्रेणियाँ / चट्टान**
1.	आध महाकल्प चट्टान	मालवा (दक्कन ट्रेप) बुंदेलखण्ड, विंध्यन खण्ड कगार	ग्रेनाइट, नीस, सिल डाइक
2.	धारवाड़ शैल समूह (जीवाश्म का अभाव)	द. म. प्र. बुंदेलखंड व विंध्यन के मध्य बिजावर श्रेणी	चिलपीश्रेणी(बालाघाट) सौंसर श्रेणी (छिंदवाड़ा)
3.	पुराना शैल समूह	पन्ना, ग्वालियर	बिजावर श्रृंखला (पन्ना पठार से गवालियर तक विस्तृत)
4.	विंध्यन शैल समूह	रीवा से चम्बल तक	सोन घाटी, भांडेर श्रेणी, कैमूर श्रेणी, रीवा श्रेणी
5.	तृतीयक शैल समूह	दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश	गोण्डवाना महाद्वीप को दूहन से दक्कन पठार का स्वरूप बदला।
6.	गोण्डवाना शैल समूह	सतपुड़ा-बघेलखण्ड	पेंच घाटी, मोहयानी, देनवा, बगरा (कोयला क्षेत्र) तथा पंचमढ़ी, महादेव श्रेणी
7.	दक्कन ट्रेप	मालवा पठार (बाघ-लमेटा निक्षेपणों से निर्मित)	सिगार श्रेणी, जानापाव

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्वत

1. **विंध्यांचल**- विंध्यांचल का कगारी क्षेत्र राज्य में अवस्थित है। यह पूर्व से भांडेर-कैमूर श्रेणी से पश्चिम में मुरैना आदि तक मध्य प्रदेश की उत्तरी सीमा निर्धारित करता है।
2. **राजपीपला पर्वत श्रेणी**- यह पश्चिमी भाग से प्रारंभ होकर पूर्व में बुरहानपुर दर्रे तक जाती है। राजपीपला की पहाड़िया, अखरानी पहाडिया बड़वानी पहाड़िया, बीजागढ़ तथा असीरगढ़ पहाड़ियां, इसी भाग में है। यहां से ताप्ती नदी निकलती है।
3. **सतपुड़ा पर्वत श्रेणी**- बुरहानपुर दर्रे के पूर्व में सतपुड़ा श्रेणी है, सतपुड़ा की अधिकतम ऊंचाई वाली चोटी धूपगढ़ है (1350 मीटर) जो महादेव पर्वत श्रेणी में ही स्थित है।
4. **मैकल पर्वत श्रेणी**- श्रेणी का पूर्वी भाग मैकल का पठार कहलाता है। इसकी पूर्वी सीमा अर्द्धचन्द्राकार है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

6. नदियाँ

म.प्र. चार सबसे बड़ी नदियाँ *(TRICKS-नाच-ST)*- नर्मदा- चम्बल- सोन- ताप्ती।

नर्मदा नदी

- देश की पांचवी बड़ी नदी है।
- **उद्गम:** अमरकंटक (अनूपपुर), समापन-खम्भात की खाड़ी (अरब सागर)।
- टॉलमी ने नर्मदा को नामादोस कहा था।
- नर्मदा के अन्य नाम मैकल सुता, सोमोदेवी तथा रेवा है।
- लम्बाई -1312 कि.मी., प्रदेश के 15 जिलों से गुजरती है (अनूपपुर, मंडला, डिण्डोरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन, होशंगाबाद, सीहोर, हरदा, देवास, खण्डवा, खरगौन, बड़वानी, धार, अलीराजपुर)। म.प्र. में बहाव 1077 कि.मी. नर्मदा मैदानी भाग में जबलपुर के समीप प्रवेश करती है।
- सहायक नदी-कुन्दी, शेर, हिरन, दुधी, हथिनी, बंजर, शक्कर।
- 22 नदी बाएं से 19 दाएं से कुल 41 नदियां इसकी सहायक नदी है।
- ***(TRICKS-बच्चे कॉपी सबके)*** दाऐ तरफ से मिलने वाली नदियाँ क्रमश: (पश्चिम से पूर्व)- बनास-चम्बल-काली सिंध- पार्वती- सिंध- बैतवा- केन।
- **परियोजना:**
  1. रानी अवंती बाई सागर बरगी परियोजना (जबलपुर बिजौरा)
  2. सरदार सरोवर परियोजना (गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र संयुक्त)
  3. 29 बड़ी, 135 मध्यम व 3000 छोटी योजनाएँ (निर्माणाधीन)।
  4. इन्दिरा गाँधी नर्मदा सागर परियोजना-खण्डवा (पुनासा बांध)
- **दर्शनीय स्थल:** कपिलधारा, दुग्धधारा, सहस्त्रधारा व भेड़ाघाट प्रपात बनाती है।
- **किनारे शहर:** होशंगाबाद, जबलपुर, महेश्वर (खरगौन), ओंकारेश्वर (खण्डवा) व बुधनी।
- नर्मदा एवं सोन नदी एक-दूसरे के समानान्तर पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है।
- नर्मदा मध्य प्रदेश, गुजरात एवं महाराष्ट्र से होकर बहती है।
- हरसूद के डूबने पर छनेरा नया बसाया गांव।
- शिंगलू समिति नर्मदा विवाद से संबंधित है।
- मेधा पाटेकर नर्मदा बचाओं आन्दोलन से जुड़ी है।

चम्बल नदी

- महाभारत में वर्णित है कि राजा रतिदेव ने इसे उद्गमित किया है। चम्बल नदी को प्राचीन काल में चर्मावती (धर्मावती) नाम से जाना जाता था।
- **उद्गम:** महू (इन्दौर) जनापाव पहाड़ी (854 मी. ऊँचाई), समापन-इटावा में यमुना नदी।
- सहायक नदी-क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, बनास।
- उत्तर-पूर्व की ओर बहाव।
- राजस्थान-म.प्र. के बीच सीमा रेखा बनाती है।
- नदी के जल द्वारा अवनालिका अपरदन से भिण्ड, मुरैना के निकट गहरी खाईयाँ है।
- लंबाई 1040 कि.मी.।
- राज्य की प्रथम जल विद्युत परियोजना गाँधी सागर बाँध (मंदसौर), राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान) राणा प्रताप सागर (चित्तौड़गढ़, राजस्थान) तथा जवाहर सागर (कोटा राजस्थान) जल विद्युत केन्द्र है। ***(TRICKS-गरज)***
- चम्बल परियोजना राजस्थान व म.प्र. की संयुक्त परियोजना है।
- **किनारे के शहर**- रतलाम, श्योपुर, मुरैना, ***(TRICKS-रश्मि)***
- चम्बल श्योपुर नहर से भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, मन्दसौर, नीमच जिलों में सिचाई होती है।
- चम्बल नदी मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की सीमा बनाती है।
- चम्बल नदी मध्य प्रदेश की उत्तरी सीमा निर्धारित करती है।
- जनापाव में परशुराम की पीठ बनाई गई हैं।

बेतवा नदी (वेत्रवती)

- **उद्गम:** रायसेन के कुमरा ग्राम से उत्तर में यमुना में मिलती है।
- सहायक नदियाँ- धसान, बीना।
- यह नदी उत्तर प्रदेश-मध्यप्रदेश सीमा बनाती है।
- लंबाई- 480 कि.मी.।
- बेतवा नदी मध्य प्रदेश की पांचवी सबसे बड़ी नदी है।
- किनारे बसे शहर ***(TRICKS- अशोक आग से बचों)*** - अशोक नगर, औरछा, गुना, साँची, विदिशा, चाचड।
- सहायक नदी- धसान, बेस, बीना, जामिनी
- **परियोजना:** माताटीला बाँध (महारानी लक्ष्मी बाई सागर), भाण्डेर नहर (दतिया, ग्वालियर, भिण्ड, लाभन्वित), हलाली नहर (रायसेन, विदिशा)।

सोन नदी

- **सहायक नदी:** जोहिल्ला, बनास, गोपद, रिहन्द
- **उद्गम:** अमरकंटक (अनूपपुर), समापन- पटना के निकट गंगा में।
- लंबाई- 780 कि.मी.। यह मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश व बिहार में बहती है।
- **परियोजना:** बाणसागर (मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार संयुक्त)।
- प्रमुख बाँध- देवलोद (शहडोल) में बनाया गया है।
- बाणभट्ट सोन तट पर रहे है
- नर्मदा व सोन की प्रेम कथा का उल्लेख है।
- सोन नदी को शोण, सुवर्ण, शोनभद्र नदी के नाम से भी जाना जाता है।
- सोन नदी की बाढ अधिक विनाशकारी होती है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

क्षिप्रा नदी

- **उद्गम:** इन्दौर काकरी बरड़ी पहाड़ी से निकलकर उज्जैन, रतलाम, मन्दसौर, में बहती हुई चम्बल में मिल जाती है।
- लंबाई- 195 कि.मी.।
- उज्जैन इसके किनारे बसा है।
- खान व गंभीर सहायक नदी हैं
- समुद्र मंथन के बाद 14 रत्नों का बंटवारा क्षिप्रा (उज्जैन) में हुआ।
- मालवा की गंगा क्षिप्रा को कहते है।

ताप्ती नदी (सूर्य पुत्री)

- बैतूल जिले के मुल्ताई से उद्गमित होकर नर्मदा के समान्तर बहती हुई म.प्र. की दक्षिण सीमा निर्धारित करती हुई सूरत के निकट खम्भात की खाड़ी मे गिरती है।
- 724 कि.मी. लम्बी नदी है।
- इसके किनारे बसा नगर बुरहानपुर व सूरत है।
- सहायक नदियाँ- पूरणा, बाघुड़, गिरना, बोरी, शिवा (काकरापार व उकाई परियोजना गुजरात में है)।
- ताप्ती नदी ने भैसदेही पठार पर बीहडों का निर्माण किया है।
- नर्मदा एवं ताप्ती पश्चिम की ओर बहकर एश्चुरी बनाती है।

तवा नदी

- **उद्गम:** पंचमढ़ी महादेव पर्वत, समापन-होशंगाबाद नर्मदा नदी में।
- किनारे बसे तवानगर, पचमढ़ी।
- मध्य प्रदेश का सबसे लम्बा बांध तवा नदी (1322 मीटर होशंगाबाद जिले में) पर है।

काली सिन्ध

- **उद्गम:** देवास के बागली गाँव से निकलकर शाजापुर व राजगढ़ में बहती हुई राजस्थान में चम्बल में मिलती है।
- लम्बाई 150 कि.मी.।
- इसके किनारे देवास व सोनकच्छ बसे है।

केन

- कटनी कैमूर्स से पन्ना व बाँदा जिला (उत्तर प्रदेश) होती हुई यमुना मे समाहित होती है।
- केन नदी का प्राचीन नाम शुक्तिमती, दिर्णावती था।

बैनगंगा

- **उद्गम:** सिवनी (परसवाड़ा पठार)।
- अपर बैनगंगा (संजय परियोजना) सिंचाई परियोजना से बालाघाट सिवनी जिले लाभान्वित होते है।
- वेनगंगा के अन्य नाम बेवा या दिदि है।
- महाराष्ट्र की वर्धा नदी से इसका संगम (संगम स्थल को प्रणहिता कहते है) होता है।
- वेनगंगा दक्षिणी मध्य प्रदेश की ओर बहने वाली एकमात्र नदी है।

टोंस नदी

- सतना जिले के मैहर में कैमूर पहाड़ी से उद्गम तथा रीवा से होकर सिरसा (उत्तर प्रदेश) के पास गंगा नदी मे समापन।
- बीहड़ व वेलन सहायक नदी है।
- बिहार प्रपात है।
- टोंस नदी का प्राचीन नाम तमसा था।

कुँवारी नदी

- शिवपुरी पठारी से निकलकर भिंड जिले की लहार तहसील में सिन्ध नदी में समा जाती है।

पार्वती नदी

- सीहोर जिले से निकलकर चाचौड़ा (गुना) से होती हुई चम्बल में मिलती है।
- इसके किनारे आष्टा, राजगढ़, शाजापुर नगर बसे है।

कुनो नदी

- शिवपुरी पठार से निकलकर चंबल तक 180 किमी.

छोटी तवा

- बैतूल में आवना व सुक्ता नदियों से मिलकर बनी है।

मध्यप्रदेश की नदियाँ

नदी	उद्गम स्थल	अन्तिम स्थल	लम्बाई (किमी.)	तथ्य
1.नर्मदा(मैकल सूता, सोमोदेवी, रेवा,नामोदास-टोलेमी)	अमरकंटक (अनुपपुर 1051 फीट से)	खंम्भात की खाड़ी	1312 (म.प्र.में 1077)	1. दिशा पूर्व से पश्चिम 2. सहायक नदियां - तवा, दुद्दी, शकर, ऊटी, हथनी (41 नदियाँ) 3. 16 जिलों से प्रवाहित
2.चम्बल (धर्मावती)	जनापाव (महू) 616 फीट	यमुना (इटावा, उ. प्र.)	965	1. दिशा पश्चिम से उत्तर तथा अन्ततः पूर्व 2. सहायक नदियाँ-कालीसिंध, क्षीप्रा, पार्वती
3. ताप्ती	मुलताई (बैतूल)	खम्भात की खाड़ी	725	1. दिशा पूर्व से पश्चिम 2. सहायक नदी-पूर्णा
4. सोन नदी	अमरकंटक (अनुपपुर)	गंगा से दानापुर के निकट (बिहार)	780	1. दिशा दक्षिण से उत्तर फिर पूर्व 2. सहायक नदी-जोहिला, रिहन्द
5.बेतवा (वेत्रावति)	कुमरागांव (रायसेन)	चम्बल में (उ. प्र.)	980	1. भालकूण्ड जल प्रपात (18 मीटर) 2. विदिशा, सांची इस पर स्थित
6. क्षिप्रा	काकराबर्डी (इन्दौर)	चम्बल में	-	1. उज्जैन, महाकालेश्वर अवस्थित
7. तवा	महादेव पर्वत, पंचमढ़ी	नर्मदा में	-	1. तवा बांध (होशंगाबाद) म. प्र. में सबसे लम्बा
8. सिंध	सिरोंज (गुना)	चम्बल	-	-
9. पार्वती	सिहोर	चम्बल	-	-
10. कुनो	शिवपुरी	चम्बल	-	-
11. वर्धा	वर्धन शिखर, मूलताई	वेनगंगा में	-	-
12. शक्कर	अमरवाड़ा, छिन्दवाड़ा	नर्मदा में	-	-
13. वेनगंगा	परसावाड़ा (सिवनी)	गोदावरी में	-	-
14. कुवारी	शिवपुरी	सिंध में	-	-
15. गार	लखना (सिवनी)	-	-	-

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

म. प्र. की नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

नदियाँ	उन पर बसे नगर	नदियाँ	उन पर बसे नगर	नदियाँ	उन पर बसे नगर
नर्मदा	अमरकंटक	पार्वती	आष्टा	बैनगंगा	बालाघाट
नर्मदा	होशंगाबाद	माही	कुक्षी	बिछिया	रीवा
नर्मदा	नेमावर	नर्मदा	जबलपुर	नर्मदा	निमाड़
नर्मदा	पुनासा	नर्मदा	नरसिंहपुर	नर्मदा	मण्डला
नर्मदा	महेश्वर	नर्मदा	हण्डिया	नर्मदा	बड़ाह
नर्मदा	धार	नर्मदा	ओंकारेश्वर	नर्मदा	मंडलेश्वर
चम्बल	श्योपुर	नर्मदा	बड़वानी	नर्मदा	झाबुआ
बेतवा	ओरछा	चम्बल	महू	चम्बल	रतलाम
ताप्ती	मुलताई	चम्बल	मरैना	बेतवा	विदिशा
पार्वती	शाजापुर	बेतवा	सांची	बेतवा	गुना
सिन्ध	शिवपुरी	ताप्ती	बुरहानपुर	पार्वती	राजगढ़
कालीसिंध	बागला	पार्वती	आष्टा	सिन्ध	दतिया
क्षिप्रा	उज्जैन	टोंस	सतना	कालीसिंध	सोनकच्छ
खान नदी	इन्दौर	तवा	तवानगर	तवा	पंचमढ़ी
माही	धार	शिवना	मंदसौर		

प्रमुख नदियों की प्रवाह-दिशा

प्रवाह की	नदी	मिलन स्थान
उत्तर-पूर्व	सोन, बेतवा	गंगा, चम्बल
पश्चिम	नर्मदा, ताप्ती	खंभात की खाडी
दक्षिण	बैनगंगा	चम्बल
उत्तर	चम्बल, केन, तवा	यमुना, चम्बल, नर्मदा

मध्य प्रदेश : अपवाह तंत्र

प्रदेश	अपवाह तंत्र का स्वरूप
मध्य उच्च प्रदेश	वृक्षाकार प्रतिरूप
पन्ना-विन्ध्याचल श्रेणी	समान्तर प्रतिरूप
दक्कन ट्रैप पहाड़ियाँ	त्रिज्यात्मक प्रतिरूप (रेडिएल)
जबेरा स्तूप	वलयाकार प्रतिरूप
मैकाल एवं कैमूर पठार	अध्यारोपित प्रतिरूप

म. प्र. के प्रमुख जल-प्रपात

जल-प्रपात	नदियाँ व स्थान
धुआँधार जल-प्रपात	नर्मदा (जबलपुर) (भेड़ाघाट)
दुग्धधारा जल-प्रपात	नर्मदा (अनूपपुर)
मंधार जल-प्रपात	नर्मदा (हण्डया-बड़वाह के मध्य
चचाई जल-प्रपात	बीहड़ (रीवा)
पाण्डव जल-प्रपात	पन्ना के निकट
चूलिया जल-प्रपात	चम्बल (मंदसौर)
रातहगढ़ जल-प्रपात	चम्बल (सागर)
झाड़ी दाहा जल-प्रपात	चम्बल (इन्दौर के निकट)
भालकुण्ड जल-प्रपात	पर्वतीय (सागर)
डचेस फाल जल-प्रपात	पर्वतीय (पचमढ़ी)
कपिल धारा जल-प्रपात	नर्मदा (अनूपपुर)
सहस्रधारा जल-प्रपात	नर्मदा (महेश्वर)
दर्दी जल-प्रपात	नर्मदा (हण्डिया-बड़वाह के मध्य)
केवटी जल-प्रपात	बीहड़ (रीवा)
पियावन जल-प्रपात	रीवा के निकट
पाताल पानी जल-प्रपात	चम्बल (इन्दौर)
शंकर खो जल-प्रपात	जामनेर (खवनीअभ्यारण)
बहुटी जल-प्रपात	बीहड़ (रीवा के निकट)
अप्सरा जल-प्रपात	पर्वतीय (पचमढ़ी)
रजत जल-प्रपात	पर्वतीय (पचमढ़ी)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

7. मिट्टियाँ

भारतीय भूमि एवं मृदा सर्वेक्षण विभाग ने मध्य प्रदेश की मिट्टी को 5 भागों में वर्गीकृत किया है-

1. काली मिट्टी (ह्यूमस या रेगर)

- स्थानीय लोग इसे 'भर्री या कन्हर' भी कहते है।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक पायी जाने वाली मिट्टी है।
- दक्कन ट्रेप (मालवा के पठार) में बेसाल्ट नामक आग्नेय चट्टानों से निर्मित यह लावा-मिट्टी है।
- चीका और बालू निर्मित लोहे और चूने की प्रधानता है। लोहे की अधिकता से काला रंग, चूने की उपस्थिति से आर्द्रता ग्रहण करने की क्षमता होती है।
- इसका $_{p}H$ मान 6.3-6.4।
- काली मिट्टी प्रदेश के 510 लाख एकड क्षेत्रफल (48 प्रतिशत) में पाई जाती है। काली मिट्टी कपास कृषि के लिए सर्वोत्तम होती है।
- काली मिट्टी को रेगड मिट्टी भी कहते है।
- काली मिट्टी में फॉस्फेट, नाइट्रोजन एवं जैव पदार्थ की कमी होती है।

2. लाल-पीली मिट्टी

- दूसरी सर्वाधिक मात्रा में पायी जाने वाली बुन्देलखण्ड के कुछ भाग तथा बघेलखण्ड में यह पायी जाती है विशेषकर, मण्डला, बालाघाट, सीधी, शहडोल जिलों में।
- लाल-पीली मिट्टी का निर्माण आर्कियन, धारवाड तथा प्रमुखत: गोण्डवाना काल की चट्टानों के ऋतुक्षरण से हुआ है।
- लाल-पीली मिट्टी के रंग का निर्धारण फेरिक ऑक्साइड की मात्रा द्वारा निर्धारित होता है।
- लाल-पीली मिट्टी का pH मान 5.5 से 8.5 तक होता है अर्थात् यह मिट्टी अम्लीय से क्षारीय होती है।
- लाल-पीली मिट्टी चावल की कृषि के लिए अधिक उपयुक्त होती है।
- लाल-पीली मिट्टी में ह्यूमस तथा नाइट्रोजन की कमी होती है।

3. जलोढ़ मिट्टी (काप मिट्टी)

- राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों यथा भिण्ड, मुरैना, शिवपुरी, ग्वालियर में यह क्षारीय प्रकृति की है।
- इसे एल्यूवाइल मिट्टी या दोमट मिट्टी भी कहते है।
- **जलोढ़ मिट्टी क्षेत्र में मृदा अपरदन**- अपरदन को रेंगती हुई मृत्यु कहा जाता है। यह चम्बल बहाव क्षेत्र है। मध्य प्रदेश के उत्तरी भाग विशेषकर भिण्ड, श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर सबसे अधिक प्रभावित है।
- जलोढ मिट्टी का निर्माण बुन्दलेखण्ड नीस के ऋतुक्षरण तथा चम्बल नदी द्वारा निक्षेपित पदार्थों से हुआ है।
- जलोढ मिट्टी में नाइट्रोजन, जैव तत्व तथा फास्फोरस की कमी होती है।
- जलोढ मिट्टी प्रदेश के 30 लाख एकड क्षेत्रफल में पाई जाती है।
- जलोढ मिट्टी का pH मान 7 से अधिक होता है।
- जलोढ मिट्टी में बालू, सिल्ट, मृतिका का अनुपात 50: 19. 6: 29.4 होता है।
- जलोढ मिट्टी में मुख्य रूप से सरसों एवं गेहूं की फसल पैदा की जाती है।
- जलोढ मिट्टी में उर्वरता अधिक होती है।

4. लैटराइट मिट्टी

- इस भाटा भी कहते है। छिन्दवाडा और बालाघाट जिलों के लगभग 70 प्रतिशत भाग यह पाई जाती है।

5. बलुई मिट्टी

- इसे लाल-रेतीली मिट्टी भी कहते है। बुन्देलखंड के कुछ भाग में रेत और बालू से मिश्रित मिट्टी पायी है। जो नीस, ग्रेनाइट चट्टानों की टूटने से निर्मित है।

मिट्टियों का वितरण, विशेषताएं, क्षेत्र

क्र मिट्टी	मुख्य घटक	कमी	प्रकृति	क्षेत्र	जिले	मुख्य फसल
जलोढ़ मिट्टी	कार्बोनेटस	फास्फोरस, जैव तत्व	उदासीन	उत्तरी-पश्चिम ी मध्य प्रदेश	मुरैना, भिण्ड ग्वालियर, शिवपुरी, श्योपुर	गेहूं गन्ना, कपास
लाल-पीली	लोहे के आक्साइड कैल्शियम	नाइट्रोजन, ह्युमस	अम्लीय से क्षारीय तक	बुन्देलखड पठार का पूर्वी	मण्डला, बालाघाट शहडोल आदि हिस्सा	चावल
गहरी काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं अम्लीय HCI में घुलनशील तत्व	फास्फोरस, नाइट्रोजन, जैव तत्व	अम्लीय	मालवा पठार, सतपुड़ा क्षेत्र	होशंगाबाद, हरदा	गेहूं,कपास, तिलहन, चना
साधारण गहरी काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं HCI मे घुलनशील तत्व	फास्फोरस, नाइट्रोजन, जैव तत्व	अम्लीय	उत्तरी मालवा पठार, निमाड़	गुना, शाजापुर, सीहोर, उज्जैन, विदिशा, भोपाल, रायसैन आदि	गेहूं, कपास, मूंगफली, ज्वार
छिछली काली मिट्टी	लोहा, चूना एवं HCI मे घुलनशील तत्व	फास्फोरस, नाइट्रोजन, जैव तत्व	अम्लीय	सतपुड़ा क्षेत्र	छिन्दवाडा, सिवनी, बैतूल	गेहूं, चावल
कछारी मिट्टी	-	फास्फोरस, नाइट्रोजन	अम्लीय	चम्बल घाटी क्षेत्र	ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना	गेहूं, गन्ना कपास
मिश्रित मिट्टी	-	फास्फेट, नाइट्रोजन, कार्बनिक पदार्थ	-	पठारी क्षेत्रों में	टीकमगढ़, पन्ना, सतना, रीवा	ज्वार, बाजरा (मोटे अनाज) सीधी आदि

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

8. सिंचाई

राज्य में सबसे पहले पहली शताब्दी में चन्देल वंश ने सिंचाई के लिए खजुराहों में तालाबों का निर्माण कराया। सबसे पहली नहर सन् 1923 में बालाघाट जिले में वैनगंगा नहर बनाई गई थी।

1927 में ग्वालियर रियासत में पगारा बांध बनाया गया 1933 में पलकमती सिंचाई तालाब भोपाल में बनाया गया। 1936 में बालाघाट जिले में मुरम नाला का निर्माण किया गया।

सर्वाधिक सिंचित जिले- दतिया (66.46%), श्योपुर (60.76), मुरैना (52.96) ग्वालियर (52.13)

न्यूनतम सिंचित जिले- डिण्डोरी (0.58%), मंडला (7.26), अनूपपुर (2.29)

कुल कृषि रकबे का सिंचित प्रतिशत : 31.28

कुल बोये गये क्षेत्र का सिंचित प्रतिशत : 44.00

शुद्ध बोये गये क्षेत्र का सिंचित प्रतिशत : 43.39

कुल सिंचित रकबा : 6631 हजार हेक्टेयर (66 लाख 31 हजार)

शुद्ध सिंचित रकबा : 6891 हजार हेक्टेयर (64 लाख 31 हजार)

सर्वाधिक नहर सिंचित क्षेत्र : उत्तरी मध्य प्रदेश

सर्वाधिक कुंआ सिंचित क्षेत्र : मध्य और दक्षिण मध्य प्रदेश

सर्वाधिक सिंचित प्रतिशत वाला जिला : दतिया

सर्वाधिक तालाब सिंचित क्षेत्र : पूर्वी मध्य प्रदेश

सर्वाधिक सिंचित क्षेत्र

चम्बल घाटी (उत्तरी मध्य प्रदेश) क्षेत्र से : ग्वालियर, मुरैना, दतिया।

बुन्देलखण्ड क्षेत्र से : टीकमगढ़।

नर्मदा घाटी क्षेत्र से : होशंगाबाद।

- मध्य प्रदेश में सिंचाई का प्रमुख साधन कुंए (69.49 प्रतिशत) है इसके बाद नहरें (द्वितीय 17 प्रतिशत) और तालाब (तीसरे 2.3 प्रतिशत) है।
- सबसे अधिक वर्षा पचमढ़ी (212 सेमी) (होशंगाबाद) तथा सबसे कम गोहद (भिण्ड) में (55 सेमी) होती है।
- राज्य के नदी बेसिनों में 81.5 अरब घन मीटर जल है।
- राज्य में शुद्ध भूमिगत जल की उपलब्धता 35.03 अरब घन मीटर है।
- सबसे कम भू-जल भण्डार बुरहानपुर जिले में तथा सबसे अधिक सम्भावित भूमिगत जल होशंगाबाद जिले में है।
- राज्य में शुद्ध सतही जल की मात्रा 56.80 अरब घन मीटर है।
- राज्य में प्रति वर्ष उपलब्ध सभी प्रकार के जल की मात्रा 91.80 अरब घन मीटर है।
- राज्य में कुल संचित भूमि 6714 हजार हेक्टेयर (2008-09) है, जो कुल कृषित भूमि का 32.3 प्रतिशत है।
- अर्जित सिंचाई क्षमता सबसे कम बुरहानपुर जिले में है।
- अर्जित सिंचाई क्षमता सर्वाधिक होशंगाबाद जिले में है।
- सर्वाधिक शुद्ध सिचिंत क्षेत्र होशंगाबाद जिले में (87.3 प्रतिशत) तथा सबसे कम डिंडोरी जिले में 0.58 प्रतिशत है।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में सिंचाई का प्रमुख साधन कुएं है।
- राज्य में शुद्ध बोए गए क्षेत्र के 45.7 प्रतिशत (2012-13) भाग पर सिंचाई होती है।
- विद्युत पम्प सेट का सर्वाधिक प्रयोग मालवा एवं निमाड़ के मैदानी क्षेत्रों में होता है।
- भूमिगत जल के विकास का न्यून स्तर मण्डला में (5.6 प्रतिशत तथा अधिकतम रतलाम में (117.3 प्रतिशत) है।
- राज्य में अत्यधिक भूमिगत जल का दोहन इन्दौर, उज्जैन, मन्दसौर, शाजापुर और रतलाम जिलों में होता है। इस कारण इन पांचों जिलों को **'काला जिला'** कहा जाता है।
- डीजल पम्पों का प्रयोग मुख्य रूप से चम्बल तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र में होता है।
- राज्य में सर्वाधिक क्षेत्रफल पर नहरी सिंचाई तवा परियोजना के द्वारा होती है।
- अन्य स्रोतों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई सागर, दमोह, पन्ना, कटनी, उमरिया एवं शहडोल जिलों में की जाती है।
- तालाबों द्वारा राज्य में सर्वाधिक सिंचाई बालाघाट जिले में की जाती है।
- नलकूपों द्वारा सिंचाई का संकेन्द्रण मुख्य रूप से मालवा क्षेत्र में है।
- कुओं द्वारा सिंचाई पश्चिमी मध्य प्रदेश में अधिक होती है।
- राज्य में सर्वाधिक सिंचित फसल गेहूं की है। गेहूं के 78.7 प्रतिशत भाग पर सिंचाई की जाती है।
- पवन चक्की से सर्वाधिक सिंचाई इन्दौर जिले में होती है।
- चम्बल घाटी, बालाघाट, बुन्देलखण्ड में सिंचाई का प्रमुख साधन नहरें है।,
- माताटीला बांध परियोजना को राजघाट परियोजना या रानी लक्ष्मीबाई सागर परियोजना भी कहते है।
- नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण का गठन 1980 में किया गया था।
- **विवाद समाधान के लिए कमेटियॉ-**
  1. खौसला कमेठी - 1964
  2. नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण - 1969
  3. सैफुद्वीन सोज समिति-2006 में केन्द्र सरकार द्वारा गठित।
  4. शुंगलू समिति- विस्थापन की समस्या हेतु।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश की प्रमुख परियोजनाऐं

परियोजना का नाम	नदी	लाभान्वित जिलें	अन्य वर्णन
1. चंबल (1954)	चंबल	श्योपुर, भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, मंदसौर (2.25 लाख हेक्टेयर भूमिसिंचित)	यमुना की सहायक नदी चंबल पर स्थित यह म. प्र. व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है। यह देश की दूसरी बडी नदी घाटी परियोजना हैं।
2. नर्मदा घाटी परियोजना (1984)	नर्मदा व उसकी सहायक 41 नदियां	नर्मदा के उद्गम से समापन तक संपूर्ण जिले व गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान प्रदेश।	इस परियोजना में लक्ष्य 2600 मेगावाट विद्युत, 27.5 लाख हेक्टेयर सिंचाई है।
3. बरगी परियोजना (रानी अवंतीबाई सागर परियोजना)	नर्मदा	जबलपुर, मंडला, सिवनी (जबलपुर)	1.50 लाख हे. सिंचाई (60 मी. ऊंचा बांध)
4. बरगी अपवर्तन	नर्मदा, बरगी नगर	जबलपुर, कटनी रीवा, सतना	2.45 लाख हे. सिंचाई
5. जोबट – चंद्रशेखर आजाद परियोजना	हथनी नदी	अलीराजपुर	9848 हे. सिंचाई क्षमता जलग्रहण
6. अपर वेदा	वेदा	खरगौन 9900 हेक्टेयर भूमि	523 वर्ग किमी. क्षेत्र
7. सीतारेखा	सीतारेखा	छिंदवाडा के घुमरकेम्प धार	15 मेगावाट निजी क्षेत्र द्वारा
8. तवा परियोजना	तवा	होशंगाबाद जिला	3.33 लाख हे. सिंचाई
9. हलाली परियोजना (सम्राट अशोक सागर)	हलाली	विदिशा, रायसेन	(निर्माण 1973-76) सिंचाई क्षमता वर्तमान में 2.47 लाख हे.
10. बाण सागर परियोजना	सोन नदी	मध्य प्रदेश में रीवा सीधी जिले लाभान्वित होंगे। देवलोद शहडोल में बांध	405 मेगावाट विद्युत उत्पादन 1.53 लाख हे. सिंचाई
11. माताटीला बांध परियोजना (रानी लक्ष्मीबाई परियोजना)	बेतवा	मध्य प्रदेश के 6 उत्तर प्रदेश के 4 जिले यहां माताटीला जल विद्युत गृह भी है।	म. प्र. व उ. प्र. की संयुक्त परियोजना। म. प्र. में 1.16 लाख हे. क्षेत्र/उ.प्र. में 1.09 लाख हे. क्षेत्र सिंचाई होगी।
12. पेंच परियोजना	पेंच	बालाघाट, छिंदवाडा	यह म. प्र. महाराष्ट्र की परियोजना है 63388 हे. क्षेत्र में सिंचाई होगी।
13. बाघ परियोजना	बाघ	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश की सीमा क्षेत्र	सीमा पर सिरपुर गांव में बांध बनाया गया है व महाराष्ट्र क्षेत्र में सिंचाई होगी।
14. बावनथड़ी (राजीव सागर)	बावनथड़ी	बालाघाट(मध्य प्रदेश) व भड़ारा (महाराष्ट्र)	मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की परियोजना बालाघाट में 29,412 हे. व महाराष्ट्र में 17357 हे. में सिंचाई होगी।
15. काली सरार	बाघ	मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र	बाघ की पूरक परियोजना है।
16. केन बहुउद्देशीय (ग्रेटर गंगऊ)	केन	छतरपुर, पन्ना	मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश की परियोजना है।
17. अपर नर्मदा	नर्मदा	डिण्डोरी	18616 हेक्टर
18. लोअर गोई	गोई	बड़वानी	13760 हे. सिंचाई क्षमता
19. हालोन	हालोन	मण्डला	11736 हे.
20. पुनासा	इंदिरा सागर से	खंडवा	35008 हे.
21. मान		मनावर (धार)	15000 हे. सिंचाई

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

22. उर्मिल परियोजना	उर्मिल	छतरपुर	मध्य प्रदेश-उत्तर प्रदेश में 60:40 अनुपात में बंटवारा
23. सिंहपुर बैराज	उर्मिल	छतरपुर	उर्मिल परियोजना के नीचे प्रस्तावित
24. बारना	बारना (बाड़ी गांव बांध)	रायसेन- सीहोर	60290 हे. में सिंचाई
25. भांडेर नहर	बेतवा	दतिया, ग्वालियर, भिण्ड	44,535 हे. सिंचाई क्षमता
26. अपर वेनगंगा	वेनगंगा,(संजय सरोवर)	बालाघाट, सिवनी	इसकी सिंचाई क्षमता 1,03,722 हे. है।
27. थॉवर परियोजना	थॉवर	मंडला	18212 हे. सिंचाई क्षमता है।
28. कोलार परियोजना	कोलार उर्मिल बांध उ. प्र. नहर निर्माण म. प्र. द्वारा	सीहोर	सीहोर में सिंचाई के अलावा भोपाल को पेयजल की उपलब्धता 60887 हे. सिंचाई क्षमता।
29. माही परियोजना	माही नदी उद्गम-धार	धार, झाबुआ	दो बांध, दो नहर 18517 हे. सिंचाई क्षमता।
30. सुक्ता परियोजना	सुक्ता	खण्डवा की जलपूर्ति	18583 हे.
31. सिंध परियोजना	सिंध	शिवपुरी, ग्वालियर	35200 हे. पर सिंचाई (ग्वालियर नगर की जलापूर्ति)
32. रनगवां परियोजना	केन की सहायक नदी	छतरपुर	मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश परियोजना छतरपुर में 16190 हे. सिंचाई होगी।
33. चोरल नदी 34. देजला-देवड़ा	चोरल	महू, इंदौर, खरगौन	मह 500 हे. सिंचित परियोजना 9000 हे. क्षेत्र में सिंचाई।

प्रमुख नहरें व क्षेत्र

क्र.	नहर	नदी	लाभांवित क्षेत्र
1.	वेनगंगा	बेनगंगा	बालाघाट, महाराष्ट्र का भण्डारा जिला
2.	चंबल नहर	चंबल	भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, मंदसौर, नीमच आदि
3.	हलाली नहर	बेतवा	विदिशा, रायसेन
4.	बारना नहर	बारना	होशंगाबाद, रायसेन और सीहोर
5.	तवा नहर	-	होशंगाबाद
6.	राजघाट बायीं तट की नहर	-	शिवपुरी, गुना व दतिया
7.	राजघाट दायीं तट की नहर	-	टीकमगढ़
8.	दतिया वाहक नहर	-	दतिया व ग्वालियर

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

9. जलवायु

- पूरे देश की तरह म.प्र. की जलवायु भी पूर्णत: मौसमी अर्थात मानसूनी हैं।

स्वरूप : उष्णकटिबंधीय शुष्क जलवायु (बंगाल खाड़ी सिस्टम)

तापमान : औसत 42^0 सेन्टीग्रेट (ग्रीष्म ऋतु), 14^0 सेन्टीग्रेट (शीत ऋतु)
अधिकतम : गंजबसौदा (शताब्दी आधारित) बड़वानी (विगत वर्षों से लगातार, लगभग 46^0)
न्यूनतम : शिवपुरी

वर्षा : समय : जून-सितम्बर
शाखा : बंगाल की खाड़ी (मुख्य)
अरब की खाड़ी (न्यून)
औसत : 110-112 सेमी
सर्वाधिक : 140-165 सेमी. (पूर्वी म. प्र.)
न्यूनतम :75 सेमी से कम (पश्चिम म.प्र.)
सर्वाधिक वर्षा वाला स्थान: पंचमढ़ी
न्यूनतम वर्षा वाला स्थान: शिवपुरी

म.प्र. में तीन ऋतुऐं होती हैं-

1. शीत ऋतु 2. ग्रीष्म ऋतु 3. वर्षा ऋतु

1. शीत ऋतु - राज्य में नवम्बर से फरवरी तक शीत ऋतु रहती हैं।

इस ऋतु में सूर्य की स्थिति भूमध्य रेखा के दक्षिण में होती हैं। अत: मानसूनी हवाएँ उत्तर पूर्व से लौटने लगती हैं। जिससे म.प्र. का तापमान कम होने लगता हैं।

- इस ऋतु में म.प्र. का औसत तापमान 20.9^0 सेंटीग्रेड से 26.6^0 सेंटीग्रेड के बीच रहता हैं। इस ऋतु को 'स्याला' भी कहते हैं।
- शीत ऋतु में म.प्र. के उत्तरी भागों में तापमान 15^0 सेंटीग्रेड से 18^0 सेंटीग्रेड के बीच रहता हैं, जबकि दक्षिणी भागों में 18^0 सें.ग्रे. से 21^0 सें.ग्रे. के मध्य रहता हैं। इस ऋतु में कुछ वर्षा भी होती हैं। इसे लोग ''मावठ'' भी कहते हैं।

2. ग्रीष्म ऋतु- इस ऋतु में तापमान मार्च से जून तक लगातार बढता जाता हैं, जो दक्षिण और दक्षिण-पूर्व से उत्तर तक और उत्तर-पश्चिम की ओर बढता जाता हैं।

- जून माह से राज्य के उत्तर एवं उत्तरी-पश्चिमी भागों में दिन का उच्चतम तापमान 42^0 सें.ग्रे. से अधिक हो जाता हैं।
- इस मौसम में मानसूनी हवाएँ समुद्र से थल की ओर चलने लगती हैं। वायुमण्डल में नमी कम होती हैं। एवं धूल भरी गर्म हवाएँ भी चलती हैं।
- इस ऋतु को 'उनाला' भी कहते हैं।

3. वर्षा ऋतु- राज्य में मध्य जून से सितम्बर तक वर्षा ऋतु होती हैं। राज्य में मानसूनी वर्षा बंगाल की खाडी और अरब सागर दोनों ही शाखाओं से होती हैं।

- प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा जुलाई तथा अगस्त माह में (75 सें.मी.) होती हैं। प्रदेश में वर्षा की मात्रा सभी स्थानों पर समान नहीं हैं। उदाहरण के लिए पश्चिमी म.प्र. के 75 से.मी से 90 से.मी. वर्षा वाले भाग के बीच महादेव की पहाडी पर 150 से.मी. वर्षा होती हैं।
- पश्चिम की अपेक्षा (औसत 75 से.मी.) पूर्वी म.प्र. में वर्षा अधिक होती हैं (औसत वर्षा 125 से.मी.)
- पचमढ़ी के महादेव पहाडी में सर्वाधिक वर्षा (187 से. मी.) होती हैं। और सबसे कम ग्वालियर में।
- इस ऋतु को ''चौमासा'' भी कहते हैं।
- राज्य में न्यूनतम तापमान वाला स्थान शिवपुरी हैं तथा अधिकतम तापमान वाला स्थान विदिशा हैं। वर्ष 2002 में सबसे कम तापमान उमरिया का रहा था।
- म.प्र. में ऋतु संबंधी आंकडों को एकत्रित करने वाली ऋतु वेधशाला इन्दौर में हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

10. उद्योग-व्यापार

- औद्योगिक विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में 7वां स्थान है।
- राज्य की आय में औद्योगिक क्षेत्र का योगदान 14 प्रतिशत है।
- राज्य की जी.डी.पी. में उद्योग का योगदान (2011-12) 29.38% आ रहा।
- मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम की स्थापना 1981 में की गयी थी।
- **ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट** में 4,31, 555 करोड. रूपये के निवेश प्रस्ताव पारित हुए। यह समिट 28 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2012 में इंदौर में आयोजित की गई।
- प्रदेश में 27 औद्योगिक क्षेत्र समिट के माध्यम से 20 लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा।
- केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत मध्य प्रदेश के औद्योगिक केन्द्र- 1. पीथमपुर-धार, 2. पुरैना-पन्ना, 3. मालनपुर-भिण्ड, 4. मेघनगर-झाबुआ, 5. मनेरी-मण्डला, 6. पीलूखेडी-राजगढ
- केन्द्र के द्वारा भारत में विकसित किये जाने वाले 19 औद्योगिक विकास केन्द्रों में से एक 'पीथमपुर' (धार) मध्य प्रदेश में है। इसे 'औषधि और वाहन' के संकुल के रूप में विकसित किया जायेगा।
- 'पीथमपुर' (धार) में मध्य प्रदेश का पहला सेज यूनिकेम कंपनी विकसित कर रही है।
- 'पीथमपुर' में ऑटो टेस्टिंग सेंटर विकसित होगा।
- पीथमपुर (धार) को भारत का डेट्राइट कहा जाता है क्योंकि यहा अनेक कार निर्माण उद्योग लगे है।
- विजय कुमार इंटरनेशनल, पीथमपुर (धार) में हीरा परिष्करण का राज्य का सबसे बड़ा कारखाना है।
- मध्य प्रदेश में शुष्क बन्दरगाह पीथमपुर में स्थापित किया गया है।
- प्रदेश का पहला निर्यात संवर्द्धन पार्क पीथमपुर में स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश का एकमात्र ऑप्टीकल फाइबर कारखाना मण्डीद्वीप में जापान के सहयोग से स्थापित है।
- जरी-कड़ाई उद्योग भोपाल में केन्द्रीत है।
- राज्य का एकमात्र घड़ी निर्माण का कारखाना बैतूल में है।
- सेंटर फॉर एडवांस टेक्नोलॉजी (केट), सुखनिवास रोड़, इन्दौर में स्थित आणविक अनुसंधान केन्द्र है। यह 'लेजर उत्पादन' का एशिया का पहला और दुनिया का तीसरा केन्द्र है।
- राज्य में वस्त्र उद्योग का प्रमुख केन्द्र इन्दौर है।
- राज्य का पश्चिमी भाग 'सूती कपड़ा हब' है जहां सभी 22 सूती कपड़ा मिल केन्द्रित है।
- बुधनी (सीहोर) में रेलवे स्लीपर का निर्माण होता है।
- आगासौद (बीना) में तेल शोधक संयंत्र स्थापित हो रहा है।
- टिशू पेपर (महीन कागज) बनाने का कारखाना इन्दौर में है।
- कृत्रिम रेशे से धागा ग्रसीम इण्डस्ट्रीज, नागदा में बनाया जाता है जबकि कृत्रिम रेशे से कपड़ा नागदा, उज्जैन इन्दौर, ग्वालियर, देवास में बनाया जाता है।
- राज्य में ऊन के कपड़े बनाने के दो कारखाने इन्दौर में है।
- अखबारी कागज नेपानगर हेतु सलाई की लकड़ी का प्रयोग होता है।
- मैदा उत्पादन के तीन प्रमुख केन्द्र है: इन्दौर, भोपाल, गंजबासोदा।
- कास्टिक सोडा के तीन प्रमुख केन्द्र है: अमलाई, नागदा, नेपानगर।
- राज्य का सबसे बड़ा शक्कर कारखाना है: बरलाई।
- राज्य की दो सहकारी चीनी मिले है: बरलाई (देवास) और कैलारस (मुरैना)।
- मध्य प्रदेश पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ वर्कशाप जबलपुर में टेलीफोन और टेलीग्राफिक उपकरण बनाये जाते है।
- डीजल इंजन बनाने का कारखाना इन्दौर में लगाया गया है।
- राज्य में रक्षा उत्पादन की 6 फैक्ट्रीरियाँ है जिनमें से चार अकेले जबलपुर में है।
- मध्य प्रदेश में सबसे कम औद्योगिक केन्द्र पन्ना जिले में है।
- अपरेल पार्क इन्दौर में बनाया गया है।
- विजयपुर (गुना) में नेशनल फर्टीलाइजर कारखानों का निर्माण इटली एवं अमेरिका के सहयोग के किया गया था।
- एयर कार्गो कॉम्पलेक्स की स्थापना इन्दौर में की गई है।
- राज्य में व्यापार केन्द्र की स्थापना भोपाल में की गई है।
- मध्य प्रदेश की प्रथम औद्योगिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला इन्दौर में स्थापित की गई है।
- इण्डो-जर्मन टूल की स्थापना इन्दौर में की गई है।
- केन्द्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्टिंग व विकास केन्द्र की स्थापना इन्दौर में की गई है।
- प्रदेश में कृत्रिम रेशा बनाने का कारखाना नागदा में स्थित है।
- बुरहानपुर जिला पावरलूम उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।
- जिलेटिन बनाने का कारखाना जबलपुर में है।
- इन्सुलेटिन बनाने का कारखाना देवास में है।
- खैरवार जनजाति के द्वारा कत्था बनाने का कार्य विशेषत: पूर्वी मध्य प्रदेश में किया जाता है। खैर वृक्ष की लकड़ी से कत्था बनाने का कारखाना **शिवपुरी** तथा **बानमोर (मुरैना)** में स्थापित है।
- कच्चे लाख से सीड लाख तथा शैलाख बनाने का एक शासकीय कारखाना **उमरिया** में है।
- इटारसी में चिप बोर्ड और पार्टिकल बोर्ड तथा ग्वालियर में दिया सलाई डिब्बे बनाने का कारखाना है।

मध्य प्रदेश के प्रथम उद्योग

उद्योग	स्थान	स्थापना वर्ष
प्रथम चीनी मील	जावरा (रतलाम)	1934
प्रथम सूती मील	बुरहानपुर	1906
प्रथम सीमेन्ट प्लांट	बानमौर (मुरैना)	1922-23
प्रथम कागज मील	नेपानगर (बुरहानुपर)	1956

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास की प्रमुख संस्थाएं

संस्थएं	मुख्यालय	कार्य
मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम	भोपाल (1965)	बड़े तथा मध्यम श्रेणी के उद्योगों को वित्तीय, तकनीकी मदद उपलब्ध कराना
मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम	भोपाल (1969)	सहकारी एवं संयुक्त क्षेत्र के उद्योगों को मदद करना
मध्य प्रदेश वित्त निगम	इन्दौर	निजी एवं सहकारी क्षेत्र के उद्योगों का वित्तीय मदद देना
मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम	भोपाल (1969)	उद्योगों को कच्चा माल उपलब्ध कराना तथा उनके कच्चे माल को बाजार में विपणन करना।
मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड	भोपाल	खादी उद्योग को बढ़ावा देना
मध्य प्रदेश हैण्डलूम संचालनालय	भोपाल	हैण्डलूम तथा पावरलूम उद्योगों के लिए पूंजी उपलब्ध कराना
मध्य प्रदेश हस्तशिल्प मण्डल	भोपाल	हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने हेतु वित्तीय मदद
मध्य प्रदेश वस्त्रोद्योग निगम	इन्दौर (1970)	मुख्य कार्य शासन के अधीन सूती वस्त्र कपड़ा मिलों का संचालन करना है।
मध्य प्रदेश माइनिंग कार्पोरेशन	भोपाल	बहुमूल्य खनिजों की खोज, खुदाई व व्यापार की व्यवस्था करना है।
मध्य प्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन	भोपाल	कृषि पर आधारित उद्योगों के विकास में सहायता
मध्य प्रदेश निर्यात निगम	भोपाल (1977)	छोटे स्तर के उद्योगों के उत्पादन के निर्यात की व्यवस्था करना।
जिला उद्योग केन्द्र	प्रत्येक जिले में	उद्योगों को वित्तीय सहायता एवं कच्चा काल उपलब्ध करना।

संयुक्त उपक्रम

1. एम.पी.एग्रो मोरारजी फर्टिलाइजर्स लि. इटारसी, जिला होशंगाबाद	दानेदार मिश्रित खाद
2. आयल एवं पशु आहार संयंत्र, मुरैना	सरसों तेल एवं पशु आहार
3. पोषण आहार संयंत्र, धार	पोषण आहार
4. फल संवर्द्धन इकाई, भोपाल	जेम, जेली, केचप एवं पेय
स. प्रस्तावित प्रतिष्ठान	
1. स्ट्रा बोर्ड मिल शाजापुर	स्ट्रा बोर्ड
2. पंजीरी संयंत्र, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल	पोषण आहार

प्रमुख कॉम्पलेक्स

चमड़ा काम्पलेक्स	देवास
स्टेनलेस स्टील	सागर
इलेक्ट्रानिक काम्पलेक्स	इन्दौर
एग्रो / टेक्सटाइल कॉम्पलेक्स	छिंदवाड़ा
रेडिमेड कॉम्पलेक्स	इन्दौर(परदेशी पुरा)
फार्मा पार्क	बेटमा (धार)

विशेष आर्थिक क्षेत्र

क्र.	एस.ई.जेड़ का प्रकार	विकासकर्ता एजेंसी का नाम एवं पता	प्रस्तावित स्थल	वर्तमान स्थिति
1.	मल्टी, प्रोडक्ट SEZ,	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम, इंदौर	जिला-धार	प्रदेश का प्रथम ग्रीनफील्ड SEZ जो कार्यरत है। वर्तमान इन्दौर में 28 उद्योगों को भूमि आवंटित, जिनमें लगभग 950 करोड़ रुपये का निवेश संभावित है तथा 4000 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हो सकेगा। 5 इकाईयों द्वारा रुपये 200 करोड़ की लागत से उद्योग स्थापित कर उत्पादन प्रारंभ कर दिया है।
2.	क्रिस्टल आई. टी. पार्क, इंदौर	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम इंदौर	जिला-इंदौर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार से आई. टी.एस.ई.जेड, हेतु अधिसूचित
3.	मल्टी प्रोडक्ट SEZ	औद्योगिक केन्द्र विकास निगम ग्वालियर	जिला-ग्वालियर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य भारत सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त
4.	आई.टी./आई.टी. ई.एस.ई. जेड, इंदौर	मेडीकेप्स लि. इंदौर	जिला-इंदौर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य भारत सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त
5.	आई.टी./आई.टी. ई.एस.ई. जेड, इंदौर	पार्श्वनाथ डेव्हलपर्स लि. नई दिल्ली	जिला-इंदौर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य भारत सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त
6.	प्रोडक्ट स्पेसिफिक एल्युमिनियम) एस.ई.जेड, सीधी	मेसर्स हिण्डाल्को इण्डस्ट्रीज लि. मुंबई	जिला-सीधी	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य भारत सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त
7.	मिनरल एण्ड मिनरल बेस्ड	ओ.के. विकास निगम जबलपुर	हरगढ़, जिला-जबलपुर	बोर्ड ऑफ एप्रूवल, वाणिज्य भारत सरकार से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त
8.	हरगढ़ जल प्रदाय योजना			

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

अन्य केन्द्रीय सार्वजनिक प्रतिष्ठान

1. भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लि. पिपलानी,	1961-62	स्विच गियर, कंट्रोल गियर, ट्रांसफार्मर, भोपाल टरबाइन, ट्रेक्शन ।
2. नेशनल न्यूज प्रिंट एवं पेपर, नेपानगर, जिला खण्डवा	1956-57	अखबारी कागज
3. आई.आई.एस.सी.ओ. एक्टेशन पाइप एण्ड फाउण्ड्री कम्पनी लि. उज्जैन	1968-69	ढॅलवा लोहे के पाइप

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रम

उद्योगों का नाम	स्थापना	उत्पादन
1. रतलाम अल्कोहल प्लांट एंड कार्बन डाईआक्साइड इण्डस्ट्रीज, रतलाम	1963-64	स्प्रिट, अल्कोहल तथा कार्बन डाई आक्साइड
2. ग्वालियर लेदर फैक्ट्री एंड टेनरी	1958	जूते, तम्बू, त्रिपाल
3. ग्वालियर पॉट्रीज ग्वालियर		चीनी के बर्तन
4. कलेडरिंग प्लाण्ट, उज्जैन	1962	रंगाई, विरजन तथा परिष्करण
5. टिंबर ट्रिटमेन्ट प्लांट इन्दौर		ठोस कमानी
6. छाता उद्योग, महू		
7. इंजीनियरिंग वर्क्स इन्दौर		
8. देवास इलेक्ट्रीकल्स, देवास		उष्मारोधी उपकरण
9. ब्रुस एंड स्पोर्टस इण्डस्ट्रीज, इन्दौर		खेल सामग्री
10. कृषि उपकरण फैक्ट्री, खण्डवा		पम्प एवं पम्पिंग सेट
11. मैटल वर्क्स विदिशा		जी. आई. कॅटीले तार, तार की कीलें
12. साइकिल उद्योग, गुना		साइकिले एवं उप साधन
13. कलेडरिंग प्लाण्ट, उज्जैन		फर्नीचर
14. फर्नीचर वर्क्स, जबलपुर		फर्नीचर
15. भोपाल उद्योग, भोपाल		फर्नीचर
मध्य प्रदेश वस्त्र निगम द्वारा स्थापित		
1. सनावद कताई मिल, सनावद	1963-64	सूती धागा
मध्य प्रदेश में केन्द्र-राज्य के संयुक्त उपक्रम		
1. मध्य प्रदेश इलेक्ट्रिकल्स लि. भोपाल		
2. मध्य प्रदेश विद्युत यंत्र लि. गोसलपुर जिला जबलपुर		
3. मध्य प्रदेश लेम्स लि. विदिशा		
4. मध्य प्रदेश ग्लायकेम इण्डस्ट्रीज लि.		

मध्य प्रदेश में केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम

प्रतिष्ठान	स्थापना	उत्पादन
संचार मंत्रालय के अंतर्गत		
1. गवर्नमेंट पोस्ट एण्ड टेलीग्राफ वर्कशाप, जबलपुर	1943-44	टेलीफोन एवं टेलीग्राफ उपकरण
रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत		
1. गवर्नमेंट आर्डिनेन्स फैक्ट्री, खमरिया (जबलपुर)	1943-44	युद्ध सामग्री
2. गन कैरिज फैक्ट्री, जबलपुर	1943-44	युद्ध सामग्री
3. व्हीकल फैक्ट्री, जबलपुर	1955	रक्षा एवं भारी व्यवसायिक वाहन
4. गवर्नमेंट आर्डिनेन्स फैक्ट्री, इटारसी	1943-44	युद्ध सामग्री
5. गवर्नमेंट आर्डिनेन्स फैक्ट्री, कटनी		युद्ध सामग्री
6. ग्रे आयरन फउण्ड्री, जबलपुर		कच्चा लोहा
वित्त मंत्रालय के अंतर्गत		
1. सिक्योरिटी पेपर मिल, होशंगाबाद	1967-68	नोट छापने का कागज
2. करेंसी प्रिटिंग प्रेस, देवास	1943-44	कागजी मुद्रा
3. एल्कलॉयड फैक्ट्री, नीमच रेल मंत्रालय के अधीन	1975-76	अंश परिष्कृत कोडीन, नर्कोटीन
4. रेलवे कोच फैक्ट्री, भोपाल	1975-76	रेल डिब्बों का निर्माण
खनन मंत्रालय के अंतर्गत		
1. नादर्न कोल फील्डस लि. सिंगरौली, सीधी		कोयला
2. हिंदुस्तान कॉपर प्रोजेक्ट, मलाजखण्ड, बालाघाट		तांबा
राष्ट्रीय कपड़ा उद्योग निगम के अंतर्गत		
1. दि न्यू भोपाल टेक्सटाइल लि., भोपाल	1938-39	सूती कपड़ा एवं सूत
2. हीरा मिल्स लि., उज्जैन	1934-35	सूती कपड़ा एवं सूत
3. स्वदेशी कॉटन एंड फ्लोर मिल्स लि., इन्दौर	1928-29	सूती कपड़ा एवं सूत
4. इन्दौर मालवा यूनाइटेड मिल्स लि., इन्दौर	1907-08	सूती कपड़ा एवं सूत
5. कल्याणमल मिल्स लि., इन्दौर	1934-35	सूती कपड़ा एवं सूत
6. बुरहानपुर ताप्ती मिल्स लि. बुरहानपुर	1906-07	सूती कपड़ा एवं सूत
भारतीय खाद्य निगम के अंतर्गत		
1. कॉटनसीड सालवेंट एक्सटेन्सन प्लांट, उज्जैन	1963-64	कपास, बीज एवं मूंगफली का तेल

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

11. ऊर्जा

- राज्य का पहला ताप विद्युत केन्द्र नेपानगर का चांदनी (1953) और पहला जल विद्युत केन्द्र चम्बल पर अवस्थित गांधीसागर विद्युत केन्द्र (1960-61) है।
- राज्य के नगरों का शतप्रतिशत और गांवों का 97.1 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है।
- राज्य में सर्वप्रथम विद्युत का उत्पादन ग्वालियर में सन् 1905 में 240 के.वी. की स्टीम टर्बाइन से किया गया था।
- 10 दिसम्बर 1948 को विद्युत प्रदाय अधिनियम प्रदेश में लागू किया गया।
- 1 दिसम्बर 1950 को विद्युत मण्डल का गठन किया गया। विद्युत मण्डल का मुख्यालय जबलपुर में हैं।
- राज्य ग्रामीण विद्युतीकरण निगम की स्थापना 1960 में की गई। इसका मुख्यालय भोपाल में हैं।
- प्रदेश में ऊर्जा स्रोतों के विकास के उद्देश्य से सन् 1982 में मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम की स्थापना की गई।
- विद्युत क्षेत्र में प्रभावी प्रबंधन के लिये मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मण्डल के वृहत् स्वरूप का पुनर्गठन किया गया। उत्पादन, पारेषण एवं वितरण हेतु कम्पनी अधिनियम 1956 के तहत मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मण्डल का पुनर्गठन कर पांच कम्पनियों का गठन जुलाई 2002 में किया गया। ये पांचों कम्पनी अपने-अपने क्षेत्र में प्रबंधन के लिये स्वतंत्र रहते हुए भी मध्य प्रदेश राज्य विद्युत मण्डल के प्रति उत्तरदायी थी।
- **5 कंपनियाँ**-
  1. म.प्र., प.क्षेत्र, विद्युत वितरण, कम्पनी लिमिटेड, इंदौर (क्षेत्र इंदौर, उज्जैन संभाग)।
  2. म.प्र. मध्य, क्षेत्र विद्युत, वितरण कम्पनी, लिमिटेड, भोपाल (क्षेत्र-भोपाल ग्वालियर/चंबंल संभाग) हाशंगाबाद संभाग।
  3. म.प्र. पूर्व, क्षेत्र विद्युत, वितरण कम्पनी, लिमिटेड, जबलपुर (क्षेत्र जबलपुर, रीवा, सागर शहडोल संभाग
  4. म.प्र. पॉवर, ट्रांसमिशन कम्पनी, लिमिटेड, जबलपुर, (क्षेत्र-सम्पूर्ण मध्य प्रदेश)
  5. म.प्र. पॉवर, जनरेटिंग कम्पनी, लिमिटेड, जबलपुर (क्षेत्र-सम्पूर्ण म.प्र.)
- पांचों कम्पनियां 1 जून, 2005 से पूर्णत: स्वशासी हो गई है। पांचों कम्पनियों की आरंभिक बैलेन्स शीट को अंतिम रूप देकर इन्हें अधिसूचित कर दिया गया है विद्युत अधिनियम, 2003 के प्रावधानों के तहत विद्युत व्यापार के लिए कम्पनी अधिनियम, 1956 के तहत एक पॉवर ट्रेडिंग कम्पनी गठित कर उसे माह जून 2006 से क्रियाशील किया गया है। विद्युत मण्डल/विद्युत कम्पनियों तथा उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण, विद्युत क्षेत्र में राज्य सरकार का कार्य नीति-निर्धारण तक सीमित करने तथा विद्युत दरों के निर्धारण एवं नियमित कार्यों के लिए राज्य विद्युत नियामक आयोग की वर्ष 1998 में स्थापना की गयी नियामक आयोग द्वारा अभी तक सात टैरिफ आदेश जारी किये गये है।
- प्रदेश में तीन ऊर्जा अनुसंधान एवं विकास केन्द्र है-
  1. प्रशाासनिक अकादमी (भोपाल)
  2. देवी अहिल्याबाई विश्वविद्यालय (इंदौर)
  3. डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान संस्थान (महू)
- सर्वाधिक विद्युतिकृत ग्राम वाले जिले- सीहोर (92.15%), इंदौर (99.04%), खण्डवा (100%)।

प्रमुख आकड़े

स्थापित क्षमता (जनवरी-2013)	:	10,236 मेगावाट
विद्युत उत्पादन (2009)	:	9658.45 मिलियन किलोवाट घंटे
प्रति व्यक्ति विद्युत खपत	:	349 किलोवाट घण्टा
विद्युतीकृत ग्राम	:	50 हजार 474 (97 प्रतिशत से अधिक)
विद्युतीकृत आदिवासी ग्रामों की संख्या	:	16.2 हजार (91.42 प्रतिशत)

2012-13 में निम्न परियोजनाएँ क्रियाशील हुई-

1. **श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना**- 1200 मेगावाट।
2. **सतपुड़ा ताल विद्युत परियोजना सरणी**-500 मेगावाट।
3. **एस्सार, सिंगरौली**- 1200 मेगावाट (निजी क्षेत्र)।
4. **जे.पी. नीगरी, सिंगरौली**- 1320 मेगावाट।
5. **जे.पी. बीना**- 2X250 मेगावाट।
6. **बी.एल.ए. नरसिंहपुर**- 45 मेगावाट।
7. **मोजरबेयर, अनुपपुर**- 1200 मेगावाट।
8. **दादा धूनीवाले खण्डवा पॉवर लिमिटेड**- 1600 मेगावाट। म.प्र. उत्तरप्रदेश को बिजली बेचने की स्थिति में।

गैर पारम्परिक विद्युत उत्पादन

- ऊर्जा के गैर परम्परागत स्त्रोतों को उपयोग करने में म.प्र. तीसरा राज्य हैं- 1. गुजरात, 2. आन्ध्र प्रदेश, 3. म.प्र.

सौर ऊर्जा

- **सोलर फोटोवोल्टिक प्लाण्ट:** झाबुआ, बैतुल, होशंगाबाद
- सौर ऊर्जा से विद्युत बनाने का कारखाना प्रदेश में सर्वप्रथम इन्दौर में स्थापित किया गया।
- सौर ऊर्जा का अधिक प्रयोग प्रदेश में झाबुआ के ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाता है।
- म.प्र. सोलर कुकर के उपयोग के मामले में प्रथम स्थान पर हैं।
- विश्व का सबसे बडा सौर ऊर्जा संयंत्र इटारसी (होशंगाबाद) में लगाया गया हैं।
- कस्तूरबा ग्राम (इन्दौर) पूर्णत: सौर ऊर्जा पर निर्भर गांव है।
- सौर ऊर्जा आधारित शीतगृह भोपाल में लगाया जा रहा है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

जैव ऊर्जा

- **बायो गैस:** प्रदेश में राष्ट्रीय बायोगैस कार्यक्रम के माध्यम से 2010 तक 19540 से अधिक संयंत्रों का निर्माण। राज्य में बायोगैस से विद्युत उत्पाद 13.50 मेगावाट।
- **बायोमास:** राज्य में 25.43 मेगावाट की परियोजनाएं स्थापित।
- **भूसी आधारित संयंत्र:** धार जिले के जादूखेड़ा में 0.59 मेगावाट क्षमता का भूसी आधारित विद्युत संयंत्र इन्दौर और बालाघाट में भी भूसी आधारित बायोगैस।
- **नेप्था आधारित गैसीय विद्युत संयंत्र:** यह ग्वालियर में निजी क्षेत्र के सहयोग से स्थापित।
- **अवशिष्ट (कचरे) से विद्युत उत्पादन:** कटवां (खरगौन) में।
- बायोमास से बिजली उत्पन्न करने वाला देश का पहला गांव कराई (बेतूल, म. प्र.) है।
- प्रदेश में कचरे से विद्युत उत्पादन करने का एकमात्र संयंत्र भोपाल में है।
- ग्वालियर एवं मुरैना में गन्ने की खोई से विद्युत उत्पादन किया जाता है।
- राज्य में जट्रोफा से बायोफ्यूल बनाने का 10 किलोवाट का संयंत्र बॉसगढ़ी (मण्डला जिले) में लगाया गया है।

पवन ऊर्जा

- मध्य प्रदेश की भौगोलिक संरचना पवन ऊर्जा के लिए आदर्शात्मक, 2010 तक 169 मेगावाट के पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर, देवास के निकट प्रथम पवन उर्जा परियोजना **जमागोदरागी** में निजी क्षेत्र के साथ **बैतूल और शाजापुर** में पवन ऊर्जा।
- जमगोदरानी के पवन ऊर्जा संयंत्र में तीन भागीदार है, मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम, इण्डियन टिव्यूनल एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेन्सी (दिल्ली) और कन्सालिडेटेड एनर्जी कन्सलटेन्ट प्रा. लि.। इन तीनों की संयुक्त कम्पनी का नाम मध्य प्रदेश विण्ड फार्म्स लिमिटेड है।
- प्रदेश में सर्वाधिक पवन चक्कियाँ इन्दौर जिले में है।
- गुना एवं मन्दसौर जिलों में विण्ड मॉनिटरिंग कार्यक्रम से विद्युत उत्पादन किया जा रहा है।
- देश की पहली संयुक्त क्षेत्र की कम्पनी 'मध्य प्रदेश विण्ड फार्म' मध्य प्रदेश में गठित की गई है।

राज्य के एकल या संयुक्त जल विद्युत गृह

1. चम्बल
   अ. गांधी सागर, मंदसौर - 150 मेगावाट
   ब. राणाप्रताप, चित्तौड - 172 मेगावाट
   स. जवाहर, कोट-99 मेगावाट
   कुल 386 में मध्य प्रदेश का हिस्सा 193 मेगावाट
2. पेंच, छिंदवाड़ा-107 मेगावाट
3. रानी अवंतीबाई, बर्गी जबलपुर-90 मेगावाट
4. बाणसागर टोन्स-1 सीधी-315 मेगावाट
5. बाणसागर-2, सीधी-30 मेगावाट
6. बाणसागर-3, सीधी-60 मेगावाट
7. बाणसागर-4, शहडोल-20 मेगावाट
8. वीरसिंह पुर, उमरिया-20 मेगावाट
9. राजघाट, ललितपुर-22.5 मेगावाट
10. मड़ीखेड़ा, खरगौन-40 मेगावाट
11. अन्य लघुजल-5.4 मेगावाट

कुल जल विद्युत-922.95 मेगावाट
कुल विद्युत-3780 मेगावाट

प्रमुख तथ्य

- 400 MW का सासन ऊर्जा प्रोजेक्ट (निजीक्षेत्र) सीधी में प्रस्तावित है।
- बीना में भेल द्वारा भारत का प्रथम हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया हैं।
- महेश्वरी जल विद्युत ओर पेंच ताप विद्युत परियोजना निजी क्षेत्र को सौपी गयी है।
- मध्य प्रदेश में ग्वालियर, रामपुर, इन्दौर और नीमच जिले में गैस और डीजल से संचालित विद्युत केन्द्रों की स्थापना हो रही है।
- विंध्याचल (बैढ़न, सिंगरौली) राज्य का सबसे बड़ा ताप विद्युत केन्द्र है। यह एनटीपीसी द्वारा संचालित है।
- बेढ़न (सिंगरौली) को प्रदेश की ऊर्जा राजधानी कहा जाता है।
- चांदनी ताप विद्युत केन्द्र, नेपानगर से कागज मिल, नेपानगर के अलावा निमाड़ क्षेत्र को बिजली आपूर्ति भी की जाती है।
- हाईड्रेल जल पम्प पानी संचालित पम्प है जो बिना विद्युत के पानी के दबाव से सिंचाई करते है। मध्य प्रदेश में लगभग 30 हाइड्रेल पम्प भोपाल ओर निमाड़ क्षेत्र में कार्य करते है।
- प्रदेश में सर्वाधिक ऊर्जा खपत का प्रतिशत क्रमश: उद्योग, कृषि एवं घरेलू कार्यों में है।
- प्रदेश में हाइड्रेल जल पम्प सबसे अधिक खरगौन जिले में प्रयोग किए जाते है।
- प्रदेश में एकांश विद्युत अनुसंधान केन्द्र भोपाल में स्थित है।
- मालवा ताप परियोजना, मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कम्पनी द्वारा खण्डवा जिले के ग्राम दोगलिया में स्थापित की जा रही है।
- मध्य प्रदेश विद्युत विभाग की स्थापना सन् 1945 में की गई है।
- एनटीपीसी द्वारा छतरपुर जिले में 4000 मेगावाट का पॉवर हाउस लगाया जा रहा है।
- म.प्र. के मण्डला जिले के चुटका गॉव में प्रदेश का पहला परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित किया जा रहा हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

ताप विद्युत केन्द्र

केन्द्र	स्थापना	क्षमता (MW)	लाभान्वित राज्य / इकाई
1. चांदनी(बुरहानपुर) – तवा का कोयला, ताप्ती का पानी	1953	17	नेपानगर कागज मिल
2. अमरकंटक (अनुपपुर) – सोहागपुर का कोयला, सोन का पानी	–	300	मध्य प्रदेश
3. सतपूड़ा-सारणी (बैतूल, पाथरखेड़ा) – पाथरखेड़ाका कोयला, तवा का पानी	1967	1437	मध्य प्रदेश: राजस्थान (3 : 2)
4. विंध्यांचल(बेढ़न,सिंगरौली) – सिंगरोली का कोयला – रिहन्द का पानी	–	226	5 राज्य तथा दमन द्वीप
5. जबलपुर ताप केन्द्र (जबलपुर) – जबलपुर का कोयला, नर्मदा का पानी	–	151	मध्य प्रदेश
6. संजय गांधी (उमरिया) – जाहिला क्षेत्र का कोयला, जाहिला का पानी	–	588	मध्य प्रदेश
7. पेंच (छिन्दवाड़ा) – छिन्दवाड़ा का कोयला, पेंच का पानी	–	210	मध्य प्रदेश: महाराष्ट्र
8. दादा धूनीवाले (खण्डवा)	–	2000	मध्य प्रदेश: गुजरात
9. मांडू ताप परियोजना (धार)	–	–	मध्य प्रदेश: गुजरात

राज्य के ताप गृहों की क्षमता

1. अमरकंटक-1,अनुपपुर-50 मेगावाट	6. सतपुड़ा-4, पाथाखेड़ा (बैतूल)-420 मेगावाट
2. अमरकंटक-2,अनुपपुर-240मेगावाट	7. जबलपुर ताप विद्युत केन्द्र-151 मेगावाट
3. सतपुड़ा-1,पाथाखेड़ा (बैतूल)-187 मेगावाट	8. पेंच ताप विद्युत केन्द्र-210 मेगावाट
4. सतुपड़ा-2, पाथाखेड़ा (बैतूल)-410 मेगावाट	9.चांदनी ताप विद्युत केन्द्र-17 मेगावाट
5. सतपुड़ा-3, पाथाखेड़ा (बैतूल)-420 मेगावाट	

जल विद्युत केन्द्र

केन्द्र	स्थापना	क्षमता (MW)	लाभान्वित राज्य / इकाई
1. गांधी सागर (भानुपुरा, मंदसौर)	1960	11.50	मध्य प्रदेश – राजस्थान (50:50 अनुपात)
2. राणाप्रताप सागर (रावत भाटा, चित्तौडगढ़)	1960	172	मध्य प्रदेश – राजस्थान
3. जवाहर सागर (चित्तौड़गढ़)	1960	99	मध्य प्रदेश – राजस्थान
4. अवंतिबाई प्रोजेक्ट (बगरी, जबलपुर)	1960	90	–
5. राजघाट परियोजना ललितपुर (उत्तर प्रदेश)	1960	22.50	मध्य प्रदेश – उत्तर प्रदेश संयुक्त परियोजना
6. रिहन्द जलाशय परियोजना (पिपरी, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश)	1960	–	मध्य प्रदेश – उत्तर प्रदेश संयुक्त परियोजना
7. पेंच जल विद्युत (सिवनी)	1960	160	मध्य प्रदेश – महाराष्ट्र संयुक्त परियोजना
8. महेश्वर जल विद्युत प्रोजेक्ट (महेश्वर, धार)	1994	400	सरदार सरोवर की उप-परियोजना
9. ओंकारेश्वर जल विद्युत प्रोजेक्ट (ऑकारेश्वर, खण्डवा)	2007 से उत्पादन	520	----
10. इंदिरा सागर प्रोजेक्ट (पुनासा, खण्डवा)	----	1000	----
11. बाण सागर (सीधी, मध्य प्रदेश)	1994-95	110(405 प्रस्तावित)	मध्य प्रदेश – बिहार – उत्तर प्रदेश
12. टोंस प्रोजेक्ट (रीवा)	–	315	–
13. मलखेड़ा	2008	40	–
14. चांदेल प्रोजेक्ट (खण्डवा)	–	15	–

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

12. परिवहन

सड़क परिवहन

- मध्य प्रदेश में यात्री और माल दोनों परिवहन का मुख्य साधन सड़क परिवहन है।
- मध्य प्रदेश में पक्की सड़कों की लंबाई कच्ची की तुलना में अधिक है।
- राज्य में सड़क घनत्व 19 किमी. (100 वर्ग किमी. पर) है। राष्ट्रीय घनत्व 83 किमी. (100 वर्ग किमी. पर) है।
- राज्य की जी.डी.पी. में सड़क परिवहन क्षेत्र की भागीदारी वर्ष 2011-12 में 3.16% रही वहीं रेलवे की 1.09% रही।
- मध्य प्रदेश सर्वाधिक सड़क लंबाई ग्रामीण मार्ग के रूप में है।
- सड़कों की दृष्टि से म. प्र. का देश में 15वां स्थान है।
- म.प्र. राज्य परिवहन की स्थापना 1962 में की गई थी। जिसे बंद कर दिया गया है। और अब निजी बस प्रबंधकों द्वारा अनुबंध के आधार पर सेवाएं प्रदान की जा रही है।
- राज्य से कुल 20 राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते है।
- श्योपुर में सड़को का घनत्व मात्र 10.75 किमी. है।
- आगरा-ग्वालियर-इन्दौर-मुम्बई (एन एच 3) राज्य का सबसे बड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग है।
- मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम की स्थापना वर्ष 1962 में की गई थी।
- वर्ष जनवरी 2013 के आंकड़े इस प्रकार है-

कुल सड़क लम्बाई	:	106497 किमी.
राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई	:	4709 किमी.
राजकीय या प्रान्तीय मार्ग	:	10501 किमी.
जिला मार्ग	:	19574 किमी.
ग्रामीण मार्ग	:	23639 किमी.
प्रधानमंत्री सड़क योजनान्तर्गत	:	50770 किमी.
सर्वाधिक घनत्व	:	सतना
न्यूनतम घनत्व	:	श्योपुर

राष्ट्रीय मार्ग

4709 किमी. लंबाई के 20 राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते है, जिनमें 2 राष्ट्रीय राजमार्ग नये है। राज्य में NH-3 (आगरा-मुम्बई) सबसे लम्बा (717 किलोमीटर) है। NH-76 (उदयपुर-बांद्रा) सबसे छोटा है।

राज्य में सर्वाधिक लम्बाई वाले तीन नेशनल हाईवे : NH-3, NH-7 और NH-12

राज्य में छोटी लम्बाई वाले तीन नेशनल हाईवे: NH-76, NH-27 और NH-25

राज्य का सबसे लम्बा राजमार्ग: चिल्पी से बड़ोदरा (755.3 किमी.)

राज्य का सबसे छोटा राजमार्ग: झाबुआ जिले में स्थित थान्दला के कुशलगढ़ (11.8 किमी.)

मध्य प्रदेश से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग और उनकी लम्बाई

क्र.	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या	कहाँ से कहाँ तक	लम्बाई किमी.
1.	NH – 3	आगरा-मुम्बई वाया इन्दौर	717
2.	NH – 7	वाराणसी जबलपुर-नागपुर-कन्याकुमारी	511
3.	NH – 12	जयपुर-जबलपुर-वाया-कोटा-राजगढ़-भोपाल	481
4.	NH – 12-A	जबलपुर-सिमगा	191
5.	NH – 25	लखनऊ-कानपुर-झाँसी-शिवपुरी	80
6.	NH – 26	झांसी-लखनादौन-वाया सागर	273
7.	NH – 27	इलाहाबाद-मझगवाँ	52
8.	NH – 59	अहमदाबाद-झाबुआ-धार-घाटा-विल्लौद-इन्दौर	171
9.	NH – 59 A	इन्दौर-बैतूल	277
10.	NH – 69	अब्दुल्लागंज-होशंगाबाद-बैतूल-मुल्ताई-नागपुर	256.4
11.	NH – 75	ग्वालियर-झांसी-खजुराहो-छतरपुर-पन्ना-सतना-रीवा-रांची	307
12.	NH – 75 A	रीवा-रेणुकुट-डाल्टनगंज-रांची	195
13.	NH – 76	पिंडवाड़ा-उदयपुर-शिवपुरी-चित्तौड़गढ़-कोटा-झांसी-इलाहबाद	43
14.	NH – 78	कटनी-शहडोल-अम्बिकापुर-जशपुर-गूमला	245
15.	NH – 86	कानपुर-छतरपुर-सागर-भोपाल	187
16.	NH – 86A	भोपाल-विदिशा-सागर	186
17.	NH – 92	भौगाँव-ग्वालियर	108
18.	12A-X	जबलपुर-झांसी तक	337
19.	26A-X	सागर-बीना	75

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

20.	25A-X	–	

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुधार एवं विकास हेतु दिसम्बर 2000 से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना क्रियान्वित की जा रही है, जिसके अंतर्गत सामान्य क्षेत्र में 500 या इससे अधिक तथा आदिवासी क्षेत्रों में 250 या इससे अधिक जनसंख्या वाले संपर्क विहीन ग्रामों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने तथा अन्य जिला एवं ग्रामीण मार्गों का निर्माण एवं उन्नयन कार्य किया जाता है।

योजना के आंशिक वित्त पोषण हेतु भारत सरकार द्वारा एशियन विकास बैंक (ए.डी.बी.) से ऋण सहायता ली गई है। यह राशि म.प्र. शासन को भारत सरकार से अनुदान के रूप में प्राप्त हो रही है। योजनांतर्गत लगभग 1100 करोड़ रुपये से कुल 5500 किमी. लंबे मार्गों का निर्माण किया जाना है।

रेल परिवहन

- यहां देश के रेलमार्गों की कुल लंबाई का लगभग 10 प्रतिशत भाग आता है।
- **मध्य प्रदेश में रेल परिवहन की शुरूआत:** मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम 1865 से 1878 के दौरान रेल मार्ग का निर्माण हुआ जो बम्बई-दिल्ली रेल मार्ग को पूरा करने हेतु निर्मित किया गया था।
- **रेलवे जोन:** मध्य प्रदेश में एकमात्र रेलवे जोन जबलपुर में है, जो 1998 में स्थापित हुआ। यह पश्चिम मध्य रेलवे के अंतर्गत है।
- **रेलवे जंक्शन:** भोपाल, बीना, ग्वालियर, इन्दौर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, रतलाम और उज्जैन प्रमुख रेलवे जंक्शन। **इटारसी सबसे बड़ा जंक्शन है।**
- **रेलवे मुख्यालय:** प्रदेश में रेल सेवा आयोग का मुख्यालय **भोपाल** में है। राज्य में भोपाल, रतलाम और उज्जैन क्षेत्रीय रेलवे मुख्यालय है।
- **रेल लाइन:** मध्य प्रदेश में रेल मार्गों की लंबाई 6100 किलोमीटर है, जो देश की रेल लंबाई का लगभग 10 प्रतिशत है। यहां तीन रेल मार्गों पश्चिमी रेलवे, मध्य रेलवे दक्षिण-पूर्वी रेलवे की शाखा व उपशाखाएं है।
- राज्य में ब्राड गेज, नेरो गेज और मीटर गेज तीनो तरह की रेलवे है।
- मध्य प्रदेश में रेलवे की सेवायें है- मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे और दक्षिण-पूर्व रेलवे।
- प्रदेश में सबसे पहला रेलमार्ग सन् 1865 में इलाहाबाद से जबलपुर बनाया गया था।
- बीना-कटनी-बिलासपुर रेलमार्ग कोयला परिवहन के लिए प्रसिद्ध है।
- प्रदेश की रेलवे लाइनें पांच जोन में आती है।
- प्रदेश का सबसे बड़ा रेलवे जोन पश्चिम-मध्य रेलवे है। इसका मुख्यालय जबलपुर में है।
- भोपाल एक्सप्रेस ISO – 9001 प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाली देश की पहली ट्रेन है।
- हबीबगंज रेलवे स्टेशन (भोपाल) ISO-9001 प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला राज्य का एकमात्र रेलवे स्टेशन है।
- रेवांचल एक्सप्रेस को ISO-14001 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।
- 26 अप्रैल 2013 में टीकमगढ़ जिले को भी रेल से जोड़ दिया गया है।

मध्यप्रदेश में रेलवे प्रतिष्ठान

रेलवे प्रतिष्ठान	स्थान
कोच रिपेयर वर्कशाप	भोपाल (निशातपुरा)
रेल स्प्रिंग कारखाना	ग्वालियर
वैगन रिपेयर वर्कशाप	सतना
इलेक्ट्रिक लोको शेड	कटनी, इटारसी
डीजल लोको शेड	कटनी, इटारसी
रेलवे रिक्रूटमेन्ट बोर्ड	भोपाल
रेलवे स्लीपर बनाने का कारखाना	वनखेड़ी (बुधनी)
पश्चिम मध्य रेलवे का जोन मुख्यालय	जबलपुर

वायु सेवा

- मध्य प्रदेश के पांच नगरों (इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर तथा खजुराहों) में इण्डियन एयर लाइन्स एवं वायुदूत की नियमित सेवाओं से जुड़े हवाई अड्डे है।
- **अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा:** वर्तमान में सिर्फ खजुराहो और भोपाल (2010) से अंतर्राष्ट्रीय उड़ाने है। 13 अप्रैल 2012 को इन्दौर अंतर्राष्ट्रीय हवाई (रानी अहिल्या बाई हवाई अड्डा) का उद्घाटन।
- **भारतीय सेना की हवाई पट्टियां:** ग्वालियर (वायुसेना) और नीमच (गैरिसन इन्जीनियरिंग, महु)।
- **सुरक्षा बलों की हवाई पट्टियां:** टेकनपुर (ग्वालियर), सीसुब और शिवपुरी (भारत-तिब्बत सीसुब)।
- राज्य में 24 हवाई पट्टियां है, लेकिन प्रमुख हवाई अड्डों की संख्या 11 है।
- राज्य के 5 नगरों (खजुराहो, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर) से ही नियमित वायुसेवा उड़ाने है।
- राज्य में वायुसेवाएं इण्डियन एअर लाइन्स, वायुदूत और सहारा एयरवेज दे रही है।
- भोपाल एवं इन्दौर राज्य के दो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे है।
- कान्हा, राज्य का एकमात्र उद्यान है जहां हवाई पट्टी है।
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान में हवाई पट्टी निर्माणधीन है।
- जुलाई 2013 में केंद्र सरकार ने देश में कम खर्च वाले 51 हवाई अड्डों को विकसित करने का निर्णय लिया है। जिनमें मध्य प्रदेश में है- ग्वालियर, सिंगरौली, बुरहानपुर, खण्डवा, जबलपुर, सीधी, शहडोल।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

13. अर्थव्यवस्था

आर्थिक स्थिति

नया आधार वर्ष- मध्य प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2010-11 से आधार वर्ष 2004-05 अपना लिया है। इसके पूर्व 1999-2000 था। आधार वर्ष स्थिर मूल्यों पर गणना में प्रयुक्त होता है।

1. **सकल घरेलू उत्पाद**

सर्वाधिक वृद्धि दर- (11%) भोपाल, जबलपुर (2009-10)

न्यूनतम वृद्धि दर- (6%) श्योपुर, नीमच, पन्ना, सीधी, सिंगरौली, डिण्डोरी (2009-10)

राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (वर्ष 2011-12): प्रचलित दर पर 336336 करोड़ रुपए

राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (वर्ष 2012-13): प्रचलित दर पर अनुमानित 336336 करोड़ रुपए

क्षेत्रवार योगदान प्रतिशत में	2011-12
प्रचलित कीमतों पर	
प्राथमिक क्षेत्र	28.49%
द्वितीयक क्षेत्र	25.86%
तृतीयक क्षेत्र	45.65%
स्थिर कीमतों पर	
प्राथमिक क्षेत्र	23.45%
द्वितीयक क्षेत्र	29.38%
तृतीयक क्षेत्र	47.17%

2. **प्रति व्यक्ति आय (2009-10)**

सर्वाधिक वृद्धि दर- इन्दौर, भोपाल जबलपुर, उज्जैन, ग्वालियर, होंशगाबाद

न्यूनतम वृद्धि दर- भिण्ड, श्योपुर, शिवपुरी, टीकमगढ़, पन्ना, रीवा

प्रति व्यक्ति आय		
	प्रति व्यक्ति आय (हजार में)	
कीमत का स्वरूप	2010-11	2011-12
स्थिर कीमतों (2004-05) पर	22382	24395
प्रचलित कीमतों पर	32222	37994

बजट: 2013-14

- प्रस्तुत- 22 फरवरी, 2013- वर्ष 2013-14 में मध्यप्रदेश को राजस्व प्राप्ति 79,603.47 करोड़ रूपये और राजस्व व्यय 74,388.64 करोड़ रूपये होगा। इस प्रकार, राज्य का आय-व्यय 5214.83 करोड; रूपयों का राजस्व आधिक्य दर्शाता है।

आय

- आय और व्यय पर कर -17 पैसे
- संपत्ति पूंजीगत लेन-देन पर कर -6 पैसे
- सीमा और संघ उत्पाद शुल्क -9 पैसे
- राज्य उत्पाद शुल्क -7 पैसे
- वानिकी - 1 पैसे
- बिक्री, व्यापार पर कर -21 पैसे
- अन्य -12 पैसे
- लौह धातु खनन और समस्त उद्योग - 3 पैसे
- अन्य - 5 पैसे
- केन्द्र से सहायता अनुदान -19 पैसे

व्यय

- प्रशासनिक सेवाएं - 7 पैसे
- ब्याज संग्रह और ऋण परिशोधन खर्च - 8 पैसे
- अन्य सामान्य सेवाएं - 13 पैसे
- शिक्षा, खेल, कला और संस्कृति - 17 पैसे
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण - 5 पैसे
- जलापूर्ति और सफाई - 1 पैसे
- सामाजिक कल्याण एवं पोषाहार - 11 पैसे
- अन्य सामाजिक सेवाएं - 3 पैसे
- कृषि, सिंचाई - 10 पैसे
- ग्रामीण विकास - 6 पैसे
- उद्योग और खनिज - 1 पैसा
- ऊर्जा - 3 पैसे
- परिवहन - 2 पैसे
- सहायता अनुदान - 6 पैसे आधिक्य 7 पैसे

प्रमुख बातें

- कुल राजस्व प्राप्ति - 79603.47 करोड़ रूपये
- कुल राजस्व व्यय - 74388.64 करोड़ रूपये
- राजस्व आधिक्य - 5214.83 करोड़ रूपये
- संस्कृति- 141 करोड़ रूपए पिछले साल से 31% ज्यादा है (सांची बौद्ध विश्वविद्यालय के लिए 10 करोड़, मुरैना में अटलबिहारी वाजपेयी संस्कृति एवं कला केन्द्र की स्थापना का प्रावधान)

राज्य योजना मंडल

- राज्य ने अपने समस्त संसाधनों के समुचित दोहन द्वारा राज्य के संतुलित-समग्र विकास को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य योजना मण्डल का गठन 24 अक्टूबर 1972 को किया था। मण्डल राज्य के लिए पंचवर्षीय योजना का निर्माण केन्द्रीय योजना आयोग के निर्देशन में करता है।
- मुख्यमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होते है जबकि उनके परामर्श पर राज्यपाल उपाध्यक्ष की नियुक्ति करता है। वर्तमान में उपाध्यक्ष **श्री बाबुलाल जैन** (2011 से कार्यरत) है।

मध्य प्रदेश की 11वीं पंचवर्षीय योजना

अवधि	2007-2012
योजना राशि	69,788.00 करोड़ रु.
आर्थिक विकास दर	7.6 प्रतिशत
कृषि क्षेत्र के लिए	5 प्रतिशत
उद्योगों के लिए	10 प्रतिशत

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

सेवा क्षेत्र के लिए 8 प्रतिशत

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

11वीं योजना में सर्वाधिक राशि आवंटन वाले पांच प्रमुख क्षेत्र

1. सामाजिक सेवा	(28.73%)
2. सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	(21.47%)
3. ऊर्जा	(13.50%)
4. ग्रामीण विकास	(11.29%)
5. परिवहन	(12.19%)

मध्य प्रदेश की 12वीं पंचवर्षीय योजना

बारहवी पंचवर्षीय योजना (2012-2017)- राज्य की आवश्यकता को दृष्टिगत रखते हुए मध्य प्रदेश की बारहवीं पंचवर्षीय योजना का आकार 201862.00 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जो ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना से 131533 करोड़ रुपये ज्यादा है। 12वीं पंचवर्षीय योजना की विकास दर 12% रखी गई है।

उद्देश्य एवं प्राथमिकताएं

- कृषि एवं संवर्गीय क्षेत्र में 9%, उद्योग क्षेत्र में 12% तथा सेवा क्षेत्र में 13.75% के साथ 12वीं पंचवर्षीय योजना में 12% की वृद्धि दर प्राप्त करना।
- गरीबी रेखा के स्तर को वर्ष 2009-10 के 36.7% के स्तर को 15% तक लाना।
- 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक साक्षरता दर 100% एवं साक्षरता में लिंग भेद को शून्य प्रतिशत तक लाना।
- वर्ष 2016-17 तक बीच में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों का प्रतिशत 5 से कम करना एवं प्राथमिक शिक्षा में लिंग असमानता को खत्म करना।
- जनसंख्या वृद्धि दर को वर्ष 2017 तक 1.62% तक लाना।
- मातृत्व मृत्यु दर को 125, शिशु मृत्यु दर को 35 तथा कुल प्रजनन दर को 201 करते हुए इसे राष्ट्रीय स्तर पर लाना।
- 0-6 वर्ष के आयु समूह का लिंगानुपात 950 प्रति हजार करना।
- कुपोषण को 20% और एनीमिया के स्तर को 25% तक लाना।
- नागरिकों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करना।
- सामाजिक आर्थिक विकास तथा महिलाओं का निर्णय में भागीदारी सुनिश्चित कर महिलाओं को मजबूत बनाना।
- समाज के कमजोर वर्गों का सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक उत्थान करना।
- जल संसाधन की क्षमता विकसित कर तथा इसका सही इस्तेमाल कर सिंचाई की वर्तमान क्षमता में 9.60 लाख हेक्टेयर की वृद्धि करना।
- सभी गांवों की बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए ऊर्जा के स्तरीय अंधोसरंचना का विकास करना तथा ऊर्जा कमी वाले राज्य में ऊर्जा आधिक्य वाले राज्य में परिवर्तित करना।
- सूचना और संचार तकनीक का विकास करना।

(वर्ष 2004-05 के आधार पर)

अवधि	2013-2018
आर्थिक विकास दर	12 प्रतिशत
कृषि क्षेत्र (प्राथमिक क्षेत्र)	9 प्रतिशत
उद्योगों (द्वितीयक क्षेत्र)	12 प्रतिशत
सेवा क्षेत्र (तृतीयक क्षेत्र)	13.75 प्रतिशत

प्रमुख योजनाऐं

जलदीप योजना: मछुआरों को विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से राज्य शासन ने 2007 से मोबाईल आंगनवाड़ी योजना लागू की थी जो अब जलदीप योजना के नाम से संचालित है। इसकी शुरूआत इन्दिरा सागर जलाशय से की गई।

जनमित्र समाधान केन्द्र: ग्वालियर जिले में सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित जनमित्र समाधान केंद्र योजना की शुरूआत की 2009 अक्टूबर से की गई। 12 विभागों की 53 सेवाए इसके तहत उपलब्ध करवाई जा रही है। इसे अब म. प्र. सरकार ने राज्य स्तर पर लागू करने का निर्णय लिया है।

गोकुल ग्राम योजना- गांवों के आधारभूत अधोसंरचनात्मक विकास के उद्देश्य से 25 सितम्बर, 2004 को इस योजना का शुभारंभ भोपाल के निकट अकबरपुर ग्राम पंचायत के सलैया ग्राम से किया गया। इस योजना के अंतर्गत सभी आधारभूत सुविधायें गांवों में जुटाई जायेंगी।

दीनदयाल रोजगार योजना- बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार की ओर प्रेरित करने तथा बैंकों से ऋण प्राप्त करने के लिए प्रेरित कर स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से 1 अगस्त 2004 से इस योजना का शुभारंभ।

अयोध्या बस्ती योजना- शहरी क्षेत्रों की गंदी बस्तियों में विकास और बुनियादी सुविधायें उपलब्ध कराने के उद्देश्य से म. प्र. सरकार द्वारा 1 जनवरी 2005 से इस योजना को लागू किया गया।

सौभाग्यवती योजना- अनुसूचित जातियों, जनजातियों एवं गरीब परिवार की कन्याओं के विवाह के लिए म. प्र. सरकार द्वारा इस योजना के तहत 5000 रु. की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

वन्देमातरम् योजना- केन्द्र सरकार द्वारा 14 जनवरी, 2004 को घोषित एवं 9 फरवरी, 2004 को संचालित इस योजना का उद्देश्य गरीब एवं पिछड़े वर्ग की गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सुविधायें उपलब्ध कराना है।

जननी सुरक्षा योजना- इस योजना की शुरूआत 1 अप्रैल, 2005 को की गई है। इस योजना के अंतर्गत 19 वर्ष से अधिक आयु की गर्भवती महिलाऐं (अनुसूचित जाति एवं जनजाति) जो निर्धनता रेखा से जीवन व्यतीत कर रही है उन्हें निजी अस्पताल में प्रसव कराने पर 1400 रु. सरकार की तरफ से दिए जाने का प्रावधान है।

मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग स्वरोजगार योजना- वर्ष 2008-09 में इस योजना की शुरूआत पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने की थी। इस योजना के अंतर्गत उपरोक्त वर्ग के लोगों को सरकार द्वारा स्वरोजगार स्थापना हेतु 25 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता दी जाने का प्रावधान है।

खुशबू परियोजना- इस परियोजना की शुरूआत प्रदेश के केन्द्रीय जेल में कैदियों के सामाजिक पुनर्वास एवं उनके व्यक्तित्व सुधार के लिए की गई है। इस परियोजना में कैदी का चयन उसके स्वास्थ्य, रूचि एवं उसके दृष्टिकोण के परीक्षण उपरांत किया जाता है।

अटल बाल आरोग्य एवं पोषण मिशन- इस मिशन की शुरूआत 24 दिसम्बर, 2010 को की गई एवं इसका उद्देश्य वर्ष 2015 तक पांच वर्ष के संभी बच्चों में गंभीर कुपोषण की दर को 12.6 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक लाना एवं वर्ष 2020 तक पूर्णरूप से मिटाना है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

जय प्रकाश नारायण सम्मान निधि योजनाः 1 अप्रैल, 2008 से प्रारंभ इस योजना के तहत मीसाबंदियों को प्रतिमा सम्मान निधि देना है। इसके तहत 1 से 6 माह की अवधि के बीच बंदी मिसाबंदियों को 3000 जबकि 6 माह से अधिक मीसा बंदियों को 6000 रुपये प्रतिमाह सम्मान निधी दी जाती है।

मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजनाः असंगठित खेतिहार मजदूरों को सरकारी सुविधाएं देने के लिये 20 सितंबर 2007 को एक महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना' की शुरूआत हुई। अक्टूबर, 2007 से लागू की गई यह योजना जून, 2008 से कृषि विभाग से सामाजिक न्याय विभाग को अंतरित की गई है। योजना भूमिहीन खेतीहार श्रमिकों के लिये संचालित है, जिसके पंजीयन हेतु ग्राम पंचायतों को अधिकृत किया गया है। योजना के अंतर्गत प्रसूति सहायता, छात्रवृत्ति/मेधावी छात्र पुरस्कार, विवाह सहायता, चिकित्सा सहायता एवं दुर्घटना मृत्यु की स्थिति में अनुग्रह सहायता दिये जाने का प्रावधान है। योजनान्तर्गत कन्या के विवाह हेतु 50 हजार रुपये तथा आयोजक को 1.00 लाख रुपये देने का प्रावधान है। चिकित्सा/दुर्घटना में उपचार हेतु हितग्राही को 20.00 हजार रुपये तक प्रति परिवार प्रति वर्ष तक स्वीकृत किये जाते है।

उषा किरण योजना

महिलाओं एवं बच्चों (18 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिका) को घरेलू हिंसा से बचाने के लिए **'घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम 2006'** के तहत राज्य सरकार द्वारा उषा किरण योजना चलायी जा रही है। 2008 से प्रारंभ।

ज. ला. नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण मिशन (जेएनयूआरएम)

भारत सरकार शहरी विकास मंत्रालय तथा आवास एवं शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय द्वारा माह दिसम्बर 2005 से लागू।

म. प्र. में नगरवार स्वीकृत परियोजनायें

क्र.	शहर का नाम	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या
1.	भोपाल	11
2.	इन्दौर	19
3.	जबलपुर	6
4.	उज्जैन	2
	योग	**38**

मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनाः 26 अप्रैल 2008 को गरीब नागरिकों के लिए सस्ते मूल्य पर अनाज वितरण की महत्वपूर्ण योजना 'मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना' का शुभारंभ। योजना के तहत बी.पी.एल. परिवारों को 3 रुपये किलो गेहूं तथा 4.5 रु. किलो चावल दिया जाता है।

विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजनाः राज्य सरकार द्वारा 2012 सामान्य वर्ग के निर्धन परिवारों के विकास और कल्याण की दिशा में सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग गठित कर आयोग की अनुशंसा पर विक्रमादित्य निःशुल्क शिक्षा योजना लागू की गई है। इसमें गरीबी रेखा से नीचे के उन निर्धन विद्यार्थियों को स्नातक स्तर पर निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना है, जिन्होने 12वीं बोर्ड परीक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये हो और अभिभावकों की वार्षिक आय 42 हजार से कम हो।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना: ग्रामीण क्षेत्र में सामान्य क्षेत्र के पाँच सौ और आदिवासी क्षेत्र के 250 से कम आबादी वाले राजस्व ग्रामें में ग्राम सड़क बनाने के लिये वर्ष 2010-11 से मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना शुरू। 2013 तक ऐसे सभी ग्रामों के बारहमासी सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य जो ग्राम प्रधानमंत्री सड़क योजना के दायरे मे नहीं आते है। तीन चरणों में 19 हजार 386 कि.मी. ग्रामीण सड़के। प्रथम चरण में 27820 सड़कों तथा 11954 पुल-पुलियों को स्वीकृति।

मुख्यमंत्री युवा स्व-रोजगार योजना: युवाओं को स्वयं के उद्योग-व्यवसाय शुरू करने मे मदद के लिए विगत एक अप्रैल 2013 से लागू। योजना में 50 हजार युवा को सहायता देने का लक्ष्य है। योजना का क्रियान्वयन ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा शहरी क्षेत्र मे वाणिज्य उद्योग और रोजगार विभाग के माध्यम से किया जायेगा। सभी वर्ग के युवाओं को स्वयं का उद्योग सेवा व्यवसाय स्थापित करने के लिए बैंको के माध्यम से ऋण उपलब्ध करवाना है। योजना में आय सीमा का कोई बंधन नहीं। वित्तीय सहायता के लिए दो तरह की श्रेणियाँ है। एक श्रेणी में 50 हजार रू. तक की परियोजना में तथा दूसरी श्रेणी मे 50 हजार से अधिक और 25 लाख तक की परियोजनाओ के लिये सहायता।

अटल ज्योति अभियान (प्रारंभ एवं पूर्ण 2013): ग्रामीण क्षेत्रो के घरो में 24 घण्टों तथा खेती के लिये कम से कम 10 घण्टे बिजली देने के लिये अटल ज्योति अभियान लागू किया गया। अभियान को जुलाई माह तक प्रदेश से के सभी 50 जिलों में लागू कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री युवा इंजीनियर-कान्ट्रेक्टर योजना : प्रदेश के युवा अभियंताओं को कान्ट्रेक्टर के रूप में क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से 'मुख्यमंत्री युवा इंजीनियर-कांट्रेक्टर योजना' तैयार की गई है। योजना मे कमी भी संकाय के इंजीनियरिग में डिग्रीधारी 500 युवा अभियंता को 60 माह का प्रशिक्षण (इन्टर्नशिप) दिया जायेगा। प्रशिक्षण अवधि में स्नातक अभियंता को 5000 रू. प्रतिमाह मानदेय दिया जायेगा। मैदानी प्रशिक्षण के समय मैदानी भत्ते के रूप में 2000 रू. प्रतिमाह अतिरिक्त दिया जायेगा।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- सरदार बल्लभभाई पटेल नि:शुल्क दवा वितरण योजना जबलपुर से 17 नवम्बर 2013 को प्रारम्भ।
- राज्य में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर 5 योजनाएं संचालित है।
- वर्ष 2010-11 मध्य प्रदेश परिवार कल्याण वर्ष घोषित।
- सर्वाधिक रोजगार सृजित करने वाले छोटे उद्योगों के लिए पांच, तीन और दो लाख रूपए के **दत्तोपंत ठेंगड़ी** पुरस्कार योजना।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाऐं

योजना का नाम	प्रारंभ तिथि	मुख्य प्रावधान
1. लाडली लक्ष्मी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, बैतूल प्रथम तीन जिले	2007	1. लिंगानुपात में सुधार 2. पांच वर्ष तक 6000 रुपये के बचत पत्र (कुल 30 हजार रुपये) 3. भुगतान- a. 6वीं में रु. 2000/- b. 9वीं में रु. 4000/- c. 11वीं में रु. 7500/- d. 2 वर्ष तक रु. 200/- प्रतिमाह e. 12वीं में (21 वर्ष आयु) एक मुश्त राशि 4. अन्य प्रावधान a. दो बच्चियों को लाभ
2. गांव की बेटी	2005	1. गांव की बेटी सभी प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण छात्राओं का रु. 500/- प्रतिमाह
3. मुख्यमंत्री कन्यादान	2006	1. सामूहिक विवाह में गरीब/तलाकशुदा कन्याओं के विवाह हेतु रु. 15 हजार प्रति कन्या
4. दीनदयाल समर्थ योजना	2004	1. नि:शक्तों का पुनर्वास
5. उषा किरण	2008	1. घरेलू हिंसा के विरूद्ध महिला संरक्षण एक्ट 2006 को लागू करना
6. दीनदयाल अन्त्योदय उपचार मिशन	2004	1. व्यक्ति को रु. 20 हजार तक नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा
7. कुशाभाऊ ठाकरें पेंशन योजना	2008	पात्रता- 1. समस्त बी.पी.एल. कार्डधारी 2. 50 हजार तक वार्षिक आय वाले परिवार 3. शहरी क्षेत्रों में 5 लाख तक की अचल संपत्ति या ग्रामीण क्षेत्रों में 5 एकड़ तक कृषि भूमि आयु पात्रता- 21 से 40 वर्ष
8. बलराम ताल	2007	1. खेत में तालाब निर्माण पर 50 हजार (या 25%) राशि की सब्सिडी
9. पंचपरमेश्वर	2011	1. पंचायतों को विभिन्न योजनाओं की राशि 'एक जाय निधि' से देना
10. विजयाराजे जननी कल्याण बीमा	2007	1. संस्थागत प्रसव बढ़ाना 2. प्रसव के समय 1000 रु. राशि

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

14. कृषि

- मध्य प्रदेश की **79 प्रतिशत आबादी** कृषि पर निर्भर है।
- मध्य प्रदेश में कुल 6.32 लाख कृषक परिवार है।
- राज्य के लगभग 49 प्रतिशत भाग पर कृषि की जाती है।
- अनाज उत्पादन में म.प्र. का देश में 9वॉ स्थान है। देश के कुल उत्पादन का 4.65 प्रतिशत।
- कुल खाद्यान्न उत्पादन में देश में 7वॉ स्थान (5.93 प्रतिशत)
- प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन(2012-13)- 227.5 किग्रा
- प्रति हेक्टेयर उर्वरक उपयोग(2012-13)- 77.2 किग्रा
- प्रति व्यक्ति बोया गया क्षेत्रफल- 0.30 हेक्टेयर
- राज्य की जी.डी.पी. में कृषि का हिस्सा (2012-13)-21.32%
- कृषि में वृद्धिदर (2012-13)-18.8%
- सर्वाधिक जोत का आकार - हरदा
- न्यूनतम जोत का आकार - कटनी, नीमच

मध्य प्रदेश भूमि उपयोग (2011-12) हजार हेक्टेयर)

कृषि योग्य बंजर भूमि (Culturable waste land)	1056
कुल पड़ती भूमि (Total Fellow Land)	1049
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	15223
कुल बोया गया क्षेत्रफल	22149
द्विफसली क्षेत्रफल	10506
शुद्ध सिंचित क्षेत्र का शुद्ध बोये गए क्षेत्र से प्रतिशत	52.47
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	7880.1
कुल सिंचित क्षेत्रफल	7421
प्रति व्यक्ति कुल बोया गया क्षेत्रफल	0.3 हेक्टेयर
कृषि गहनता	139%

स्त्रोत : म.प्र. आर्थिक समीक्षा, 2012-13

मध्य प्रदेश में कृषि जोत (कृषि संगणना 2000-01)

कृषि जोतों की संख्या	73.60 लाख
कृषि जोतों की क्षेत्रफल	163.72 लाख हेक्टेयर
कृषि जोतों का औसत आकार	2.2 हेक्टेयर

स्त्रोत: राज्य सरकार ऑफिस डायरी -2010 म. प्र.

फसलों की किस्मे

- धान - x-1, R-2, R-4, R-10, R-11, R-12
- दलहन ग्वालियर-3, उज्जैन-21, उज्जैन 24, T-3 जे.पी. -355, राधौगढ़-5 (सभी चने की किस्में हैं)
- अरहर (तुअर) खरगौन-2, प्रभाव, मुक्ता, ग्वालियर-3, टाइप-21
- अलसी-जवाहर-17, जवाहर-552, जवाहर-1, जवाहर-7
- सोयाबीन-पंजाब-1, अंकुर, गौरव, दुर्गा
- कपास-खण्डवा-2, मालझरी, शंकर-4

मध्य प्रदेश में कृषि की जलवायवीय एवं भौगोलिक दशाएं

फसल	वर्षा (सेमी. में)	तापक्रम (से. ग्रे. में)	मिट्टी
गेहूं	75 से 100	15 से 26	दोमट, हल्की, कछारी
चावल	125 से 200	25 से 26	दोमट, दलदली, चिकनी
चना	100 से 200	20 से 26	काली, जलोढ़
कपास	60 से 100	20 से 25	काली, जलोढ़
तुअर	100 से 200	20 से 26	चिकनी, दोमट
ज्वार	75 से 100	15 से 26	दोमट, कछारी
गन्ना	100 से 200	15 से 24	हल्की दोमट, चिकनी

मध्य प्रदेश के कृषि क्षेत्र

कृषि विभाग द्वारा मध्य प्रदेश को 5 कृषि प्रदेशों में विभाजित किया गया है-

1. **पश्चिम में काली मिट्टी का मालवा प्रदेश:** मंदसौर, नीमच, रतलाम, झाबुआ, बड़वानी, हरदा, धार, देवास, उज्जैन, शाजापुर, इन्दौर, खण्डवा, खरगौन आदि ज्वार एवं कपास के प्रदेश है।
2. **उत्तर में ज्वार- गेहूं का प्रदेश:** मुरैना, श्यौपुर, भिण्ड, ग्वालियर, दतिया, शिवपुरी, गुना, छतरपुर तथा टीकमगढ़ जिला में है। एक अन्य प्रदेश छिंदवाड़ा तथा बैतूल में भी है।
3. **मध्य गेहूं का प्रदेश:** इसमें भोपाल, सीहोर, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, रायसेन, विदिशा, सागर तथा दमोह जिले शामिल है।
4. **चावल-गेहूं का प्रदेश:** इसमें उत्तर में पन्ना, सतना, कटनी, उमरिया, जबलपुर तथा सिवनी के दक्षिण तक ही पेटी शामिल है।
5. **सम्पूर्ण पूर्वी मध्य प्रदेश (चावल का प्रदेश):** इसमें रीवा, सीधी, शहडोल, डिण्डोरी, मण्डला, बालाघाट आदि जिले सम्मिलित है।

प्रदेश के 11 कृषि जलवायु प्रक्षेत्र:- भोपाल, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर, सागर, इन्दौर, खण्डवा, झाबुआ, रतलाम, सिवनी एवं बैतूल।

मध्य प्रदेश में ऑपरेशन फ्लड मध्य प्रदेश में 1980 से आनन्द मॉडल से प्रेरणा लेकर ऑपरेशन फ्लड के द्वितीय चरण को प्रारम्भ किया गया है।

सूरजधारा योजना: अनुसूचित जनजाति के लघु एवं सीमान्त कृषकों को अलाभकारी फसलों अथवा किस्मों के स्थान पर लाभकारी दलहनी या तिलहनी फसलों उन्नत एवं विपुल उत्पादन देने वाले फसलों के बीज उपलब्ध कराना।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- मध्य प्रदेश में सोयाबीन की सर्वाधिक उत्पादकता एवं उत्पादन उज्जैन जिले में है।
- मध्य प्रदेश में देश का 59 प्रतिशत सोयाबीन उत्पादित होता है।
- मध्य प्रदेश में सबसे अधिक उत्पादन सोयाबीन का है। मालवा का पठार गेहूं का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र है।
- सर्वाधिक मूंगफली का उत्पादन खरगौन जिले में है।
- चने का प्रमुख उत्पादक क्षेत्र होशंगाबाद है।
- गन्ने का सर्वाधिक उत्पादन निमाड़ क्षेत्र में होता है।
- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र इंदौर में है।
- इन्दौर में देश की प्रथम जैविक खाद इकाई स्थापित।
- अपशिष्ट से जैविक खाद संयंत्र ग्वालियर में है।
- सहकारी क्षेत्र में कीटनाशक संयंत्र कटनी में है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- प्रदेश में पीली क्रांति का संबंध सरसों, अलसी और सोयाबीन के उत्पादन से है।
- महिला किसानों के प्रशिक्षण की योजना डेनमार्क सरकार की सहायता संचालित है।
- रबी की फसलों को 'उनालू' भी कहते है, यह फसले अक्टूबर-नवम्बर में बोयी जाती है तथा मार्च-अप्रैल में काटी जाती है।
- रबी की प्रमुख फसलों में गेहूं, चना, मटर, अलसी, तेवड़ा, सरसों आदि प्रमुख है।
- खरीफ फसलों को 'स्यालू' कहते है। यह फसले जुलाई-अगस्त में बोयी जाती है तथा नवम्बर दिसम्बर में काटी जाती है।
- खरीफ फसलों में चावल, मक्का, बाजरा, उड़द, मूंग, तुअर, कपास, तिल, मूंगफली, सोयाबीन, ज्वार है।
- रबी व खरीफ के मध्य में उगायी जाने वाली 'जायद' फसलें है। खरबूज, तरबूज, ककड़ी, खीरा की फसलें, हरी तरकारी एवं सब्जी प्रमुख जायद फसलें है।
- प्रदेश में सर्वाधिक कृषि जोत का आकार हरदा जिले में है।
- प्रदेश में न्यूनतम कृषि जोत का आकार कटनी एवं नीमच जिलों में है।
- खण्डवा एवं खरगौन को सफेद सोना (कपास) क्षेत्र कहा जाता है।
- देश की सर्वाधिक परती भूमि मध्य प्रदेश में है।
- सर्वाधिक शुद्ध कृषित भूमि वाला जिला उज्जैन (80.20%) है।
- न्यूनतम शुद्ध कृषित भूमि वाला जिला मण्डला (22.70%) है।
- राज्य का सिंचाई की दृष्टि से देश में 13वां स्थान है।
- राज्य उर्वरकों के प्रयोग की दृष्टि से देश में 21वां स्थान रखता है।
- राज्य में सर्वाधिक क्षेत्रफल पर सोयाबीन की खेती की जाती है एवं दूसरे स्थान पर गेहूं उगाया जाता है।
- उत्पादन की दृष्टि से राज्य की फसलों का घटता हुआ क्रम-क्रमशः गेहूं, सोयाबीन, चना, चावल, मक्का, कपास एवं ज्वार है।
- कृषि योग्य भूमि के 1 प्रतिशत भाग पर साग-सब्जी पैदा की जाती है।
- दालों के क्षेत्रफल में वृद्धि सर्वाधिक चनें के क्षेत्र में हुई है।
- अनाजों में सर्वाधिक वृद्धि मक्का के क्षेत्र में हुई है।
- तिलहनों में सर्वाधिक वृद्धि सोयाबीन के क्षेत्र में हुई है।
- गेहूं का सर्वाधिक उपज दर मुरैना जिले में पाई जाती है।
- प्रदेश में चावल का सर्वाधिक उपज दर ग्वालियर में है।
- दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए वर्ष 1998-99 में राष्ट्रीय दलहन विकास योजना आरम्भ की गई।
- राज्य में सोयाबीन की कृषि देवास जिले में प्रारंभ हुई थी।
- राज्य में उमरिया और कटनी जिलों को छोड़कर सभी जिलों में सोयाबीन की कृषि की जाती है।
- मध्य प्रदेश को 11 शस्य संयोजन प्रदेशों में विभाजित किया गया है।
- गेहूं चना संयोजन प्रदेश राज्य का सबसे बड़ा शस्य संयोजन प्रदेश है। यह पूर्वी मालवा एवं बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थित है।
- राज्य में सन् 1960 में सर्वप्रथम मण्डी अधिनियम पारित किया गया था।

पशुपालन एवं कुक्कुट पालन

- राज्य में पशुओं में सबसे बड़ी संख्या बकरियों की है।
- राज्य में पशु घनत्व 110 पशु प्रति वर्ग किमी. है।
- राज्य में सर्वाधिक पशु घनत्व टीकमगढ़ में तथा न्यूनतम पशु घनत्व होशंगाबाद जिले में पाया जाता है।
- राज्य में सर्वाधिक पशु संख्या सीधी जिले में तथा न्यूनतम पशु संख्या बुरहानपुर जिले में पाई जाती है।
- राज्य में सहकारी डेयरी विकास कार्यक्रम की शुरूआत 1975 में आनन्द पद्धति पर की गई थी।
- मध्य प्रदेश में कृषि विभाग का नाम बदलकर किसान कल्याण तथा कृषि विभाग कर दिया गया है।
- मालवा पठार को प्रदेश का गेहूँ भण्डार कहा जाता है।
- प्रदेश में सर्वाधिक मात्रा में नाइट्रोजन उर्वरकों का प्रयोग होता है।
- प्रदेश में भूमि विकास निगम की स्थापना वर्ष 1977-78 में की गई थी।

नोटः- 18वीं पशु संगणना के अनुसारे पिछली पशु संगणना की तुलना में गौ वंश में 11.60 तथा भैंस वंश में 20.50 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कृषि जलवायु क्षेत्र के आधार पर मध्य प्रदेश में सात प्रजनन क्षेत्र है।

कलोर संगोपन कार्यक्रमः इसके अन्तर्गत उन्त नस्ल की बछियां को पोषित कर गायों में परिवर्तन होने के बाद पशुपालकों को प्रदान।

नन्दीशाला योजनाः 2006 से, उद्देश्यः ग्रामीण क्षेत्रों की गौवंशीय पशुओं में नस्ल सुधार हेतु।

	रकबा		उत्पादन	
फसल	**प्रथम तीन जिले**	**न्यूनतम तीन जिले**	**प्रथम तीन जिले**	**न्यूनतम तीन जिले**
धान (चावल)	बालाघाट, सिवनी, मंडला	इंदौर नीमच शाजापुर	बालाघाट, सिवनी, मंडला	इंदौर, नीमच शाजापुर
गेहूं	होशंगाबाद, विदिशा, सिहोर	बुरहानपुर, बालाघाट शहडोल	होशंगाबाद, विदिशा, सिहोर	अनूपपुर, उमरिया, टीकमगढ़
चना	उज्जैन, सागर, विदिशा	बुरहानपुर, अनुपपुर शहडोल	उज्जैन, सागर विदिशा	शहडोल, अनुपपुर, बुरहानपुर
मक्का	छिंदवाडा झाबुआ, धार	मुरैना, भिण्ड ग्वालियर	झाबुआ, रतलाम छिंदवाड़ा	मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर
ज्वार	खरगौन, बडवानी छिन्दवाड़ा	बालाघाट, मण्डला, डिण्डोरी	खरगौन, बड़वानी छिंदवाड़ा	बालाघाट मण्डला डिण्डोरी
सोयाबीन	उज्जैन, शाजापुर, सागर	सिंगरोली, भिण्ड बालाघाट	उज्जैन, शाजापुर, सागर	सिंगरौली, भिण्ड, बालाघाट
राई-सरसों	मुरैना, भिण्ड, मन्दसौर	खरगौन, रायसेन होशंगाबाद	मुरैना, भिण्ड श्योपुर	होशंगाबाद, भोपाल, रायसेन
कपास	खरगौन, धार खण्डवा	नीमच, उज्जैन, श्योपुर	खरगौन, धार खण्डवा	नीमच, उज्जैन, श्योपुर
गन्ना	नरसिंहपुर, छिंदवाडा, बैतूल,	उमरिया, डिण्डोरी, विदिशा	नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, बैतुल	शहडोल, छतरपुर, सतना
मिर्च	खरगौन, बड़वानी खण्डवा	ग्वालियर, भिण्ड गुना	खण्डवा, धार खरगौन	ग्वालियर, उमरिया, भिण्ड
अदरक	छिंदवाड़ा, खंडवा, टीकमगढ़	शिवपुरी, गुना, अशोकनगर	छिंदवाडा, खंडवा, टीकमगढ़	शिवपुरी, गुना, अशोकनगर
लहसून	मंदसौर, उज्जैन, रतलाम	दतिया, डिण्डोरी, बुरहानपुर	रतलात, मंदसौर, उज्जैन	दतिया, मुरैना, डिण्डोरी
धनिया	शाजापुर, गुना, राजगढ़	ग्वालियर, उमरिया, टीकमगढ़	गुना, राजगढ़, मंदसौर	ग्वालियर, उमरिया, टीकमगढ़
आलू	इंदौर, देवास, शाजापुर	नीमच, बड़वानी, झाबुआ	इंदौर, देवास, छिंदवाड़ा	नीमच, डिण्डोरी बड़वानी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

शकरकंद	दमोह, टीकमगढ़, छतरपुर	भोपाल, नीमच, भिण्ड	टीकमगढ़, होशंगाबाद, छतरपुर	भोपाल, भिण्ड, रीवा
प्याज	शाजापुर, खंडवा, सतना	ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर	खंडवा, सागर, शाजापुर	ग्वालियर, श्योपुर दतिया

प्रमुख फसलों में मध्य प्रदेश का देश में स्थान (2011-12)

फसल	स्थान क्रम	सर्वाधिक उत्पादन क्षेत्र
गेहूं	द्वितीय	चावल घाटी क्षेत्र
चावल	छठां	बघेलखण्ड, उ.पू.
सोयाबीन	प्रथम	पश्चिमी, मध्य प्रदेश
तिलहन	प्रथम (2011 में)	मध्य-पश्चिम, मध्य प्रदेश
दलहन	प्रथम	उत्तर-मध्य, मध्य प्रदेश
ज्वार	तृतीय	उत्तर-पश्चिम, मध्य प्रदेश
चना	प्रथम (2005 से)	उत्तर-मध्य-पश्चिम, मध्य प्रदेश
कपास	चतुर्थ	निमाड़ क्षेत्र, मालवा
सरसों	द्वितीय	मुरैना, ग्वालियर, भिंड

प्रमुख फसल उत्पादक जिले

फसल	उत्पादक जिले
गेहूं	होशंगाबाद, विदिशा, सतना, सागर, रीवा, हरदा, सीहोर आदि
चावल	बालाघाट, मण्डला, शहडोल, बैतूल, रीवा, सीधी, सतना, छिंदवाड़ा आदि
मक्का	छिंदवाड़ा, झाबुआ, खरगौन, बड़वानी आदि
ज्वार	खरगौन, बड़वानी, मन्दसौर, रतलाम, उज्जैन आदि
चना	विदिशा, नरसिंहपुर, रायसेन, गुना, होशंगाबाद
तुअर	सीधी, छिंदवाड़ा, बैतूल, रायसेन
सोयाबीन	उज्जैन, शाजापुर, राजमढ़, देवास, धार, हरदा
राई-सरसों	मुरैना, भिण्ड, श्योपुर, ग्वालियर
तिल	सीधी, छतरपुर, टीकमगढ़ शहडोल
अलसी	रीवा, सीधी, छतरपुर, सागर, टीकमगढ़
मूंगफली	खरगौन, खण्डवा, बड़वानी, छिंदवाड़ा, सिवनी
कपास	खरगौन, खण्डवा, बड़वानी, बुरहानपुर, इन्दौर
गन्ना	नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, ग्वालियर, दतिया, सीहोर
प्याज	खण्डवा
आलू	इन्दौर
अफीम	मन्दसौर
गांजा	खण्डवा, बुरहानपुर

कृषि क्षेत्र की प्रमुख संस्थाएं एवं केन्द्र

संस्था / केन्द्र	मुख्यालय
राष्ट्रीय धान अनुसंधान केन्द्र	इन्दौर
चावल अनुसंधान केन्द्र	बड़वानी (भारत का कटक में)
कपास अनुसंधान केन्द्र	इन्दौर
कृषि अभियान्त्रिकी अनुसंधान केन्द्र	भोपाल
कृषि अभियान्त्रिकी महाविद्यालय	जबलपुर
उद्यान महाविद्यालय	मन्दसौर
एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन कारखाना	उज्जैन
प्रदेश का पहला सैलरिच जैविक खाद संयंत्र	भोपाल
मवेशियों का चारा बनाने का संयंत्र	धार
भारत की प्रथम जैविक खेती इकाई	इन्दौर
जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय	जबलपुर (1964)
अंतर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं अनुसंधान केन्द्र	खमरिया (जबलपुर में प्रस्तावित)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

डेयरी स्टेट केन्द्र	परियट (जबलपुर)
राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केन्द्र	रतलाम प्रस्तावित

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश कृषि: प्रमुख संगठन एवं योजनाएं

संगठन / योजनाएँ	स्थापना
मध्य प्रदेश बीज तथा फार्म विकास निगम	1980 (भोपाल)
मध्य प्रदेश कृषि उद्योग विकास निगम	1969-70
मध्य प्रदेश राज्य भण्डार गृह निगम	1958
लघु कृषक विकास अधिकरण	1971
भूमि विकास निगम	1977-78
राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम	1982
सहकारी डेयरी विकास कार्यक्रम	1975
मध्य प्रदेश राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था	1980
मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड	1972
बलराम ताल योजना	2007
थ्रस्ट परियोजना	1989
राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना	1999-2000
उद्यानिकी मिशन	2006-07
अन्नपूर्णा-सूरजधारा योजना	200-01

मध्य प्रदेश : पशु संख्या

पशु जाति	संख्या (लाख में)	प्रतिशत
बकरी	76.67	22.60
बैल	67.83	20.00
बछड़ा-बछिया	57.54	16.90
गाय	54.22	16.00
भैस	37.05	10.90
पाड़ा-पड़िया	30.93	09.10
भेड़	05.86	01.70
सुअर	05.82	01.70
भैंसा	03.02	00.90
घोड़े	00.90	00.30

मध्य प्रदेश की पशु संगणना
18वीं एवं 17वीं पशु संगणना की तुलना

क्र.	विवरण	पशु संगणना 2007	पशु संगणना 2003	प्रतिशत वृद्धि / कमी
1.	गौवंशीय पशु	2,19,15,438	1,89,12,611	+11.60
2.	भैंस वंशीय पशु	91,29,152	75,75,299	+20.50
3.	भेंडा / भेड़ी	3,89,863	5,46,366	-28.60
4.	बकरे / बकरियां	90,13,687	81,41,983	+10.70
5.	घोड़े / घोड़ियां, टट्टू	26,648	31,613	-15.70
6.	खच्चर	543	4,167	-87.00
7.	गधे	20,199	38,714	-48.00
8.	ऊँट	5,456	8,161	-33.10
9.	सूअर	1,92,766	3,58,085	-46.10
	कुल पशुधन	**4,06,92,752**	**3,56,16,999**	**+14.30**
10.	कुत्ते	7,19,356	15,22,848	-49.00
11.	खरगोश	10,712	13,919	-23.00
	कुल कुक्कुट	**73,84,318**	**1,17,04,725**	**-37.00**

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

15. वन-सम्पदा

- मध्य प्रदेश में वन क्षेत्र: 94690 हजार वर्ग किमी. (राज्य के कुल क्षेत्र का 30.72 प्रतिशत) देश के वन क्षेत्र में म. प्र. के वन क्षेत्र का प्रतिशत: 11.23% है।
- म. प्र. में प्रति व्यक्ति वन क्षेत्र: 0.16 वर्ग किमी. (राष्ट्रीय औसत 0.07)

मध्य प्रदेश वन प्रशासन

वन वृत्त (16)
↓
वन मण्डल (62)
↓
उपवन मण्डल (473)
↓
परिक्षेत्र (1871)
↓
परिक्षेत्र सहायक वृत्त (8286)

- मध्य प्रदेश सर्वोच्च वन अधिकारी 'प्रधान मुख्य वन संरक्षक' होता है।

वनवृत्त

- पुनर्गठित म. प्र. में 16 वन वृत्त है। वन वृत्त का प्रमुख अधिकारी वन संरक्षण होता है।
- **खण्डवा वनवृत्त:** यह सबसे बड़ा वनवृत्त है जिसके अंतर्गत कुल 9290.74 वर्ग किमी. वन क्षेत्रफल है।
- **तीन सर्वाधिक बड़े वन वृत्त:** खण्डवा, जबलपुर, रीवा।
- **तीन सबसे छोटे वन वृत्त:** होशंगाबाद, इंदौर, बैतूल।
- **सर्वाधिक आरक्षित वन वाला वन वृत्त:** खण्डवा
- **सर्वाधिक संरक्षित वन वाला वन वृत्त:** छतरपुर

वनमंडल (devision)

वनवृत्त पुन: वनमंडलों में विभक्त किये जाते है। म. प्र. में 62 वनमंडल है। एक वनवृत्त में 2 या अधिक वनमंडल होते है। इसका प्रमुख अधिकारी वनमण्डलाधिकारी होता है। **सर्वाधिक बड़ा वनमण्डल मण्डला** जबलपुर वृत्त का भाग है।

मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वन आवरण वाले जिले (2012)

1. बालाघाट (4775.54 वर्ग किमी.)
2. रीवा (4507.50 वर्ग किमी.)
3. छिंदवाडा (4168.65 वर्ग किमी.)

मध्य प्रदेश में न्यूनतम वन आवरण वाले जिले

1. उज्जैन (31.48 वर्ग किमी.)
2. शाजापुर (69.17 वर्ग किमी.)
3. भिण्ड (88.06 वर्ग किमी.)

वन वर्गीकरण (Classification of Forests)

वनों का भौगोलिक वर्गीकरण

1. **उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन**- औसत वर्षो 50 से 100 सेमी. इलाकों में उपलब्ध। सागौन, शीशम, नीम, पीपल आदि के वृक्ष आते है। ऐसे वन सागर, जबलपुर, छिंदवाडा, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सिवनी, होशंगाबाद में मुख्य रूप से पाये जाते है।
2. **उष्ण कटिबंधीय अर्धपर्णपाती वन**- औसत वर्षा 100 से 150 सेमी. इलाकों में है। साल, सागौन, बांस, बीजा, धौर्रा, कसाई, तिन्सा, जामुन, महुआ, सेजा, हर्रा आदि।
3. **उष्ण कटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन**- ये अपेक्षाकृत कम वर्षा वाले (25 से 75 सेमी.) क्षेत्रों में बबूल, कॉकर, हर्रा, पलाश, तेंदू, धोर्रा, शीशम, हल्दू, सागौन, शीशम आदि।

वनों का प्रशासनिक वर्गीकरण

1. **संरक्षित वन:** यह कुल वनों का 33 प्रतिशत (31.8 हजार वर्ग किमी.) है। ये वे वन है, जिन पर शासन का पूर्ण नियंत्रण रहता है। इनमें पशु चराना एवं लकड़ी काटना पूर्णत: निषिद्ध है।
2. **आरक्षित वन:** ये कुल वनों के 65 प्रतिशत (62 हजार वर्ग किमी.) है। लाइसेंस के तहत इनमें लकड़ी कटाई होती है।
3. **अवर्गीकृत वन:** ये बेहर कम मात्र 2 प्रतिशत (1.7 हजार वर्ग किमी.) है। पशु चारन एवं लकड़ी कटाई की जा सकती है।

विभिन्न वन

सागौन:- इसका बॉटनीकल नाम 'टेक्टोनेग्रेन्डाई' है। राज्य के मध्य-क्षेत्र में अधिकांशतया केन्द्रित, 17.8% भाग पर।
प्रमुख क्षेत्र: होशंगाबाद (बोरी-घाटी), जबलपुर, बैतूल, सागर, छिन्दवाडा और मण्डला जिले।

साल:- इस का बॉटनीकल नाम 'शोरीया रोबुस्ता' है। यह क्षेत्र पूर्वी म. प्र. का हैं। 16.54% भाग पर।
प्रमुख क्षेत्र: मण्डला, बालाघाट, सींधी और शहडोल जिले।

बॉस:- इसका बॉटनीकल नाम 'डेन्डोकेलेमस' है।
प्रमुख क्षेत्र: बालाघाट, बैतूल, जबलपुर, सिवनी, मण्डला, सागर और भोपाल।

तेन्दूपत्ता:- अधिकांश तेन्दू वृक्ष छ. ग. में जाने के बावजूद म. प्र. के उत्तर मध्य पूर्वी जिलों में, राज्य में लगभग 260 बीडी कारखाने कार्यरत है।
प्रमुख क्षेत्र: सागर (सर्वाधिक), टीकमगढ़, छत्तरपुर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, सीधी, शहडोल।

खैर वृक्ष:- शिवपुरी और बानमोर (मुरैना) में कत्था बनाने के एक-एक कारखाने है।
प्रमुख क्षेत्र: गुना, श्योपुर, शिवपुरी, जबलपुर, सागर, दमोह, उमरिया, होशंगाबाद आदि।

हर्रा वृक्ष:- यह भी एक बहुउपयोगी वृक्ष है। हर्रा वृक्ष के फलों में 35 से 40 प्रतिशत 'टैनिग' पाया जाता है।
प्रमुख क्षेत्र: छिन्दवाडा, जबलपुर, श्योपुर, बालाघाट, शहडोल, बैतूल, पन्ना, सिवनी, मण्डला, सतना, होशंगाबाद। हर्रा सबसे अधिक बालाघाट वन वृत्त में पाया जाता है।

लाख:- म. प्र. में पलास, घोंट, कुसुम, बैर के वृक्षों और अरहर के पौधे से लाख प्राप्त होती है। उमरिया में लाख बनाने का कारखाना है।
प्रमुख क्षेत्र: छिन्दवाडा, जबलपुर, श्योपुर, बालाघाट, शहडोल, बैतूल, पन्ना, सिवनी, मण्डला, सतना, होशंगाबाद।

गोंद:- राज्य में बबूल, कुल्लु, सलाई आदि के वृक्ष पर्याप्त है जिनसे गोंद निकाला जाता है। प्रकार: अरेबिक गोंद (एनोनइसस लटीभोलिया या बबूल पेड़ से) कुल्लु गोंद (कुल्लु पेड़ से) और सलाई गोंद (सलाई पेड़ से)।
प्रमुख क्षेत्र: झाबुआ, धार, खण्डवा, खरगौन, ग्वालियर, शिवपुरी, मुरैना, रतलाम आदि।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

भिलावा:- भिलावा वृक्ष से प्राप्त भिलावा फल भी बहुउपयोगी है। छिन्दवाड़ा में इसका एक कारखाना है। उपयोग: स्याही, पेन्ट, औषधि। प्रमुख क्षेत्र: पूर्वी जिले।

महुआ:- महुआ वृक्ष से प्राप्त महुआ फल का उपयोग शराब और औषधि दोनों में होता है। यह भी पूर्वी जिलों में विशेष रूप से मिलता है।

राज्य के प्रमुख वन संस्थान

संस्थान	मुख्यालय
भारतीय वन प्रबंध संस्थान (1978)	भोपाल
भारतीय वन अनुसंधान संस्थान (क्षेत्रीय कार्यालय) (1979)	जबलपुर
वन प्रबंधन शिक्षा केन्द्र (वन राजिक महाविद्यालय)	बालाघाट
वन राजिक महाविद्यालय (1980)	बैतूल
उष्ण कटिबंधीय वन संस्थान	जबलपुर
वानिकी अनुसंधान एवं मानव संसाधन विकास संस्थान केन्द्र सरकार	छिंदवाडा
फारेस्ट गार्ड ट्रेनिंग (4)	शिवपुरी, गोविंदगढ़, अमरकंटक, लखनादौन
संजीवनी संस्थान (वनोषधि रोपन)	भोपाल
वन विकाय निगम (1975)	भोपाल
म. प्र. इको पर्यटन वि. नि. (2005)	भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार की वन संरक्षण योजनाऐं

पंचवन योजना: 33 प्रतिशत से कम वन क्षेत्र वाले जिलों में वृक्षारोपण की योजना है।

लोक वानिकी योजना: लोक वानिकी मध्य प्रदेश शासन द्वारा भूमि स्वामियों के निजी स्वामित्व की पड़ती जमीनों पर खड़े वनों के प्रबंधन के लिए अप्रैल 1999 से प्रारंभ की गई।

'वनस्पति वन' पंचवर्षीय योजना:कटनी जिले में एक महत्वाकांक्षी 'वनस्पति वन' पंचवर्षीय योजना का क्रियान्वयन का कार्य प्रगति पर है।

संजीवनी आयुर्वेद:औषधीय पौधों के विपणन के लिये **'संजीवनी आयुर्वेद'** के नाम से 22 विक्रय केन्द्र प्रारंभ।

वन एवं वन्य जीव संरक्षण के कानून

1. वन्य जीव सुरक्षा अधिनियम, 1972
2. वन्य संरक्षण अधिनियम, 1980
3. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के कुछ प्रावधान
4. भू-राजस्व संहिता, 1956 के कुछ प्रावधान

मध्य प्रदेश में पहली वन नीति: सन् 1952 में

मध्य प्रदेश की नई वन नीति: 4 अप्रैल, 2005

वानिकी पुरस्कार

अमृता देवी स्मृति पुरस्कार: यह पुरस्कार वन और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में दिया जाता है। वृक्षों को बचाने के लिये प्राणोत्सर्ग करने वाले जनसमूह का नेतृत्व करने वाली वीरांगना 'अमृता देवी' की स्मृति में यह पुरस्कार सन् 1994 से राजस्थान ने प्रारंभ किया गया है।

वन प्रहरी पुरस्कार: वनों में अग्नि की रोकथाम, अवैध टन कटान को रोकने वन्य जीव जंतुओं की सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली संस्थाओं अथवा व्यक्ति विशेष को दो श्रेणियों में विभक्त यह पुरस्कार राज्य एवं जिला स्तर पर प्रदान किये जाते है।

वृक्ष मित्र पुरस्कार: श्रीमती इंदिरा गांधी की स्मृति में भारत सरकार द्वारा प्रति वर्ष उनकी जन्म तिथि 19 नवंबर के अवसर पर 'इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्ष मित्र पुरस्कार' दिया जाता है।

महावृक्ष पुरस्कार: प्राचीन एवं विशिष्ट प्रजातियों के वृक्षों को पहचान कर सुरक्षित करने के उद्देश्य से वर्ष 1995 से 'महावृक्ष पुरस्कार' योजना शुरू की गई है।

म. प्र. के राष्ट्रीय उद्यान

- म. प्र. में 10 राष्ट्रीय उद्यान एवं 25 अभ्यारण्य है, जिसमें 6 टाइगर रिजर्व, 2 खरमोर अभ्यारण्य, 2 सोन चिड़िया अभ्यारण्य, 3 घड़ियाल (एवं अन्य जलजीव) अभ्यारण्य है तथा 2 राष्ट्रीय उद्यान जीवाश्म संरक्षण हेतु स्थापित किए है।
- देश में सबसे अधिक राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारणय के अंतर्गत क्षेत्र मध्य प्रदेश में है।
- वन्य प्राणी संरक्षण के लिए कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में प्रशिक्षण की व्यवस्था है।

क्र.	नाम	जिला	क्षेत्रफल	मुख्य-प्रणी
1.	कान्हा	मण्डला	940	बाघ, तेन्दुआ, चीतल, सांभर
2.	बांधवगढ़	उमरिया	437	बाघ, तेन्दुआ, चीतल, सांभर
3.	माधव	शिवपुरी	337	तेन्दुआ, सांभर, चीतल
4.	पन्ना	पन्ना	543	बाघ, तेन्दुआ, चीतले, सांभर, गौर
5.	संजय	सीधी	838	बाघ, तेन्दुआ, चीतल
6.	पेंच	सिवनी, छन्दवाड़ा	293	बाघ तेन्दुआ, चीतल, सांभर, गौर
7.	सतपुड़ा	होशंगाबाद	524	बाघ, तेन्दुआ, सांभर, चीतल
8.	वन विहार	भोपाल	4.45	प्रदेश के सभी वन्य प्राणी
9.	जीवाश्म	मण्डला	0.27	वनस्पति, जीवाश्म
10.	बाघ (2011)	धार	108	डायनासोर के जीवाश्म
11.	ओंमकारेश्वर	खण्डवा	293.56	प्रदेश के सभी वन्य प्राणी

टाइगर प्रोजेक्ट

- विश्व में प्रोजेक्ट टाइगर के जन्मदाता गेनी मेनफोर्ड है तथा भारत में प्रोजेक्ट टाइगर के जन्मदाता कैलाश सांखल्या है।
- वर्ष 2014 की रिपोर्ट के अनुसार म. प्र. में बाघों की संख्या 308 द्वारा रह गई है। अब म.प्र. के स्थान पर कर्नाटक टाइगर स्टेट बन गया है। बाघों की संख्या की दृष्टि से राज्य इस प्रकार है-

1.	कर्नाटक	406
2.	उत्तराखण्ड	340
3.	मध्य प्रदेश	308
4.	तमिलनाडु	229
5.	महाराष्ट्र	190

- विश्व के 10 प्रतिशत तथा भारत के 19 प्रतिशत बाघ मध्य प्रदेश में पाये जाते है। भारत में वर्ष 2014 मे कुल 2226 बाघ पाये गये।

टाइगर फॉउण्डेशन सोसायटी:-वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत् 1997 से प्रदेश के सभी टाइगर प्रोजेक्टस में टाइगर फाउण्डेशन सोसायटी की स्थापना की गयी है।

टाइगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत लाए गए उद्यानों की संख्या 7 है-

1. **कान्हा राष्ट्रीय उद्यान:** कान्हा राष्ट्रीय उद्यान (940 वर्ग किमी.) सबसे बड़ा और सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। 1933 में अभ्यारण्य और 1955 में कान्हा राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान बना। कृष्ण मृग और ब्रेडरी प्रजाति का बारहसिंगा यही पाया जाता है। 1974 से यहां टाइगर प्रोजेक्ट के अंतर्गत 'पार्क इण्टरप्रिटेशन' योजना लागू है। के. फारसान ने 'हाइलैण्ड ऑफ सेंटर इंडिया' में हालो घाटी (मण्डला) और ब्रांडेर ने 'वाइल्ड एनीमल इन सेन्ट्रल इंडिया' में बंजर घाटी (बालाघाट) का वर्णन किया है, जो दोनों ही कान्हा नेशनल पार्क में है। यह पार्क बालाघाट तथा मण्डला में फैला है।
2. **बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान:** टाइगर प्रोजेक्ट, शहडोल में 32 पहाड़ियों से घिरा, जिसे 1964 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला तथा 1993 से प्रोजेक्ट टाइगर में शामिल किया गया। बाघों का घनत्व यहां सर्वाधिक घनत्व (प्रति 8 km. में एक बाघ) है। यहां सफेद शेर (गोविन्दगढ़ रीवा में) पाये जाते थे।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

3. **पेंच राष्ट्रीय उद्यान:** विश्व बैंक के साथ अभ्यारण्य संरक्षण परियोजना में शामिल है। यह छिंदवाड़ा तथा सिवनी जिले में है। इसे 1992 में प्रोजेक्ट टाइगर घोषित किया गया है। इसका क्षेत्रफल 293 वर्ग किमी. है। यह राष्ट्रीय उद्यान म. प्र. तथा महाराष्ट्र की सीमा में स्थित है। इस राष्ट्रीय उद्यान में बाघ, तेन्दुआ, चीतल, गौर हिरण, जंगली सुअर आदि वन्य प्राणी पाए जाते है। यहां मोगली लैण्ड है।
4. **पन्ना राष्ट्रीय उद्यान:** 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया तथा 1995 में प्रोजेक्ट टाइगर के अंतर्गत शामिल किया गया। इसका क्षेत्रफल 543 वर्ग किमी. है। पन्ना अभ्यारण रेप्टाइल्स के लिए संरक्षित है। यह एक मात्र ऐसा राष्ट्रीय उद्यान है, जहां से विमान सेवा उपलब्ध है। इस उद्यान में बाघ, तेन्दुआ, सांभर, गौर, मुंजक, हिरण आदि पाये जाते है।
5. **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान:** यह राष्ट्रीय उद्यान होशंगाबाद जिले में है। यह प्रदेश का पांचवा प्राजेक्ट टाइगर है। यह 1983 में राष्ट्रीय उद्यान के रूप में स्थापित किया गया है। इसका क्षेत्रफल 545 वर्ग किमी. है। इस उद्यान में बाघ, तेन्दुआ, मुंजक, हिरण आदि वन्य प्राणी पाए जाते है। इस उद्यान में कृष्णमृगों की संख्या सबसे अधिक है।
6. **संजय राष्ट्रीय उद्यान:** यह राष्ट्रीय उद्यान म. प्र. के **सीधी** तथा **छत्तीसगढ़ के कोरिया** जिले में है। विभाजन के पूर्व यह सर्वाधिक क्षेत्रफल वाला राष्ट्रीय उद्यान (1938 वर्ग किमी.) था। लेकिन म. प्र. में क्षेत्रफल 831.91 वर्ग किमी. है। 1981 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया। इस टाइगर रिजर्व में केन्द्र सरकार ने 2006 में प्रदेश का छटवां प्रोजेक्ट टाइगर घोषित किया है। इसका पुराना नाम डुबरी अभ्यारण है।
7. **रातापानी राष्ट्रीय उद्यान:** रायसेन जिले में स्थित, 2012 में टाइगर प्रोजेक्ट में शामिल किया गया।

मध्य प्रदेश में अभ्यारण (प्रस्तावित)

क्र.	राष्ट्रीय	क्षेत्रफल (वर्ग किमी.)	जिला
1.	कालीभीत	-----	बैतूल
2.	सुरमैनिया	178.21	खण्डवा
3.	मान्धाता	69.24	खण्डवा
4.	कट्ठीवाडा (मयूर)	90	अलीराजपुर

मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय उद्यान (प्रस्तावित)

राष्ट्रीय	जिला	वन्यप्राणी
पन्ना	पन्ना	राज्य के सभी मुख्य वन्य प्राणी एवं रेंगने वाले प्राणी जंगली भैंसा के लिए मुख्यत:
ओकारेश्वर	खण्डवा	राज्य के सभी मुख्य वन्य प्राणी
डायनासौर जीवाश्म उद्यान	धार	डायनासौर के जीवाश्म

विशेष पशु या पक्षी हेतु अभ्यारण्य

प्रमुख अभ्यारण्य		संरक्षित पशु-पक्षी
चम्बल राष्ट्रीय अभ्यारण्य, मुरैना	-	घड़ियाल, मगर
सोन नदी अभ्यारण्य, सिधी-शहडोल	-	घड़ियाल, मगर
केन नदी अभ्यारण्य, छतरपुर	-	घड़ियाल, मगर
सैलाना अभ्यारण्य, रतलाम	-	दूधराज
सरदारपुर अभ्यारण्य, धार	-	खरमोर पक्षी, दूधराज
घाटी गांव अभ्यारण्य, ग्वालियर	-	सोन चिड़िया
करेरा अभ्यारण्य, शिवपुरी	-	सोन चिड़िया
नौरादेही अभ्यारण्य, सागर	-	नील गाय
गांधी सागर, मंदसौर	-	नील गाय

मध्य प्रदेश में जैव मण्डलीय आरक्षित क्षेत्र

1. पचमढ़ी क्षेत्र जैव मण्डलीय आरक्षित क्षेत्र
2. अमरकंटक-अचानकमार जैव मण्डलीय आरक्षित क्षेत्र

मध्य प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण संस्थान

संगठन	स्थापना वर्ष	मुख्यालय	उद्देश्य / कार्य
पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एप्को)	5 जून, 1981	भोपाल	पर्यावरण संबंधी शोध शिक्षण, प्रशिक्षण एवं नगर वानिकी द्वार प्रदूषण पर रोक लगाना।
आपदा प्रबन्ध संस्थान	19 नवम्बर, 1987	भोपाल	प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं संगठन के दुष्प्रभावों को कम करना।
म. प्र. प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड	1974	भोपाल	विभिन्न तरह के प्रदूषण को नियत्रित करना

माधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान- यह राष्ट्रीय उद्यान आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग-3 पर प्रदेश के शिवपुरी जिले में स्थित है। यह वनीय सघनता तथा पक्की सड़कों के लिए विख्यात है। इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1958 में की गई थी। इसी उद्यान में जार्ज कैसल किला है। यहां शेर, चीता, तेन्दुआ, हिरण, सांभर, नील गाय, चिंकारा चीतल, जंगली सुअर आदि वन्य प्राणी पाए जाते है। इसमें सांख्य सागर झील भी है।

जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान: यह म.प्र. का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान (डिण्डोरी) है, इसका क्षेत्रफल 0.27 वर्ग किमी. है। यहां वनस्पति तथा जीवाश्म को संरक्षित किया गया है। यह भारत के चार जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यानों में एक है।

वन बिहार राष्ट्रीय उद्यान: यह झीलों के रमणीय स्थल भोपाल में है। क्षेत्रफल की दृष्टि से यह म. प्र. का दूसरा छोटा राष्ट्रीय उद्यान है। इसका क्षेत्रफल 4.45 वर्ग किमी. है और इसमें म. प्र. के सभी प्राणी पाए जाते है। यह वर्ष 1979 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया है।

ओंकारेश्वर राष्ट्रीय उद्यान: यह राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले में प्रस्तावित है। इस राष्ट्रीय उद्यान की घोषणा भारत सरकार द्वारा की जा चुकी है।

महत्वपूर्ण बिन्दु

- कालीभीत (बैतूल), मान्धाता (खण्डवा) तथा सुरमैनिया (खण्डवा) प्रस्तावित है।
- रामसर समझौता के अनुसार देश की 25 आर्द्रभूमियों में से एक म.प्र. का भोज स्थल (3201 हेक्टेयर) भोपाल में है।
- गिरवन के सिंहों के संरक्षण हेतु पालकुनों (श्योपुर) में एक अभ्यारण्य स्थापित किया गया था। गुजरात द्वारा सिंहों को देने से इंकार कर दिया गया। अब **अफ्रीकन सिंहों** को लाने की योजना है।
- भारतीय पक्षियों में सबसे छोटा पक्षी फुलचुकी मध्य प्रदेश में बहुत देखा जाता है। थिक्रा पक्षी (पपीहा जैसा दिखने वाला शिकारी पक्षी) मध्य प्रदेश में सर्वाधिक संख्या में पाया जाता है।
- बॉस उत्पादन को मापने की ईकाई नेशनल टन है। (1 नेशनल टन-2400 मीटर बॉस की लंबाई)
- सर्वाधिक वन प्रतिशत मण्डला जिले और मण्डला वन वृत्त में है।
- सबसे कम वन शाजापुर वन वृत्त में है।
- म. प्र. एकमात्र राज्य है। जिसने वनों का पूर्णत: राष्ट्रीयकरण कर दिया है।
- प्रदेश में सामाजिक वानिकी योजना 1976 में शुरू की गयी थी।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- मण्डला, पन्ना, बालाघाट, खण्डवा, बैतूल, सीधी और होशंगाबाद जिले की आधी भूमि वनाच्छादित है।
- उत्तर-पश्चिमी म. प्र. (शिवपुरी वन वृत्त) में मुख्य रूप से कंटीले वन पाये जाते है।
- सर्वाधिक बॉस वृक्ष मध्य प्रदेश में पाया जाता है।
- सामाजिक वानिकी योजना के एक कार्यक्रम के रूप में 'पंचवन' योजना 1976 से ही शुरू की गयी। राज्य के 33 प्रतिशत से कम वन वाले क्षेत्रों में 'पंचवन' योजना लागू।
- वन क्षेत्र पालों (रेंजर) का प्रशिक्षण बालाघाट में दिया जाता है।
- वनपाल और वन रक्षक प्रशिक्षण के 3 विद्यालय अमरकंटक, सिवनी और लखनादौन में है।
- सोन चिड़िया माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी में पायी जाती है।
- 1 नवम्बर 1981 को बारहसिंगा को राज्य पशु घोषित किया गया था।
- तेन्दूपता का राष्ट्रीयकरण 1964 में किया गया।
- बाँस का का राष्ट्रीयकरण 1973 में किया गया।
- साल बीज का राष्ट्रीयकरण सन् 1975 में किया गया।
- राज्य के ग्वालियर वन वृत्त से न्यूनतम राजस्व प्राप्त होता है।
- राज्य के वन क्षेत्र के प्रति वर्ग किमी. से मिलने वाला राजस्व सर्वाधिक होशंगाबाद वन वृत्त से मिलता है।
- इमारती लकड़ी सर्वाधिक जबलपुर वन वृत्त से प्राप्त होती है।
- खण्डवा वन वृत्त में लकड़ी की कटाई पर प्रतिबंध।
- देश में तेन्दूपत्ते का सर्वाधिक संग्रहण मध्य प्रदेश में होता है।
- राज्य के वनों में सर्वाधिक पाया जाने वाला वन वृक्ष सागौन है।
- गिरवन के सिंहो के लिए पालकुनों, श्योपुर में अभ्यारण स्थापित।

वन्य जीव अभ्यारण

क्र	नाम	जिला	क्षेत्रफल	मुख्य-प्राणी
1.	बगदरा	सींधी	279	काला हिरण, तेन्दुआ, नीलगाय
2.	बोरी	होशंगाबाद	518	शेर, तेन्दुआ, चीतल
3.	फेन	मण्डला	110.74	शेर, तेन्दुआ, चीतल, सांभर
4.	गांधी सागर	मन्दसौर	224.65 368.62 (राजस्थान सहित)	नीलगाय, चिंकारा, तेन्दुआ
5.	घाटी गांव	ग्वालियर	512	सोन चिड़िया, काला हिरण
6.	करेरा	शिवपुरी	202.21	सोन चिड़िया, काला हिरण
7.	केन	छतरपुर	45	घड़ियाल, मगर
8.	सिवनी	देवास-सीहोर	187.70	तेन्दुआ, सांभर, चीतल
9.	राष्ट्रीय चंबल (सबसे बड़ा)	मुरैना	3,902	घड़ियाल, मगर, कछुआ, डॉलफिन
10.	नौरादेही (सबसे बड़ा)	सागर	1034.52	नीलगाय, काला हिरण, चीतल, जंगली कुत्ता
11.	पंचमढ़ी	होशंगाबाद	461.85	शेर, तेन्दुआ, चीतल, चिंकारा, सांभर, नीलगाय, चौसिंघा, भालू
12.	पनपथा	शहडोल	245.84	शेर, तेन्दुआ, चीतल, चिंकारा, सांभर, नीलगाय, चौसिंघा, भालू
13.	पालपुर	श्योपुर	345	शेर, तेन्दुआ, चीतल, चिंकारा, कालाहिरण सांभर, नीलगाय
14.	पेंच	सिवनी, छिन्दवाड़ा	449.39	शेर, तेन्दुआ, चीतल, गौर, सांभर
15.	रातापानी	रायसेन	530.36	शेर, तेन्दुआ, सांभर, चीतल, नीलगाय, चिंकारा
16.	संजय	सीधी	364.59	शेर, तेन्दुआ, सांभर, चीतल, नीलगाय, प्रदुबरी, चिंकारा
17.	सिंधोरी	रायसेन	287.91	शेर, तेन्दुआ, चीतल, सांभर, चिंकारा
18.	सोन	सीधी-शहडोल	209	घड़ियाल, मगर, कछुआ
19.	सरदारपुर	धार	348.12	खरमौर, दूधराज (राजकीय पक्षी) का संरक्षण
20.	सैलाना (सबसे छोटा)	रतलाम	12.96	खरमौर
21.	राला मण्डल (सबसे छोटा)	इन्दौर	234.55	शेर, तेन्दुआ, चीतल, चिंकारा
22.	ओरछा	टीकमगढ़	45	चीतल, नीलगाय
23.	नरसिंहगढ़	राजगढ़	57.19	तेन्दुआ, चीतल, सांभर, गौर, धुबर, धनेरा
24.	रानी दुर्गावती	जबलपुर	267	तेन्दुआ, चीतल
25.	गंगऊ	पन्ना	89	----
26.	केओनी	देवास, सीहोइ	122.7	
27.	कुनोपालपुर	श्योपुर	344.68	
28.	मान्धाता (आकारेश्वर)	खण्डवा		
29.	सुरमानिया	खण्डवा		
30.	कालीमीत	बैतूल		

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

16. खनिज सम्पदा

- मध्य प्रदेश में लगभग 25 प्रकार के खनिज पाये जाते है।
- कुल खनिज उत्पादन में म.प्र. देश में 5वे स्थान पर है वही वित्तिय वर्ष 2010-11 में खनिजों के सकल उत्पादन मूल्य में देश में चौथा स्थान है।
- वर्ष 2011-12 में खनिज से 3115 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ जो पहले की तुलना में 33.39% अधिक हो।
- मध्य प्रदेश की प्रथम खनिज नीति की घोषणा वर्ष 1995 में की गई थी।
- 19 जनवरी 1962 को मध्य प्रदेश राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना की गई। मुख्यालय भोपाल में है।
- राजस्व के आधार पर दो-तिहाई खनिज सिंगरौली एवं सीधी जिला (46.82 प्रतिशत) तथा अनूपपुर एवं शहडोल जिला (20.01 प्रतिशत) उत्पादित करते है।

राज्य से खनिज निर्यात

- **मैंगनीज:** अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, रूस
- **लौहा:** जर्मनी, जापान
- **कोयला (सिंगरोली का):** उत्तर प्रदेश
- **तांबा:** राजस्थान
- **क्लिंकर (चूना):** भटिंडा (पंजाब)

मध्य प्रदेश में अयस्क उत्पादन

देश में मध्य प्रदेश का स्थान (2010)

क्र.	अयस्क	भारत में म. प्र. का स्थान
1.	हीरा	प्रथम
2.	स्लेट	प्रथम
3.	पायरोफायलाइट	प्रथम
4.	डायस्पोर	द्वितीय
5.	तांबा अयस्क	प्रथम
6.	कोयला	चतुर्थ
7.	चूना पत्थर	तृतीय
8.	लौह अयस्क	आठवां
9.	डोलोमाइट	सातवां
10.	लेटराइट	चतुर्थ

क्र.	अयस्क	भारत में म. प्र. का स्थान
11.	राक फास्फेट	द्वितीय
12.	क्ले	द्वितीय
13.	केल्साइट	द्वितीय
14.	मैंगनीज	तृतीय
15.	फायरक्ले	पांचवा
16.	स्टेटाइट	आठवां
17.	बाक्साइट	पाँचवां
18.	केओलीन	सातवां
19.	सिलिका रेत	ग्यारहवा
20.	शेल	चतुर्थ

देश में प्रथम *(TRICKS-हक से पढ़ो)*- हीरा, कॉपर, स्लेट, पाइरोफ्लाइट, डायस्पोर

देश में द्वितीय- (रॉकर)- रॉकफास्फेट, कैल्साइट

देश में तृतीय- *(TRICKS-मलिच)*-मैगनीज, लेटेराइट, चूना पत्थर

महत्वपूर्ण बिन्दु

- स्लीमनाबाद (कटनी) में स्टोन पार्क (मार्बल हब) प्रस्तावित है।
- मझौली (सीधी) से सोने के भंडार मिले है।
- झाबुआ के अलावा सागर, छतरपुर से सामान्य श्रेणी तथा खरगौन से उच्च श्रेणी के राकफॉस्फेट का पता चला है।
- कोलवेड मिथेन के भंडार रिलायंस इण्डस्ट्रीज ने सोहागपुर कोयला क्षेत्र में खोजे।
- पेट्रोलियम खनिज तेल मध्य प्रदेश में नहीं पाया जाता है।
- सिरेमिक तथा रिफैक्टरी वर्क्स जबलपुर, प्रदेश का सबसे पुराना चीनी मिट्टी की वस्तुएं बनाने का कारखाना है।
- पॉटरीज उद्योग के लिए ग्वालियर प्रसिद्ध है।
- ग्रेफाइट को काला सीसा या प्लेम्बगो भी कहा जाता है।

विशिष्ट खदान क्षेत्र

खनिज	विशिष्ट खदान/क्षेत्र	खनिज	विशिष्ट खदान/क्षेत्र
मैंगनीज	भर्वेली (बालाघाट)	ग्रेफाइट	बैतूल
तांबा	मलाजखण्ड (बालाघाट)	कोरण्डम	पीपरा-परकोटा (सिंगरौली)
कोयला	सोहागपुर (शहडोल)	संगमरमर	भेड़ाघाट (जबलपुर)
चूना पत्थर	मुडवारा (कटनी)	फेल्सफार	लम्हेटा घाट (जबलपुर)
हीरा	मझगंवा (पन्ना)	सोपस्टोन (सेलखडी)	भेड़ाघाट
बाक्साइट	अमरकंटक (शहडोल)	स्टेटाइट	
सोना	सीधी, कटनी, शहडोल	निकेल	सीधी
पैलेडियम	बैतूल	प्लेटिनम	बैतूल

मैंगनीज: देश के कुल भण्डार का लगभग 50 प्रतिशत मैंगनीज म.प्र. में पाया जाता है। इसके सबसे बड़े भण्डार बालाघाट जिले में है। दूसरे स्थान पर छिंदवाड़ा जिला है। झाबुआ व बालाघाट का मैंगनीज खनिज शिष्ट व नीस चट्टानों के साथ मिलता है। मैंगनीज मुख्यतः, बालाघाट, छिंदवाड़ा, झाबुआ, जबलपुर, मण्डला में मिलता है। मैंगनीज अयस्क संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, रूस व जर्मनी को निर्यात किया जाता है। भर्वेली (बालाघाट) एशिया की सबसे बड़ी मैंगनीज की खदान है। बालाघाट एवं छिंदवाड़ा का मैंगनीज जर्मनी, ब्रिटेन अमेरिका एवं रूस को निर्यात किया जाता है।

बॉक्साइट: बाक्साइट एल्यूनिनियम का खनिज अयस्क है। भण्डार की दृष्टि से भारत में पाँचवा स्थान है। बाक्साइट मुख्यतः जबलपुर, सतना, बालाघाट, मण्डला, शहडोल में मिलता है। प्रदेश में बॉक्साइट का प्रमुख स्रोत विंध्यन युग की बालू शैलिका एवं क्वार्टजाइट चट्टानें हैं। अमरकंटक (अनुपपूर) का बाक्साइड रेन्कुट (मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश) संयंत्र को जाता है। प्रदेश में बॉक्साइट का सर्वप्रथम खनन वर्ष, 1908 में कटनी में किया गया था।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

कोरण्डम: यह एल्यूमिनियम का प्राकृतिक ऑक्साइड है। कठोरता की दृष्टि से हीरे के बाद कोरण्डम का स्थान आता है। यह मुख्यत: पिपराँ (सिंगरौली) में पाया जाता है।

हीरा: हीरा अधात्विक खनिज है। यह अत्यंत कठोर होता है। भारत में सर्वाधिक हीरा म.प्र. में पाया जाता है। म.प्र. में हीरा पन्ना जिले के मझगवाँ व हीनोता, सतना तथा छतरपुर जिले के अंगौर आदि में पाया जाता है। कोहिनूर, ऑरलोफ, मुगल, पिट आदि प्रसिद्ध हीरे प्रदेश की खानों से प्राप्त हुए थे। पन्ना जिले में भोगन नदी घाटी में हीरे प्राप्त होते है।

चीनी मिट्टी: चीनी मिट्टी का मूल नाम केओलिन है। म.प्र. में यह ग्वालियर (नामुक पहाड़ी), जबलपुर, सतना, सीधी, शहडोल में पाई जाती है। इसका उपयोग पाइप, बर्तन और टाइल्स बनाने में होता है। चूना पत्थर कैल्किरियस चट्टानों से मिलती है।

चूने का पत्थर: देश में सर्वाधिक उत्पादन म.प्र. में होता है, जो जबलपुर, सतना, सीधी, ग्वालियर, मुरैना आदि में पाया जाता है। इसका उपयोग सीमेंट बनाने में किया जाता है।

कवार्ट्ज/सिलिका बालू: यह रीवा में मिलती है, इसका उपयोग काँच बनाने एवं प्रकाशकीय तन्तु (Fibre Optics) बनाने में किया जाता है।

ताँबा (देश का 41 प्रतिशत): म.प्र. में ये मुख्यत: बालाघाट के मलाजखण्ड में पाया जाता है। इसका उपयोग बर्तन, विद्युत उपकरण, आभूषण आदि बनाने में किया जाता है। प्रदेश में उत्पादित ताँबा राजस्थान भेजा जाता हैं। मध्य प्रदेश देश के कुल तांबा उत्पादन का 22 प्रतिशत उत्पादित करता हैं।

लोहा: म.प्र. में ये मुख्यत: जबलपुर, विदिशा, उज्जैन, शाजापुर और झाबुआ में उत्पादित होता है। इसका उपयोग लोह-इस्पात बनाने में किया जाता है। प्रदेश के लौह अयस्क को विशाखापट्टनम बन्दरगाह से जर्मनी एवं जापान को निर्यात किया जाता है।

तापसह मिट्टी (Fire Clay): यह 1600 F तक नहीं जलती। इसका उपयोग भट्टियों की ईटें तथा उच्च तापसह वस्तुएँ बनाने में होता है। यह जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाडा, पन्ना और शहडोल में पाई जाती है।

सोपस्टोन: इसके अन्य नाम टॉल्क, एटीराइट हैं। यह झाबुआ, जबलपुर, नरसिंहपुर में पाया जाता है। इसका उपयोग पाउडर, पेंट, बिजली का सामान, प्रयोगशाला की मेजें आदि बनाने में होता हैं।

फैल्सपार: यह जबलपुर और शहडोल में पाया जाता है। इसका उपयोग मिट्टी के बर्तन और काँच बनाने में होता है। म. प्र. उत्पादन में प्रथम।

संगमरमर: यह जबलपुर, बैतूल, सिवनी, नरसिंहपुर, छिंदवाडा और ग्वालियर में पाया जाता है। श्वेत संगमरमर (जबलपुर), लाल-पीला छीटदार हरा संगमरमर (बांध-ग्वालियर) में मिलता है। प्रदेश में संगमरमर आर्कियन युग की चट्टानों से प्राप्त होता है।

कोयला: यह विध्य प्रदेश एवं सतपुडा क्षेत्र में पाया जाता है। देश के कुल कोयला भण्डार का लगभग 1/7 म.प्र. में पाया जाता है। इसका उपयोग शक्ति के साधन के रूप में किया जाता है। मध्यप्रदेश में इसके महत्वपूर्ण क्षेत्र विंध्य क्षेत्र में सोहागपुर (म. प्र. का सबसे बड़ा क्षेत्र है), उमरिया, सिंगरौली तथा सतपुड़ा क्षेत्र (शाहपुर,-तवा क्षेत्र, कान्ह एवं पेंच घाटी) प्रमुख है। सिंगरौली में स्थित कोयले की पर्त 135 मीटर मोटी है, जो विश्व की दूसरी सबसे मोटी पर्त है। इसे काला सोना भी कहा जाता है। लेनिन ने इसे "उद्योगों की रोटी" कहा है। सिंगरौली (म.प्र.) का कोयला उत्तरप्रदेश के ताप विद्युत केन्द्रों को भेजा जाता है।

- कोयला उत्पादन में मध्य प्रदेश का स्थान चौथा है। (प्रथम तीन- पं. बंगाल, झारखण्ड, उड़ीसा)
- राज्य में विंध्य क्षेत्र के गोण्डवाना कल्प में सर्वाधिक कोयला भंडार है।

मध्य प्रदेश के खनिज एवं उनके क्षेत्र

खनिज	प्रमुख भण्डार क्षेत्र
लौह अयस्क	मण्डला, बालाघाट, जबलपुर, विदिशा
मैंगनीज	बालाघाट, छिंदवाडा, झाबुआ, खरगौन
टंगस्टन	आगरगांव (होशंगाबाद)
सुरमा	जबलपुर
ग्रेफाइट	बैतूल
सीसा	होशंगाबाद, दतिया, शिवपुरी, झाबुआ, जबलपुर
बैराइड	सुरजपुर (टीकमगढ़), देवास, धार, झाबुआ, शिवपुरी, सीधी, रीवा, पीपलकोट
बॉक्साइट	फुटका, करेरा, कटनी, अमरकंटक, मैनपाट
अभ्रक	बालाघाट, छिंदवाडा, होशंगाबाद, झाबुआ, मंदसौर
घीया पत्थर(टेल्क)	भेडाघाट, (जबलपुर) झाबुआ, नरसिंहपुर
हीरा	पन्ना, हीनोता, (पन्ना) मझगवां, (सतना) जबलपुर
चीनी मिट्टी (केओलिन)	कटौली, (रीवा) आंतरी, नवगांव (ग्वालियर) छिंदवाड़ा
चूना पत्थर	जबलपुर, झाबुआ, धार, सतना
सिलीमेनाइट	रीवा, सीधी
एस्बेस्टॉस डोलोमाइट	झाबुआ
तांबा	मलाजखण्ड (बालाघाट) सलीमनाबाद, (जबलपुर), होशंगाबाद, सागर
कोयला	शहडोल, छिंदवाडा, होशंगाबाद, बैतूल, सिंगरौली
टिन	गोविन्दपुर, चुखाडा, बैतूल
कोरण्डम	पीपरा, परकोटा, (सिधी) भोपाल, पट्टनम
एण्डेलुसाइट	चांदनार
रॉक फॉस्फेट	झाबुआ, छतरपुर, सागर
गेरू	सतना, पन्ना, ग्वालियर, जबलपुर
फेलस्पार	छिंदवाड़ा, जबलपुर, शहडोल
फ्लोराइट	जबलपुर
डायस्पोर	छतरपुर, टीकमगढ़, शिवपुरी
संगमरमर	जबलपुर, (सफेद) बैतूल, सिवनी, छिंदवाडा, ग्वालियर (रंगीन)
केलसाइट	बडवानी
पाइरीलाइट	शिवपुरी, छतरपुर, टीकमगढ़

खनिज आधारित उद्योग

उद्योग	स्थान
सीमेंट संयंत्र	रीवा, सतना, दामोह, कटनी, नीमच
तापीय शक्ति	बैतूल, शहडोल, उमरिया, सीधी
एबेस्टस सीमेंट की चादरें	कटनी
कॉस्टिक सोडा	रतलाम, शहडोल एवं खण्डवा
सिरेमिक रसायन	रतलाम एवं जबलपुर
रसायन	रतलाम, शहडोल एवं खाण्डवा
जलयुक्त चूना	कटनी, सतना एवं होशंगाबाद
पेन्सिल एवं स्लेट	मंदसौर
कोयला	नरसिंहपुर, अनूपपुर
मिट्टी के बर्तन	उज्जैन एवं ग्वालियर
गलन रोधी बर्तन	कटनी, रतलाम एवं जबलपुर
गलन रोधी ईटें	कटनी, जबलपुर, होशंगाबाद एवं

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

	बागपत
मार्बल कटिंग एवं पॉलिश	कटनी
ग्रेनाइट कटिंग एवं पॉलिश	छतरपुर, टीकमगढ़

फ्लैगस्टोन कटिंग एवं पॉलिश	शिवपुरी, ग्वालियर, पन्ना एवं विदिशा

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

17. राजव्यवस्था

विधायिका

राज्य विधानमण्डल में एक ही सदन है- विधानसभा। इसके नवनिर्मित भवन को वास्तुकार चार्ल्स कुरियन ने डिजाइन किया था। पूर्व विधानसभा 'मिन्टो हाल' में लगती थी। म. प्र. की विधानसभा की कुल संख्या 230 है। अनुसूचित जाति के लिए 35 और जनजाति के लिए 47 स्थान आरक्षित, विधानसभा के पहले अध्यक्ष **कुंजीलाल दुबे** थे जबकि वर्तमान में **डॉ. सीता शरण शर्मा** है।

मध्यप्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष

क्र.	नाम	कब-से-कब तक
1.	पं. कुंजीलाल दुबे	1-11-1956 से 7-3-1967
2.	श्री काशीप्रसाद पाण्डे	24-3-1967 से 24-3-1972
3.	श्री तेजलाल टैभरे	25-3-1972 से 15-8-1972
4.	श्री गुलशेर अहमद	16-8-1972 से 14-7-1977
5.	श्री मुकुन्द नेवालकर	15-7-1977 से 2-7-1980
6.	श्री यज्ञदत्त शर्मा	3-7-1980 से 15-7-1983
7.	श्री रामकिशोर शुक्ला	5-3-1984 से 15-3-1985
8.	श्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल	16-3-1985 से 4-3-1990
9.	प्रो. बृजमोहन मिश्र	22-3-1990 से 22-12-1993
10.	श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी	24-12-1993 से 11-12-2003
11.	श्री ईश्वर दास रोहणी	16-12-2003 से दिसम्बर-2013
12.	श्री सीता शरण शर्मा	9-1-2014 से निरंतर

14वीं विधानसभा की दलीय स्थिति

दल	विधायकों की संख्या	लोकसभा सांसद
भाजपा	165	17
कांग्रेस	58	12
बसपा	04	
अन्य	03	
कुल	**230**	**29**

- वर्तमान नेता प्रतिपक्ष श्री सत्यदेव कटारे है।
- लोक सभा क्षेत्र: म. प्र. में अब 29 (छ.ग. के लिए 11 पृथक होने के बाद) लोकसभा क्षेत्र है।
- **राज्यसभा में मध्य प्रदेश:** राज्यसभा में म. प्र. के 11 सदस्यों का प्रतिनिधित्व है।
- म.प्र. विधानसभा के प्रथम उपाध्यक्ष-विष्णु विनायक सरवटे
- म.प्र. विधानसभा के वर्तमान उपाध्यक्ष-राजेन्द्र सिंह

कार्यपालिका

मंत्रीपरिषद्: 1956 को म. प्र. की पहली मंत्रीपरिषद् बनी थी और पं. रविशंकर पहले मुख्यमंत्री बने थे। वर्तमान में श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री है जो 13वीं विधानसभा के तीसरे मुख्यमंत्री बने थे।

1956 में राज्य स्थापना के बाद तीन अवसरों पर राज्य राष्ट्रपति शासन के अधीन रहा। यह भी उल्लेखनीय है कि सुश्री उमा भारतीय राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री रही। श्यामाचरण शुक्ल व शिवराज सिंह चौहान सर्वाधिक तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री बने, जबकि श्री दिग्विजय सिंह सर्वाधिक दस साल तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे। सबसे कम राजा नरेश चन्द्र सिंह मात्र 13 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे।

मुख्यमंत्रियों की सूची

मध्य प्रदेश को 17 मुख्यमत्रियों का नेतृत्व प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री का नाम और कार्यकाल इस प्रकार है:-

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	रविशंकर शुक्ल	01-11-1956 से 31-12-1956
2.	भगवन्तराव मण्डलोई	01-11-1957 से 30-01-1957
3.	कैलाशनाथ काटजू	31-04-1957 से 14-04-1957 15-04-1957 से 11-03-1962
4.	भगवन्तराव मण्डलोई	12-03-1962 से 29-09-1963
5.	द्वारिका प्रसाद मिश्र	30-09-1963 से 08-03-1967
6.	गोविन्द नारायण सिंह	30-07-1967 से 12-03-1969
7.	राजा नरेशचन्द्र सिंह	13-03-1969 से 25-03-1969
8.	श्यामाचरण शुक्ल	26-03-1969 से 28-01-1972
9.	प्रकाशचन्द्र सेठी	29-01-1972 से 22-03-1972 23-03-1972 से 22-12-1975
10.	श्यामाचरण शुक्ल	23-12-1975 से 29-04-1977
	राष्ट्रपति शासन	30-04-1977 से 25-06-1977
11.	कैलाशचन्द्र जोशी	26-06-1977 से 17-01-1978
12.	वीरेन्द्र कुमार सकलेचा	18-01-1978 से 19-01-1980
13.	सुन्दरलाल पटवा	20-01-1980 से 17-02-1980
	राष्ट्रपति शासन	18-02-1980 से 08-06-1980
14.	अर्जुन सिंह	09-06-1980 से 10-03-1985 11-03-1985 से 12-03-1988
15.	मोतीलाल वोरा	13-03-1988 से 1988
16.	अर्जुन सिंह	1988 से 24-01-1989
17.	मोतीलाल वोरा	25-01-1989 से 08-12-1989
18.	श्यामाचरण शुक्ल	09-12-1989 से 04-03-1990
19.	सुन्दरलाल पटवा	05-03-1990 से 15-12-1992
	राष्ट्रपति शासन	16-12-1992 से 06-12-1993
20.	दिग्विजय सिंह	07-12-1993 से नवंबर 1998 नवंबर 1998 से नवंबर 2003
21.	सुश्री उमा भारती	नवंबर 2003, से अगस्त 2004
22.	बाबूलाल गौर	23 अगस्त 2004 से नवंबर 2005
23.	श्री शिवराज सिंह चौहान	नवंबर 2005 से 2008 तक
24.	श्री शिवराज सिंह चौहान	2008 से 2013
25.	श्री शिवराज सिंह चौहान	14 दिसंबर 2013 से अब तक

राज्यपालों की सूची

राज्यपाल राज्य कार्यपालिका का संवैधानिक प्रमुख होता है। मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना से लेकर अब तक 21 राज्यपाल राजभवन को सुशोभित कर चुके है। मध्यप्रदेश के राज्यपालों के नाम और उनका कार्यकाल इस प्रकार है:-

क्र.	नाम	कार्यकाल
1.	बी. पट्टाभि सीतारामैया	01-11-1956 से 13-06-1957
2.	हरि विनायक पाटस्कर	14-06-1957 से 10-02-1965
3.	के. सी. रेड्डी	11-02-1965 से 02-02-1966

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

4.	न्यायाधीश पी. वी. दीक्षित (कार्यकारी)	03-02-1966 से 09-02-1966
5.	के. सी. रेड्डी	10-02-1966 से 07-03-1971
6.	सत्यनारायण सिन्हा	08-03-1971 से 13-10-1977
7.	श्री एन. एन. वांचू	14-10-1977 से 16-08-1978
8.	श्री एच. एम. पुनाचा	17-08-1978 से 29-04-1980
9.	भगवत दयाल शर्मा	10-07-1981 से 20-09-1983
10.	न्यायाधीश जी. पी. सिंह (कार्यकारी)	26-05-1981 से 09-07-1981
11.	भगवत दयाल शर्मा	10-07-1981 से 20-09-1983
12.	न्यायाधीश जी. पी. सिंह (कार्यकारी)	21-09-1983 से 07-10-1983
13.	भगवत दयाल शर्मा	08-10-1983 से 14-05-1984
14.	के. एम. चांडी	15-05-1984 से 30-11-1987
15.	न्यायीधीश एन. डी. ओझा (कार्यकारी)	01-12-1987 से 29-12-1987
16.	के. एम. चांडी	30-12-1987 से 30-03-1989
17.	सरला ग्रेवाल	31-03-1989 से 05-02-1990
18.	कुंवर मेहमूद अली खान	06-02-1990 से 23-06-1993
19.	मोहम्मद शफी कुरैशी	24-06-1996 से 21-04-1998
20.	भाई महावीर	22-04-1998 से 2003 तक
21.	स्व. रामप्रकाश गुप्त	2003 से 2004
22.	श्री बलराम जाखड़	जून 2004 से जुलाई 2009
23.	श्री रामेश्वर ठाकुर	जुलाई 2009 से 2011
24.	श्री रामनरेश यादव	2011 से अब तक

- श्री पट्टाभिसीतारमैया प्रदेश के पहले राज्यपाल थे।
- सरला ग्रेवाल पहली महिला राज्यपाल रही।
- राज्यपाल श्री रामप्रकाश गुप्त उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे है और उनकी पद पर रहते हुए मृत्यु हुई।

प्रशासनिक तंत्र

राज्य सचिवालय: मध्यप्रदेश के प्रशासन का केन्द्र बिन्दु सचिवालय 'वल्लभ भवन' भोपाल में स्थित है। वस्तुत: यह मंत्रियों और सचिवों दोनों का कार्यालय है।

मुख्य सचिव: राज्य के प्रथम मुख्य सचिव एच. एम. कामथ थे। वर्तमान मुख्य सचिव **श्री एंथोनी जे.सी. डेका** है।

संचालनालय: भोपाल में सतपुड़ा और विध्यांचल नामक दो भवन सचिवालय की ईमारत के पास खड़े है जो वस्तुत: संचालकों के कार्यालय है।

क्षेत्रीय संगठन: राज्य में 10 संभाग और 51 जिले है। जिले में अनुभाग, तहसीलें और उपतहसीलें सामान्य प्रशासन से संबंधित नियामिकीय कार्य तथा राजस्व प्रशासन से संबंधित कार्य करती है।

संभाग आयुक्त: राज्य के समस्त 10 संभाग में आयुक्त है। जो संभाग का सबसे प्रमुख अधिकारी होता है। जिले में कानून व्यवस्था से लेकर विकास कार्य तक की विभिन्न जिम्मेदारियां कलेक्टर की होती है।

राज्य के प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान	मुख्यालय
नरोन्हा प्रशासन अकादमी	भोपाल
ग्रामीण विकास संस्थान	जबलपुर
महिला एवं बाल विकास प्रशिक्षण संस्थान	बैतूल
रेंजर प्रशिक्षण केन्द्र (वनराजिक महाविद्यालय)	बालाघाट
ग्रामीण पंचायत प्रशिक्षण संस्थान	अमरकंटक

प्रमुख प्रशासनिक भवनों का नाम

1. मुख्यमंत्री का निवास – श्यामला हिल्स पर
2. राज्य निर्वाचन आयोग – निर्वाचन भवन
3. राज्य मानवाधिकार आयोग – पर्यावास भवन
4. म.प्र. विद्युत नियामक आयोग – उर्जा भवन
5. राज्य विद्युत मण्डल – शक्ति भवन
6. मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम – पुस्तक भवन
7. राज्य सचिवालय – वल्लभ भवन
8. राज्य संचालानालय – सतपुड़ा और विध्यांचल

पुलिस प्रशासन

पुलिस महानिदेशक: यह पद 1982 से सृजित किया गया था। यह राज्य का सबसे बड़ा पुलिस अधिकारी है। पहले पुलिस महानिदेशक श्री वीजी घाटे थे। वर्तमान पुलिस महानिदेशक श्री नंदन दुबे है।

पुलिस अधीक्षक (एस. पी.): प्रत्येक जिले का प्रमुख पुलिस अधिकारी पुलिस अधीक्षक होता है।

वर्तमान पुलिस संगठन

रेंज (I.G.)	:	11	पुलिस अनुभाग	:	146
रेंज (D.I.G.)	:	15	पुलिस थाना	:	991
पुलिस जिले	:	50	पुलिस चौकियां	:	479

नगर सेना: राज्य में नगर सेना 'पैरा पुलिस फोर्सेस' के रूप में कार्यरत है। इनकी सेवाएं ट्रैफिक, सार्वजनिक सम्पत्ति और उच्चाधिकारियों की सुरक्षा में ली जाती है।

होमगार्ड: राज्य में होमगार्ड का व्यवस्थित संगठन है और इसके अपने महानिदेशक, महानिरीक्षक होते है। प्रदेश में होमगार्ड की कुल 106 कंपनियाँ है।

राज्य पुलिस प्रशासन

क्र	रेंज (I.G)	जिले
1.	इंदौर रेन्ज	इंदौर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, झाबुआ, अलीराजपुर, बुरहानपुर।
2.	उज्जैन रेन्ज	उज्जैन, देवास, रतलाम, शाजापुर, नीमच, मन्दसौर, आगर।
3.	होशंगाबाद रेन्ज	होशंगाबाद, हरदा रायसेन।
4.	भोपाल रेन्ज	भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा।
5.	ग्वालियर रेन्ज	ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर।
6.	जबलपुर रेन्ज	जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिहपुर, कटनी, मण्डला।
7.	सागर रेन्ज	सागर, टीकमगढ़, दमोह, छतरपुर, पन्ना।
8.	रीवा रेन्ज	रीवा, सीधी, कटनी, सतना, सिंगरौली।
9.	बालाघाट रेन्ज	बालाघाट।
10.	चम्बल रेन्ज	मुरैना, भिण्ड, श्योपुर एवं दतिया।
11.	शहडोल रेन्ज	शहडोल, उमरिया एवं अनूपपुर।

रेलवे पुलिस: रेलवे पुलिस की पृथक संरचना है। इसका भी एक महानिरीक्षक होता है इसके अधीन 3 सेक्शन है- इन्दौर, भोपाल और जबलपुर। भोपाल सेक्शन के अंतर्गत सर्वाधिक 8 थाने है।

- हरिजन एवं आदिवासी प्रकोष्ठ की स्थापना पुलिस मुख्यालय भोपाल में की गई है।
- मध्य प्रदेश सेवा संवर्ग की प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी आशा गोपालन है।
- पहला महिला पुलिस थाना भोपाल में खोला गया।
- जिला पुलिस प्रशासन की अभियोजन शाखा जिला कलेक्टर के अंतर्गत आता है।
- प्रथम ISO प्रमाणन थाना है- देवास।
- मध्य प्रदेश पुलिस की नेट सुविधा है- पोलनेट।

प्रमुख पुलिस संस्थान

संस्थान	मुख्यालय

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

राज्य पुलिस हेडक्वार्टर	भोपाल
जवाहर लाल नेहरू पुलिस अकादमी	सागर
मध्य प्रदेश पुलिस कॉलेज	सागर
सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र	इन्दौर
पुलिस मोटर वर्कशॉप केन्द्र	रीवा
पुलिस वायरलेस प्रशिक्षण केन्द्र	इन्दौर
पुलिस यातायात प्रशिक्षण केन्द्र	भोपाल
स्वान (Dog) प्रशिक्षण केंद्र	भदभदा (भोपाल)
प्लाटुन कमाडर प्रशि. संस्थान	जबलपुर (छठी वाहिनी)
फारेन्सिक साइंस लैबोरेटरी	सागर

राज्य सूचना आयोग

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत राज्य शासन द्वारा गठित राज्य सूचना आयोग का कार्यालय वर्तमान में निर्वाचन भवन, अरेरा हिल्स, भोपाल पर स्थित है। प्रथम सूचना आयुक्त – टी. एन. श्रीवास्तव, वर्तमान में–इक्बाल अहमद

'ग्राम संपर्क' वेबसाइट

ई-शासन की अवधारणा: मध्य प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जहां के सभी गांव ग्राम संपर्क नाम वेबसाइट द्वारा ई-शासन के तहत लाए गए है। मध्य प्रदेश का पहला ऐसा राज्य है जहां प्रत्येक गांव में पारदर्शी रूप में सुविधाओं में संबंधित सूचनाओं, कमियों तथा जनशिकायतों को सार्वजनिक कर दिया गया है।

वेबसाइट का नाम– www.mp.nic.in/gramsampark

न्यायिक प्रशासन

उच्च न्यायालय: राज्य में उच्च न्यायालय का मुख्यालय जबलपुर में है जबकि इसकी दो खण्डपीठें क्रमश: इन्दौर और ग्वालियर में है। **मुख्य न्यायाधीश:** मोहम्मद हिदायतुल्ला राज्य उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायधीश थे। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश: **श्री अजय मानकराव खानवलकर**

मुख्य पीठ के तहत आने वाले जिले: अनूपपुर, बालाघाट, बैतूल, भोपाल, बुरहानपुर, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिण्डोरी, खण्डवा (पूर्वी निमाड़), हरदा, होशंगाबाद, जबलपुर, कटनी, मंडला, नरसिंहपुर, पन्ना, रायसेन, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिहोर, टीकमगढ़, उमरिया।

खण्डपीठ इंदौर के तहत आने वाले जिले: बड़वानी, देवास, धार, इंदौर, झाबुआ, मंदसौर, नीमच, रतलाम, राजगढ़, शाजापुर, आगर, उज्जैन, खरगौन, (प. निमाड़)।

खण्डपीठ ग्वालियर के तहत् आने वाले जिले: अशोक नगर, भिण्ड, दतिया, गुना, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, विदिशा।

ग्राम न्यायालय: 2009 में भारत में शुरू। इसके तहत् मध्य प्रदेश का पहला ग्राम न्यायालय बैरसिया (जिला–भोपाल) में 2 अक्टूबर 2009 में स्थापित।

पंचायत व्यवस्था

मध्य प्रदेश राज अधिनियम, 1962 का क्रियान्वयन: पाण्डे समिति की सिफारिशों के अनुरूप विधानसभा ने इसे 1962 में पारित किया जो राष्ट्रपति की स्वीकृति उपरान्त 1962 में ही लागू हुआ।

मध्य प्रदेश पंचायत अध्यादेश, 1981:

मध्य प्रदेश राज अधिनियम 1993: 11वीं अनुसुची में पंचायतों को 29 कार्य सौपें गये है।

- म.प्र. में 51 जिले, 359 तहसीलें, 313 विकासखण्ड (जिनमें 89 आदिवासी विकासखण्ड शामिल हैं) 476 नगर, 54903 ग्राम (इनमें से 52117 आबाद ग्राम) शामिल है।
- म.प्र. में 51 जिला पंचायतें, 313 जनपद पंचायतें, 23012 ग्राम पचायतें, 14 नगर निगम, 97 नगर पालिकायें, 258 नगर पंचायतें हैं।
- स्थानीय निकायों एवं पंचायती संस्थाओं के निर्वाचन में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया है।
- स्थानीय निकायों में right to recall का प्रावधान करने वाला प्रथम राज्य, इसका प्रथम प्रयोग शहडोल जिले की अनूपपुर की पल्लविका पटेल को जनता ने हटाया।
- वर्तमान समय में राज्य में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था कायम है जिनकी अवधारणा में एक या एक से अधिक गांवों के लिए ग्राम पंचायत, प्रत्येक विकास खंड के लिए जनपद पंचायत व प्रत्येक जिला के लिए जिला पंचायत की बात शामिल है। 1993 के अधिनियम में संविधान में त्रिस्तरीय पंचायतों के प्रमुखों के निर्वाचन की स्थिति के संदर्भ में यह व्यवस्था की गई है कि केवल ग्राम पंचायतों के सरपंच के मामले में निर्वाचन प्रक्रिया का जिम्मा राज्य सरकार के विवेक पर निर्भर करेगा जबकि जनपद एवं जिला पंचायतों के मामले में सदस्यों का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान प्रणाली के माध्यम से चुने हुए सदस्यों द्वारा किया जायेगा।
- **सुशासन एवं नीति विश्लेषण स्कूल:** राज्य शासन द्वारा भोपाल में इस स्कूल की स्थापना 2008 में की गयी है।

नगरीय स्वशासन

मध्य प्रदेश का प्रथम नगरपालिका अधिनियम, 1956 में लागू किया गया। मध्य प्रदेश में तीन प्रकार की नगरीय शासन संस्थाएं है। प्रत्येक को 12वीं अनुसूची में दिये गये 18 कार्य सौपें गये है।

मध्य प्रदेश में प्रथम नगर पालिका का गठन 1864 में जबलपुर में हुआ।

राजेन्द्र धारकर समिति का गठन नगरीय निकायों से संबंधित है।

मध्य प्रदेश के नगर पालिका निगम

1. बुरहानपुर	2. रतलाम	3. खण्डवा 4. उज्जैन
5. जबलपुर	6. देवास	7. मुड़वारा (कटनी)
8. इंदौर	9. भोपाल	10. सागर 11. सतना
12. ग्वालियर	13. रीवा	14. सिंगरौली

1. **नगर पंचायत:** संख्या 258 है।
2. **नगर पालिका:** नगरपालिका की संख्या 97 हो गयी है। सर्वप्रथम दतिया (विंध्य प्रदेश) में 1907 में राज्य की पहली न्यायपालिका का गठन किया गया था।
3. **नगर निगम:** बड़े नगरों में नगर निगम होते है। इनका प्रमुख मेयर कहलाता है तथा सदस्य पार्षद। इनका चुनाव प्रत्यक्ष मतदान द्वारा होता है। मध्यप्रदेश में 14 नगर निगम है।

राज्य वित्त आयोग

73वें और 74वें संविधान संशोधन के बाद अनु. 243 के अंतर्गत प्रत्येक 5 वर्ष बाद स्थानीय संस्थाओं की वित्तीय स्थिति का पुनर्निरीक्षण करने के लिए प्रत्येक राज्य में एक वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। मध्य प्रदेश राज्य ने भी 14 जून, 1994 को **पहला राज्य वित्त आयोग** गठित किया।

मुख्यमंत्री की पदेन अध्यक्षता वाली संस्थाएं

1. मध्य प्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद्
2. मैच–आईटी (मध्य प्रदेश एजेन्सी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्फॉरमेशन टेक्नॉलॉजी)
3. राज्य योजना मण्डल
4. मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद्
5. महर्षि पंतजलि संस्कृति संस्थान

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

18. अनुसूचित जाति/जनजाति

अनुसूचित जाति

- संविधान के अनुच्छेद 341 में सूचीबद्ध जातियां अनुसूचित जातियां कहलाती हैं।
- जनांकिकी 2011 के अनुसार राज्य में अनुसूचित जाति की कुल संख्या 11342320 हैं, जो राज्य की जनसंख्या का 15. 6 प्रतिशत हैं।
- मध्य प्रदेश में 40 से अधिक अनुसूचित जातियां है। चमार जाति राज्य की सबसे बड़ी अनुसूचित जाति हैं। अन्य जातियों में खटीक (राज्य की दूसरी बड़ी जाति), भंगी, बलाई, बेडिया, लखारा, बसोड़ प्रमुख हैं।
- बेडिया नामक अनुसूचित जाति सागर जिले में निवासरत हैं जो कि वेश्यावृत्ति से वंशानुगत रूप से जुडी रही हैं सरकार ने इस प्रथा से मुक्ति हेतु जाबलि योजना चलाई हैं। साथ ही बसोड़ अनुसूचित जाति बालाघाट में प्रमुखत: निवासरत हैं जो कि बांस शिल्प में पारंगत हैं।
- सर्वाधिक अनुसूचित जाति इंदौर जिले में है
- न्यूनतम अनुसूचित जाति झाबुआ जिले में है।
- जनसंख्या में प्रतिशत के हिसाब से अनुसूचित जाति का सर्वाधिक प्रतिशत उज्जैन तथा न्यूनतम जनसंख्या प्रतिशत झाबुआ में है।
- लिंगानुपात 920 (2001 में 905 था)।
- साक्षरता दर 58.6 प्रतिशत
- सर्वाधिक साक्षरता वाला जिला बालाघाट।

अनुसूचित जनजाति

- जनजाति अथवा आदिवासी ऐसे मानव समूह हैं, जो विकास के सोपान में सबसे निचले पायदान पर हैं। शब्दकोश के अनुसार 'जनजाति' एक सामाजिक समूह हैं, जो प्राय: निश्चित भू-भाग पर निवास करता हैं, जिसकी अपनी भाषा, सभ्यता तथा सामाजिक संगठन होता हैं।
- 2011 की जनगणना के अनुसार जनजातियों का प्रतिशत मध्य प्रदेश में 21.1 प्रतिशत है। लगभग 24 जनजातियां यहां निवास करती है। अपनी उपजातियों समेत इनकी संख्या 90 के लगभग हो जाती है। मध्य प्रदेश में 15316784 जनसंख्या इन जातियों की है, जो अब भी भारत में सर्वाधिक है।
- राज्य की कुल जनजाति आबादी में भीलों की संख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है। गोंडो की आबादी दूसरे क्रम पर हैं। अनुसूचित जनजातियों में प्रति हजार पुरूषों के बीच 975 स्त्रियॉ हैं। अनुसूचित जनजातियों में सर्वाधिक स्त्री-पुरूष अनुपात राज्य के बालाघाट जिले (1000 : 1050) में हैं।

जनसंख्या अनुसार वितरण

- राज्य के सभी 51 जिलों में जनजातियों का निवास है, यद्यपि उनकी संख्या में अंतर है।
- धार में सर्वाधिक जनसंख्या जनजाति की है।
- जनजातियों का दो पेटियों झाबुआ से सतपुड़ा पर्वत तथा मैकल पर्वत से बघेलखण्ड तक भारी संकेन्द्रण है।
- धार, झाबुआ, मण्डला, खरगोन में 50 प्रतिशत से अधिक आबादी जनजातियों की है।
- न्यूनतम जनजाति जनसंख्या : भिण्ड (6131)
- मध्य प्रदेश की 3 बड़ी जनजातियां : भील, गौंड, कोल
- एक जनजाति के रूप में भील जबकि एक समूह जनजाति के रूप में गोंड मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।
- **विशेष पिछड़ी घोषित जनजातियां:** केन्द्र सरकार ने राज्य की 3 जनजातियों को विशेष पिछड़ी जनजाति घोषित किया है, **बैगा, सहरिया** और **भारिया।**

क्षेत्रानुसार अनुसार वितरण

1. **उत्तरपूर्वी क्षेत्र की जनजातियां:** शहडोल, सिधी, जबलपुर, रीवा, सतना जिलों में कोल माडिया, अगरिया, पनिका, खैरवार जनजाति के व्यक्ति रहते है। इसमें कोल प्रमुख जनजाति है, जो जबलपुर-रीवा-सतना बेल्ट में है।
2. **दक्षिण क्षेत्र:** इसके अंतर्गत मण्डला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, बैतुल, होशंगाबाद जिले आते है। यहां भारिया, बैगा, गोंड, कोरकु, प्रमुख जनजातियां है, यद्यपि माडिया, हल्बा भी यहां मिलते है। बैगा विशेष रूप से मण्डला में भारिया छिन्दवाड़ा में तथा कोरकु होशंगाबाद से लेकर पूर्वी निमाड़ तक मिलते है।
3. **पश्चिमी क्षेत्र:** निमाड़ के दोनों जिलें खण्डवा, खरगोन तथा झाबुआ, रतलाम, धार आदि में भील, भीलाला जनजातियां विशेष रूप से पायी जाती है। इनमें भी झाबुआ और धार में इनका पर्याप्त संकेन्द्रण है।

जनजाति वार विवरण

1. गोण्ड

- मध्य प्रदेश की दूसरी सबसे बडी और भारत का **सर्वप्रमुख** सबसे बडा जनजाति समूह गोण्ड है। इनका मूल द्रविड़ियन है। गोंडो की उत्पत्ति तेलगु के 'कोंड' शब्द से हुई हैं जिसका अर्थ पर्वत हैं अर्थात् यह जनजाति पर्वतों पर निवास करती हैं।
- इनमें अनेक प्रकार के विवाह होते है, दूध लौटाना, पठौनी, चढ़ विवाह, लमसेना विवाह।
- गोंड जनजाति में वर द्वारा वधु मूल्य नहीं चुकाने की स्थिति में वह भावी ससुर के यहां सेवा करता हैं, जिससे खुश होकर उसे कन्या दे दी जाती हैं। इसे सेवा विवाह कहा जाता हैं तथा वह व्यक्ति **'लामानाई'** कहलाता हैं।
- इनके 7 प्रमुख पर्व, त्यौहार है, बिदरी, बकपंथी, हरडिली, नवाखानी, जवारा मडई और छेरता।
- पेज इनका प्रमुख भोजन है।
- **मुड़ियाओं** के समान गोंडों में भी **घोटुल प्रथा** पायी जाती है।
- गोंड दो प्रमुख वर्गों में विभक्त रहे है, राजगोंड और धुरगोंड।
- **मड़ई:**गोंड और उसकी उपजातियों का एक सांस्कृतिक मेला है।
- **प्रमुख देवता:** हिन्दू देवताओं के साथ ठाकुर देव, माता बाई, दूल्हादेव, बाधेश्वर, सूरजदेव, खैरमाता (ग्राम्य देवी)
- **प्रमुख नृत्य:** करमा, सैला, भडौनी, सुआ, दीवानी, बिरहा, कहरवा आदि।

2. भील जनजाति

- मध्य प्रदेश की प्रमुख सबसे बड़ी जनजाति भील है। इनका मूल प्रोटोआस्ट्रेलाईड है।
- भील का अर्थ-कमान। ये धनुष रखते है, इसलिए भील कहलाते हैं।
- **उपजातियां:** भील, भीलाला, पटालिया, रथियास और बैगास।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- भील जहां रहते है, उस जगह को 'फाल्या' कहते है।
- भीलों के पारम्परिक पर्व गलछेड़ों, भगोरिया नबई, चलावणी, जातरा।
- **पिथौरा** भीलों का विश्व प्रसिद्ध चित्र है और श्री पेमा फल्या उसके श्रेष्ठ कलाकार है।
- मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में आयोजित **भगोरिया हाट** भीलों का प्रसिद्व प्रणय पर्व हैं, जो होली के अवसर पर आयोजित होता हैं।

3. बैगा

- मध्य प्रदेश के दक्षिण क्षेत्र में बैगा सर्वाधिक महत्वपूर्ण जनजाति है। यह गोडों की ही उपजाति मानी जाती हैं।
- **उपजातियाः** भरोरिया, नरोतिया, रैनना, कथमैना।
- इस जनजाति पर लिखी गई पुस्तक **'बैगा'** के रचियता **'बैरियर एल्विन'** हैं।
- इनमे 'बांसी भोजन' की परम्परा है।
- इनके प्रमुख नृत्य हैं- करमा, सैला, परधोन और फाग।
- 'साल' इनका प्रिय वृक्ष है जिसमें इनके देवता बूढ़ा देव निवास करते है। 'ठाकुर देव' गांव के भूमि देवता है।
- बैगा बेवार या पोण्डू कृषि (झूम) करते है जबकि बारी नामक खेती पद्वति गोंड जनजाति द्वारा अपनाई जाती हैं।
- बैगा जनजाति संसार की सबसे अधिक गुदना प्रिय जनजाति हैं।

4. सहरिया जनजाति

- इनकी बसाहट को सहराना कहा जाता है, जिसका मुखिया 'पटेल' होता है।
- सहरिया जड़ी-बूटियों की पहचान में सिद्धहस्त होते हैं।
- केन्द्र सरकार द्वारा घोषित विशेष पिछड़ी जनजाति।
- इस जनजाति का मूलनिवास शाहबाद जंगल (कोटा, राजस्थान) हैं।

5. भारिया

- यह द्रविड़ियन या कोलेरियन समूह की जनजाति है।
- पातालकोट (छिन्दवाड़ा) के भारिया आदिम मानव जैसा जीवन जी रहे हैं।
- भारिया में चूड़ीप्रथा है।
- इनका मुख्य भोजन पेज है। महुआ और आम के बीजों की रोटी वर्षा ऋतु में खाते है।
- इनकी बोली भरनोटी है।
- भरम, सैतम, करमा, सैलना इनके प्रमुख नृत्य है।
- इनके प्रमुख देवता में बूढ़ादेव, दूल्हादेव, बरूआ, नागदेव हैं।
- ढाहिया खेती करने वाले भारिया अब स्थायी कृषि करने लगे हैं।

7. कोल

- यह तीसरी बड़ी जनजाति है।
- इनके दो मुख्य उपवर्ग है - रौतिया और रौतल।
- इनका 'दहका' नृत्य अत्यंत प्रसिद्ध है।
- कोल जनजातियों की पंचायत को **'गोहिया'** कहा जाता हैं।

8. कोरकु

- म.प्र. की कोरकू जनजाति एक आदिम जनजाति हैं, जो मध्य प्रदेश के दक्षिणी जिलों में निवास करती हैं। अधिकांश कोरकू होशंगाबाद पश्चिमी सतपुड़ा, पूर्वी निमाड, बैतूल, छिंदवाडा तथा दक्षिण बार के मैदान तक बसे हैं।
- इनमें कई विवाह प्रचलित है जैसे-इमझना, चिथोड़ा, राजनी-बाजी, विधवा-विवाह, हठ विवाह आदि।
- इनकी 4 उपजातियां भी है-पटरिया, रूमा, दुलारया ओर बोवई।
- 'खम्बस्वांग' इनका प्रसिद्ध नृत्य प्रधान नाटक है।

9. अगरिया

- गोंडों की एक शाखा 'अगरिया' जनजाति का व्यवसाय लोहे को गलाकर औजार बनाना है, अतः अगरिया कहलाते है।
- य 'उड़द दाल' को शुभ संकेत के रूप में उपयोग लाते है।
- अगरिया जनजाति के प्रमुखे देवता 'लोहासूर' है। अगरिया लोग अपने देवता को काली मुर्गी की भेंट चढाते हैं
- इनका प्रिय भोजन सूअर का मांस है।

10. पारधी

- जिसका अर्थ है- आखेट।
- यह बहेलिया श्रेणी की जनजाति है, बन्दरों का शिकार कर उनका मांस खातें है।
- इस जनजाति का मुख्य निवास भोपाल, रायसेन व सिहोर जिलों में हैं।

11. पनिका

- पनिका मुख्यतः छत्तीसगढ के विंध्य प्रदेश की जनजाति हैं यह मध्य प्रदेश के सीधी व शहडोल में पायी जाती हैं इस जनजाति के लोग कबीर पंथी हैं, यें 'कबीरहा' भी कहलाता हैं।
- कबीरहा मांस मदिरा का सेवन नहीं करते है।
- सूर्य, इन्द्र, हनुमान, दुल्हादेव, बूढ़ीमाता, मरहीमाता, हुल्की भाई आदि की पूजा।

12. उरांव

- इनका मुखिया 'महतो' कहलाता है, तथा पुरोहित 'बैगा'।
- इनके युवागृह 'धुमकोरिया' कहलाते है।
- **पर्व-त्यौहारः** सरना पूजा, करना पूजा, कुल देव पूजा।
- **नृत्यः** सरहूल, करमा, घुड़िया डण्डा।
- **विवाह पद्धतिः** बुंदे विवाह (वधु मूल्य), बन्दवा (राजी मर्जी विवाह), ढुंकू (लड़की द्वारा स्वयं वर चुनना।)
- **बोलीः** कुरूख।

13. खैरवार

- खैर वृक्ष से कत्था निकालने के कारण खैरवार कहलाने वाली इस जनजाति का वितरण उमरिया, सिधी, अनुपपूर तथा शहडोल में मुख्यतः है।

14. कोरवा

- कोरवा जनजाति की पंचायत को 'मैयारी' कहते हैं।

15. बंजारा

- भारत की यायावर जनजाति ''बंजारा'' पर कबिलाई पद्धति का प्रभाव आज भी हैं।
- कबीले का एक मुखिया होता हैं जिसे नायक कहते हैं।
- बंजारा स्त्रियां संसार की सर्वाधिक श्रृंगार प्रिय जनजाति हैं।
- पहले यह जनजाति 'बालद' लादकर लाती थी अर्थात बैलों पर लादकर जीवनोपयोगी सामग्री विक्रय करती थी। अब इनका प्रमुख व्यवसाय पशु चारण हैं।

16. धानुक जनजाति

- धानुक जनजाति के लोग मुख्यतः भिण्ड, मुरैना, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, इन्दौर, सतना जिले में निवास करते हैं।
- धानुक शब्द की उत्पत्ति संस्कृति के 'धनुष्क' से हुई हैं, जिसका अर्थ हैं, धनुष रखने वाला।
- इनमें विवाह सामान्यतः बाल्यावस्था में हो जाता था।

17. सौर जनजाति

- यह प्रदेश के सागर और दमोह जिले में निवास करती हैं।
- सौर लोगों में भवानी की पूजा की जाती हैं, जिसका एक नाम दूल्हादेव भी हैं।

18. बिंझवार जनजाति

- बिंझवार मध्य प्रदेश की एक अल्पसंख्यक जनजाति हैं।
- बिंझवार जनजाति मध्य प्रदेश के बालाघाट और मण्डला में निवास करती हैं।
- ये मूलतः द्रविडियन परिवार के हैं।
- इनका उद्गम विंध्याचल पर्वत माना जाता हैं।
- पंचायत का मुखिया 'पेटल' अथवा 'गौटिया' कहलाता हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश की जनजातियाँ

क्र.	जनजाति	उपजातियां	निवास स्थान
1.	गोंड	परधान, अगरिया, ओझा, नगारची, सोलहास	प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यत: विन्ध्य और सतपुड़ा अंचल में
2.	भील	बेरला, भिलाला, पटविया	धार, झाबुआ, खण्डवा, खरगौन
3.	बैगा	बिझवार, नरोतिया, भतोरिया, नाहर, राय, मैना, कठमैना	मण्डला, बालाघाट, शहडोल
4.	कोरकू	मोवासीरूम, बवारी, बोडोया	खण्डवा, होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा, देवास
5.	भारिया	भूमिया, भूईहार, पंड	छिंदवाड़ा, जबलपुर, मण्डला, शहडोल, पन्ना
6.	कोल	रोतिया, रौतेले	रीवा, सतना, शहडोल, सीधी
7.	माड़िया	आबूझमड़िया, दण्डामी, माडिया मेटाकोईतुर	जबलपुर, मण्डला, शहडोल, पन्ना, छिंदवाड़ा
8.	सहरिया	–	गुना, शिवपुरी, मुरैना, श्योपुर, ग्वालियर, विदिशा, राजगढ़
9.	सउर	–	छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, सागर, दमोह
10.	अगरिया	–	मण्डला,सीधी, शहडोल
11.	पनिका	–	शहडोल, सीधी
12.	परधान	–	सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट, बैतूल
13.	खैरवार	–	सीधी, शहडोल, पन्ना, छतरपुर

अनुसूचित जाति और जनजातियों के विकास हेतु राज्य की योजनाएं

अरूणिमा योजना: जनजातिय वर्ग को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना।

जाबालि योजना: वेश्यावृत्ति में उलझी जनजातियों की समस्या से संबंधित शासन द्वारा जाबलि योजना मुरैना, गुना, ग्वालियर, शिवपुरी, राजगढ़, रतलाम, मन्दसौर, उज्जैन तथा सागर जिलों में

राज्य अन्नपूर्णा योजना: वर्ष 1999-2000 से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के छोटे और सीमांत किसानों के लिए खरीफ मौसम में धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, कोदों, कुटकी, रागी और रबी मौसम में बीजों की व्यवस्था।

जीवन ज्योति योजना: इस योजना में जनजातिय क्षेत्रों में निशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध।

शंखनाद योजना: आदिवासी क्षेत्रों की विकास प्रक्रिया में विद्यालयों को भागीदार बनाना।

अन्त्योदय कार्यक्रम

नवजीवन योजना- ऐसे जनजातीय सदस्य जो रोजगार की खोज में शहरों की ओर पलायन करते हैं, लेकिन निर्धनता एवं बेरोजगारी के कारण अपना जीवन फुटपाथों में गुजारते हैं, ऐसे आवासहीन परिवारों को इस योजना के अन्तर्गत रियायती मूल्य पर भूखण्ड उपलब्ध कराया जाता हैं।

वसुन्धरा योजना- इस योजना के तहत आदिवासी भूमिहीन कृषकों को कृषि योग्य भूमि खरीदने हेतु 10 वर्ष तक ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया जाता हैं।

जीवनधारा योजना- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों को सिंचाई उपलब्ध कराई जाती हैं।

जल जीवन योजना- इस योजना के तहत कृषि सहकारिता को प्रोत्साहित करने के उदेश्य से अनुसूचित जाति/जनजाति के छोटे किसानों को सिचाई हेतु 75% अनुदान दिया जाता हैं।

स्वावलम्बन योजना- इस योजना के अन्तर्गत आदिवासियों को व्यवसाय शुरू करने हेतु सरल किश्तों में ऋण प्रदान किया जाता हैं।

मधुवन योजना- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों को आधुनिकतम डेरी फार्म, पोल्ट्री फार्म तथा अन्य पशुधन विकास कार्यो की स्थापना का प्रावधान हैं।

पवनपुत्र योजना- इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के बेरोजगारों को ऑटो रिक्शा, मेटाडोर आदि खरीदने के लिए आसान किश्तों में ऋण प्रदान किया जाता हैं।

निर्मित योजना- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के सदस्यों को इंजीनियर्स आर्किटेक्चर्स तथा डिप्लोमाधारी इंजीनियर्स द्वारा भवन निर्माण तथा अन्य निर्माण कार्यो का प्रशिक्षण दिया जाता हैं।

रफ्तार योजना- इस योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति/जनजाति के प्रशिक्षित चालक,परिचालक तथा सहायक वर्ग को संगठित कर एक समिति का निर्माण किया जाता हैं, ऐसी समिति को ट्रक या बस क्रय करने के लिए शासन द्वारा ऋण एवं अनुदान दिया जाता हैं।

सहारा योजना- अनुसूचित जाति/जनजाति के निशक्त एवं कमजोर लोगों के लिए सामान्य रोजगार सृजित करना इस योजना का लक्ष्य हैं।

सहकार योजना- इस योजना के अन्तर्गत स्थानीय खनिज तथा इस पर आधारित अन्य स्त्रोतों से अनुसूचित जाति/जनजाति के श्रमिकों को प्रत्यक्ष लाभ दिलाने का प्रयास किया जाता हैं।

न्याय निकेतन योजना- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के अभिभावकों को प्रेक्टिस सुचारू रूप से चलाने तथा असुविधा से बचने के लिए न्यायालयों के निकट अभिभाषक कक्ष उपलब्ध कराया जाता हैं।

धनवन्तरी योजना- इस योजना के तहत अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के एलो-पैथिक अथवा आयुर्वेदिक चिकित्सकों को स्वयं के मूल स्थान पर अथवा जनपद मुख्यालय पर निजी प्रेक्टिस के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती हैं।

वनजा योजना- इस योजना के तहत लघु वनोपज पर आधारित लघु उद्योगों में अनुसूचित जाति एवं जनजाति की सहकारी समितियां बनाकर उन्हें आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जाती हैं।

प्रमुख तथ्य

- डहया कृषि, पेण्डा कृषि, वेबरी कृषि, झूम खेती: ये सभी स्थानांतरित कृषि के नाम है।
- बैगा जनजाति में समय के अनुसार तीन भोजन प्रचलित है: सुबह, 'बासी', दोपहर में 'पेज' और रात्रि में 'बिमारी'।
- भीलों का घर 'फाल्या' कहलाता है।
- माडिया जनजाति अल्पसंख्या में जबलपुर, मण्डला और पन्ना जिलों में पाई जाती है।
- कोल शहरी मजदूरों के रूप में विख्यात है।
- पठौनी विवाह गोंड़ जनजाति में प्रचलित है।
- सागर की बेडिया जन जाति में वैश्यावृत्ति प्रचलित है।

जनजाति	युवागृह
मुडिया	घोटुल
भुइयां	धांगरबांसा
भारिया	रंग-बंग
उरांव	धुमकोरिया
मुण्डा	गतिओरा

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

19. स्थापत्य/पर्यटन स्थल/धार्मिक स्थल

प्रमुख किले

ग्वालियर का किला

- इसे किलो का रत्न, पूर्व का ''जिब्राल्टर'' कहा जाता है।
- इसका निर्माण कछवाहा वंशी राजा सूरजसेन ने सन् 525 ई. में करवाया था।
- ग्वालियर किले के पाँच द्वार है- 1. आगलगीरी/आलमगीरी, 2. हिन्डौला, 3. गूजरीमहल, 4. चतुर्भुज मन्दिर दरवाजा एवं 5. हाँथी बाड़ा दरवाजा
- ग्वालियर के किले मे निम्न इमारते महत्वपूर्ण है- 1. मान मन्दिर, 2. गूजरीमहल, 3. तेली का मन्दिर, 4. हाथी की विशाल प्रतिमा (तोमर नरेश मानसिंह द्वारा)
- तेली का मन्दिर उत्तर भारत में एक मात्र द्रविड़ शैली से निर्मित मन्दिर है।
- **सास बहु का मन्दिर:** 11वी सदी में राजा महिपाल द्वारा निर्मित। इसमें भगवान सहस्त्रबाहु (विष्णु) की मूर्ति है।
- इस किले की तलहटी में 15वी शताब्दी के राजा डोंगर सिंह द्वारा बनवायें जैन मन्दिर है। जिसमें सर्वाधिक ऊंची प्रतिमा जैन तीर्थंकर आदिनाथ की है।
- इसी किले में मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा गुरूद्वारा ''दाता बन्दी छोड़'' है।
- ग्वालियर का पुराना नाम गोपांचल है।
- ग्वालियर के किले का निर्माण गालब ऋषि के सम्मान में करवाया गया था।

धार का किला

- इस किले का पुनर्निर्माण 1344 में मुहम्मद बिन तुगलक ने दक्षिण विजय के दौरान देवगिरी जाते समय करवाया था।
- इस किले के अन्दर देवी कालका मन्दिर का निर्माण परमार नरेश मुंज ने करवाया था।
- इस किले में पेशवा बाजीराव का जन्म हुआ था।
- 1732 में मराठाओं ने अपने अधिकार में ले लिया।
- इसी किले में खरबूजा/खरवणा महल स्थित है।
- अब्दुल शाह चंगश का कमबरा है।

असीरगढ़ का किला

- बुरहानपुर जिले में अवस्थित
- इसका निर्माण 10वी शताब्दी में अहीर राजा ''आशा'' ने करवाया था।
- इसको ''दक्षिण का द्वार'' बुरहारनपुर दर्रा कहा जाता है
- मुमताज महल की मृत्यु इसी किले में हुई थी।
- इसे अकबर ने सोने की चाबियों से विजित किया था।

चन्देरी का किला

- मुगाँवली (अशोक नगर) में अवस्थित।
- चन्देरी के किले का निर्माण प्रतिहार वंश के राजा कीर्तिपाल (11वीं सदी) द्वारा करवाया गया था।
- यह बेतवा नदी के किनारे स्थित है।
- चन्देरी के किले में निम्न मशहूर इमारते है- 1. हवा महल, 2. जौहरा कुण्ड, 3. नौखण्डा महल एवं 4. खूनी दरबाजा।
- जौहरकुण्ड (1528) में बाबर के आक्रमण के समय 300 राजपूत रानियों ने प्रज्वलित अग्नि में प्राण दिये थे।
- इस समय यहां का शासक मेदनीराय था।
- वर्तमान में चन्देरी हाथ से बनी साड़ीयों के लिए प्रसिद्ध है।

गिन्नौरगढ़ का दुर्ग

- रायसेन जिले में अवस्थित है।
- इस दुर्ग का निर्माण 13वी शताब्दी में महाराजा उदय वर्मन ने अशर्फी पहाड़ी पर करवाया था।
- यह क्षेत्र ''शुक क्षेत्र'' कहा जाता है। क्योकि इस क्षेत्र में तोते बहुतायत में पाये जाते है। इसलिए इसे 'तोते' का किला भी कहा जाता है।

रायसेन का दुर्ग

- इस दुर्ग का निर्माण 16वीं शताब्दी में राजा ''राजबसन्ती'' ने करवाया था।
- इस दुर्ग में निम्नलिखित इमारतें है- 1. बादल महल, 2. गजारोहित महल, 3. इत्रदार महल
- इस किले में 4 तालाब है। जिसमें से 'शेषग्राही तालाब' अत्यधिक प्रसिद्ध है।

बांधवगढ़ का किला

- जिला उमरिया में अवस्थित।
- 14वीं शताब्दी में बघेलखण्ड के राजा व्याघ्र देव द्वारा निर्मित है।
- यह दक्षिण पूर्व रेलमार्ग के कटनी बिलासपुर मार्ग पर स्थित है।
- यहां शेषाशाही तालाब व विष्णु का मंदिर अवस्थित है।
- बांधवगढ़ राष्ट्रीय पार्क में अवस्थित।
- यह किला विध्याचल पर्वतमाला पर 900 मी. की ऊंचाई पर स्थित है।
- 16वीं शताब्दी में बघेलखण्ड के राजा विक्रमादित्य ने अपनी राजधानी बांधवगढ़ से रीवा स्थानान्तरित की।

अजयगढ़ का किला

- पन्ना जिले में अवस्थित।
- इस किले का निर्माण राजा अजयपाल ने करवाया था।
- यह किला बारीक पत्थरो की नक्काशी के लिए प्रसिद्ध है।
- इस किले में राजा अमन का महल स्थित है।

ओरछा का किला

- टीकमगढ़ जिले में अवस्थित।
- ओरछा के किले का निर्माण बुदेलवंशी राजा 'वीरसिंह बुन्देला' ने करवाया था।
- यह दुर्ग बेतवा नदी के किनारे स्थित है।
- इस दुर्ग में निम्न मन्दिर है- 1. चर्तुभुज मन्दिर, 2. राम मन्दिर एवं 3. लक्ष्मीनारायण मन्दिर।
- जहाँगीर महल का निर्माण 'वीरसिंह बुन्देला' ने करवाया था।

मण्डला का दुर्ग

- मण्डला जिले में अवस्थित
- यह दुर्ग बंजर एवं नर्मदा नदी के संगम पर स्थित है। इसका निर्माण 'गौंड नरेश नरेन्द्रशाह' ने करवाया था।
- मण्डला जिले में राजराजेश्वरी भवन का निर्माण निजामशाह ने करवाया था।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मदसौर का किला

- इसका निर्माण 14वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिल्जी ने करवाया था।
- यहाँ पर 500 वर्ष पुराना तापेश्वर मन्दिर स्थित है।

नरवर का किला

- शिवपुरी जिले में अवस्थित।
- इए किले का निर्माण 'राजा नल' ने करवाया था।
- यह किला राजा नल एवं दमयन्ती की प्रणय कथा के लिए प्रसिद्ध है।
- यह क्षेत्र कछवाह, तोमर और जयपुर के राजघराने के लिए प्रसिद्ध है।

अन्य तथ्य

- राजगढ़ में अवस्थित 'नरसिंह के किले' को 'कश्मीर-ए-मालवा' कहते है।
- धार जिले में अवस्थित 16वीं सदी में निर्मित माण्डू के दुर्ग का निर्माण बाज बहादुर ने करवाया था जिसमें 12 दरवाजे है।
- दतिया के किले का निर्माण वीरसिंह देव ने करवाया था इस किले के द्वार पर भवानी सिंह ने 'जस्टिज इज द गेम ऑफ क्राउन' लिखा था।
- कादरगढ़ का किला (दतिया) सिंध नदी के तट पर अवस्थित है।
- अटेर का किला व गोहद का किला भिण्ड जिले में है।
- राजवाड़ा के किले (इंदौर) का निर्माण होल्कर वंश के राजा ने करवाया था, यह होल्कर वंश की राजधानी भी था।

प्रमुख महल

1. गुजरीमहल/दानमहल (ग्वालियर)- मानसिंह द्वारा मृगनयनी के लिए बनवाया।
2. मोतीमहल (ग्वालियर)- जीवाजीराव सिंधियां का महल, 1 नवम्बर 1956 से पूर्व 'मध्य भारत' विधानसभा भवन रहा।
3. जयविलास पैलेस (ग्वालियर)- इटालियन शैली पर निर्मित, सिंधिया का निवास स्थान तथा वर्तमान में संग्रहालय।
4. बघेलिन महल (मण्डला)- मोतीमहल के पूर्व में 8 किमी. दूर नर्मदा नदी के किनारे स्थित है।
5. मदन/मढन महल (जबलपुर)- गोड़राजा मदनशाह द्वारा
6. खरबूजा महल (धार)- धार किले में स्थित है।
7. राजारोहित का महल- रायसेन के दुर्ग में 'राजबसन्ती द्वारा'।
8. बादल महल, इत्रद्वार महल- रायसेन।
9. हवा महल (चन्देरी)- अशोकनगर-किला 'कीर्तिपाल' द्वारा।
10. नौखण्डा महल- चंदेरी।
11. राजा अमन का महल- 'अजयगढ़, पन्ना' अजयपाल द्वारा।
12. जहाँगीर महल (ओरछा)- 'वीर सिंह' द्वारा निर्मित।
13. राजमन्दिर महल (ओरछा)- 'बीर सिंह' द्वारा।
14. अशर्फी महल (माँडू 'धार')-अफगानी कला, कटोरीनुमा बना
15. दाई का महल (माँडू)- वर्तमान में महत्वपूर्ण कला कृतियों का सग्रहालय है।
16. रानी रूपमती का महल (माँडू)- बाज बहादुर का प्रेयसी रानी रूपमती का महल।

प्रमुख पर्यटन स्थल

पंचमढ़ी- पंचमढ़ी यहा का प्रमुख हिल स्टेशन है। होशंगाबाद जिले में पिपरिया स्टेशन के निकट स्थित है। इसकी खोज फोरसिथ ने की थी।

दर्शनीय स्थल- प्रियदर्शिनी और हाड़ी खोह, अप्सरा-बिहार, रजत प्रपात, राजगिरि, लांजी गिरी, आईरीन सरोवर, जलावरण (डचेस फॉल), चौरागढ़, धूपगढ़, पांडव गुफाएं, धुआधांर, भ्रांत नीर (डीरोथी डिप), अस्तांचल, बीनवादक की गुफा (हार्पर केव) तथा सरदार गुफा, राज्य की पुलिस प्रशिक्षण शाला आदि।

अमरकंटक- प्रमुख हिल स्टेशन है जो पुष्पराजगढ़ तहसील (अनूपपुर जिले) में है। नर्मदा, सोन, जाहिला तीन नदियों का उद्गम स्थल। 2005 में पवित्र नगर घोषित।

दर्शनीय स्थल- कपिलधारा व दुग्धधारा जल प्रपात, सोनमुड़ा, माईकी बगीया, कबीर चौराहा, भृगु कमण्डनल, पुष्कर बांध।

खजुराहों- छतरपुर जिले में स्थित चन्देल राजा धंग द्वारा निर्मित मंदिर (11वीं सदी)। युनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल।

दर्शनीय स्थलः कंदरिया महादेव, चौंसठ योगिनी, चित्रगुप्त, विश्वनाथ मंदिर, लक्ष्मण मंदिर तथा मांतगेश्वर मंदिर, पार्श्वनाथ मंदिर, घंटाई मंदिर आदिनाथ मंदिर, दक्षिण समूह- दूल्हादेव मंदिर तथा चतुर्भुज मंदिर, बेनी सागर बांध तथा स्नेह प्रपात।

माण्डूः (City of Joy)- मालवा का सौन्दर्य स्थल, माण्डू को शादियाबाद अर्थात हर्ष नगर से जाना जाता था। म.प्र. के धार जिले मे स्थिल माण्डू का प्राचीन नाम मंडपदुर्ग या मांडवगढ़ था। दिलावर खाँ का पुत्र होशंगशाह 1405 में अपनी राजधानी धार से उठाकर माण्डू ले गया। 1554 में बाजबहादुर के आधिपत्य मे आया। जिसने जहाज-महल, हिण्डोला महल का निर्माण कराया।

दर्शनीय स्थलः मांडू का परकोटा - जिसमें 12 दरवाजे है, जो रामपोल, तारापुर दरवाजा, जहांगीर दरवाजा, दिल्ली दरवाजा, जहाज महल, हिंडोला महल, होशंगशाह का मकबरा, जामा मस्जिद, अशर्फी महल, रेवा कुण्ड, रूपमती मंडप, नीलकंठ महल, हाथी महल तथा लोहानी गुफाएं।

सांची- रायसेन जिले में सांची नगर भोपाल से 45 किमी. दूरस्थ का प्राचीनकालीन नाम 'काकणाय' या 'बौद्ध श्रीपर्वत' निर्माण मौर्य सम्राट अशोक ने अपनी रानी (विदिशा की महादेवी) के कहने पर कराया। स्तूपों में सबसे बड़ा **मोग्लयान** और **सारीपुत्र** की अस्थियों चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के सेनापति आम्रकादेव का एक अभिलेख। इसके स्तूपो की रेलिंग शुंगो ने बनवाई थी।

विदिशा- भिलसा या बेसनगर के नाम से भी प्रसिद्ध प्राचीन नाम महामालिस्तान या मेवासा यूनानी राजा एंटिक्लाड्यिस ने अपने दूत 'हेलियोडोरस' को भेजा था। उसने 'गरूड अंकित' स्तंभ लगवाया इसे 'खम्भा-बाबा' भी कहते है।

दर्शनीय स्थल- लोहोंगी शीला, गुम्बज, बीजा मण्डल, सम्राट अशोक सागर (हलाली सागर)।

ग्वालियर- इसकी स्थापना गालव ऋषि के नाम पर।

दर्शनीय स्थलः ग्वालियर दुर्ग (बलुए पत्थर), गूजरी महल, जो राजा मानसिंह तोमर ने गूजर रानी मृगनयनी के प्रेम में बनवाया, मान मंदिर, सूरजकुण्ड, तेली का मंदिर, सास बहू का मंदिर, जयविलास महल, रानी लक्ष्मीबाई की अश्वारोही मूर्ति, संग्रहालय, तानसेन की समाधि, गौस मोहम्मद का मकबरा, रानी लक्ष्मीबाई की समाधि, कला वीथिका, नगरपालिका संग्रहालय, चिड़ियाघर, गुरूद्वारा, सूर्य मंदिर।

उदयगिरी की गुफाएं- विदिशा स्थित उदयगिरी में बीस गुफाएं है। गुफा नं. 1 और 20 जैन धर्म से संबंधित है। गुफा न. 5 में वराह अवतार की विशाल प्रतिमा है। इन गुफाओं का समय गुप्तकाल (4-5वीं शताब्दी) का है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

भर्तृहरि गुफाएं- उज्जैन के निकट भर्तृहरि गुफाएं संख्या में 9 है इनका निर्माण राजा भर्तृहरि के सम्मान में परमार शासकों ने करवाया था। इनकी विशेषता हैं रंगीन चित्र।

बाघ की गुफाएं- इन्दौर झाबुआ मार्ग से अंदर 'बाघ' स्थान (धार जिले में) के समीप विंध्यांचल पहाड़ी में बाघ की प्रसिद्ध बौद्ध गुफाएं है। इनका काल भी गुप्तकालीन अर्थात् 5 ईसवी शताब्दी है।

पंचमढ़ी गुफाएं- यहां की पाण्डव गुफा जैसी पांच गुफाएं अत्यंत आकर्षक है।

मारा गुफाएं- सिंगरोली जिले में स्थित। बौद्धकालीन गुफाए।

भीमबेटका- प्रोगैतिहासिक कालीन भीम बेटका शैलाश्रय है। जिनकी संख्या 500 के आसपास है। इन पर अनेक चित्र अंकित है, इनका संबंध पाण्डवों के अज्ञातवास से जोड़ा जाता है, रायसेन जिले में अवस्थित। इसकी खोज वाकणकर ने की थी। यह विश्व का सबसे बड़ा गुफा समूह है। यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

मृगेन्द्रनाथ गुफा-पाटनी गांव (विदिशा) व रामसेन में अवस्थित, दुर्लभ रॉक पेटिंग्स, यह जैन धर्म से संबंधित है।

शंकराचार्य की गुफाए- ओकारेश्वर (खण्डवा) में अवस्थित, शंकराचार्य ने यहां शिव अराधना की थी।

आदमगढ़ के शैलाश्रय- होशंगाबाद नगर के निकट आदमगढ़ की शैलकृत चित्रित गुफाए

गोम्मट गिरी- इन्दौर में स्थित प्रसिद्ध जैन तीर्थ है। भगवान बाहुबली की 27 फीट ऊंची खडगासन प्रतिमा अवस्थित है।

मुक्तागिरी- बैतूल जिले में स्थित प्रसिद्ध दिगम्बर जैन तीर्थ है।

सोनागिरी-दतिया जिले में सोनागिरी प्रसिद्ध दिगम्बर जैन तीर्थ है।

पीताम्बरा पीठः दतिया में स्थित मां बगलामुखी पीताम्बरा पीठ हिन्दुओं का प्रसिद्ध तांत्रिक धार्मिक स्थल व शक्तिपीठ है।

दादाजी दरबार- खण्डवा में स्थित दादाजी दरबार महान संत धुनीवाले 'दादाजी' का समाधि स्थल है।

बावनगजा- बड़वानी जिले में बावनगजा पहाड़ी भगवान आदिनाथ की 72 फीट ऊंची प्रतिमा।

नेमावर- नर्मदा तट (देवास जिला) पर स्थित नेमावर हिन्दुओं का तीर्थ स्थल है।

रूणिजा- बढ़नगर स्थित रूणिजा 'तेजाजी' महाराज से संबंधित पवित्र स्थान है।

ओंकारेश्वर- 'ॐ' आकृति वाले इस स्थान में 12 ज्योर्तिलिंग में से एक ज्योर्तिलिंग है। 'नर्मदा-तवा' के संगम पर ओंकार-मांधाता मंदिर में यह ज्योर्तिलिंग स्थापित है। यह मंदिर मध्यकाली ब्राह्मणशैली में बना है। सिद्ध मंदिर, सनमात्रिक मंदिर, 2005 में पवित्र नगर घोषित।

भोजपुर- भोपाल के निकट स्थित भोजपुर अपने विशाल 'शिवलिंग' के लिये प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना राजा भोज ने की थी। यह विश्व का सबसे विशाल शिवलिंग है।

नोहटा- दमोह में अवस्थित। गुरहया-बरेमा नदी संगम पर बसा नोहटा कभी चन्देलों की राजधानी था। अब यह शिव मंदिर और जैन मंदिर के अवशेषों के लिये विख्यात है।

मंदसौर- प्राचीन नाम दसपुर था। यहां भारत का प्राचीनतम पशुपतिनाथ मंदिर है। ऐसा ही एक पशुपतिनाथ मंदिर धुरैल पहाड़ी (व्यावरा) पर स्थित है। प्रसिद्ध सूर्य मंदिर।

बेसनगर-विदिशा में अवस्थित। हेलियोडोरसे स्तंभ में गरूड़ ध्वज।

चित्रकूट- सतना में अवस्थित। ब्रह्मा, विष्णु व महेश ने यहीं पर बाल अवतार लिए थे वनवास के समय मर्यादा पुरूषोत्तम राम यहीं पर महर्षि अत्रि व सती अनुसूईया के अतिथि बने। कामदगिरी अनुसुईया आश्रम, भारत कूट तथा हनुमान धारा यहीं स्थित है। 2005 में पवित्र नगर घोषित किया गया। गुप्त गोदावरी नदी है। यहां गधों का मेला लगता है।

उज्जैन- क्षिप्रा नदी के तट पर अवस्थित। महाकालेश्वर मंदिर, जंतर-मंतर, चिंतामणि गोपाल जी का मंदिर, संदीपनी आश्रम, मंगलनाथ मंदिर, भृर्तहरिगुफा। यहां पर 12 वर्षों बाद कुंभ का मेला लगता है। 2005 में पवित्र नगर घोषित। वैश्य टेकरी स्तूप है। 'पेरप्लस ऑफ एरिथ्रियन सी' नामक पुस्तक में उज्जैन नगरी को 'ओजीनी' लिखा गया है।

भेड़ाघाट प्रपात- जबलपुर में अवस्थित। नर्मदा एवं बावन नदी के संगम पर स्थित यह प्रपात 18 मीटर ऊंचा है। दोनों ओर संगमरमर की चट्टानों से घिरा हुआ है। भृगु ऋषि ने यहीं तपस्या की थी। बंदरकूदनी और चौसठ यौगिनयों के मंदिर है।

मध्य प्रदेश के मकबरे / समाधियाँ

मकबरा / समाधि	स्थान
1. तानसेन का मकबरा (16वीं सदी), निर्माता अकबर	ग्वालियर
2. मुहम्मद गौस का मकबरा (16वीं सदी)	ग्वालियर
3. बैजु बावरा की समाधि (16वीं सदी)	चंदेरी, अशोकनगर
4. होशंगाबाद का मकबरा	माण्डू, धार
5. पेशवा बाजीराव की समाधि	रावरखेड़ी, खरगौन
6. मत्येन्द्र पीर की समाधि	उज्जैन
7. महारानी सांख्यराजे की समाधि	शिवपुरी
8. रानी दुर्गावती की समाधि	बरेला, जबलपुर
9. रानी झांसी की समाधि	ग्वालियर
10. नवाब हसन सिद्दीकी का मकबरा	भोपाल
11. रानी अवंती बाई की समाधि	मण्डला
12. झलकारी बाई की समाधि	ग्वालियर
13. गिरधारी बाई की समाधि	मण्डला
14. अब्दुल्ला शाह चंगस का मकबरा	धार

मध्य प्रदेश में केन्द्र शासन के संग्रहालय

1. **पुरातत्व संग्रहालय, सांची, जिला रायसेनः** इसमें हिंदू और बौद्ध दोनों धर्मो से संबंधित अवशेष है।
2. **पुरातत्व संग्रहालय, खजुराहों, छत्तरपुरः** इसमें चंदेल काल (11-12वीं शती) की प्रतिमाएं सुरक्षित है, जिनमें अग्नि ओर स्वाहा, अर्द्धनारीश्वर, आदिनाथ, गजलक्ष्मी तथा मैथुन मूर्तिया प्रमुख है।

राज्य शासन के संग्रहालय

राज्य शासन के अधीन राज्य, जिला और स्थानीय स्तर पर **संग्रहालय** संचालित है:-

राज्य स्तरीय संग्रहालयः ये 6 है-

1. केन्द्रीय संग्रहालय, गुजरीमहल (ग्वालियर) 1909
2. राजकीय संग्रहालय, भोपाल (1887 और 1964)
3. केन्द्रीय पुरातात्विक संग्रहालय, इन्दौर (1931)
4. रानी दुर्गावती संग्रहालय, जबलपुर (1975-76)
5. राजकीय संग्रहालय, धुबेला (छतरपुर) (1955)
6. तुलसी संग्रहालय, रामवन (सतना) (1978)
7. दुष्यंत कुमार पाडुलिपी संग्रहालय, भोपाल

जिला संग्रहालयः ये 9 है, शिवपुरी, धार, मण्डला, विदिशा, शहडोल, राज गज, देवास, मंदसौर और होशंगाबाद में। इनमें से शिवपुरी तीर्थकर प्रतिमाओं के लिए और मण्डला जीवाश्म अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है।

स्थानीय संग्रहालयः इनकी संख्या 5 है- भानपुरा (मंदसौर), आशापुरी (रायसेन), महेश्वर (खरगौन), गंधर्वपुरी (देवास) और दमोह में संचालित स्थानीय संग्रहालयों में स्थानीय स्तर पर प्राप्त पाषाण प्रतिमाओं का संग्रह है।

विश्वविद्यालयी संग्रहालय

तीन विश्वविद्यालयों सागर विश्वविद्यालय-सागर, जबलपुर विश्वविद्यालय-जबलपुर और विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन ने अपने यहां पुरातत्व संग्रहालय स्थापित कर रखे है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

20. इतिहास

पूर्व पाषाण युग

- इस युग के विशेष औजार बिना बेंट अथवा लकड़ी के बेंट वाले हस्तकुठार के अतिरिक्त खुरचनी, मुष्टिकुठार तथा क्रोड मध्य प्रदेश के विभिन्न स्थलों पर पाए गए है।
- पूर्व पाषाण युगीन स्थल मध्य प्रदेश नर्मदा घाटी, चंबल घाटी, बेतवा घाटी, सोनार घाटी (धोगरा, हेरात, नरसिंहगढ़ एवं मारियादा), सोन घाटी, भीमबेतका की गुफा आदि में पाए गए है।
- होंशगाबाद और नरसिंहपुर के बीच मध्य नर्मदा घाटी जीवाश्म प्राप्ति के कारण प्रसिद्ध है।
- नरसिंहपुर (देवकक्षार, बरमानघाट), उपरी नर्मदा के अमरकण्टक से हरदा के मध्य एवं जबलपुर (भंडाघाट) से स्तनधारी पशुओं के जीवश्म प्राप्त हुए है।
- नरसिंहपुर के निकट से नवीन खोज के तहत एक खोपड़ी का जीवाश्म मिला है।
- भीमबेटका एवं रीवा क्षेत्र से छूरी एवं छेनी मिली है। सोन घाटी के क्षेत्र में निसार अहमद ने अनेक स्थलों से पूर्व पाषाण कालीन औजार प्राप्त किए है।

मध्य पाषाण युग

- इस युग में जैस्पर, चर्ट, क्वार्ट्ज, फ्लिंट आदि उच्चकोटि के पत्थरों से बने औजारों में खुरचनियां, नोक एवं बेधनी प्रमुख है।
- ये औजार मध्य प्रदेश में नर्मदा, चम्बल, बेतवा एवं इनकी सहायक नदियों की घाटियों में पाए गए है। इसके अंतर्गत प्रमुख जिले जबलपुर, सागर, मंदसौर, सीधी, पूर्व तथा पश्चिम निमाड़, विदिशा, नरसिंहपुर आदि है।
- **कायथा (उज्जैन):** सिंध नदी तट पर। (वराह मिहिर की जन्मस्थली भी)
- **एरण (सागर):** प्राचीन नाम ऐरिकीर्ण। (भानुगुप्त का अभिलेख भी)
- **नवदाटोली (महेश्वर, धार):** नर्मदा तट पर। विदेशियों के अप्रवास के साक्ष्य।
- **नागदा (उज्जैन):** चम्बल तट पर, माइक्रोलियस के साक्ष्य।
- **खेड़ीनामा (होशंगाबाद):** 1500 ई. पू. पूर्व के साक्ष्य।
- वी.बी. मिश्र ने भीमबेटका (रायसेन) में इस युग के ब्लेड अवयवों के विकास को अनुरेखित किया है।
- आदमगढ़ में पालतू जानवरों की हड्डियां बड़ी मात्रा में पायी गयी है।

उत्तर पाषाण युग

- इस युग के जैस्पर, कैल्सेडोनी तथा क्वार्ट्ज, पत्थरों से बने शल्क, क्रोड, फलक, बेधनी, समलम्ब, तिकोने तथा अर्द्धचन्द्राकार लघुरूपता वाले औजार मध्य प्रदेश में पूर्व निमाड़, शहडोल, मंदसौर, होंशगाबाद, उज्जैन, जबलपुर, इंदौर, पन्ना, धार, विदिशा इत्यादि जिलों से प्राप्त हुए है।
- आदमगढ़ (होशंगाबाद) से इस युग की सीप से बनी वस्तुएं मिली है। जिसकी तिथि लगभग 5500 ई. पू. है।

नवपाषाण युग

- इस युग के प्रमुख औजार सेल्ट, कुल्हाड़ी, बसूला इत्यादि पालिशदार रूप में मध्य प्रदेश के सागर (एरण, गढ़ीमोरीला), जबलपुर (मुनई, कुण्डम, बुरचेंका), दमोह (हटा), होंशगाबाद, छतरपुर (जतकारा) जिलों से पाये गए है।
- इस युग में मनुष्य ने कृषि, पशुपालन, मृदभांड बनाना, वस्त्र निर्माण, गृह निर्माण, अस्त्र-शस्त्र एवं अग्नि का प्रयोग सीखा।

ताम्र पाषाण युग

- मध्य प्रदेश में हड़प्पा सभ्यता के अवशेष नहीं प्राप्त हुए है, परंतु हड़प्पा सभ्यता के बाद ताम्र पाषाण युग के अवशेष मालवा क्षेत्र के नागदा, नवदाटोली, कायथा, आरवा, एरण, बेसनगर आदि स्थानों से प्राप्त हुए है।
- **आरवा (मन्दसौर):** ताम्रपाषाण से लेकर गुप्तकाल तक के साक्ष्य।
- **डाँगवाला (उज्जैन):** ताम्रपाषाण बस्ती।
- नवदाटोली एवं महेश्वर के अवशेष 1660 ई. पू. से 1440 ई. पू. तक, एरण के अवशेष 2000 ई. पू. से 700 ई.पू., बेसनगर के अवशेष 1100 ई. पू. से 900 ई.पू. तथा कायथा के अवशेष 2015 ई.पू. से 1380 ई.पू. के स्तरीय प्रमाण उपलब्ध कराते है।
- कायथा से मोटे और मजबूत 'ब्राउन स्लिप्ड वेयर' नामक मृदभांड पाये गए है।
- मालवा के मृदभांड हल्के पीले एवं नारंगी रंग के है, जिनमें काले और गहरे भूरे रंग से चित्रकारी है।

प्रमुख स्थल और खोजकर्ता

स्थान	महत्वपूर्ण सामग्री	खोजकर्ता
महादेव पिपरिया (नर्मदा घाटी)	860 औजार	सुपेकर
हथनौरा (होशंगाबाद, नर्मदा घाटी)	नर्मदेवसिस मानव की खोपड़ी	एच.डी.सांकलिया, मैक ब्राउन
मंदसौर (चम्बल घाटी)	प्रो. उपकरण	प्रो. वाकणकर
भीम बेटका (नर्मदा घाटी)	ब्लेड उपकरण	ढी.बी. मिश्रा
आदमगढ़ शेलाश्रय (होशंगाबाद)	25 हजार लघु पाषाण उपकरण	डी. बी. जोशी

लौह युग

- मध्य प्रदेश के कुछ उत्तरोत्तर भाग (ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना) में लौह युग के द्योतक धूसर चित्रित मृदभांड के अवशेष पाये गए है, जो लगभग 1000 ई. पू. के है।

महापाषाण युग

- दक्षिण भारत के प्रसिद्ध महापाषाणीय स्मारक (मेगालिथ) के कुछ उदाहरण मध्य प्रदेश के दुर्ग, रायपुर, सिवनी एवं रीवा क्षेत्रों में भी मिलते है।

वैदिक युग

- मध्य प्रदेश से संबंधित किसी भी ऐतिहासिक तथ्य का समावेश ऋग्वेद में नहीं मिलता है।
- उत्तर वैदिक काल में कुछ अनार्य (विशेषकर निषाद जाति) लोगों का ऐतरेय ब्राह्मण में उल्लेख है जो मध्य प्रदेश के घने जंगलों में निवास करते है।

महाकाव्य काल

- **कारूष वंश :** मनु पुत्र कारूष संस्थापक, क्षेत्र: बघेलखण्ड

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- **चन्द्रवंश (ऐल साम्राज्य):** संस्थापक : सोम या चन्द्र, महाराजा: ययाति (चन्द्र साम्राज्य 5 पुत्रों में बांटा)
- **इक्ष्वाकु वंश (दण्डकारण्य राज्य):**संस्थापक:मनु पुत्र इक्ष्वाकु।
- इक्ष्वाकु चक्रवर्ती 'मांधाता': इसके एक पुत्र पुरुकुत्सु ने मध्यभारत के नाग राजाओं को गंधर्वो के खिलाफ सहायता दी।
- इक्ष्वाकु के पुत्र दण्डक का राज्य मध्य प्रदेश के दक्षिण क्षेत्र पर था जो बाद में दण्डकारण्य कहलाया। रामायण के राम बनवास के समय जिस दण्डक वन में रहे वह छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले का दण्डकारण्य क्षेत्र ही था।
- **हैहय साम्राज्य (महेश्वर):** संस्थापक: यदु पुत्र 'हैहय'।
- राजधानी : महिष्मति (महेश्वर, धार)।
- म.प्र. के हैहय वंशी राजा कीर्तवीर्य ने लंका नरेश रावण को परास्त किया था।
- हैहय वंशीय राजा 'महिष्म' ने नर्मदा नदी के तट पर महिष्मती नामक नगर बताया।
- राम ने चित्रकुट (सतना) में तुलसीदास जी को दर्शन दिये।
- राम का अधिकांश वनवास समय दण्डकारण्य (बस्तर) में।
- बाल्मीकि आश्रम (टोंस या तमसा नदी तट पर, सतना)।
- रावण की लंका 'जबलपुर' या 'अमरकण्ट' के निकट।
- सतपुड़ा में निषाद राज्य।
- दक्षिण कौशल (छत्तीसगढ़) परशु का शासन।
- महाकाव्य काल में यादव वंशीय राजा मधु का उल्लेख मिलता हैं।
- राजा मधु आयोध्या के शासक दशरथ के समकालीन थे।
- शंभुधाती (शत्रुधन का पुत्र) : विदिशा पर शासन।
- महाभारत युद्ध में पाण्डवों की तरफ से भाग लेने वाले म. प्र. के राज्य: वत्स, चेदि, कारूष, दशार्ण, मत्स्य (बघेलखण्ड, बुन्देलखण्ड)
- महाभारत युद्ध में कौरवों की तरफ से भाग लेने वाले राज्य: महिष्मति, अवंति, भोज, अथंक, निषध, वृष्णि।
- रामायण में दण्डकारण्य वनों का उल्लेख मिलता हैं।
- परशुराम राजा जमदग्नि के पुत्र थे, जिनके नाम पर जनापावा (महू) है।
- निषादजाति का राज्य सतपुड़ा और विंध्याचल के जंगलों में था।
- शत्रुघ्न (प्रभु राम के छोटे भाई) के पुत्र शंभुछाती का शासन विदिशा (राजधानी-कुरावती) पर था।
- जनश्रुति है कि मध्य प्रदेश के पन्ना राज्य की नींव भगवान राम के पुत्र कुश के वंशजों ने रखी थी।

महाजनपद काल

- छठीं सदी ईसा पूर्व में भारत के 16 महाजनपदों में से दो-चेदि और अवति म. प्र. में थे।
- अवंति जनपद दो प्रांतों में विभक्त था, उत्तरी जनपद (राजधानी-उज्जैयिनी) तथा दक्षिण जनपद (राजधानी-महिष्मति) थी।
- चण्ड प्रद्योत और पालक अवंति के प्रसिद्ध शासक बौद्ध कालीन हुए।

मौर्य युग (323 ई. पू. - 187 ई. पू.)

अशोक

- विदिशा की महादेवी से विवाह
- सांची स्तूप का निर्माण
- वैश्य टेकरी (उज्जैन) का निर्माण
- अशोक मौर्य राजा बनने के पूर्व अवंति नामक चक्र (प्रान्त) का प्रांतपति था (बौद्ध ग्रंथ दीपवंश के अनुसार)
- फाह्यान के अनुसार अशोक ने 84 हजार स्तूपों का निर्माण करवाया था।
- गुर्जरा (दतिया) अभिलेख में 'अशोक' नाम का उल्लेख हुआ है।
- अशोक के दो अभिलेखो म. प्र. के रूपनाथ (जबलपुर) तथा गुर्जरा (दतिया) से मिलते है।

मौर्योत्तर काल

शुंग काल (187-75 ई. पू.)

- हर्षचरित तथा पुराणों के अनुसार 184 से 85 ई.पू. के शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र ने युवराज अग्निमित्र को पूर्वी मालवा की राजधानी विदिशा काशासक बनाकर भेजा था।
- विदिशा (बेसनगर) में अग्नि मित्र। हेलियोडोरस का 'गरूड़ स्तंभ' (बेसनगर/विदिशा), राजा भागभद्र के समय।
- शुंगकाल में पुष्यमित्र शुंग ने विदिशा को अपनी राजधानी व साँची स्तूप के तोरण द्वार बनवाये।

सातवाहन काल

- सातवाहनों का उल्लेख सांची लेख में है। इण्डोयुनानी 'मिनेण्डर' के सिक्के बालाघाट से।
- सांची स्तूप की वेदिका पर उत्कीर्ण लेख में सातवाहन शासन (शातकर्णी प्रथम) के 72 ई.पू. में पूर्वी मालवा क्षेत्र पर अधिकार का उल्लेख है।
- सातवाहन शासकों के 'राजा सिरि सात' नामांकित सिक्के उज्जैन, देवास, हाशंगाबाद(जमुनिया), जबलपुर (तेवर, भेड़ाघाट, त्रिपुरी) से मिले है।
- जबकि वासिष्ठी पुत्र पुलमावी (130 ई. से 154 ई.) के सिक्के भिलसा तथा देवास में प्राप्त हुए है)।
- अंतिम सातवाहन शासक यज्ञश्री शातकर्णी के सिक्के उज्जैन, देवास, होशंगाबाद (जमुनिया), जबलपुर (तेवर, भेड़ाघाट, त्रिपुरी) से मिले है।
- जबकि वासिष्ठी पुत्र पुलवामी (130 ई. में 154 ई.) के सिक्के भिलसा तथा देवास में प्राप्त हुए है।
- अंतिम सातवाहन शासक यज्ञश्री शातकर्णी के सिक्के बेसनगर, तेवर और देवास से प्राप्त हुए है। रोम देश के कुछ सिक्के इस काल में मंदसौर (आवारा) से प्राप्त हुए है।

शक राज्य (50 बी.सी.-300 ईसवी)

- उज्जैयिनी का शक राज्य (कार्दमक वंश)
- **संस्थापक:** चष्टन या यशोमिति
- **प्रमुख राजा:** रूद्रदामन - संस्कृत का विद्वान, गिरनार संस्कृत अभिलेख।
- **नोट:** अंतिम राजा रूद्रसेन- तृतीय को चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य ने मारा, शकों का अंत।

कुषाण काल

- शहडोल से कनिष्क और हुविष्क के सिक्कें।
- वासुदेव के ताम्र सिक्के, तेवर (जबलपुर) से।
- भेड़ाघाट (जबलपुर) से कुषाणकालीन बौद्ध प्रतिमाएं तथा मूर्तिलेख।
- कुषाण शासक विम कडफिसस का एक सिक्का विदिशा में मिला है।
- कुषाणकालीन अभिलेखों में वसिष्क का सांची अभिलेख तथा जबलपुर के भेड़ाघाट से प्राप्त दो मूर्तिलेख प्रमुख है।

गुप्तकाल

- समुद्रगुप्त द्वारा मध्य प्रदेश के अधिकांश भाग तथा नर्मदा नदी की उत्तरी सीमा तक अपना राज्य स्थापित करने की पुष्टि बमनाला तथा सकौर से प्राप्त समुद्रगुप्त के सिक्के से होती है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- 'कांच' नामक राजा के सिक्के विदिशा तथा सकौर से मिले है जिसे समुद्रगुप्त का भाई उसका ही दूसरा नाम माना जाता है।
- समुद्र गुप्त ने म. प्र. से होकर दक्षिण पर आक्रमण किया। उसने 9 गणराज्यों (आभीर, सनकादिक, खार्परक आदि) को जीता जो म. प्र. में थे।
- एरण (सागर) से समुद्रगुप्त के प्रांतपति भानुगुप्त का अभिलेख। गोपीराज का विधवा के **सती** होने का प्रथम अभिलेख। ऐरण अभिलेख (समुद्रगुप्त से संबंधित) के अनुसार ऐरण 'स्वभोगनगर' के नाम से प्रसिद्ध था।
- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य द्वारा शक राजा रूपसिंह को मारकर उज्जैनी को दूसरी राजधानी बनायी।
- कुमार गुप्त की मन्दसौर प्रशस्ति: प्रांतपति बंधुवर्मा द्वारा सूर्य मंदिर हेतु जुलाहा श्रेणी को दान।
- गुप्त शासक रामगुप्त के सिंह तथा गरूड़ प्रकार के तांबे के सिक्के एरण तथा विदिशा से मिले है।
- उदयगिरी पहाड़ी गुफा में उत्कीर्ण चन्द्रगुप्त द्वितीय के संधि-विग्रहीक वीरसेन के अभिलेख मध्य प्रदेश में गुप्त सत्ता से स्पष्ट साक्ष्य है।
- गुप्त संवत 93 (412-13 ई.) का एक अभिलेख सांची के स्तूप से मिला है, इसमें चन्द्रगुप्त द्वितीय के कर्मचारी आम्रकर्दव द्वारा काकनादबोट (सांची) के महाविहार का आर्य संघ को दान देने का उल्लेख है।
- स्कन्दगुप्त के विन्ध्य प्रदेश पर प्रभाव को सुपिया (रीवा) से प्राप्त स्तम्भ लेख दर्शाता है।
- तिगवा का वैष्णव मंदिर, उदयगिरि की गुफाओं व बाघ की गुफाओं का चित्रण गुप्तकाल में हुआ।
- बाणभट्ट की कादम्बरी के अनुसार हर्षवर्धन ने विंध्य और नर्मदा के उत्तरी भाग में शासन स्थापित किया।

वाकाटक वंश

- **संस्थापक** : विंध्यशक्ति (वंश केतु), राजधानी : पुरीक, वत्सगुलम।
- **प्रमुख राजा:** 1. प्रवरसेन प्रथम-चार अश्वमेघ किये।
  2. प्रवरसेन द्वितीय-संतुबन्ध्य काव्य (प्राकृत भाषा) की रचना
  3. सर्वसेन-गाथा सप्तशती, हरिविजय की रचना।
- प्रवरसेन द्वितीय के बारह दान-पत्रों में से सात मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा, सिवनी, बैतूल, बालाघाट, दुर्ग तथा इन्दौर जिलों से प्राप्त हुए है।

औलिकर वंश (मन्दसौर)

- **संस्थापक** : जयवर्मन
- गुप्त साम्राज्य के विस्तार (चौथी शताब्दी का उत्तरार्ध) के समय दशपुर (मंदसौर) में मालवों की एक शाखा औलिकर वंश की स्थापना हुई।
- मंदसौर शिलालेख के अनुसार यशोधर्मन ने 'जनेन्द्र', 'नरोधिपति', 'राजाधिराज', परमेश्वर' आदि उपाधियां धारण की थी।

मौखरीवंश (मन्दसौर)

- **संस्थापक:** यशोवर्मन (हूणों को हराया)

राजपूत युग (600-1200 ई.)

- **गुर्जर प्रतिहार वंश (मालवा)**
- **संस्थापक** : हरिशचन्द्र
- **राजधानी** : उज्जैन, कन्नौज
- **प्रमुख राजा** : 1. नागभट्ट प्रथम, 2. वत्सराज, 3. नागभट्ट द्वितीय, 4. मिहिरभोज, 5. अंतिम राजा यशपाल
- गुर्जर प्रतिहार वंश के महान शासक मिहिरभोज प्रथम (836 से 885 ई.) ने राज्य को सुसंगठित करते हुए बुंदेलखण्ड पर पुन: अधिकार कर लिया।
- मध्य प्रदेश में मिहिरभोज के दो अभिलेख ग्वालियर से तथा एक अभिलेख ग्वालियर जिले के सारग-ताल से मिला है। ये अभिलेख ग्वालियर के स्थानीय प्रशासन तथा व्यापार श्रेणियों पर प्रकाश डालते है।
- मिहिर भोज के समय अरब यात्री सुलमोन आया था। मिहिर भोज की कुछ मुद्राओं में उसे 'आदि वराह' कहा गया है।
- वराह मूर्ति अभिलेख (एरण) से हूण राजा 'मिहिरकुल' की म.प्र. में उपस्थिति। ग्वालियर अभिलेख में भी उल्लेख।

चन्देल वंश (बुन्देलखण्ड) (जेजाक भुक्ति प्रदेश)

- **संस्थापक** : नन्नुक
- **प्रमुख राजा:** 1. धंग - खजुराहों मंदिरों का निर्माता
  2. गंडदेव
  3. विद्याधर - गजनवी को भगाया
  4. परमार्दीदेव - अंतिम राजा
- धंग के राज्यकाल में खजुराहों के दो श्रेष्ठतम मंदिरों- पार्श्वनाथ और विश्वनाथ का निर्माण हुआ।
- राजपूत युग में चंदेलों ने खजुराहो के मंदिरों का निर्माण करवाया हैं।

परमार वंश (धार)

- **संस्थापक:** उपेन्द्र कृष्ण राज
- **प्रमुख राजा:** 1.मुंज, 2.सिन्धु राजा उर्फ सियुक 3.राजा भोज

राजाभोज

- सबसे महान परमार, - भोजताल (भोपाल), भोजपुर (शिवलिंग), भोजशाल (धार) का निर्माता, 23 ग्रन्थ लिखे।
- राजा भोज कलम व तलवार का धनी था।

कल्चुरी वंश

- **संस्थापक** : वामराजदेव
- **राजधानी** : तेवर (त्रिपुरी)
- **प्रमुख राजा** : 1. गांगेय देव 'त्रिलंगाधिपति', लक्ष्मीकर्ण

तोमर वंश

- **संस्थापक** : वीरसिंह देव
- **राजधानी** : ग्वालियर
- **प्रमुख राजा** : 1. मानसिंह 2. विक्रमादित्य

मध्य प्रदेश के राजवंश और उनका क्षेत्र

वंश	क्षेत्र
कारूष वंश	बघेलखण्ड
चन्द्रवंश (एल साम्राज्य)	बघेलखण्ड से बुदेलखण्ड तक
यादव वंश	चम्बल-बेतवा-केन
शुंगवंश	नदियों का मध्य भू-भाग
कामट्र्टक वंश (शकों का उपवंश)	विदिशा (बेसनगर) उज्जैन
नागवंश	विदिशा-ग्वालियर
बोधि वंश (2 AD)	जलबपुर (त्रिपुरी या तेवर)
मघ वंश (2 AD)	बघेलखण्ड
आभीर वंश (4 AD)	अहिरवारा (विदिशा-झांसी)
वाकाटक वंश (4 AD)	विंध्यप्रदेश (मालवा-विदिशा)
औलिकट वंश	दशपुर (मंदसौर)
मौखरी वंश	मालवा (दशपुर मंदसौर)
परिवार्जक वंश	बुंदेलखण्ड
उच्च कल्प राज्य वंश	अंचहरा (सतना)
शैलवंश	महाकौशल
पाण्डय वंश	मैकल प्रदेश (अमरकंटक)
गुर्जर-प्रतिहार वंश	उज्जैन
गुटिट्ल वंश	मंदसौर

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

चंदेल वंश	बुन्देलखण्ड
कच्छपघाट वंश	ग्वालियर
तोमर वंश	ग्वालियर
परमार वंश	मालवा (धार)
बुंदेला राज्य	बुंदेलखण्ड
होल्कर वंश	मालवा (इन्दौर)
सिंधिया वंश	गुना-ग्वालियर (ग्वालियर)
नवाब	भोपाल

- राजा मानसिंह ने मृगनयनी के लिये गूजरी महल बनाया तथा संगीत के प्रमुख ग्रंथ 'मान कौतूहल' की रचना की।
- 1517 ई. में इब्राहिम लोदी ने ग्वालियर का किला जीत लिया, इसी युद्ध में मान सिंह की मृत्यु हो गई है।

मध्यकालीन इतिहास

सल्तनत काल

- 1019 में महमूद गजनवी ने मालवा पर आक्रमण किया था।
- गौरी ने ग्वालियर के लोहंगदेव (सल्लक्षण) को हराया, ऐबक ने परिमल देव को हराकर कलिजर जीता (1202ई.)
- इल्तुतमिश (1210-1236) ने मांडू, ग्वालियर और मालवा की विजय की तथा उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर को लूटा।
- खिलजी वंश के संस्थापक जलालुद्दीन खिलजी (1290-1296) ने मांडू को लूटा था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने मानिकपुर के हाकिम के रूप में उज्जैन और विदिशा के मंदिरों को लूटा था। मालवा के शासक मल्हकदेव को उसके सेनापति एन-उक-मुल्क ने हराया।
- ग्यासुद्दीन तुगलक (1320-1325) के प्रांतपति ने दमोह में एक महल बनवाया था, उल्लेख बटियागढ़ शिलालेख में।
- मुहम्मद तुगलक (1325-1351) ने बाटियागढ़ (दमोह) में प्राणियों के लिए गो-मठ, एक बावड़ी और एक बगीचा बनवाया था (बटियागढ़ संस्कृत अभिलेख)।
- फिरोज तुगलक (1351-1389) का जिक्र दुलचीपुर (सागर) अभिलेख में।

मुगल काल

- 1526 में पानीपत के द्वितीय युद्ध के पश्चात बाबर ने ग्वालियर, चंदेरी, कालपी पर अधिकार कर लिया।
- मुगल संस्थापक बाबर ने चंदेरी के राजा मेदिनीराय को चंदेरी युद्ध 1528 ई. में हराकर उसकी पुत्रियों का विवाह हुमायु और कामरान के साथ कर दिया। कालिंजर का दृढ़ दुर्ग मुगलों के आधिपत्य में।
- गुजरात के शासक बहादुर शाह जफर को मंदसौर युद्ध में हराकर बाबर ने पश्चिमी मध्य प्रदेश पर शासन स्थापित किया। हुमायूं के काल में बहादुर शाह ने पुनः मालवां पर अधिकार कर लिया।
- लेकिन हुमायूं ने उसे हराकर मालवा को मुगल शासन के अधीन कर लिया।
- कालिंजर के चंदेल राजा ने भी हुमायूं की अधीनता स्वीकार कर ली थी।
- शेरशाह सूरी (1540-1545) ने रायसेन में पूरणमल को झांसा देकर मारा कालिंजर दुर्ग के घेरे के समय यद्यपि शेरशाह अंतिम दिन विजय हुआ, लेकिन विस्फोट में मारा गया।
- अकबर (1555-1606) के समय मालवा के शासक बहादुरशाह पर आक्रमण बहादुरशाह परास्त हुआ, रूपमति ने आत्मदाह किया और बहादुरशाह को अकबर ने अपने नवरत्नों में स्थान दिया।
- अकबर के समय की महत्वपूर्ण विजय थी- गोंडवाना। अकबर के सेनापति आसफखां ने हमला बोला, दुर्गावती ने परास्त होने के पश्चात् कटार घोपकर आत्महत्या की।
- उज्जैन के समीप धरमत युद्ध (1658 ई.) में औरंगजेब ने शाहजादा दारा को पराजित कर बादशाहत की पदवी प्राप्त की थी।

बुदेलखण्ड-मुगल संबंध

- बुंदेला शासक **सोहनपान** ने खंगारों की शक्ति का दमन कर बुंदेला राज्य की नींव डाली। राजधानी, ओरछा वीर सिंह ने अबुल फजल की हत्या की थी।
- **चंपतराय का विद्रोहः** औरंगजेब की नीति से असंतुष्ट चंपतराय ने विद्रोह किया।

बद्येलवंश - मुगल संबंध

- छत्रसाल का विद्रोह और स्वतंत्र बुन्देला राज्य की स्थापना (1661-1707)।
- बघेल राज्य क्षेत्र का नाम भथा था, जो वर्तमान रीवा है। राजा रामचन्द्र के समय भथा राज्य के दरबार में **तानसेन (तन्ना मिश्रा)** रहता था। अकबर के दूत जलालखां ने तानसेन को रामचन्द्र से लेकर अकबर के दरबार में पहुंचाया था। भथा राज्य के अंतिम शासक मार्तण्ड सिंह थे।

प्रमुख तथ्य

- मध्यकाल में मांडू का स्वतंत्र शासक होशंगशाह था जिसने होशंगाबाद शहर की स्थापना की थी।
- लालगढ़ किला अमझेरा रियासत धार से संबंधित है।

आधुनिक काल

होल्कर वंश

- मुगलों के पतन के बाद मालवा पर होल्कर वंश का राज स्थापित हुआ।
- 1727 में मल्हारराव होल्कर को मालवा के 5 महलों की सनद पेशवा से मिली थी, 1729 में धार-देवास के पवार राज को भी सनद मिली।
- 1730 ई. में मल्हारराव मालवा के सर्वोच्च शासक नियुक्त हुए।
- मल्हार राव होल्कर की मृत्यु के बाद मालेराव होल्कर राजा बना शासन किया, उन्हें तुकोजी होल्कर नामक सेनापति महत्वपूर्ण सहयोग दिया।
- पेशवा बाजीराव ने 1732 में मालवा सुबा होल्कर, सिंधिया और पवार के बीच विभक्त कर दिया।
- 1732 ई. में मालवा में निम्नलिखित मराठा राज्यों की नीवं पड़ी-

इन्दौर	-	होल्कर राजवंश
धार	-	आनन्द राव पवार वंश
देवास, बडी पांती	-	तुकोजी वंश
देवास, छोटी पांती	-	जीवाजी वंश

- 1797 ई. में अहिल्याबाई ने होल्कर शासन की बागडोर सम्भाली थी।
- होल्करों ने 1857 के गदर में क्रांतिकारियों का गुप्त समर्थन किया था।
- होल्कर वंश के अंतिम राजा तुकोजी तृतीय के समय इस राज्य का विलय भारत संघ में करके मध्य भारत का अंग बना दिया गया।

सिंधिया

- 1731 में मालवा का एक भाग सिंधिया को मिला था उस समय राणोजी सिंधिया शासक थे।
- 1765 में महादजी सिंधिया ने गोहद के जाट राणा लोकेन्द्र सिंह जाट से ग्वालियर का किला छीना।
- महादजी ने ग्वालियर साम्राज्य की स्थापना की, दिल्ली के मुगल सम्राट पद पर शाह आलम को बैठाया।
- 1794 में दौलत राव सिंधिया महादजी के उत्तराधिकारी बने।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- सिन्धिया वंश की आरम्भिक राजधानी उज्जैन थी। दौलत राव ने उज्जैन के स्थान पर **ग्वालियर** को अपनी राजधानी 1810 में बनाया।
- अप्रैल 1948 में जीवाजी राव सिंधिया के समय ही मध्य भारत के राजाओं का एक संघ बनाया गया।
- मध्य भारत का उद्घाटन 28 मई, 1948 को जवाहरलाल नेहरू ने किया।
- आजादी के बाद मध्य भारत के पहले राजप्रमुख के रूप में जीवाजी राव सिन्धिया को शपथ (18 मई, 1948) दिलाई गई थी।

स्वाधीनता संग्राम

- 1818 ई. में मध्य प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र में सर्वप्रथम अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह हुआ था। जिसका नेतृत्व नागपुर के शासक अप्पाजी भोंसले द्वारा किया गया था।
- नागपुर के तात्कालिक देशभक्त अप्पाजी भोसले को अंग्रेजों ने मंडला, बैतूल, छिंदवाडा, सिवनी एवं नर्मदा कछार का क्षेत्र छोड़ देने हेतु बाध्य किया।
- अप्पाजी भोसंले ने अरबी सैनिकों की सहायता से बैतुल के समीप अंग्रेजों से युद्ध किया किन्तु वे पराजित हो गए।
- सन् 1842 ई. में नरसिंहपुर के जमींदार दिल्हन शाह तथा हीरापुर के किरेनशाह ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह किया।
- खण्डवा से 'सुबोध सिंधु' और जबलपुर से 'जबलपुर टाइम्स' के प्रकाशन के साथ राष्ट्रवाद का प्रचार बढने लगा।
- माखनलाल चतुर्वेदी ने अपने पत्र 'कर्मवीर' से राष्ट्रीय चेतना के प्रचार को नई दिशा दी।

1857 की क्रांति

- 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय मध्य प्रदेश में सबसे पहले विद्रोह नीमच छावनी में 3 जून, 1857 को पैदल एवं घुड़सवार सैनिकों के द्वारा किया था।
- कर्नल सी.बी. सोबर्स ने राजपूत सैनिकों की मदद से नीमच छावनी के विद्रोह को दबा दिया।
- ग्वालियर की मुरार छावनी के सैनिकों ने विद्रोह कर संचार व्यवस्था भंग कर दी।
- शेख रमजान के नेतृत्व में सागर छावनी में विद्रोह हुआ।
- गढ़मण्डला में शंकर शाह (गंड वंश) ने विद्रोह किया। 20 जून 1857 को शिवपुरी में विद्रोह हुआ।
- इसी समय महु छावनी में **सआदत खां** के नेतृत्व में जबरदस्त विद्रोह हुआ और अंग्रेजी सेना परास्त कर दी गयी।
- इसी क्रांति की मुख्य पात्र थी- **रानी लक्ष्मीबाई,** जिन्होंने तात्या टोपे के साथ ग्वालियर का घेरा डाला।
- **तात्या टोपे** 2 वर्षों तक गुरिल्ला युद्ध लड़ते रहे, लेकिन नरवर के गद्दार सामन्त मानसिंह (सिंधिया के सामंत) ने उन्हें अंग्रेजों के सुपुर्द कर दिया। शिवपुरी में उन्हें 18 अप्रैल 1859 में फांसी दे दी गयी।
- तात्या टोपे को शिवपुरी के जंगलों में मेजर मीडे ने षड़यंत्रपूर्वक पकड़ा था।
- एक और वीरांगना **अवंतीबाई** ने रामगढ़ रियासत (मण्डला जिला) में झांसी की रानी जैसी भूमिका निभाई और अंग्रेज सेनापति वाडर्न को भगाने पर मजबूर किया। अवन्ति बाई ने अपनी अंगरक्षिका गिरधारी बाई की कटार से आत्महत्या कर ली थी।
- 1857 की क्रांति के समय ग्वालियर नरेश महाराजा जीवाजीराव सिंधिया थे।
- जबरिया लेवी के विरूद्ध चावल आन्दोलन रीवा में चलाया गया था।
- नरसिंह युवराज चैनसिंह अंग्रेजों के विरूद्ध शहीद हुए राज्य के पहले सेनानी थे।
- 1857 की क्रांति के समय मध्य प्रदेश में सर्वप्रथम विद्रोह बानपुर और सागर में हुआ था।
- झांसी की रानी लक्ष्मीबाई 28 जून, 1858 को काल्पी में ह्यूरोज की सेना के साथ युद्ध करते हुए शहीद हो गई।
- 1857 के विद्रोह में ग्वालियर के सिन्धिया एवं भोपाल की बेगम सिकंदर ने अंग्रेजों का साथ दिया था। होल्कर ने भी विद्रोहियों को प्रत्यक्ष रूप से सहायता दी।
- मालवा विद्रोह का केन्द्र इन्दौर था जहां सआदतखां के नेतृत्व में होल्कर सैन्य टुकड़ी ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह किया। इस समय इन्दौर का रेजीमेंट कर्नल डयूरेण्ड था। 1857 में महु के विद्रोह का नेतृत्व मुराद अली खान ने किया।
- मंडलेश्वर सेन्ट्रल जेल पर विद्रोही सैनिकों ने हमला कर सरकारी खजाना लूट लिया व स्वतंत्र होने की घोषणा कर दी।
- इस विद्रोह में बंगाल रजीमेंट के कैप्टन बेंजामिन हेब्स मारे गए। विद्रोहियों ने दो वर्ष तक यहां शासन किया।
- पश्चिमी निमाड के भीमानायक के नेतृत्व में आदिवासियों की संगठित सेना ने सेंधवा में विद्रोह किया।
- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के समय दिल्ली के शाहजादा हुमायुं ने बलायती देवती एवं सिन्धियां के कुछ सैनिकों की सहायता से एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की तथा फिरोजशाह के नाम से मन्दसौर पर शासन किया।
- कर्नल डयूरेण्ड, कर्नल स्टाकतो, कैप्टन लुडओं व कोब को भोपाल की बेगम सिकन्दर ने शरण दी थी।

सन् 1857: प्रमुख विद्रोही

क्र. विद्राही	सम्बन्धित स्थल
1. शेख रमजान	सागर
2. टंटेया भील	खरगौन
3. शंकरशाह	गढ़ा मण्डला
4. राजा ठाकुर प्रसाद	राघवगढ़
5. नारायण सिंह	रायपुर
6. शहादत खान	महू
7. रानी लक्ष्मीबाई	झांसी-काल्पी
8. सुरेन्द्र राय	सम्बलपुर (छत्तीसगढ़)
9. तॉत्या टोपे	कानपुर-झांसी-ग्वालियर
10. भीमा नायक	मण्डलेश्वर (उज्जैन)
11. रानी अवन्तिबाई	रामगढ़
12. झलकारी बाई	झांसी (लक्ष्मीबाई की अंगरक्षक)
13. गिरधारी बाई	अवन्तिबाई की अंगरक्षक
14. श्री बहादुर एवं देवी सिंह	मण्डला

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन

- 1899 में लाहौर में सम्पन्न कांग्रेस अधिवेशन में डॉ. हरिसिंह गौर ने न्याय विभाग और शासन को पृथक-पृथक करने की आवाज उठाई।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की गतिविधियों की शुरूआत मध्य प्रदेश में 1904 में हुई थी।
- मध्यप्रदेश में राजनीतिक गतिविधियों की शुरूआत 1906 में जबलपुर अधिवेशन के साथ हुई।
- वर्ष 1916 में मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में स्वतंत्रता आन्दोलन की शुरूआत हुई थी।
- भारत की पहली अंतरिम निर्वाचित सरकार काबुल अफगानिस्तान में 1915 में गठित की गयी थी। इसके प्रधानमंत्री भोपाल के मौलाना बरकतउल्ला बने थे।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- राज्य के मंगनलाल बांगड़ी ने हिस्दुस्तानी लाल सेना का गठन कर अंग्रेजों के विरूद्ध स्वतंत्रता संघर्ष में भाग लिया।
- माखन लाल चतुर्वेदी के नेतृत्व में कसाईखाना आन्दोलन 1920 में रतीना, सागर में किया गया।
- प्रभाकर डुण्डीराज असहयोग आन्दोलन के प्रदेश में नेतृत्वकर्ता थे।
- खिलाफत आन्दोलन का नेतृत्व प्रदेश में अब्दुल जब्बार खां ने किया था।
- भोपाल रियासत की सीहोर कोतवाली के सामने 1922 में विदेशी वस्त्रों की होली जलायी गयी।
- 1930 में नमक सत्याग्रह के समय सिवनी के श्री दुर्गाशंकर मेहता ने गाँधी चौक पर नमक बनाकर सत्याग्रह किया।
- टुरिया जंगल सत्याग्रह (1930) सिवनी जिले में दाडी मार्च के समय किया गया था।
- घोड़ा डोंगरी सत्याग्रह (1930) खण्डवा रेलवे स्टेशन से संबंधित था।
- पंजाब मेल हत्याकांड (1931) खण्डवा रेलवे स्टेशन से संबंधित था।
- **जंगल सत्याग्रह (1930):** सिवनी, टुरिया (सिवनी जिला) तथा घोड़ा-डोंगरी (बेतुल) के आदिवासियों द्वारा घोंड़ा-डोंगरी में गंजनसिंह कोरकु।
- **चरण पादुका नरसंहार (1931):** छतरपुर क्षेत्र में चरणपादुका ग्राम में छः सेनानी शहीद **मध्य प्रदेश का जलियांवाला बाग काण्ड** कहलाता है। **गोली चलाने का आदेश कर्नल फ्रिशर ने दिया था।**
- 1931 में रतलाम में स्त्री सेवादल की स्थापना की गई थी।
- रतलाम में राष्ट्रीय आन्दोलन का सूत्रपात स्वामी ज्ञानन्द की प्रेरणा से आरम्भ हुआ था।
- सन् 1833 में रायगढ़ नरेश जुझारू सिंह के पुत्र देवनाथ सिंह ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह किया।
- झाबुआ में कर वृद्धि विरोधी आन्दोलन (1935) चलाया गया था।
- चरूरहईबा चावल वसूली प्रकरण सीधी जिले से संबंधित है।
- 1938 में भोपाल राज्य प्रजामण्डल की स्थापना हुई।
- **भारत छोड़ों आंदोलन (1942):** मध्य प्रदेश में 1942 के भारत छोड़ों आन्दोलन की शुरूआत विदिशा से हुई। **मण्डलेश्वर** में क्रांतिकारी बंदियों ने जेल तोड़ी तथा भोपाल के नवाब के विरूद्ध भारत छोड़ों आंदोलन छेड़ा।
- राष्ट्रीय ध्वज फहराने पर पं. सुन्दरलाल को 6 माह के कारावास की सजा सुनाई गई थी।
- सिवनी जेल में आचार्य विनोबा भावे, सुभाष चन्द्र बोस, पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र, एच.वी. कामथ को बन्द किया गया था।
- 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता के पश्चात् म. प्र. की सभी रियासतों को भारतीय संघ में मिला दिया गया।
- 1948-49 के राजनीतिक आन्दोलन के पश्चात् भोपाल के नवाब ने भोपाल रियासत को भारतीय संघ में मिलाने की घोषणा की।
- 1 जून, 1949 ई. को भोपाल राज्य भारतीय संघ में शामिल किया गया।
- भोपाल का नवाब हमीदुल्ला खां मेम्बर ऑफ प्रिन्सेप का दो बार अध्यक्ष बनाया गया था।
- 1948 ई. में दिल्ली में मध्य भारत के राजाओं के सम्मेलन में जीवाजी राव सिन्धिया को राज प्रमुख बनाया गया।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

जबलपुर

- 1906 में जबलपुर में कांग्रेस का प्रान्तीय अधिवेशन आयोजित हुआ। इसमें प्रदेश के पं. रविशंकर शुक्ल डॉ. राघवेन्द्र, हरिसिंह गौर आदि ने सक्रिय भागीदारी की थी।
- राजनीतिक रूप से क्रांतिकारी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए 1907 में जबलपुर में क्रांतिकारी दल का गठन किया गया।
- 1915 में जबलपुर में होमरूल लीग स्थापना हुई थी।
- **जबलपुर झण्डा सत्याग्रह (1923):** जबलपुर में ही झण्डा सत्याग्रह की नीव पड़ी थी। पं. सुंदरलाल, सुभद्राकुमारी चौहान, लक्ष्मण सिंह चौहान, नरहरि अग्रवाल आदि 13 अप्रैल 1923 को नागपुर में शुरू इस सत्याग्रह के साथ जबलपुर में पुनः झण्डा सत्याग्रह का आयोजन हुआ, सरोजनी नायडु, मौलाना आजाद जैसी हस्तियों टाउनहाल पर एक बार फिर तिरंगा लहरा दिया।
- **नमक सत्याग्रह:**जबलपुर में सेठ गोविन्द दास एवं द्वारका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में 6 अप्रैल, 1930 को नमक सत्याग्रह की शुरूआत हुई।
- 1930 में जबलपुर से **'जंगल सत्याग्रह'** की शुरूआत हुई, जिसके तहत सेठ गोविंद दा, पं. माखनलाल चतुर्वेदी, पं. रविशंकर शुक्ल, पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र तथा विष्णु दयाल भार्गव को गिरफ्तार कर मुकदमा चलाया गया।
- **व्यक्तिगत सत्याग्रह (1939):** जबलपुर में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू।
- त्रिपुरी (जबलपुर के निकट) में कांग्रेस का अधिवेशन 1939 में हुआ था।

चंद्रशेखर आजाद

- अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद का जन्म मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले के भाबरा ग्राम में 23 जुलाई 1906 को हुआ।
- चंद्रशेखर आजाद ने झाँसी और ओरछा के बीच शाम ढीमपुरा के नजदीक सतार नदी के किनारे पं. हरिशंकर ब्रह्मचारी के नाम से क्रांतिकारी गतिविधियों का संचालन किया।
- चन्द्रशेखर ने अदालत में अपना नाम आजाद पिता का नाम स्वाधीन तथा अपना घर जेलखाना बताया।
- चन्द्रशेखर आजाद, भगतसिंह आदि ने मिलकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपलब्किन एसोसिएशन (1927) की स्थापना की थी।
- चन्द्रशेखर आजाद ओरछा, टीकमगढ़ में कुछ समय भूमिगत रहे थे।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

21. संचार

समाचार पत्र पत्रिकाएं

- मध्य प्रदेश में पत्रकारिता की शुरूआत उर्दू भाषा से हुई।
- पहली हिन्दी मासिक पत्रिका 1915 में इन्दौर से निकली।
- मध्य प्रदेश का पहला समाचार पत्र: 'अखबार ग्वालियर' (1840) ग्वालियर से शुरू, उर्दू में प्रकाशित।
- सन् 1844 में मालवा अखबार (संपादक-पंण्डित प्रेमनाथ), इन्दौर। हिन्दी और उर्दू का पहला साप्ताहिक था।
- राज्य का पहला विशुद्ध उर्दू भाषा का समाचार पत्र दिल्ली अखबार (इन्दौर), 1852।
- हिन्दी का प्रथम दैनिक नवजीवन (1939), इन्दौर।

वर्तमान में प्रकाशित अन्य स्थलों के प्रमुख पत्र

उज्जैन	प्रजादूत, दैनिक भास्कर, विक्रम दर्शन, अवन्तिका, व्यापारिक, रिपोर्ट, ब्रिगेडियर, अग्निबाण, जलती मशाल आदि।
सतना	सतना समाचार, नेशनल टुडे न्यूज, देशबंधु, स्वदेश, भास्कर आदि।
कटनी	भारती, दैनिक मध्य प्रदेश, केसरी, महाकौशल, जनमेजय।
दमोह	कर्तव्य
छतरपुर	कृष्ण क्रांति, जनहित दर्शन
टीकमगढ़	ओरछा टाइम्स
मदसौर	ध्वज, कीर्तिमान, दशपुर दर्शन, क्षेत्रीय समाचार
बड़वानी	निमाड़ एक्सप्रेस
मुरैना	युग प्रणेता, दैनिक मध्यराज, चम्बल वाणी
बालाघाट	विश्व सूर्य, बालाघाट टाइम्स
शहडोल	शहडोल टाइम्स, समय, दैनिक मध्य प्रदेश
दतिया	अजाम, दतिया टाइम्स
नीमच	नई विद्या, अमृत मंथन
रतलाम	चेतना
बुरहानपुर	वीर संतरी

आकाशवाणी-रेडियो

- इन्दौर से 1955 में पहला प्रसारण हुआ। दूसरा-भोपाल व तीसरा-ग्वालियर में प्रसारण हुआ था।
- वर्तमान में राज्य में 19 आकाशवाणी केन्द्र है।
- **रेडिया मिर्ची:** इस व्यवसायिक 'एफ. एम.' सेवा का प्रसारण 98.4 डिग्री से इन्दौर में वर्ष 2006 से शुरू हुआ।
- भारत में रेडिया प्रसारण 1927 से प्रारंभ हुआ इसे 1936 में ऑल इण्डिया रेडियो व 1957 में आकाशवाणी नाम दिया गया।

मुख्य आकाशवाणी केन्द्र	स्थापना वर्ष
1. इन्दौर	22 मई, 1955
2. भोपाल	31 अक्टूबर, 1956
3. ग्वालियर	15 अगस्त, 1964
4. जबलपुर	6 नवम्बर, 1964
5. छतरपुर	7 अगस्त, 1976
6. रीवा	2 अक्टूबर, 1977
7. सागर	1995

दूरदर्शन

- सन् 1975 से म. प्र. में दूरदर्शन की सेंवाए रायपुर केंद्र (अब छत्तीसगढ़) से दी जाने लगी। 1982 के एशियाड के समय इन्दौर और भोपाल में प्रसारण केन्द्र स्थापित हुए-भोपाल, इंदौर, ग्वालियर कार्यक्रम निर्माण केन्द्र है।
- भारत में प्रायोगिक तौर पर 1959 से प्रारंभ (दिल्ली)।
- 15 अगस्त, 1982 से रंगीन प्रसारण शुरू।
- उच्च शक्ति ट्रांसमीटर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर व जलबपुर आदि में कुल 10 है।

डाक-तार

- मध्य प्रदेश के लिए केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 1962 को डाक-तार परिमण्डल, भोपाल का गठन किया।
- भारतीय डाक सेवा की शुरूआत 1837 में हुई।
- 1852 में पहला डाक टिकट कराची में जारी हुआ।

दूरसंचार

- **टेलीफोन:** राज्य में दूरसंचार सेवाओं की शुरूआत सितम्बर 1974 को हुई थी।
- प्रदेश में 2560 टेलीफोन केन्द्र व 41 लाख 18 से ज्यादा टेलीफोन कनेक्शन है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

22. शिक्षा

शिक्षा (2011) शैक्षणिक संस्थाओं की संख्या

प्रारंभिक	83,412
माध्यमिक विद्यालय	28,479
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	12,121
कुल महाविद्यालय	405
तकनीकी शिक्षण संस्थाएं	270

प्राथमिक शिक्षा

राज्य में 1,05,592 से अधिक प्राथमिक शिक्षा केन्द्र (शासकीय, निजी सभी) संचालित है।

शिक्षा गारंटी योजना: 1997 से लागू।

शंखनाद योजना: आदिवासी क्षेत्रों की विकास प्रक्रिया में विद्यालयों को भागीदार बनाने की यह महत्वकांक्षी योजना।

पढ़ना-बढ़ना योजना: वर्ष 2003 में मध्य प्रदेश शासन ने 'पढ़ना-बढ़ना' योजना शुरू की है।

स्कूल चले हम अभियान: शाला की दर को कम करने के लिए मध्य प्रदेश शासन ने यह अभियान 2009-10 से लागू किया।

ग्वालियर में कृषि विश्वविद्यालय राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर में 2008 में स्थापित।

जबलपुर में पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय 2010 में जबलपुर में पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थापित।

देश का पहला हिन्दी वि. वि, भोपाल (मध्य प्रदेश)।

प्रथम कुलपति: **श्री मोहनलाल छीपा**

उच्च शिक्षा

विश्वविद्यालय: ये कुल 18 है। इनमें 2 केंद्रीय, 16 प्रातीय (14 शासकीय और एक अशासकीय) है। इनमें से 5 वि. वि. अकेले भोपाल में है, जबकि जबलपुर में 2 है।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय (1) डॉ. हरिसिंह और यूनिवर्सिटी-सागर (2) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय-अमरकंटक (अनूपपुर)

चिकित्सा महाविद्यालय वर्तमान में 6 मेडिकल, 2 वेटनरी, 1 दंत, 1 युनानी, 1 होम्यौपेथिक और 7 आयुर्वेदिक महाविद्यालय है। 5 अशासकीय मेडिकल कॉलेजों भी है।

मेडिकल कॉलेज: प्रथम मेडिकल कॉलेज ग्वालियर में 1946 में स्थापित हुआ था।

1. गजराजा राज्य चिकि. महाविद्यालय, ग्वालियर: राज्य का पहला मेडिकल कॉलेज।
2. महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, इन्दौर।
3. शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय जबलपुर।
4. एस. एन. मेडिकल कॉलेज, रीवा
5. गांधी मेडिकल कॉलेज, जबलपुर।
6. शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय, सागर। 2008 में स्थापित।

वेटनरी कॉलेज राज्य में 2 वेटनरी कॉलेज है, एक जबलपुर में दूसरा महू (इन्दौर के निकट) में।

आयुर्वेदिक महाविद्यालय 7 है, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, इन्दौर, बुरहानपुर और उज्जैन। 2 निजी महाविद्यालय भी कार्यरत है।

डैंटल कॉलेज एक मात्र शासकीय डेंटल कॉलेज इन्दौर में है। प्राइवेट डैंटल कॉलेज 11 है।

राज्य में 19 हौम्योपैथिक कॉलेज है जिनमें से मात्र एक ही शासकीय है शेष निजी है।

यूनानी चिकित्सालय महाविद्यालय राज्य का एक मात्र यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय बुरहानपुर में है।

नर्सिंग महाविद्यालय राज्य का एक मात्र नर्सिंग महाविद्यालय इन्दौर में है।

कैंसर चिकित्सालय मध्य प्रदेश में 3 कैंसर हास्पिटल है: इन्दौर, जबलपुर और ग्वालियर।

मानसिक चिकित्सालय मध्य प्रदेश में 2 मानसिक चिकित्सालय है: इन्दौर (बाणगंगा) और ग्वालियर।

मध्य प्रदेश में दिल्ली स्थित 'एम्स' के अनुरूप उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधाओं से युक्त राजमाता विजयाराजे सिंधिया अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIMS) की स्थापना भोपाल में की गयी है।

मध्य प्रदेश कुल 64 इंजिनियरिंग कॉलेज और 27 पॉलिटेक्नीक है।

शासकीय इंजिनियरिंग कॉलेज 8 है। सर्वप्रथम जबलपुर में इंजिनियरिंग कॉलेज की स्थापना की गयी थी।

सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान मध्य प्रदेश में राज्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ग्वालियर में कार्यरत है जबकि भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना जबलपुर में प्रस्तावित है।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान सामान्य शिक्षा के क्षेत्र में मेधावी विद्यार्थियों को उत्कृष्ट स्तर की उच्च शिक्षा देने के उद्देश्य राज्य शासन ने इस संस्थान की स्थापना शाहपुरा झील, भोपाल से कुछ दूरी पर 1995 में की।

अभिनव योजना 'अभिनव' राज्य में उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की योजना।

अन्य प्रमुख संस्थान

1. **लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, ग्वालियर:** यह एशिया का पहला शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय है। अब इसे डीम्ड विद्यालय का दर्जा देकर 'लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजीकल एजुकेशन' का नया नाम दिया गया है।
2. **डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू:** यह सामाजिक विषयों से शोध पर पाठ्यक्रम संचालित करता है।
3. **इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्व विद्यालय:** दिल्ली के राज्य में 8 केन्द्र है- इन्दौर, भोपाल (पहला केंद्र, 1887), जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, बतूल, सतना और सागर।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

4. **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म एण्ड हॉटल मैनेजमेन्ट:** ग्वालियर में स्थापित है।
5. **इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफारमेशन टेक्नालॉजी:** ग्वालियर में स्थापित है।

प्रमुख तथ्य

- जुलाई, 2008 में महर्षि पाणीनी संस्कृत वि. वि. की स्थापना उज्जैन में की गयी है।
- महर्षि पाणीनी संस्कृत वि. वि. के प्रथम कुलपति श्री मोहन गुप्ता बनाये गये थे।
- मध्य प्रदेश में राज्य सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान ग्वालियर में कार्यरत है।
- राजेन्द्र माथुर पत्रकारिता पीठ की स्थापना देवी अहिल्या वि. वि. इन्दौर में की गयी है।
- इंदौर देश का एकमात्र स्थान है जहां IIM (2003) और IIT (2008) दोनों संस्थान स्थित है।
- **देश का पहला जनजातीय विवि** - आदिवासियों में प्रचलित प्राचीन ज्ञान भंडारों को शोध एवं अनुसंधान के जरिये प्रामाणिकता प्रदान करने की पहल के तहत एशिया के पहले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की अनूपपुर जिले के अमरकंटक में 2008 में स्थापना हुई।

प्रस्तावित सृजन पीठ

1. आदि शंकरचार्य पीठ - आंकारेश्वर
2. परशुराम पीठ - जानापाव
3. महादेवी वर्मा पीठ - हिन्दी वि.वि. भोपाल

प्रमुख तथ्य

- राजा भोज मुक्त विश्व विद्यालय, भोपाल को यूनेस्को ने मेगा यूनिवर्सिटी का दर्जा दिया है।
- मुक्त वि. विद्यालय में 15 देशी और 13 विदेशी भाषाओं के अध्ययन की सुविधा है जो म. प्र. में सर्वाधिक है।
- देश में एकमात्र भारतीय सूचना संस्थान इलाहाबाद में है। 2 ऐसे संस्थान जबलपुर और कांचीवरम में प्रस्तावित।
- यूएनडीपी और विश्व बैंक दोनों ने शिक्षा गारन्टी योजना को विकास का कामयाब अंतर्राष्ट्रीय मॉडल माना है।
- राज्य में अब 5 सृजन पीठ स्थापित है।

मध्य प्रदेश के विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय	स्थिति	स्थापना वर्ष
1.	डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय)	सागर	1946
2.	रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय	जबलपुर	1957
3.	विक्रम विश्वविद्यालय	उज्जैन	1957
4.	जीवाजी राव विश्वविद्यालय	ग्वालियर	1964
5.	देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय	इन्दौर	1964
6.	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय	जबलपुर	1964
7.	अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय	रीवा	1968
8.	बरकतउल्ला विश्वविद्यालय	भोपाल	1970
9.	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय	भोपाल	1991
10.	महात्मागांधी चित्रकुट ग्रामोदय विश्वविद्यालय	चित्रकुट (सतना)	1991
11.	राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय	भोपाल	1991
12.	राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	भोपाल	2000
13.	इंदिरागांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)	अमरकंटक, अनुपपुर	2008
14.	संगीत विश्वविद्यालय	ग्वालियर	2008
15.	महर्षि पाणीनी संस्कृत विश्वविद्यालय	उज्जैन	2008
16.	राजमाता विजयाराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय	ग्वालियर	2008
17.	राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय	भोपाल	.....
18.	महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय (अशासकीय वि.वि.), नेपियर टाउन, कटनी	जबलपुर	.....
19.	पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय	जबलपुर	2011
20.	हिन्दी विश्वविद्यालय	भोपाल	2011
21.	बौद्ध विश्वविद्यालय	सांची	2012

मध्य प्रदेश के कृषि महाविद्यालय

क्र.	कृषि विश्वविद्यालय	स्थिति
1.	जवाहरलाल नेहरू कृषि महाविद्यालय	जबलपुर
2.	कृषि महाविद्यालय	इन्दौर
3.	कृषि महाविद्यालय	ग्वालियर
4.	आर.ए.के. कृषि महाविद्यालय	सीहोर
5.	कृषि महाविद्यालय	मन्दसौर
6.	कृषि महाविद्यालय	रीवा
7.	कृषि महाविद्यालय	खण्डवा
8.	कृषि महाविद्यालय	गंजबासोदा (विदिशा)
9.	उद्यानिकी महाविद्यालय	मन्दसौर

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

23. साहित्यकार

1. **महाकवि कालीदास**- चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य के नवरत्नों में एक तथा इन्हें भारत का शेक्सपीयर भी कहा जाता हैं।
रचनाएं: कालीदास की कुल सात रचनाएं उपलब्ध है-
दो महाकाव्य: रघुवंश तथा कुमार संभव।
तीन नाटक: क्रमश: मालविकाग्निमित्र, अभिज्ञान शाकुन्तलम एवं विक्रमोवंर्शीय।
दो खण्ड काव्य: ऋतुसंहार और मेघदूत।
मालविकाग्निमित्र उनकी पहली रचना
कालीदास द्वारा रचित कुमार संभव संस्कृत का महाकाव्य हैं जिसमें शिव-पार्वती के विवाह एवं कुमार कार्तिकेयन क जन्म के साथ ही तारकासुर वध की कथा क भी वर्णन किया गया हैं।
कालिदास का अभिज्ञान शाकुन्तलम नाटक हैं। इसमें हस्तिनापुर के राजा दुष्यत एवं महर्षि कण्व की कन्या शकुन्तला की प्रेम कहानी का वर्णन हैं।
2. **कवि भर्तृहरि**- उज्जैयनी के राजा थे। इनकी साधना स्थली चुनार उत्तर प्रदेश व समाधि स्थल राजस्थान के सरिस्का (अलवर) में हैं।
रचनाएं-शतकत्रय: इसमें नीति शतक, श्रृंगार शतक ओर वैराग्य शतक आते है।
अन्य ग्रन्थ: (1) वाक्यपदीय (2) वाक्यपदीप वृत्ति (3) भागवृत्ति (4) महाभाष्य त्रिपदी (5) महाभाष्य दीपिका (6) शब्द धातु समीक्षा (7) मीमांसा सूत्र वृत्ति (8) वेदान्त सूत्र वृत्ति।
3. **भवभूति**- ये पद्मपुर के निवासी थे।
रचनाएं: मालती माधव, महावीर चरित्रम, उत्तर रामचरितम। (संस्कृत का प्रथम दुखांत नाटक)
4. **बाणभट्ट**- हर्षवर्धन ने राजकवि।
रचनाएं: हर्षचरितम, कादम्बरी, मुकुट तादितक।
5. **दण्डी**- दसकुमार चरित्र
6. **भारवि**- किरातार्जुनीयम

मध्यकालीन साहित्यकार

1. **आचार्य केशव**- इन्हें 'कठिन काव्य का प्रेत' तक कहा गया।
रचनाएं: रसिक प्रिया और कवि प्रिया (दोनों मुक्तक), विज्ञान गीता, रतन बावनी, जहांगीर-रसचन्द्रिका, नख-सिख वर्णन, राम अलंकृत मंजरी, रामचन्द्रिका, छन्दमाला, वीरसिंह देव चरित्र।
2. **भूषण**
रचनाएं: शिवराज भूषण, शिवा बावनी और छात्रसाल दशक, भूषण उल्लास, दूषण उल्लास, भूषण हजार।
3. **कवि पद्माकर**
रचनाएं: 'हिम्मत बहादुर- विरूदावली', 'जग विनोद', 'प्रबोध-पचासा', जयसिंह विरूदावली, हितापदेश, आलीजाह प्रकाश, 'गंगा लहरी' तथा 'राग रसायन', पदमाकर, प्रताप विरूदावली।
4. **बिहारी**- बिहारी सतसई
5. **बाबू कृष्णनंद गुप्ता** - ईसुरी की फागे
6. **पं. गौरीशंकर द्विवेदी**- ईसुरी प्रकाश
7. **लोक सिंह नागर**- ईसुरी सतसई
8. **ब्रजेश**- रस-साग निर्णय
9. **संत स्वरूपदास**- रस-रत्नाकर
10. **रेवा राम बापू**- रतनपुर का इतिहासर

आधुनिक साहित्यकार

1. **पंडित माखनलाल चतुर्वेदी**- 4 अप्रैल, 1889 को बावई (अब माखन नगर, जिला होशंगाबाद के बाबई गांव में जन्म। 'प्रभा' के सम्पादक, 'कर्मवरी' के संपादक।
प्रमुख काव्य: हिमकिरीटिनी, हिमतरंगिणी, माता, युगचरण, मरण ज्वार, धिजुरी काजल आज रही, धुम्रवलय।
निबंध संग्रह: साहित्य देवता, अमीर इरादे, गरीब इरादे, पॉव-पॉव तथा नाटक में कृष्णार्जुनयुद्ध प्रसिद्ध रहे।
अन्य रचनाएं: कला का अनुवाद, कहानी और कहावत (सभी कहानिया), समय के पॉव (संस्मरण), चिंतक की लाचारी (भाषण संग्रह) आदि। बिलावपुर जेल में लिखी गयी 'पुष्प की अभिलाषा' प्रसिद्ध।
2. **गजानन माधव 'मुक्तिबोध'**- श्योंपुरकलॉ (म.प्र.) में जन्म। छायावाद के उत्तरकाल से संबंधित श्री मुक्तिबोध 'तार सप्तक' के प्रथम प्रतिष्ठित कवि।
रचनाएं- 'चांद का मुह टेढ़ा है' (कविता संग्रह), 'एक साहित्यिक की डायरी' (निबंध संग्रह), नयी कविता का आत्म संघर्ष, 'भारत, इतिहास और संस्कृति', कामयनी: एक पुर्नवचिार।
3. **सुभद्राकुमारी चौहान**- 16 अगस्त 1904 में निहालपुर, इलाहाबाद (उ. प्र.) में जन्मी खण्डवा निवासी।
काव्य संग्रह- मुकुल, त्रिधारा
कहानियॉ- बिखरे मोती, उन्मादिनी, सीधे-सादे चित्र
बाल कविता- सभा के खेल, विवेचनात्मक, गल्प विहार
काव्य संग्रह- जलियावाला बाग में बसन्त, झांसी की रानी
4. **बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'**- 8 दिसम्बर, 1897 ई. को मध्य प्रदेश के शाजापुर में जन्म, 'प्रभा' और 'प्रताप' का संपादन।
रचनाएं: उर्मिला (महाकाव्य), 'प्राणार्पण' (खण्डकाव्य)।
कविता संग्रह: कुंकुम, रश्मि रेखा, अपलक, क्वासि, विनोबा स्तवन, हम विषपाई जन्म के, विप्लव गायन, अनल गायन।
5. **पं. हरिशंकर परसाई**- जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के जमानी ग्राम, 'वसुधा' नामक साहित्यिक मासिक पत्रिका, 'प्रहरी' के सम्पादक।
उपन्यास: रानी नागफनी की कहानी, तट की खोज।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

निबंध संग्रहः तब की बात और थी, भूत के पांव पीछे, बेईमानी की परत, पगडण्डियों का जमाना, सदाचार का ताबीज शिकायत मुझे भी है।

कहानी संग्रहः हसतें है रोते है, जैसे उनके दिन फिरे।

व्यंग्य निबंध संग्रहः वैष्णव की फिसलन, तिरछी रेखाएं, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, विंकलांग श्रद्धा का दौर।

6. **शरद जोशीः**- शरद जोशी का जन्म मई, 1931 को उज्जैन में हुआ।

   रचनाएंः 'परिक्रमा', 'फिर किसी बहाने', 'जीप पर सवार इल्लियां', 'राह किनारे बैठ', 'दूसरी सतह, 'पिछले दिनो', 'यथासंभव' (सभी व्यंग्य निबंध) 'अंधो का हाथी', 'एक था गधा', (नाटक), 'मै, मै और केवल मै' (उपन्यास), 'तिलिस्म' (कहानी संग्रह)।

7. **मुल्ला रमूजी**- 21 मई, 1896 को भोपाल मे पैदा, गुलाबी उर्दु की शैली के जन्मदाता।

   प्रमुख रचनाएंः इन्तिखाबे-गुलाबी उर्दु, मजमूआ गुलाबी उर्दु, मीकालात गुलाबी उर्दु, ख्वातीन अंगुरा, शादी, औरत जात, लाठी और भैंस, दीवाने मुल्ला रमूजी शिफाखाना, जिंदगी, मुल्ला रमूजी, गुलाबी उर्दू, गुलाबी शायरी।

8. **भवानी प्रसाद मिश्र**- जन्म 23 मार्च 1914 होशंगाबाद

   रचनाएँ- गीत फरोश, चकित हैं दुख, अंधेरी कविताएँ, गांधी पचशप्ती, बुनी हुई रस्सी, दूसरा सप्तक, पॉव एवं पंख, कमल के फूल, पहेली।

मध्य प्रदेश के लोक साहित्यकार

1. **संत सिंगाजी**- तत्कालीन बड़वानी स्टेट के ग्राम खजुरी में संवत 1571 को जन्म, पिपलिया (खण्डवा) गांव में आकर रहने लगे।

   रचनाएंः कबीरदासजी के समकालीन संत सिंगाजी कबीर की भांति 'साखियाँ' गाते थे। निमाड़ी बोली में 'सात वार', बारहमासी, 'पन्द्रह तिथि' दोषबोध, नरद, शरद आदि। शिष्य खेमदास में उनके जीवन पर 'परचुरी' की रचना की।

2. **जगनिक**- कालिंजर नरेश परिमल देव के दरबारी जगनिक न सिर्फ कवि थे, बल्कि योद्धा भी थे। 'परिमल रासो' और 'आल्हा खण्ड' लिखे। आल्हखण्ड विश्व की सबसे लंबी लोक गाथा है।

3. **ईसुरी**- जन्म- सम्वत 1831 मेढ़की गांव (मऊ रानीपुर के निकट झांसी जिला उ.प्र.), बुन्देलखण्ड के ''जयदेव'' के नाम से प्रसिद्व, उनकी सबसे बड़ी देन थी, 'फाग का आविष्कार'।

   रचनाएंः 'इसुरी की फागें', 'ईसुरी प्रकाश'(कृष्णानंद गुप्त का संकलन), 'ईसुरी सतसई' (गौरीशंकर द्विवेदी का संकलन), प्रेमिका रजऊ (प्रेरणा स्त्रोत)।

4. **घाघ**- संवत् 1753 के लगभग कन्नौज या निकट के गांव में जन्में घाघ को कविता, ज्योतिष और नीति संबंधी अच्छा ज्ञान था। घाघ ने कृषि को सर्वोत्तम व्यवसाय घोषित किया। इन्हें कृषि पण्डित भी कहा जाता है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

24. संगीतकार

तानसेन

जन्म - संवत् 1553 बेहट (ग्वालियर)
मृत्यु- संम्वत् 1646 (आगरा में) मकबरा-ग्वालियर में।
मूलनाम- रामतनु (तन्ना) **पिता**- मकरंद पाण्डे
संगीत गुरू- स्वामी हरिदास (वृंदावन)
समकालीन संगीतज्ञ- मोहम्मद गौस, बैजू बाबरा, बक्सू कर्ण, महमूद
राज्याश्रय- दौलत खां (शेरशाह सूरी का पुत्र) कलिंजर के राजा रामचन्द्र, एवं मुगल सम्राट अकबर (नवरत्नों में से एक)
संगीत ग्रंथ- संगीतसार, संगीत रागमाला
संगीत विशिष्टता- ध्रुपद गायन, दीपक राग, मेघमल्हार
इसके अतिरिक्त- दरबारी, कानंडा, मियां की मल्हार, मियां की टोडी मियां की सारंग।
अविष्कार- रबाब एवं वीणा वाद्ययंत्र
तानसेन सम्मान- सन् 1980 से क्षेत्र हिन्दुस्तानी संगीत के लिये
तानसेन समारोह- प्रतिवर्ष ग्वालियर में

उस्ताद अलाउद्दीन खां (सरोद वादक)

जन्म- 1881 ग्राम-शिवपुर (त्रिपुरा) मृत्यु- 1972 मैहर (सतना)
पिता- साधू खां, मां- हरसुंदरी देवी
संतान- अली अकबर खां, (पुत्र-सरोद वादक) अन्नपूर्णा (पुत्री)
शिष्य- पं. रविशंकर (भारत का सितार वादक) पं. पन्नालाल घोष
संगीत गुरू- हाबूदत्त (विवेकानंद के भाई) उस्ताद वजीर खां (रामपुरा सरोद सीखा)
उस्ताद अली अहमद खां एवं नीलू गोपाल से शहनाई वादन सीखा।
राज्यश्रय- रीवा महाराज वृजनाथ सिंह के नियंत्रण पर मैहर आये।
संगीत साधाना- मैहर में
अविष्कार- सुरसितार, चंद्र सारंग, नलतरंग
विशेष- अनाथ बच्चे प्रथम विश्व युद्ध के कारण को संगीत शिक्षा देकर मैहर बैण्ड स्थापित किया।
उपाधियॉ- भारत गौरव, आफताब ए हिन्द, संगीताचार्य, संगीतनायक
सम्मान- पदम भूषण (1958) पद्म विभूषण (197)
संगीत अकादमी- 1979 मैहर में

उस्ताद हाफिज अली खां (सरोद वाद)

जन्म- 1892 (ग्वालियर) पिता- नन्ने खां- मृत्यु 1972
संगीतगुरू- उस्ताद वजीर अली खां (रामपुर) चुक्कालाल (वृदावन) गनेशीलाल
सोनियसा घराने के गनपतराव से ठुमरी सीखी वीनकार परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी
विशेष- संगीत की अटल शुद्धतावादी के समर्थक इनका संगीत अभिजात्य पूर्ण था। उनके संगीत गायन में ध्रुपद+ख्याल+ठुमरी का मेल होता था।
राज्य- ग्वालियर महाराज, माधवराव सिंधिया एवं जीवाजीराव सिंधिया।
प्रमुख शिक्षा- अमजद अली खां (पुत्र-सरोद वादक) मुबारक अली खां रहमत अली खां
उपाधियॉ- आफताब ए सरोद, संगीत रत्नाकार
सम्मान- पदम भूषण (1960) संगीत नाटक अकादमी का सर्वोच्च पुरस्कार
सरोदघर- इनकी स्मृति में इनके पुत्र ने ग्वालियर में सरोद घर की स्थापना की।

पंडित शंकरराव

जन्म- 1862 (ग्वालियर मराठा ब्राह्मण परिवार में)
मृत्यु- 1917
पिता- पं. विष्णु (जीवाजीराव के आग्रह पर ग्वालियर आए)
संगीत गुरू- बालकृष्ण बुवा, उस्ताद निसार हुसैन देवजी कुमार (टप्पा शैली)
टप्पा और ख्याल शैली में पारंगत यमनराग में विशेष पारंगत थे अपने गुरू बालकृष्ण बुवा के साथ बम्बई में संयुक्त प्रस्तुति देकर तहलका मचाया
संगीत शिष्य- पण्डित कृष्णाराव (पुत्र) भाऊ साहेब जोशी, काशीनाथ मुले राजा भैया पूंछ वाले
सम्मान- राष्ट्रपति पदक संगीत नायक
विशेष- इनके पुत्र कृष्णाराव ने ग्वालियर में इनकी स्मृति में शंकर गंधर्व संगीत महाविद्यालय स्थापित किया।

पण्डित कृष्णाराव

जन्म- 26 जुलाई 1893 मृत्यु- 1983
पिता- पं. शंकरराव
संगीत- पं. शंकरराव (पिता) उस्ताद निसार हुसैन खां, 20 वर्ष की आयु में मथुरा में गायन प्रस्तुति हैं।
रचनायें- संगीत सार सरगम, संगीत प्रवेश, संगीत अलाप संचारी, तबला वादन शिक्षा, सितार, जलतरंग वादन शिक्षा, हरमोनियम वादन शिक्षा आदि।
विशेष- ख्याल गायकी पर असाधारण अधिकार दूरदर्शन व रेडियो पर अनेक संगीत प्रस्तुति दी। गायन रिकार्ड व रेडियो पर उनके संगीत प्रस्तुति दी। गायन रिकार्ड को कोलम्बिया रिकॉर्डिंग कंपनी ने किया, माधव संगीत महाविद्यालय के सुपर वाइजर में जीवाजी सिंधिया ने बनाया।
सन् 1919 में गांधी जी के समझ संगीत सुनाया।
उपाधियॉ- गायक शिरोमणि (सरदार पटेल द्वारा)
संगीत रत्नाकार (ग्वालियर द्वारा), संगीत शिरोमणि (मुलतान संगीत), ताल सम्राट (पटियाला घराना),
गायन महर्षि (शंकलेखर पीठ के शंकरचार्य) डॉ. ऑफ म्यूजिक (खैरागढ़ वि.वि.) गायन विशारद सम्मान, पदम भूषण (1973)

राजा भैया पूंछ वाले

जन्म- 12 अगस्त 1882 (ग्वालियर) **मृत्यु**- 1 अप्रैल 1956
वास्तविक- बालकृष्ण आनंद राव आप्टेकर
पिता- आनंदराव (पूंछ बुंदेलखण्ड जागीर से ग्वालियर आये)
संगीत गुरू- बलदेव जी लाल बुवा वामन बुवा (ध्रुपद सीखा)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

पिता आनंदराव से सितार सीखा
विष्णु नारायण भातखाण्डे (बंबई स्वर लिपि सीखी)
रचनायें- तानमालिका, संगीतोपासना ठुमरी तरंगिनी ध्रुपद घमार गायकी
विशेष- भारतखण्डे की क्रमिक पुस्तक मालिका के लिये अथक प्रयास किया
ख्याल, ठुमरी, टप्पे में विशेष निपुणता प्राप्त की, भातखण्डे की इच्छानुसार संगीत विद्यार्थियों को स्वरलिपि का प्रशिक्षण दिया।
माधव संगीत विद्यालय के अध्यापक व प्राचार्य रहे ग्वालियर की पारंपरिक गायन शैली की प्रणेता को उपाधियॉ सम्मान- संगीत रत्नाकर, संगीताकार्य सार्वलोक गायन, राष्ट्रपति पदक
पुत्र- बाबा साहेब पूंछवाले (तानसेन सम्मान प्राप्त)

उस्ताद अमीर खां

इंदौर घराने के ख्याल व तराना गायक
जन्म- 1913 मृत्यु- 1974 (आकस्मिक)
पिता- शाहमीर खां (सारंगी व वीणा वादन)
संगीत शिक्षा- पिता- शाहमीर खां (इंदौर घराना)
अमान अली खां (भेण्डी बाजार घराना)
1 वर्ष रायगढ़ दरबार में रहे। ऊर्दू, फारसी, हिन्दी, संस्कृत का अच्छा ज्ञान
संगीत विशिष्टता- ध्रुपद का महत्व अभिजात्य ज्ञान
ख्याल का अलंकृत चमकीलापन, ख्याल व तराना गायकी के कुशल गायक
भारतीय संगीत में योगदान- विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में अमेरिका ब्रिटेन की यात्रा की
फिल्में- वैजू बाबरा, झनक झनक पायल बाजे, गूंज उठी शहनाई, तानसेन में संगीत दिया।
सम्मान- पदमभूषण संगीत अकादमी सम्मान (म.प्र.)
संगीत शिष्य- अमरनाथ, हृदयनाथ मंगेशकर
विशेष- इनकी स्मृति में इंदौर में उस्ताद अलाउद्दीन का खां अकादमी (मैहर सतना) के सहयोग से प्रतिवर्ष अमीर खां समारोह का आयोजन होता हैं।

कुमार गंधर्व

जन्म- 8 अप्रैल 1924 **मृत्यु**- 12 जनवरी 1991
जन्म स्थान- सुलेभावी ग्राम बेलगांव (कर्नाटक) तपेदिक के कारण स्वास्थ्य लाभ हेतु देवास आये।
पूरा नाम- शिवपुत्र सिद्धारमैया कोमकली
पिता- सिद्धारमैया (श्री गुरू मठकल ने)
गुरू- प्रो.वी.आर. देवधर तीजनीबाई मातेकर
संगीत रचनायें- अनुपराग विलास, त्रिवेणी गायन
उपनाम-संगीत का कबीर, क्रांतिकारी संगीतकार के रूप में प्रसिद्ध
संगीत साधना- मालवी लोक धुन, तत्परता से नये रागो का निर्माण। संतो की वाणी को संगीत से जोड़ा।
विशेष- महात्मा गांधी के जीवन दर्शन को संगीतमय ध्वनि में पिरोकर (गांधी मल्हार) प्रस्तुत
सम्मान- पद्मविभूषण, संगीत अकादमी सम्मान, कालिदास सम्मान
संगीत साधना केन्द्र भानुकुल प्रतिवर्ष अमृत उत्सव में कुमार गंधर्व सम्मानित किया जाता हैं।
पुत्र-पुत्री- कलापिनी कुमार, खुशी, मुकुल शिवपुत्र संगीतज्ञ

राजा चक्रधरसिंह

उपाधि- संगीत सम्राट **जन्म**- 1905 **मृत्यु**- 1947
रायगढ़ रिसायत के कत्थक घराने से
पिता- राजा नटवर सिंह
गुरू- लाला नारायण सिंह भूपदेव सिह लक्ष्मण सिंह
रचनायें- रागनतन मंजूषा (राग रागिनी का वंश वृक्ष) लालतोयनिधि (संगीत विषय 380 ताम्र चक्र ग्रह) संकीर्तनसर्वस्य (नृत्य संबंधी) अलकापुर मायाचक्र रत्नमंजूषा (संस्कृत) काव्य कानन (ब्रज) जोश करहत निगाहे फहरत (उर्दू में)
योगदान- संगीत, कत्थक नृत्य एवं साहित्यकार में योगदान
शिष्य- पं. कार्तिकराम, जयवाल महाराज, पं. सुखदेव महाराज, सीताराम महाराज, कार्तिक कल्याण (नृत्य जोड़ी)
इनमें समय में गणेश पूजा- उत्सव (रायगढ़) में कलाकार एकत्रित होते हैं।
वर्तमान में रायगढ़ में प्रतिवर्ष चक्रधर समारोह आयोजित होता हैं।

पं. कार्तिकराम

गम्मत के श्रेष्ठ कलाकार (रायगढ़ घराना)
जन्म- 1910 (भंवरलाल विलासपुर) **मृत्यु**- 1992
पिता- पं. ब्रंजराम राज्याश्रय राजा चक्रधरसिह
गुरू- लखनलाल पं. जयलाल, सज्जन महाराज, सुंदर प्रसाद, शुभू महाराज, राजा चक्रधर सिंह, पं. कार्तिकराम व कल्याणदास की जोडी में शेर देश में ख्याति अर्जित की।
निपुण नृत्यगर- (अति विलम्बित लय पर विशेष अधिक मम्मत, तत्कार, लयकाट, भ्रमरी गतभाव, लदन्त।
भजन, गजल व ठुमकी लयकारी
सन् 1970 में कमला नेहरू संगीत महाविद्यालय रायपुर में नृत्य शिक्षण किया (एक वर्ष) टाटा नगर में नृत्य शिक्षण दिया।
सम्मान उपाधि- नृत्य सम्राट, शिखर सम्मान (म.प्र.)
संगीत नाटक अकादमी सम्मान
पदातिक सम्मान सूर श्रृंगार परिषद् बम्बई।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

25. प्रमुख लोकगीत, पर्व एवं मेले

निमाड़ अंचल

लोक गायन की शैलियॉ

1. निमाड़ी लोकगीत
2. संत सिंगाजी गायन
3. निरगुणिया गायन
4. नामपंथी गायन
5. मासाण्या गायन
6. गरबा/गरबी/गबलन
7. फाग गायन
8. कलगी तुर्रा
9. संजा गीत गायन

लोक नृत्य

1. गणगौर लोकनृत्य
2. काठी नृत्य
3. फेफरिया नाच
4. मांड्लया नाच
5. आड़ा खड़ा नाच
6. डंडा नाच

लोक नाट्य

1. गम्मत

मालवा अंचल

लोक गायन की शैलियॉ

1. मालवी लोकगीत
2. भरथरी गायन
3. भोपे गायन
4. निरगुणी भजन गायन
5. संजा गीत गायन
6. हीड़ गायन
7. पर्व त्यौहार संबंधी गायन
8. बरसाती बारता

लोकनृत्य

1. मटकी नाच
2. आड़ा खड़ा रजवाड़ी नाच
3. गरबा (मूलत: गुजराती)

लोक नाट्य

1. माच (राजकीय नाट्य)

बुंदेलखंड

लोक गायन की शैलियॉ

1. बुदेंली लोकगीत
2. आल्हा गायन
3. भोलागीत या बंबुलिया
4. फाग गायन
5. बेरायटा गायन
6. देवारी गायन
7. जगदंबे का पुरावा

लोक नृत्य

1. राई नृत्य
2. सैरा नृत्य
3. कानड़ा नृत्य
4. बधाई नृत्य
5. ढिमरियाई नृत्य
6. अखाडा
7. नौटंकी (मूलत: उ.प्र.)

लोक नाट्य

1. स्वॉग
2. रागिनी

बघेलखंड

लोक गायन की शैलियॉ

1. बघेली लोकगीत
2. बसदेवा गायन
3. बिरहा गायन
4. विदेसिया गायन
5. फाग गायन

लोक नृत्य

1. बिरहा अथवा अहिराई नृत्य
2. राई नृत्य
3. केहरा नृत्य
4. दादर नृत्य
5. कलसा नृत्य
6. केमाली नृत्य

लोक नाट्य

1. मनसुखा
2. हिंगोला
3. जिंदबा
4. लकडवग्या
5. रास
6. छाहुर

लोक गायन

गायन का नाम	संबद्ध क्षेत्र / आदिवासी	विशेषता	प्रयुक्त वाद्य यन्त्र
कलगीतूर्रा	निमाड़	शिव-पार्वती को समर्पित	चंग
फाग	निमाड़	होली के अवसर पर	-
गरबा	निमाड़	इनकी तीन शैलियां- गरबां, गरबी और गबलन है।	ताल की थाप
मसान्या	निमाड़	मृत्युगीत	-
निरगुणिया (नारदीय)	निमाड़	निर्गुण ब्रह्म की उपासना	इकतारा, खड़ताल
भरतरी	मालवा	नाथ संप्रदाय के लोग चिंकारा भर भरथरी कथा गाते है।	चिंकारा
सांझागीत	मालवा	मूलत: मालनवा की किशोरियों का पारंपरिक गायन	-
तेजाजी कथा गायन	मालवा	वीरोचित्त कार्यों का बखान	-
हीड़ गायन	मालवा	श्रावण के महिने में	-
बरसाती बरता	मालवा	ऋतुकथा गीत (वर्षा ऋतु)	-
लावनी	मालवा / निमांड़	निगुर्णी दार्शनिक गीत	-
रेलोगीत	मुड़िया, सींग, माडिप भील	युवक-युवतियों का गीत	-
चौकड़िया, फाग	बुंदेलखण्ड	ईसुरी की रचनाओं का गायन	-
आल्हा	बुंदेलखण्ड	वीर रस प्रधान काव्य	-
भोलागीत या बंबुलिया (लमटेरा गीत)	बुंदेलखण्ड	वाचिका परंपरा का मधुर गीत (नर्मदा स्नान जाते समय)	-
बेरायटा	बुंदेलखण्ड	कथा गायन शैली	-
दिवारी गायन	बुंदेलखण्ड	दोहों गायन शैली	-
जगदेव का पुरावा	बुंदेलखण्ड	भजन शैली का गायन	-
बसदेवा गायन	बघेलखण्ड	कथाओं और गाथाओं का गायन	-
विरहा गायन	बुंदेलखण्ड	सवाल जवाब शैली में गायन	चुटकी पैजर, सारंगी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

फाग गायन	बुंदेलखण्ड	नगाड़ों पर फाग गायन	–
हरदौली की मनौती	बुंदेलखण्ड, बघेलखण्ड	यह वीरता का गीत है।	–
विदेसिया गायन	बघेलखण्ड	जंगल या सुनसान जगह पर	–

लोकनृत्य

निमाड़ के लोक नृत्य

गणगौर नृत्य: गणगौर निमाड़ का धार्मिक लोकनृत्य है। चैत्रमास में पार्वती की प्रतीक 'गणगौर' देवी की मूर्ति की आराधना ढोल और थाली की थाप।

काठी: पार्वती की तप्सया से संबंधित मातृपूंजक नृत्य, 'ढाक' काठी का मुख्य वाद्य नर्तकों की वेशभूषा बाना, काठी का प्रारंभ देव प्रबोधिनी एकादशी से और विश्राम महाशिवरात्रि तक।

फफारिया: 'फफारिया' यहां का एक सामूहिक नृत्य है। जिसमें स्त्री-पुरूष 'पुंगी' बजाते हुए नृत्य करते है।

माडल्या: माडल्या स्त्री नृत्य है जिसमें ढसेल की थाप पर विभिन्न शारीरिक मुद्राओं की अभिव्यक्ति होती है।

आखा-खड़ा: निमाड़ में जन्म, मुंडन, विवाह अवसरों पर 'आखा-खड़ा' नृत्य किया जाता है।

डंडा नाच: चैत्र बैशाख में कृषक डंडा नाच करते है।

मालवा के नृत्य

मटकी: 'मटकी मालवा का अत्यन्त लोकप्रिय नाच है। ढोल की विशेष ताल पर।

पतंग नाच: 'कहरवा-दादरा' पर यह नृत्य किया जाता है।

बुन्देलखण्ड के नृत्य

राई: शौर्य और श्रृंगार दोनों मनोवृत्तियों का समावेश, केन्द्र में बेड़नी नर्तको, गति देने का काम मृदंग वादक सामाजिक विद्रुपताओं पर खुलकर चोट।

सैरा नृत्य: सैरा नृत्य गणगौर के अवसर पर किया जाता है। यह गुजरात में होने वाले डांडिया नृत्य से मिलता है। यह नृत्य भी बुंदलेखण्ड में प्रचलित है। सावन माह में कजली तीज के अवसर पर आंगनों में नाचकर कृष्ण लीलाओं से संबंधित, नृतय में ढोलक, टिमकी, मंजीरा, मृदृग और बांसुरी वाद्य।

कनाड़ा-नृत्य: यहां के धोबी समाज में शुभ अवसरों पर किया जाता है।

जवारा: बुंदलेखण्ड में समृद्धि के उत्सव के रूप में जवारा नृत्य मनाया जाता है।

ढिमरथाई नृत्य: शादी-ब्याह, नवदुर्गा के अवसर पर।

बधाई: बुंदेलखण्ड के ग्रामीण अंचलों में शादी-ब्याह के अवसर पर बधाई नृत्य।

बघेलखण्ड के नृत्य

बिरहा: बघेलखण्ड, 'बिरहा' नृत्य (अहिराई) किया जाता है। इसमें स्त्री-पुरूष सवाल-जवाब करते है।

केहरा: स्त्री-पुरूष का संयुक्त नृत्य, बांसूरी की धून महत्वपूर्ण।

दादरा नृत्य: कोल, कोअवार, कहार जाति में दादरा नृत्य प्रसिद्ध है जिसमें स्त्री-पुरूष दोनों भाग लेते है।

कलासा: अहिर, गडरिया आदि जातियों में सिर कलश रखकर 'कलसा' नृत्य किया जाता है।

केमाली नृत्य: केमाली नृतय को साजन सजनई नृत्य भी कहते है। केमाली के गीत जवाब की शैली में होते है।

जनजातियों के नृत्य

करमा (मण्डला क्षेत्र): कर्मा नृत्यगीत कर्म देवता को रिझाने के लिए, विजयादशमी से शुरू होकर वर्षा के आगमन तक। मंडला के बैगा और गोंडों का प्रमुख नृत्य, वाद्ययंत्र, 'मांदर' है।

दशहरा और ददरिया: बैगा आदिवासियों के त्यौहार दशहरा और ददरिया क्रमश: सामाजिक व्यवहार की कलात्मक और प्रेम संबंधों की भावना प्रधान अभिव्यक्ति है। ददरिया मण्डला का प्रमुख नृत्य है।

चटकोरा नृत्य: कोरकू आदिवासियों का नृत्य है। निमाड़ में प्रचलित है।

रीना नृत्य: बैगा तथा गौड स्त्रियों का दीपावली के असर पर किया जाने वाला नृत्य है।

विमलानृत्य: बैगा जनजाति में प्रेम प्रसंग पर आधारित है।

भगोरिया हाट: भीलों के द्वारा किया जाने वाला नृत्य है।

गोचो नृत्य: गोंडो द्वार किया जाता है।

बार नृत्य: कंवर आदिवासियों का नृत्य है।

लहरी नृत्य: कंजर, बंजारों एवं सहरियों लोगों का नृत्य है।

परधोनी नृत्य: विवाह-अवसर पर बैगा आदिवासियों द्वारा बारात की अगवानी के समय किया जाता है।

बरेदी नृत्य: ग्वाला और गुर्जर जातियों के द्वारा किया जाता है।

भगोरिया: सम्पूर्ण भील क्षेत्र में मनाया जाने वाला भगोरिया होलिका दहन से 7 दिन पूर्व प्रारंभ होता है। झाबुआ का भगोरिया विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। भगोरिया में तीन मुख्य दिन होते है- प्रथम दिन गुगलिया हाट, दूसरा भगारिया हाट में 'भगौरा' देवता की पूजा की जाती है। तीसरे दिन मेला वीरान हो जाता है, जिसे उजड़िया कहते है।

तरताली: कमर जनजाति का यह नृत्य 2 या 3 स्त्रियों के द्वारा किया जाता है।

अहरी नृत्य: ग्वालियर की यादव, ग्वाला, रावत, राउत, बरेडी जाति द्वारा किया जाता है।

परधौनी: परंधौनी नृत्य बैगा जनजाति का एक कला प्रधान नृत्य है, जो विवाह के अवसर पर किया जाता है।

लहंगी नृत्य: लहंगी श्रावण मास में किया जाने वाला सहरियाओं का समूह नृत्य।

दूल दुल घोड़ी: दूल दुल घोड़ी राजस्थान का मूल नृत्य है। ग्वालियर, गुना, शिवपुरी में ढोल, नगड़िया, झीका तथा मसक वाद्य।

भारिया-भडम-सैतम नृत्य: भारिया आदिवासियों का यह नृत्य समूह है। जिसमें अनेक नृत्य किए जाते है, सैतम महिलाएं करती है।

सरहुल नृत्य: उरांव जनजाति द्वारा सरई वृक्ष (जिसमें उनके देवता निवास करते है) के चारों और चैत्रमास- पूर्णिमा को किया जाता है।

बांस गीत: यह मूलत: एक गाथा गायन है। इसमें मोटे बांस के लगभग एक मीटर लम्बे वाद्य को बजाया जाता है। इसी कारण इसे बांस गीत कहा जाता है। प्राय: राऊत जाति के लोग गाते है।

खम्ब-स्वाग: कोरकू जन-जाति का नृत्य जिसे दिवाली के बाद मेघनाद स्तम्भ के पास किया जाता है।

लोकशिल्प

मिट्टी शिल्प: झाबुआ, मंडला और बैतुल

काष्ठा शिल्प:कोरकू, मृतक स्तम्भ 'मंडो', भीलों के लातमक 'दिवाण्या'

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

गुडिया शिल्प: नयी पुरानी रंगीन, चिन्दियों और कागजों से गुड़ियाएं झाबुआ तो भीली गुड़िया का केन्द्र बन, **श्रीमती बत्तोबाई** गुड़िया शिल्प की श्रेष्ठ कलाकार।

खराद कला: मध्य प्रदेश में श्योपुरकलां, बुदनीघाट, रीवा, मुरैना खराद कला के प्रतिष्ठित केन्द्र है,

बांस शिल्प: बालाघाट इसका प्रमुख केन्द्र है।

छीपा शिल्प: बाग, कुक्षी, मनावर, बदनावर, गोगावां, खिराला, उज्जैन छीपा शिल्प के पारम्परिक केन्द्र उज्जैन का छीपा शिल्प भैरूगढ़ के नाम से विख्यात है।

महेश्वरी साड़ी: महेश्वरी साड़ी उद्योग कला को स्थापित करने का श्रेय प्रसिद्ध शासिका **अहिल्याबाई** को।

चंदेरी साड़ी:चंदेरी में बनने के कारण इस साड़ी का नाम चंदेरी साड़ी पड़ा।

भारत भवन न्यास का पठन: शासन द्वारा अगस्त 2008 में भारत भवन न्यास में निदेशक के रूप में पंडित जसराज (गायन) तथा सदस्यों के रूप में सुश्री हेमामालिनी (शास्त्रीय नृत्य), श्री अमृतलाल बेगड़ (चित्रकला और साहित्य), श्री गोकुलोत्सव महाराज (गायन) श्री रमेश पतंगे (दलित रचनाकर्म) और श्री राजदत्त (फिल्म और रंगकर्म) को न्यासी के रूप में मनोनीत किया।

मध्य प्रदेश के प्रमुख पर्व

1. **गणगौर**- मालवा अंचल का
2. **संझा**- बुन्देलखण्ड अंचल का
3. **घडल्या**- समूचे मध्यप्रदेश का
4. **सुआटा**- बुदेलखण्ड अंचल का
5. **नीरजा**- मालवा में
6. **हरेली**- मालवा एवं बुन्देलखण्ड का
7. **भगोरिया**- झाबुआ, धार जिले में भील जनजाति का
   नवान्न- बुन्देलखण्ड
8. **रतत्रवा**- मण्डला जिले मे बैगा आदिवासियों का
9. **लारूकाज**- गोंडों द्वार नारायण देव के सम्मान में।

प्रमुख मेले

मेले का नाम	समय अवधि	स्थान
बाबा गरीबनाथ	चैत्र माह (मार्च-अप्रैल)	अवन्तिपुर बड़ोदिया (आगर)
नागाजी	पुर आगहन माह नवम्बर-दिसंबर	पोरसा गांव मुरैना
बरमान	पौष माह में मकर सक्रांति से 13 दिनों तक जनवरी	नरसिंहपुर
कुण्डेश्वर	प्रतिवर्ष शिवरात्री, मकर सक्रांति व बसंत पचमी	शिव मंदिर पर
तेजाजी	भाद्र माह में आगस्त-दिसंबर में	भामावाद गांव (गुना)
सिंगाजी	क्वार माह में एक सप्ताह तक अगस्त-सितम्बर	पिपल्या गांव खरगोन
जागेशवरी	चेत्र माह में	चंदेरी (गुना)
सिंहस्थ	12 वर्षों में	उज्जैन
हीरा भूमिया	भाद्र माह में अलग-अलग थितियों में	ग्वालियर व गुना
कान्हाबाबा	शिवरात्री व गुरू पूर्णिमा को	सोडलपुर (होशंगाबाद)
बडोनी	शिवरात्री व गुरू पूर्णिमा को	बड़ोनी (दतिया)
महामृत्युन्जय	बसंत पंचमी और शिवरात्री को	रीवा
सनकुआ	कार्तिक पूर्णिमा से 15 दिनों तक	होशंगाबाद
रामजी बाबा	कार्तिक माह का सात दिवसीय मेला	मान्धाता (खण्डवा)
कालुजी महाराज	-	पीपल्या (खरगोन)
अमरकंटक	शिवरात्री पर	अमरकंटक (खरगोन)
जल बिहारी	अक्टुम्बर माह का दस दिवसीय मेला	छतपुर
सोनागिर	चैत्र में एकम् से पंचमी तक	सोनागिरी दतिया
शारदा मां	-	मेहर (सतना)
माघ घोघेरा	शिवरात्री पर 15 दिनों तक	भैरोनाथ (सतना)
रामलीला	माघ माह में (जनवरी-फरवरी)	भांडेर (दतिया)
रावंतपुरा	-	लहार (भिण्ड)
रतनगढ़	दिपावली की दौज के दिन	रतनगढ़ (दतिया)
चांदी देवी	प्रत्येक परिवार को	घोघरा गांव (दतिया)
डनान भगवान	प्रत्येक रविवार को	उन्नान (दतिया)
पीर बुधान	भाद्र माह में एक दिवसीय (अगस्त-सितम्बर)	गांव सांवेरा (शिवपुरी)
धमोनी उर्स (बाबा मस्तान शाह वाली दरगाह का मेला)	अप्रैल-मई में 15 दिनों तक	धमोनी (सागर)
बाबा शहाबुदीन ओलिया का उर्स	फरवरी में	नीमच

म.प्र. की बोलियाँ

बोलियाँ	जिले
बुन्देलखण्डी	अशोक नगर, दतिया, गुना, शिवपुरी, मुरैना, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, विदिशा, रायसेन, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट आदि।
निमाड़ी	बुरहानपुर, खण्डवा, खरगौन, धार, देवास, बड़वानी, झाबुआ, इंदौर।
बघेलखण्डी	रीवा, सतना, शहडोल एवं उमरिया।
मालवी	सीहोर, नीमच, रतलाम, मंदसौर, शाजापुर, आगर, झाबुआ, उज्जैन, देवास, इंदौर आदि।
बृजभाषा	भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर आदि।
कोरकू	बैतूल, होशंगाबाद, छिंदवाड़ा, खरगौन आदि।
भीली	रतलाम, धार, झाबुआ, खरगौन एवं अलीराजपुर।
गौंडी	बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, मण्डला, डिंडोरी, होशंगाबाद।

आदिवासी देवता

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

जनजाति	देवता
भील	शीतला, अम्बिका, पाठर, बैराह (माता की पूजा)
बैगा	बूढ़ा देव, धरतीमाता, घनश्याम, ठाकुर देव, नारायण देव, बाघ देव, भीमसेन, पनिहारी, रातमाई, लोहासुर,
	माता, होलरा, नर्मदा माई।
गोंड	नारायण देव, गराहा, मुर्ठकी, दुल्हा पैन, बरिया नैन, होलेराय।

26. चित्रकार, रंगकर्म एवं लोकशिल्प

मध्य प्रदेश के प्रमुख चित्रकार

चित्रकार	संक्षिप्त जीवन परिचय	योगदान / उपलब्धियां
सैय्यद हैदर राजा	क)जन्म: बाबरिया (नरसिंहपुर) ख) फ्रांस में बस गये	1. फ्रांस का प्रोदिलाक्रिटिक सम्मान प्राप्त (1953), पद्मश्री, पद्मभूषण 2. प्रमुख चित्र: अटल-शून्य की अनंतता, बिन्दू, मां, सफेद फूल, नाग, स्पंदन आदि
विष्णु चिचांलकर	जन्म: आलोट गांव (देवास)	1. फ्राइडे ग्रुप बनाया। 2. बानियत सम्मान (1960)
देवायानी कृष्ण	जन्म: इन्दौर	1. मुखौटा दृश्यों (तिब्बत-सिक्किम) का चित्रांकन
नारायण श्रीधर	जन्म: इन्दौर	1. प्रमुख चित्रप: बुद्ध पुजर, पटना आवास, हिमाचल आदि।

मध्य प्रदेश की 'लोकचित्र' परम्परा

निमाड़ के लोकचित्र: जिरोती (हरियाली अमावास्या) को, नागचित्र (नागपंचमी), सजाफुंली (कुंवार), नवरत (नवरात्र), दशहरा-चित्रण, थापा (सिल सप्तमी), मोरधन (दीपावली पड़वा), भाईदुज- चित्र माँडना' (भूमि पर अकन)।
मालवा के लोकचित्र: चितेरे जाति के द्वारा 'चित्रावण', 'मांणना', 'सजा', सवनाही, आठे कन्हैया, हरतालिका।
बुंदेली लोकचित्र: 'चौक चित्र', 'सुरैती', 'नौरता', 'मोरते'।
बघेली लोकचित्र: 'कोहबर', 'तिलंगा', 'छाठी चित्र', 'नेउरान'।

रंगकर्म

मध्य प्रदेश के रंगकर्मी

हबीब तनवीर: 1943-44 में इप्टा का गठन, 1954 में 'हिन्दुस्तान थियेटर' की स्थापना 'मृच्छकटिकम' की हिन्दी में प्रस्तुति 'चरणदास चोर' 'माटी की गाड़ी', 'आगरा बाजरा' आदि।
बी. व कारंत:1982 में भोपाल में भारत भवन के रंग मंडल के निर्देशक।
बाबा डिके: 7 जून 1919 को नीमच में जन्में, 1975 में 'नाट्य भारती' की स्थापना।
अलखनन्दन: नाट्य संस्था 'नट बुदेंलें' के निर्देशक।
विभा मिश्र: भारत भवन के रंगमण्डल में वरिष्ठ अभिनेत्री।
बंसी कौल: 'स्टेज क्राफ्ट' में विशेषज्ञता।
नरहरि पटेल: 'जन नाट्य संघ' और 'यवनिका'।
अनवार सिद्धिकी: नाटककार।

लोकनाट्य

माच: मालवा का प्रतिनिधि नाट्य शेरमान खान विदूषक।
स्वांग: बुंदेलखण्ड में।
नौटंकी: यह एक 'गेय लोक नाट्य' है जो बुन्देलखण्ड में अत्यधिक प्रचलित है।
कठपुतली: इसकी कई शैलियां प्रचलित है- दास्तान पुतली, धड़ पुतली, सूत्र संचालित पुतली और छाया पुतली।
गम्मत: निमाड़ में गम्मत सर्वाधिक प्रचलित लोक विद्या है।
रासलीला: मुख्य रूप से निमाड़ में ही कृष्ण जन्माष्टमी पर।
मनसुखा: रास का बघेली संस्करण 'मनसुखा'।
जिंदवा: यह बघेलखण्ड की महिलाओं का नाट्य है, जिसमें अशलीलता की कोई सीमा रेखा नहीं होती है।
खम्ब स्वांग: कोरकुओं का खम्ब स्वांग मेघनाथ की पूजा के अवसर पर किया जाता है। झांझ व मृदंग के साथ।
छाहुर: छाहुर बघेलखण्ड का लोकनाट्य है।
रागिनी: रागिनी ग्वालियर अंचल की लोकनाट्य विद्या।
भवाई: झाबुआ के आस-पास प्रचलित भवाई मुख्यत: गुजरात का लोकनाट्य है।
हिंगोला: मंच रहित एक सरल नाट्य।
लकड़बघा: यह विवाह के बाद मंच पर खेला जाता है।
नौटंकी: बघेलखण्ड में इदल और बैरग राजा या मनिहारिन के प्रसंग को लेकर।

मध्य प्रदेश की प्रमुख साहित्य एवं ललित कला अकादमियां

क्र.	अकादमी का नाम	स्थापना वर्ष	मुख्यालय
1.	मध्य प्रदेश कला परिषद्	1952	भोपाल
2.	मध्य प्रदेश साहित्य परिषद्	1954	भोपाल
3.	मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी	1969	भोपाल
4.	मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी	1976	भोपाल
5.	कालिदास अकादमी	1977	उज्जैन
6.	उस्ताद अलाउद्दीन संगीत अकादमी	1979	मैहर (सतना)
7.	मध्य प्रदेश सिंधी अकादमी	1983	भोपाल
8.	अल्लाहमा इकबाल अदबी अकादमी	1984	भोपाल
9.	मध्य प्रदेश संस्कृत अकादमी	1985	भोपाल
10.	मध्य प्रदेश तुलसी अकादमी	1987	भोपाल
11.	भारत-भवन	1982	भोपाल
12.	पुरातत्व एवं अभिलेखागार संग्रहालय	1956	भोपाल

मध्य प्रदेश के सांस्कृतिक समारोह एक नजर में

नाम	स्थल
1. कालीदास समारोह	उज्जैन
2. खजुराहों नृत्य समारोह	खजुराहों
3. तानसेन समारोह	ग्वालियर
4. मालवा उत्सव	इन्दौर, उज्जैन, माण्डू
5. उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत समारोह	मैहर (सतना) एवं विभिन्न शहरों में
6. अमीर खां संगीत समारोह	इन्दौर
7. धुप्रद समारोह	भोपाल
8. मध्य प्रदेश समारोह	दिल्ली
9. ओरछा उत्सव	टीकमगढ़
10. पद्माकर समारोह	सागर
11. सुभद्राकुमारी चौहान समारोह	जबलपुर
12. माखनलाल चतुर्वेदी समारोह	खण्डवा
13. निमाड़ उत्सव	खण्डवा, खरगौन, बड़वानी
14. दुर्लभ वाद-विनोद	भोपाल

प्रमुख तथ्य

- रामायण और साकेत संग्रहालय ओरछा (टीकमगढ़) में है।
- माधवराव सप्रे समाचार पत्र संग्रहालय भोपाल में है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

27. व्यक्तित्व

पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र : राजनीति के चाणक्य। 1930 में राज्य में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया था।

चन्द्रशेखर आजाद : चन्द्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 में भाबरा (झाबुआ) में हुआ था।

माधवराव सिंधिया (1945-2011): लोकसभा सांसद गुना (1980), ग्वालियर (1984) अटल बिहारी वाजपेयी को पराजित किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री।

कुशाभाऊ ठाकरे : भाजपा के पितृ पुरूष।

अटलबिहारी वाजपेयी: ग्वालियर में जन्में श्री वाजपेयी प्रधानमंत्री पद पर पहुंचने वाले मध्य प्रदेश के पहले व्यक्ति थे। आपने भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लिया था। 1977 में बनी जनता सरकार के विदेशमंत्री तथा 1980 से 86 तक भाजपा के संस्थापक अध्यक्ष रहे। 1996, 1998 ओर 1999, तीन बार प्रधानमंत्री बने। आपके कविता संग्रह का नाम 'मेरी इक्यावन कविताये' है।

'कविराज की कुण्डलिया', 'मृत्यु अथवा हत्या', 'अमर बलिदान' आदि अन्य कृतिया है। संयुक्त राष्ट्र की महासभा में हिन्दी में भाषण देने वाले प्रथम व्यक्ति।

शिवमंगल सिंह सुमन: उज्जैन के श्री. सुमन प्रख्यात कवि रहे। आपका वर्ष 2006 में निधन हुआं

नरेश मेहता : ज्ञानपीठ से सम्मानित।

राहुल बारपुते : नई दुनिया के सम्पादक रहे।

विजया राजे सिंधिया: ग्वालियर के सिंधिया राजघराने से संबंधित विजया राजे सिंधिया राजमाता के नाम से लोकप्रिय थी। आप 1957 से लगातार कई बार लोकसभा की सदस्य रही। आप सागर विश्व विद्यालय की कुलपति भी रही।

डॉ. शंकर दयाल शर्मा: 1952 में भोपाल स्टेट के मुख्यमंत्री बने। 1987 में उपराष्ट्रपति बने। 1992 से 1997 तक भारत के राष्ट्रपति रहे।

गोविन्द नारायण सिंह: भारतीय सिविल सेवा (आई.सी.एस.) से त्यागपत्र देकर जबलपुर से विधायक और मंत्री बनने के बाद 1967 में पहली मुख्यमंत्री बने तथा बिहार के राज्यपाल भी रहे। है।

अशलमशेर खान: बेतूल में जन्में इस हॉकी खिलाड़ी ने ओलम्पिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया और बाद में बैतूल से कांग्रेसी सांसद चुने गये।

बालकवि बैरागी: स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालकवि बैरागी कवि, लेखक, गीतकार और राजनीतिज्ञ के रूप में प्रसिद्ध है।

विट्ठल भाई पटेल: कवि, शायर और राजनीतिज्ञ के रूप में विख्यात श्री पटेल मध्य प्रदेश शासन में मंत्री भी रहे है।

लता मंगेशकर: इन्दौर में जन्मी लता जी को **स्वर सामग्री** कहा जाता है।

किशोर कुमार: खण्डवा में जन्मे किशोर कुमार अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे।

जगदीश शरण वर्मा: सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद तक पहुंचकर राज्य को गौरवान्वित किया।

रमेशचंद्र लाहोटी: गुना के ये सपूत भी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद तक पहुंचे।

रजनीश: ओशों के उपनाम से विख्यात श्री राजेन्द्र कुमार जैन उर्फ रजनीश का जन्म गाडरवाड़ा में हुआ था। उनके अनुसार 22 वर्ष की आयु में मौलश्री के पेड़ के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई।

अशोक कुमार: खण्डवा में जन्में अशोक कुमार जाने माने अभिनेता रहे।

जियाउद्दीन दागर: ये ध्रुपद गायन के महान कलाकार रहे।

बेगम अजगरी बाई- छतरपुर निवासी महान शास्त्रीय संगीत गायिका।

गामा पहलवान: दतिया के निवासी गामा पहलवान ने दुनिया के बड़े-बड़े पहलवानों को हराया।

डॉ. कैलाशनाथ काटजू: जावरा में जन्में डॉ. काटजू उड़ीसा के राज्यपाल और केंद्र में रक्षामंत्री रहे। 1957 से 1962 के मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

सुश्री उमा भारती (1959 को जन्म): प्रसिद्ध साध्वी एवं राजनेता। कुशल वक्ता। **रचनाएं:** 'स्वामी विवेकानंद', 'पीस ऑफ इंडिया', 'मानव: भक्ति का नाता'।

अनिल काकोड़कर- बड़वानी में जन्में ख्यात वैज्ञानिक जो भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष रह चुके है।

कवि प्रदीप, बड़नगर (उज्जैन) में जन्में ख्यात गीतकार है।

सूरजाबाई खाण्डे- भरथरी गायिका

प्रकाश चन्द्र सेठी- श्री सेठी ने (जन्म 1920 झावरा पाटन) 1962 के पश्चात् केन्द्र सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में कार्य किया 1972 से 1975 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

अर्जुन सिंह- जन्म नवम्बर 1930 को चुरहट जिला सीधी में हुआ। 1980 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। 1985 में पंजाब के राज्यपाल बने। 1986 में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। सबसे कम समय तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद पर कार्य करने का रिकार्ड भी अर्जुन सिंह के नाम है। (2011 में निधन)।

सुंदरलाल पटवा- श्री पटवा का जन्म 1924 में मंदसौर जिले के कुमडेश्वर मं हुआ। पहली बार 20 जनवरी, 1980 से 17 फरवरी, 1980 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। द्वितीय बार 5 मार्च, 1990 से 15 दिसम्बर, 1992 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे।

शबनम मौसी- 2000 को शहडोल जिले के सोहागुपर विधानसभा क्षेत्र से उप-चुनाव में भारत में पहली बार एक किन्नर शबनम मौसी ने रिकॉर्ड मतों से विजय प्राप्त की।

मकबूल फिदा हुसैन- प्रसिद्ध चित्रकार हुसैन की कला प्रदर्शनी विश्व के कई देशों में लग चुकी है। इन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण एवं कालिदास सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इन्होंने इंदौर में विश्व की सबसे लम्बी पेंटिंग बनायी। गजगामिनी नामक फिल्म का निर्माण किया है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

जादूगर आनंद- भारत के प्रसिद्ध ख्याति प्राप्त जादूगर, ब्रूसेल्स पुरस्कार, मैजिक ऑफ ट्रस्ट अवार्ड तथा अन्य राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त जादूगर है।

ओम प्रकाश चौरसिया- विश्वविख्यात संतूर वादक चौरसिया ने संतूर के माध्यम से पूरे विश्व में प्रसिद्धि प्राप्त की है। इन्हें अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।

जावेद अख्तर- नौ बार फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित 20 से अधिक सफल फिल्मों के पटकथा लेखक भारतीय फिल्म उद्योग के प्रतिष्ठित गीतकार लेखक को फिल्म जंजीर की पटकथा से फिल्म जगत् में प्रवेश मिला।

आशुतोष राणा- नरसिंहपुर (गाडरवाड़ा) के इस ख्याति प्राप्त कलाकार ने अपनी प्रतिभा के बल पर फिल्म जगत में अपने पैर जमा लिये है।

उस्ताद अली अकबर खां- प्रसिद्ध सरोद सम्राट उस्ताद अलाउद्दीन खां के पुत्र है। हंग्रीस्टोन नामक फिल्म के संगीत हेतु सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित। उस्ताद अली अकबर खां प्रथम संगीतज्ञ थे जिनका कार्यक्रम अमेरिकन टेलीविजन से प्रसारित किया गया। 1956 में कैलिफोर्निया में कॉलेज ऑफ म्यूजिक की स्थापना की। संगीत नाटक अकादमी का राष्ट्रपति पुरस्कार और पद्मभूषण की उपाधि से सम्मानित।

उस्ताद निसार हुसैन खां- ग्वालियर घराने के प्रसिद्ध संगीतकार उस्ताद निसार हुसैन खां हिन्दू संस्कृति से अधिक प्रभावित थे। संस्कृत की सैकड़ों अष्टपदी और श्लोक उन्हें कंठस्थ याद थे।

कृष्ण राव पंडित- ग्वालियर घराने के कृष्णराव शंकर पंडित को संगीत विरासत से प्राप्त हुआ। ग्वालियर में इन्होंने गंधर्व संगीत महाविद्यालय की स्थापना की। ख्याल गायन में इनका कोई सानी नहीं था, इन्हें हिन्दुस्तानी संगीत का शलाका पुरूष कहा जाता है।

शंकर लक्ष्मण- भारतीय हॉकी खिलाड़ी, 1956-60-64 मे भारतीय ओलम्पिक टीम के गोल कीपर रहे, इन तीनों वर्ष मे से भारत ने दो स्वर्ण व एक रजत पदक जीता था। यह पहले गोलकीपर थे जो टीम के कप्तान बने थे। यह 1966 मे एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम के कप्तान भी थे तथा इनका निधन 2006 मे महू में हुआ था।

वंशी कौल- भारतीय नाटक मंच के अंतर्राष्ट्रीय अभिनेता निर्देशक एवं लेखक अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

डॉ. बशीर बद्र- उर्दू शायरी के शीर्ष शायर एंव मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी के मीर तकी मीर सम्मान से सम्मानित डॉ. बशीर बद्र का नाम उर्दू शायरी के प्रथम पायदान पर है। तुम्हारे लिये, आंच, आजादी के बाद उर्दू गजल का मुतालआ, आदि इनकी प्रसिद्ध रचनाएं है। साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। ये म. प्र. उर्दू अकादमी के अध्यक्ष है।

मेहरुन्निसा परवेज- बहुप्रशंसित कहानीकार एवं उपन्यासकार है। इन्हें सुभद्रा कुमारी चौहान पुरस्कार, वीर सिंह जूदेव पुरस्कार, उत्तर प्रदेश हिंन्दी संस्थान पुरस्कार एवं पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है। इनकी प्रमुख कृतियां है- आंखों की देहलीज, आदम और हब्वा, अकेला पलाश, अंतिम पढ़ाई आदि।

निर्मला बुच- सामाजिक कार्यकर्ता, राज्य की पूर्व मुख्य सचिव, पब्लिक इंटरप्राइजेस सलेक्शन बोर्ड की चेयरपर्सन, गुजरात में राज्यपाल की सहायक और राष्ट्रीय पर्यावरण अपीलीय अथॉरिटी में महत्वपूर्ण पद पर रहने वाली निर्मला बुच ने महिला चेतना मंच की स्थापना कर गरीब महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया। देवी अहिल्याबाई पुरस्कार से सम्मानित है।

बाला साहब पूंछ वाले- ग्वालियर घराने के संगीतकार और टप्पा गायकी के जनक।

मुश्ताक अली- विदेशी धरती पर शतक जमाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर मुश्ताक।

जॉनी वाकर- जॉनी वाकर के नाम से चर्चित बदरूद्दीन जमालुदीन काजी हास्य अभिनेता थे, जिनका निधन 2003 में हो गया।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

28. पुरस्कार एवं सम्मान

कालीदास सम्मानः 1980 में स्थापित यह मध्य प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण सम्मान है। प्रत्येक की राशि 2 लाख रुपये (पूर्व में 1 लाख) है।

तानसेन सम्मानः संगीत क्षेत्र की मान्यता प्राप्त हस्ती को 1980 में स्थापित पुरस्कार की धनराशि अब 2 लाख रुपये, वर्ष 2010-11 का राष्ट्रीय तानसेन सम्मान सुश्री सविता देवी को

तुलसी सम्मानः 1983 में स्थापित यह पुरस्कार आदिवासी लोक एवं पारमपरिक कला में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए प्रतिवर्ष, राशि दो लाख रुपये।

देवी अहिल्या सम्मानः प्रतिवर्ष किसी महिला कलाकार को 2 लाख रुपए

किशोर सम्मानः 2 लाख रुपए (पूर्व में 1 लाख) का पुरस्कार

कबीर सम्मानः भारतीय भाषा की कविता के लिए प्रतिवर्ष 3 लाख रुपये (पूर्व में 1.5 लाख)

इंकलाब सम्मानः पुरस्कार में 2 लाख रुपये (पूर्व में 1 लाख) की नकद धनराशि

मैथिलीशरण गुप्त सम्मानः एक लाख रुपये नगद तथा प्रशस्ति पत्र।

लता मंगेशकर सम्मानः सुगमसंगीत के क्षेत्र में भारत का सबसे बड़ा पुरस्कार 1984 में स्थापित 5 लाख रुपयों (पूर्व में 2 लाख) का

महात्मा गांधी पुरस्कारः गांधी दर्शन के अनुरूप सामाजिक कार्य करने हेतु 10 लाख (पूर्व में 5 लाख)

अखिल भारतीय पुरस्कारः मध्य प्रदेश साहित्य परिषद् द्वारा ये पुरस्कार दिये जाते है। सभी ग्यारह हजार रुपये की राशि वाले है।

कुमार गंधर्व पुरस्कारः शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में स्थापित 1. 25 लाख रुपये (पूर्व में 1 लाख) का पुरस्कार।

शिखर सम्मानः मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा वर्ष 1980 से प्रदत्त, पुरस्कार में 62 हजार रुपये की नगद धनराशि प्रदान की जाती है।

पत्रकारिता - क्षेत्र के पुरस्कार

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता पुरस्कारः किसी कार्यरत सम्पादक को श्रेष्ठ सम्पादन हेतु दिया जाने वाला इस पुरस्कार में 5 हजार रुपये की नगद धनराशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है।

राजेन्द्र माथुर फैलोशिपः शासन ने प्रसिद्ध संपादक राजेन्द्र माथुर की स्मृति में 1 लाख रुपये की फैलोशिप स्थापित की। यह लोक हित से जुड़े गंभीर और महत्वपूर्ण विषयों पर शोध को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है।

तरूण कुमार भादुड़ी पुरस्कारः प्रसिद्ध पत्रकार और लेखक स्व. तरूण कुमार भादुड़ी की स्मृति में मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रतिवर्ष 35 वर्ष की आयु तक के दो युवा पत्रकारों को यह पुरस्कार दिया जाता है।

जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी पुरस्कारः राज्य के युवा पत्रकार को श्रेष्ठ आलेखन हेतु 5 हजार रुपये का यह पुरस्कार दिया जाता है।

रामेश्वर गुरू पुरस्कारः राज्य की किसी पत्रिका के स्तरीय प्रकाशन या संपादन हेतु 5 हजार रुपये का यह पुरस्कार दिया जाता है।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा दी जाने वाली फैलोशिपः संस्कृति विभाग द्वारा प्रदत्त निम्नलिखित पांच शिक्षावृत्तियों में एक वर्ष के लिए एक हजार रुपये प्रतिमाह, पर्यावरण नियोजन एवं संगठन द्वारा प्रतिवर्ष युवा वैज्ञानिकों को इंदिरा गांधी फैलोशिप दी जाती है, जिसमें दो वर्ष के लिए 4500 रुपये प्रतिमाह और 30,000 रुपये आकस्मिक मानदेय।

1. राजेन्द्र माथुर स्मृति शिक्षावृत्ति - पत्रकारिता के क्षेत्र में।
2. मुक्तिबोध शिक्षावृत्ति - साहित्य के क्षेत्र में।
3. अमृता शेरगिल शिक्षावृत्ति - चित्र और मूर्तिकला के क्षेत्र में।
4. उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत शिक्षावृत्ति - संगीत के क्षेत्र में
5. चक्रधर शिक्षावृत्ति - शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में।
6. इंदिरा गांधी फैलोशिप - पर्यावरणीय शोध हेतु।

अन्य पुरस्कार

जननायक टांट्या भील पुरस्कारः 1 लाख रुपये का यह पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ आदिवासी खिलाड़ी को दिया जाता है।

रानी दुर्गावती राष्ट्रीय सम्मान 2008: यह पुरस्कार महिला रचनात्मकता एवं उनके प्रशासकीय नेतृत्व को प्रोत्साहन देने हेतु दिया जाता है। इस पुरस्कार के अंतर्गत **2 लाख रुपये** दिये जाते है।

शंकरशाह एवं रघुनाथ शाह पुरस्कारः आदिवासी कला सृजन के लिये इस पुरस्कार के अंतर्गत **2 लाख रुपये** दिये जाते है।

ठक्कर बापा पुरस्कारः यह पुरस्कार आदिवासी समाज में सेवाओं के लिए **2 लाख रुपये** दिया जाता है।

शरद जोशी पुरस्कारः यह पुरस्कार 1992-93 से ललित निबंध डायरी, पत्रलेखन, व्यंग्य लेखन हेतु उत्कृष्ट कार्य के लिये दिया जाता है। पुरस्कार राशि **51 हजार रुपये** से बढ़ाकर 1 लाख रुपए।

चन्द्रशेखर आजाद पुरस्कारः इस पुरस्कार के अंतर्गत **1.50 लाख रुपए** एवं प्रशस्ति पट्टिका दी जाती है।

वीरांगना पुरस्कारः यह पुरस्कार महारानी लक्ष्मी बाई के पुण्यतिथि पर दिया जाता है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

29. खेल/खिलाड़ी

- **राजकीय खेलः मलखम्भ**
- राज्य खेलकूद एवं युवक कल्याण विभाग का गठन 1 अक्टूबर, 1975 को किया गया था।
- राज्य का पहला क्लब क्रिकेट का था, जो 'पारसी क्लब' के नाम से 1890 में इन्दौर में बना था।
- भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम में खेल संग्रहालय बनाया गया है।
- भारतीय खेल प्राधिकरण का क्षेत्रीय कार्यालय गौरागांव भोपाल में स्थापित हो रहा है।
- राज्य के कुल 10 शहरों में खेल स्टेडियम बन चुके है।
- मध्य प्रदेश हॉकी एसोसिएशन और बैडमिंटन एसोसिएशन का मुख्यालय जबलपुर है।
- जाल गोदरेज को **ग्रेट वॉल ऑफ चाइना** कहा जाता था।
- राज्य में एकमात्र हॉकी छात्रावास नरसिंहपुर में है।
- असलम शेरखान हॉकी के अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी थे, जो बैतूल से सांसद बने। उनकी पुस्तक का नाम है **'टू हेल विद हॉकी'**।
- मध्य प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना सन् 1957 में जबलपुर में हुई।
- मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की स्थापना सन् 1946 में हुई।
- मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन का मुख्यालय इन्दौर में है।
- मध्य प्रदेश खेल प्राधिकरण (MPSA) राज्य में प्रमुख खेल संस्था है।
- राज्य के लतीफ अनवर पाकिस्तान के हॉकी कप्तान बने थे।
- **राज्य में नेशनल कैडेट कोर (N.C.C.):** हृदयनाथ कुंजरू समिति की अनुशंसा पर 28 नवंबर 1948 को भारत में, सी.पी. बरार के समय से मध्य प्रदेश में। इसके राज्य में 6 मुख्यालय बनाये गए है- इंदौर, सागर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर और रीवा का सैनिक स्कूल।
- **युवक मण्डलः** वर्ष 1983-84 से ग्रामीण क्षेत्रों में युवा गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु युवक मण्डलों का गठन।
- **नेहरू युवा केन्द्रः** मध्य प्रदेश में भी 19 नेहरू युवा केन्द्र।
- **पायका योजनाः** उद्देश्य है ग्रामों में खेल अधोसंरचना का विकास।
- राज्य का सर्वोच्च खेल पुरस्कार विक्रम है।

'प्रभाष जोशी अवार्ड'

- मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2013 के सर्वोच्च खेल पुरस्कार 28 अगस्त, 2013 को प्रदान किए। इस बार **मलखम्भ** में एक नया पुरस्कार **'प्रभाष जोशी आवार्ड'** दिया गया। समारोह में इस बार अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी एम.सी. मैरीकॉम विशेष अतिथि रही। एम.सी. मैरीकॉम को लंदन ओलंपिक 2013 में बॉक्सिंग का कांस्य पदक जीतने पर प्रदेश सरकार द्वारा 50 लाख की सम्मान राशि से सम्मानित किया गया। प्रथम पुरस्कार अजय वक्तारिया को दिया गया।

मध्य प्रदेश के प्रमुख खेल-खिलाड़ी

खेल	खिलाड़ी
1. हॉकी	मास्टर राजोदिया, संतुराम, चम्यालाला, असलम शेर खान, गेंदालाल, गुलाम, रसूल, दुर्गबाला पवार, शिवाजी पवार, समीर दाद, मुन्ना सिंह, मुखर्जी, मधु यादव (पूर्व भारतीय कप्तान) कमलजीत कोर, शंकर लक्ष्मण।
2. क्रिकेट	कैप्टन मुश्ताक अली (विदेश में शतक जमाने वाले पहले भारतीय), भगवानदास, नरेन्द्र हिरवानी, संध्या अग्रवाल, विजय नायडू, सी. के. नायडू, संजय अली, रमेश भाटिया, सुबोध सक्सेना, राजेन्द्र निगम, चन्दु सखटे, सुनील लाहोर, कु. राजेश्वरी ढोलकिया, संध्या जैन, मंसूर अली खांन पटौदी।
3. बैडमिण्टन	सी. डी. देवरस, प्रणव बोस, सीमा भण्डारी (सार्क चैम्पियन, 4 बार राष्ट्रीय उपविजेता, 6 बार उबेर कप में भाग), पार्थो गांगुली (फ्रेंच और आस्ट्रेलिया ओपन के डबल्स विजेता), सरोजनी आप्टे (6 बार राष्ट्रीय उपविजेता), अशोक सैंदा, बी.एम. तापड़िया कु. एम. ताम्बे
4. टेबल टेनिस	जाल गोदरेज (ग्रेट वाल ऑफ चाइना के नाम से प्रसिद्ध), रिंकु आचार्य (जूनियर एवं सिनियर राष्ट्रीय विजेता रही), रीता जैन (जुनियर राष्ट्रीय विजेता), लिग्धा मेहता, पूजा शर्मा।
5. फुटबॉल	एम्ब्रुस, कीड, नरसेम, हफीज, प्रहलाद अहीर, डी. सेना, राजू सैनी आदि।
6. शतरंज	किरण अग्रवाल (अब छ.ग.) रफीक खान (म.प्र. की एकमात्र अंतर्राष्ट्रीय ग्रेंडमास्टर)
7. कुश्ती	पप्पु यादव (विश्वकप के जुनियर स्वर्ण विजेता), गामा पहलवान, कृपाशंकर पटेल (एशियाई चैम्पियनशीप में कास्य विजेता), रामचन्द्र (हिन्द केसरी खिताब)
8. खो-खो	नीलिमा सरोलकर (राष्ट्रीय चैम्पियन रही), सुषमा सरोलकर
9. बास्केटबॉल	रेखा चौधरी, लक्ष्मी जाटव।
10. तैराकी	बजरंगी प्रसाद (6 वर्ष तक लगातार राष्ट्रीय चैम्पियन)
11. जुड़ों	कमला रावत, संगीता शर्मी।
12. टेनिस	ऐश्वर्या अग्रवाल

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश के खेल पुरस्कार

पुरस्कार	राशि	विशेष तथ्य
1. विक्रम	50 हजार	1. सर्वोच्च खेल पुरस्कार 2. प्रतिवर्ष राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के म. प्र. के खिलाड़ी
2. एकलव्य	25 हजार	1. 19 वर्ष से कम आयु के राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी को (म. प्र. निवासी)
3. विश्वामित्र	50 हजार	1. प्रशिक्षकों को दिया जाता है।
4. अंतर्राष्ट्रीय पदक विजेता पुरस्कार	50 हजार पदक आधारित	1. सीनियर वर्ग में 2 लाख (स्वर्ग), 1.5 लाख (रजत), 1 लाख (कांस्य) 2. जूनियर वर्ग में आधी राशि
5. कैप्टन रूपसिंह लाइफ टाइम एचिवमेंट अवार्ड	50 हजार	1. किसी भी विधा के वरिष्ठ निवृत्त खिलाड़ी को।

ओलंपिक मे मध्यप्रदेश		
खिलाड़ी	**ओलंपिक**	**पदक/स्थान**
केप्टन रूपसिंह (ग्वालियर)	1932 लॉस एंजिल्स, 1936 बलिन	स्वर्ण
अहमद शेर खान (भोपाल)	1936, बर्लिन	स्वर्ण
किशनलाल (कप्तान)	1960 टोक्यों	स्वर्ण
एहसान मोहम्मद खान (भोपाल)	1943 लंदन	स्वर्ण
अख्तर हुसैन (भोपाल)	1948 लंदन, 1952 हेलसिंकी	स्वर्ण
हबीब उर रहमान (भोपाल)	1948 लंदन	स्वर्ण
लतीफ उर रहमान (भोपाल)	1948 लंदन	स्वर्ण
कैप्टन अब्दुल शकूर (भोपाल)	1952 हेलसिंकी	स्वर्ण
शंकर लक्ष्मण (महू)	1960 रोम, 1964 टोक्यो	रजत, स्वर्ण
इनाम उर रहमान (भोपाल)	1968 मैक्सिको सिटी	कांस्य
असलम शेर खान (भोपाल)	1972 म्यूनिख, 1976 मॉन्ट्रियल	कांस्य, सातवां
सै. जलालउद्दीन रिजवी (भोपाल)	1984 लॉस एंजिल्स	पांचवा स्थान
समीर दाद (भोपाल)	2000 सिडनी	सातवां स्थान
शिवेंद्रसिंह चौधरी (ग्वालियर)	2012 लंदन	12वां स्थान

मध्य प्रदेश खेल प्राधिकरण (MPSA)

- मध्य प्रदेश राज्य क्रीडा परिषद् समाप्त, अब MPSA
- MPSA का गठन: 13 जून, 2011
- अध्यक्ष : खेलमंत्री
- मुख्यालय : भोपाल

क्रिकेट टीम

- 1998-99 में मध्यप्रदेश रणजी ट्राफी मे उपविजेता रही थी, जिसमें टीम के कप्तान चन्द्रकांत पंडित थे।
- **सीता साहू**- रीवा निवासी सीता शाहू ने स्पेशल एथेंस ओलंपिक 2011 मे 200 मीटर व 1600 मीटर मे दो कॉस्य पदक जीते थे।
- **पान सिंह तोमर**- एथलीट खिलाड़ी, पूर्व सैनिक एवं बागी, इनका जन्म मुरैना जिले के पोरसा के निकट भिडोसा नामक जगह पर हुआ था। इन्होने 1958 के एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था तथा ये 7 बार बाधा दौड़ (Steeplechase) के राष्ट्रीय चैम्पियन रह चुके है। बाद में यह चम्बल बीहड के बागी बन गये इनकी मृत्यु धार जिले में 1981 मे एक मुठभेड में हुई थी। वर्ष 2012 मे पान सिंह तोमर नामक फिल्म से ये चर्चा मे रहे इस फिल्म मे निर्देशक तिग्मांशु थुलिया थे तथा इसे संजय चौहान ने लिखा था। इसमें पान सिंह तोमर का किरदार निभाने वाले इरफान खांन थे। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मे बेस्ट एक्टर का अवार्ड मिला।

मध्य प्रदेश की प्रमुख खेल संस्थाएं

क्र.	संस्था का नाम	स्थान	स्थापना वर्ष
1.	खेलकूद एवं युवक कल्याण विभाग	भोपाल	1975
2.	पारसी क्रिकेट क्लब	इन्दौर	1890
3.	मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन	जबलपुर	1946
4.	मध्य प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन	जबलपुर	1957
5.	मध्य प्रदेश होलकर क्रिकेट एसोसिएशन	इन्दौर	1941
6.	महिला हॉकी एकेडमी	ग्वालियर	2006
7.	मध्य प्रदेश खेल संचालनालय	भोपाल	1975

प्रमुख स्टेडियम

ऐशबाग स्टेडियम (एस्ट्रोट्रफ सुविधा) - भोपाल
नेहरू स्टेडियम - इन्दौर
अभय खेल प्रशाल - इन्दौर
होल्कर (उषाराजे) स्टेडियम - इन्दौर
रूपसिंह स्टेडियम (दूधिया रोशनी सुविधा) - ग्वालियर
तात्या टोपे स्टेडियम (जर्मनट्रैक सुविधा) - भोपाल
ठाकुर रमणपति सिंह स्टेडियम - रीवा

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

30. Fact-At Glance

अनुसंधान केन्द्र एवं प्रशिक्षण संस्थान

- मध्य प्रदेश नरोहन्ना प्रशासनिक अकादमी – भोपाल
- जनजाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान – भोपाल
- स्वान प्रशिक्षण केन्द्र – भदभदा – भोपाल
- नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी – भोपाल
- अटल बिहारी लोक प्रशासन संस्थान – भोपाल
- यातायात प्रशिक्षण संस्थान – भोपाल
- आपदा प्रबंधन संस्थान (देश का पहला) – भोपाल
- भारतीय वन प्रबन्धन संस्थान (I.I.F.M.) – भोपाल
- राष्ट्रीय विधि संस्थान – भोपाल
- स्टेट इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन मैनेजमेन्ट एण्ड ट्रेनिंग – भोपाल
- केन्द्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान – भोपाल
- राज्य शिक्षण संस्थान – भोपाल
- उप-पुलिस अधीक्षक (DSP) ट्रेनिंग हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान (प्रस्तावित) – भोपाल
- राज्य शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् – भोपाल
- सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड इण्डस्ट्रीयल स्टॉफ परफार्मेंस (क्रिप्स) – भोपाल
- आई.टी. इनेबेल्ट सर्विसेस प्रशिक्षण केन्द्र – भोपाल
- हाई सिक्योरिटी एनीमल लेबोरेटरी – भोपाल
- राष्ट्रीय तकनीकी प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान – भोपाल
- म.प्र. जल एवं भूमि प्रबंध संस्थान (वाल्मी) – भोपाल
- नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ डिजाइन – ग्वालियर
- इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेन्ट – ग्वालियर
- पटवारी प्रशिक्षण केन्द्र – ग्वालियर
- एडवोकेट्स कान्ट्रीन्यूइंग लीगल एजुकेशन इंस्टीट्यूट – ग्वालियर
- भारतीय पर्यटन एवं पर्यटन प्रबन्धन संस्थान – ग्वालियर
- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान – ग्वालियर
- म.प्र. भू-राजस्व एवं बंदोबस्त प्रशिक्षण संस्थान – ग्वालियर
- ऊष्ण कटिबंधीय वन संस्थान – जबलपुर
- बी.आर. अम्बेडकर दूर संचार प्रशिक्षण संस्थान – जबलपुर
- मध्य प्रदेश वन अनुसंधान संस्थान – जबलपुर
- महात्मा गाँधी राज्य ग्रामीण विकास संस्थान – जबलपुर
- रेडीमेड गारमेन्ट एवं फैशन डिजाइन क्लस्टर – जबलपुर
- नव आरक्षक/प्लाटून कमाण्डर प्रशिक्षण संस्थान – जबलपुर
- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान – जबलपुर
- राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान – जबलपुर
- अन्तर्राष्ट्रीय मक्का व गेहूँ अनुसंधान केन्द्र (प्रस्तावित) – खमरिया (जबलपुर)
- डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान– महू (इन्दौर)
- लेसर किरण ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र – इन्दौर
- पुलिस वायरलेस प्रशिक्षण महाविद्यालय – इन्दौर
- भारतीय प्रबन्धन संस्थान (I.I.M.) – इन्दौर
- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र – इन्दौर
- आर्म्स एण्ड प्रैक्टिस सेन्टर – इन्दौर
- वानिकी अनुसंधान – छिंदवाड़ा
- मानव विकास संस्थान – छिंदवाड़ा
- संजय गाँधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान – पंचमढ़ी
- कपास अनुसंधान केन्द्र – खरगौन
- वाहन कर्मचारी प्रशिक्षण संस्थान – रीवा
- अपराध अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान – सागर
- फोरेन्सिक साइन्स लेबोरेट्री – सागर
- थल सेना शैक्षिक प्रशिक्षण कॉलेज व केन्द्र – पचमढ़ी
- भू-उपग्रह दूरसंचार अन्वेषण केन्द्र – गुना
- अंगूर अनुसंधान केन्द्र – रतलाम
- म.प्र. धान अनुसंधान केन्द्र – बड़वानी
- म.प्र. गेहूँ अनुसंधान केन्द्र – पंवारखेड़ा
- तुलसी शोध संस्थान – चित्रकूट

प्रमुख संगठन/संस्थान के कार्यालय या मुख्यालय

- मध्य प्रदेश की राजधानी – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य सचिवालय – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य संचालनालय – भोपाल
- मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य अल्पसंख्यक आयोग – भोपाल
- इको पर्यटन विकास बोर्ड – भोपाल
- म.प्र. बीज तथा फार्म विकास निगम (1980) – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम (1961) – भोपाल
- मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम (1969) – भोपाल
- मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (1965) – भोपाल
- मध्य प्रदेश वस्त्रोद्योग मण्डल (1972) – भोपाल
- मध्य प्रदेश माइनिंग कार्पोरेशन – भोपाल
- मध्य प्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन – भोपाल
- मध्य प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड – भोपाल
- मध्य प्रदेश हैण्डलूम संचालनालय (1976) – भोपाल
- मध्य प्रदेश निर्यात निगम – भोपाल
- मध्य प्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम (1981) – भोपाल
- मध्य प्रदेश महिला वित्त एवं विकास बोर्ड – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य समाज कल्याण बोर्ड – भोपाल
- मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक – भोपाल
- वित्त एवं विकास निगम – भोपाल
- मध्य प्रदेश गौपालन एवं पशुपालन संवर्धन बोर्ड– भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य खनिज निगम – भोपाल
- मध्य प्रदेश चर्म विकास निगम – भोपाल
- साई (SAI) स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया का क्षेत्रीय कार्यालय – गौरागॉव,भोपाल
- मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड – भोपाल

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- मध्य प्रदेश राज्य योजना आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम – भोपाल
- ध्रुपद संगीत अकादमी – भोपाल
- प्रशासनिक अकादमी – भोपाल
- माटी कला बोर्ड – भोपाल
- मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिक परिषद् – भोपाल
- मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश उपभोक्ता आयोग – भोपाल
- मध्य प्रदेश सड़क परिवहन निगम – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम लिमिटेड – भोपाल
- उद्यमिता विकास केन्द्र – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम लिमिटेड – भोपाल
- मध्य प्रदेश श्रम कल्याण मण्डल – भोपाल
- मध्य प्रदेश मदरसा बोर्ड – भोपाल
- नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण – भोपाल
- मध्य प्रदेश राज्य भूमि विकास निगम – भोपाल
- व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापम) – भोपाल
- मध्य प्रदेश एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन – भोपाल
- रेलवे भर्ती बोर्ड – भोपाल
- मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग – इन्दौर
- मध्य प्रदेश वित्त निगम – इन्दौर
- मध्य प्रदेश वस्त्रोद्योग निगम (1970) – इन्दौर
- म.प्र. उच्च न्यायालय – जबलपुर
- मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ – इन्दौर, ग्वालियर
- मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण – जबलपुर
- मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल मुख्यालय – जबलपुर
- मध्य प्रदेश महालेखाकार कार्यालय – ग्वालियर
- मध्य प्रदेश बैडमिन्टन एसोसिएशन (1946) – जबलपुर
- जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी(1986) – सागर

म.प्र. में प्रथम व एकमात्र

- प्रथम मुख्यमंत्री – पंडित रविशंकर शुक्ल
- प्रथम राज्यपाल – डॉ. पट्टाभिसीतारमैया
- प्रथम न्यायाधीश – मो. हिदायतुल्ला
- प्रथम विधानसभा अध्यक्ष – कुंजीलाल दुबे
- प्रथम महिला राज्यपाल – सुश्री सरला ग्रेवाल
- प्रथम महिला मुख्यमंत्री – सुश्री उमा भारती
- प्रथम मुख्य सचिव – एच.एस.कामथ
- प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष – विष्णु विनायक सरवटे
- प्रथम विपक्ष का नेता – विष्णुनाथ तामस्कर
- प्रथम महिला न्यायाधीश – श्रीमती सरोजनी सक्सेना
- प्रथम गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री – कैलाश जोशी
- प्रथम पुलिस महानिदेशक – वी.पी. दुबे
- प्रथम पुलिस महानिरीक्षक – वी.जी.घाटे
- प्रथम महिला मुख्य सचिव – निर्मला बुच
- प्रथम महाविधवक्ता – श्री एम. अधिकारी
- प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष – शीतला सहाय
- प्रथम निर्वाचन आयुक्त – एन.वी.लोहानी
- प्रथम लोकायुक्त – पी.वी. दीक्षित
- प्रथम सूचना आयुक्त – टी.एन.श्रीवास्तव
- प्रथम राज्य योजना मण्डल के अध्यक्ष – प्रकाश चन्द्र सेठी
- प्रथम राज्य योजना मण्डल के उपाध्यक्ष – डॉ. दयाशंकर नाग
- प्रथम महिला I.P.S. – कु. आशा गोपाल
- प्रथम महिला I.A.S. – निर्मला बुच
- प्रथम लोकसेवा आयोग का अध्यक्ष – डी.बी.रेड्डी
- विधानसभा में प्रथम विपक्ष की महिला नेता – जमुनादेवी
- प्रथम आदिवासी महिला राज्यपाल – उर्मिलासिंह (हिमाचल प्रदेश)

मध्य प्रदेश में प्रथम व एकमात्र

- म.प्र. का सर्वप्रथम बजट वित्तमंत्री मिश्रीलाल गंगवाल ने 10 जनवरी,1957 को प्रस्तुत किया था।
- म.प्र. विधानसभा के सर्वप्रथम सत्र के समय विधानसभा के सचिव श्री खांडेराव केशवराव रांगोले थे।
- म.प्र. के गुना जिले में प्रदेश का पहला सेक्स वर्कर पुनर्वास केन्द्र स्थापित होगा।
- म.प्र. का पहला नर्सिंग पी.एच.डी. शोध केन्द्र इन्दौर में खुलेगा।
- म.प्र. में प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा भोपाल में स्थापितं।
- बालाघाट जनसम्पर्क कार्यालय प्रदेश का प्रथम पेपरलेस कार्यालय।
- प्रदेश में पहला अन्तर्राष्ट्रीय मक्का व गेहूँ अनुसंधान केन्द्र खमरिया (जबलपुर) में स्थापित होगा।
- म.प्र. का प्रथम विश्वविद्यालय डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय हैं।
- प्रदेश का पहला सैलरिच जैविक खाद संयंत्र भोपाल में हैं।
- म.प्र. का प्रथम विशेष आर्थिक क्षेत्र इंदौर में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. का छतरपुर प्रदेश का पहला शिल्प ग्राम हैं।
- म.प्र. का एकमात्र जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान मण्डला में हैं।
- म.प्र. का एकमात्र निर्यात उर्वरक औद्योगिक पार्क देवास में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. की पहली खुली जेल "नवजीवन शिविर" के नाम से गुना (वर्तमान अशोकनगर) के मुंगावली में खोली गई।
- ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रदेश का पहला राज्य संग्रहालय भोपाल में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. में एकमात्र कुंभ (सिंहस्थ) का मेला उज्जैन में आयोजित होता हैं। (प्रति 12 वर्ष में)
- म.प्र. का प्रथम बायोस्फीयर रिजर्व पचमढ़ी में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. का खण्डवा जिला राज्य का एकमात्र गांजा उत्पादक जिला हैं।
- म.प्र. में सर्वप्रथम राष्ट्रीय उद्यान (1955) एवं टाइगर प्रोजेक्ट (1974) कान्हा किसली हैं।
- प्रदेश की प्रथम 'झींगा हेचरी' बालाघाट जिले में स्थापित की गई हैं।
- प्रदेश का पहला आकाशवाणी केन्द्र इंदौर में स्थापित हुआ।
- राज्य का पहला समाचार-पत्र ग्वालियर अखबार था।
- मध्य प्रदेश का हिन्दी में प्रकाशित होने वाला प्रथम समाचार-पत्र मालवा अखबार था।
- राज्य का एकमात्र यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय बुरहानपुर में हैं।
- प्रदेश का एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सालय इंदौर में हैं।
- म.प्र. का राजकीय पशु बारहसिंगा एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान कान्हा में पाया जाता हैं।
- म.प्र. में पहली स्थायी लोक अदालत की स्थापना इंदौर में की गई थी।
- म.प्र. में एकमात्र हॉकी छात्रावास नरसिंहपुर में हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- म.प्र. के खरगोन जिले में प्रदेश का प्रथम शाक-सब्जी प्रक्रिया केन्द्र स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. का एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में हैं।
- प्रदेश की एकमात्र बैंक नोट प्रेस देवास में हैं।
- प्रदेश की ऋतु संबंधी आंकड़े बताने वाली एकमात्र वैद्यशाला इंदौर में स्थित हैं।
- म.प्र. का एकमात्र रेप्टाइल पार्क पन्ना में हैं।
- म.प्र. का एकमात्र घड़ी बनाने का कारखाना बैतूल में हैं।
- म.प्र. का पहला आई.टी. पार्क भोपाल में स्थापित हैं।
- म.प्र. के इंदौर नगर में प्रदेश का पहला भूमिगत उपग्रह केन्द्र स्थापित किया जा चुका हैं।
- म.प्र. का प्रथम पर्यटक नगर शिवपुरी हैं।
- म.प्र. का झाबुआ जिला एकमात्र एस्बेस्टस उत्पादक जिला हैं।
- प्रदेश का पहला जेण्डर आधारित बजट सन् 2007-08 में प्रस्तुत किया गया।
- 26 जनवरी 2006 को मध्य प्रदेश का प्रथम डी.एन.ए. प्रयोगशाला सागर में स्थापित की गई हैं।
- म.प्र. का पहला सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) वि.वि. ग्वालियर में स्थापित।
- प्रदेश की राजधानी भोपाल में राज्य का पहले संजीवनी आयुर्वेद विक्रय केन्द्र स्थापित।
- प्रदेश का एकमात्र जडी-बूटी बैंक पर्यटक नगरी पचमढ़ी के पास पानी क्षेत्र में स्थापित।
- म.प्र. के जबलपुर में प्रदेश का पहला बेलोड्रम स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. के देवास जिले में प्रदेश के पहले मोबाइल थाने की शुरूआत वर्ष 2003 में की गई।
- मध्य प्रदेश का पहला सर्प उद्यान भोपाल में स्थापित किया जा रहा हैं।
- म.प्र. का प्रथम आदिवासी खेल विद्यालय सीहोर में स्थापित।
- प्रदेश का एकमात्र अफीम उत्पादक जिला-मंदसौर।
- रीवा प्रदेश का एकमात्र जिला हैं, जहॉ सफेद शेर पाये जाते हैं।
- घातक पशु बीमारियों के लिए वैक्सीन बनाने वाली प्रदेश की एकमात्र बायोनिजिकल लेब महू में हैं।
- प्रदेश का पहला 'पवन ऊर्जा फार्म' धार जिले के खेड़ागांव की पहाडियों पर स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. की एकमात्र महिला जेल होशंगाबाद में हैं।
- प्रदेश का एकमात्र किशोर बंदीगृह नरसिंहपुर में हैं।
- प्रदेश का एकमात्र सैनिक अड्डा महाराजपुर (मुरार) ग्वालियर में हैं।
- म.प्र. का प्रथम परमाणु बिजलीघर चुटका गांव (मण्डला) में प्रस्तावित हैं।
- म.प्र. का एकमात्र उद्यानिकी महाविद्यालय मदसौर में हैं।
- म.प्र. की प्रथम औद्योगिक प्रयोगशाला की स्थापना इंदौर में की गई हैं।
- प्रदेश का प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय 1946 में ग्वालियर में स्थापित।
- म.प्र. का एकमात्र सैनिक स्कूल रीवा में हैं।
- प्रदेश का प्रथम महिला थाना भोपाल में स्थापित किया गया।
- प्रदेश का एकमात्र कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर में हैं।
- प्रदेश का एकमात्र गैस आधारित विद्युत गृह भाण्डेर (दतिया) में हैं।
- प्रदेश का एकमात्र रेलवे इंजन बनाने का कारखाना भोपाल में हैं।
- प्रदेश की एकमात्र खेल पत्रिका खेल हलचल के नाम से इंदौर से प्रकाशित होती हैं।
- म.प्र. के रतलाम में प्रदेश का पहला अंगूर अनुसंधान केन्द्र बनाया जायेगा।
- प्रदेश का पहला ड्राइविंग स्कूल इंदौर में बनेगा।
- प्रदेश का पहला विमान रिपेयरिंग सेंटर इंदौर मे स्थापित किया जायेगा।
- म.प्र. में प्रथम चलित ए.टी.एम. सेवा इंदौर में प्रारंभ की गई हैं।
- प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग का पहला गर्ल्स फिजीकल ट्रेनिंग कॉलेज शिवपुरी में खुलेगा।

मध्य प्रदेश का देश में प्रथम तथा एकमात्र

- केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी योजना धन का पूरा उपयोग करने वाला पहला राज्य।
- किसानों को समर्थन मूल्य पर बोनस देने वाला एकमात्र राज्य।
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में प्रथम।
- देश का पहला राज्य जिसने पर्यटन में वायु टैक्सी सेवा चालू की।
- दुनिया की पहली भीली भाषा की फिल्म 'फैसला' की सम्पूर्ण शूटिंग मध्य प्रदेश के झाबुआ जिले में की गई।
- वन विहार राष्ट्रीय उद्यान (भोपाल) ISO 9001 : 2008 अवार्ड पाने वाला देश का पहला राष्ट्रीय उद्यान हैं।
- मध्य प्रदेश राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के कार्य को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडी) के आधार से जोड़ने वाला देश का पहला राज्य हैं।
- सौर ऊर्जा से संचालित देश का पहला इकोफ्रेंडली टेलीफोन एक्सचेंज 4 जनवरी 2012 से भोपाल में शुरू हुआ।
- किसानों के बैंक खातों में अनुदान बोनस तथा अन्य राहत राशि सीधे जमा कराने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य हैं।
- कृषि आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करने वाला म.प्र. देश का पहला राज्य हैं।
- म.प्र. का बालाघाट जिला देश का ऐसा पहला जिला हैं, जहॉ सिर्फ बेटियों वाले माता-पिता को घरेलू कामकाज में लाइन में लगने की आवश्यकता नहीं हैं।
- कान्हा टाईगर रिजर्व देश का पहला पर्यटन स्थल हैं, जहां 13 बैगा महिलाऐं गाइड का प्रशिक्षण लेने के बाद सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं।
- जबलपुर जिले की परियट नदी के तट पर ग्राम पिपरिया परियट में निजी क्षेत्र द्वारा राज्य शासन के मार्गदर्शन में देश के पहले बायोगैस बिजली संयंत्र की स्थापना की गई हैं।
- देश का पहला बौद्ध विश्वविद्यालय म.प्र. के सांची (रायसेन) में स्थापित किया जायेगा।
- म.प्र. देश का पहला राज्य हैं जिसने लोकसेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम पारित कर लागू किया।
- देश का पहला सोलर पार्क म.प्र. के राजगढ़ जिले में स्थापित होगा।
- अधिवक्ताओं को सतत शिक्षण एवं प्रशिक्षण देने वाला देश का प्रथम एडवोकेट्स कान्टीन्यूइंग लीगल एज्युकेशन इंस्टीट्यूट म.प्र. के ग्वालियर शहर में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. (राज्य स्तर पर) मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करने वाला देश का प्रथम राज्य हैं।
- 73 वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज लागू करने वाला देश का पहला राज्य हैं।
- ग्राम न्यायालय स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य।
- वनों का पूर्ण राष्ट्रीयकरण करने वाला देश का प्रथम राज्य।
- देश का पहला मोबाइल बैंक स्थापित करने वाला प्रथम राज्य हैं।
- देश में जिला सरकार स्थापित करने वाला पहला राज्य हैं।
- म.प्र. महिला नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य हैं।
- देश का प्रथम मेडिकोलीगल संस्थान - भोपाल।
- देश का एकमात्र मानव संग्रहालय भोपाल में हैं।
- देश का प्रथम आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल में हैं।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- भारत का प्रथम ऑप्टिकल फाइबर कारखाना मण्डीद्वीप (रायसेन) में स्थापित किया गया हैं।
- मध्य प्रदेश गेरू उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर हैं।
- देश का सर्वाधिक सोयाबीन मध्य प्रदेश में उत्पादित होता हैं।
- मध्य प्रदेश देश में सबसे बड़ा तेंदूपत्ता व बीड़ी निर्माता राज्य हैं।
- देश का एशिया का पहला शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थापित है।
- देश ही नहीं एशिया का भी प्रथम लेसर अनुसधान केन्द्र मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थापित हैं।
- मध्य प्रदेश हिन्दी भाषा में गजेटियर प्रकाशित करने वाला देश का प्रथम राज्य हैं।
- मानवाधिकार आयोग गठित करने वाला मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य हैं।
- जिला स्तरीय मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने वाला देश का पहला राज्य हैं।
- देश का एकमात्र आदिवासी शोध संचार केन्द्र मध्य प्रदेश के झाबुआ में स्थापित हैं।
- मध्य प्रदेश के जबलपुर में देश का पहला विकलांग पुनर्वास केन्द्र स्थापित किया गया हैं।
- देश का पहला 'रत्न परिष्कृत केन्द्र' जबलपुर में स्थापित किया गया हैं।
- देश ही नहीं एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन संयंत्र उज्जैन में स्थापित हैं।
- देश का पहला सोयाबीन वायदा बाजार-इन्दौर।
- देश में सर्वाधिक पवन चक्कियाँ मध्य प्रदेश में हैं।
- विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल में हैं।
- मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य हैं।
- मध्य प्रदेश में देश के सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान व अभ्यारण हैं।
- प्रदेश में देश की सर्वाधिक नदियां प्रवाहित होती हैं।
- देश की एकमात्र चाय अकादमी भोपाल में हैं।
- देश का पहला पुरातत्व पार्क मध्य प्रदेश के दमोह जिले के संग्रामपुर में बनाया जा रहा हैं।
- ग्राम सभा की शुरूआत करने वाला देश का पहला राज्य मध्य प्रदेश हैं।
- देश का प्रथम सौर चलित टेलीफोन एक्सचेन्ज प्रदेश के शिवपुरी जिले के अयोलपाटा में स्थापित किया गया हैं।
- म.प्र. में देश का पहला कार्गो हवाई अड्डा स्थापित किया जा रहा हैं।
- मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देश का पहला सिंकोट्रोन विकिरण स्त्रोत इंडस-1 प्रारंभ किया गया हैं।
- मध्य प्रदेश का लाख उत्पादन में देश में प्रथम स्थान हैं।
- प्रथम विकलांग पुनर्वास केन्द्र-जबलपुर।
- भारत की सबसे बड़ी मस्जिद (बैठक क्षमता में)-ताजुल मस्जिद (भोपाल)।
- मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देश का पहला नेशनल सैलिंग स्कूल प्रारंभ किया गया हैं।
- देवास पुलिस अधीक्षक कार्यालय देश का पहला ऐसा S.P. कार्यालय हैं, जिसे I.S.O. प्रमाण-पत्र दिया गया हैं।
- मध्य प्रदेश देश का ऐसा पहला राज्य हैं, जिसने नगरीय निकायों में महिलाओं को 50% आरक्षण प्रदान किया।
- मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का कसई गांव गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत बायोमास संयंत्र द्वारा उत्पादित बिजली से प्रकाशित होने वाला देश का पहला गांव हैं।
- भारत का पहली रामायण कला संग्रहालय मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थापित किया गया हैं। साथ ही ओरछा में देश का पहला 'रामायण म्यूजियम' भी स्थापित हैं।
- सरकारी खरीद में आरक्षण लागू करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य हैं।
- मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थापित विद्युत मण्डल देश का पहला विद्युत मण्डल हैं।
- भोपाल एक्सप्रेस (भोपाल से दिल्ली) देश का पहली ट्रेन हैं जिसे 2003 में I.S.O.9001 प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया हैं।
- BHEL द्वारा भोपाल में संचालित "जवाहरलाल नेहरू स्कूल" I.S.O.9001-2000 प्रमाण-पत्र पाने वाला देश का पहला स्कूल हैं।
- मध्य प्रदेश, देश का पहला राज्य हैं जिसने बेरोजगारी भत्ता देने की व्यवस्था की हैं।
- मध्य प्रदेश में वर्ष 2006 में देश की पहली साइबर ट्रेजरी का प्रारंभ हुआ।
- अनुसूचित जनजाति का जनसंख्या की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में प्रथम स्थान हैं।
- वर्ष 1995 में देश का पहला राष्ट्रीय 'युवा महोत्सव' प्रदेश की राजधानी भोपाल में मनाया गया।
- मध्य प्रदेश पुरूष नसबंदी के मामले में देश में पहले स्थान पर हैं।
- मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य हैं जिसने प्रत्येक जिले में उद्योग केन्द्र स्थापित किये हैं।
- प्रदेश के जबलपुर जिले ने देश का पहला ऐसा जिला बनने का गौरव हासिल किया हैं, जहां 'महत्वाकांक्षा समाधान' एक दिन योजना लागू की गई।
- मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य हैं, जिसने सभी गांवो को ग्राम संपर्क नामक वेबसाइट से जोडने में सफलता प्राप्त की हैं।
- भारत में सती-प्रथा के प्रथम साक्ष्य मध्य प्रदेश के सागर जिले के एरण अभिलेख से प्राप्त हुए हैं।
- देश का पहला शिव संग्रहालय राजधानी भोपाल के निकट स्थित भोजपुर में प्रस्तावित हैं।
- देश का पहला सामान्य वर्ग निर्धन कल्याण आयोग मध्य प्रदेश में 2008 में गठित किया गया हैं।
- देश का प्रथम आदिवासी विश्वविद्यालय-अमरकंटक।
- देश की एक मात्र हाई सेंसिटीव एनिमल डिसिज टेस्टिग लेबोरेटरी-भोपाल।

मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा/छोटा/ऊँचा/नीचा/अधिक/कम

- एशिया का सबसे बड़ा पनीर निर्माण संयंत्र म.प्र. के खजुराहो में स्थापित किया गया हैं।
- मध्य प्रदेश का सबसे ऊँचा स्थान धूपगढ़ पहाड़ी (पचमढ़ी) हैं।
- मध्य प्रदेश का सबसे नीचा स्थान नर्मदा सोन घाटी हैं।
- सबसे लंबी नदी नर्मदा (1312) हैं।
- प्रदेश का सबसे लंबा पुल तवा नदी पुल हैं।
- प्रदेश से गुजरने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-3 हैं।
- प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-76 हैं।
- प्रदेश का सबसे गर्म स्थान गंजबासौदा हैं।
- प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शिवपुरी हैं।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थल पचमढ़ी हैं।
- सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र भिण्ड हैं।
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान कान्हा-किसली हैं।
- सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान फासिल (मण्डला) हैं।
- प्रदेश की सबसे बड़ी मस्जिद ताजुल मस्जिद भोपाल में हैं।
- सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन इटारसी जंक्शन हैं।
- प्रदेश की सबसे बडी गणपति प्रतिमा इंदौर में हैं, जो बड़ा गणपति के नाम से प्रसिद्व हैं।

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- सबसे मोटी कोयला परत सिंगरौली में हैं।
- सबसे बडा भौतिक विभाग मालवा का पठार हैं।
- सबसे बडा कोयला भण्डार सोहागपुर क्षेत्र में हैं।
- प्रदेश का सबसे बडा शिवलिंग भोजपुर मंदिर का हैं।
- प्रदेश का मालवा क्षेत्र सर्वाधिक गेहूं उत्पादक क्षेत्र हैं।
- सर्वाधिक प्रसार वाला समाचार-पत्र दैनिक भास्कर हैं।
- मध्य प्रदेश का सर्वाधिक कुपोषित जिला श्योपुर हैं।
- मध्य प्रदेश का सबसे कम कुपोषित जिला भोपाल हैं।
- प्रदेश का सर्वाधिक सघन आबादी वाला जिला भोपाल हैं (854 प्रति वर्ग कि.मी.)
- सबसे अधिक विरल आबादी वाला जिला डिण्डोरी हैं। (94 प्रति वर्ग कि.मी.)
- सर्वाधिक सघन आबादी वाला संभाग इंदौर हैं।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बडा जिला छिंदवाडा हैं।
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला दतिया हैं।
- क्षेत्रफल में सबसे बडा संभाग जबलपुर हैं।
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा संभाग होशंगाबाद हैं।
- प्रदेश के पन्ना जिले की अजयगढ तहसील सबसे छोटी तहसील (क्षेत्रफल में) हैं।
- सर्वाधिक जनसंख्या वृद्वि करने वाला जिला इंदौर हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा जिला इंदौर हैं।
- सबसे कम जनसंख्या वृद्वि करने वाला जिला अनूपपुर हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से प्रदेश का सबसे छोटा जिला हरदा हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बडी तहसील इंदौर हैं।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटी तहसील रौन हैं।
- सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला इंदौर हैं। (जनगणना 2011)
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला जिला रीवा हैं। (जनगणना 2011)
- प्रदेश का सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला बालाघाट हैं। (1000:1021)
- सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला भिण्ड हैं। (1000:838)
- चंबल संभाग प्रदेश का सबसे कम लिंगानुपात वाला संभाग हैं।
- प्रदेश का सबसे बड़ा नगर इंदौर हैं।
- सबसे बडा वनवृत्त खण्डवा हैं।
- सबसे छोटा वनवृत्त शाजापुर हैं।
- सर्वाधिक वन वृक्ष सागौन हैं।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक पाया जाने वाला वन्य पशु चीतल हैं।
- सबसे कम सिंचाई वाला जिला डिण्डोरी हैं।
- सबसे बड़ी जनजाति भील हैं।
- सर्वाधिक सिनेमा घर वाला शहर इन्दौर हैं।

मध्य प्रदेश के नगर व राजधानी नाम

नगर	राजधानी का नाम
भोपाल	मध्य प्रदेश की राजधानी
इंदौर	व्यावसायिक राजधानी
इंदौर	खेल राजधानी
सिंगरौली	ऊर्जा राजधानी
जबलपुर	सांस्कृतिक राजधानी
पचमढ़ी	पर्यटन राजधानी
बालाघाट	मैंग्नीज राजधानी
मेहर	संगीत राजधानी
पचमढ़ी	ग्रीष्मकालीन राजधानी

म.प्र. सरकार द्वारा घोषित विभिन्न दिवस एवं वर्ष

- राज्य स्थापना दिवस – 1 नवम्बर
- नगरीय निकाय दिवस – 2 नवम्बर
- बेटी बचाओ दिवस – 5 अक्टूबर
- महुआ वर्ष – 2011
- ट्राफिक वर्ष – 2011
- लोकसेवा दिवस – 25 सितम्बर
- महिला सशक्तिकरण दिवस – 18 जून
- जनसंख्या नियंत्रण दिवस – 11 मई
- महुआ दिवस के रूप में – 11 जुलाई (2011)

मध्य प्रदेश के प्रमुख शासकीय कार्यालय (भवनों) के नाम

भवन का नाम	कार्यालय/निवास स्थान
मिण्टो हाल	राज्य का पुराना विधानसभा भवन
इंदिरा गांधी विधान सभा भवन	राज्य का नवीन विधान सभा भवन
वल्लभ भवन	राज्य सचिवालय
सतपुड़ा भवन	राज्य संचालनालय
शक्ति भवन	राज्य विद्युत मण्डल
ऊर्जा भवन	मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग
पर्यावास भवन	राज्य मानवाधिकार आयोग
पुस्तक भवन	मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम
निर्वाचन भवन	राज्य निर्वाचन भवन
श्यामला हिल्स	मुख्यमंत्री का निवास स्थान

मध्य प्रदेश के प्रसिद्व नगर व स्थलों के उपनाम

क्र.	स्थान	उपनाम
1.	जबलपुर	संगमरमर नगरी
2.	भेड़ाघाट	संगमरमर की चट्टानें
3.	भिण्ड-मुरैना	बागियों का गढ़
4.	उज्जैन	मंदिरों, मूर्तियों का नगर
5.	उज्जैन	महाकाल की नगरी
6.	खजुराहो	शिल्पकला का तीर्थ
7.	भीम बेटका	शैल चित्रकला
8.	सांची	बौद्व जगत की पवित्र नगरी
9.	इंदौर	मिनी मुम्बई
10.	सिवनी	म.प्र. का लखनऊ
11.	बालाघाट	मैंगनीज नगरी
12.	कटनी	चूना नगरी
13.	माण्डू	आनंद नगरी (सिटी ऑफ ज्वॉय)
14.	मालवा	गेहूं का भण्डार
15.	ग्वालियर	तानसेन की नगरी
16.	मैहर	संगीत नगरी
17.	भोपाल	झीलों की नगरी
18.	पचमढ़ी	पर्यटकों का स्वर्ग
19.	पीथमपुर	भारत का डेट्राइट
20.	उज्जैन	मंगल ग्रह की जन्मभूमि
21.	उज्जैन	पवित्र नगरी
22.	इंदौर	अहिल्या नगरी
23.	ग्वालियर	पूर्व का जिब्राल्टर
24.	बुरहानपुर	गंजेडियों का स्वर्ग
25.	खण्डवा-खरगौन	सुनहरे जिले
26.	मध्य प्रदेश की गंगा	बेतवा
27.	मालवा की गंगा	क्षिप्रा
28.	सफेद शेर की भूमि	रीवा
29.	इंदौर	कपड़ो का शहर
30.	माण्डू	महलों की नगरी
31.	धार	भोज नगरी
32.	शिवपुरी	पर्यटन नगरी
33.	ग्वालियर	किलों का रत्न

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मध्य प्रदेश के नगरों/स्थलों की प्रसिद्धि के कारण

क्र.	नगरी/स्थान का नाम	प्रसिद्धी पाने का कारण
1.	भोपाल	राजधानी क्षेत्र व झीलें
2.	इंदौर	उद्योग नगरी/मिनी मुम्बई
3.	खजुराहो	कलात्मक मंदिरों के कारण
4.	पचमढ़ी	एकमात्र हिल स्टेशन
5.	मलाजखण्ड	तांबे की खदानें
6.	पन्ना	हीरे की खदानें
7.	सांची	बौद्ध स्तूपों के कारण
8.	मंदसौर	अफीम उत्पादन के कारण
9.	इटारसी	रेलवे जंक्शन
10.	नेपानगर	कागज मिल
11.	भीम बेटका	प्राचीन शैलचित्र
12.	रीवा	सफेद शेरों के कारण
13.	सिंगरौली	सबसे मोटी कोयला खदान
14.	भेड़ाघाट	संगमरमर की चट्टानें
15.	अमलाई	पेपर मिल
16.	खण्डवा	सिंगाजी का मेला
17.	उज्जैन	कुंभ का मेला व महाकाल का मंदिर
18.	ओंकारेश्वर	ज्योतिर्लिंग
19.	देवास	बैंक नोट प्रेस/चामुण्डा माता मंदिर
20.	धार	बाघ की गुफाएँ
21.	बावनगजा	आदिनाथ की विशाल मूर्ति
22.	चंदेरी	किला व साडियॉ
23.	माण्डू	खूबसूरत महलों के कारण
24.	महेश्वर	साडियों की बनावट के लिए
25.	ग्वालियर	किले मंदिर

मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के उपनाम/उपाधियॉ

व्यक्ति	उपनाम/उपाधियॉ
➢ तानसेन	संगीत सम्राट
➢ कालिदास	भारत का शेक्सपियर
➢ रानी लक्ष्मीबाई	मनु
➢ चन्द्रशेखर आजाद	शहीद
➢ लता मंगेशकर	स्वर साम्राज्ञी
➢ पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र	आधुनिक चाणक्य
➢ माखनलाल चतुर्वेदी	एक भारतीय आत्मा
➢ रानी अवन्तीबाई	रामगढ़ की झॉसी की रानी
➢ कुजीलाल दुबे	मध्य प्रदेश के विधि पुरूष
➢ विजयाराजे सिंधिया	राजमाता
➢ अहिल्या बाई होल्कर	लोकमात/देवी
➢ कुशाभाऊ ठाकरे	भाजपा के पितृ पुरूष
➢ अशोक कुमार	दादा मुनि
➢ राजेन्द्र जैन	भगवान रजनीश/ओशो
➢ दिग्विजय सिंह	दिग्गी राजा
➢ बाबूलाल गौर	बुलडोजर
➢ सैयद मुश्ताक अली	कैप्टन
➢ सुमित्रा महाजन	ताई
➢ अलाउद्दीन खॉ	सरोद सम्राट
➢ शंकर लक्ष्मण	गोली
➢ आचार्य केशवदास	कठिन काव्य का प्रेत
➢ संत सिंगाजी	मालवा का कबीर
➢ स्व. लक्ष्मण सिंह गौड	दादा

म.प्र. के नगरों के प्राचीन नाम व उनके वर्तमान नाम

प्राचीन या पुराने नाम	नवीन या वर्तमान नाम
➢ महू (इंदौर)	डॉ. भीमराव अम्बेडकर नगर
➢ भाबरा (झाबुआ)	चन्द्रशेखर आजाद नगर
➢ भूपाल, भोजताल	भोपाल
➢ काकनाद	सांची
➢ शदियाबाद	माण्डू
➢ विशपपुरी	सोहागपुर
➢ कपिथ्य	कायथा
➢ मल्हार नगरी	इन्दौर
➢ इंदूर	इन्दौर
➢ धारानगरी	धार
➢ उज्जयिनी	उज्जैन
➢ अवन्तिका	उज्जैन
➢ दशपुर	मंदसौर
➢ भेलसा/बेसनगर	विदिशा
➢ गोपांचल	ग्वालियर
➢ त्रिपुरी	तेवर (जबलपुर)
➢ श्रीपुरी	सिरपुर
➢ दिलीपनगर	दतिया
➢ माहिष्मति	महेश्वर
➢ नलपुर	नरवर
➢ रेवा/भथा	रीवा
➢ गढ़ मण्डला	मण्डला
➢ खान देश	बुरहानपुर
➢ माण्डवगढ़	माण्डू
➢ पांचालगढ़	पचमढ़ी
➢ गोण्डवाना	मण्डला
➢ खजूरवाहक	खजुराहो
➢ जैजाक भुक्ति	खजुराहो
➢ इन्द्रपुर	इंदौर
➢ एरिकिण	एरण
➢ वत्स	ग्वालियर (बुंदेलखण्ड क्षेत्र)
➢ अनूप	निमाड़ (खण्डवा क्षेत्र)
➢ तुड़ीकर	दमोह क्षेत्र
➢ शाहजहॉपुर	शाजापुर
➢ निजामत-ए-मशरीक	सीहोर
➢ मुडवारा	कटनी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

31. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम

अध्याय 1
प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम मानव अधिकार संरक्षण अधिनयम, 1993 है।
2. इसका विस्तार संपूर्ण भारत में है परन्तु यह जम्मू-कश्मीर राज्य में केवल वहां तक लागू होगा जहां तक इसका संबंध उस राज्य को यथा लागू संविधान की सातवीं अनूसूची की सूची 1 या सूची 3 में प्रगणित प्रविष्टियों में से किसी से संबंधित विषयों से है।
3. यह 28 सितम्बर, 1993 को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

2. परिभाषा

1. इस अधिनियम में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो-
   (क) 'सशस्त्र बल' से नौसेना, सेना और वायु सेना अभिप्रेत है और इसके अंतर्गत संघ का कोई सैन्य सशस्त्र बल है।
   (ख) 'अध्यक्ष' से, यथास्थिति, आयोग का या राज्य आयोग का अध्यक्ष अभिप्रेत है।
   (ग) 'आयोग' से धारा 3 के अधीन गठित राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग अभिप्रेत है।
   (घ) 'मानव अधिकार' से प्राण, स्वतंत्रता, समानता और व्यक्ति की गरिमा से संबंधित ऐसे अधिकार अभिप्रेत है। जो संविधान द्वारा प्रत्याभूत किए गए हैं या अंतरराष्ट्रीय प्रसंविदाओं में सन्निविष्ट और भारत में न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय है।
   (ङ) 'मानव अधिकार न्यायालय' से धारा 30 के अधीन विनिर्दिष्ट मानव अधिकार न्यायालय अभिप्रेत है।
   (च) 'अंतरराष्ट्रीय प्रसंविदा' से संयुक्त राष्ट्र की महासभा द्वारा 16 दिसंबर, 1966 अंगीकार की गई सिविल और राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय प्रसंविदा और आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय प्रसंविदा तथा संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा द्वारा अंगीकार की गई ऐसी अन्य प्रसंविदा या अभिसमय, जो केन्द्रीय सरकार अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करें, अभिप्रेत है।
   (छ) 'सदस्य' से, यथास्थिति, आयोग का या राज्य आयोग का सदस्य अभिप्रेत है।
   (ज) 'राष्ट्रीय अल्पंसख्यक आयोग' से राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 की धारा 3 के अधीन गठित राष्ट्रीय 1992 का 19 अल्पसंख्यक आयोग अभिप्रेत है।
   (झ) 'राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग' से संविधान में निर्दिष्ट राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग अभिप्रेत है।
   (क) 'राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग' से संविधान के अनुच्छेद 338क में निर्दिष्ट राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति 2006 का 43 आयोग अभिप्रेत है।
   (ञ) 'राष्ट्रीय महिला आयोग' से राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के अधीन गठित राष्ट्रीय महिला आयोग अभिप्रेत है।
   (ट) 'अधिसूचना' से राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अभिप्रेत है,
   (ठ) 'विहित' से इस अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित अभिप्रेत है।
   (ड) 'लोक सेवक' का वही अर्थ है जो भारतीय दंड संहिता की 1860 का 45 धारा 21 में है।
   (ढ) 'राज्य आयोग' से धारा 21 के अधीन गठित राज्य मानव अधिकार आयोग अभिप्रेत है।
2. इस अधिनियम में किसी ऐसी विधि के, जो जम्मू-कश्मीर राज्य में प्रवृत्त नही है, प्रति किसी निर्देश का उस राज्य के संबंध में, यह अर्थ लगाया जाएगा कि वह उस राज्य में प्रवृत्त किसी स्थानीय विधि के, यदि कोई हो, प्रति निर्देश है।

अध्याय 2
राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग

3. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन

1. केन्द्रीय सरकार, एक निकाय का, जो राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के नाम से ज्ञात होगा, इस अधिनियम के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने और उसे सौंपे गए कृत्यों का पालन करने के लिए, गठन करेगी।
2. आयोग निम्नलिखित से मिलकर बनेगा, अर्थात् :-
   (क) एक अध्यक्ष, जो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति रहा है।
   (ख) एक सदस्य, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश है या रहा है।
   (ग) एक सदस्य, जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति है या रहा है।
   (घ) दो सदस्य, जो ऐसे व्यक्तियों में से नियुक्त किए जाएंगे जिन्हें मानव अधिकारों से संबंधित विषयों का ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।
3. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग, [राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग] और राष्ट्रीय महिला आयोग के अध्यक्ष धारा 12 के खंड (ख) से खंड (ञ) में विनिर्दिष्ट कृत्यों के निर्वहन के लिए आयोग के सदस्य समझे जाएगे।
4. एक महासचिव होगा, जो आयोग का मुख्य कार्यपालक अधिकारी होगा और वह आयोग की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का निर्वहन करेगा जो (न्यायिक कृत्यों और धारा 40ख के अधीन विनियम बनाने की शक्ति के सिवाय) जो, यथास्थिति, आयोग या अध्यक्ष उसे प्रत्यायोजित करे।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

5. आयोग का मुख्यालय दिल्ली में होगा और आयोग, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, भारत में अन्य स्थानों पर कार्यालय स्थापित कर सकेगा।

4. अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति

1. राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा अध्यक्ष और अन्य सदस्यों को नियुक्त करेगा। परन्तु इस उपधारा के अधीन प्रत्येक नियुक्ति ऐसी समिति की सिफारिशें प्राप्त होने के पश्चात् की जाएगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात्:-
   (क) प्रधानमंत्री - अध्यक्ष
   (ख) लोकसभा का अध्यक्ष - सदस्य
   (ग) भारत सरकार के गृह मंत्रालय का मंत्री-सदस्य
   (घ) लोक सभा मे विपक्ष का नेता - सदस्य
   (ङ) राज्य सभा में विपक्ष का नेता - सदस्य
   (च) राज्य सभा का उप सभापति-सदस्य
   परन्तु यह और कि उच्चतम न्यायालय का कोई आसीन न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय का कोई आसीन मुख्य न्यायमूर्ति भारत के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् ही नियुक्त किया जाएगा, अन्यथा नही।
2. अध्यक्ष या किसी सदस्य की कोई नियुक्ति केवल इस कारण अविधिमान्य नही होगी कि [उपधारा (1) के पहले परन्तुक में निर्दिष्ट समिति मे किसी सदस्य की कोई रिक्ति है]।

5. अध्यक्ष और सदस्यों का त्यागपत्र और हटाया जाना

1. अध्यक्ष या कोई सदस्य, राष्ट्रपति को संबंधित अपने हस्ताक्षर सहित लिखित सूचना द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।
2. उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए अध्यक्ष या किसी सदस्य को केवल साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर किए गए राष्ट्रपति के ऐसे आदेश से उसके पद से हटाया जाएगा, जो उच्चतम न्यायालय को राष्ट्रपति द्वारा निर्देश किए जाने पर, उच्चतम न्यायालय द्वारा इस निमित विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई जांच पर यह रिपोर्ट किए जाने के पश्चात् किया गया है. कि,यथास्थिति, अध्यक्ष या ऐसे सदस्य को ऐसे किसी आधार पर हटा दिया जाए।
3. उपधारा (2) में किसी बात के होते हुए भी, यदि यथास्थिति, अध्यक्ष या कोई सदस्य-
   (क) दिवालिया न्यायनिर्णीत किया जाता है, या
   (ख) अपनी पदावधि में अपने पद के कर्तव्यों के बाहर किसी सवेतन नियोजन में लगता है, या
   (ग) मानसिक या शारीरिक शैथिल्य के कारण अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है, या
   (घ) विकृतचित्त का है और सक्षम न्यायालय की ऐसी घोषणा विद्यमान है, या
   (ङ) किसी ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया जाता है और कारावास से दण्डादिष्ट किया जाता है जिसमें, राष्ट्रपति की राय में नैतिक अधमता अंतर्वलित है।

6. अध्यक्ष और सदस्यों की पदावधि

1. अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक या सत्तर वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अपना पद धारण करेगा।
2. सदस्य के रूप मे नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति, अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक अपना पद धारण करेगा तथा पांच वर्ष की और अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति का पात्र होगा। परन्तु कोई भी सदस्य सत्तर वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् अपना पद धारण नही करेगा।
3. अध्यक्ष या कोई सदस्य, अपने पद पर न रह जाने पर भारत सरकार के अधीन या किसी राज्य सरकार के अधीन किसी भी और नियोजन का पात्र नही होगा।

7. कतिपय परिस्थितियों में सदस्य का अध्यक्ष के रूप मे कार्य करना या उसके कृत्यों का निर्वहन

1. अध्यक्ष की मृत्यु, पदत्याग या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में राष्ट्रपति, अधिसूचना द्वारा सदस्यों मे से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में तब तक कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा जब तक ऐसी रिक्ति को भरने के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति नही हो जाती।
2. जब अध्यक्ष छुट्टी पर अनुपस्थिति के कारण या अन्य कारण से अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ है तब सदस्यों में से एक सदस्य जिसे राष्ट्रपति अधिसूचना द्वारा इस निमित प्राधिकृत करें उस तारीख तक अध्यक्ष के कृत्यों का निर्वहन करेगा जिस तारीख को अध्यक्ष अपने कर्तव्यों को फिर से संभालता है।

8. अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा के निबंधन और शर्ते

अध्यक्ष और सदस्यों को संदेय वेतन और भत्ते तथा उनकी सेवा के अन्य निबंधन और शर्ते ऐसी होगी जो विहित की जाए। परन्तु अध्यक्ष और किसी सदस्य के वेतन और भत्तें में तथा सेवा के अन्य निबंधनों और शर्ते में उसकी नियुक्ति के पश्चात् उसके लिए अलाभकारी परिवर्तन नही किया जाएगा।

9. रिक्तियों आदि से आयोग की कार्यवाहियों का अविधिमान्य न होना

आयोग की कोई भी कार्यवाही केवल इस आधार पर प्रश्नगत नही की जाएगी या अविधिमान्य नही होगी कि आयोग में कोई रिक्ति है या उसके गठन में कोई त्रुटि है।

10.प्रक्रिया का आयोग द्वारा विनियमित किया जाना

1. आयोग का अधिवेशन ऐसे समय और स्थान पर होगा जो अध्यक्ष ठीक समझे।
2. इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए आयोग को अपनी प्रक्रिया के लिए नियम बनाने की शक्ति होगी।
3. आयोग के सभी आदेश और विनिश्चय महासचिव द्वारा या इस निमित अध्यक्ष द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत आयोग के किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधिप्रमाणित किए जाएगें।

11.आयोग के अधिकारी और अन्य कर्मचारी

(क) भारत सरकार के सचिव स्तर का एक अधिकारी जो आयोग का महासचिव होगा।
(ख) ऐसे अधिकारी के अधीन जो पुलिस महानिदेशक स्तर से नीचे का न हो, ऐसे पुलिस और अन्वेषण अधिकारी तथा ऐसे अन्य अधिकारी जो आयोग के कृत्यों का दक्षतापूर्ण पालन करने के लिए आवश्यक हो।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

(1) ऐसे नियमों के अधीन रहते हुए जो केन्द्रीय सरकार द्वारा इस निमित बनाए जाएं, आयोग ऐसे अन्य प्रशासनिक तकनीकी और वैज्ञानिक कर्मचारी नियुक्त कर सकेगा जो वह आवश्यक समझे।

(2) उपधारा (2) के अधीन नियुक्त अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के वेतन भत्ते और सेवा की शर्ते ऐसी होगी जो विहित की जाए।

अध्याय 3
आयोग के कृत्य और शक्तियां

12. आयोग के कृत्य

आयोग निम्नलिखित कृत्यों का पालन करेगा, अर्थात्:-

(क) स्वप्रेरण से या किसी पीड़ित व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से किसी व्यक्ति द्वारा [या उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर] उसके प्रस्तुत की गई अर्जी पर-

1. मानव अधिकारों का किसी लोक सेवक द्वारा अतिक्रमण या दुष्प्रेरण किए जाने की, या
2. ऐसे अतिक्रमण के निवारण में किसी लोक सेवक द्वारा उपेक्षा की शिकायत के बारे मे जांच करना।

(ख) किसी न्यायालय के समक्ष लंबित किसी कार्यवाही में जिसमें मानव अधिकारों के अतिक्रमण का कोई अभिकथन अंतर्वलित है, उस न्यायालय के अनुमोदन से मध्यक्षेप करना।

(ग) राज्य सरकार के नियंत्रण के अधीन किसी जेल या किसी अन्य संस्था का जहां व्यक्ति उपचार सुधार या संरक्षण के लिए रखे जाते है, इन व्यक्तियों के जीवन की परिस्थितियों का अध्ययन करने के लिए निरीक्षण करना और उन पर सरकार को सिफारिश करना।

(घ) संविधान या मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि द्वारा या उसके अधीन उपबंधित रक्षोपायों का पुनर्विलोकन करना और उनके प्रभावपूर्ण कार्यन्वयन के लिए उपायों की सिफारिश करना।

(ङ) ऐसी बातो का जिनके अंतर्गत आतंकवाद के कार्य हैं और जो मानव अधिकारों के उपभोग मे विध्न डालती है पुनर्विलोकन करना और समुचित उपचारी उपायों की सिफारिश करना।

(च) मानव अधिकारों से संबंधित संधियों और अन्य अन्तरराष्ट्रीय समझौतों का अध्ययन करना और उनके प्रभावपूर्ण कार्यान्वयन के लिए सिफारिशें करना।

(छ) मानव अधिकारों के क्षेत्र मे अनुसंधान करना और उसका संवर्धन करना।

(ज) समाज के विभिन्न वर्गो के बीच मानव अधिकारों संबंधों जानकारी का प्रसार करना और प्रकाशनों, संचार, विचार माध्यमों, गोष्ठियों और अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यम से इन अधिकारो के संरक्षण के लिए उपलब्ध रक्षोपायों के प्रति जागरूकता का संवर्धन करना।

(झ) मानव अधिकारों के क्षेत्र में कार्यरत गैर-सरकारी संगठनों और संस्थाओं के प्रयासों को उत्साहित करना।

(ञ) ऐसे अन्य कृत्य करना जो मानव अधिकारो के संवर्धन के लिए आवश्यक समझे जाते हो।

13. जांच से संबंधित शक्तियां

1. आयोग को इस अधिनियम के अधीन शिकायतो के बारे मे जांच करते समय और विशिष्टतया निम्नलिखित विषयों के संबंध में वे सभी शक्तियां होगी तो सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन किसी वाद का विचारण करते समय सिविल न्यायालय को है, अर्थात:-
   (क) साक्षियों को समन करना और हाजिर कराना तथा शपथ पर उनकी परीक्षा करना।
   (ख) किसी दस्तावेज को प्रकट और पेश करने की अपेक्षा करना।
   (ग) शपथपत्रों पर साक्ष्य ग्रहण करना।
   (घ) किसी न्यायालय या कार्यालय से कोई लोक अभिलेख या उसकी प्रतिलिपि अपेक्षित करना।
   (ङ) साक्षियों या दस्तावेजों की परीक्षा के लिए कमीशन निकालना।
   (च) कोई अन्य विषय जो विहित किया जाए।
2. आयोग को किसी व्यक्ति से ऐसे किसी विशेषधिकार के अधीन रहते हुऐ जिसका उस व्यक्ति द्वारा तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन दावा किया जाए ऐसी बातों या विषयों पर जानकारी देने की अपेक्षा करने की शक्ति होगी जो आयोग की राय में जांच की विषयवस्तु के लिए उपयोगी हों, या उससे सुसंगत हो और जिस व्यक्ति से ऐसी अपेक्षा की जाए वह भारतीय दंड संहिता की धारा 176 और धारा 177 के अर्थ मे ऐसी जानकारी देने के वैध रूप से आबद्ध समझा जाएगा।
3. आयोग या आयोग द्वारा इस निमित विशेषतया प्राधिकृत कोई ऐसा अन्य अधिकारी जो राजपत्रित अधिकारी की पंक्ति से नीचे का न हो दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 100 के उपबंधों के जहां तक वे लागू हों अधीन रहते हुए किसी ऐसे भवन या स्थान में जिसकी बाबत आयोग के पास यह विश्वास करने का कारण है कि जाँच की विषय वस्तु से संबंधित कोई दस्तावेज वहां पाया जा सकता है प्रवेश कर सकेगा और किसी ऐसे दस्तावेज को अभिगृहित कर सकेगा अथवा उससे उद्धरण या उसकी प्रतिलिपिया ले सकेगा।
4. आयोग को सिविल न्यायालय समझा जाएगा और जब कोई ऐसा अपराध जो भारतीय दंड संहिता की धारा 175, धारा 178, धारा 179, धारा 180 या धारा 228 में वर्णित है, आयोग की दृष्टिगोचरता में या उपस्थिति में किया जाता है तब आयोग अपराध गठित करने वाले तथ्यों तथा अभियुक्त के कथन को अभिलिखित करने के पश्चात् जैसा कि दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 में उपबंधित है उस मामले को ऐसे मजिस्ट्रेट को भेज सकेगा जिसे उसका विचारण करने की अधिकारिता है और वह मजिस्ट्रेट जिसे कोई ऐसा मामला भेजा जाता

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

है अभियुक्त के विरूद्ध शिकायत सुनने के लिए इस प्रकार अग्रसर होगा मानों वह मामला दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 346 के अधीन उसको भेजा गया हो।

5. आयोग के समक्ष प्रत्येक कार्यवाही को भारतीय दंड संहिता की धारा 193 और धारा 228 के अर्थ में तथा धारा 196 के प्रयोजनों के लिए न्यायिक कार्यवाही समझा जाएगा और आयोग को दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 और अध्याय 26 के सभी प्रयोजनों के लिए सिविल न्यायालय समझा जाएगा।
6. जहां आयोग ऐसा करना आवश्यक और समीचीन समझता है वहां वह आदेश द्वारा उसके समक्ष फाइल की गई या लम्बित किसी शिकायत को उस राज्य के राज्य आयोग को जिससे इस अधिनियम के उपबंधों के अनुसार निपटारे के लिए शिकायत उद्भूत होती है अन्तरित कर सकेगा।

   परन्तु ऐसी कोई शिकायत तब तक अन्तरित नही की जाएगी जब तक कि वह शिकायत ऐसी न हो जिसके संबंध में राज्य आयोग को उसे ग्रहण करने की अधिकारिता न हो।
7. उपधारा (6) के अधीन अन्तरित की गई प्रत्येक शिकायत पर राज्य आयोग द्वारा ऐसे कार्रवाई की जाएगी और उसका निपटारा किया जाएगा मानो वह शिकायत आरम्भ में उसके समक्ष फाइल की गई हो।

14. अन्वेषण

1. आयोग जांच से संबंधित कोई अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए यथास्थिति केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार की सहमति से केन्द्रीय सरकार या उस राज्य सरकार के किसी अधिकारी या अन्वेषण अभिकरण की सेवाओं का उपयोग कर सकेगा।
2. जांच से संबंधित किसी विषय का अन्वेषण करने के प्रयोजन के लिए कोई ऐसा अधिकारी या अभिकरण जिसकी सेवाओं का उपधारा (1) के अधीन उपयोग किया जाता है आयोग के निदेशन और नियंत्रण के अधीन रहते हुए:-
   (क) किसी व्यक्ति को समन कर सकेगा और हाजिर करा सकेगा तथा उसकी परीक्षा कर सकेगा।
   (ख) किसी दस्तावेज को प्रकट और पेश किए जाने की अपेक्षा कर सकेगा, और
   (ग) किसी कार्यालय से किसी लोक अभिलेख या उसकी प्रतिलिप की अपेक्षा कर सकेगा।
3. धारा 15 के उपबंध किसी ऐसे अधिकारी या अभिकरण के समक्ष जिसकी सेवाओं का उपधारा (1) के अधीन उपयोग किया जाता है किसी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी कथन के संबंध में वैसे ही लागू होगे जैसे वे आयोग के समक्ष साक्ष्य देने के अनुक्रम में किसी व्यक्ति द्वारा किए गए किसी कथन के संबंध मे लागू होते है।
4. जिस अधिकारी या अभिकरण की सेवाओं का उपयोग उपधारा (1) के अधीन किया जाता है वह जांच से संबंधित किसी विषय का अन्वेषण करेगा और उस पर आयोग को ऐसी अवधि के भीतर जो आयोग द्वारा इस निमित विनिर्दिष्ट की जाए रिर्पोट देगा।
5. आयोग उपधारा (4) के अधीन उसे दी गए रिपोर्ट में कथित तथ्यों के और निकाले गए निष्कर्षो के यदि कोई हो सही होने के बारे में अपना समाधान करेगा और इस प्रयोजन के लिए आयोग ऐसी जांच जिसके अंतर्गत उस व्यक्ति की या उन व्यक्तियों की परीक्षा है, जिसने या जिन्होने अन्वेषण किया हो या उसमें सहायता की हो, कर सकेगा, जो वह ठीक समझे।

15. आयोग के समक्ष व्यक्तियों द्वारा किए गए कथन

आयोग के समक्ष साक्ष्य देने के अनुक्रम में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया कोई कथन ऐसे कथन द्वारा मिथ्या साक्ष्य देने के लिए अभियोजन के सिवाय उसे किसी सिविल या दांडिक कार्यवाही के अधीन नही करेगा या उसमें उसके विरूद्ध प्रयुक्त नही किया जाएगा। परन्तु यह तब जब कि ऐसा कथन:-

(क) ऐसे प्रश्न के उत्तर में किया जाता है जिसका उत्तर देने के लिए उससे आयोग द्वारा उपेक्षा की जाए, या
(ख) जांच की विषयवस्तु से सुसंगत है।

16. उन व्यक्तियों की सुनवाई जिन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य है

यदि जांच के किसी अनुक्रम में:-

(क) आयोग किसी व्यक्ति के आचरण की जांच करना आवश्यक समझता है, या
(ख) आयोग की यह राय है कि जांच से किसी व्यक्ति की ख्याति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना संभाव्य है।

तो वह उस व्यक्ति की जांच मे सुनवाई और अपनी प्रतिरक्षा में साक्ष्य प्रस्तुत करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

परन्तु इस धारा की कोई बात वहां लागू नही होगी जहा किसी साक्षी की विश्वसनीयता पर अधिक्षेप किया जा रहा है।

अध्याय 4
प्रक्रिया

17. शिकायतों की जांच

आयोग मानव अधिकारों के अतिक्रमण की शिकायतों की जांच करते समय-

1. केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार अथवा उसके अधीनस्थ किसी अन्य प्राधिकारी या संगठन से ऐसे समय के भीतर जो आयोग द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए जानकारी या रिपोर्ट मांग सकेगा। परन्तु-
   (क) यदि आयोग को नियत समय के भीतर जानकारी या रिपोर्ट प्राप्त नही होती है तो वह शिकायत के बारे में स्वयं जांच कर सकेगा।
   (ख) यदि जानकारी या रिपोर्ट की प्राप्ति पर आयोग का यह समाधान हो जाता है कि कोई और जांच अपेक्षित नही है अथवा अपेक्षित कार्रवाई संबंधित सरकार या प्राधिकारी द्वारा आरंभ कर दी गई है या की जा चुकी है तो वह शिकायत के बारे में कार्यवाही नही कर सकेगा और शिकायतकर्ता को तद्नुसार सूचित कर सकेगा।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

2. खंड (1) में अंतर्विष्ट किसी बात पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना यदि आयोग शिकायत की प्रकृति को ध्यान मे रखते हुए आवश्यक समझता है तो जांच आरम्भ कर सकेगा।

18. जांच के दौरान और जांच के पश्चात् कार्रवाई

आयोग इस अधिनियम के अधीन की गई किसी जांच के दौरान और उसके पूरा होने पर निम्नलिखित कार्रवाई कर सकेगा अर्थात्:-

(क) जहां जांच से किसी लोक सेवक द्वारा मानव अधिकारों का अतिक्रमण या मानव अधिकारों के अतिक्रमण के निवारण में उपेक्षा या मानव अधिकारों के अतिक्रमण का उत्प्रेरण प्रकट होता है तो वहां वह संबंधित सरकार या प्राधिकारी को-

(i) शिकायतकर्ता या पीड़ित व्यक्ति या उसके कुटुम्ब के सदस्यों को ऐसा प्रतिकार या नुकसानों का संदाय करने की सिफारिश कर सकेगा जो आयोग आवश्यक समझे।

(ii) संबंधित व्यक्ति या व्यक्तियों के विरूद्ध अभियोजन के लिए कार्यवाहियां आरम्भ करने या कोई अन्य समुचित कार्रवाई करने के लिए सिफारिश कर सकेगा जो आयोग ठीक समझे।

(iii) ऐसी अन्य कार्रवाई करने की सिफारिश कर सकेगा जिसे वह ठीक समझे।

(ख) उच्चतम न्यायालय या संबंधित उच्च न्यायालय को ऐसे निर्देश आदेश या रिट के लिए जो वह न्यायालय आवश्यक समझे अनुरोध करना।

(ग) जांच के किसी प्रक्रम पर सम्बद्ध सरकार या प्राधिकारी को पीड़ित व्यक्ति या उसके कुटुम्ब के सदस्यों को ऐसी तत्काल अन्तरिम सहायता मंजूर करने की जो आयोग आवश्यक समझें सिफारिश करना।

(घ) खण्ड (ङ) के उपबंधों के अधीन रहते हुए जांच रिपोर्ट की प्रति अर्जीदार या उसके प्रतिनिधि को उपलब्ध कराना।

(ङ) आयोग अपनी जांच रिपोर्ट की एक प्रति अपनी सिफारिश सहित संबंधित सरकार या प्राधिकारी को भेजेगा और संबंधित सरकार या प्राधिकारी एक मास की अवधि के भीतर या ऐसे और समय के भीतर जो आयोग अनुज्ञात करे रिपोर्ट पर अपनी टीका-टिप्पणी आयोग को भेजेगा जिसके अंतर्गत उस पर की गई या की जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई है।

(च) आयोग संबंधित सरकार या प्राधिकारी की टीका-टिप्पणी सहित यदि कोई हो अपनी जांच रिपोर्ट तथा आयोग की सिफारिशों पर संबंधित सरकार या प्राधिकारी द्वारा की गई या की जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई को प्रकाशित करेगा।

19. सशस्त्र बलों की बाबत प्रक्रिया

1. इस अधिनियम में किसी बात के रहते हुए भी आयोग सशस्त्र बलों के सदस्यों द्वारा मानव अधिकारी के अतिक्रमण की शिकायतों के बारे में कार्रवाई करते समय निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाएगा अर्थात:-

(क) आयोग स्वप्रेरणा से या किसी अर्जी की प्राप्ति पर केंद्रीय सरकार या रिपोर्ट मांग सकेगा।

(ख) रिपोर्ट की प्राप्ति के पश्चात् आयोग यथास्थिति शिकायत के बारे में कोई कार्यवाही नही करेगा या उस सरकार को अपनी सिफारिशें कर सकेगा।

2. केन्द्रीय सरकार सिफारिशों पर की गई कार्रवाई के बारे में आयोग को तीन मास के भीतर या ऐसे और समय के भीतर जो आयोग अनुज्ञात करें सूचित करेगी।

3. आयोग केन्द्रीय सरकार को की गई अपनी सिफारिशों तथा ऐसी सिफारिशों पर उस सरकार द्वारा की गई कार्रवाई सहित अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करेगा।

4. आयोग उपधारा (3) के अधीन प्रकाशित रिपोर्ट की प्रति अर्जीदार या उसके प्रतिनिधि को उपलब्ध कराएगा।

20. आयोग की वार्षिक और विशेष रिपोर्ट

1. आयोग केन्द्रीय सरकार को और संबंधित राज्य सरकार को वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और किसी भी समय ऐसे विषय पर जो उसकी राय में इतना अत्यावश्यक या महत्वपूर्ण है कि उसको वार्षिक रिपोर्ट के प्रस्तुत किए जाने तक आस्थगित नही किया जाना चाहिए विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा।

2. यथास्थिति केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार आयोग की वार्षिक और विशेष रिपोर्टो को आयोग की सिफारिशों पर की गई या की जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई के ज्ञापन सहित और सिफारिशों की अस्वीकृति के कारणों सहित यदि कोई हों यथास्थिति संसद या राज्य विधान-मंडल के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगी।

अध्याय 5
राज्य मानव अधिकार आयोग

21. राज्य मानव अधिकार आयोगों का गठन

1. कोई राज्य सरकार इस अध्याय के अधीन राज्य आयोग को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए और सौंपे गए कृत्यों का पालन करने के लिए एक निकाय का गठन कर सकेगी जिसका नाम ..... (राज्य का नाम) मानव अधिकार आयोग होगा।

2. राज्य आयोग ऐसी तारीख से जो राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करें निम्नलिखित से मिलकर बनेगा अर्थात:-

(क) एक अध्यक्ष जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति रहा है।

(ख) एक सदस्य जो किसी उच्च न्यायालय का न्यायाधीश है या रहा है, या राज्य में जिला न्यायालय का न्यायाधीश है या रहा है और जिसे जिला न्यायाधीश के रूप में कम से कम सात वर्ष का अनुभव है।

(ग) एक सदस्य जो ऐसे व्यक्तियों में से नियुक्त किया जाएगा जिन्हें मानव अधिकारों से संबंधित विषयों का ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

3. एक सचिव होगा जो राज्य आयोग का मुख्य कार्यपालक अधिकारी होगा और वह राज्य आयोग की ऐसी शक्तियों का प्रयोग और ऐसे कृत्यों का निर्वहन करेगा जो राज्य आयोग उसे प्रत्यायोजित करें।
4. राज्य आयोग का मुख्यालय ऐसे स्थान पर होगा जो राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट करे।
5. कोई राज्य आयोग केवल संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 2 और सूची 3 में प्रगणित प्रविष्टियों में से किसी से संबंधित विषयों की बाबत मानव अधिकारों के अतिक्रमण किए जाने की जांच कर सकेगा।

   परन्तु यदि किसी ऐसे विषय के बारे में आयोग द्वारा या तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन सम्यक रूप से गठित किसी अन्य आयोग द्वारा पहले से ही जांच की जा रही है तो राज्य आयोग उक्त विषय के बारे में जांच नही करेगा।

   परन्तु यह और कि जम्मू-कश्मीर मानव अधिकार आयोग के संबंध में यह उपधारा ऐसे प्रभावी होगी मानों के "केवल संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 2 और सूची 3 में प्रगणित प्रविष्टियों में से किसी से संबंधित विषयों की बाबत" शब्द और अंकों के स्थान पर "जम्मू-कश्मीर राज्य को यथा लागू संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची 3 में प्रगणित प्रविष्टियों में से किसी से संबंधित विषयों की बाबत और उन विषयों की बाबत जिनके संबंध में उस राज्य के विधान-मंडल को विधियाँ बनाने की शक्ति है" शब्द और अंक रख दिए गए है।
6. दो या दो से अधिक राज्य सरकारें राज्य आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की सहमति से यथास्थिति ऐसे अध्यक्ष या सदस्य को साथ-साथ अन्य राज्य आयोग का सदस्य नियुक्त कर सकेगी यदि ऐसा अध्यक्ष या सदस्य ऐसी नियुक्ति के लिए सहमति देता है।

   परन्तु उस राज्य की बाबत जिसके लिए यथास्थिति सामान्य अध्यक्ष या सदस्य या दोनों नियुक्त किए जाने है इस धारा के अधीन की गई प्रत्येक नियुक्ति धारा 22 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट समिति की सिफारिशें अभिप्राप्त करने के पश्चात् की जाएगी।]

22. राज्य आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति

1. राज्यपाल अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा अध्यक्ष और सदस्यों को नियुक्त करेगा।

   परन्तु इस उपधारा के अधीन प्रत्येक नियुक्ति ऐसी समिति की सिफारिशें प्राप्त होने के पश्चात् की जाएगी जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी, अर्थात:-

   (क) मुख्यमंत्री-अध्यक्ष।
   (ख) विधानसभा का अध्यक्ष-सदस्य।
   (ग) उस राज्य के गृह विभाग का मंत्री-सदस्य।
   (घ) विधानसभा में विपक्ष का नेता-सदस्य।

   परन्तु यह और कि जहां किसी राज्य में विधान परिषद् है वहां उस परिषद् का सभापति और उस परिषद् में विपक्ष का नेता भी समिति के सदस्य होगें।

   परन्तु यह और भी कि उच्च न्यायालय का कोई आसीन न्यायाधीश या कोई आसीन जिला न्यायाधीश संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् ही नियुक्त किया जाएगा अन्यथा नही।
2. राज्य आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की कोई नियुक्ति केवल इस कारण अविधिमान्य नही होगी कि उपधारा (1) में निर्दिष्ट समिति में कोई रिक्ति है।

23. राज्य आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य का त्यागपत्र और हटाया जाना

1. राज्य आयोग का अध्यक्ष या कोई सदस्य राज्यपाल को संबंधित अपने हस्ताक्षर सहित लिखित सूचना द्वारा अपना पद त्याग सकेगा।

   (1क) उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन रहते हुए राज्य आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य को केवल साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर किए गए राष्ट्रपति के ऐसे आदेश से उसके पद से हटाया जाएगा जो उच्चतम न्यायालय को राष्ट्रपति द्वारा निर्देश किए जाने पर उच्चतम न्यायाालय द्वारा इस निमित विहित प्रक्रिया के अनुसार की गई जांच पर वह रिपोर्ट किए जाने के पश्चात् किया गया है कि यथास्थिति अध्यक्ष या ऐसे सदस्य को ऐसे किसी आधार पर हटा दिया जाए।
2. उपधारा (1क) में किसी बात के होते हुए भी यदि यथास्थिति अध्यक्ष या कोई [सदस्य]:-

   (क) दिवालिया न्यायनिर्णीत किया जाता है, या
   (ख) अपनी पदावधि में अपने पद के कर्तव्यों के बाहर किसी सवेतन नियोजन में लगता है, या
   (ग) मानसिक या शारीरिक शैथिल्य के कारण अपने पद पर बने रहने के अयोग्य है, या
   (घ) विकृतचित्त का है और सक्षम न्यायालय की ऐसी घोषणा विद्यमान है, या
   (ङ) किसी ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया जाता है और कारावास से दंडादिष्ट किया जाता है जिसमें राष्ट्रपति की राय में नैतिक अधमता अंतर्ग्रस्त है, तो राष्ट्रपति अध्यक्ष या किसी सदस्य को आदेश द्वारा पद से हटा सकेगा।

14. राज्य आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की पदावधि

1. अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक या सत्तर वर्ष की आयु कर लेने तक इनमें से जो भी पहले हो अपना पद धारण करेगा।
2. सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया कोई व्यक्ति अपने पद ग्रहण की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक अपना पद धारण करेगा तथा पांच वर्ष की और अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति का पात्र होगा। परन्तु कोई भी सदस्य सत्तर वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् अपना पद धारण नही करेगा।
3. अध्यक्ष या कोई सदस्य अपने पद पर न रह जाने पर किसी राज्य की सरकार के अधीन या भारत सरकार के अधीन किसी भी और नियोजन का पात्र नही होगा।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

25. कतिपय परिस्थितियों में सदस्य का अध्यक्ष के रूप में कार्य करना या उसके कृत्यों का निर्वहन

1. अध्यक्ष की मृत्यु पदत्याग या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में राज्यपाल अधिसूचना द्वारा सदस्यों में से किसी एक सदस्य को अध्यक्ष के रूप में तब तक कार्य करने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा जब तक ऐसी रिक्ति को भरने के लिए नए अध्यक्ष की नियुक्ति नही हो जाती।
2. जब अध्यक्ष छुट्टी पर अनुपस्थिति के कारण या अन्य कारण से अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ है तब सदस्यों में से एक ऐसा सदस्य जिसे राज्यपाल अधिसूचना द्वारा इस निमित प्राधिकृत करे उस तारीख तक अध्यक्ष के कृत्यों का निर्वहन करेगा जिस तारीख को अध्यक्ष अपने कर्तव्यों को फिर से संभालता है।

26. राज्य आयोगों के अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा के निबन्धन और शर्ते

अध्यक्ष और सदस्यो को संदेय वेतन और भत्ते तथा उनकी सेवा के अन्य निबंधन और शर्ते ऐसी होगी जो राज्य सरकार द्वारा विहित की जाएं। परन्तु अध्यक्ष किसी सदस्य के वेतन और भत्तों में तथा सेवा के अन्य निबंधनों और शर्तो में उसकी नियुक्ति के पश्चात् उसके लिए अलाभकारी नही किया जाएगा।

27. राज्य आयोग के अधिकारी और अन्य कर्मचारियों

1. राज्य सरकार आयोग को-
   (क) राज्य सरकार के सचिव स्तर का एक अधिकारी जो राज्य आयोग का सचिव होगा।
   (ख) ऐसे अधिकारी के अधीन जो पुलिस महानिरीक्षक स्तर का हो, ऐसे पुलिस और अन्वेषण अधिकारी तथा ऐसे अन्य अधिकारी जो राज्य आयोग के कृत्यों का दक्षतापूर्ण पालन करने के लिए आवश्यक हो उपलब्ध कराएगी।
2. ऐसे नियमों के अधीन रहते हुए जो राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त बनाए जाएं राज्य आयोग ऐसे अन्य प्रशासनिक तकनीकी और वैज्ञानिक नियुक्त कर सकेगा जो वह आवश्यक समझे।
3. उपधारा (2) के अधीन नियुक्त अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के वेतन भत्ते और सेवा की शर्ते ऐसी होगी जो राज्य सरकार द्वारा विहित की जाए।

28. राज्य आयोग की वार्षिक और विशेष रिपोर्ट

1. राज्य आयोग, राज्य सरकार को वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा और किसी भी समय ऐसे विषय पर, जो उसकी राय में इतना अत्यावश्यक या महत्वपूर्ण है कि उसको वार्षिक रिपोर्ट के प्रस्तुत किए जाने तक स्थगित नही किया जाना चाहिए, विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा।
2. राज्य सरकार, राज्य आयोग की वार्षिक और विशेष रिपोर्टो को राज्य आयोग की सिफारिशों पर की गई या की जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाई के ज्ञापन सहित और सिफारिशों की अस्वीकृति के कारणों सहित यदि कोई हों जहां राज्य विधान-मंडल दो सदनों से मिलकर बनता है वहां प्रत्येक सदन के समक्ष, या जहां ऐसा विधान-मंडल एक सदन से मिलकर बनता है वहां उस सदन के समक्ष रखवाएगी।

29. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग से संबंधित कतिपय उपबन्धों का राज्य आयोगों को लागू होना

धारा 9, धारा 10, धारा 12, धारा 13, धारा 14, धारा 15, धारा 16, धारा 17, और धारा 18 के उपबन्ध राज्य आयोग को लागू होगे और वे निम्नलिखित उपांतरणों के अधीन रहते हुए प्रभावी होगे, अर्थात :-

(क) "आयोग" के प्रति निर्देशों का यह अर्थ लगाया जाएगा कि वे "राज्य आयोग" के प्रति निर्देश है।
(ख) धारा 10 की उपधारा (3) में "महासचिव" शब्द के स्थान पर "सचिव" शब्द रखा जाएगा।
(ग) धारा 12 के खंड (च) का लोप किया जाएगा।
(घ) धारा 17 के खंड (i) में से "केन्द्रीय सरकार या किसी" शब्दों का लोप किया जाएगा।

अध्याय 6
मानव अधिकार न्यायालय

30. मानव अधिकार न्यायालय

मानव अधिकारों के अतिक्रमण से उद्भूत होने वाले अपराधों का शीघ्र विचारण करने के लिए उपबंध करने के प्रयोजन के लिए राज्य सरकार उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति की सहमति से अधिसूचना द्वारा उक्त अपराधों का विचारण करने के लिए प्रत्येक जिले के किसी सेशन न्यायालय को मानव अधिकार न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट कर सकेगी।

परन्तु इस धारा की कोई बात तक लागू नही होगी जब तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन ऐसे अपराधों के लिए-

(क) कोई सेशन न्यायालय पहले से ही विशेष न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट है।
(ख) कोई विशेष न्यायालय पहले से ही गठित है।

31. विशेष लोक अभियोजक

राज्य सरकार प्रत्येक मानव अधिकार न्यायालय के लिए अधिसूचना द्वारा एक लोक अभियोजक विनिर्दिष्ट करेगी या किसी ऐसे अधिवक्ता को जिसने कम से कम सात वर्ष तक अधिवक्ता के रूप में विधि-व्यवसाय किया हो उस न्यायालय में मामलों के संचालन के प्रयोजन के लिए विशेष लोक अभियोजन के रूप में नियुक्त करेगी।

अध्याय 7
वित्त, लेखा और संपरीक्षा

32. केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुदान

1. केन्द्रीय सरकार, संसद द्वारा इस निमित्त विधि द्वारा किए गए सम्यक विनियोग के पश्चात् आयोग को अनुदानों के रूप में ऐसी धनराशियों का संदाय करेगी जो केन्द्रीय सरकार इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाने के लिए ठीक समझे।
2. आयोग, इस अधिनियम के अधीन कृत्यों का पालन करने की लिए ऐसी राशियां खर्च कर सकेगा जो यह ठीक समझे और ऐसी राशियां उपधारा (1) में निर्दिष्ट अनुदानों में से संदेय व्यय मानी जाएगी।

33. राज्य सरकार द्वारा अनुदान

1. राज्य सरकार, विधान-मंडल द्वारा इस निमित विधि द्वारा किए गए सम्यक् विनियोग के पश्चात् राज्य

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

आयोग को अनुदानों के रूप में ऐसी धनराशियों का संदाय करेगी जो राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए उपयोग किए जाने के लिए ठीक समझे।

2. राज्य आयोग अध्याय 5 के अधीन कृत्यों का पालन करने के लिए ऐसी राशियां खर्च कर सकेगा जो वह ठीक समझे और ऐसी राशियां उपधारा (1) में निर्दिष्ट अनुदानों में से संदेय व्यय मानी जाएगी।

34. लेखा और संपरीक्षा

1. आयोग, उचित लेखा और अन्य सुसंगत अभिलेख रखेगा और लेखाओं का वार्षिक विवरण ऐसे प्रारूप में तैयार करेगा जो केन्द्रीय सरकार भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक से परामर्श करके विहित करे।
2. आयोग के लेखाओं की संपरीक्षा, नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा ऐसे अंतरालों पर की जाएगी जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं और ऐसी संपरीक्षा के संबंध में उपगत कोई व्यय आयोग द्वारा नियंत्रक-महालेखापरीक्षक को संदेय होगा।
3. नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के और इस अधिनियम के अधीन आयोग के लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के उस संपरीक्षा के संबंध में वे ही अधिकार और विशेषाधिकार तथा प्राधिकार होगे जो नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के साधारणतया सरकारी लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में होतें है और विशिष्टतया उसे बहियां लेखे संबंधित वाउचर तथा अन्य दस्तावेज और कागज-पत्र पेश किए जाने की मांग करने और आयोग के किसी भी कार्यालय का निरीक्षण करने का अधिकार होगा।
4. नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा या इस निमित उसके द्वारा नियुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित आयोग के लेखे उन पर संपरीक्षा रिपोर्ट सहित आयोग द्वारा केन्द्रीय सरकार को प्रतिवर्ष भेजे जाएगे और केन्द्रीय सरकार ऐसी संपरीक्षा रिपोर्ट को उसके प्राप्त होने के पश्चात् यथाशीघ्र संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाएगी।

35. राज्य आयोग के लेखा और संपरीक्षा

1. राज्य आयोग उचित लेखा और अन्य सुसंगत अभिलेख रखेगा और लेखाओं का वार्षिक विवरण ऐसे प्रारूप में तैयार करेगा जो राज्य सरकार भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक से परापर्श करके विहित करे।
2. राज्य आयोग के लेखाओं की संपरीक्षा नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा ऐसे अंतरालो पर की जाएगी जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाए और ऐसी संपरीक्षा के संबंध में उपगत कोई व्यय राज्य आयोग द्वारा नियंत्रक-महालेखापरीक्षक को संदेय होगा।
3. नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के और इस अधिनियम के अधीन राज्य आयोग के लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के उस संपरीक्षा के संबंध में वे ही अधिकार और विशेषाधिकार तथा प्राधिकार होगे जो नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के साधारणतया सरकारी लेखाओं की संपरीक्षा के संबंध में होते है और विशिष्टतया उसे बहियां लेखे संबंधित वाउचर तथा अन्य दस्तावेज और कागज-पत्र पेश किए जाने को मांग करने और राज्य आयोग के किसी भी कार्यलय का निरीक्षण करने का अधिकार होगा।
4. नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा या इस निमित उसके द्वारा नियुक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रमाणित राज्य आयोग के लेखे उन पर संपरीक्षा रिपोर्ट सहित राज्य आयोग द्वारा राज्य सरकार को प्रतिवर्ष भेजे जाएगे और राज्य सरकार ऐसी संपरीक्षा रिपोर्ट को उसके प्राप्त होने के पश्चात् यथाशीघ्र राज्य विधान-मंडल के समक्ष रखवाएगी।

अध्याय 8
प्रकीर्ण

36. आयोग की अधिकारिता के अधीन न आने वाले विषय

1. आयोग किसी ऐसे विषय की जांच नही करेगा जो तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन सम्यक् रूप से गठित किसी राज्य आयोग या किसी अन्य आयोग के समक्ष लंबित है।
2. आयोग या राज्य आयोग उस तारीख से जिसको मानव अधिकारों का अतिक्रमण गठित करने वाले कार्य का किया जाना अभिकथित है एक वर्ष की समाप्ति के पश्चात् किसी विषय की जांच नही करेगा।

37. विशेष अन्वेषण दलों का गठन

तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि में किसी बात के होते हुए भी जहां सरकार का यह विचार है कि ऐसा करना आवश्यक है वहां वह एक या अधिक विशेष अन्वेषण दलों का गठन कर सकेगी जिनमें उतने पुलिस अधिकारी होंगे जितने वह मानव अधिकारों के अतिक्रमणों से उद्भूत होने वाले अपराधों के अन्वेषण और अभियोजन के प्रयोजनों के लिए आवश्यक समझती है।

38. सद्भावपूर्वक की गई कार्रवाई के लिए संरक्षण

इस अधिनियम या इसके अधीन बनाए गए किसी नियम या किसी आदेश के अनुसरण में सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए आशयित किसी बात के बारे में अथवा किसी रिपोर्ट कागज-पत्र या कार्यवाही के केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार आयोग या राज्य आयोग के प्राधिकार द्वारा या उसके अधीन किसी प्रकाशन के बारे में कोई भी वाद या अन्य विधिक कार्यवाही केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार आयोग राज्य आयोग या उसके किसी सदस्य अथवा केन्द्रीय सरकार राज्य सरकार आयोग या राज्य आयोग के निदेशाधीन कार्य करने वाले किसी व्यक्ति के विरूद्ध नही होगी।

39. सदस्यों और अधिकारियों का लोक सेवक होना

आयोग या राज्य आयोग का प्रत्येक सदस्य और इस अधिनियम के अधीन कृत्यों का प्रयोग करने के लिए आयोग या राज्य आयोग द्वारा नियुक्त या प्राधिकृत प्रत्येक अधिकारी भारतीय दंड संहिता की धारा 21 के अर्थ में लोक सेवक समझा जाएगा।

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 x 7 HELPLINE 8602511011

40. नियम बनाने की केन्द्रीय सरकार की शक्ति

1. केन्द्रीय सरकार इस अधिनियम के उपबंधों को कार्यान्वित करने के लिए नियम अधिसूचना द्वारा बना सकेगी।
2. विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ऐसे नियमों में निम्नलिखित सभी या किन्ही विषयों के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात:-
   (क) धारा 8 के अधीन [अध्यक्ष और सदस्यों] के वेतन और भत्ते तथा सेवा के अन्य निबंधन और शर्ते।
   (ख) वे शर्ते जिनके अधीन अन्य प्रशासनिक तकनीकी और वैज्ञानिक अधिकारी आयोग द्वारा नियुक्त किए जा सकेंगे तथा धारा 11 की उपधारा (3) के अधीन अधिकारियों और अन्य अधिकारी के वेतन और भत्तें।
   (ग) सिविल न्यायालय की कोई अन्य शक्ति जो धारा 13 की उपधारा (1) के खंड (च) के अधीन विहित की जानी अपेक्षित है।
   (घ) वह प्ररूप, जिसमें आयोग द्वारा धारा 34 की उपधारा (1) के अधीन वार्षिक लेखा विवरण तैयार किए जाने है, और
   (ङ) कोई अन्य विषय जो विहित किया जाना है या किया जाए।
3. इस अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम बनाए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष जब वह सत्र में हो कुल तीस दिन की अवधि के लिए रखा जाएगा। यह अवधि एक सत्र में अथवा दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों में पूरी हो सकेगी। यदि उस सत्र के या पूर्वोक्त आनुक्रमिक सत्रों के ठीक बाद के सत्र के अवसान के पूर्व दोनों सदन उस नियम में कोई परिवर्तन करने के लिए सहमत हो जाएं तो तत्पश्चात वह ऐसे परिवर्तित रूप में ही प्रभावी होगा। यदि उक्त अवसान के पूर्व दोनों सदन सहमत हो जाएं कि वह नियम नही बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह निष्प्रभाव हो जाएगा। किन्तु नियम को ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ेगा।

40क. भूतलक्षी रूप से नियम बनाने की शक्ति- धारा 40 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन नियम बनाने की शक्ति के अंतर्गत ऐसे नियमों या उनमें से किसी नियम को भूतलक्षी रूप से किसी ऐसी तारीख से बनाने की शक्ति होगी जो उस तारीख से पूर्वतर न हो जिसको इस अधिनियम को राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त होती है, किन्तु किसी ऐसे नियम को ऐसा कोई भूतलक्षी प्रभाव नही दिया जाएगा जिससे कि किसी ऐसे व्यक्ति के, जिसको ऐसा नियम लागू हो सकता हो, हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।]

आयोग की विनिमय बनाने की शक्ति

40ख 1. इस अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अधीन रहते हुए आयोग केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमोदन से, इस अधिनियम के उपबन्धों को कार्यान्वित करने के लिए विनियम बना सकेगा।

2. विशिष्टतया और पूर्वागामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ऐसे विनियमों में निम्नलिखित सभी या किन्ही विषयों के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात:-
   (क) धारा 10 की उपधारा (2) के अधीन आयोग द्वारा अनुसरित की जाने वाली प्रक्रिया।
   (ख) राज्य आयोगों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली विवरणियां और आंकडे।
   (ग) कोई अन्य विषय, जो विनियमों द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाना है या किया जाए।
3. इस अधिनियम के अधीन आयोग द्वारा बनाया गया प्रत्येक विनियम बनाए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष, जब वह सत्र में हो कुल तीस दिन की अवधि के लिए रखा जाएगा। यह अवधि एक सत्र में अथवा दो या अधिक आनुक्रमिक सत्रों मे पूरी हो सकेगी। यदि उस सत्र के या पूर्वोक्त आनुक्रमिक सत्रों के ठीक बाद के सत्र के अवसान के पूर्व दोनों सदन उस विनियम में कोई परिवर्तन करने के लिए सहमत हो जाएं तो तत्पश्चात् वह ऐसे परिवर्तित रूप में ही प्रभावी होगा। यदि उक्त अवसान के पूर्व दोनों सदन सहमत हो जाएं कि वह विनियम नही बनाया जाना चाहिए तो तत्पश्चात् वह निष्प्रभाव हो जाएगा। किन्तु विनियम के ऐसे परिवर्तित या निष्प्रभाव होने से उसके अधीन पहले की गई किसी बात की विधिमान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव नही पड़ेगा।

41. नियम बनाने की राज्य सरकार की शक्ति

1. राज्य सरकार इस अधिनियम के उपबंधों को कार्यान्वित करने के लिए नियम, अधिसूचना द्वारा बना सकेगी।
2. विशिष्टतया और पूर्वगामी शक्ति की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना ऐसे नियमों में निम्नलिखित सभी या किन्ही विषयों के लिए उपबंध किया जा सकेगा, अर्थात:-
   (क) धारा 26 के अधीन [अध्यक्ष और सदस्य] के वेतन और भत्ते तथा सेवा के अन्य निबंधन और शर्ते।
   (ख) वे शर्ते, जिनके अधीन अन्य प्रशासनिक, तकनीकी और वैज्ञानिक अधिकारी राज्य आयोग द्वारा नियुक्त किए जा सकेगे तथा धारा 27 की उपधारा (3) के अधीन अधिकारियों और अन्य अधिकारियों के वेतन और भत्ते।
   (ग) वह प्रारूप, जिसमें धारा 35 की उपधारा (1) के अधीन वार्षिक लेखा विवरण तैयार किए जाने है।
3. इस धारा के अधीन राज्य सरकार द्वारा बनाया गया प्रत्येक नियम बनाए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र जहां राज्य विधान-मंडल के दो सदन है वहां प्रत्येक सदन के समक्ष या जहां ऐसे विधान-मंडल का एक सदन है वहां उस सदन के समक्ष रखा जाएगा।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

42. कठिनाइयों को दूर करने की शक्ति

1. यदि इस अधिनियम के उपबंधों को प्रभावी करने में कोई कठिनाई उत्पन्न होती है तो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में प्रकाशित आदेश द्वारा ऐसे उपबंध कर सकेगी जो इस अधिनियम के उपबंधों से असंगत न हो और उस कठिनाई को दूर करने के लिए उसे आवश्यक या समीचीन प्रतीत हों।
   परन्तु ऐसा कोई आदेश इस अधिनियम के प्रारंभ की तारीख से दो वर्ष की अवधि की समाप्ति के पश्चात् नही किया जाएगा।
2. इस धारा के अधीन किया गया प्रत्येक आदेश किए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखा जाएगा।

43. निरसन और व्यावृत्ति

1. मानव अधिकार संरक्षण अध्यादेश, 1993 इसके द्वारा निरसित किया जाता है।
2. ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के तत्संबंधी उपबंधों के अधीन की गई समझी जाएगी।

प्रश्नमाला

1. अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?
   (अ) 8 जनवरी (ब) 16 मार्च
   (स) 25 जून (द) 10 दिसम्बर
2. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के अधिनियम का क्या उद्देश्य है ?
   (अ) मानव अधिकारों का अधिक सरंक्षण करना
   (ब) मानव अधिकारों से संबंधित या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए उपबंध करना
   (स) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, राज्य मानव अधिकार आयोग एवं मानव अधिकार न्यायालयों का गठन करना
   (द) उपरोक्त सभी
3. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 को कितने अध्यायों और धाराओं में बाँटा गया है ?
   (अ) अध्याय VII, धाराएं 40
   (ब) अध्याय VIII, धाराएं 43
   (स) अध्याय VIII, धाराएं 42
   (द) अध्याय VII, धाराएं 43
4. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के संदर्भ में कौन-सा कथन सत्य है ?
   (अ) इसका विस्तार सम्पूर्ण भारत में होगा
   (ब) इसका विस्तार राज्यों की सहमति पर निर्भर करेगा
   (स) इसका विस्तार जम्मू-कश्मीर में नहीं होगा
   (द) इसका विस्तार विदेशों में भी होगा
5. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम के जम्मू एवं कश्मीर में लागू होने के संबंध में निम्न में से कौन-या कथन सत्य है ?
   (अ) यह अधिनियम सम्पूर्णत: जम्मू-कश्मीर राज्य पर बिना किसी निर्बन्धन के लागू है
   (ब) यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर राज्य पर लागू नही होता
   (स) यह अधिनियम जम्मू-कश्मीर राज्य पर तभी लागू होगा जबकि वहाँ की सरकार इसे अुनमोदित करे
   (द) यह अधिनिमय जम्मू-कश्मीर राज्य पर उसी सीमा तक लागू होगा जहाँ तक उसका संबंध उस राज्य में प्रयोज्य संविधान की सातवीं अनुसूची में सूची-1 या सूची -3 मे वर्णित किन्ही प्रविष्टियों से सम्बन्धित मामलों से है
6. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 को राष्ट्रपति की अनुमति 8 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुई तो फिर इस अधिनियम को 28 सितम्बर, 1993 से प्रभाव में आया हुआ क्यों समझा गया ?
   (अ) क्योकि 28 सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया जाता है।
   (ब) क्योकि इस दिन को अन्तर्राष्ट्रीय अभिसमय द्वारा नियत किया गया था।
   (स) क्योकि इस दिन राष्ट्रपति द्वारा अध्यादेश क्रमांक 30 सन् 1993 प्रख्यापित किया गया था
   (द) क्योकि इस दिन मानव अधिकार के संबंध मे राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा आन्दोलन किया गया था
7. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम की कौन-सी धारा में मानव अधिकार को परिभाषित किया गया है ?
   (अ) धारा 2 (क) (ब) धारा 2 (घ)
   (स) धारा 3 (द) धारा 5
8. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 2 (1)(घ) में दी गई परिभाषा के अनुसार मानवाधिकार में सम्मिलित है ?
   (अ) जीवन, स्वातंत्र, समता और सुरक्षा संबंधी अधिकार
   (ब) जीवन, स्वातंत्र, समता और बंधुत्व का अधिकार
   (स) जीवन, स्वातंत्र, समता और गरिमा का अधिकार
   (द) जीवन, स्वातंत्र, गरिमा और बंधुत्व का अधिकार
9. मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम मे अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा से क्या अभिप्राय है ?
   (अ) सिविल एवं राजनीतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा
   (ब) 16 दिसम्बर, 1966 को संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा द्वारा अंगीकृत आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों पर अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदा
   (स) केन्द्रीय सरकार द्वार अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कोई प्रसंविदा एवं अभिसमय जिसे संयुक्त राष्ट्र की साधारण सभा द्वारा अंगीकृत किया गया है
   (द) उपरोक्त सभी
10. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम में महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग से क्या अभिप्रेत है ?
   (अ) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 3 में गठित आयोग
   (ब) मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 21 में गठित आयोग
   (स) महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग अधिनियम, 1990 की धारा 3 के अधीन गठित आयोग
   (द) उपरोक्त सभी
11. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 के बारे में कौन-सा कथन सही है ?
   (अ) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग मे कुल 5 नियुक्त सदस्य होते है
   (ब) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय मुम्बई मे स्थित होगा
   (स) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्यों की नियुक्ति उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा होती है
   (द) आयोग अपनी वार्षिक रिपोर्ट भारत के राष्ट्रपति को सौंपता है

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

12. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) जो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति रहा हो
(द) जो किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति रहा हो

13. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र (ब) न्यायमूर्ति फातिमा बीबी
(स) न्यायमूर्ति एस.एस. कांग (द) न्यायमूर्ति वैंकटचलैया

14. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का सेक्रेटरी-जनरल ?
(अ) एक न्यायिक अधिकारी होता है
(ब) उसे आयोग के सदस्य के रूप में मान्यता प्राप्त है
(स) वह आयोग द्वारा विनियम बनाने के कार्य मे सक्रिय भाग लेता है
(द) इनमें से कोई नहीं

15. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का महासचिव आयोग की ऐसी शक्तियों का प्रयोग करेगा एवं ऐसे कार्यो का निर्वहन करेगा जो उसे आयोग या अध्यक्ष द्वारा प्रत्यायोजित किये जाएँ किन्तु उसे निम्नलिखित के संबंध मे कोई शक्ति नही है ?
(अ) न्यायिक कृत्य
(ब) धारा 40ख के अधीन विनियम बनाने की शक्ति
(स) उपरोक्त (अ) एवं (ब) दोनों शक्तियाँ नहीं
(द) उपरोक्त (अ) एवं (ब) दोनो शक्तियाँ है।

16. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का मुख्य कार्यालय कहाँ स्थित है ?
(अ) मुम्बई (ब) दिल्ली
(स) कोलकाता (द) बैंगलोर

17. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति किसके हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा होती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) गृहमंत्री (द) उपराष्ट्रपति

18. निम्न में कौन उस समिति में शामिल नहीं है, जो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति हेतु संस्तुति करती है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा का अध्यक्ष (द) संघ का गृह मंत्री

19. निम्न में से कौन उस समिति में शामिल है, जो राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति हेतु संस्तुति करती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) गृहमंत्री

20. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष या अन्य सदस्य अपना त्याग पत्र किसको सम्बोधित करेगा ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायमूर्ति
(द) उपराष्ट्रपति

21. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष किस आयु से अधिक होने पर पद पर नहीं बने रहेगे ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 70 वर्ष
(स) 75 वर्ष (द) कोई आयु सीमा नहीं

22. मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की किन धाराओं में मानवाधिकार आयोग (राष्ट्रीय) की कार्य और शक्तियाँ उल्लेखित है ?
(अ) धाराएँ 12, 14 (ब) धाराएँ 11, 12 एवं 13
(स) धाराएँ 12, 13 (द) धाराएँ 11, 12

23. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के कार्यो एवं शक्तियों का उल्लेख अधिनियम की धारा 12 में किया गया है। इन कार्यो की संख्या है ?
(अ) छः (ब) आठ
(स) नौ (द) दस

24. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की जाँच से संबंधित शक्तियों मे कौन-सी शक्ति सम्मिलित है ?
(अ) साक्षियों को बुलाना तथा उनकी उपस्थिति प्रवर्तित करना एवं शपथ पर उनकी परीक्षा करना।
(ब) हलफनामों पर साक्ष्य प्राप्त करना।
(स) साक्षियों या दस्तावेजों की परीक्षा के लिए कमीशन जारी करना।
(द) उपरोक्त सभी।

25. आयोग अपने जांच प्रतिवेदन की एक प्रति अपनी सिफारिशों के साथ सम्बन्धित सरकार या प्राधिकारी को भेजेगा तब सम्बन्धित सरकार या प्राधिकारी साधारणतया कितनी अवधि के भीतर उस प्रतिवेदन पर अपने अभिमत, उस पर की गई या की जाने हेतु प्रस्तावित कार्रवाई के साथ आयोग को अग्रेषित करेगा ?
(अ) 15 दिन (ब) एक माह
(स) तीन माह (द) छह माह

26. सशस्त्र बल के सदस्यों द्वारा मानव अधिकारों के उल्लंघन की शिकायतों को निपटाते समय आयोग द्वारा की गई सिफारिशों पर भारत सरकार उन सिफारिशों पर की गई कार्रवाई की सूचना आयोग को साधारणतया कितनी अवधि में देगा ?
(अ) 15 दिन (ब) एक माह
(स) तीन माह (द) छह माह

27. राज्य मानव अधिकार आयोग का अध्यक्ष बनने के लिये यह आवश्यक है कि वह ?
(अ) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा हो
(ब) उच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश रहा हो
(स) उच्चतम न्यायालय का कोई न्यायाधीश रहा हो
(द) सात वर्षो के अनुभव के साथ जिला न्यायाधीश रहा हो

28. निम्नलिखित मे से कौन-सा कथन असत्य है ?
(अ) राज्य मानव अधिकार आयोग का सचिव उसका मुख्य कार्यपालक अधिकारी होता है।
(ब) राज्य आयोग का मुख्य कार्यालय उसके अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जाता है।
(स) राज्य आयोग संविधान की सातवीं अनुसूची मे सूची-2 एवं सूची-3 में उल्लिखित प्रविष्टियों में किसी से सम्बन्धित मामलों के बारे में ही मानव अधिकारों के उल्लंघन की जांच करेगा।
(द) दो या अधिक राज्य सरकारें, राज्य आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की समिति से, ऐसे अध्यक्ष या यथास्थिति ऐसे सदस्य को एक ही समय मे अन्य राज्य आयोग के लिये नियुक्त कर सकती है यदि ऐसा अध्यक्ष या सदस्य ऐसी नियुक्ति के लिये सम्मति दे।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

29. राज्य आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति किसके हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष (ब) मुख्यमंत्री
(स) राज्यपाल (द) राष्ट्रपति

30. राज्य आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति की सिफारिश करने वाले समिति का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) राज्यपाल
(ब) मुख्यमंत्री
(स) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) विधान सभा अध्यक्ष

31. निम्नलिखित में से कौन राज्य आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति की सिफारिश करने वाली समिति का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) विधान सभा अध्यक्ष
(ब) राज्य में गृह मंत्रालय का प्रभारी मंत्री
(स) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) विधान सभा मे विपक्ष का नेता

32. राज्य आयोग के सदस्यों की पदावधि के संबंध मे निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है ?
(अ) राज्य आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की पदावधि के संबंध मे धारा 24 मे उपबंध किया गया है
(ब) राज्य आयोग का सदस्य उसकी नियुक्ति की तारीख से पाँच वर्ष की अवधि के लिये पद धारण करेगा
(स) कोई भी सदस्य सत्तर वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद पद को धारण करने का पात्र नहीं होगा
(द) कोई भी सदस्य पाँच वर्षो की दूसरी अवधि के लिए पुनर्नियुक्ति हेतु पात्र नहीं होगा

33. राज्य आयोगों के अध्यक्ष तथा सदस्यों का संदेय वेतन एवं भत्ते तथा उनकी सेवा की अन्य शर्ते व निबन्धन किसके द्वारा विहित किये जाएगें ?
(अ) राज्य सरकार (ब) राष्ट्रीय आयोग
(स) राज्यपाल (द) केन्द्रीय सरकार

34. राज्य सरकार प्रत्येक मानव अधिकार न्यायालय के लिये उस न्यायालय मे मामलों को संचालित करने के प्रयोजनार्थ किसे विशिष्ट लोक अभियोजक के रूप में विनिर्दिष्ट करेगी ?
(अ) किसी लोक अभियोजन को
(ब) किसी ऐसे अधिवक्ता को जो कम से कम सात वर्षो से विधि व्यवसाय कर रहा हो
(स) उपरोक्त (अ) अथवा (ब)
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

35. राष्ट्रीय आयोग के लेखों का वार्षिक विवरण तैयार करने का प्रपत्र केन्द्रीय सरकार किसके परामर्श से विहित करेगी ?
(अ) राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष
(ब) प्रधानमंत्री
(स) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

36. राज्य आयोग के लेखों का वार्षिक विवरण तैयार करने का प्रपत्र राज्य सरकार किसके परामर्श से विहित करेगी ?
(अ) राज्य आयोग के अध्यक्ष
(ब) मुख्यमंत्री
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

37. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग या राज्य आयोग उस तारीख से जिसको कि मानव अधिकारों के उल्लंघन करने वाला कृत्य किये जाने का आरोप किया गया है, कितनी अवधि के बाद किसी मामले मे जांच नहीं करेगा ?
(अ) एक वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद
(ब) दो वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद
(स) तीन वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद
(द) अधिनियम में ऐसी कोई अवधि निर्धारित नहीं की गई है

38. निम्नलिखित में से किसे भारतीय दण्ड संहिता की धारा 21 के अर्थान्तर्गत लोक सेवक समझा जाएगा ?
(अ) राष्ट्रीय आयोग का प्रत्येक सदस्य
(ब) राज्य आयोग का प्रत्येक सदस्य
(स) राष्ट्रीय आयोग या राज्य आयोग द्वारा इस अधिनियम के अधीन कृत्यों का प्रयोग करने के लिये नियुक्त प्रत्येक अधिकारी
(द) उपरोक्त सभी

39. कौन-सी धारा पूर्ववर्ती प्रभाव से नियम बनाने की शक्ति प्रदान करती है ?
(अ) धारा 40 (ब) धारा 40-क
(स) धारा 40-ख (द) धारा 41

40. धारा 40-ख के अधीन विनियम बनाने की शक्ति निम्नलिखित में से किसे प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
(ब) राज्य मानव अधिकार आयोग
(स) केन्द्रीय सरकार
(द) राज्य सरकार

41. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग को विनियम बनाने के लिये किसका पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) केन्द्रीय सरकार
(द) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

उत्तरमाला

1	द	11	अ	21	ब	31	स
2	द	12	स	22	स	32	द
3	ब	13	अ	23	द	33	अ
4	अ	14	द	24	द	34	स
5	द	15	स	25	ब	35	द
6	स	16	ब	26	स	36	द
7	ब	17	अ	27	अ	37	अ
8	स	18	अ	28	ब	38	द
9	द	19	स	29	स	39	ब
10	स	20	ब	30	अ	40	अ
						41	स

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

32. अ.जा./अ.ज.जाति अत्याचार निवारण अधिनियम

उद्देशिका- अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के सदस्यों पर अत्याचार का अपराध करने का निवारण करने के लिए, ऐसे अपराधों के विचारण के लिए विशेष न्यायालयों का तथा ऐसे अपराधों से पीड़ित व्यक्तियों को राहत देने का और उनके पुनर्वास का तथा उससे संबंधित या उसके आनुषंगिक विषयों का उपबंध करने के लिए इस अधिनियम का अधिनियमन किया गया। इस प्रकार उपरोक्त अधिनियम दाण्डिक प्रकृति का है तथा धारा 41, भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अनुसार 'विशेष विधि' की परिधि में आता है। इसका मुख्य उद्देश्य उक्त वर्ग को अत्याचार से छुटकारा दिलाकर अत्याचार के शिकार हुए इस वर्ग के लोगो का पुनरूद्धार करना है।

अधिनियम संबंधी प्रमुख तथ्य

- इस अधिनियम का क्रमांक वर्ष 1989 का 33 है।
- राष्ट्रपति ने इस अधिनियम को अपनी स्वीकृति 11 सितम्बर 1989 को प्रदान की।
- यह अधिनियम 30 जनवरी 1990 को लागू हुआ।

अधिनियम के मुख्य उद्देश्य

1. SC/ST के विरूद्ध अत्याचारों को रोकना।
2. SC/ST के विरूद्ध हुए अत्याचारों को विचारण (Trial) के लिए विशेष न्यायालय का प्रबंध।
3. ऐसे अपराधों से विशेष न्यायालय का प्रबंध।
4. ऐसे अपराधों से पीड़ित व्यक्तियों को राहत देने का और उनके पुनर्वास का उपबंध करने के लिए अधिनियम।

धाराओं के अन्तर्गत अधिनियम का विवरण

धारा (1) : (1) इस अधिनियम का नाम अनुसूचित और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 है। (2) इसका विस्तार जम्मू कश्मीर को छोड़कर शेष सम्पूर्ण भारत में है।

धारा (2): एस.सी./एस.टी का अर्थ वही होगा जो अनुच्छेद 366 (खण्ड 25 एवं 26) में परिभाषित है।

धारा (3): इस अधिनियम में किये गये अपराध एवं उनके दण्ड निम्नलिखित है-

1. किसी एस.सी./एस.टी के सदस्य को अखाद्य या घृणा जनक पदार्थ पीने या खाने के लिए मजबूर करना।
2. एस.सी./एस.टी. के परिसर में पशु शव, कूड़ा, मलमुत्र, उसे अपमानित करने या क्षति पहुचानें के आशय से डालना।
3. किसी एस. सी./एस.टी के व्यक्ति के शरीर पर बलपूर्वक कपड़े उतारकर या उसके चेहरे या शरीर को पोत कर घुमाना या अन्य एवं कार्य करना जो मानव के सम्मान के विरूद्ध है।
4. किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति के स्वामित्व या आवंटित किसी भूमि को हस्तातंरित करा देना या अधिभोग करना।
5. किसी एस.सी./एस.टी के व्यक्ति को उसकी भूमि या परिसर से बेदखल करना या उसे जल या भूमि के उपयोग से रोकना।
6. किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति के विरूद्ध मिथ्या या दोषपूर्ण विधिक कार्यवाही करना।
7. किसी एस.टी./एस.टी. की महिला का बल पूर्वक अनादर करना या उसकी लज्जा भंग करने की कोशिश करना।
8. किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति से बेगार करवाना या उससे बधुंआ मजदूरी करवाना।
9. किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति को मतदान से रोकना या किसी विशिष्ट उम्मीदवार के पक्ष में मतदान के लिए विवश करना।
10. किसी लोक सेवक को एस.सी./एस.टी के व्यक्ति के विरूद्ध मिथ्या सूचना देना जिससे वह लोकसेवक विधि पूर्वक शक्ति का प्रयोग कर विधि पूर्वक शक्ति का प्रयोग कर विधि कार्यवाही करेगा।
11. किसी एस.सी./एस.टी. व्यक्ति द्वारा उपयोगी जलाशय या अन्य स्त्रोत को दूषित या गंदा करना।
12. किसी एस.सी./एस.टी की महिला का लैगिंक शोषण करना (महिला की इच्छा को अधिशाषित (Dominating) करके) अन्यथा वह महिला इसके लिए सहमत नही होती है।
13. किसी एस.सी/एस.टी. के व्यक्ति का मार्ग अवरोध करना।
14. किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति को उसका घर या गांव बल पूर्वक छोड़ने पर विवश करना।

नोट:- *उपरोक्त सभी अपराधों के लिए कारावास कम से कम 6 माह तथा अधिकतम 5 वर्ष और जुर्माने से दण्डनीय होगा।*

अधिनियम के तहत विशेष अत्याचार

1. कोई व्यक्ति एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति के खिलाफ मिथ्या साक्ष्य देगा या गढ़ेगा, जिससे एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति को मृत्युदण्ड हो सकता है, तो उस व्यक्ति को आजीवन कारावास और जुर्माना होगा। परन्तु अगर इस षडयंत्र के कारण एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति को फॉसी हो जाती है, तो मिथ्या साथ्य देने वाले व्यक्ति को भी फांसी होगी।
2. अगर कोई व्यक्ति किसी एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति के खिलाफ मिथ्या साक्ष्य देगा जिससे एस.सी./एस.टी. के व्यक्ति को सात वर्ष की सजा हो सकती है, तो मिथ्या साक्ष्य देने वाले व्यक्ति को कम से कम 6 माह और अधिकतम 7 वर्ष या उससे ज्यादा एवं अर्थ दण्ड की सजा होगी।
3. अगर कोई व्यक्ति एस.सी./एस.टी. की संपत्ति को आग लगाता है या विस्फोट करता है। तो उसे न्यूनतम 6 माह तथा अधिकतम 7 वर्ष और अर्थ दण्ड की सजा होगी।
4. अगर कोई व्यक्ति आग या विस्फोट के द्वारा एस.सी./एस.टी. के पूजा के स्थान का मानव आवास के स्थान को नष्ट करता है, तो वह आजीवन कारावास एवं अर्थ दण्ड से दण्डनीय होगा।
5. अगर कोई व्यक्ति किसी एस.सी./एस.टी. के विरूद्ध हुए अपराध के साक्ष्यों को नष्ट करता है, तो उसे भी उस अपराध के लिए तय दण्ड मिलेगा।
6. अगर कोई लोकसेवक एस.सी./एस.टी. के विरूद्ध अपराध करता है, तो उसे कम से कम एक वर्ष की सजा एवं अधिकतम उस अपराध के लिए तय सजा मिलेगी।

धारा (4): कर्तव्यों के उपेक्षा के लिए दण्ड-

अगर कोई लोक सेवक जो एस.सी./एस.टी. का नही है। इस अधिनियम में पालन कियें जाने वाले कर्तव्यों की उपेक्षा करेगा। तो उसे कम से कम 6 माह और अधिकतम 1 वर्ष की सजा होगी।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

धारा (5): पश्चातवर्ती दोष सिद्धी के लिए वर्धित दण्ड
कोई व्यक्ति पहले भी इस अधिनियम के अन्तर्गत अपराध कर दोष सिद्ध हो चुका है। तो दोबारा अपराध करने पर उसे कम से कम 1 वर्ष का और अधिकतम उस अपराध के लिए तय दण्ड मिलेगा।

धारा (6): भारतीय संहिता के उपबन्धों का लागू होना
इस अधिनियम के साथ भारतीय दण्ड संहिता के धारा 34, अध्याय 3, अध्याय, 4, अध्याय 5, 5-क्र अध्याय 23, धारा 149 भी लागू होगें, परन्तु यह अधिनियम इन पर भारी होगा।

धारा (7): व्यक्तियों की संपत्ति का समपहरण (Forfeiture of Property of Certain persons)
अगर कोई व्यक्ति एस.सी./एस.टी. अधिकतम में दोषी पाया जाता है। तो उसकी चल एवं अचल संपति को विशेष न्यायालय सरकार को समपहरित (Forfeit) कर सकता है।
अगर कोई व्यक्ति एस.सी./एस.टी. अधिनियम में अभियुक्त है, तो विशेष न्यायालय उसकी संपति को विचारण की अवधि में कुर्क कर सकता है और दोष सिद्ध होने पर उस संपति का समपहरित कर सकता है।

धारा (8): अपराधों के बारे में उपधारणा (Presumption as to offences)
अ. अगर कोई व्यक्ति किसी एस.सी./एस.टी. अधिनियम के अभियुक्त की वित्तीय सहायता करता है। तो विशेष न्यायालय यह मानेगा कि सहायता करने वाले व्यक्ति ने अपराध का दुष्प्रेरण किया है।
ब. अगर कोई व्यक्तियों का समूह एस.सी./एस.टी. के विरूद्ध कोई अपराध करता है और यह सिद्ध हो जाता है कि यह अपराध किसी भूमि या अन्य विषय के विवाद का फल है। तो यह माना जाएगा कि यह एक सामान्य अपराध है।

धारा (9): शक्तियों का प्रदान किया जाना (Conferment of Powers)
राज्य शासन अगर जरूरी समझे तो वह किसी वाद या एस.सी. /एस.टी. अधिनियम के लिए किसी कोर्ट, किसी अधिकारी को व्यक्तियों के विरूद्ध उपयुक्त कार्यवाही की शक्तियॉ प्रदान कर सकता है।

निष्कासन (Externment)
धारा (10): यदि विशेष न्यायालय किसी शिकायत या पुलिस विवेचना से संतुष्ट होती है कि कोई व्यक्ति एस.सी./एस.टी. के विरूद्ध अपराध करने वाला है, तब कोर्ट लिखित में उस व्यक्ति को उस क्षेत्र से, आदेशित मार्ग से, आदेशित समय तक हटने के निर्देश दे सकता है। परन्तु उस व्यक्ति को अधिकतम 2 वर्ष के लिए ही हटाया जा सकता है। न्यायालय को उस व्यक्ति को आदेश एवं उसके आधार से सूचित करना पड़ेगा।
धारा (11): अगर व्यक्ति जिसे किसी क्षेत्र से हटने के आदेश दिए गए है, वह वहॉ से नही हटता है या समय से पहलें वापस आ जाता है तो न्यायालय के आदेश पर पुलिस उसे गिरफ्तार कर लेगी। परन्तु न्यायालय की आज्ञा से वह अस्थायी समय के लिए आ सकता हैं।
धारा (12): अगर पुलिस जरूरी समझे तो वह न्यायालय के आदेश से उपरोक्त व्यक्ति का फोटो और माप ले सकती हैं अगर व्यक्ति देने से मना करे तो उपयुक्त प्रयास किए जा सकते है और मना करने को अपराध माना जायेगा। अगर धारा 10 में वर्णित आदेश निरस्त कर दिया जाता है तो यह फोटो नेगेटिव के साथ नष्ट कर दिए जायेंगे।
धारा (13): अगर कोई व्यक्ति विशेष न्यायालय के आदेश नही मानता तो उसे एक वर्ष तक कारावास एवं जुर्माने की सजा होगी।

धारा (14): विशेष न्यायालय
एस.सी./एस.टी. अधिनियम के लिए राज्य शासन उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से किसी सत्र न्यायालय को विशेष न्यायालय का दर्जा दे सकती है (प्रत्येक जिले के लिए)

धारा (15): विशेष लोक अभियोजक
हर विशेष न्यायालय के लिए विशेष लोक अभियोजक राज्य शासन बनाती है। या किसी अधिवक्ता को जिसने कम से कम 7 वर्ष तक अधिवक्ता का व्यवसाय किया हो को नियुक्त कर सकती है।

धारा (16): राज्य शासन किसी क्षेत्र के लोगों पर सामूहिक जुर्माना सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 में वर्णित लगा सकती है।

धारा (17): निवारक कारवाई (Preventive Steps)
1. कोई भी जिला मजिस्ट्रेट या एस.डी.एम. या डी.एस.पी. या उससे ऊपर का अधिकारी चाहे तो जांच के आधार पर किसी क्षेत्र को अत्याचार ग्रस्त घोषित कर सकते है। और उपयुक्त कार्यवाही कर सकते है।
2. राज्य शासन अत्याचार रोकने के लिए नियम बना सकती है। जिससे एस.सी./एस.टी. के मध्य सुरक्षा की भावना रहें।

धारा (18): अग्रिम जमानत (Anticipatory Bail)
एस.सी./एस.टी. अधिनियम में अपराध किये गये व्यक्ति को अग्रिम जमानत नही मिलेगी।

धारा (19): इस अधिनियम में दोषी पर दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 360 एवं अपराधी परिवीक्षा अधिनियम 1958 लागू नही होगी। अगर दोषी की उम्र 18 वर्ष या उससे ऊपर है।

नोट:- *दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 360 एवं अपराधी परिवीक्षा (Probation) अधिनियम 1958 दोषी के अच्छे चरित्र एवं प्रथम अपराध से संबंधित है।*

धारा (20): अन्य विधियों पर अध्यारोही (Act to override other Laws)
जब तक विशष उपबन्ध ना हो तब तक यह अधिनियम हर प्रथा या विधि से ऊपर होगा।

धारा (21): शासन के कर्तव्य
1. राज्य शासन इस अधिनियम में केन्द्र शासन द्वारा बनाये गये नियमों को लागू करेगा
2. राज्य शासन अत्याचार ग्रस्त व्यक्ति को न्याय प्राप्त करने में पर्याप्त सुविधा, विधिक सहायता, साक्षियों की यात्र एवं भरण पोषण करेगा। राज्य शासन अधिनियम के क्रियान्वन के लिए समितियों की स्थापना करेगा एवं समय समय पर सर्वेक्षण करेगा और पीड़ित की हर सम्भव मदद करेगा।
3. केन्द्र सरकार राज्य शासन से समन्वय करेगी एवं प्रत्येक वर्ष संसद के दोनों सदनों के समक्ष स्वयं एवं राज्य सरकारों द्वारा किये गये उपायों की रिपोर्ट रखेगी।

धारा (22): सद्भाव पूर्ण की गई कार्यवाही के लिए सरक्षंण
किसी भी केन्द्र शासन या शासन या व्यक्ति या अधिकारी के विरूद्ध कोई भी कार्यवाही नही की जायेगी अगर उसने कोई कार्य इस अधिनियम के अधीन सद्भाव पूर्वक किया है।

धारा (23): नियम बनाने की शक्ति
इस अधिनियम के अन्तर्गत नियम केन्द्र शासन बनाती है। इसके लिए इस नियम को संसद को प्रत्येक सदन के समक्ष 30 दिन के लिए रखा जाता है।

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

राहत राशि के लिये मापदण्ड

अपराध का नाम	राहत की न्यूनतम राशि
1. अखाद्य या घृणाजनक पदार्थ पीना या खाना धारा 3(1)(i)	प्रत्येक पीड़ित को अपराध के स्वरूप और गंभीरता को देखते हुए 25.000 रू. या उससे अधिक और पीडित व्यक्ति द्वारा अनादर, अपमान, क्षति तथा मानहानि सहने के अनुपात में भी होगा।
2. क्षति पहुंचाना, अपमानित करना या क्षुब्धा करना (धारा 3(1)(ii) 3. अनादर सूचक कार्य (धारा 3)(1)(iii)	दिया जाने वाला भुगतान निम्नलिखित होगा- 1. 25 प्रतिशत जब आरोप-पत्र न्यायालय को भेजा जाए। 2. 75 प्रतिशत जब अभियुक्त को निचले न्यायालयों द्वारा दोषसिद्ध ठहराया जाए।
4. संदोष (Wrongfull) भूमि अधिाभोग में लेना या उस पर कृषि करना आदि (धारा 3)(1)(iv)	अपराध के स्वरूप और गंभीरता को देखते हुए कम से कम 25,000 रू. या उससे अधिक।
5. भूमि, परिसर या जल से संबंधित (धारा 3)(1) (V)	भूमि/परिसर/जल की आपूर्ति जहां आवश्यक हो, सरकारी खर्च पर पुनः की जाएगी। जब आरोप-पत्र न्यायालय को भेजा जाए पूरा भुगतान किया जाएगा।
6. बेगार या बलात्श्रम या बंधुआ मजदूरी (धारा 3)(1) (1)(vi)	प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को कम से कम, 25,000/- रू. प्रथम सूचना रिपोर्ट के प्रकम पर 25 प्रतिशत और 75 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर
7. मतदान के अधिकार के संबंध में (धारा 3)(1)(vii)	अपराध के स्वरूप और गंभीरता को देखते हुए प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को 20,000 रू. तक।
8. मिथ्या, द्वेषपूर्ण या तंग करने वाली विधिक कार्यवाही (धारा 3(1)(viii) 9. मिथ्या या तुच्छ जानकारी (धारा 3)(1)(ix)	25,000 रू. या वास्तविक विधि व्यय और क्षति की प्रतिपूर्ति या अभियुक्त के विचारण की समाप्ति के पश्चात्, जो भी कम हो।
10. अनादर, अभित्रस और अपमान (धारा 3)(1)(x)	अपराध के स्वरूप पर निर्भर करते हुए प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को 25,000 रू. तक। 25 प्रतिशत उस समय जब आरोप-पत्र न्यायालय को भेजा जाए और शेष दोषसिद्ध होने पर
11. किसी महिला की लज्जा, भंग करना (धारा 3)(1) (xi) 12. महिला का लैगिंक शोषण (धारा 3(1) (xii)	अपराध के प्रत्येक पीड़ित को 50,000 रू.। चिकित्सा जांच के पश्चात् 50 प्रतिशत का भुगतान किया जाए और शेष 50 प्रतिशत का विचारण की समाप्ति पर भुगतान किया जाए।
13. पानी गंदा करना (धारा 3)(1) (xiii)	1,00,000 रू. तक जब पानी को गन्दा कर दिया जाए या उसे साफ करने सहित या सामान्य सुविधा को पुनः बहाल करने की पूरी लागत। उस स्तर पर जिस पर जिला प्रशासन द्वारा ठीक समझा जाए भुगतान किया जाए।
14. मार्ग के रूढ़िजन्य अधिकार से वंचित करना (धारा 3) (1) (xiv)	1,00,000 रू. तक या मार्ग के अधिकार को पुनः बहाल करने की पूरी लागत और जो नुकसान हुआ है, यदि कोई हो, उसका पूरा प्रतिकार। 50 प्रतिशत जब आरोप-पत्र न्यायालय को भेजा जाए और 50 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर।
15. किसी को निवास स्थान छोड़ने पर मजबूर करना (धारा 3(1) (xv)	कम से कम 1,00,000 रू. या हुए नुकसान या हानि का पूरा प्रतिकार। 50 प्रतिशत का भुगतान जब आरोप पत्र न्यायालय में भेजा जाए और 50 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर अपराध के स्वरूप और गम्भीरता को देखते हुए प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को या उसके आश्रित को कम से कम 50,000 रू.।
16. मिथ्या साक्ष्य देना (धारा 3(2)(i) और (ii)	कम से कम 1,00,000 रू. या हुए नुकसान या हानि का पूरा प्रतिकार। 50 प्रतिशत का भुगतान जब आरोप पत्र न्यायालय में भेजा जाए ओर 50 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर अपराध के स्वरूप और गम्भीरता को देखते हुए प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को या उसके आश्रित को कम से कम 50,000 रू.।
17. भारतीय दण्ड सहिता के अधीन 10 वर्ष या उससे अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय अपराध करना। (धारा-2)	यदि अनुसूची में अन्यथा विशिष्ट रूप से उपबंध किया हुआ हो तो इस राशि में अंतर होगा।
18. किसी लोक सेवक से हाथों उत्पीड़न (धारा 3)(2)(vii)	उठाई गई हानि या नुकसान का पूरा प्रतिकार। 50 प्रतिशत का भुगतान जब आरोप पत्र न्यायालय में भेजा जाए और 50 प्रतिशत का भुगतान जब निचले न्यायालय में दोषसिद्ध हो जाए, किया जाएगा।
19. निर्योग्यता। कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं. 4-2/83-एच.डब्ल्यू - 3 तारीख 6-8-1986 में शारीरिक और मानसिक निर्योग्यता की परिभाषाये दी गई है। अधिसूचना की एक प्रति अनुबंध-2 पर है।	
(क) 100 प्रतिशत असमर्थतता	
(1) कुटुम्ब का न कमाने वाला सदस्य	अपराध के प्रत्येक पीड़ित को कम से कम 1,00,000 रू. 50 प्रतिशत प्रथम सूचना रिपोर्ट पर और 25 प्रतिशत आरोप पत्र पर तथा 25 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर।
(2) कुटुम्ब का कमाने वाला सदस्य	अपराध से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 2,00,000 रू.। 50 प्रतिशत का प्रथम सूचना रिपोर्ट/चिकित्सा जांच पर भुगतान कि या जाए और 25 प्रतिशत जब आरोप पत्र न्यायालय को भेजा जाए और तथा 25 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

(ख) जहां असमर्थता 100 प्रतिशत से कम है।	उपर्युक्त क (i) और (ii) में निर्धारित दरों को उसी अनुपात में कम किया जाएगा, भुगतान के चरण भी वही रहेंगे। तथापि न कमाने वाले सदस्य को 15,000 रू. से अन्यून और कुटुम्ब के विद्यमान सदस्य को 30,000 रू. से अन्यून।
20. हत्या/मृत्यु	
(क) कुटुम्ब का न कमाने वाला सदस्य	प्रत्येक मामले में कम से कम 1,00,000 रू.। 75 प्रतिशत पोस्टमार्टम के पश्चात् और 25 प्रतिशत निचले न्यायालय द्वारा दोषसिद्ध होने पर।
(ख) कुटुम्ब का कमाने वाला सदस्य	प्रत्येक मामले में कम से कम 2,00,000 रूं 75 प्रतिशत का भुगतान पोस्टमार्टम के पश्चात् और 25 प्रतिशत निचले न्यायालय में दोषसिद्ध होने पर।
21. हत्या मृत्यु, नरसंहार, बलात्कार (Rape), सामूहिक बलात्कार, गैंग द्वारा किया गया बलात्कार, स्थायी असमर्थता और डकैती	उपर्युक्त मदों के अन्तर्गत भुगतान की गई राहत की रकम के अतिरिक्त, राहत की व्यवस्था, अत्याचार की तारीख से तीन मास के भीतर निम्नलिखित रूप से की जाए- 1. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के मृतक की प्रत्येक विधवा और/या अन्य आश्रितों को 1000 रू. प्रतिमास की दर से, या मृतक के कुटुम्ब के एक सदस्य को रोजगार, या कृषि भूमि, एक मकान, यदि आवश्यक हो तो तत्काल खरीद कर उपलब्ध कराना। 2. पीड़ितो के बालकों की शिक्षा और उनके भरण-पोषण की पूरी लागत। बालको को आश्रम, विद्यालयों/आवासी विद्यालयों में दाखिल किया जाए। 3. तीन मास की अवधि तक बर्तनो, चावल, गेहूँ, दालो, दलहनो आदि की व्यवस्था।
22. पूर्णतया नष्ट/जला हुआ मकान।	जहां मकान को जला दिया गया हो या नष्ट कर दिया गया हो वहां सरकारी खर्च पर ईट / पत्थर के मकान का निर्माण किया जाए या उसकी व्यवस्था की जाए।

प्रश्नमाला

1. अनुसूचित जाति और जनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 विस्तृत है ?
   (a) जनजाति क्षेत्रों के सिवाय संपूर्ण भारत पर
   (b) केन्द्र शासित राज्यों के सिवाय संपूर्ण भारत पर
   (c) जम्मू-कश्मीर राज्य के सिवाय संपूर्ण भारत पर
   (d) संपूर्ण भारत क्षेत्र पर
2. अनुसूचित जाति और जनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 लागू किया गया ?
   (a) 30 सितम्बर ,1989 को
   (b) 30 अक्टूबर, 1990 को
   (c) 30 जनवरी, 1990 को
   (d) 30 दिसम्बर, 1990 को
3. क्या अनुसूचित जाति और जनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत अत्याचार से संबंधित अपराधों से पीड़ित व्यक्तियों को राहत देने का और उनके पुनर्वास का प्रावधान किया गया है ?
   (a) हाँ
   (b) नहीं
   (c) हाँ, परन्तु विशेष परिस्थितियों में
   (d) नहीं, क्योकि यह गलत है
4. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निषेध) अधिनियम, 1989, भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद से सम्बन्धित है ?
   (a) 17 (b) 18
   (c) 22 (d) 27
5. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत शब्द ''अत्याचार'' का अर्थ है?
   (a) गैर हिन्दू को मंदिर में प्रवेश से निवारित करना
   (b) उक्त अधिनियम की धारा 3 के अन्तर्गत दण्डनीय कोई भी अपराध
   (c) हिन्दू को, हिन्दू मंदिर में प्रवेश से निवारित करना
   (d) अस्पृश्यता की प्रथा
6. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के वही अर्थ हैं, जो ?
   (a) संविधान के अनुच्छेद 364 के खण्ड 24 और खण्ड 26 में है।
   (b) संविधान के अनुच्छेद 366 के खण्ड 24 और खण्ड 25 में है।
   (c) संविधान के अनुच्छेद 365 के खण्ड 25 और खण्ड 26 में है।
   (d) संविधान के अनुच्छेद 367 के खण्ड 24 और खण्ड 25 में है।
7. विशेष न्यायालय से अभिप्रेत है ?
   (a) धारा 13 में विशेष न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट कोई सत्र न्यायालय
   (b) धारा 14 में विशेष न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट कोई सेशन न्यायालय
   (c) धारा 15 में विशेष न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट कोई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का न्यायालय
   (d) धारा 16 में विशेष न्यायालय के रूप में विनिर्दिष्ट कोई द्वितीय वर्ग मजिस्ट्रेट का न्यायालय
8. विशेष लोक अभियोजक से अभिप्रेत है ?
   (a) विशेष लोक अभियोजक के रूप में विनिर्दिष्ट लोक अभियोजक
   (b) धारा 15 में निर्दिष्ट अधिवक्ता
   (c) उपरोक्त दोनों
   (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
9. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम में कुछ शब्दों का प्रयोग किया गया है, किन्तु उन्हें परिभाषित नही किया गया है, तो उसका अर्थ कानून की किस संहिता से लगाया जाएगा ?
   (a) भारतीय साक्ष्य अधिनियम
   (b) भारतीय दण्ड संहिता
   (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता
   (d) व्यवहार प्रक्रिया संहिता

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

10. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के प्रति दण्डनीय अत्याचारों का वर्णन संबंधित अधिनियम की किस धारा में वर्णित है ?
(a) धारा-दो (b) धारा-तीन
(c) धारा-पाँच (d) धारा-छः

11. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 के तहत कौन से वर्ग के व्यक्ति को अभियुक्त बनाया जा सकता है ?
(a) कोई भी व्यक्ति, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है
(b) कोई भी व्यक्ति, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है
(c) कोई भी व्यक्ति, जो अल्पसंख्यक वर्ग का सदस्य है
(d) कोई भी व्यक्ति, जो पिछड़ी जाति का सदस्य है

12. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के प्रावधान निम्न में से किस परिस्थिति में आकर्षित होते है ?
(a) जब अपराधी अनुसूचित जाति का सदस्य हो और परिवादी अनुसूचित जाति का सदस्य नही हों
(b) जब अपराधी अनुसूचित जनजाति का सदस्य हो और परिवादी अनुसूचित जाति का सदस्य हो
(c) जब परिवादी अनुसूचित जनजाति का सदस्य हो और अपराधी अनुसूचित जनजाति अथवा अनुसूचित जाति का सदस्य नही हो
(d) जब अपराधी अनुसूचित जाति का सदस्य हो और परिवादी एक शासकीय सेवक हो

13. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन कोई भी अपराध ?
(a) केवल ऐसे व्यक्ति द्वारा कारित किया जा सकता है, जो अ.जा. या अ.ज.जा. का नही है
(b) अ.जा एवं अ.ज.जा. के सदस्य द्वारा भी कारित किया जा सकता है
(c) अ.जा. एवं अ.ज.जा. के सदस्य द्वारा उसी स्थिति में वह अपराध कारित किया जा सकता है, जबकि अपराध से पीड़ित व्यक्ति उक्त किसी जाति का हो
(d) अ.जा के किसी सदस्य द्वारा अ.ज.जा. के सदस्य के विरूद्ध पारित किया जा सकता है

14. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 3 (2) के तहत अभियुक्त अग्नि या विस्फोटक पदार्थ द्वारा अपराध करता है तो उस पर कितना दण्ड अधिरोपित किया जाएगा ?
(a) मृत्युदण्ड
(b) आजीवन कारावास और जुर्माना
(c) सात वर्ष तक का कारावास और जुर्माना (न्यूनतम सजा छः मास का कारावास)
(d) दस वर्ष तक का कारावास और जुर्माना (न्यूनतम सजा छः मास का कारावास)

15. विधि विरूद्ध अनिवार्य श्रम अस्पृश्यता का आचरण समझा जाएगा जब कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को मजबूर करता है ?
(a) पशु का शव हटाने हेतु
(b) किसी पशु की खाल खीचने/हटाने हेतु
(c) बुहारना या सफाई हेतु
(d) उपर्युक्त सभी कार्य हेतु

16. यदि किसी अनुसूचित जाति के व्यक्ति को मृत्युण्ड से दण्डनीय अपराध में दंडित कराने के आशय से मिथ्या साक्ष्य देता है, तो उसे कितना दण्ड दिया जा सकता है ?
(a) दो वर्ष का कारावास एवं जुर्माना
(b) पाँच वर्ष तक का कारावास एवं जुर्माना
(c) दस वर्ष तक का कारावास एवं जुर्माना
(d) आजीवन कारावास एवं जुर्माना

17. 'क' जो अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है, 'ख' जो अनु. जनजाति का सदस्य है, के विरूद्ध हत्या के अपराध के मामले में झूठी गवाही देता है कि जिसके फलस्वरूप 'ख' दोषसिद्ध पाया जाकर उसके विरूद्ध मृत्युदण्ड का कार्यान्वयन हो जाता है। 'क' निम्न दण्ड का भागी है ?
(a) मृत्युदण्ड
(b) मृत्युदण्ड अथवा आजन्म कारावास
(c) आजन्म कारावास अथवा सश्रम कारावास कि जिसकी अवधि 10 वर्ष हो सकती है
(d) मृत्युदण्ड अथवा आजन्म कारावास अथवा 10 वर्ष तक की अवधि का सश्रम कारावास

18. कोई भी व्यक्ति जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के सदस्य को उसके मकान, गांव या निवास के मूल स्थान को छोड़ने हेतु विवश करता है या कराता है, वह दण्डनीय होगा ?
(a) छह मास से कम न होने वाले, परन्तु जो पाँच वर्ष तक हो सकता है, कारावास से
(b) छह मास से कम न होने वाले, परन्तु जो दो वर्ष तक हो सकता है, कारावास से
(c) एक वर्ष सक कम न होने वाले, परन्तु जो दो वर्ष तक हो सकता है, कारावास से
(d) एक वर्ष से कम न होने वाले, परन्तु जो पाँच वर्ष तक हो सकता है, कारावास से

19. 'क' जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है, 'ख' के रहने के मकान में जो अनुसूचित जाति का सदस्य है आग लगा देता है। 'क' निम्नांकित में से किस दण्ड से दण्डनीय होगा ?
(a) सात वर्ष के कारावास से (b) दस वर्ष के कारावास से
(c) आजीवन कारावास से (d) मृत्युदण्ड से

20. 'क' जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है, 'ख' को जो एक अनुसूचित जाति का सदस्य है बेगार करने के लिए विवश करता है तो वह अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत निम्नांकित में से किस कारावास से दंडित किया जा सकेगा ?
(a) न्यूनतम 6 मास का कारावास, जो दो वर्ष तक हो सकेगा
(b) न्यूनतम 6 मास का कारावास, जो तीन वर्ष तक हो सकेगा
(c) न्यूनतम 6 मास का कारावास, जो पाँच वर्ष तक हो सकेगा
(d) न्यूनतम 1 वर्ष का कारावास, जो सात वर्ष तक हो सकेगा

21. क्या अनुसूचित जाति के किसी सदस्य को उसकी जातिसूचक शब्दों का उपयोग करते हुए संबोधित करना अधिनियम की धारा 3(1)(x) के अंतर्गत अपराध गठित करेगा ?
(a) हाँ, यदि शब्दों को एक लोक स्थान में उच्चारित किया गया है
(b) हाँ, यदि शब्दों को जनता के दृष्टिगोचर किसी स्थान में उच्चारित किया गया हो
(c) हाँ, यदि शब्दों को किसी लोक स्थान में उसको अपमानित करने के आशय से उच्चारित किया गया हो
(d) हाँ, यदि शब्दों को जनता के दृष्टिगोचर किसी स्थान में उसको अपमानित करने के आशय से उच्चारित किया गया हो

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

22. अधिनियम की धारा 3(1)(xi) के अंतर्गत अपराध में भा.द.सं. की धारा 354 तथा ..... के अंतर्गत दण्डनीय अपराधों के तत्व सम्मिलित हैं ?
(a) भा.द.सं. की धारा 509
(b) भा.द.सं. की धारा 510
(c) भा.द.सं. की धारा 504
(d) भ.द.सं. की धारा 506

23. अनुसूचित जनजाति के सदस्यों द्वारा उपयोग में लाए जा रहे किसी जलाशय के पानी को दूषित करने वाले व्यक्ति को कितना दण्ड दिया जा सकता है ?
(a) छः माह तक कारावास व जुर्माना
(b) दो वर्ष तक का कारावास व जुर्माना
(c) पाँच वर्ष तक का कारावास व जुर्माना
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. एक लोकसेवक, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है, धारा 3 के अधीन दण्डनीय अपराध करता है, तो वह दंडित किया जा सकेगा ?
(a) एक वर्ष से अधिक अवधि के कारावास से किन्तु जो पाँच वर्ष तक का हो सकेगा
(b) अधिकतम सात वर्ष तक के कारावास से
(c) अधिकतम आजीवन कारावास से
(d) एक वर्ष या अधिक अवधि के कारावास से किन्तु जो उस अपराध के लिए उपबंधित दण्ड तक हो सकेगी

25. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अपराध निषेध) अधिनियम के अन्तर्गत किसी अपराध के लिए अधिकतम दण्ड क्या दिया जा सकता है ?
(a) छः माह का कारावास (b) दस वर्ष का कारावास
(c) मृत्युदण्ड (d) आजीवन कारावास

26. 'क' जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य को अपना मकान, गाँव या अन्य निवास स्थान छोड़ने के लिए मजबूर करेगा या कराएगा, तो वह दण्डनीय होगा?
(a) कारावास से, जिसकी अवधि छह मास से कम नही होगी किन्तु जो पाँच वर्ष तक की हो सकेगी
(b) कारावास से, जो अधिमतम सात वर्ष तक का हो सकेगा
(c) आजीवन कारावास से
(d) उपरोक्त में से कोई नही

27. एक लोकसेवक, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य नही है, इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा पालन किए जाने के लिए अपेक्षित अपने कर्तव्यों की जानबूझकर उपेक्षा करेगा, तो वह दण्डनीय होगा ?
(a) कारावास से, जिसकी अवधि एक मास से कम नही होगी किन्तु जो तीन मास तक की हो सकेगी
(b) कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम नही होगी किन्तु जो छह मास तक की हो सकेगी
(c) कारावास से, जिसकी अवधि छह मास से कम नही होगी किन्तु जो एक वर्ष तक की हो सकेगी
(d) कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष से कम नही होगी किन्तु जो दो वर्ष तक की हो सकेगी

28. जब कोई व्यक्ति लोक सेवक होते हुए किन्तु अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य न होते हुए जानबूझकर अपने कर्तव्यों, जिनका अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अधीन उसका पालन किया जाना अपेक्षित है, कि उपेक्षा करता है, कम से कम कितने कारावास से दण्डित होगा ?
(a) छः महीने (b) एक वर्ष
(c) दो वर्ष (d) पाँच वर्ष

29. 'क' एक लोक सेवक जो अनुसूचित जाति अथवा जनजाति का सदस्य नहीं है, अ.जा. एवं अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत अपने कर्तव्यों की जानबूझकर उपेक्षा करता है। वह दण्डनीय होगा ?
(a) कारावास से जिसकी अवधि छः मास से कम न होगी
(b) एक वर्ष की अवधि तक के कारवास से
(c) (अ) और (ब) दोनो
(d) तीन वर्ष के कारावास से

30. कोई व्यक्ति, जो अध्याय 2 के अधीन किसी अपराध के लिए पहले ही दोषसिद्ध हो चुका है, दूसरे अपराध या उसके पश्चात्वर्ती किसी अपराध के किए दोषसिद्ध किय जाता है, वह दण्डनीय होगा ?
(a) कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास से कम नही होगी, किन्तु जो उस अपराध के लिए उपबंधित दण्ड तक हो सकेगी
(b) कारावास से, जिसकी अवधि छह मास से कम नही होगी, किन्तु जो उस अपराध के लिए अपबंधित दण्ड तक हो सकेगी
(c) कारावास से, जिसकी अवधि एक वर्ष से कम नही होगी, किन्तु जो उस अपराध के लिए उपबंधित दण्ड तक हो सकेगी
(d) कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष से कम नही होगी, किन्तु जो उस अपराध के लिए उपबंधित दण्ड तक हो सकेगी

31. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 7 के तहत न्यायालय विचारण की अवधि के दौरान संपत्ति की कुर्की करने के लिए स्वतंत्र होगा?
(a) हाँ
(b) नहीं
(c) हाँ, परन्तु जब राज्य शासन अनुमति दे
(d) हाँ, परन्तु जब उच्च न्यायालय अनुमति दे

32. क्या अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निषेध) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत दण्ड अधिनिर्णीत करने वाला न्यायालय किसी व्यक्ति को कारावास की सजा अधिनिर्णीत करने के साथ ही साथ, उसकी संपत्ति के भी समपहरण का आदेश दे सकता है ?
(a) नहीं
(b) हाँ, परन्तु केवल तभी जबकि अधिनिर्णीत कारावास की सजा 6 माह से कम की हो
(c) हाँ, परन्तु केवल तभी जबकि अधिनिर्णीत कारावास की सजा तीन माह से कम की हो
(d) हाँ

33. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत अपराधी के बारे में उपधारणा का प्रावधान किया गया है ?
(a) धारा 6 के तहत (b) धारा 7 के तहत
(c) धारा 8 के तहत (d) धारा 9 के तहत

34. इस अधिनियम के तहत किसी अपराध के लिए अभियोजन में यदि यह साबित हो जाता है कि अभियुक्त ने संदेहास्पाद व्यक्ति को वित्तीय सहायता की है, जो विशेष न्यायालय जब तक तत्प्रतिकूल साबित न किया जाए?
(a) यह उपधारणा कर सकेगा कि ऐसे व्यक्ति ने उस अपराध का दुष्प्रेरण किया है
(b) यह उपधारणा करेगा कि ऐसे व्यक्ति ने उस अपराध का दुष्प्रेरण किया है
(c) ऐसे व्यक्ति ने उस अपराध का दुष्प्रेरण किया है, यह उस बात का निश्चायक सबूत होगा
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

35. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 8 के तहत न्यायालय द्वारा कौन सी उपधारणा अपराध कारित करने के संबंध में की जाएगी ?
(a) सामान्य उद्देश्य (b) सामान्य आशय
(c) दुष्प्रेरण (d) उपरोक्त सभी

36. निम्नांकित में से कौन किसी अपराध के निवारण और उससे निपटने के लिए राज्य सरकार के किसी अधिकारी को किसी जिले या उसके भाग में पुलिस अधिकारी द्वारा प्रयोक्तव्य शक्तियाँ प्रदान कर सकेगा/सकेगी ?
(a) उच्च न्यायालय (b) उच्चतम न्यायालय
(c) राज्य सरकार (d) केन्द्रीय सरकार

37. निम्नांकित में से कौन संविधान के अनुच्छेद 244 में यथानिर्दिष्ट अनुसूचित क्षेत्रों से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अध्याय 2 के तहत अपराध करने की संभावनाओं वाले व्यक्ति को उसे क्षेत्र से हटाए जाने का निर्देश दे सकता है ?
(a) विशेष न्यायालय
(b) सेशन न्यायालय
(c) उच्च न्यायालय
(d) उच्च न्यायालय के परामर्श से राज्य सरकार

38. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 10(1) के तहत आदेश से प्रभावित व्यक्ति आदेश की तारीख से कितने समय के भीतर आदेश को प्रतिसंहृत या उपांतरित करने के लिये अभ्यावेदन प्रस्तुत कर सकता है ?
(a) पंद्रह दिन के भीतर (b) तीस दिन के भीतर
(c) पैंतालीस दिन के भीतर (d) साठ दिन के भीतर

39. यदि कोई व्यक्ति जिसको धारा 10 के तहत किसी क्षेत्र से हट जाने के लिए कोई आदेश जारी किया गया है तब उसे विशेष न्यायालय किस परिस्थिति के अनुसार गिरफ्तार कर सकेगा ?
(a) यदि निर्देशानुसार हटनें में असफल रहे
(b) यदि हटने के उपरांत विशेष न्यायालय की लिखित अनुज्ञा के बिना निर्धारित अवधि के भीतर प्रवेश करता है
(c) उपरोक्त दोनों परिस्थितियों के अनुसार
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

40. प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जिसके विरूद्ध धारा 10 के अधीन आदेश किया गया है, विशेष न्यायालय द्वारा ऐसी अपेक्षा की जाने पर, निम्नांकित में से किसको अपने माप और फोटो लेने देगा ?
(a) किसी पुलिस अधिकारी को
(b) किसी डिप्टी कलेक्टर को
(c) किसी सत्र न्यायालय को
(d) किसी भी व्यक्ति को

41. वह व्यक्ति जिसके विरूद्ध अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 10 के अधीन आदेश पारित किया गया है, यदि अपनी माप और फोटो लिये जाने का प्रतिरोध करता है, तो वह किस धारा के अन्तर्गत अपराधी समझा जाएगा ?
(a) धारा 11 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989
(b) धारा 12 इसी अधिनियम की
(c) धारा 186 भारतीय दण्ड संहिता, 1860
(d) उपर्युक्त सभी

42. यदि कोई व्यक्ति, धारा 12 (2) के अधीन लिए जाने वाले माप या फोटो का प्रतिरोध या उससे इंकार करता है, तो उसका कृत्य समझा जाएगा ?
(a) IPC की धारा 86 के अधीन अपराध
(b) IPC की धारा 186 के अधीन अपराध
(c) IPC की धारा 286 के अधीन अपराध
(d) IPC की धारा 386 के अधीन अपराध

43. यदि कोई व्यक्ति, धारा 10 के अधीन किए गए विशेष न्यायालय के आदेश का उल्लंघन करेगा, तो वह दण्डनीय होगा?
(a) एक वर्ष तक के कारावास से
(b) दो वर्ष तक के कारावास से
(c) तीन वर्ष तक के कारावास से
(d) पाँच वर्ष तक के कारावास से

44. अत्याचार निवारण के लिए राज्य शासन ''विशेष न्यायालय'' का गठन निम्न धारा के अन्तर्गत करेगा ?
(a) धारा 14 (b) धारा 15
(c) धारा 16 (d) धारा 17

45. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत विशेष न्यायालय का गठन किया जाता है?
(a) शीघ्र विचारण का उपबंध करने के प्रयोजन के लिए
(b) ऋजुपूर्ण एवं सस्ता न्याय उपलब्ध करने के प्रयोजन के लिए
(c) न्यायिक प्रक्रिया को सुगम एवं लचीला बनाने के लिए
(d) विशेष वर्ग के व्यक्तियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए

46. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत विशेष न्यायालय कौन गठित करता है ?
(a) अधिसूचना के माध्यम से केन्द्र सरकार द्वारा
(b) के केन्द्र सरकार द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से
(c) राज्य सरकार द्वारा राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से
(d) राज्यपाल द्वारा सत्र न्यायालय को विशेष दर्जा देकर

47. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अन्तर्गत विशेष न्यायालय की स्थापना कौन करता है ?
(a) राज्य के परामर्श से राज्य सरकार
(b) राष्ट्रपति के परामर्श से केन्द्र सरकार
(c) राज्य के न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से राज्य सरकार
(d) उच्चतम न्यायालय की सहमति से केन्द्र सरकार

48. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत 'विशेष न्यायालय' का गठन कौन करता है ?
(a) केन्द्र सरकार
(b) भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर केन्द्र सरकार
(c) संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय से सहमति कर राज्य सरकार
(d) राज्यपाल

49. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निषेध) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराधों के विचारण की अधिकारिता निम्न में से किसको है ?
(a) विशेष न्यायालय (b) जिला मजिस्ट्रेट
(c) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (d) मजिस्ट्रेट, प्रथम वर्ग

50. अ.जा. तथा अ.ज.जा. (अत्याचार निषेध) अधिनियम के अन्तर्गत किन न्यायालयों को 'विशेष न्यायालय' विनिर्दिष्ट किय जाता है ?
(a) सत्र न्यायालय
(b) न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय
(c) जिला मजिस्ट्रेट के न्यायालय
(d) जिला जज के न्यायालय

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

51. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन अपराध का विचारण किय जा सकता है ?
(a) ऐसे सामान्य दांडिक न्यायालय द्वारा, जो दण्ड प्रक्रिया संहिता की अनुसूची-1 में विनिर्दिष्ट हो
(b) किसी पत्र न्यायालय द्वारा
(c) ऐसे पत्र न्यायालय द्वारा, जो राज्य सरकार द्वारा इस हेतु विशेषत: विनिर्दिष्ट किया गया हो
(d) केन्दीय सरकार द्वारा इस हेतु बनाए गए विशेष न्यायालय द्वारा

52. राज्य सरकार, उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, इस अधिनियम के अधीन अपराधों के विचारण हेतु प्रत्येक जिले के लिए एक विशेष न्यायालय विनिर्दिष्ट कर सकेगी, जिसका पीठासीन अधिकारी होगा ?
(a) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग
(b) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
(c) सेशन न्यायाधीश
(d) उच्च न्यायालय का न्यायाधीश

53. निम्नांकित में से कौन विशेष न्यायालय में मामलों के संचालन के प्रयोजन के लिए विशेष लोक अभियोजक की नियुक्ति कर सकेगा ?
(a) उच्च न्यायालय (b) राज्य सरकार
(c) उच्चतम न्यायालय (d) राष्ट्रपति

54. विशेष लोक अभियोजक के लिए निम्नांकित में से कीतने वर्ष तक अभिवक्ता के रूप में विधि व्यवसाय का अनुभव आवश्यक है ?
(a) 5 वर्ष (b) 7 वर्ष
(c) 10 वर्ष (d) 14 वर्ष

55. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 16 के तहत राज्य सरकार की सामूहिक जुर्माना अधिरोपित करने की शक्ति का प्रावधान निम्नांकित में से कौन से अधिनियम के उपबंधों के अधीन किया जाएगा ?
(a) संविधान क अनुच्छेद 17 के तहत
(b) सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 10-क के तहत
(c) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 68 के तहत
(d) अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम, 1955 की धारा 18 के तहत

56. निम्नांकित में से कौन अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत किसी क्षेत्र को अत्याचारग्रस्त क्षेत्र घोषित कर सकेगा तथा शांति और सदाचार बनाए रखनें तथा लोक व्यवस्था और प्रशांति बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्यवाही कर सकेगा ?
(a) जिला या उपखण्ड मजिस्ट्रेट
(b) कार्यपालक मजिस्ट्रेट
(c) पुलिस अधीक्षक से अनिम्न पंक्ति का कोई पुलिस अधिकारी
(d) उपरोक्त सभी

57. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत लोक व्यवस्था और शान्ति बनाए रखने तथा अत्याचारग्रस्त घोषित क्षेत्रों में अत्याचार रोकने के लिए कौन उत्तरदायी है ?
(a) जिला मजिस्ट्रेट
(b) उप-खण्ड मजिस्ट्रेट
(c) पुलिस अधिकारी जो पुलिस उप-अधीक्षक के पद से नीचे का न हो
(d) उपरोक्त सभी

58. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन अपराध करने वाले व्यक्तियों को दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 438 लागू न होना, प्रावधानित है?
(a) धारा 16 के तहत (b) धारा 17 के तहत
(c) धारा 18 के तहत (d) धारा 19 के तहत

59. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की किस धारा में अग्रिम जमानत प्रतिबन्धित है ?
(a) धारा 17 (b) धारा 18
(c) धारा 19 (d) धारा 20

60. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन अपराध में आरोपित अभियुक्त निम्न प्रावधान के अधीन जमानत हेतु आवेदन नहीं कर सकता है?
(a) अन्तर्गत धारा 437 दण्ड प्रक्रिया संहिता
(b) अन्तर्गत धारा 438 दण्ड प्रक्रिया संहिता
(c) अन्तर्गत धारा 439 दण्ड प्रक्रिया संहिता
(d) किसी भी उपर्युक्त प्रावधान के अधीन

61. अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के किसी सदस्य के प्रति अत्याचार के दोषी वयस्क व्यक्ति को परिवीक्षा पर ?
(a) छोड़ा जा सकता है
(b) नही छोड़ा जा सकता
(c) राज्य सरकार की अनुमति से छोड़ा जा सकता है
(d) उच्च न्यायालय की अनुमति से छोड़ा जा सकता है

62. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 360 या अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के प्रावधान इस अधिनियम के अधीन अपराधों के दोषी व्यक्तियों के लिए सामान्यत: लागू नहीं होते है, लेकिन यह उपबंध तक लागू हो सकते है यदि अपराधी की आयु?
(a) 16 वर्ष से अधिक नही है
(b) 18 वर्ष से अधिक नही है
(c) 21 वर्ष से अधिक नही है
(d) 7 वर्ष से अधिक किन्तु 12 वर्ष से अधिक नही है

63. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन कोई अपराध करने का दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के संबंध में अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के प्रावधान ?
(a) लागू नही होगे, यदि उसकी आयु 21 वर्ष से अधिक है
(b) लागू नही होगें, यदि उसकी आयु 18 वर्ष से अधिक है
(c) तभी लागू होगे, जब उसकी आयु 16 वर्ष से कम हो
(d) उपर्युक्त किसी भी स्थिति में लागू नही होगे

64. निम्नांकित में से कौन ऐसे नियमों के अधीन रहते हुए, जो केन्द्रीय सरकार अस निर्मित बनाए, इस नियम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए ऐसे उपाय करेगी, जो आवश्यक हो ?
(a) विशेष न्यायालय (b) उच्च नयायालय
(c) राज्य सरकार (d) केन्द्र सरकार

65. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत प्रभावी क्रियांवयन के लिए विशिष्टियां होगी ?
(a) विधिक सहायता
(b) पीड़ितो का सामाजिक और आर्थिक पुनरूद्धार
(c) विचारण के दौरान साक्षी व्यय
(d) उपरोक्त सभी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

66. निम्नांकित में से कौन प्रत्येक वर्ष संसद के प्रत्येक सदन के पटल पर धारा 21 के उपबंधों के अधीन किए गए उपायों के संबंध में एक रिपोर्ट रखेगी ?
(a) राज्य सरकार
(b) केन्द्रीय सरकार
(c) उच्च न्यायालय की सलाह पर राज्यपाल
(d) राज्यपाल की रिपोर्ट पर राष्ट्रपति

67. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की निम्नांकित में से किस धारा कि तहत सद्भावपूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण का प्रावधान किय गया है ?
(a) धारा 21 (b) धारा 22
(c) धारा 23 (d) धारा 24

68. 'क' ने अपने अनुसूचित जाति के नौकर को जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए आदेशित किया। कोई सबूत इस बात का नहीं है कि 'क' ने नौकर को इरादतन अपमानित किया था। अ.जा. और अ.ज.जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 क्या इस मामले में लागू होता है ?
(a) हाँ
(b) नही
(c) नौकर की इच्छा पर निर्भर है
(d) धारा 3(1)(x) लागू हाती है

69. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 23 के अन्तर्गत राजपत्र में सूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार किसको है ?
(a) केन्द्र सरकार को (b) राज्य सरकार को
(c) सर्वोच्च न्यायालय को (d) इन सभी को

70. निम्नांकित में से कौन राजपत्र में अधिसूचना द्वारा इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बना सकेगी ?
(a) राज्य सरकार
(b) केन्द्रीय सरकार
(c) राज्यपाल की रिपोर्ट पर राष्ट्रपति
(d) केवल उच्च न्यायालय की अनुशंसा पर उच्चतम न्यायालय

71. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की धारा 23 के अन्तर्गत इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए नियम बनाने का अधिकार किसको प्राप्त है ?
(a) राज्य सरकार को (b) केन्द्र सरकार को
(c) (अ) और (ब) दोनों को (d) सर्वोच्च न्यायालय को

72. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अधीन बनाया गया प्रत्येक नियम, बनाए जाने के पश्चात् यथाशीघ्र संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष, जब वह सत्र में हो, कुल कितनी अवधि के लिए रखा जाएगा ?
(a) 15 दिन के लिए (b) 30 दिन के लिए
(c) 45 दिन के लिए (d) 60 दिन के लिए

73. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अधीन सद्भावपूर्वक की गई या की जाने के लिए आशयित किसी बात के लिए कोई भी वाद, अभियोजन, या अन्य विधिक कार्यवाही निम्नांकित में से किसके विरूद्ध नहीं होगी ?
(a) केन्द्रीय सरकार के विरूद्ध
(b) राज्य सरकार के विरूद्ध
(c) सरकार के किसी अधिकारी या प्राधिकारी के विरूद्ध
(d) उपरोक्त सभी के विरूद्ध

74. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत किये गये अपराध का अन्वेषण करने के लिए नियुक्त अन्वेषक अधिकारी अपनी अन्वेषण रिपोर्ट किनते समय के भीतर देगा ?
(a) 30 दिन
(b) 60 दिन
(c) राज्य सरकार द्वारा माँगने पर
(d) राज्य के पुलिस महानिदेशक द्वारा माँगने पर

75. अ.जा. और अ.ज.जा. (अत्याचार निवारण) नियमावली, 1995 के नियम 12 (4) के अन्तर्गत किसी लैंगिक शोषण के अत्याचार से पीड़ित महिला के लिए क्षतिपूर्ति की राशि निर्धारित है ?
(a) 50,000 रूपये (b) 25,000 रूपये
(c) 30,000 रूपये (d) 75,000 रूपये

उत्तरमाला

1	C	11	B	21	D	31	A	41	C	51	C	61	B	71	B
2	C	12	C	22	A	32	D	42	B	52	C	62	B	72	B
3	A	13	A	23	C	33	C	43	A	53	B	63	B	73	D
4	A	14	C	24	D	34	B	44	A	54	B	64	C	74	A
5	B	15	D	25	C	35	D	45	A	55	B	65	D	75	A
6	B	16	D	26	A	36	C	46	C	56	D	66	B		
7	B	17	A	27	C	37	A	47	C	57	D	67	B		
8	C	18	A	28	A	38	B	48	C	58	C	68	B		
9	C	19	C	29	C	39	C	49	A	59	B	69	A		
10	B	20	C	30	C	40	A	50	A	60	B	70	B		

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

33. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम

अधिनियम के प्रमुख तथ्य

- पहले यह अधिनियम ''अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम 1955'' कहलाता था।
- इस अधिनियम का क्रमांक 1955 का 22 है।
- इसका प्रथम संस्करण 1 नवंबर 1970 को दो भाषाओं में आया था।
- 19-11-1976 से इसका नाम ''सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955'' हो गया।
- राष्ट्रपति ने अनुमति 8 मई 1955 को प्रदान की।
- इसका द्वितीय संस्करण 1 जून 1977 को आया था।

धाराओं के अंतर्गत अधिनियम का विवरण

धारा-1 इस अधिनियम का नाम ''सिविल अधिकार संरक्षण'' अधिनियम होगा। यह संपूर्ण भारत में लागू होगा।

धारा-2 परिभाषाएं

- सिविल अधिकार वह अधिकार है जो अस्पृश्यता निवारण के लिए संविधान के अनुच्छेद 17 में दिए है।
- होटल, तम्बू, जलयान, मनोरंजन स्थल, धर्मशाला, भोजनालय आदि स्थान जो इस अधिनियम में माने गये है।
- अनुसूचित जाति का अर्थ अनुच्छेद 366 (खंड 25 एवं 26) में बताया गया है।

धारा-3 धार्मिक निर्योग्यताओं के लिए दण्ड

1. अगर कोई व्यक्ति अस्पश्यता के आधार पर किसी को पूजा स्थान में एक धर्म का होते हुए भी जाने से रोकता है।
2. किसी पूजा स्थल पर प्रार्थना से रोकता है या किसी पुनीत तालाब, जन-स्रोत या कुऐ में स्थान से रोकता है, जो धार्मिक हो। तो उपरोक्त रोकने वाले व्यक्ति को कम से कम एक माह, अधिकतम 6 माह और जुर्माने की सजा होगी। (जुर्माने 100 से 500 रू तक)

- इस अधिनियम मे जैन, बुद्ध, सिख, ब्रह्मसमाज, आर्य समाज, प्रार्थना समाज को भी हिन्दु माना जायगा।

धारा-4 समाजिक निर्योग्यताओं के लिए दण्ड

अगर कोई व्यक्ति निम्न प्रकार से अस्पृश्यता का अपराध करता है तो उसे एक से 6 माह तक कारावास और 100 से 500 रू. तक अर्थदंड होगा।

1. किसी दुकान, होटल, या भोजनालय आदि का उपयोग करने से रोकना।
2. लोक उपयोग की वस्तुओं का उपभोग रोकना।
3. किसी पेशा, व्यापार या रोजगार से रोकना।
4. किसी जल स्त्रेत, शमशान या कब्रिस्तान, शौचालय सड़क का उपयोग करने से रोकना।
5. किसी ट्रस्ट का उपयोग रोकना।
6. सार्वजनिक सवारी का उपयोग रोकना।
7. किसी क्षेत्र में निवास, निर्माण अर्जन आदि से रोकना।
8. धर्मशाला, सराय आदि में रूकने से रोकना।
9. किसी रिवाज, आभूषण आदि के उपयोग से रोकना।

धारा-5 अस्पताल आदि में दाखिले से मना करना आदि।

जो व्यक्ति अस्पृश्यता के आधार पर किसी को अस्पताल, कॉलेज, स्कूल आदि में दाखिले से रोकेगा। और दाखिले के बाद भेद-भाव करेगा उसे एक माह से 6 माह कारावास और 100 से 500 जुर्माना होगा।

धारा-6 माल बेचने या सेवा से मना करना

जो व्यक्ति किसी को अस्पृश्यता के कारण माल बेचने और सेवा देने से मना करेगा उसे एक माह से 6 माह सजा और 100 से 500 रू. का अर्थ दण्ड होगा।

धारा-7 अस्पृश्यता जनित अन्य अपराध

किसी भी व्यक्ति को 1 से 6 माह कारावास और 100 से 500 रू. अर्थदण्ड होगा अगर उसने

1. किसी व्यक्ति को अनुच्छेद 17 के अधिकारों से रोका।
2. अनुच्छेद 17 के अधिकारो के उपयोग के कारण, घायल किया, बहिष्कार किया, रोका आदि।
3. शब्द से लिखित में, चित्र से मुद्रा से अदि से अस्पृश्यता का उपयोग किया।

नोट- *अगर किसी व्यक्ति ने अनुच्छेद 17 के अधिकारों का उपयोग किया और इस कारण दूसरा व्यक्ति बदला लेने के लिए अपराध करता है तो अपराधी को कम से कम 2 वर्ष सजा और जुर्माना होगा।*

धारा 7A

कोई भी व्यक्ति अस्पृश्यता के आधार पर किसी को झाड़ू लगाने, सफाई करने, जानवर का शव उठाने, जानवर की खाल खीचने एवं इसी प्रकार के अन्य कार्यो के लिए बाध्य करेगा तो उसे 3 माह से 6 माह ओर 100 से 500 रू. तक अर्थदड होगा।

धारा-8

जो व्यक्ति इस अधिनियम में दोषी सिद्ध होता है और वह अपराध में लिप्त व्यापार, वृति आदि की अनुज्ञप्ति रखता है तो उसका लाइसेंस रद्द या निलम्बित हो सकता है।

धारा-9

किसी न्यास या संस्था जिसे सरकार से अनुदान प्राप्त है का प्रबन्धक या न्यासी अपराध के लिए दोष सिद्ध हो है तो सरकार उस अनुदान या उसके भाग को निलंबन या पुनर्ग्रहण हर सकती है।

धारा-10

यदि कोई व्यक्ति इस अधिनियम में किसी अपराध का दुष्प्रेरण करता है तो उसे भी उस अपराध का दोषी माना जायेगा।

धारा-10 (ए) सामूहिक जुर्माना

यदि राज्य शासन यह पाता है कि किसी क्षेत्र के व्यक्ति अपराध, उसके दुष्प्रेरण या किसी भी रूप से अपराध में सहायक है, तो राज्य शासन उक्त व्यक्तियों पर सामूहिक जुर्माना लगा सकता है और उस जुर्माने का विभाजन, समय आदि का निर्णय लेता है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

1. पर सरकार को उस क्षेत्र में ढोल पीटकर या अन्य प्रकार से सूचना देना होगी।
2. कोई भी व्यक्ति चाहे तो सक्षम अधिकारी के समक्ष जुर्माने में माफी आदि के लिए अर्जी लगा सकता है।

धारा-11 पश्चात्वर्ती दोष

कोई व्यक्ति फिर से इस अधिनियम के अंतर्गत अपराध करता है तो -

1. दूसरे अपराध पर 6 माह से 12 माह एवं 200 से 500 रू. का दण्ड।
2. तीसरे अपराध पर 1 वर्ष से 2 वर्ष एवं 500 से 1000 रू. तक दण्ड।

धारा-12 न्यायालय द्वारा उपधारणा।

अगर इस अधिनियम के अंतर्गत कोई अपराध अनुसूचित जाति के व्यक्ति के विरूद्ध किया गया है तो न्यायालय मानकर चलेगा की यह अस्पृश्यता जनित अपराध है।

धारा-13

1. कोई भी सिविल कोर्ट ऐसा कोई भी वाद ग्रहण नही करेगा जिसके आदेश से इस अधिनियम के विरूद्ध कार्य होगा।
2. कोई भी न्यायालय किसी भी बाद के निर्णय में अस्पृश्यता के आधार पर निर्योग्यता लागू करने वाली प्रथा को मान्यता नहीं देगा।

धारा-14 कम्पनियों द्वारा अपराध

1. अगर इस अधिनियम में अपराध किया गया व्यक्ति कंपनी है तो हर ऐसा व्यक्ति जो अपराध के समय कंपनी के लिए उत्तरदायी है अभियुक्त होगा। परन्तु कोई व्यक्ति यह सिद्ध करता है कि उसे अपराध की जानकारी नही थी तो वह बच सकता हैं
2. अगर अपराध किसी निदेशक, प्रबंधक, सचिव या अन्य अधिकारी की सम्मति से किया गया है तो वह अधिकारी भी दोषी होगा।

धारा 14 (ए) सद्भावपूर्वक कार्यवाही संरक्षक

1. यदि कोई सरकार (केन्द्र या राज्य) के द्वारा इस अधिनियम के अन्तर्गत किया गया है। तो सरकार के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं होगी।
2. इस अधिनियम के पालन में सद्भावपूर्वक की गई कार्यवाही के कारण हुए नुकसान के लिए शासन के विरूद्ध कोई कार्यवाही नही होगी।

धारा-15 अपराध संज्ञेय

1. इस अधिनियम के आधीन अपराध संज्ञेय होगा भले वह CRPC में असंज्ञेय हो। मतलब इस इस अधिनियम में CRPC जैसा संज्ञेय और असंज्ञेय नही होगा। संज्ञेय अपराध वह होता है जिसमें पुलिस बिना गिरफ्तारी वारंट के गिफ्तार कर सकती है। इस अधिनियम में 3 माह तक सजा वाले अपराध की सुनवाई प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जायेगी। और 3 माह से ऊपर वाले अपराध को विशेष न्यायालय सुनेगा।
2. यदि किसी लोकसेवक द्वारा इस अधिनियम में दुष्प्रेरण का अपराध किया जाता है (अपने पदीय कर्तव्यों को पालन करते हुए) तो कोई भी न्यायालय ऐसे अपराध का संज्ञान -

अ. अगर राज्य शासन कर्मचारी है तो राज्य शासन की मंजूरी के बिना नही कर सकता।

ब. अगर केन्द्र शासन कर्मचारी है तो केन्द्र शासन की मंजूरी के बिना नही कर सकता।

धारा-15 (ए) शासन का कर्तव्य

1. अगर एक बार केन्द्र शासन ने इस अधिनियम में कोई नियम बना दिया तो उसको लागू राज्य शासन को करना पड़ेगा।
2. इसमें निम्न शामिल है :-
   a. पीड़ित को सुविधाये, न्यायिक मदद एवं अन्य मदद राज्य शासन देगा।
   b. अधिनियम के अंतर्गत लागू नियमों को लागू करवाने के लिए राज्य शासन विवेचना आदि के लिए अधिकारी नियुक्त करेगा।
   c. इस अधिनियम के अन्तर्गत अपराधों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय राज्य गठित करेगा।
   d. राज्य शासन की सहायता के लिए समितियों की स्थापना जो उपाय आदि बतायें, राज्य शासन नियुक्त करेगा।
   e. राज्य शासन समय-समय पर इस अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए सर्वेक्षण करवाऐगा।
   f. उन स्थानों को राज्य शासन निर्धारण करेगा जहॉ पर अस्पृश्यता जनित अपराध करवाएंगा।
3. केन्द्र सरकार राज्य सरकार से किए गये उपायों के समन्वय के लिए आवश्यक कदम उठायेगी।
4. केन्द्र शासन हर वर्ष संसद के दोनों सदनों के समझ स्वयं एवं राज्यों द्वारा किये गयें उपायों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

धारा-16

यह अधिनियम जब तक विशेष उपबंध न हों हर अधिनियम एवं कानून से उपर रहेगा।

धारा-16

A अपराधी परिविक्षा अधिनियम 1958 के उपबंध किसी भी ऐसे व्यक्ति पर लागू नही होगें जिसकी आयु 14 वर्ष से अधिक है।

धारा-16 B नियम बनाने के अधिकार

1. केन्द्र शासन राजपत्र में अधिसूचना जारी कर इस अधिनियम में नियम बना सकेगी।
2. इस अधिनियम में बनाया गया हर नियम, संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष तीस दिन की अवधि के लिए रखा जायेगा। अगर इस समय सीमा में दोनों सदन किसी नियम में परिवर्तन करना चाहते है, तो, वह परिवर्तन हो जाएगां दोनों सदन चाहे तो किसी नियम को निष्प्रभाव भी कर सकते है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

प्रश्नमाला

1. सिविल अधिकार संरक्षण, पहले किस नाम से जाना जाता था?
   (अ) यूनाइटेड प्रोविन्सेज रिमुवल ऑफ सोशल डिसेबिलिटीज अधिनियम
   (ब) अस्पृश्यता निवारण अधिनियम
   (स) अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम
   (द) रिमुवल ऑफ सोशल डिसेबिलिटीज अधिनियम
2. 'अस्पृश्यता (अपराध) अधिनियम' का नाम परिवर्तित करके 'सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम' कौन से संशोधन द्वारा किया गया?
   (अ) 1975 के अधिनियम क्रमांक 25 द्वारा दिनांक 23.2. 1975 से
   (ब) 1976 के अधिनियम क्रमांक 106 द्वारा दिनांक 19.11. 1976 से
   (स) 1978 के अधिनियम क्रमांक 114 द्वारा दिनांक 27.6. 1978 से
   (द) 1981 के अधिनियम क्रमांक 122 द्वारा दिनांक 14.12. 1981 से
3. क्या सिविल अधिकार सरंक्षण अधिनियम, 1955 सीमित है?
   (अ) केवल हिन्दुओ तक
   (ब) केवल मुसलमानों तक
   (स) केवल ईसाईयो तक
   (द) किसी भी विशेष समुदाय या धर्म के लिये नही
4. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 (संक्षेप मे अधिनियम 1955) का विस्तार?
   (अ) सम्पूर्ण भारत पर है
   (ब) जम्मू एवं कश्मीर राज्य को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है
   (स) गोवा, दमन एवं दीव को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है
   (द) दादर तथा नगरहवेली को छोड़कर सम्पूर्ण भारत पर है
5. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 प्रभावशील है?
   (अ) सम्पूर्ण भारत में
   (ब) संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर शेष सम्पूर्ण भारत में
   (स) जम्मू एवं कश्मीर राज्य को छोड़कर शेष सम्पूर्ण भारत में
   (द) केवल उन राज्यों एवं राज्य क्षेत्रों में, जिनकी भारतीय सरकार अपने शासकीय राजपत्र में विज्ञप्ति द्वारा घोषणा करती है
6. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम प्रवृत्त हुआ?
   (अ) 1 जून 1956 (ब) 1 जून 1958
   (स) 1 जून 1955 (द) 1 जून 19
7. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के सन्दर्भ में सिविल अधिकार है, कोई भी अधिकार जो किसी व्यक्ति को अस्पृश्यता को समाप्त करने के कारण निम्नलिखित अनुच्छेद के अन्तर्गत प्राप्त हुआ है?
   (अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 16
   (स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 18
8. 'स्थान' के अन्तर्गत निम्न में से क्या सम्मिलित नहीं है?
   (अ) गृह, भवन और अन्य संरचना तथा परिसर
   (ब) तम्बू
   (स) यान और जलयान
   (द) स्थान के अन्तर्गत उपरोक्त सभी सम्मिलित है
9. सिविल अधिकार सरंक्षण अधिनियम के अधीन अनुसूचित जाति का वही अर्थ है जो?
   (अ) संविधान के अनुच्छेद 366 के खण्ड (24) में उसे दिया गया है
   (ब) संविधान के अनुच्छेद 368 के खण्ड (26) में उसे दिया गया है
   (स) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 2 के अधीन उसे दिया गया है
   (द) सिविल अधिकार सरंक्षण अधिनियम की धारा 2 के अधीन उसे दिया गया है
10. सूर्य उपासकों के एक समूह द्वारा अपना एक पृथक् समुदाय बनाया गया और उन्होनें अपनी उपासना हेतु एक स्थल को सुरक्षित किया। व्यक्तियों के निम्न चार वर्गो में से किस एक वर्ग के व्यक्तियों को और क्यों निवारित करने पर, इन उपासकों में से कोई भी सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत दण्डनीय किसी अपराध का दोषी ठहराया जा सकेगा?
    (अ) अन्य समुदायों के सभी व्यक्ति
    (ब) अस्पृश्यता के आधार पर अन्य सभी हिन्दू
    (स) उसी समुदाय के असन्तुष्ट सदस्यों में से किसी को भी अस्पृश्यता के आधार पर
    (द) अस्पृश्यता के आधार पर अनुसूचित जातियों के सदस्यों को
11. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत किसी व्यक्ति के विरूद्ध धर्म के आधार पर निर्योग्यताओं को प्रवर्तित करने के लिए दण्ड का प्रावधान निम्नलिखित किस धारा में दिया गया है?
    (अ) धारा 5 (ब) धारा 4
    (स) धारा 3 (द) धारा 2
12. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 4 विहित करती है?
    (अ) धार्मिक निर्योग्यताएं लागू करने के लिये दण्ड
    (ब) सामाजिक निर्योग्यताएं लागू करने के लिये दण्ड
    (स) अस्पतालों आदि में व्यक्तियों को प्रवेश करने से इन्कार करने के लिये दण्ड
    (द) माल बेचने या सेवा करने से इन्कार के लिये दण्ड
13. अस्पृश्यता के आधार पर अस्पताल आदि में व्यक्तियों को प्रवेश देने से इंकार करने पर दण्ड का प्रावधान है?
    (अ) धारा 4 (ब) धारा 5
    (स) धारा 6 (द) धारा 7
14. एक ऐसे स्कूल के प्राचार्य द्वारा, कि जिसकी स्थापना समाज के एक वर्ग लाभ हेतु की गई है, किसी व्यक्ति को स्कूल में प्रवेश की अनुमति केवल इस आधार पर नहीं दी जाती कि वह अनु. जाति का है। प्राचार्य द्वारा सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के निम्न प्रावधान के निम्न प्रावधान के अधीन अपराध किया है?
    (अ) धारा 4
    (ब) धारा 5
    (स) धारा 7
    (द) किसी भी प्रावधान के अधीन नहीं

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

15. यदि कोई व्यक्ति अस्पृश्यता के आधार पर किसी को माल बेचने या सेवा देने से इन्कार करे तो वह दण्डित किया जा कसता है?
(अ) न्यूनतम 1 मास और अधिकतम 6 मास के कारावास तथा न्यूनतम 100 रूपये और अधिकतम 500 रूपये के जुर्माने से
(ब) न्यूनतम 3 मास और अधिकतम 1 वर्ष के कारावास तथा न्यूनतम 500 रूपये और अधिकतम 1000 रूपये के जुर्माने से
(स) न्यूनतम 6 मास और अधिकतम 1 वर्ष के कारावास तथा न्यूनतम 500 रूपये और अधिकतम 1000 रूपये के जुर्माने से
(द) न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष के कारावास तथा न्यूनतम 1000 रूपये और अधिकतम 5000 रूपये के जुर्माने से

16. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम के अधीन किसी अपराध का दुष्प्रेरण करने पर कितना दण्ड दिया जा सकता है?
(अ) न्यूनतम 1 मास और अधिकतम 6 मास का कारावास तथा न्यूनतम 100 रूपये और अधिकतम 500 रूपये का जुर्माना
(ब) न्यूनतम 6 मास और अधिकतम 1 वर्ष का कारावास तथा न्यूनतम 500 रूपये और अधिकतम 1000 रूपये का जुर्माना
(स) दुष्प्रेरित अपराध के लिए उपबन्धित दण्ड
(द) दुष्प्रेरित अपराध के लिए उपबन्धित दण्ड से दोगुना

17. निम्न प्राधिकारियों में से किसके द्वारा सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 10-ए किसी क्षेत्र के निवासियों पर सामूहिक जुर्माने का अधिरोपण उपबन्धित करती है?
(अ) उच्च न्यायालय
(ब) सत्र न्यायालय
(स) न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम वर्ग
(द) राज्य सरकार

18. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 की धारा 10-क निम्न में से किस प्राधिकारी को किसी क्षेत्र के निवासियों पर सामूहिक जुर्माने का अधिरोपण उपबंधित करती है?
(अ) केन्द्र सरकार
(ब) राज्य सरकार
(स) उच्च न्यायालय
(द) न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम वर्ग

19. जो कोई सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम क अधीन किसी अपराध का या ऐसे अपराध के दुष्प्रेरण का पहले दोषसिद्ध हो चुकने पर किसी ऐसे अपराध का दुष्प्रेरण का पुन: दोषसिद्ध होने पर वह ऐसी दोषसिद्धि का तृतीय अपराध के किये या तृतीय अपराध के पश्चातवर्ती किसी अपराध के लिये कितनी सजा हेतु दण्डनीय होगा?
(अ) कम से कम छह महीने और अधिक से अधिक एक वर्ष
(ब) कम से कम एक वर्ष और अधिक से अधिक दो वर्ष
(स) कम से कम एक महीने और अधिक से अधिक छह महीने
(द) कम से कम दो वर्ष और अधिक से अधिक तीन वर्ष

20. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम की कौन-सी धारा न्यायालय द्वारा उपधारण से सम्बन्धित है?
(अ) धारा 11 (ब) धारा 12
(स) धारा 13 (द) धारा 14

21. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम की धारा 14-क के अधीन सद्भावपूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण दिय गया है?
(अ) केन्द्रीय सरकार को
(ब) राज्य सरकार को
(स) उपरोक्त (अ) एवं (ब) दोनों को
(द) उपरोक्त में से किसी को नहीं

22. सिविल अधिकार सरंक्षण अधिनियम के अधीन अपराधों के संबंध में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?
(अ) अपराध संज्ञेय होगे
(ब) अपराध संक्षेपत: विचारणीय होगे
(स) अपराध असंज्ञेय होगे
(द) उपरोक्त (अ) एवं (ब) दोनो कथन सत्य है

23. कोई व्यक्ति जिसे सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के किन्हीं प्रावधानों के अधीन अपराध में दोषी ठहराया जाता है, के संबंध में अपराधी परिवीक्षा अधिनियम के प्रावधान लागू होगे?
(अ) यदि उसकी आयु 14 वर्ष से अधिक नही है
(ब) यदि वह 21 वर्ष से कम आयु का है
(स) यदि वह 16 वर्ष से कम आयु का है
(द) यदि वह प्रथम अपराधी है

24. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के अन्तर्गत निम्नलिखित आयु से अधिक व्यक्तियों पर अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 लागू नहीं होता?
(अ) 18 वर्ष (ब) 16 वर्ष
(स) 15 वर्ष (द) 14 वर्ष

25. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम के अधीन नियम बनाने की शक्ति किसे प्रदान की गई है?
(अ) केन्द्रीय सरकार को
(ब) राज्य सरकार को
(स) उच्च न्यायालय को
(द) उपरोक्त (अ) एवं (ब) दोनों को

उत्तरमाला

1. स	2. ब	3. द	4. अ	5. अ
6. स	7. स	8. द	9. अ	10. अ
11. स	12. ब	13. ब	14. ब	15. अ
16. स	17. द	18. ब	19. ब	20. ब
21. स	22. द	23. अ	24. द	25. अ

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

34. समसामयिकी

- **गिद्ध गणना**- पन्ना टाइगर रिजर्व में 2013 की गिद्ध गणना में 867 गिद्ध पाये गये।
- **महाशीर मत्स्य संरक्षण**- महाशीर मछली- वर्ल्ड बैंक परियोजना के अंतर्गत भोपाल जिले के केरवा जलाशय का चयन महाशीर मत्स्य संरक्षण के लिए किया गया।
- **महिला पारिवारिक लोक अदालत**- प्रदेश की प्रथम महिला अदालत का सफल आयोजन 10 मार्च 2013 मंदसौर में सम्पन्न।
- मध्य प्रदेश वन विभाग ने जनवरी-2013 को 17 इको-सेसेटीव जोन की पहचान की। इस जोन में किसी भी प्रकार की अवैधानिक वाणिज्यिक गतिविधियां और खनन पर प्रतिबंध होगा।
- मवान क्षेत्र (गुना) में मसाला पार्क स्थापित किया गया। मार्च-2013 में।
- 16 फरवरी, 2014 को भारत एवं एशियन विकास बैंक ने 5 राज्यों की ग्रामीण सड़कों को उन्नत करने हेतु (रूरल कनेक्टिविटी निवेश प्रोग्राम {RCIP}) करार किये है ये राज्य है- मध्य प्रदेश, आसाम, छत्तीसगढ़, ओडिसा, पं. बंगाल।
- केन्द्रीय सरकार के फंडों के वितरण के लिए बनाई गई राजन समिति ने राज्यों को तीन विशेष कटेगरी में बांटा है। जिसमें मध्य प्रदेश सबसे कम विकसित (Least Developed) राज्य की श्रेणी में रखा गया है।
- भारत सरकार ने अनुसूचित जनजातियों के छात्रों के लिए 158 'एकलव्य मॉडल रेजिडेन्सियल स्कूलों की स्थापना को मंजूरी दी है जिसमें से मध्य प्रदेश में 20 स्कूल, राजस्थान में 17 स्कूल व छत्तीसगढ़ व उड़ीसा में 16-16 स्कूल स्थापित होंगे।
- 13 जनवरी, 2014 को प्रदेश में व्यापार को बढ़ावा देने तथा मध्य प्रदेश को व्यापार के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्य प्रदेश व्यापार संवर्द्धन मंडल का गठन किया गया।
- 3 जनवरी, 2014 को मध्य प्रदेश को विद्युत अतिशेष राज्य घोषित किया गया।
- 26 सितम्बर, 2013 को मंत्रिपरिषद् ने नरसिंह जिले के बोहानी में 8 करोड़ रुपए की लागत से गन्ना अनुसंधान केन्द्र की स्थापना को मंजूरी प्रदान की।
- रायसेन जिले के ग्राम तामोट में प्लास्टिक पार्क की स्थापना की जा रही है।
- भोपाल में मेसर्स वर्ल्डवाइड डायमंड मैन्यूफैक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड विशाखापट्टनम द्वारा शत-प्रतिशत निर्यातोन्मुखी हीरा प्र-संस्करण एवं पॉलिशिंग इकाई स्थापित की जा रही है।
- 1 जून, 2013 से मध्य प्रदेश के मात्र तीन जिलों-पूर्वी निमाड़ (खंडवा), होशंगाबाद तथा हरदा में एलपीजी रसोई गैस सब्सिडी सीधे उपभोक्ताओं के खाते में हस्तांतरित की जाने लगी है।
- राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर में झोटेश्वर के पास शंकराचार्य नेत्रालय का उद्घाटन किया।
- मध्य प्रदेश के इंदौर में देश का पहला नमकीन क्लस्टर वर्ष 2014 में शुरु किए जाने की योजना है।
- 16 मार्च, 2013 को सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट के वायु प्रदूषण पर जारी रिपोर्ट के अनुसार देश में सर्वाधिक प्रदूषित शहर क्रमशः रायपुर व ग्वालियर है।
- राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के क्रियान्वयन में शहडोल जिला ने लगातार तीसरी बार प्रदेश में पहला स्थान अर्जित किया है।
- 26 सितम्बर, 2013 को भोपाल जिले की हुजूर तहसील के ग्राम बोरदा में नेशनल टेक्निकल रिसर्च आर्गेनाइजेशन की स्थापना के लिए वन विभाग की 180 हेक्टेयर भूमि दिए जाने का फैसला किया गया।
- 26 सितम्बर, 2013 को पांच शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में यातायात प्रबंधन संस्थान स्थापित करने की मंजूरी प्रदान की गई।
- सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी ने ओडिशा के गजमारा में प्रस्तावित अपनी परियोजना को मध्य प्रदेश के गदरवारा में लगाने का फैसला 4 अप्रैल, 2013 को किया।
- 19 दिसम्बर, 2013 को मुख्यमंत्री ने राज्य अतिथि ऑनलाइन प्रणाली का लोकार्पण किया। ये वेबसाइट पूरे देश में प्रथम बार राज्य सरकार कार्यालय मध्य प्रदेश द्वारा बनाई गई है।
- 12 अगस्त, 2013 को राज्य सरकार ने 6 नए विशेष पर्यटन क्षेत्र घोषित किए। वे हैं- सलकनपुर जिला सिहोर, चित्रकूट जिला सतना, पन्ना जिला पन्ना, चोरल जिला इंदौर, महेश्वर जिला खरगौन, अमरकंटक जिला अनुपपुर। अब आंध्र प्रदेश में 16 विशेष पर्यटन क्षेत्र हो गए हैं।
- 16 जुलाई, 2013 को मंत्रिपरिषद ने सामाजिक न्याय विभाग का नाम बदलकर सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण करने का निर्णय लिया।
- मध्य प्रदेश में दमोह जिले से जुलाई, 2013 में आयुष कुपोषण निवारण योजना की शुरुआत की गई।
- भोपाल में 14 से 16 जनवरी, 2014 तक झील महोत्सव का आयोजन किया गया।
- मध्य प्रदेश शासन और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के संयुक्त तत्वाधान में 15-17 जनवरी, 2014 तक राष्ट्रीय बालरंग समारोह का आयोजन किया गया।
- राज्य के सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में 22 से 24 दिसंबर, 2013 तक मोगली बाल उत्सव आयोजित किया गया।
- 26 अगस्त, 2013 को भोपाल में युवा सम्मेलन आयोजित किया गया।
- 1 नवम्बर, 2013 को भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय बैंड महोत्सव का आयोजन किया गया।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- 19 से 26 मार्च, 2013 तक भोपाल के राज्य संग्रहालय में 'मध्यप्रदेश की भूतपूर्व रियासतें' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- 9 फरवरी, 2013 को बांद्राभान में तृतीय अंतर्राष्ट्रीय नदी महोत्सव का आयोजन किया गया।
- राजधानी भोपाल में 16 दिसम्बर, 2013 को पहली बार महिला अपराधों पर लगाम कसने के मकसद से निर्भया पेट्रोलिंग मोबाइल सेवा का शुभारंभ किया गया।
- 23 अगस्त, 2013 को जारी पर्यटन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012 में मध्य प्रदेश में आने वाले पर्यटकों की संख्या 5.32 करोड़ रही।
- मुख्यमंत्री ने प्रत्येक महीने की सात तारीख को अन्न उत्सव मनाने की घोषणा 3 जून, 2013 को की।
- मध्य प्रदेश में भोपाल के केरवा के पास विश्वस्तरीय जूलॉजिकल पार्क (वन विहार फेज-2) बनाया जाएगा।
- 16 से 19 फरवरी, 2013 तक भोपाल में महाराज भोज महोत्सव का आयोजन पहली बार किया गया।
- जनवरी, 2014 में जारी आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में जन-निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में 5381 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाएं पूरी की जा चुकी है। पीपीपी मोड में सड़क परियोजनाओं को पूरा करने के मामले में मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है।
- संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2013-14 एजुकेशन फॉर ऑल ग्लोबल मॉनिटरिंग रिपोर्ट (29 जनवरी, 2014 को जारी)के अनुसार मध्य प्रदेश में 85% गरीब बच्चे पांचवीं तक पढ़ पाते हैं।
- मछुआरों के बीमा में राज्य देश में अव्वल।
- गेहूं उपज खरीदने के लिए किसानों को एसएमएस से आमंत्रण देने वाला मध्यप्रदेश पहला राज्य।
- राष्ट्रीय टाईगर संरक्षण प्राधिकरण ने रातापानी वन्यजीव अभ्यारण (मध्य प्रदेश), कांजीरगा (आसाम), कार्बेट (उत्तराखण्ड) में टाईगर पारिस्थितिकी के अध्ययन हेतु ई-सर्विलांस (E-surveillance) सुविधा करने का निर्णय लिया है।
- **मध्य प्रदेश गोवंश वध प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक**- गोवंश वध के आरोपियों को अब खुद साबित करना होगा कि उनके खिलाफ लगाया गया आरोप गलत है। 7 साल की सजा और न्यूनतम 5000 रुपये के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। जुर्माने की अधिकतम राशि न्यायालय तय करेगा। अब गोवंश के अवैध परिवहन में लगे वाहन के मालिक पर भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हो सकेगा। इसके अलावा कोई भी व्यक्ति, किन्हीं भी साधनों से, किसी गो-वंश का न तो वध करेगा, न वध करवाएगा, न उन्हें वध के लिये देगा और न ही दिलवाएगा।
- **नर्मदा मालवा गंभीर लिंक परियोजना**- मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 18 सितंबर, 2013 को सम्पन्न नर्मदा नियंत्रण मण्डल की 46वीं बैठक में नर्मदा मालवा गंभीर लिंक परियोजना को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई। इस परियोजना के अंतर्गत ओंकारेश्वर परियोजना से 15 क्यूसेक जल उद्वहन कर गंभीर नदी के उद्गम पर छोड़ा जायेगा। गंभीर में प्रवाहित नर्मदा का यह जल इंदौर के यशवन्त सागर से नहरों के माध्यम से इंदौर और उज्जैन जिले के 153 गांव की लगभग 50 हजार हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई क्षमता निर्मित करेगा।
- इस योजना के लक्ष्य में माता के गर्भ में पल रहा शिशु, नवजात बालिकाएं, विद्यालय/महाविद्यालय जाने वाली प्रत्येक बालिका, विद्यालय व महाविद्यालय के छात्र, घरेलू कामकाजी/श्रमिक महिलाएं, विभिन्न शासकीय/अशासकीय कार्यालयों, संस्थाओं आदि में कार्यरत महिलाएं, पुरूष समुदाय, पंचायत, नगरीय निकाय संस्थाओं के एवं अन्य सभी जन-प्रतिनिधि के साथ विभिन्न समुदाय, समितियां एवं दल शामिल है।
- **नरेश चन्द्र गौतम**- महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट का कुलपति नियुक्त।
- **शशि प्रभा कुमार**- सांची बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय सांची का कुलपति नियुक्त।
- **प्रदेश का प्रथम डीजल लोकोमोटिव**- संयंत्र हेतु शेरपुर (सीहोर) में दौलतराम इंजीनियर्स, नेशनल रेलवे इक्विपमेंट कंपनी (अमरीका) के सहयोग से इसे बना रही है।
- **जूलॉजिकल पार्क**- मध्यप्रदेश सरकार ने भोपाल में जूलॉजिकल पार्क बनाए जाने की 10 मई, 2013 को मंजूरी दी है। इस पार्क में देश-विदेश के वन्य प्राणियों को रखा जाएगा। इसके अलावा दुर्लभ प्रजाति के पेड़-पौधे भी यहाँ लगाए जाएँगे। पहले चरण में यह पार्क 348.72 हेक्टेयर क्षेत्र में बनाया जाएगा।
- **राज्य में चार महानगर क्षेत्रों का विकास**- जवाहरलाल नेहरु नेशनल अर्बन रिन्युअल मिशन (जेएनएनयूअरएम) के तहत एक लाख या उससे अधिक आबादी वाले जिलों को जोड़कर चार मेट्रोपॉलिटन एरिया निर्माण को स्वीकृति दी गई है।
- **लोक सेवा गारंटी अधिनियम का दायरा बढ़ा**- इस अधिनियम में वर्तमान में 16 विभागों की 52 सेवाओं को शामिल करते हुए 104 सेवायें और कुल 21 विभागों की सेवायें अधिनियम के दायरे में।
- **अंतर्राष्ट्रीय नदी महोत्सव**- बांद्रामान- होशंगाबाद में 8 फरवरी को तीसरे अंतर्राष्ट्रीय नदी महोत्सव का शुभारंभ हुआ।
- 17 फरवरी, 2013- अमरकंटक से नर्मदा शुद्धिकरण अभियान शुरु।
- **जिलों में लोकपाल की नियुक्ति**- लोकपाल- 'मनरेगा में भ्रष्टाचार की जांच हेतु 21 जिलों में लोकपाल की नियुक्ति की गई।
- **अंतर्राष्ट्रीय जनजातीय समारोह**- जून, 2013 भोपाल में।
- **चुटका**- मध्यप्रदेश के मांडला के चुटका में प्रस्तावित परमाणु संयंत्र के खिलाफ गोंड आदिवासियों ने हाल में प्रदर्शन किया। प्रर्दशनकारियों के मुताबिक इस परमाणु संयंत्र से न केवल उन्हे विस्थापित होना पड़ेगा बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए यह जोखिम भरा हो सकता है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक नारायणगंज तहसील में प्रस्तावित यह परियोजना नर्मदा नदी के किनारे बनना है, जो कि भूकम्प के उच्च जोखिम वाले क्षेत्र में पड़ता है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2009 में चुटका में परमाणु संयंत्र निर्माण की हरी झंडी दे दी थी।
- **रतनगढ़ मंदिर**- रतनगढ़ मंदिर मध्यप्रदेश के दतिया जिले में स्थित है जहां 13 अक्टूबर, 2013 को भगदड़ में 115 से अधिक लोगों की मृत्यु हो गयी थी। रतनगढ़ माता का मंदिर दतिया से 55 किलोमीटर दूर सिंध नदी के किनारे विंध्याचल पर्वत में स्थित है।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

- अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन भोपाल में फरवरी, 2012 में आयोजित हुआ।
- पर्यटन निवेश समिट मध्य प्रदेश पर्यटन विकास निगम एवं फिक्की के सहयोग से खजुराहो में आयोजित।
- अपशिष्ट प्रबंधन पर गोलमेज सम्मेलन भोपाल में आयोजित, इस सम्मेलन की मुख्य थीम- **''बेस्ट एन विथ''**
- मंदसौर जिला वर्ष 2010-11 में कपास उत्पादन में प्रथम।
- अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन 9 से 12 फरवरी 2012 भोपाल में, विधान सभा के मानसरोवर परिसर में आयोजित।
- वन सर्वेक्षण 2011 के अनुसार म.प्र. भारत का सर्वाधिक वनाच्छादित प्रदेश, कुल 77700 वर्ग किमी. क्षेत्र पर वन हैं दूसरे व तीसरे स्थान पर क्रमशः अरूणाचल प्रदेश व छत्तीसगढ़ हैं।
- राष्ट्रीय ई-गवर्नेस अवार्ड 2012 के लिए ग्वालियर को चुना गया हैं।
- मध्य प्रदेश का पहला पोषण केन्द्र अटल बाल आरोग्य मिशन के तहत नेताजी सुभाषचन्द्र मेडिकल हॉस्पीटल (जबलपुर) में स्थापित।
- ढाल सिह बिसेन चौथे राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष नियुक्त किये गये।
- सिन्धु ताई सपकाल इन्हें 2011-12 का देवी अहिल्याबाई राष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।
- मध्य प्रदेश में पुरूष नसबंदी ऑपरेशन के मामले में अशोक नगर अव्वल स्थान पर रहा।
- भारत सरकार ने समग्र स्वच्छता अभियान का ब्रांड एम्बेसडर अनीता नर्रे (बैतूल निवासी) को बनाया साथ ही 5 लाख का इनाम दिया गया।
- अर्जेण्टीना में आयोजित विश्व सेलिंग स्पर्धा में एकता यादव (भोपाल निवासी) का शानदार प्रदर्शन।
- धार जिला के दिलवारा क्षेत्र में जल आवर्धन योजना का शिलान्यास।
- मध्य प्रदेश अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रामलाल रौतेले।
- नर्मदा जल योजना का केन्द्र सरकार के सहयोग से होशंगाबाद के पिपरीया में शिलान्यास।
- म.प्र. में महिलाओं पर हो रहे अपराधों को रोकने के लिए इन्दौर, भोपाल व जबलपुर में विशेष महिला प्रकोष्ठ स्थापित।
- वीडियो कार्ड पायलट परियोजना राज्य में नवजात शिशु के इलाज के लिए होशंगाबाद जिले से शुरू।
- आगासौद (बीना) में स्थापित ओमान-बीना तेल रिफायनरी के टरबाइन फ्यूल ने गुणवत्ता प्रमाण पत्र हासिल किया।
- मध्य प्रदेश ई-पेमेन्ट में देश में प्रथम।
- म.प्र. के तीन वन संरक्षित क्षेत्रों को राष्ट्रीय पुरस्कार निम्न हैं-
  1. कान्हा - उत्कृष्ट वन प्रबंधन के लिये।
  2. पन्ना - नवाचार के लिये।
  3. सतपुड़ा - ग्रामों के पुनर्वास के लिये।
- समग्र सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम (संकल्प-37) में म.प्र. की समग्र सामाजिक सुरक्षा योजना शामिल।
- खरगौन-महेश्वर बॉध (नर्मदा नदी) को 154 मीटर जल भराव की अनुमति सरकार ने दी।
- नीमच-निजी क्षेत्र के सहयोग से 200 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होंगे।
- इन्दौर आई.आई.एम. के नये चैयरमैन कुडापुर वामन कामथ नियुक्त।
- वर्ष 2012 में मध्य प्रदेश का सर्वाधिक गरम जिला छतरपुर (43.3 डिग्री)।
- वर्ष 2012 में म.प्र. का सर्वाधिक ठण्डा जिला दतिया (0 डिग्री)।
- वृद्धावस्था पेंशन केवल बेटियों वाले वृद्धों को वृद्धावस्था पेंशन दी जायेगी।
- वन संस्कार कार्यक्रम-बच्चों में प्रकृति की गति व उनमें धैर्य की भावना के विकास के लिए कार्यक्रम लागू।
- अनूपपुर-मोजरवेयर पथराव काण्ड।
- म.प्र. को UN का लोक सेवा पुरस्कार म.प्र. के लोक सेवा गारंटी अधिनियम को संयुक्त राष्ट्र के लोक सेवा पुरस्कार (इम्प्रूविंग द डिलेवरी ऑफ पब्लिक सर्विस) के लिए चयन, लोक प्रशासन नवाचार और पेशेवर कुशलता को बढावा देने के लिए प्रदान किया गया।
- 11वीं पंचवर्षीय योजना-कृषि क्षेत्र में वृद्धि 7.1 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक हैं तथा 12वीं पंचवर्षीय योजना में 9 प्रतिशत का लक्ष्य रखा गया हैं।
- मनरेगा रैकिंग-अप्रैल माह के लिये रायसेन व शाजापुर जिलों को A^+ ग्रेड मिला, प्रथम स्थान पर शाजापुर रहा।
- बैतूल-दुनिया के पहले गोंडी सामुदायिक रेडियो केन्द्र का शुभारम्भ 10 मई 2012 को किया गया।
- नि:शक्तजनों को नौकरी में आरक्षण को राज्य सरकार ने 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 6 प्रतिशत किया।
- म.प्र. झील प्राधिकरण का विलय पर्यावरण समन्वय संगठन (एप्को) में किया गया।
- इन्दौर में एग्रो बिजनेस समिट 2012 का आयोजन।
- म.प्र. की आर्थिक विकास दर बढ़कर 10 प्रतिशत हुई-2012।
- भोपाल स्थित यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जर्मनी की जी.आई.जेड़. कम्पनी में ले जाया जायेगा। 15 करोड़ राशि का वहन केन्द्र सरकार करेगी।
- सेन्ट्रल जोन काउंसिलिंग का उपाध्यक्ष मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बनाया गया उनका कार्यकाल 1 वर्ष का रहेगा।
- नरसिंहपुर जिला गाडरवारा के समीप ग्राम निवारी में निजी क्षेत्र के B.L.A. उपकरण द्वारा स्थापित विद्युत संयंत्र का लोकार्पण।
- किसान क्रेडिट कार्ड़ की अवधि 1 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष की गई।
- खरगोन-NTPC Ltd. के पावर प्लांट की स्थापना के लिये भूमि मंजूरी की गई।
- ग्वालियर संभाग-31 मार्च 2012 को श्योपुर जिले के सेसईपुरा गांव में सहरिया सामुदायिक रेडियो केन्द्र का शुभारम्भ।
- 29 मई 2012 को नवजात शिशुओं और संक्रमण वाले रोगियों के लिये अतिरिक्त देखभाल के लिये भोपाल में नियोनेटल एम्बुलेंस का शुभारम्भ।
- भोपाल की हुजुर तहसील के ग्राम अमलगढ़ में स्थित शिव मंदिर व दो बावडियों को राज्य स्मारक घोषित।

- म.प्र. देश में पहला बिना ब्याज के कृषि कर्ज देने वाला राज्य बना।
- म.प्र. को 1 अगस्त 2012 से केन्द्रीय कोटे के तहत 113 मेगावाट बिजली एन.टी.पी.सी. (NTPC) के सीपत ताप विद्युत परियोजना से मिलेगी जो 25 वर्षो तक मिलती रहेगी।
- भोपाल में केन्द्रीय पुलिस प्रशिक्षण अकादमी स्थापित किये जाने को केन्द्र सरकार ने 3 अगस्त 2012 को मंजूरी प्रदान कर दी हैं।
- इकबाल अहमद - म.प्र. में मुख्य सूचना आयुक्त
- म.प्र. जैव विविधता बोर्ड एवं यू.एन.डी.पी. परियोजना द्वारा 7-8 अगस्त, 2012 को दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल में किया गया।
- मेसर्स न्यूक्लियर पावर कार्पोरेशन ऑफ इंण्डिया द्वारा म.प्र. के मंण्डला जिला के चुटका ग्राम और शिवपुरी जिले के भीमपुर ग्राम में परमाणु विद्युत परियोजना स्थापित की जायेगी।
- म.प्र. पर्यटन निगम को नेशनल टूरिज्म 2012 का बेस्ट डेस्टीनेशन फॉर ऑल सीजन का अवार्ड प्रदान किया गया हैं।
- केन्द्रीय वन मंत्रालय ने मध्य प्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क **कान्हा किसली, बॉधवगढ़, पेंच** के प्रबन्धन की जिम्मेदारी स्पेशल टाइगर फोर्स के हवाले कर दी हैं।
- भोपाल के टी.टी. नगर स्टेडियम में आयोजित 78 वीं अखिल भारतीय रेलवे एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दक्षिण रेलवे चैम्पियन रही जबकि पश्चिम रेलवे उप विजेता।
- श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया - म.प्र. क्रिकेट एसोसिऐशन के अध्यक्ष
- म.प्र. राज्य शासन की ओर से स्थापित प्रतिष्ठित वेदव्यास राष्ट्रीय सम्मान का अलंकरण समारोह 29 अगस्त 2012 को नई दिल्ली में आयोजित हुआ, वर्ष 2010-11 का यह सम्मान डा. लीलाधर वियोगी को दिया गया।
- म.प्र. की ऐतिहासिक धरोहर **ओरछा,भोजपुर और चंदेरी** को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित करवाने के लिए राज्य शासन द्वारा पहल की जा रही हैं।
- मुख्यमंत्री सड़क योजना के क्रियान्वयन में बालाघाट जिला, प्रदेश में प्रथम स्थान पर हैं।
- **टूरिज्म विजन 2020**
  1. पर्यटन स्थलों की रोड़ कनेक्टिविटी, स्वच्छता और आवास व्यवस्थाओं को विजन में शामिल।
  2. **सूरत, वाराणसी** में म.प्र. पर्यटन निगम के कार्यालय शुरू किये जायेगें।
  3. प्रदेश के प्रत्येक जिले में में पर्यटन निगम के कार्यालय शुरू किये जाऐंगे।
  4. पुष्कर मेले की तरह अलीराजपुर और झाबुआ में भगोरिया उत्सव मनाने की योजना बनायी गई हैं।
- जैम्स ज्वैलरी पार्क इंदौर में स्थापित किया जायेगा।
- मनरेगा के कार्यो में प्रगति के आधार पर होशंगाबाद प्रथम, देवास द्वितीय, तृतीय स्थान पर विदिशा हैं।
- 15 जुलाई 2012 को भोपाल के जम्बूरी मैदान में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह की अध्यक्षता में अटल किसान महापंचायत का आयोजन किया गया।
- 39 वीं राष्ट्रीय जूनियर तैराकी प्रतियोगिता में इन्दौर के रोहित इमोलिया ने रजत पदक जीता।
- केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण और सुप्रीम कोर्ट ने सतना जिलें के मुकुंदपुर में चिड़ियाघर और रेस्क्यू सेंटर की स्थापना को मंजूरी दी हैं।
- **वन्या नमक** - मध्य प्रदेश में सभी 89 अनुसूचित जनजाति बहुल ब्लॉक में आयोडीन युक्त उपलब्ध कराया जा रहा हैं।
- मध्य प्रदेश के सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में 9 जुलाई से 'पंच प' अभियान प्रारम्भ किया गया जो 15 अगस्त तक चला।
- 'पंच प' अभियान- (परिवार, परिवेश, परम्परा, पर्यावरण, पराक्रम)
- मध्य प्रदेश की 12 वीं पंचवर्षीय योजना (2012-17) के लिए 201862 करोड़ रूपये तय किये गये हैं।
- 11 वीं पंचवर्षीय योजना में राज्य सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में 10.2 प्रतिशत की वृद्वि हुई जो देश की औसत वृद्वि से अधिक हैं। 12 वीं पंचवर्षीय योजना के लिए प्रदेश सरकार ने 12 प्रतिशत वृद्वि का लक्ष्य तय किया हैं।
- औद्योगिक क्षेत्र में 11 वीं पंचवर्षीय योजना में 10 प्रतिशत का लक्ष्य प्राप्त किया गया 12 वीं पंचवर्षीय योजना में इसका लक्ष्य 12 प्रतिशत रखा गया हैं।
- सेवा क्षेत्र में 11 वीं पंचवर्षीय योजना में वृद्वि दर 11.7 प्रतिशत रही हैं तथा 12 वीं पंचवर्षीय योजना में यह वृद्वि दर 13.75 प्रतिशत रखी गयी हैं।
- 23 जुलाई 2012 को अलीराजपुर जिले के चन्द्रशेखर आजाद नगर (भावरा) में एक करोड़ 17 लाख रूपये की लागत से निर्मित आजाद स्मृति मंदिर का लोकार्पण किया गया।
- प्रेस कान्फ्रेस पोर्टल मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में 23 जुलाई 2012 को मंत्रालय में पी.आर. सोल्युशन द्वारा देश के पहले '**प्रेस कान्फ्रेस पोर्टल**' का शुभारम्भ किया।
- राष्ट्रीय संस्कृत साहित्योत्सव का आयोजन फरवरी 2013 में होगा।
- बौद्ध विश्वविद्यालय - सांची में स्थापित होने वाले विश्वविद्यालय का शिलान्यास 21 सितम्बर 2012 को किया।
- 2012 में मनरेगा के कार्यो पर जिलों की रैंकिंग सूची में इन्दौर प्रथम और ग्वालियर अन्तिम स्थान पर हैं।
- मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जापान के टोक्यो शहर के एमटेक में इण्डिया शो के अन्तर्गत म.प्र. पवेलियन का शुभारंभ किया।
- अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय भोपाल में स्थापित किया गया।
- देश में पहली बार नदी तालाब जोड़ो परियोजना टीकमगढ़ जिले से क्रियान्वित की जा रही हैं।
- म.प्र. के बैतूल जिले में स्थापित राज्य की पहली टिश्यू कल्चर लैब शुरू।
- **मालवा कबीर यात्रा**- कबीर के जीवन, दर्शन और वाणी पर आधारित मालवा कबीर यात्रा 17 अप्रैल से शुरू हुई। लुनियाखेड़ी तराना से चलकर यह यात्रा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में कबीर दर्शन का अलख जगाएगी। 24 अप्रैल को कबीरवाणी के विशेष कार्यक्रम के साथ इंदौर में इसका समापन हुआ।बॉयो मॉस पॉवर प्लांट- विदिशा के करीब गांव वन में करीब साढ़े पांच करोड़ रूपए लागत से 1.2

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

मेगावट क्षमता का बॉयो मॉस विद्युत उत्पादन संयंत्र लगा। यह प्रदेश का तीसरा गैसोफिकेशन आधारित पॉवर प्लांट हैं।

- मध्य प्रदेश में प्राकृतिक गैस भंडार- मध्य प्रदेश के अनूपपुर और शहडोल जिलों में कोल बेड मिथेन गैस के भंडार मिले हैं। निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इन जिलों में 36.5 खरब घनफुट गैस के भंडार होने की पुष्टि की हैं।
- संजय गांधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान- पंचमढ़ी।
- तानसेन अलंकरण से सम्मानित-सविता देवी
- राष्ट्रीय हरित न्यायधिकरण का मुख्यालय भोपाल में प्रस्तावित।
- दो जिलों झाबुआ व सीहोर में संयुक्त राष्ट्र संगठन के सहयोग से 31 दिसम्बर 2012 तक महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम चला जिसका उद्देश्य पंचायती संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढाना।
- भोपाल, महेश्वर- फ्रांस ने भारतीय विरासत शहर नेटवर्क में भोपाल, महेश्वर को प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए चुना हैं।
- स्पेशल एजुकेशन जोन- आधारपुरा (भोपाल), बगरोदा (ग्वालियर), क्रिस्टल आई.टी.पार्क- इन्दौर, भाव सिंगपुरा (खंडवा), सिरसोदा (देवास) व पहाड़ी क्षेत्र (मुरैना), रेडीमेड गारमेंट्स- गदईपुरा (रीवा), बगडा (सतना)।
- डीजल इंजन कलपुर्जा कारखाना प्रस्तावित- सांची (रायसेन)।
- मुख्यमंत्री आवास मिशन का प्रारंभ वर्ष- मार्च, 2011
- प्रथम किसान विद्यालय-जबलपुर में स्थापित।
- मध्य प्रदेश गीत के रचनाकार- श्री महेश श्रीवास्तव
- मछुआरों को बीमा देने में राज्य देश में प्रथम, राजघाट जलाशय से लाभ मिलना शुरू।
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना की राशि 10 से बढ़कर 15 हजार हुई- अब तक 1 लाख 83 हजार विवाह सम्पन्न।
- 1 अप्रैल 2012 से अस्तित्व में आई नई तहसीलें। बुढार-गोहपारू (शहडोल), रामपुरा (नीमच), चॉद्र (छिंदवाडा), बिरसा (बालाघाट), सरईमाडा (सिंगरौली), कठ्ठीवाडा और सोण्डवा (अलीराजपुर) लिधौरा (टीकमगढ़ जिला)।
- श्रीलंका के सीता मंदिर और कम्बोडिया के अंकोरवाट मंदिर की यात्रा पर भी अब राज्य सरकार द्वारा अनुदान देने का फैसला। कैलाश मानसरोवर, हिंगलाज माता, ननकाना साहब की यात्रा के लिए पूर्व से यह प्रावधान।
- प्रारंभिक शिक्षा सुधार में चीन सहित दुनिया के 8 देशों के लिए म.प्र. बना रोल-मॉडल।
- मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा उज्जैन में सिंहस्थ-2016 के निर्माण कार्यो का शुभारंभ-30 करोड के जीरो पाइंट ओवर ब्रिज का शिलान्यास।
- अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को स्कॉलशिप वितरण में मध्य प्रदेश श्रेष्ठतम राज्यों में शामिल।
- मनरेगा में व्यय राशि के क्रम में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर-वर्ष 2011-12 में 1797 लाख मानव दिवस रोजगार उपलब्ध हुआ।
- टीकमगढ़ एवं छतरपुर के 100 तालाब नदियों से जुडेंगे जल संसाधन मंत्री श्री मलैया द्वारा टीकमगढ़ में देश की पहली नदी-तालाब जोडो परियोजना का शुभारंभ।
- मध्य प्रदेश सोयाबीन के उत्पादन में देश में सबसे आगे, 58 लाख हैक्टेयर में बुआई।
- मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना शुरू, तीर्थयात्री पहुँचे 5 सितम्बर को रामेश्वरम्, बुजुर्गो की सरकारी खर्च पर तीर्थ-दर्शन करने वाले मध्य प्रदेश विश्व का पहला राज्य बना।
- म.प्र. वेयर-हाउसिंग एवं लॉजिस्टिक पॉलिसी बनाने वाला देश का पहला राज्य बना।
- पॉच स्मारक - रायसेन जिले के कीरतपुर का ऐतिहासिक परमारकालीन बॉध व शिवलिंग, शहडोल जिले का लखवारिया का शिव मंदर व गुफाएँ, धार का प्राचीन किला, उमरिया जिले के पाली की मढी, सीतामढी घोषित होंगे राज्य संरक्षित अब प्रदेश में कुल 355 राज्य संरक्षित स्मारक।
- देश का पहला गौ-अभ्यारण्य म.प्र. के सुसनेर में शुरू, 24 दिसम्बर को भूमि-पूजन, निर्माण तीन चरण में होगा, अभ्यारण्य में गोबर, गौ-मूत्र, पंचगव्य पर होगा अनुसंधान।
- 1300 करोड की नर्मदा शुद्धिकरण योजना अप्रैल 2013 अमरकंटक से शुरू।
- तीसरा अंतर्राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म समारोह- जून, 2013 भोपाल।
- वराहमिहिर वैधशाला- डोंगला (महिदपुर) उज्जैन जिला।
- **संकेत पंड्या** : बैतूल जिलों के निवासी संकेत पाड्या द्वारा दर्शनशास्त्र पर लिखी पुस्तक 'द रिवैंप अंडरटोन' को अमेरिका के बोस्टन में जनवरी, 2014 में आयोजित इंटरनेशनल समिट में बेस्ट सेलर घोषित किया गया।
- **मधु वर्मा** : राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष नियुक्त।
- **कैलाश पाटीदार** : राज्य कृषक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त।
- **सामडोन्ग लाबसन्ग तेनजिन रिमपोचे** : सांची बौद्ध एवं भारतीय ज्ञान-अध्ययन विश्वविद्यालय का कुलाधिपति नियुक्त।
- **सुनंदा खैरवार** : 12वीं में शहर में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर एक दिन के लिए (28 मई को) उज्जैन नगरपालिका का अध्यक्ष बनाया गया।
- **डोंगला** : 11 जून, 2013 को उज्जैन जिले के डोंगला में स्थापित वराह मिहिर अत्याधुनिक वेधशाला का लोकार्पण किया गया।
- **तारागढ़** : फरवरी, 2013 में मध्य प्रदेश के मंडला जिले केतारागढ़ में उज्जैन और दिल्ली के जंतर-मंतर से भी प्राचीन वेधशाला की खोज की गई जिसका निर्माण वघेलवंशी राजा कर्णदेव ने कराया था जो 23 डिग्री अक्षांश पर है। वेधशाला में अष्ट दल कमल भी प्राप्त हुआ है।
- **मलूद गांव** : इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में मालूद गांव के पास ग्रामीण द्वारा जल सत्याग्रह किया गया।
- **गवीलगढ़ पहाड़ी** : 5 फरवरी, 2013 को भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण की नागपुर स्थित प्रागैतिहासिक एंव खुदाई शाखा ने महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित बैतूल के पास ताप्ती पूर्णा घाटी के सीमाई शहर में गवीलगढ़ पहाड़ी में सतपुड़ा की पहाड़ियों पर प्राचीन रॉक पेंटिंग्स की खोज की है।

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

- **नैनोद** : इंदौर के नैनोद गांव में दुनिया के सबसे भव्य जैन मंदिर का निर्माण कराया जा रहा है। ढाई दीप यानि जैन दर्शन का ब्रह्मांड में 1038 प्रतिमाएं होंगी और इसकी लागत 60 करोड़ रुपए होगी।

योजना

- **टंट्या भील स्वरोजगार योजना**- मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 21 मई, 2013 को संपन्न मंत्रिपरिषद् की बैठक में आदिवासी युवाओं के लिए टंट्या भील स्वरोजगार योजना को मंजूरी दी गई। योजना बैंकों के माध्यम से क्रियान्वित की जाएगी। इसमें आदिवासी हितग्राही के 50 हजार से 25 लाख रुपये या उससे अधिक ऋण का प्रावधान है। योजना में 30 प्रतिशत अनुदान, अधिकतम 3 लाख तक तथा 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान की व्यवस्था राज्य शासन द्वारा की जाएगी। साथ ही गारंटी सेवा शुल्क भी राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- **स्वागतम् लक्ष्मी योजना**- समाज में बालिकाओं को जन्म के पूर्व एवं बाद समान रूप से स्वीकार करने, बालिकाओं एवं महिलाओं से संबंधित भ्रांतियों एवे कुप्रथाओं को समाप्त करने और बालिकाओं एवं महिलाओं के प्रति होने वाले भेदभाव को हर स्तर पर समाप्त करने, समाज में बालिकाओं एवं महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ करने का प्रयास करने, प्रत्येक स्तर पर महिलाओं की गरिमा को बनाए रखने तथा महिलाओं के प्रति सम्मानजनक, सकारात्मक सोच तथा समानता का वातावरण निर्मित करने के उद्देश्य से 'स्वागतम् लक्ष्मी योजना' की शुरूआत 24 जनवरी, 2014 की मुख्यमंत्री द्वारा की गयी।
- **मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना**- 26 अप्रैल 2008 को गरीब नागरिकों के लिए सस्ते मूल्य पर अनाज वितरण की महत्वपूर्ण योजना ''मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना'' का शुभारम्भ। योजना के तहत बी.पी.एल. परिवारों को 2013 से 1 रुपये किलो गेंहूँ तथा 1 रु. किलो चावल ।
- **मुख्यमंत्री स्वस्थ ग्राम परियोजना**- शासन द्वारा कुपोषण निवारण के लिए पायलेट प्रोजेक्ट के रुप में प्रारंभ (2012)।
- **वार्षिक योजना 2013-14**- मध्यप्रदेश के लिए योजना आयोग ने रु. 35500 करोड़ के प्रावधान को स्वीकृति दी।
- **मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना**- 24 मई, 2013 को होशंगाबाद जिले से मुख्यमंत्री कन्या अभिभावक पेंशन योजना की शुरु। योजना में कन्या के अभिभावकों का रु. 500 प्रतिमाह पेंशन।
- **मुख्यमंत्री राज्य योजना**- 28 फरवरी से 9 मार्च, 2013 तक जिला मुख्यालयों पर खेल आयोजित।
- **गोपाल योजना**-देशी नस्ल की गायो को सरक्षंण।
- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना (2012-13) 1 लाख पात्र लोगों तथा साथ ही 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति व उसके साथ जाने वाले व्यक्ति सहित का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।
- **अटल बाल मिशन**-कुपोषण को समाप्त करने के लिए दिसम्बर 2010 में शुरू किया गया था, मिशन में इस साल 2012-13 में 50 करोड़ खर्च किए जायेंगे। प्रदेश के पांच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में पोषण संस्थान केन्द्र स्थापित किए जायेंगे।
- मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 17 नवम्बर 2012 को जबलपुर में शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क दवा वितरण संबंधी सरदार पटेल नि:शुल्क औषधि वितरण योजना की शुरूआत की।
- **इनाम योजना**-विद्युत विभाग द्वारा विजली बिल का ऑनलाइन बिल जमा योजना आरम्भ।
- **आलंबन योजना**-जलबपुर में वृद्धजनों की देखभाल के लिए शुरू की गई।

पुरस्कार/सम्मान

स्टेट ऑफ द ईयर : 13 जनवरी, 2014 को मध्य प्रदेश की सबसे तेज गति से विकास के लिए सीएनबीसी 18 द्वारा वर्ष 2013 के स्टेट ऑफ द इयर अवार्ड से सम्मानित किया।

मनरेगा राष्ट्रीय पुरस्कार : 2 फरवरी, 2014 को बैतूल जिले की ग्राम पंचायत बटकीडोह को मनरेगा गारण्टी स्कीम में विकास कार्यों में श्रेष्ठता के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार पाने वाली यह प्रदेश की एकमात्र पंचायत है।

एडमिरल कोहली पुरस्कार, 2013 : मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण संचालनालय द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय सेलिंग स्कूल को।

जियो स्पेशल वर्ल्ड अवार्ड : प्रदेश के वन विभाग को वर्ष 2013 में जियो स्पेशल वर्ल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया।

कृषि कर्मण पुरस्कार : 19 फरवरी, 2014 को मध्य प्रदेश को सकल उत्पादन श्रेणी में भारत सरकार के प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार : 19 दिसंबर, 2013 को मुख्यमंत्री ने वर्ष 2010-11 और वर्ष 2011-12 के लिए मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किया।

स्पंदन पुरस्कार: 4 सितम्बर, 2013 को इंदौर के कलेक्टर आकाश त्रिपाठी को स्पंदन पुरस्कार प्रदान किया गया।

अर्जुन पुरस्कार : 31 अगस्त, 2013 को मध्य प्रदेश की निशानेबाज राजकुमारी राठौर को वर्ष 2013 के अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार : 25 जनवरी, 2014 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मध्य प्रदेश के सौरभ चंदेल को राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इनोवेटिव स्टेट वेयरहाउसिंग कारपोरेशन ऑफ द ईयर अवार्ड, 2013 : मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एण्ड लॉजिस्टिक कारपोरेशन को।

पद्म पुरस्कार : 26 जनवरी, 2014 को मध्य प्रदेश के प्रो. विनोद कुमार सिंह (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई।

पहला नानाजी देशमुख राष्ट्रीय सम्मान : 27 फरवरी, 2013 को राज्य शासन द्वारा स्थापित इस राष्ट्रीय सम्मान से पुणे के सुयश चेरिटेबल ट्रस्ट को सम्मानित किया गया।

कुमार गंधर्व सम्मान : 18 अप्रैल, 2013 को प्रसिद्ध गिटार वादिका डॉ. कमला शंकर को वर्ष 2009-10 के कुमार गंधर्व सम्मान से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय तानसेन सम्मान (2011-12) : बनारस घराने के शास्त्रीय संगीत गायक पंडित राजन एवं पंडित साजन मिश्र को राज्य का वर्ष 2011-12 का तानसेन पुरस्कार 14 दिसम्बर, 2012 को प्रदान किया गया।

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

सोशल इम्पैक्ट अवार्ड : 29 जनवरी, 2013 को इंदौर के कलेक्टर आकाश त्रिपाठी तथा ग्वालियर के कलेक्टर पी. नरहरि को वर्ष 2012 के सोशल इम्पैक्ट अवार्ड (जनमित्र समाधान केन्द्र शुरू करने के लिए) से सम्मानित किया गया।

श्रेष्ठ कृषक का राष्ट्रपति पुरस्कार : राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 15 जनवरी, 2013 को मध्य प्रदेश के रायसेन जिले की राधा दुबे को जैविक खेती के प्रयोग से प्रति हेक्टेयर 23 क्विंटल चने का रिकार्ड उत्पादन करने के लिए श्रेष्ठ कृषक का राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस गोल्ड अवार्ड : 11 फरवरी, 2013 को जयपुर में सम्पन्न 16वें ई-गवर्नेंस सम्मेलन में राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस गोल्ड अवार्ड मध्य प्रदेश को नि:शक्तजन की बेहतरी के लिए चलाए गए स्पर्श अभियान को प्रदान किया गया। स्पर्श अभियान नि:शक्तजन, वृद्धजन और बेसहारा लोगों की सहायता, पुनर्वास और सशक्तिकरण का विशेष कार्यक्रम है।

नानाजी देशमुख राष्ट्रीय सम्मान- प्रारंभ वर्ष 2013 राशि-2 लाख रुपये सुयश चेरिटेबल ट्रस्ट, पुणे को।

वीरागंना देशमुख राष्ट्रीय सम्मान- प्रारम्भ वर्ष 2013, राशि-2 लाख रुपये।

स्टेट ऑफ दि ईयर अवार्ड-2013- सी.एन.बी.सी. टी.बी.-18 ने इस वर्ष के इंडिया बिजनेस लीडरशिप के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को चुना है। मध्यप्रदेश को स्टेट बैंक ऑफ ईयर चुना।

देवताले को साहित्य अकादमी पुरस्कार- कवि चन्द्रकान्त देवताले कविता संग्रह 'पत्थर फेंक रहा हूँ' के लिए 19 फरवरी 2013 को साहित्य अकादमी के हिन्दी पुरस्कार से सम्मानित (जन्म- मुलताई, बैतूल)

मल्लिकार्जुन मसूर सम्मान- सरोज वादक अमजद अली खान (ग्वालियर)

म.प्र. पर्यटन विकास निगम को राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार **'ट्रैवलर अवार्ड 2012'** भारत सरकार ने प्रदान किया गया।

जून-2013 में मध्य प्रदेश के ग्रामीण हॉट कार्यक्रम (कुटीर व ग्रामीण उद्योग विभाग) ने संयुक्त राष्ट्र संघ का लोक सेवा पुरस्कार जीता।

लता मंगेशकर सम्मान अलंकरण-2013 मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्लेबैक सिंगर हरीहरन को दिया गया।

वर्ष-2012 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन में उन्नत कार्य क्षमता स्थापित करने में देश में देश के तमिलनाडु का प्रथम स्थान रहा वही मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर।

मार्च-2013 में मध्य प्रदेश को दो **राष्ट्रीय पर्यटन पुरस्कारों** से नवाजा गया जिसमें एक बेहतर नागरिक प्रबंधन व दूसरा प्रमुख नवाचार एवं विशेष पर्यटन प्रोजेक्ट के लिए।

18 फरवरी 2014 को मध्य प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए वर्ष 2012-13 के तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। प्रदेश को पहला पुरस्कार पर्यटन संबंधी कार्यक्रम एवं अधोसंरचना विकास की श्रेणी में बेस्ट स्टेट का प्रथम पुरस्कार, दूसरा भारत के पर्यटन स्थलों में सर्वश्रेष्ठ नगरीय प्रबंधन के लिए पचमढ़ी को और तीसरा पुरस्कार पर्यटन पर सर्वश्रेष्ठ टीवी विज्ञापन फिल्म 'सौ तरह के रंग है.... मलंग है' के लिए मिला।

भामाशाह सम्मान - 2012 के पॉवर जनरेटिंग कंपनी को टीकमगढ़ में प्रदान किया।

संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा दिवस (26 जून) के अवसर पर म.प्र. राज्य न्यूयार्क (अमेरिका) में सम्मानित हुआ।

जल स्वच्छता के नवाचारों के लिए म.प्र. को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार मिला।

प्रथम भारत मानव विकास पुरस्कार-2012 से सम्मानित जिला- खरगौन।

जल-संरक्षण के क्षेत्र में श्रेष्ठ नवाचारों के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा देवास जिले के भगीरथ कृषक अभियान का चयन- जिले के रेवा सागर तालाब ने विश्व के लिये प्रेरणा स्त्रोत।

म.प्र. को कृषि नेतृत्व 2012 का प्रतिष्ठित पुरस्कार दिया गया। भारत में हरित क्रांति के जनक प्रोफेसर एम.एस.स्वामीनाथन की अध्यक्षता में एग्रीकल्चर टुडे द्वारा मध्य प्रदेश को कृषि क्षेत्र में ओवर ऑल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।

मुख्यमंत्री ग्राम-सडक योजना की ऑनलाइन मॉनीटरिंग के लिये बना सॉफ्टवेयर राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत। केन्द्रीय मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने म.प्र. को 'स्कॉच डिजीटल इन्क्लूजन अवार्ड' से नवाजा।

बालाघाट के माओवादी प्रभावित ग्रामों में मोबाइल बैकिंग के लिये मिला नाबार्ड पुरस्कार, केन्द्रीय वित्त मंत्री ने एक नई दिल्ली में जिला सहकारी बैंक को किया पुरस्कृत।

मध्य प्रदेश के दो शिल्पी श्री इस्माइल सुलेमान खत्री और श्री हरीश कुमार सोनी को राष्ट्रपति ने दिये राष्ट्रीय और शिल्प गुरू अवार्ड।

म.प्र. को ई-उपार्जन के लिये राष्ट्रीय सीएसआई निहिलेंट अवार्ड।

बैतूल जिले की ग्राम पंचायत साकादेही को मनरेगा में श्रेष्ठ कार्यों के लिए दो फरवरी, 2013 को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

16 जनवरी, 2014 को अमिताभ बच्चन को इंदौर मैनेजमेंट एसोसिएशन की 23वीं इंटरनेशनल मैनेजमेंट कानक्लेव, 2014 में लाइफ टाइम एचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

खेल परिदृश्य

नेशनल कप महिला अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग : 13 जनवरी, 2014 को प्रदेश की कुमारी आशा रोका ने सर्बिया में संपन्न तीसरी नेशन कप महिला अंतर्राष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में 50 किग्रा. वर्ग में कांस्य पदक जीता।

राष्ट्रीय पायका महिला खेल कूद प्रतियोगिता : 10 जनवरी, 2014 को भोपाल में संपन्न इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स में केरल, बैडमिंटन में हरियाणा, टेबल टेनिस में तमिलनाडु ओवर ऑल चैम्पियन रहा। भोपाल की धाविका इंदु प्रसाद 100 मीटर दौड़ 11.09 सेकण्ड में पूरी कर सबसे तेज महिला धावक बनीं।

51वीं नेशनल चैलेंजर्स शतरंज प्रतियोगिता : 22 अक्टूबर, 2013 को भोपाल में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में रेलवे के श्री तेज कुमार विजेता रहे। मध्य प्रदेश के श्री अक्षत खम्परिया तृतीय स्थान पर रहे।

राज्य स्तरीय शालेय हॉकी : 10 अक्टूबर, 2013 को बैतूल में सम्पन्न इस प्रतियोगिता के अंडर-19 वर्ग में भोपाल सम्भाग ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अंडर -17 वर्ग में भोपाल सम्भाग ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रो बॉल : 5 अक्टूबर, 2013 को जयपुर में संपन्न 20वीं राष्ट्रीय सब जूनियर थ्रो बॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश उपविजेता रहा।

32वीं राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता : 27 सितम्बर, 2013 को मणिपुर के इम्फाल में संपन्न इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश ने 2 स्वर्ण, 1 रजत और 4 कांस्य पदक जीतकर कुल 7 पदक जीते।

9वीं इंडिया इंडिपेंडेंस कप कराटे चैम्पियनशिप : 19 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में सम्पन्न इस चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों ने 10 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य पदक जीते।

वर्ल्ड पुलिस गेम्स : अगस्त, 2013 में नार्थ आयरलैंड के बेलफास्ट में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश की अनुराधा सिंह ने 5000 व 19000 मीटर दौड़ में तथा 3000 मीटर बाधा दौड़ में स्वर्ण पदक तथा 5 किमी. पैदल चाल में रजत पदक प्राप्त किया। नेहा सिहं ने शाटपुट तथा डिस्कस थ्रो में स्वर्ण एवं हैमर थ्रो में कांस्य पदक प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय जूनियर शॉटगन शूटिंग : 18 से 24 जून, 2013 तक फिनलैंड के ओरिमंटिला में संपन्न 5वीं अंतर्राष्ट्रीय जूनियर शॉटगन शूटिंग में मध्य प्रदेश के प्रियांशु पांडे ने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इन्होनें डबल ट्रैप टीम स्पर्धा में भी रजत पदक जीता।

हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, 2013 : 18 जून, 2013 को सोनीपत में संपन्न इस चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश ने पहली बार कांस्य पदक जीता

हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप, 2013 : जून 2013 में रांची में संपन्न इस चैम्पियनशिप का खिताब हरियाणा ने जीता। मध्य प्रदेश उपविजेता रहा।

सब जूनियर राष्ट्रीय हॉकी : 16 मई, 2013 को मुंबई में संपन्न इस प्रतियोगिता में राज्य हॉकी अकादमी बालक और बालिकाओं दोनों वर्गों में विजेता रही।

चौथा फेसिंग फेडरेशन कप : 10 अप्रैल, 2013 को हैदराबाद में सम्पन्न इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के अमरदीप बसेड़िया, हिमालय, उत्कर्षदीप सिंह, अमित सिंह तथा शानू महाजन ने कांस्य पदक जीता।

युवा अभियान वॉलीबॉल प्रतियोगिता : 11 मार्च, 2013 को भोपाल में संपन्न इस प्रतियोगिता में पहले स्थान पर दमोह जिला की टीम रही। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः रीवा व होशंगाबाद रहे।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी-2013- सैयद मुख्ताक अली ट्रॉफी 2013 (मार्च, इन्दौर) विजेता- गुजरात, आयोजक बीसीसीआई 2008-09 से।

मिशन ओलम्पिक 2020 योजना- मध्यप्रदेश सरकार ने 12 अप्रैल, 2013 को 'मिशन ओलम्पिक 2020' नामक योजना की शुरुआत की है। इस योजना को शुरु करने की घोषणा 16 जनवरी, 2013 को युवा पंचायत में की गई थी। योजना खिलाड़ियों को ओलम्पिक खेलों के लिए विशेष प्रशिक्षण देने से सम्बन्धित है। इस योजना मे मार्शल आर्ट्स, वाटर स्पोर्ट्स और शूटिंग का चयन किया गया है। शूटिंग में न्यूनतम 9 वर्ष की आयु से चयनित प्रतिभावन खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक खेल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों की सेवाएँ ली जाएँगी।

लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार-2013- यह पुरस्कार वालीबाल के रामलाल वर्मा को खेल की जीवनपर्यन्त उल्लेखनीय सेवा हेतु दिया गया।

मलखम्ब को राजकीय खेल का दर्जा- मध्यप्रदेश सरकार ने 9 अप्रैल, 2013 को मलखम्ब को राजकीय खेल का दर्जा प्रदान।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम भोपाल में बनाया जायेगा।

ऑल इंडिया इंटर कॉलेज सेल नेहरू कप प्रतियोगिता : 6 मार्च, 2013 को ग्वालियर में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता का खिताब मध्य प्रदेश ने ओडिशा को हराकर पहली बार जीता।

मुख्यमंत्री राज्य खेल प्रतियोगिता : 7 मार्च, 2013 को इस संपन्न इस प्रतियोगिता के परिणाम निम्न रहे-

स्पर्धा	विजेता (महिला)	विजेता (पुरुष)
कराते	जबलपुर टीम	भोपाल टीम
कुमीते	जबलपुर टीम	जबलपुर टीम
हैंडबॉल	इंदौर टीम	इंदौर टीम
ट्रायथलान	आरती पतवा (होशंगाबाद)	रविशंकर केवट (होशंगाबाद)
10 हजार मी. दौड़	-	अजय वीर सिंह
लंबी कूद	शिवांगी दुबे (भोपाल)	चिरंजीव (ग्वालियर)
जेवलिन थ्रो	भावना गोदे (म.प्र. पुलिस)	अजीत सिंह (ग्वालियर)
200 मी. दौड़	इंदू (भोपाल)	जनार्दन यादव (भोपाल)

मध्य प्रदेश में जीवनांक एवं स्वास्थ्य (2010)			
	इकाई	म. प्र.	भारत
जन्म दर	प्रति हजार व्यक्ति	27.3	22.1
मृत्यु दर	प्रति हजार व्यक्ति	8.3	7.2
शिशु मृत्यु दर	प्रति हजार जीवित जन्मपर	62.0	47.0

स्त्रोत : म. प्र. आर्थिक समीक्षा, 2012-13

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

35. अभ्यास-माला

अभ्यास-माला 1

1. निम्न में से कौन सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. कपास अनुसंधान केन्द्र	1. खरगौन
B. लेसर किरण ऊर्जा अनुसंधान केन्द्र	2. इन्दौर
C. अंतर्राष्ट्रीय मक्का एवं गेहूं अनुसंधान केन्द्र (प्रस्तावित)	3. खमरिया (जबलपुर)
D. वानिकी अनुसंधान	4. छिदवाड़ा

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

2. निम्न में से कौन-सा सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. पुलिस वायरलैस प्रशिक्षण महाविद्यालय	1. सागर
B. अपराध अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान	2. इन्दौर
C. स्वान प्रशिक्षण केन्द्र	3. भदभदा (भोपाल)
D. नव आरक्षण/प्लाटून कमाण्डर प्रशिक्षण संस्थान	4. जबलपुर

	A	B	C	D
(a)	2	1	3	4
(b)	1	2	3	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	2	1

3. निम्न में से कौन-सा सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. जनजाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान	1. ग्वालियर
B. नेशनल इस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन	2. भोपाल
C. नेशनल इस्टीट्यूट फैशन टैक्नोलॉजी	3. भोपाल
D. राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान	4. जबलपुर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	2	4	3	1
(d)	4	3	2	1

4. निम्न में से कौन-सा सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. म. प्र. गेहूं अनुसंधान केन्द्र	1. भोपाल
B. म. प्र. धान अनुसंधान केन्द्र	2. गुना
C. भू-उपग्रह दूरसंचार अन्वेषण केन्द्र	3. बड़वानी
C. आपदा प्रबंध संस्थान	4. पवार खेडा

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	4	3	2	1
(d)	2	4	1	2

5. निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है-
   1. म. प्र. उच्च न्यायालय की खण्डपीठ जबलपुर एवं ग्वालियर में हैं।
   2. म. प्र. अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक सभी आयोग के मुख्यालय भोपाल में है।
   3. इको पर्यटन विकास बोर्ड का मुख्यालय भोपाल में है।
   4. म. प्र. एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन का मुख्यालय भोपाल में नहीं है।

   (a) 1, 2, 3 सही (b) 2, 3
   (c) 2, 3, 4 (d) 1, 2, 3, 4

6. निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है-
   1. म. प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का मुख्यालय भोपाल में है।
   2. म. प्र. वस्त्रोद्योग निगम जिसकी स्थापना 1970 में की गई थी जिसका मुख्यालय इंदौर में है।
   3. म. प्र. हस्तशिल्प विकास निगम (1981) का मुख्यालय भोपाल में है।
   4. मध्य प्रदेश निर्यात निगम (1977) का मुख्यालय भोपाल में है।

   (a) 1, 2 (b) 1, 2, 3
   (c) कोई नहीं (d) चारों

7. निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है-
   1. म. प्र. मानवाधिकार, महिला, उपभोक्ता आदि आयोगों के मुख्यालय भोपाल में है।
   2. माटीकला बोर्ड एवं ध्रुपद संगीत इंदौर में अवस्थित है।
   3. म.प्र. चर्म विकास निगम का मुख्यालय अब जबलपुर में है।
   4. उद्यमिता विकास केन्द्र भोपाल में हैं।

   (a) 1, 2, 3 (b) 1, 4
   (c) 2, 3, 4 (d) सभी

8. निम्न में से कौन-सा सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. प्रथम महिला न्यायाधीश	1. निर्मला बुच
B. प्रथम महिला राज्यपाल ग्रेवाल	2. सुश्री सरला
C. प्रथम महिला आई.पी.एस.	3. श्रीमती सरोजनी सक्सेना
D. प्रथम महिला मुख्य सचिव	4. कु. आशा गोपाल

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	3	2	4	1
(c)	1	4	3	2
(d)	4	3	2	1

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

9. निम्न में से कौन-सा सुमेलित है-

सूची I	सूची II
A. प्रथम मुख्यमंत्री	1. डॉ. पट्टाभिसीता रमैया
B. प्रथम राज्यपाल	2. पं. रविशंकर शुक्ल
C. प्रथम न्यायधीश	3. पी. वी. दीक्षित
D. प्रथम लोकायुक्त	4. मो. हिदायतुल्ला

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	2	1

10. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. म. प्र. के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष श्री कुजीलाल दुबे थे।
2. म.प्र. के प्रथम महाधिवक्ता श्री एम. अधिकारी रहे।
3. म. प्र. के प्रथम सूचना आयुक्त श्री टी.एन. श्रीवास्तव थे।

निम्न में से कौन-सा/से कथन सही है-
(a) केवल 1, 2 (b) केवल 2, 3
(c) केवल 1, 3 (d) तीनों

11. म. प्र. की कौन-सी प्रथम आदिवासी महिला है जो किसी भी राज्य की राज्यपाल बनी।
(a) उमिला सिंह (हिमाचल प्रदेश)
(b) सुश्री सरला ग्रेवाल (म. प्र.)
(c) सरोजनी नायडू (उ. प्र.)
(d) इनमें से कोई नहीं

12. म. प्र. का पहला सेक्स वर्कर पुनर्वास केन्द्र कहाँ पर प्रस्तावित है-
(a) गुना (b) ग्वालियर
(c) झाबुआ (d) भिण्ड

13. इंदौर जिले के बारे में क्या सत्य नहीं है-
(a) म. प्र. का पहला नर्सिंग पी.एच.डी. शोध केन्द्र प्रस्तावित।
(b) म. प्र. का प्रथम विशेष आर्थिक क्षेत्र स्थापित।
(c) म. प्र. का पहला आकाशवाणी केन्द्र।
(d) म. प्र. का पहला सैलरिच जैविक खाद संयंत्र।

14. निम्न में से कौन से कथन भोपाल जिले के संदर्भ में सही है-
1. म. प्र. का प्रथम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा।
2. म. प्र. का पहला आई.टी. पार्क।
3. म. प्र. का पहला सर्प उद्यान प्रस्तावित।
4. म. प्र. का एकमात्र रेलवे इंजन बनाने का कारखाना।
(a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 2, 3, 4
(c) 1, 3, 4 (d) सभी

15. निम्न में से कौन-सा/से कथन सागर जिले के संदर्भ में सही है-
1. म. प्र. की प्रथम डी.एन.ए. प्रयोगशाला।
2. भारत में सती प्रथा के प्रथम साक्ष्य एरण अभिलेख से प्राप्त हुए है जो सागर जिले में है।
3. 'संउर' नामक जनजाति से संबंध।
4. म.प्र. का पहला केन्द्रीय विश्वविद्यालय (हरिसिंह गौर)।
(a) केवल 1, 2, 3 (b) केवल 2, 3, 4
(c) 1, 3, 4 (d) सभी

16. म. प्र. का प्रथम पर्यटक नगर है-
(a) शिवपुरी (b) बालाघाट
(c) उज्जैन (d) ग्वालियर

17. देवास जिले के बारे में कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है-
(a) म. प्र. का एकमात्र निर्यात औद्योगिक पार्क।
(b) बैंक नोट प्रेस।
(c) म. प्र. का पहला मोबाइल थाना।
(d) म. प्र. का पहला शिल्प ग्राम

18. म. प्र. के बारे में निम्न कथनों पर विचार करें-
1. सौर ऊर्जा से संचालित देश का पहला इको फ्रेंडली टेलीफोन एक्सचेंज (भोपाल)
2. देश का पहला राज्य जिसने लोकसेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम पारित किया।
3. देश का पहला सोलर पार्क राजगढ़ जिले में।
4. राज्य स्तर पर मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करने वाला प्रथम राज्य।
(a) केवल 1, 2, 3, सही (b) केवल 2, 3 सही
(c) केवल 2, 3, 4 (d) चारों सही

19. म. प्र. की सीमा पांच राज्यों से लगती है। इनमें से कौन-से राज्य से सीमा नहीं लगती है?
(a) छत्तीसगढ़ (b) महाराष्ट्र
(c) राजस्थान (d) झारखण्ड

20. निम्न में से कौन-सा कथन असत्य है-
(a) वर्ष 2010-11 का राष्ट्रीय तानसेन सम्मान बनारस घराने की गायिका सुश्री सविता देवी को दिया गया।
(b) अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शन भोपाल में किया गया।
(c) खजुराहों में इको टूरिज्म कॉनक्लेव फरवरी 2012 में आयोजित किया गया।
(d) अखिल भारतीय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन उज्जैन में सम्पन्न हुआ।

21. निम्न में से कौन-सा कथन सत्य नहीं है।
(a) वर्ष 2010-11 का लता मंगेशकर सम्मान फिल्म संगीत में राजेश रोशन को प्रदान किया।
(b) इसरों द्वारा राष्ट्रीय कार्बन परियोजना के तहत देश के चौथे कार्बन अनुमापन केन्द्र की स्थापना बैतूल जिले के सुख्यान नामक जगह पर की गई है।
(c) म. प्र. में सर्वाधिक प्याज का उत्पादन नीमच जिले में होता हैं।
(d) म.प्र. शासन द्वारा 26 दिसंबर को सुरक्षा दिवस घोषित

22. राज्य के खण्डवा जिले में सूक्ष्म भूकंप रिकार्डर किसकी सहायता से लगाया गया है-
(a) विश्व बैंक (b) विश्व मौसम संगठन
(c) भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान (d) इनमें से कोई नहीं

23. इंदौर के बारे में कौन-सा/से कथन असत्य नहीं है-
1. जनगणना 2011 के अनुसार सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला।
2. जनसंख्या की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा जिला।
3. सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि करने वाला जिला।
4. सर्वाधिक सघन आबादी वाला संभाग।
(a) केवल 1, 2 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 4 (d) सभी

24. 'खण्डवा' जिले के संदर्भ में विचार करें-
1. म. प्र. का एकमात्र गांजा उत्पादक जिला।
2. ओमकारेश्वर नामक ज्योतिर्लिंग यही पर अवस्थित है।
3. किशोर कुमार की जन्मस्थली।
4. सिंगाजी का मेला।
(a) केवल 1, 2 सही (b) केवल 1, 2, 3
(c) केवल 2, 3, 4 सही (d) सभी सही है

25. आदिवासी खेल विश्व विद्यालय कहाँ है-
(a) सीहोर (b) मदसौर
(c) झाबुआ (d) सीधी

26. 'रीवा' प्रसिद्ध है-
(a) सफेद शेर के लिए
(b) म. प्र. की एकमात्र महिला जेल
(c) म. प्र. की एकमात्र बायोनिजिकल लैब
(d) किशोर बंदीगृह

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

27. सबसे कम पुरूष व महिला साक्षरता वाला जिला-
(a) झाबुआ (b) हरदा
(c) अलीराजपुर (d) डिण्डोरी

28. म. प्र. का क्रमश: सर्वाधिक व सबसे कम कुपोषित जिला है-
(a) श्योपुर, इंदौर (b) झाबुआ, भोपाल
(c) श्योपुर, भोपाल (d) अलीराजपुर, इंदौर

29. म.प्र. की प्रथम झींगा हेचरी किस जिले में स्थापित की गई हैं-
(a) बालाघाट (b) खण्डवा
(c) अलीराजपुर (d) उज्जैन

30. पेंच राष्ट्रीय उद्यान (छिंदवाड़ा) पर आधारित पुस्तक ''द जंगल बुक'' के लेखक कौन हैं-
(a) हिलेरी किपलिंग (b) रूडियार किंपलिंग
(c) एडवर्ड किपलिंग (d)अल्फ्रेड किपलिंग

31. ''संस्कृत ग्राम'' के नाम से प्रसिद्ध ''मोहद'' ग्राम जहॉ सभी व्यक्ति संस्कृत बोलते हैं, वह किस जिले में हैं-
(a) अलीराजपुर (b) उज्जैन
(c) नरसिंहपुर (d) इन्दौर

32. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. इंदौर को म.प्र. की खेल राजधानी कहा जाता हैं।
2. जबलपुर को म.प्र. की संस्कार राजधानी कहा जाता हैं।
3. इंदौर को म.प्र. की औद्योगिक राजधानी कहा जाता हैं।
निम्न कथनों में से कौन सा/से सत्य नही हैं-
(a) 1 और 3 (b) 2 और 3
(c) तीनों (d) तीनों सत्य हैं।

33. ''नव जीवन शिविर'' जो कि वर्तमान अशोकनगर के मुंगावली नामक स्थान पर हैं क्या हैं-
(a) वैश्या मुर्क्ति एवं पुनर्वास हेतु केन्द्र
(b) नशा मुक्ति एवं पुनर्वास हेतु केन्द्र
(c) खुली जेल
(d) बाल अपराधी सुधार केन्द्र

34. म.प्र. की ''प्रथम खुली जेल कॉलोनी'' कहां पर हैं।
(a) गुना (b) होशंगाबाद
(c) जबलपुर (d) ग्वालियर

35. 10 लाख की जनसंख्या वाला कौन सा शहर नही हैं।
(a) इंदौर (b) जबलपुर
(c) ग्वालियर (d) उज्जैन

36. जबलपुर जिले के बारे में क्या सत्य नहीं हैं।
(a) यहॉ देश का पहला रत्न परिष्कृत क्षेत्र हैं।
(b) यह देश का पहला विकलांग पुनर्वास केन्द्र हैं।
(c) यहॉ राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान हैं।
(d) यहॉ राज्य का प्रथम पेपरलैस कार्यालय हैं।

37. 'कान्हा किसली' राष्ट्रीय उद्यान के बारे में निम्न कथनों पर विचार करे-
1. इस उद्यान में हवाई पट्टी हैं।
2. राज्य का एक मात्र उद्यान हैं जहां बारहसिंगा पाया जाता हैं।
3. 1955 में स्थापित मंडला जिले में राज्य का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान
4. इस उद्यान में हालो व बंजर घाटी हैं।
निम्न कथनों में से कौन सा/से असत्य नहीं हैं-
(a) 1 ,2 और 3 (b) 2, 3 और 4
(c) 1,3 और 4 (d) 1,2,3 और 4

38. मध्य प्रदेश राज्य के पूर्वी अन्तिम स्थान एवं पश्चिमी अंतिम स्थान के मध्य समय में कितना अंतर हैं-
(a) 34 मिनट (b) 32 मिनट
(c) 36 मिनट (d) 30 मिनट

39. निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
1. कर्क रेखा म.प्र. के 14 जिलों से गुजरती हैं।
2. भारत की मध्यान्ह रेखा 825° एकमात्र सिंगरोली जिले से गुजरती हैं।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) कोई नहीं

40. निम्न कथनो पर विचार करें-
1. म.प्र. का क्षेत्रफल 3,08,252 वर्ग किमी. हैं जो कि भारत के कुल क्षेत्रफल का 9.38 प्रतिशत हैं।
2. म.प्र. भारत में जनसंख्या की दृष्टि से 6वां बड़ा राज्य व क्षेत्रफल की दृष्टि से दूसरा बड़ा राज्य हैं।
3. साक्षरता की दृष्टि से मध्य प्रदेश का स्थान भारतीय राज्यों में 21वां हैं, वही लिंगानुपात की दृष्टि से 18 वां राज्य हैं।
निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
(a) केवल 1, 2 (b) केवल 1, 3
(c) तीनों (d) तीनो असत्य हैं।

41. तमसा नामक नदी जिसके तट पर रामायण कालीन बाल्मीकि आश्रम था जो कि अमरकटंक की पहाडियो से निकलती थी। इस तमसा नदी का आधुनिक नाम है:-
(a) नर्मदा (b) ताप्ती
(c) क्षिप्रा (d) टोंस

42. पनगुडाइयां नामक अशोक का अभिलेख म०प्र० के किस जिले मे है-
(a) सिहोर (b) सतना
(c) रामसेन (d) दतिया

43. निम्न को सुमेलित करे

A. भूमरा का शिव मंदिर	1. सतना
B. ऐरण का शिव मंदिर	2. सागर
C. तिगवा का विष्णु मंदिर	3. जबलपुर
D. नचना-कुठार का पार्वती मंदिर	4. पन्ना

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	2	1
(c)	1	2	3	4
(d)	2	1	4	3

44. रानी लक्ष्मीबाई को जन्म कहा हुआ था।
(a) झांसी (b) ग्वालियर
(c) वाराणासी (d) सोनभद्र

45. शहीद चन्द्रशेखर आजाद का जन्म कहा हुआ था।
(a) झाबुआ (b) इलाहाबाद
(c) अलीराजपुर (d) शाहजहाँपुर

46. निम्न कथनों पर विचार करें:-
1. अमर शहीद लाल पद्माधार सिंह जिन्होने भारत छोडो आन्दोलन मे भाग लिया वे सतना जिले के कृपाल नगर मे पैदा हुए थे।
2. अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह जिन्होने 1857 के विद्रोह मे भाग लिया था, उनका जन्म सतना जिले के मनकहरी में हुआ था।
निम्न मे से कौन सा/से कथन सही है:-
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनो (d) कोई नहीं

47. 1857 के विद्रोह में "काकू" के नाम से प्रसिद्ध थे:-
(a) लाल पद्माधर सिंह (b) ठाकुर रणमत सिंह
(c) युवराज चैन सिंह (d) बख्तावर सिंह

48. राज्य के निम्नलिखित नगरों में से कौन-सा वर्ष में दो बार मध्याह के समय सूर्य की सीधी किरणें प्राप्त करता हैं?
(a) ग्वालियर (b) रीवा
(c) रतलाम (d) शिवपुरी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
1. म.प्र. की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ की चोटी है जो बुंदेल खण्ड के पठार पर स्थित है
2. म.प्र. की सबसे ऊँची चोटी धूपगढ़ की चोटी है जो नर्मदा घाटी क्षेत्र में स्थित है।
3. धूपगढ़ की चोटी की ऊंचाई 1350 मीटर है जो सतपुड़ा मैकाल की श्रेणी पर स्थित है।

निम्न में से कौन-सा/से कथन सही हैं
(a) केवल 1 (b) केवल 3
(c) 1, 2, 3 (d) 1 व 2

50. सुमेलित कीजिए-

(A) काली मिट्टी	1. मालवा का पठार
(B) लाल मिट्टी	2. रीवा पन्ना का पठार
(C) जलोढ़ मिट्टी	3. मध्य भारत का पठार
(D) लैटेराइट मिट्टी	4. छिदवाड़ा एवं बालाघाट जिले

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	4	2	3	1
(d)	3	1	4	2

51. सरदार सरोवर परियोजना (नर्मदा नदी) :
(a) गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान की अन्तर्राज्यीय बहुउद्देश्यीय परियोजना है
(b) गुजरात, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान की अन्तर्राज्यीय परियोजना है
(c) महाराष्ट्र मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान की अन्तर्राज्यीय बहुउद्देशीय परियोजना है
(d) मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, राजस्थान की अन्तर्राज्यीय बहुउद्देशीय परियोजना है

52. बाणसागर बाँध का निर्माण किस नदी पर किया गया है?
(a) सोन (b) चम्बल
(c) नर्मदा (d) केन

53. माताटीला बाँध किस नदी पर बना हुआ है?
(a) केन (b) नर्मदा
(c) बेतवा (d) ताप्ती

54. सूची I (राष्ट्रीय पार्क) को सूची II (जिला) के साथ सुमेलित कीजिए -

सूची I	सूची II
A. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	1. शिवपुरी
B. माधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	2. उमरिया
C. पेंच राष्ट्रीय उद्यान	3. सीधी/कोरिया
D. संजय राष्ट्रीय उद्यान	4. छिदवाड़ा/सिवनी

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	2	1	4	3

55. मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान किस जिले में हैं?
(a) डिण्डोरी (b) मुरैना
(c) जबलपुर (d) बालाघाट

56. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
A. म.प्र. का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान	1. चंबल
B. म.प्र. का सबसे छोटा राष्ट्रीय उद्यान	2. कान्हा किसली
C. म.प्र. का सबसे बड़ा राष्ट्रीय अभयारण्य	3. जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान
D. म.प्र. का सबसे छोटा राष्ट्रीय अभ्यारण्य	4. रालामंडल

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	1	4
(c)	2	1	3	4
(d)	4	3	2	1

57. निम्नलिखित दिए गए युग्मों में कौन-सा एक सही समेलित नहीं है?

(a) कान्हा किसली उद्यान	प्रदेश का पहला राष्ट्रीय प्रोजेक्ट टाइगर
(b) पन्ना राष्ट्रीय उद्यान	रेप्टाइल के लिए संरक्षित
(c) मांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान	वनीय सघनता तथा पक्की सड़कों के लिए विख्यात
(d) सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान	बाघों के घनत्व के लिए प्रसिद्ध

58. निम्नलिखित में कौन सा एक सही नहीं है?
(a) म.प्र. में देश का 88% सोयाबीन उत्पादित होता है इसलिए म.प्र. को सोया प्रदेश की भी उपमा दी गई है।
(b) चना और अलसी उत्पादन में म.प्र. देश में प्रथम स्थान पर है।
(c) म.प्र. की बड़वानी में धान अनुसंधान केन्द्र स्थापित की है।
(d) मालवा के पठार के सरसों उत्पादन की हांडी कहा जाता है।

59. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
A. म.प्र. का सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला	1. हरदा
B. म.प्र. का सबसे कम जनसंख्या वाला जिला	2. इंदौर
C. सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला जिला	3. अनूपपुर
D. सबसे कम जनसंख्या वृद्धि वाला जिला (2011 की जनसंख्या के अनुसार)	4. इंदौर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	1	2	4	3
(d)	4	3	2	1

60. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
1. म.प्र. का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला भोपाल है। जिसका घनत्व 854 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है।
2. म.प्र. का सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला डिंडौरी है। (94 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.)
3. म.प्र. का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व 236 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी. है जो राष्ट्रीय जनसंख्या घनत्व 382 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. से काफी कम है।
4. म.प्र. की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर 20.35% रही है जो राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि दर 17.64% से अधिक रही।

निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं-
(a) केवल 1 (b) 2 एवं 3
(c) 1, 2, 3 (d) उपरोक्त सभी सही है।

61. अधिकतम जनसंख्या के आधार पर म.प्र. के जिलों को क्रम से लगाइए-
(a) इंदौर, रीवा, सतना, सागर, जबलपुर, छिदवाड़ा
(b) इंदौर, जबलपुर, सागर, भोपाल, रीवा
(c) इंदौर, जबलपुर, सागर, ग्वालियर, भोपाल
(d) इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, भोपाल, सागर

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

62. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
A. सर्वाधिक जनसंख्या झाबुआ, वृद्धि वाले जिले	1. इंदौर, भोपाल
B. सबसे कम जनसंख्या वृद्धि वाले जिले	2. अनूपपुर, बैतूल छिदवाड़ा
C. सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाला जिला	3. डिंडौरी
D. सबसे कम नगरीय जनसंख्या वाला जिला	4. इंदौर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	2	4	3
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	2	1

63. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा गलत है-
(a) जनसंख्या की दृष्टि से म.प्र. भारत का छटवां बड़ा राज्य है जैसे भारत की कुल जनसंख्या का 6% लोग निवास करते है।
(b) म.प्र. की कुल जनसंख्या 7 करोड़ 26 लाख 26 हजार 809 है।
(c) क्षेत्रफल की दृष्टि से म.प्र. देश का पहला राज्य है जिसका क्षेत्रफल 3,08,2.52 वर्ग कि.मी. है।
(d) क्षेत्रफल की दृष्टि से म.प्र. देश का दूसरा बड़ा राज्य है जो राजस्थान से छोटा है।

64. सुमेलित कीजिए- (2001 के अनुसार)

सूची I	सूची II
A. म.प्र. की कुल जनसंख्या में शहरी आबादी	1. 4.43 करोड़
B. म.प्र. की कुल जनसंख्या में ग्रामीण आबादी	2. 1.59 करोड़
C. म.प्र. की कुल जनसंख्या में पुरुष आबादी	3. 3.14 करोड़
D. म.प्र. की कुल जनसंख्या में महिला आबादी	4. 2.89 करोड़

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	3	2	1	4
(d)	2	1	4	3

65. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
A. जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग	1. इंदौर
B. जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा संभाग	2. नर्मदा पुरम्
C. सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि वाला संभाग	3. इंदौर
D. न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि वाला संभाग	4. जबलपुर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	2	4	3	1
(d)	4	2	3	1

66. म.प्र. के सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिलों को घटते क्रम में लगगाइए-
(a) मंडला, डिंडोरी, सिवरी, बालाघाट, झाबुआ
(b) बालाघाट, अलीराजपुर, मंडला, डिंडोरी, झाबुआ
(c) झाबुआ, बालाघाट, सिवरी, मंडला, डिंडोरी
(d) बालाघाट, मंडला, झाबुआ, सिवरी, डिंडोरी

67. निम्नलिखित कथनों में कौन-सा गलत है-
(a) म.प्र. में 94% जनसंख्या हिंदुओ की जिनकी साक्षरता 62.8% है जो सबसे कम है।
(b) म.प्र. की कुल जनसंख्या में मुस्लिम जनसंख्या का प्रतिशत 6.4 है जिनमें जनसंख्या वृद्धि सबसे कम है।
(c) म.प्र. की कुल जनसंख्या में जैन समुदाय की जनसंख्या 0.9% है। राज्य में इन्हें अल्पसंख्यक का दर्जा दिया गया है।
(d) म.प्र. की कुल जनसंख्या में ईसाई समुदाय की जनसंख्या 0.3% है जिनमें साक्षरता जैनों के बाद सर्वाधिक है।

68. सुमेलित कीजिए-

सूची I	सूची II
A. म. प्र. का सर्वाधिक साक्षर जिला	1. जबलपुर
B. म.प्र. का सबसे कम साक्षर जिला	2. अलीराजपुर
C. म.प्र. का सर्वाधिक पुरुष साक्षर जिला	3. जबलपुर
D. म.प्र. का सर्वाधिक महिला साक्षर जिला	4. भोपाल

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	4	3	2	1
(d)	3	4	2	1

69. म.प्र. के सर्वाधिक साक्षर जिलों को घटते क्रम में लगाइए-
(a) जबलपुर, इंदौर, भोपाल,बालाघाट, ग्वालियर
(b) भोपाल, इंदौर, जबलपुर, नरसिंहपुर, रायसेन
(c) नरसिंहपुर, जबलपुर, भोपाल, इंदौर, रायसेन
(d) नरसिंहपुर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रायसेन

70. निम्नलिखिल कथन में से कौन सा एक सही हैं
(a) म.प्र. का सर्वाधिक महिला साक्षर जिला नरसिंहपुर है जबकि सबसे कम लिंगानुपात जबलपुर जिले का है।
(b) म.प्र. का सर्वाधिक महिला साक्षर जिला भोपाल है जबकि सबसे कम महिला साक्षर जिला अलीराजपुर है।
(c) म.प्र. का सर्वाधिक महिला साक्षर जिला नरसिंहपुर है जबकि सबसे कम साक्षर जिला अलीराजपुर है।
(d) म.प्र. का सर्वाधिक पुरुष साक्षर जिला जबलपुर है जबकि सबसे कम साक्षर अलीराजपुर है।

71. अधिकतम जनसंख्या (प्रतिशत) के आधार पर अनुसूचित जाति वाले जिलों को क्रम में लगाइए-
(a) उज्जैन, दतिया, टीकमगण, शाजापुर, छतरपुर
(b) सागर, उज्जैन, इंदौर, भिण्ड, छतरपुर
(c) दतिया, उज्जैन, सागर, इंदौर, छतरपुर
(d) दतिया, सागर, इंदौर, उज्जैन, भिण्ड

72. सर्वाधिक अनुसूचित जाति संख्या वाले जिले हैं:-
(a) उज्जैन, सागर, दतिया, टीकमगढ़
(b) उज्जैन, सागर, टीकमगढ़, दतिया
(c) इंदौर, उज्जैन, सागर
(d) उज्जैन, दतिया, टीकमगढ़

73. सुमेलित कीजिए-

सूची-I (किला)	सूची-II (निर्माता)
(A) ग्वालियर का किला	(1) राजा सूरजसेन
(B) असीरगढ़ का किला	(2) अलाउद्दीन खिलजी
(C) चंदेरी का किला	(3) कीर्तिपाल
(D) मंदसौर का किला	(4) आसाराम/अहीर

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	1	4	3	2
(c)	4	1	3	2
(d)	3	4	1	2

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

74. कौन सा स्थान प्रदेश को ताम्र पाषाण संस्कृति से सम्बद्ध करता है-
(a) अनूप (b) कायथा
(c) एरण (d) नर्मदा क्षेत्र

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
1. पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की थी
2. पुष्यमित्र शुंग ने अग्निमित्र को विदिशा का शासक बनाकर भेजा था।
3. कालिदास रचित मालविकाग्निमित्र नामक नाटक में अग्निमित्र नायक था।
4. सतना जिले के भरहुत स्तूप का निर्माण पुष्यमित्र शुंग के निर्देश पर अग्निमित्र ने करवाया था।
निम्न में से सही कथन चुनिये-
(a) केवल 1 (b) केवल 2, 3
(c) 1, 2, 3 (d) उपरोक्त सभी सही है

76. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए
1. चंदेल राजवंश की स्थापना नन्नुक ने की थी जिसने महोबा को अपनी राजधानी बनाया था-
2. जयशक्ति के नाम पर बुंदेलखण्ड का नाम जेजाक भुक्ति पड़ा
3. चंदेल शासक धंग ने खजुराहों के विश्व विख्यात पार्श्वनाथ, विश्वनाथ जिनाय एवं वैद्यनाथ मंदिर का निर्माण करवाया था।
4. चंदेल शासक गंडदेव ने चित्रगुप्त मंदिर का निर्माण करवाया था।
5. कंदरिया महादेव मंदिर का निर्माण यशोवर्धन ने करवाया था।
निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं
(a) केवल 2, 3 (b) केवल 2, 5
(c) केवल 3, 4, 5 (d) केवल 2, 3, 4, 5

77. होल्कर वंश की स्थापना की थी-
(a) मल्हार राव होल्कर (b) खांडेराव होल्कर
(c) भालेराव होल्कर (d) यशवंत राव होल्कर

78. देवी अहिल्या बाई का विवाह हुआ था-
(a) खांडेराव होल्कर (b) तुकोराव होल्कर
(c) यशवंत फड़से (d) तुकोजीराव तृतीय

79. निम्न में से कौन सा/से कथन सही नहीं हैं-
1. म.प्र. की गंगा बेतवा नदी को कहा जाता हैं।
2. मालवा की गंगा क्षिप्रा नदी को कहा जाता हैं।
3. म.प्र. की सोन नदी को स्वर्ण नदी भी कहा जाता हैं।
(a) 1, 2 (b) 2, 3
(c) 1, 2, 3 (d) तीनों सही

80. इनमें से कौन सी नदी उत्तर की ओर नहीं बहती हैं
(a) सोन (b) केन
(c) बेतवा (d) बेनगंगा

81. वर्धा एवं वेनगंगा के संगम स्थल को कहते हैं-
(a) प्राणहेता (b) प्राणहर्ता
(c) प्राणदायिनी (d) प्रणेयता

82. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. म.प्र. का सबस लंबा बांध तवा नदी पर हैं जो होशंगाबाद के निकट हैं।
2. म.प्र. का सबसे ऊंचा जल प्रपात चचाई जलप्रपात हैं जो कि रीवा की बीहड नदी पर हैं।
3. काली सिंध नदी का उद्गम स्थल बागली गॉव (देवास) हैं।
निम्न में से कौन-सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
(a) 1, 2 (b) 2, 3
(c) 1, 3 (d) तीनों

83. सोन नदी के बारे में सत्य हैं-
1. सोन नदी अमरकण्टक (अनूपपुर) से निकलती हैं जिसकी लंबाई लगभग 780 किमी. हैं।
2. इसकी सहायक नदी जोहिला हैं।
3. यह बिहार के दीनापुर की पहाडी के पास गंगा नदी में मिलती हैं।
(a) केवल 1,2 (b) केवल 2, 3
(c) 1, 3 (d) तीनों

84. कौन सा जलप्रपात नर्मदा नदी पर नहीं हैं-
(a) धुंआधार (b) दुग्धधारा
(c) मंधार (d) डचेसफाल

85. निम्न में से कौन सा जल प्रपात बीहड़ नदी (रीवा) से संबंधित नहीं हैं-
(a) चचाई (b) केवटी
(c) बहुटी (d) शंकर खो

86. निम्न में से सुमेलित नहीं हैं-
(a) चूलिया जल प्रपात - चम्बल (मंदसौर)
(b) राहतगढ़ जल प्रपात - चम्बल (सागर)
(c) पातालपानी जल प्रपात - चम्बल (इंदौर)
(d) भाड़ीदाहा जल प्रपात - चम्बल (रतलाम)

87. निम्न कथनों पर विचार करे-
1. बालाघाट व सिवनी जिलों में तालाबो द्वारा सर्वाधिक सिचाई होती हैं।
2. म.प्र. में कुओं व नलकूपों द्वारा सर्वाधिक सिंचाई होती हैं।
3. डिंडोरी जिला न्यूनतम सिचाई वाला जिला हैं।
निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं-
(a) केवल 1, 2 (b) केवल 2, 3
(c) केवल 1, 3 (d) तीनो

88. प्रदेश की पहली अंतर घाटी परियोजना हैं-
(a) चोरल नदी परियोजना (b) ईव परियोजना
(c) बावन थडी परियोजना (d) थॉवर परियोजना

89. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं हैं-
(a) बॉध परियोजना - म.प्र. व महाराष्ट्र
(b) काली सागर परियोजना - म.प्र. व महराष्ट्र
(c) ईव परियोजना - म.प्र. व उडीसा
(d) सरदार सरोवर परियोजना - म.प्र. व उत्तर प्रदेश

90. केन-बेतवा नदी लिंक परियोजना म.प्र. के किस राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरेगी-
(a) पन्ना (b) कान्हा किसली
(c) पेंच (d) इनमें से कोई नहीं

91. निम्न को सुमेलित करें-

सूची I	सूची II
A. सुक्ता परियोजना	1. इंदौर
B. थॉवर परियोजना	2. रायसेन
C. बारना परियोजना	3. मण्डला जिला
D. चोरल नदी परियोजना	4. खण्डवा जिला

	A	B	C	D
(a)	3	4	2	1
(b)	4	3	2	1
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	1	2

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

92. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. शुद्ध सिचिंत क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत में मध्य प्रदेश का सातवां स्थान हैं।
2. 1905 में ग्वालियर राज्य के तत्कालीन महाराजा ने राज्य में सिचाई विभाग की स्थापना की थी।

निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) दोनो गलत

93. निम्न में से असत्य कथन का चयन करें-
(a) सर्वाधिक तहसीलों वाला जिला जबलपुर हैं।
(b) अलीरापुर भगोरिया जनजाति के लिए प्रसिद्ध हैं।
(c) 49वाँ जिला अलीराजपुर को बनाया गया था।
(d) कठ्ठीवाडा झरना धार जिले में हैं।

94. म.प्र. के संबंध में ''मृगनयनी'' क्या हैं-
(a) प्रदेश के उद्योग निगम के एम्पोरियम
(b) प्रदेश की अभ्यारण्य संरक्षण हतु नई योजना
(c) प्रदेश की वृद्धजनों की नेत्र चिकित्सा हेतु योजना
(d) इनमें से कोई नहीं

95. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं हैं-
(a) अमरकंटक-II ताप विद्युत केन्द्र - उमरिया
(b) बरगी परियोजना - जबलपुर
(c) राजघाट परियोजना - ललितपुर (u.p.)
(d) चांदेल प्रोजेक्ट - बुरहानपुर

96. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र इंदौर में हैं
2. एशिया का सबसे बडा सोयाबीन कारखाना उज्जैन में हैं
3. कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर में हैं
4. कृषि अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान भोपाल में हैं

निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 3, 4
(c) 2, 3, 4 (d) चारों

97. निम्न में से कौन सा/से सत्य नहीं हैं-
(a) मध्य प्रदेश का गठन फजल अली आयोग की अनुशंसा पर किया गया
(b) म.प्र. का नामकरण जवाहर लाल नेहरू ने किया
(c) वर्ष 2003 में तीन जिलों का गठन किया गया था
(d) म.प्र. के गठन के समय 42 जिले थे

98. निम्न में से कौन सा/से सत्य नहीं हैं-
(a) म.प्र. का सर्वाधिक जिलों वाला संभाग होशंगाबाद हैं।
(b) म.प्र. का नवनिर्मित 10वां संभाग नर्मदापुरम हैं।
(c) म.प्र. का क्षेत्रफल की दृष्टि से बड़ा संभाग होशंगाबाद हैं।
(d) म.प्र. का जनसंख्या की दृष्टि से बडा संभाग जबलपुर हैं।

99. निम्न में से कौन सा/से सत्य नहीं हैं-
(a) म.प्र. का 49वां जिला 27 मई 2008 को बना
(b) म.प्र. का 50वां जिला 24 मई 2008 को बना
(c) म.प्र. में कुल जिले 51 हैं
(d) म.प्र. का सिंगरौली, सीधी से पृथक कर बनाया गया

100. सन् 1956 के राज्य पुनर्गठन के संबंध में सही कथन/कथनों को छांटिए-
1. बुल्ढाना, अकोला, अमरावती, यवतमाल, वर्धा, नागपुर, भण्डारा और चॉदा जिलें तात्कालीन मुम्बई राज्य में चले गये।
2. भानपुरा तहसील के सुनील टप्पा को छोड़कर शेष भाग को म.प्र. में शामिल किया गया।
3. राजस्थान के कोटा जिले की सिरौज तहसील म.प्र. के राजगढ़ जिले में जोडी गई।
4. पार्ट सी (विंध्य प्रदेश) को म.प्र. में मिलाया गया।

(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) 1, 2, 4 (d) 1, 2, 3, 4

101. निम्न से वे कौन से राज्य हैं जिनकी सीमाऐं अविभाजित म.प्र. की सीमा को तो छूती थी, लेकिन विभाजन के बाद नहीं छूति-
1. आंध्रप्रदेश 2. बिहार 3. झारखंड 4. उड़ीसा
(a) 1, 2 (b) 2, 3
(c) 1, 2, 4 (d) 1, 2, 3, 4

102. निम्न में सत्य कथन का चयन करे-
(a) म.प्र. की गत दशक (2001-11) की जनसंख्या बृद्धि दर 26:26 रही।
(b) म.प्र. में नगरीय जनसंख्या 26.25% हैं।
(c) म.प्र. में ग्रामीण जनसंख्या 72.37 प्रतिशत हैं।
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

103. निम्न जोड़ी को मिलाइये-

म.प्र. के संदर्भ में	जिला
A. सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला	1. बालाघाट
B. सर्वाधिक जनसंख्या बृद्धि दर वाला जिला	2. इन्दौर
C. सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला जिला	3. भोपाल
D. सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला	4. इन्दौर

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 1, 3, 4
(c) 4, 3, 2, 1 (d) 1, 2, 4, 3

104. निम्न कथनों में से कौन सा एक कथन सत्य नहीं हैं-
(a) राष्ट्रीय राजमार्ग-3 म.प्र. का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग हैं
(b) राष्ट्रीय राजमार्ग प्रदेश की कुल सड़क का लगभग 5.30 प्रतिशत हैं
(c) प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-77 पिजवांडा-उदयपुर-चित्तोड़ हैं। जिसकी लम्बाई मात्र 30 किमी. हैं।
(d) NH-7 प्रदेश का दूसरा सर्वाधिक लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग हैं।

105. धार के किले के बारे में क्या सत्य नहीं हैं-
(a) इसका पुनर्निमाण 1344 में मुहम्मद बिन तुगलक ने दक्षिण विजय के दौरान करवाया था।
(b) इस किले में खरबूजा/खरवणा महल हैं।
(c) इस किले में शिवाजी के बेटे का जन्म हुआ था।
(d) इस किले में अंदर अवस्थित देवी कालका मंदिर परमार नरेश मुंज ने बनवाया था।

106. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. असीगरगढ़ का किला बुरहानपुर जिले में हैं
2. इसका निर्माण 10वीं शताब्दी में अहीर राजा ''आशा'' ने करवाया था
3. इसे अकबर ने सोने की चाबियों से विजित किया था
4. इसे 'दक्षिण का द्वार' कहा जाता हैं

निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) 3, 4 (d) चारों

107. नरवर के किले के संदर्भ में क्या सही नहीं हैं-
(a) यह शिवपुरी जिले में स्थित हैं
(b) यह किला नल एवं दमयन्ती की प्रणयकथा के लिए प्रसिद्ध हैं
(c) यह कछवाह, तोमरों और जयपुर के राजघराने के लिए प्रसिद्ध हैं
(d) इसमें तोपेश्वर मंदिर (500 वर्ष पुराना) स्थित हैं

108. निम्न में से कौन सा किला बजरं एवं नर्मदा नदी के संगम पर स्थित हैं-
(a) ओरछा का किला (b) मण्डला का दुर्ग
(c) मंदसौर का किला (d) नरवर का किला

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

109. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं हैं-
(a) इत्रद्वार महल - रायसेन
(b) दाई का महल - मॉडू
(c) मदन/मठन महल - जबलपुर
(d) नौखण्डा महल - धार किला

110. 'तोतों' का किला किसे कहा जाता हैं-
(a) गिन्नौर (b) रायसेन
(c) गिरनार (d) रायगढ़

111. म.प्र. का एकमात्र स्थल जो अंतर्राष्ट्रीय वायु सेवा से जुडा हैं-
(a) भोपाल (b) ग्वालियर
(c) खजुराहो (d) इंदौर

112. मारा की गुफाऐं जो भित्ति चित्र के लिए प्रसिद्ध हैं कहां पर हैं-
(a) सिंगरौली (b) बुरहानपुर
(c) धार (d) सतना

113. निम्न कथनों में से कौन सा असत्य हैं-
(a) मध्य प्रदेश से 11 राज्य सभा सीटें हैं
(b) म.प्र. से 29 लोकसभा सीटें हैं
(c) म.प्र. लोकसभा के लिए अनुसूचित जनजाति की 6 आरक्षित सीटें हैं
(d) म.प्र. से लोकसभा के लिए अनुसूचित जाति की 6 आरक्षित सीटें हैं

114. निम्न में से असत्य कथन का चयन करें-
(a) म.प्र. में साल बीज का राष्ट्रीयकरण वर्ष 1975 में किया गया था
(b) म.प्र. के खण्डवा, खरगौन को सफेद सोना क्षेत्र कहा जाता हैं
(c) म.प्र. में वनों के संरक्षण के लिए सामाजिक वानिकी कार्यक्रम वर्ष 1981-82 से चलाया जा रहा हैं
(d) म.प्र. में 5 वन राजिक महाविद्यालय हैं

115. जोड़ी मिलाये-

सूची-I (योजना)	सूची-II (नदी)
A. बाण सागर योजना	1. सोन नदी
B. उर्मिल परियोजना	2. बेतवा
C. रानी लक्ष्मीबाई राजघाट परियोजना	3. उर्मिल
D. ग्रेटर गंगऊ बांध	4. केन

	A	B	C	D
(a)	1	4	2	3
(b)	1	3	2	4
(c)	1	2	3	4
(d)	2	3	1	4

116. निम्न में सत्य कथन का चयन करे-
(a) म.प्र. वन विभाग के अनुसार राज्य में वन क्षेत्रफल 94689 वर्ग किमी. हैं।
(b) म.प्र. में प्रति व्यक्ति वन क्षेत्रफल 0.19 हेक्टेयर हैं।
(c) म.प्र. के वनों में सर्वाधिक मात्रा में साल वृक्ष पाया जाता हैं।
(d) म.प्र. में सर्वाधिक वन शहडोल जिले में हैं।

117. निम्न कथन में से असत्य कथन का चयन करे-
(a) वर्तमान में म.प्र. में पुलिस रेंज 11 हैं।
(b) अपराध अनुसंधान प्रशिक्षण केन्द्र सागर में स्थापित निम्न गया हैं।
(c) होम गार्ड पैरा पुलिस कोर्स का मुख्यालय भोपाल में हैं।
(d) पुलिस स्मृति दिवस 21 अक्टूबर को मनाया जाता हैं।

118. म.प्र. के किस जिला समूह में उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन पाये जाते हैं-
(a) होशंगाबाद, पन्ना, बैतुल
(b) मण्डला, बालाघाट, सीधी
(c) रतलाम, मंदसौर, नीमच
(d) उपरोक्त सभी

119. सूची सुमेलित करें-

सूची-I	सूची-II
A. पहाड़ी कोरबा	1. मण्डला
B. बैगा	2. जसपुर
C. मारिया	3. ग्वालियर
D. सहरिया	4. पातालकोट(छिन्दवाड़ा)

	A	B	C	D
(a)	2	1	4	3
(b)	4	3	2	1
(c)	1	2	3	4
(d)	3	4	1	2

120. म.प्र. के किस जिले में सर्वाधिक शिशु जनसंख्या हैं-
(a) बडवानी (b) सिंगरौली
(c) श्योपुर (d) झाबुआ

121. निम्न में से किस राज्य में सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर पाई जाती हैं-
(a) मध्य प्रदेश (b) बिहार
(c) असोम (d) झारखण्ड

122. शाजापुर जिले के बारे में क्या सत्य नहीं हैं-
(a) यहॉ देश का पहला गौ-अभ्यारण्य बनाया जा रहा हैं।
(b) यह राजस्थान से लगा पूर्वी जिला हैं।
(c) यहा नलखंडा का प्रसिद्ध मंदिर ओर चिलर नदी के तट पर प्रसिद्ध किया हैं।
(d) यहॉ रावण की पूजा की जाती हैं।

123. उज्जैन जिले के बारे में विचार करें-
1. विश्व का एकमात्र स्थान जहॉ 21 जून को सूर्य लम्बवत् 90^0 होता हैं।
2. यहॉ मध्य प्रदेश की एकमात्र वेधशाला हैं।
3. जनसंख्या की दृष्टि से सर्वाधिक अनुसूचित जाति वाला जिला हैं।

निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं-
(a) 1, 2 (b) 1, 3
(c) 1, 2, 3 (d) तीनों सही

124. मध्य प्रदेश के संबंध में निम्न कथनों पर विचार करें-
1. सॉची (रायसेन) में डीजल इंजन कलपुर्जा कारखाना प्रस्तावित हैं।
2. फ्रांस ने भारतीय विरासत शहर में नेटवर्क में भोपाल व महेश्वर को प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए चुना हैं।
3. राज्य शासन ने मदसौर जिले को पवित्र जिला घोषित किया हैं।
4. मुख्यमंत्री बाल हृदय उपहार योजना का प्रारंभ 14 जुलाई 2011 से किया गया।

निम्न में से कौन सा/से कथन सही है/हैं-
(a) 1, 2 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 4 (d) चारों

125. टीकमगढ़ के बारे में क्या सत्य नहीं हैं-
(a) देश की पहली नदी तालाब जोडो परियोजना की शुरूआत यही से की जा रही हैं।
(b) यहॉ प्रसिद्ध कुकडेश्वर मंदिर यही हैं जो शिवलिंग के आकार बढने के लिए प्रसिद्ध हैं।
(c) कवि केशवदास ओरछा से हैं।
(d) निदानकुण्ड नामक जलप्रपात यही हैं।

You Tube Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
SABDHANI COACHING INSTITUTE Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

126. निम्न में कौन सा कथन असत्य हैं
(a) राज्य का प्रथम कंपोजिट लॉजिस्टिक हब होशंगाबाद में प्रस्तावित हैं।
(b) राज्य शासन ने सभी सरकारी प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में जुलाई 2012 से पंच-प अभियान आरंभ किया हैं।
(c) भारत सरकार का ट्रेवलर अवार्ड-2012 म.प्र. पर्यटन विकास निगम को दिया गया हैं।
(d) संजय गॉधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान जबलपुर में स्थापित हैं।

127. संजय राष्ट्रीय उद्यान, जिसे केन्द्र सरकार ने 2006 में टाइगर रिजर्व घोषित किया था यह म.प्र. के सीधी जिले में अवस्थित हैं वही यह छत्तीसगढ के कौन से जिले में भी आता हैं-
(a) बिलासपुर (b) कोरिया
(c) रायपुर (d) अम्बिकापुर

128. इनमें से कौन सा/से क्षेत्र जैव मण्डलीय आरक्षित क्षेत्र में भी आते हैं-
1. पंचमढी 2. अमरकंटक-अचानकमार
3. रातापानी 4. गांधी सागर
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 2
(c) 1, 3 (d) चारों

129. निम्न कथनों में कौन सा कथन सत्य नहीं हैं-
(a) म.प्र. आदिवासी लोक कला परिषद् आदिवासी लोक कला पर केन्द्रित पत्रिका चौमासा का प्रकाशन करती हैं।
(b) मध्य प्रदेश अकादमी का मुख्यालय भोपाल में हैं।
(c) माखनलाल चतुर्वेदी स्मृति समारोह खण्डवा में मनाया जाता हैं।
(d) इकबाल पुरस्कार म.प्र. संस्कृति विभाग द्वारा अरबी साहित्य में विशेष योगदान हेतु दिया जाता हैं।

130. निम्न में से कौन सुमेलित नहीं हैं-
(a) अटारी नृत्य - कोरकू जनजाति
(b) माओपाटा नाट्य - मुरिया जनजाति
(c) दुलदुल घोडी - सहरिया जनजाति
(d) गौर नृत्य - उराब जनजाति

131. भेल द्वारा भारत का प्रथम अल्ट्रा हाई वोल्टेज ट्रांसफार्मर कहां स्थापित किया गया हैं-
(a) बीना (b) डिग्बोई
(c) सिंगरौली (d) बॉम्बे हाई

132. सुमेलित करें-

पुरस्कार	क्षेत्र
A. महात्मा गॉधी सम्मान	1. भारतीय भाषाओं
B. कबीर सम्मान	2. हिन्दुस्तानी संगीत
C. तानसेन सम्मान	3. गायन
D. देवी अहिल्या सम्मान	4. साम्प्रदायिक सद्भावना

A	B	C	D
(a) 2	3	4	1
(b) 4	3	2	1
(c) 1	2	3	4
(d) 3	2	4	1

133. लोक नृत्य 'काठी' का सम्बन्ध हैं-
(a) निमाड (b) मालवा
(c) मेवाड़ (d) बुन्देलखण्ड

134. उराँव जनजाति द्वारा किया जाने वाला नृत्य हैं-
(a) सरहुल (b) राऊत
(c) सैला (d) लेहंगी

135. म.प्र. शासन में का कालिदास सम्मान (2010-11) दिया गया हैं-
(a) अमिताभ बच्चन को (b) सलीम खान को
(c) अनुपम खैर को (d) यश चोपडा को

136. म.प्र. में प्रतिवर्ष सूर्य नमस्कार का आयोजन किया जाता हैं-
(a) 1 जनवरी को (b) 12 जनवरी को
(c) 15 जनवरी को (d) 21 जनवरी को

137. 'ओरछा' को बुन्देलखण्ड की राजधानी किसने बनाया-
(a) रूद्र प्रताप सिंह बुन्देला (b) वीरसिंह बुन्देला
(c) चम्पतराय बुन्देला (d) छत्रसाल बुन्देला

138. ग्वालियर में सिधिंया वंश की सत्ता कब स्थापित हुई-
(a) 1701 (b) 1765
(c) 1795 (d) 1818

139. गणराज्य व क्षेत्रा के जोडे में असम्बद्ध जोडा हैं-
(a) प्रार्जुन गणराज्य-नरसिंहपुर
(b) काक गणराज्य-अमरकंटक क्षेत्र
(c) खरपरिक गणराज्य-दमोह क्षेत्र
(d) आभीर-पार्वती व बेतवा मध्यक्षेत्र

140. ऐतिहासिक स्थल व सम्बन्धित जिला के जोडे में असंगत हैं-
(a) भर्तृहरि गुफा-उज्जैन
(b) भरत कूप-चित्रकूट
(c) रामघाट-विदिशा
(d) खूनी भण्डारा-बुरहानपुर

141. सुमेलित नहीं हैं-
(a) म.प्र. का प्रथम कम्पोजिट लाजिस्टिक हब-पवार खेडा (ग्वालियर)
(b) म.प्र. को अक्टूबर 2012 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-इदौर
(c) भूसी आधारित संयंत्र-जादूखेडा (धार)
(d) एयर कार्गो कॉम्पयलेक्स-उज्जैन

142. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. मालकुण्ड जलप्रपात बीना नदी पर राहतगढ (सागर) में अवस्थित हैं।
2. मांधार व दरदी जलप्रपात नर्मदा नदी पर ओंकारेश्वर में अवस्थित हैं।
निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं-
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनो (d) कोई नहीं

143. बुदेलखण्ड पठार की सबसे ऊंची चोटी कौन सी हैं-
(a) धूपगढ (b) सिद्धबाबा पहाडी
(c) अमरकंटक (d) इनमें से कोई नहीं

144. निम्न में से कौन सा/से कथन असत्य नहीं हैं-
1. म.प्र. में असहयोग आन्दोलन के नेतृत्वकर्ता प्रभाकर डुण्डीराज थे।
2. म.प्र. में खिलाफत आन्दोलन के नेतृत्वकर्ता अब्दुल जब्बार खॉ थे।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) दोनों असत्य

145. खजुराहो का कन्दरिया महादेव मन्दिर किसने बनवाया-
(a) परमार (b) चेदि
(c) राष्ट्रकूट (d) चन्देल

146. राजा रोहित महल, बादल महल और इत्रदार महल किस दुर्ग में अवस्थित हैं-
(a) मण्डला का बघेलिन दुर्ग (b) रायसेन दुर्ग
(c) माडू दुर्ग (d) ओरछा दुर्ग

147. 'म.प्र. में बेटी बचाओ अभियान' की शुरूआत कब की-
(a) 5 अक्टूबर 2011 (b) 5 नवम्बर 2011
(c) 2 अक्टूबर 2011 (d) 30 जनवरी 2012

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7 HELPLINE 8602511011

148. निम्न में कौन सा कथन सही नहीं हैं-
(a) म.प्र. शासन ने 'महाशीर' नामक मछली को राजकीय मछली का दर्जा देने का निर्णय किया हैं।
(b) म.प्र. शासन ने 25 मार्च 2012 से 'आजाद हिन्द रेडियो' नामक सामुदायिक रेडियो प्रसारण केन्द्र प्रारंभ किया।
(c) संगीत का सम्राट विक्रमादित्य पुरस्कार मार्च 2012 में अनुराधा पोढवाल को दिया गया।
(d) मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना में 27 तीर्थ स्थलों का चयन किया गया हैं।

149. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. 25वीं सीनियर ऑल इण्डिया कराटे-को-फेडरेशन चैम्पियनशिप में मध्य प्रदेश प्रथम स्थान पर रहा।
2. भारत सरकार द्वारा वर्ष 2012 का राष्ट्रीय न्याय पुरस्कार (नि:शक्त जन कल्याण क्षेत्र में कार्य) ग्वालियर जिले को मिला।
3. श्री सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना (1200 मेगावाट) खण्डवा जिले के ग्राम डोगलिया में निर्माणाधीन हैं।
4. राज्य का प्रस्तावित तीसरा पशु चिकित्सालय दतिया में स्थापित किया जाएगा।

उपरोक्त में से कौन सा/से कथन असत्य हैं-
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3, 4
(c) चारों (d) कोई नहीं

150. सितम्बर-2012 में रायसेन में सांची विश्वविद्यालय की नींव रखी गई जिसमें कुछ विदेशी मेहमानों ने भी शिरकत की थी। वे निम्न हैं-
1. श्रीलंका के राष्ट्रपति 2. भूटान के प्रधानमंत्री
3. चीन के विदेश मंत्री 4. म्यानमार के राष्ट्राध्यक्ष
(a) 1, 2 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 4 (d) चारों

151. प्रोजेक्ट ''मोरे डुबुलिया'' क्या हैं-
(a) बेटी बचाओ अभियान के तहत डिण्डोरी में महिलाओं को जोडने का बहुउद्देशीय कार्यक्रम
(b) आदिवासियों द्वारा ग्वालियर से दिल्ली तक मार्च हेतु कार्यक्रम
(c) नक्सल प्रभावित जिलो में रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

152. निम्न में से कौन सा कथन सत्य नहीं हैं-
(a) द. एशियाई अन्तर्राष्ट्रीय बोरलॉग संस्थान जबलपुर में स्थापित किया जा रहा हैं
(b) किलोद (रायसेन) फिल्म सिटी बनने के कारण चर्चित रहा
(c) रेल बजट-2012 में विदिशा जिले में डीजल इंजन फैक्ट्री प्रस्तावित हैं
(d) लोक निर्माण विभाग में इलेक्ट्रॉनिक मापन व्यवस्था शुरू करने वाला मध्य प्रदेश, हरियाणा के बाद दूसरा राज्य बना

153. निम्न में से कौन सा/से कथन सही नहीं हैं-
1. 'माता की रसोई' योजना ग्रामीण क्षेत्रों में बेसहारा गरीब लोगों हेतु कुदरा टोला (शहडोल) से शुरू की गई।
2. 'राम रोटी योजना' शहरी क्षेत्रों में बेसहारा गरीबों हेतु भोजन के लिए योजना।
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) दोनों सत्य हैं

154. निम्न कौन सा/सें विषय में मध्य प्रदेश का स्थान भारत में प्रथम हैं-
1. ग्राम न्यायालय की स्थापना में।
2. जिला सरकार स्थापना में।
3. महिला नीति के निर्माण में।
4. 73 वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज लागू करने में।
5. कृषि आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करने में।
(a) 1, 2, 3 (b) 1, 3, 5
(c) 1, 4, 5 (d) सभी

155. निम्न में से कौन सा सुमेलन ठीक नहीं हैं-
(a) रेप्टाइल पार्क - पन्ना
(b) पहला सर्प उद्यान - भोपाल
(c) जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान - रीवा
(d) उद्यानिकी महाविद्यालय - मंदसौर

156. निम्न कथनों पर विचार करें-
1. एशिया का सबसे बडा पनीर निर्माण संयत्र खजुराहो में स्थापित।
2. सर्वाधिक कुपोषित जिला श्योपुर हैं।
3. सबसे कम कुपोषित जिला भोपाल हैं।
4. सर्वाधिक सघन आबादी वाला संभाग इंदौर हैं।
5. सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला डिण्डोरी (94/किमी^{2}) हैं।

निम्न में से कौन सा/से मध्य प्रदेश के संदर्भ में असत्य नहीं हैं।
(a) 1, 2, 3, 4 (b) 1, 2, 3, 4
(c) 2, 3, 4 (d) सभी

157. 1. खेल एवं व्यवसायिक राजधानी
2. सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या
3. सर्वाधिक जनसंख्या
4. पहली स्थायी लोक अदालत
5. एग्रो बिजनेस समिट-2012

निम्न कथनों का संबंध मध्य प्रदेश के किस जिले से हैं-
(a) उज्जैन (b) इंदौर
(c) भोपाल (d) जबलपुर

158. 1. प्रथम टिश्यू कल्चर लैब
2. ताप्ती नदी का उद्गम-मुल्ताई
3. कालीभूत अभ्यारण्य-भालू संरक्षण
4. कोरकू जनजाति
5. संतरा मण्डी व सारणी ताप विद्युत केन्द्र

उपरोक्त विशेषताऐं किससे संबंधित हैं-
(a) हर्दा (b) बैतूल
(c) होशंगाबाद (d) सिवनी

159. अंटार्कटिका में भारत के तीसरे अनुसंधान केन्द्र की शुरूआत हुई हैं, उसका क्या नाम हैं-
(a) मैत्री (b) गंगोत्री
(c) भारती (d) यमुनोत्री

160. निम्न कथनों में से कौन सा कथन सही नहीं हैं-
(a) तटीय सुरक्षा के लिए देश के पहले रडार की स्थापना पोरबंदर व मुबंई में की जा रही हैं।
(b) पुलिस प्रशिक्षण के लिए केन्द्रीय अकादमी की स्थापना भोपाल में प्रस्तावित।
(c) WEF द्वारा जारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में भारत 59वें स्थान पर रहा वहीं स्विट्जरलैंड प्रथम।
(d) केन्द्र सरकार ने बहु-ब्रांड खुदरा क्षेत्र में 76 प्रतिशत FDI की मंजूरी दी।

161. संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्रतिवर्ष किस तारीख को मलाला दिवस मनाने की घोषणा की-
(a) 10 सितम्बर (b) 10 नवम्बर
(c) 10 अक्टूबर (d) 10 दिसंबर

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

162. मध्य प्रदेश के खेल संस्थानों के संबंध में एक सत्य कथन है-
(a) मध्य प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की स्थापना 1946 में हुई।
(b) म.प्र. खेल संचालनालय की स्थापना 1975 में हुई।
(c) मध्य प्रदेश टेबल-टेनिस एसोसिएशन की स्थापना 1957 में हुई।
(d) उपरोक्त सभी कथन सत्य है।

163. भारतीय रूपया चिन्ह के बारे में विचार करें-
1. इसे डी.उदय कुमार ने तैयार किया।
2. यह चिन्ह देवनागरी व रोमन लिपि में बना हैं।
निम्न में से कौन सा/से कथन सही हैं-
(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों (d) कोई नहीं

164. म.प्र. में न्यूनतम लिगांनुपात वाले जिलों का सही क्रम हैं-
(a) भिण्ड-मुरैना-ग्वालियर-दतिया-झाबुआ
(b) भिण्ड-मुरैना-ग्वालियर-शिवपुरी-दतिया
(c) भिण्ड-मुरैना-ग्वालियर-दतिया-शाजापुर
(d) भिण्ड-मुरैना-ग्वालियर-दतिया-शिवपुरी

165. मध्य प्रदेश प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड की स्थापना कब की गई थी?
(a) 1964 ई. (b) 1960 ई.
(c) 1974 ई. (d) 1984 ई.

166. डायनासोर जीवाश्म उद्यान कहॉ बनाया जा रहा हैं?
(a) धार (b) हरदा
(c) उज्जैन (d) मन्दसौर

167. निम्न में से किस नदी में घड़ियालों के संरक्षण की योजना नहीं चलाई जा रही हैं?
(a) चम्बल (b) नर्मदा
(c) केन (d) सोन

168. सुरमैनिया अभ्यारण्य किस जिले में प्रस्तावित हैं-
(a) पूर्वी निमाड़ (b) पश्चिमी निमाड़
(c) बैतूल (d) बुरहानपुर

169. मालवा ताप विद्युत गृह किस जिले में हैं-
(a) खण्डवा (b) छिन्दवाड़ा
(c) सागर (d) जबलपुर

170. मध्य प्रदेश में स्टोन पार्क कहॉ बनाया जा रहा हैं-
(a) कटनी (b) रीवा
(c) सतना (d) खण्डवा

171. खपड़ीपानी पहाड़ किस अयस्क के खनन के लिए प्रसिद्ध हैं-
(a) मैंगनीज (b) डोलोमाइट
(c) सोना (d) बॉक्साइट

172. हीनोता एवं मझगवॉ किसलिए प्रसिद्ध हैं?
(a) स्वर्ण खनन (b) मैंगनीज उत्पादन
(c) जिप्सम उत्पादन (d) स्लेट उत्पादन

173. ग्वालियर में सिंधिया वंश की स्थापना किसने की थी-
(a) माधवराव सिंधिया (b) जीवाजी राव सिंधिया
(c) रानोजी सिंधिया (d) दौलतराव सिधिया

174. भोपाल राज्य भारतीय संघ में कब शामिल हुआ-
(a) 1 जून 1949 (b) 10 जून 1949
(c) 15 जून 1949 (d) 12 जून 1949

175. निम्नलिखित में से कौन सी राजा भोज की कृति नहीं है-
(a) सरस्वती कंठाभरण (b) समरांगणसूत्रधार
(c) विद्या विनोद (d) चरक संहिता

176. ताम्रपाषाण संस्कृति से सम्बद्ध स्थल कायथा निम्न में से किसके समीप हैं-
(a) भोपाल (b) जबलपुर
(c) ग्वालियर (d) उज्जैन

177. डॉ. हरि सिंह गौड़ ने 1899 के किस अधिवेशन में भाग लिया था-
(a) लाहौर (b) त्रिपुरी
(c) दिल्ली (d) कलकत्ता

178. मंडला राजधानी थी
(a) सिंधिया की (b) होल्कर की
(c) गोण्ड की (d) परमार की

179. सिंधिया वंश की स्थापना किसने की थी-
(a) महादजी सिंधिया (b) जीवाजी राव सिंधिया
(c) माधवराव सिंधिया (d) दौलतराव सिंधिया

180. किस सिंधिया शासक ने अपनी राजधानी उज्जैन से ग्वालियर हस्तान्तरित की थी-
(a) महादजी सिंधिया (b) जीवाजी राव सिंधिया
(c) माधवराव सिंधिया (d) दौलतराव सिंधिया

181. विश्वनाथ का मंदिर कहॉ स्थित हैं-
(a) विदिशा (b) सांची
(c) खजुराहो (d) जबलपुर

182. निम्न में से कौन-सी जनजाति मध्य प्रदेश में पाई जाती हैं-
(a) मुण्डा, उरॉव, सन्थाल, हो
(b) बैगा, सहरिया, गोण्ड, कोल
(c) माड़िया, भील, गोण्ड, सन्थाल
(d) खारिया, माड़िया, गोण्ड, उरॉव

183. कालिदास के किस ग्रंथ में अमरकंटक के सौदर्य का चित्रण किया गया हैं -
(a) कुमारसम्भवम् (b) शाकुंतलम्
(c) मेघदूतम् (d) ऋतुसंहार

184. निम्न में से कौन सा संस्कृत कवि मध्य प्रदेश का नहीं हैं-
(a) कल्हण (b) भवभूति
(c) मंडन मिश्र (d) कालिदास

185. मध्य प्रदेश का कौन सा नेता नेहरू की कैबिनेट में पहले रक्षा मंत्री तथा बाद में गृह मंत्री बना?
(a) प्रकाश चन्द्र सेठी (b) रवि शंकर शुक्ला
(c) कैलाश नाथ काटजू (d) द्वारका नाथ मिश्रा

186. मध्य प्रदेश में एकमात्र आदिवासी खेलकूद विद्यालय कहॉ स्थित हैं-
(a) सीहोर (b) झाबुआ
(c) अलीराजपुर (d) पेटलावद

187. मध्य प्रदेश के निम्नलिखित क्रिकेटरों में से किसने भारत की ओर से टेस्ट मैच नहीं खेला हैं?
(a) नरेन्द्र हिरवानी (b) अमय खुरासिया
(c) मुश्ताक अली (d) राजेश चौहान

188. वर्ष 2008 में मध्य प्रदेश में दो नए जिले गठित किए गए थे। पहचानिए-
(a) अलीराजपुर एवं बुरहानपुर (b) बुराहनपुर एवं अनूपपुर
(c) सिंगरौली एवं अनूपपुर (d) सिंगरौली एवं अलीराजपुर

189. निम्नलिखित राष्ट्रीय राजमार्गो में से किसकी मध्य प्रदेश में लम्बाई सर्वाधिक हैं-
(a) एन.एच.-3 आगरा-ग्वालियर-देवास-बॉम्बे
(b) एन.एच.-7 वाराणसी-रीवा-जबलपुर-सेलम
(c) एन.एन.-12 जबलपुर-भोपाल-जयपुर
(d) एन.एच.-26 झांसी-सागर-लखनादौन

190. सही जोड़े बनाइए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

सूची-I	सूची-II
A. भोज	1. उज्जैन
B. दुर्गावती	2. विदिशा
C. समुद्रगुप्त	3. धार
D. अशोक	4. गोंडवाना

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

कूट

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	4	3	1	2
(d)	3	4	2	1

191. कोल बेड मीथेन पाई हैं-
(a) शहडोल में (b) सागर में
(c) जबलपुर में (d) उज्जैन में

192. देश में मध्य प्रदेश निम्न खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक हैं-
(a) कोयला एवं हीरा (b) ताँबा एवं लोहा
(c) कोयला एवं ताँबा (d) ताँबा एवं हीरा

193. निम्नलिखित में से कौन-सा शहर जे.एन.एन.यू.आर.एम. में शामिल नहीं हैं-
(a) इन्दौर (b) जबलपुर
(c) ग्वालियर (d) उज्जैन

194. निम्नलिखित में से कौन सा नगर जिला मुख्यालय नहीं हैं-
(a) कटनी (b) कवर्धा
(c) इटारसी (d) सीहोर

195. मध्य प्रदेश का पहला समाचार-पत्र 150 वर्ष पहले प्रकाशित हुआ था। यह था
(a) नवभारत (b) अखबार ग्वालियर
(c) मालवा अखबार (d) नई दुनिया

196. 'मृगनयनी' उपन्यास के लेखक कौन हैं?
(a) वृन्दावनलाल वर्मा (b) आचार्य चतुरसेन
(c) अमृतलाल नागर (d) भगवतीचरण वर्मा

197. मध्य प्रदेश के नवनिर्मित जिलों में नहीं हैं-
(a) नीमच (b) बड़वानी
(c) हरदा (d) बुरहानपुर

198. पंचनद प्रोजेक्ट (अमृत क्रांति) में कौन सी नदी सम्मिलित नहीं हैं-
(a) पार्वती (b) नर्मदा
(c) काली सिंध (d) चंबल

199. मध्यप्रदेश का पहला बायोडीजल जिला हैं?
(a) इन्दौर (b) भोपाल
(c) देवास (d) जबलपुर

200. 'कश्मीर-ए-मालवा' किस किले को कहा जाता हैं-
(a) नरसिंहगढ़ (b) आरंग
(c) असीरगढ़ (d) ग्वालियर

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

अभ्यास-माला 2

1. मध्य प्रदेश के राज्य चिन्ह्न में किन दो अनाज किस्मों को दर्शाया गया हैं?
(a) गेहूँ, धान (b) ज्वार, बाजरा
(c) कपास, पटसन (d) सोयाबीन, सरसों

2. भोपाल राज्य की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?
(a) दोस्त मोहम्मद खान (b) गोस मोहम्मद खान
(c) बेगम सुल्तान जहाँ (d) बेगम शाहजहाँ

3. महात्मा गाँधी ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना प्रदेश के किस जिले से प्रारंभ हुई थी?
(a) शहड़ोल (b) मण्ड़ला
(c) डिंडोरी (d) अनूपपुर

4. मध्य प्रदेश में दूसरा जैव रिजर्व मण्डल कहाँ हैं।
(a) अमरकंटक (b) पचमढ़ी
(c) जबलपुर (d) भोपाल

5. नरगवा परियोजना किस जिले में हैं-
(a) रतलाम (b) ग्वालियर
(c) छतरपुर (d) गुना

6. निम्न में से गलत उत्तर कौन सा हैं-
(a) चम्बल नदी 3 राज्यों में बहती हैं।
(b) चम्बल नदी मध्य प्रदेश की उत्तरी सीमा बनाती हैं।
(c) चम्बल नदी की लंबाई 985 कि.मी. हैं।
(d) चम्बल यमुना नदी में मिलती हैं।

7. सुमेलित करें-

पुरस्कार	**क्षेत्र**
A काली दास सम्मान	1. भारतीय भाषाओं
B कबीर सम्मान	2. हिन्दुस्तानी संगीत
C तानसेन सम्मान	3. गायन
D देवी अहिल्या सम्मान	4. शास्त्रीय संगीत

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	4	3	2	1
(c)	1	2	3	4
(d)	3	2	4	1

8. बेवार झूम खेती किस जनजाति में प्रचलित हैं-
(a) बैगा (b) कमार
(c) भील (d) पनिका

9. मध्य प्रदेश से होकर कितने राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं-
(a) 20 (b) 18
(c) 19 (d) 17

10. म.प्र. की एकमात्र ऋतु वेधशाला कहाँ स्थित हैं-
(a) इन्दौर (b) भोपाल
(c) जबलुपर (d) ग्वालियर

11. म.प्र. के किस सम्भाग में सर्वाधिक जिले शामिल हैं-
(a) इन्दौर (b) जबलपुर
(c) उज्जैन (d) ग्वालियर

12. म.प्र.में कितने जिलों की सीमा उत्तर प्रदेश से लगी हैं-
(a) 11 (b) 12
(c) 13 (d) 14

13. मध्य प्रदेश में मिट्टी परीक्षण संस्थान कहाँ हैं-
(a) भोपाल (b) जबलपुर
(c) इंदौर (d) ग्वालियर

14. बायोगेसीफायर कहाँ स्थापित किया गया हैं?
(a) सीहोर (b) बैतूल
(c) उज्जैन (d) छिंदवाड़ा

15. ध्वज योजना क्या हैं?
(a) ग्राम विकास
(b) नि:शुल्क बीज प्रदान करना
(c) जल संरक्षण
(d) स्वच्छता अभियान

16. निम्न में सही उत्तर छाटिए-
1. कर्क रेखा प्रदेश के 14 जिलो से गुजरती हैं।
2. रतलाम कर्क रेखा के उत्तर में स्थित हैं।
3. कर्क रेखा बघेलखण्ड के पठार को दो बराबर भागों में बांटती हैं।
4. कर्क रेखा बालाघाट से गुजरती हैं।
(a) 1, 3, 4 (b) 1, 2, 3
(c) 2, 3, 4 (d) सभी

17. मध्य प्रदेश में किस युग की चट्टानों के साक्ष्य नहीं मिलते हैं?
(a) द्रविड़ संघ (b) आर्य समूह
(c) पुरान संघ (d) धारवाड़ समूह

18. निम्न में से कौन सी नदी शिवपुरी पठार से निकलती हैं-
(a) कुनू (b) तवा
(c) केन (d) बेतवा

19. निम्नलिखित कथनों में से सत्य कथन का चुनाव कीजिए-
(a) ओरछा, ताप्ती नदी के किनारे बसा हैं।
(b) कुनू नदी देवास से निकलती हैं।
(c) देनवा, नर्मदा की सहायक नदी हैं।
(d) मालनी, तवा नदी की सहायक नदी हैं।

20. सूची I को सूची II के साथ सुमेलित कीजिए-

जलप्रपात	**स्थल**
A. पिथावन	1. रीवा
B. भालकुण्ड	2. सागर
C. शंकर खो	3. जामनेर
D. अप्सरा	4. पचमढ़ी

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	3	4	1	2
(d)	4	3	1	2

21. कौन संगत नही हैं-
(a) कबीर सम्मान भारतीय भाषाओं की कविता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदानकर्ता को दिया जाता हैं।
(b) इकबाल सम्मान उर्दू साहित्य में उल्लेखनीय योगदानकर्त्ता को प्राप्त होता हैं।
(c) तुलसी सम्मान आदिवासी लोक कलाकार को दिया जाता हैं।
(d) कुमार गंधर्व सम्मान रगमंच, नृत्य और साहित्य के क्षेत्र में दिया जाता हैं।

22. कौन सा कथन सही नहीं हैं-
(a) ओरछा के किले का निर्माण बुंदेला शासकों ने किया।
(b) मन्दसौर का किला अलाउद्दीन न बनवाया था।
(c) चंदेरी का किला राजा उदय वर्मन ने निर्मित किया
(d) धार का किला मुहम्मद तुगलक ने निर्मित कराया

23. सही जोड़ी मिलाइये-

(a) मध्य प्रदेश उत्सव का आयोजन	1. दिल्ली
(b) ओरछा का किला	2. टीकमढ़
(c) महामृत्युंजय मेला	3. रीवा
(d) जहाँगीर महल	4. चंदेरी

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	3	4	2	1
(d)	4	3	2	1

24. असत्य कथन छांटिए?
(a) नर्मदा नदी का 89.9 प्रतिशत बेसिन म.प्र. में पड़ता हैं।
(b) नर्मदा नदी का कुल प्रवाह क्षेत्र 93,180 वर्ग किमी. हैं।
(c) सहस्त्र धारा जल प्रपात नर्मदा नदी पर स्थित नहीं हैं।
(d) बेनसागर बॉध नर्मदा नदी पर नहीं हैं।

25. असत्य विकल्प का चयन कीजिए-
(a) मालवा के पठार में वर्षा की कमी का कारण प्रदेश का पठारी होना
(b) सतपुड़ा मैकल प्रदेश में काली व लाल मिट्टी पाई जाती हैं।
(c) बुंदेलखण्ड के पठार का निर्माण लावा चट्टानों से हुआ हैं।
(d) रीवा-पन्ना के पठार का अन्य नाम बघेलखण्ड का पठार हैं।

26. माधवराव सिंधिया (प्रथम) की समाधि हैं-
(a) ग्वालियर (b) शिवपुरी
(c) इंदौर (d) नागपुर

27. प्राचीन जनपद दशार्ण का आधुनिक नाम हैं-
(a) निमाड़ क्षेत्र (b) तरवर क्षेत्र
(c) खजुराहो क्षेत्र (d) उज्जैन क्षेत्र

28. निम्न में से मध्य प्रदेश की सबसे बड़ी नदी परियोजना हैं।
(a) नर्मदा सागर (b) तवा
(c) गांधी सागर (d) जवाहर सागर

29. निम्न त्यौहार व संबंधित जनजाति में असंबद्ध हैं-
(a) मेघनाद पर्व - गौंड जनजाति
(b) रसनवा - बैगा
(c) गणगौर - मालवा क्षेत्र
(d) सभी सही हैं

30. निम्न में सबसे छोटा अभ्यारण्य हैं-
(a) केन, (b) ओरछा
(c) रालामण्डल (d) नीरादेही

31. किस जिले में सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला नही हैं?
(a) खण्डवा (b) छिन्दवाड़ा
(c) धार (d) बुरहानपुर

32. मुक्तागिरि तीथ क्षेत्र (जैनीयों का तीर्थ स्थल) कहॉ हैं-
(a) दतिया (b) बैतूल
(c) सोमकच्छ (d) उदयगिरि

33. निम्न में गलत जोड़ा हैं-
(a) कृत्रिम रेशा उद्योग - देवास
(b) स्टेनलेस स्टील कॉम्पलेक्स - सागर
(c) लाख कारखाना - उमरिया
(d) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलेक्स - इंदौर

34. म.प्र. का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र हैं-
(a) सिंगरौली (b) सोहागपुर
(c) तवा (d) कान्हन घाटी

35. ''स्वांग'' किस क्षेत्र का लोक नाट्य हैं-
(a) बुन्देलखण्ड (b) बघेलखण्ड
(c) मालवा (d) विंध्य प्रदेश

36. निम्न लोक गायन व क्षेत्र में असम्बद्ध हैं-
(a) कलगी तुर्रा - निमाड़
(b) थरथरी गायन - बघेलखण्ड
(c) आल्हा - बुन्देलखण्ड
(d) लाखनी - मालवा

37. पानपठा कोयला क्षेत्र किस जिले में स्थित हैं-
(a) विदिशा (b) सतना
(c) उमरिया (d) सीधी

38. मध्य प्रदेश का संजय नेशनल पार्क (सीधी) जिसका एक भाग अब छत्तीसगढ़ के किस जिले के अन्तर्गत आता हैं?
(a) भिलाई (b) कोरिया
(c) रायपुर (d) बिलासपुर

39. माधव राष्ट्रीय उद्यान से होकर कौन सा हाइवे गुजरता हैं-
(a) NH-3 (b) NH-77
(c) NH-8 (d) NH-12

40. बालकृष्ण शर्मा नवीन की जन्मभूमि किस जिले में है-
(a) शहडोल (b) शाजापुर
(c) सीधी (d) सीवनी

41. मन्दसौर जिला राजस्थान के कितने जिलों को छूता हैं-
(a) 3 (b) 2
(c) 4 (d) 5

42. मध्य प्रदेश शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका हैं-
(a) म.प्र. आह्वन (b) मध्य प्रदेश वसुधा
(c) मध्य प्रदेश सन्देश (d) इनमें से कोई नहीं

43. रानी दुर्गावती संग्रहालय स्थित हैं-
(a) मण्डला (b) ग्वालियर
(c) इन्दौर (d) जबलपुर

44. निम्नलिखित में कौन सा कथन गलत हैं-
(a) सुआ नृत्य बैगा जनजाति से सम्बन्धित हैं-
(b) मेघा पाटकर नर्मदा बचाओं आन्दोलन से सम्बन्धित हैं।
(c) म.प्र. मानव अधिकार आयोग का गठन 13 दिसम्बर 1982 को हुआ।
(d) हरसोंठ (जिप्सम) सागर जिले में पाया जाता हैं।

45. मध्य प्रदेश में 'इन्तिमा' नामक वार्षिक धार्मिक समागम कहाँ होना हैं?
(a) जावरा (b) भोपाल
(c) सतना (d) इन्दौर

46. मध्य प्रदेश की प्रमुख अकादमियों व उनकी स्थापना वर्ष के युग्मों में कौन सा गलत हैं-
(a) कालिदास अकादमी - 1974
(b) म.प्र. साहित्य परिषद - 1954
(c) सिन्धी अकादमी - 1983
(d) संगीत अकादमी - 1978

47. निम्नलिखित में कौन सा कथन गलत हैं-
(a) शंकर गन्धर्व महाविद्यालय ग्वालियर में हैं।
(b) मध्य प्रदेश लोकसेवा के प्रदान की गारंटी अधिनियम 25 सितम्बर 2010 को लागू किया गया।
(c) सांची का पुराना नाम काकनाद हैं।
(d) म.प्र. में रोजगार गारण्टी योजना 1 अप्रैल 2006 में लागू की गई।

48. जोड़ी मिलायें-

(a) सिंगाजी मेला निमाड़	1. पश्चिमी
(b) महामृत्युंजय मेला	2. रीवा
(c) सनकुआँ का मेला	3. दतिया
(d) कालू जी महाराज का मेला निमाड़	4. पश्चिमी

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	4	3	1
(c)	4	1	2	3
(d)	2	1	3	4

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

49. गलत उत्तर का चयन करें।
(a) सोयाबीन अनुसंधान निदेशालय इंदौर में स्थित हैं।
(b) पचांयत राज संस्थाओं को निर्मल ग्राम पुरस्कार स्वच्छता के क्षेत्र में दिया जाता हैं
(c) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय का मुख्यालय भोपाल में हैं
(d) 108 एम्बुलेंस सेवा मध्य प्रदेश में प्रारम्भ की गई 16 जुलाई 2009

50. मध्य प्रदेश शासन के विश्वामित्र अवार्ड 2012 से सम्मानित होने वाले प्रशिक्षकों में निम्न में से कौन शामिल नहीं हैं-
(a) इस्माइल दुबे - हॉकी
(b) दिलीप पटेल - बास्केट बॉल
(c) कमला रावत - जूडो
(d) मनोज कुमार दुबे - कराटे

51. महिलाओं की गरिमा और गांव के बेहतर स्वास्थ्य के लिये म. प्र. शासन द्वारा प्रारम्भ किये गये अभियान का नाम हैं-
(a) मर्यादा अभियान (b) स्वच्छता अभियान
(c) स्वास्थ्य अभियान (d) निर्मल अभियान

52. म.प्र. का पहला जेण्डर आधारित बजट कब प्रस्तुत किया गया-
(a) 2008-09 (b) 2007-08
(c) 2009-10 (d) 2006-07

53. निम्न में से कौन सा महत्वपूर्ण खिलाड़ी म.प्र. का नहीं हैं-
(a) असलम शेरावात (b) कीर्ति आजाद
(c) नरेन्द्र हिरवानी (d) सरोजनी नायडू

54. निम्न में असत्य छांटिए-
(a) महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय जबलपुर में हैं।
(b) नौखंड़ा महल राजा कीर्तिपाल के द्वारा निर्मित कराया गया था।
(c) राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान, इन्दौर में 2004 में स्थापित किया गया था।
(d) ऊषा राजे स्टेडियम शिवपुरी में स्थित हैं

55. गलत छांटिए-
(a) सांची स्तूप का निर्माण दूसरी शताब्दी में हुआ था।
(b) 'द डैली कालेज' इन्दौर में स्थित हैं।
(c) बैतूल जिले से ताप्ती नदी का उद्गम होता हैं
(d) सन 1486 A.D. से 1516 A.D. तक ग्वालियर के राजा मानसिंह तोमर थे।

56. निम्न में से कौन सा शहर बेतवा नदी के किनारे स्थित नहीं हैं-
(a) देवास (b) सांची
(c) ओरछा (d) विदिशा

57. मध्य प्रदेश का प्रथम सूखा बंदरगाह कहॉ स्थापित हैं
(a) पीथमपुर (b) मालनपुर
(c) विजयपुर (d) मंडीद्वीप

58. मध्य प्रदेश से निकलने वाली एकमात्र खेल पत्रिका 'खेल हलचल' हैं जिसे कौन सा प्रकाशन समूह निकालता हैं।
(a) दैनिक भास्कर (b) नई दुनिया
(c) नव भारत (d) पत्रिका

59. नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण का गठन कब किया गया था-
(a) 1980 (b) 1982
(c) 1993 (d) 1986

60. निम्न में से कौन सा गलत हैं-
(a) भारतीय वन प्रबंध संस्थान - भोपाल
(b) वन अनुसंधान संस्थान (क्षेत्रीय कार्यालय) - जबलपुर
(c) वन प्रबंधन शिक्षा केन्द्र - बालाघाट
(d) प्रादेशिक वन स्कूल - रीवा

61. माप-तौल प्रशिक्षण संस्थान कहां हैं-
(a) सागर (b) भोपाल
(c) इन्दौर (d) ग्वालियर

62. निम्न में से कौन सा कथन सही हैं-
(a) म.प्र. के भावरा (झाबुआ) में 1906 में चन्द्रशेखर का जन्म हुआ
(b) भारत में पहला झण्ड़ा सत्याग्रह जबलपुर से किया गया
(c) सांची स्तूप में सारीपुत्र व महामोगलापन की अस्तियां रखी हैं
(d) उपर्युक्त सभी सत्य हैं

63. निम्न में गलत हैं-
(a) भारत की जनसंख्या म.प्र. की जनसंख्या का प्रतिशत 6.75 हैं
(b) मध्य प्रदेश में जनसंख्या की बृद्धि दर 20.3 प्रतिशत हैं
(c) म.प्र. मं शहरों की संख्या 476 और गांवों की संख्या 54903 हैं।
(d) ग्रामीण और शहरी जनसंख्या का अनुपात 72.9:37.2 हैं।

64. निम्न में से कौन सा गलत हैं-
(a) सर्वाधिक साक्षर महिला ग्रामीण जिला मंडला (67.8%) हैं
(b) मध्य प्रदेश में जीवन प्रत्याशा 58 वर्ष हैं।
(c) सबसे कम साक्षर जिला अलीराजपुर हैं।
(d) मध्य प्रदेश की कुल ग्रामीण साक्षरता दर 65.3 प्रतिशत हैं

65. निम्न में से कौन सा गलत हैं-
(a) राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित 5 वे युवा महोत्सव का आयोजन उज्जैन में हुआ।
(b) मध्य प्रदेश में अगली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 8 से 10 अक्टूबर 2014 में सम्भावित हैं
(c) प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा अवार्ड सर्टिफिकेट मध्य प्रदेश को मिला।
(d) आजाद स्मृति मंदिर म.प्र. के अलीराजपुर जिले में स्थापित किया गया।

66. मध्य प्रदेश में प्रारम्भ किये गये पंच-प अभियान में निम्न शमिल नहीं हैं-
(a) परिवार और पराक्रम (b) परिवार और परम्परा
(c) पर्यावरण और पराक्रम (d) पिकनिक और प्रोत्साहन

67. विश्वामित्र खेल पुरस्कार कब प्रारंभ किया गया?
(a) 1991 (b) 1994
(c) 1996 (d) 1999

68. 34 वें राष्ट्रीय खेल (झारखण्ड) में मध्य प्रदेश को कितने स्वर्ण पदक प्राप्त किये-
(a) 32 (b) 25
(c) 46 (d) इनमें से कोई नहीं

69. म.प्र. राज्य क्रीडा परिषद् का नया नाम क्या है?
(a) म.प्र. खेल न्यायाधिकरण
(b) म.प्र. खेल अनुसंधान संस्थान
(c) म.प्र. खेल प्राधिकरण
(d) म.प्र. खेल विकास आयोग

70. निम्न में से कहॉ वर्षा बंगाल की खाड़ी एवं अरब सागर दोनों मानसूनों से होती हैं-
(a) नर्मदा घाटी क्षेत्र (b) विन्ध्य पर्वतीय क्षेत्र
(c) मालवा पठार (d) उत्तर का मैदानी क्षेत्र

71. निम्न कथनों में से सत्य कथनों का चुनाव कीजिए-
1. मध्य प्रदेश में अधिकांश वर्षा दक्षिणी-पश्चिमी मानसून से होती हैं।
2. राज्य में ऋतु वेधशाला इन्दौर में स्थित हैं।
3. बघेलखण्ड पठार पर औसत वर्षा 125 सेमी होती हैं।

कूट
(a) 1, 2, 3 (b) 2, 3
(c) 1, 3 (d) इनमें से कोई नहीं

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

72. राज्य में किस प्रकार की जलवायु पायी जाती हैं?
(a) समशीतोष्ण मानसूनी (b) सम जलवायु
(c) शुष्क महाद्वीपीय (d) इनमें से कोई नहीं

73. संजीवनी संस्थान कहाँ स्थित हैं-
(a) जबलपुर (b) भोपाल
(c) रतलाम (d) ग्वालियर

74. भारत के कुल वन क्षेत्र का कितने प्रतिशत भाग मध्य प्रदेश में पाया जाता हैं-
(a) 27.9% (b) 11.23%
(c) 10.4% (d) 15.4%

75. मध्य प्रदेश का प्रथम हरित क्षेत्र कहां कार्यरत हुआ?
(a) धार (b) ग्वालियर
(c) सीधी (d) सिंगरौली

76. सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क मध्य प्रदेश में कहां हुआ?
(a) भोपाल (b) पीथमपुर
(c) इंदौर (d) देवास

77. मध्य प्रदेश का शीर्ष आलू उत्पादक जिला है-
(a) इंदौर (b) गुना
(c) खंडवा (d) रतलाम

78. अनुसूचित जाति व जनजाति हेतु 2000-2001 से प्रारंभ खाद्यान्न बीज की अदला-बदली योजना का नाम है-
(a) प्रमाणित बीज प्रमाणीकरण
(b) राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना
(c) अन्नपूर्णा सूरज धारा योजना
(d) कपिल धारा योजना

79. निम्न में गलत है-
(a) मध्य प्रदेश की स्थापना - 1 नवंबर, 1956
(b) मध्य प्रदेश में कुल जिले- 50
(c) मध्य प्रदेश में कुल ग्राम - 23051
(d) मध्य प्रदेश की नगरीय जनसंख्या- 27.63%

80. स्थानीय स्वाशासन के किस स्तर पर मध्य प्रदेश पंचायती राज व्यवस्था की संरचना हुई है-
(a) ग्राम, प्रखंड, जनपद (b) ग्राम, जनपद, प्रखंड
(c) ग्राम, खंड, जिला स्तर (d) ग्राम, खंड, जनपद

81. मध्य प्रदेश पंचायती राज में "ग्राम स्वराज" प्रभावी हुआ-
(a) 1996 (b) 1998
(c) 1999 (d) 2001

82. मध्य प्रदेश में "ग्राम सभा" कब गठित हुई?
(a) 1996 (b) 1998
(c) 1999 (d) 2001

83. मध्य प्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था में "ग्राम सचिवालय" की अवधारणा कब लागू हुई?
(a) 1996 (b) 2004
(c) 2007 (d) कभी नहीं

84. भारत के किस शहर में सर्वप्रथम नगर निगम निकाय स्थापित हुआ?
(a) देवास (b) चेन्नई
(c) कोलकाता (d) कटनी

85. नगरपालिका निगम अधिनियम 1994 को संविधान की किस अनुसूची में रखा गया है?
(a) 8वीं (b) 10वीं
(c) 11वीं (d) 12वीं

86. मध्य प्रदेश में जिला सरकार की स्थापना किस वर्ष में हुई?
(a) 1956 (b) 1999
(c) 2001 (d) 2005

87. मध्य प्रदेश शासन द्वारा घोषित औद्योगिक विकास केन्द्र व संबंधित जिले के जोड़े में असंगत है-
(a) पीलूखेड़ी-राजगढ़ (b) चन्द्रपुरा-छतरपुर
(c) मक्सी-शाजापुर (d) बडेरा-सीधी

88. मध्य प्रदेश शासन के औद्योगिक विकास केन्द्रों में से 06 को केन्द्र शासन ने स्वीकृति दी है। उन 06 केन्द्रों में शामिल नहीं है-
(a) पीथमपुर (b) मेघनगर
(c) मालनपुर (d) मक्सी

89. मध्य प्रदेश में निम्न में से कौन केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र का उद्योग नहीं है-
(a) गन केरिज फैक्ट्री-जबलपुर
(b) एल्कलॉयड फैक्ट्री-नीमच
(c) रतलाम अल्कोहल प्लांट एंड ग्रेड इंडस्ट्रीज
(d) हिन्दुस्तान कॉपर प्रोजेक्ट, मलाजखण्ड बालाघाट

90. उद्योग व संबंधित स्थल में असंगत है-
(a) गवर्नमेण्ट ऑर्डीनेन्स फैक्ट्री - खमरिया
(b) करेन्सी प्रिटिंग प्रेस - देवास
(c) नॉदर्न कोल फील्ड्स लि. - सिंगरौली
(d) कॉटन सीड साल्वेंट एक्सट्रेक्शन प्लांट-इंदौर

91. निम्न उद्योग व संबंधित क्षेत्र में सही है-
(a) प्लास्टिक उद्योग - रतलाम
(b) कास्टिक सोडा - नागदा
(c) एल्कोहल प्लांट - इंदौर
(d) सिन्थेटिक यार्न - भोपाल

92. निजी क्षेत्र का कागज कारखाना कहां है?
(a) नेपानगर (b) अमलाई
(c) सिंगरौली (d) अनूपपुर

93. निम्न औद्योगिक संस्थाएं व उसके निर्माण वर्ष में असंगत है-
(a) मध्य प्रदेश राज्य उद्योग निगम - 1969
(b) मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम - 1965
(c) मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम - 1971
(d) मध्य प्रदेश वित्त निगम इंदौर - 1955

94. निम्न में असम्बद्ध है-
(a) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लैक्स -इंदौर
(b) एग्रो कॉम्प्लैक्स - बालाघाट
(c) लेदर कॉम्प्लैक्स - देवास
(d) स्टेनलेस स्टील कॉम्प्लैक्स - सागर

95. आपदा प्रबंध संस्थान, भोपाल की स्थापना हुई-
(a) 1984 (b) 1987
(c) 1990 (d) 2007

96. मध्य प्रदेश राज्य योजना मंडल का गठन वर्ष है-
(a) 1951 (b) 1950
(c) 1972 (d) 1985

97. 1 नवम्बर, 1956 को गठित मध्य प्रदेश में "भाग-ए" का राज्य क्षेत्र निम्न में से था-
(a) विध्य प्रदेश (b) भोपाल
(c) सी. पी. एंड बराड़ (d) मध्य भारत

98. 1 नवम्बर, 1956 को गठित मध्य प्रदेश राज्य में जिलों की संख्या थी-
(a) 41 (b) 43
(c) 59 (d) 61

99. मध्य प्रदेश के दूसरे (क्रम में) राज्यपाल थे-
(a) के. सी. रेड्डी
(b) हरि विनायक पाटस्कर
(c) पट्टाभिसीतारमैया
(d) सत्यनारायण सिन्हा

100. मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं. रविशंकार शुक्ल कितने समय तक पद पर रहे (लगभग)।
(a) दो माह (b) छह माह
(c) पांच वर्ष (d) एक वर्ष

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

अभ्यासमाला-3

1. मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम लिमिटेड कब गठित किया गया?
(a) 2004 (b) 2000
(c) 1959 (d) 1986
2. मध्य प्रदेश में सड़कों का निर्माण किस मद से किया जा रहा है-
(a) एशियान विकास बैंक से ऋण द्वारा
(b) बॉण्ड बी. ओ. टी. से
(c) केन्द्रीय सहायता व मण्डी सड़क निधि
(d) उक्त सभी से
3. मध्य प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग है-
(a) NH-3 (b) NH-76
(c) NH-27 (d) NH-92
4. प्रदेश की सड़कों की कुल लम्बाई में ग्रामीण मार्ग का हिस्सा है (लगभग)-
(a) 68% (b) 74%
(c) 85% (d) 86%
5. नर्मदा घाटी विकास विभाग का गठन वर्ष है-
(a) 1965 (b) 1969
(c) 1979 (d) 1989
6. नर्मदा जल विवाद न्यायाधिकरण कब गठित किया गया?
(a) 1965 (b) 1969
(c) 1979 (d) 1989
7. नर्मदा घाटी परियोजना के संबंध में असत्य कथन है-
1. परियोजना 27.05 लाख हैक्टेयर सिंचाई क्षमता की होगी।
2. परियोजना 2383.4 मेगावाट विद्युत उत्पादन होगा।
3. सरदार सरोवर से मध्य प्रदेश को 18. 25 एम.ए.एफ जल मिलेगा।
4. महेश्वर परियोजना खण्डवा जिले में है।
(a) 1 व 3 (b) 3 व 2
(c) 3 व 4 (d) 1 व 4
8. जल विद्युत युक्त परियोजना है-
(a) तवा व बरगी
(b) बारना व कोलार
(c) सुक्ता व मटियारी
(d) मान व बरगी
9. निम्न परियोजना व सम्बन्धित स्थल में असम्बद्ध है-
(a) संजय सरोवर- बालाघाट
(b) बाणसागर - देवलोद
(c) सम्राट अशोक सागर - विदिशा
(d) राजीव सागर - होशंगाबाद
10. निम्न में से सर्वाधिक सिंचाई क्षमता वाली परियोजना है-
(a) इन्दिरा सागर परियोजना
(b) बरगी व्यपवर्तन परियोजना
(c) ओंकारेश्वर परियोजना
(d) आजाद सागर परियोजना
11. निम्न परियोजना व सम्बन्धित जिले में असम्बद्ध है-
(a) ऊपरी नर्मदा - डिण्डोरी
(b) निम्न गोई - बड़वानी
(c) हालोन - हरदा
(d) पुनासा - खण्डवा
12. शुंगलु समिति का सम्बन्ध है-
(a) इंदिरा सागर
(b) नर्मदा सागर
(c) सरदार सरोवर
(d) महेश्वर परियोजना
13. प्रदेश में नौवहन परियोजना किस नदी पर प्रस्तावित है?
(a) नर्मदा (b) बेतवा
(c) सोन (d) चम्बल
14. मध्य प्रदेश में निजी क्षेत्र (BOOT) के तहत प्रस्तावित जल विद्युत केन्द्र है-
1. कौडिया व लक्ष्मणमांडव
2. कचराटोला, डोकरघाट व कंजनगाँव
3. हांडिया, बोरासा
4. गोपालपुर, महेश्वर
(a) 1 व 2 (b) 1 व 3
(c) 1 व 4 (d) 2 व 4
15. नर्मदा नदी कछार में मध्य प्रदेश के कितने जिले स्थित हैं?
(a) 15 (b) 23
(c) 10 (d) 29
16. नर्मदा नदी के जल से प्रदेश में कितनी सिंचाई क्षमता विकसित की गयी है?
(a) 5.9 लाख हेक्टेयर
(b) 7.10 लाख हेक्टेयर
(c) 15 लाख हेक्टेयर
(d) 8.4 लाख हेक्टेयर
17. निम्न में विद्युत उत्पादन किस इकाई में है?
(a) तवा परियोजना
(b) बारना परियोजना
(c) कोलार परियोजना
(d) सुक्ता परियोजना
18. सरदार सरोवर परियोजना में प्रभावित पुरातात्विक स्मारकों को कहाँ संगृहीत किया गया है?
(a) राजकीय संग्रहालय, भोपाल
(b) कसरावाद संग्रहालय, खरगौन
(c) एडवर्ड म्यूजियम, भोपाल
(d) आडवानी संग्राहलय, इंदौर
19. निम्न आयोजनों व स्थल में असम्बद्ध है-
(a) राष्ट्रीय रामलीला मेला- ओरछा
(b) तुलसी जयंती समारोह - चित्रकूट
(c) निमाड़ उत्सव - महेश्वर
(d) तुलसी उत्सव - ग्वालियर
20. मध्य प्रदेश का पहला मेट्रो थाना कहाँ बनाया गया?
(a) इंदौर (b) भोपाल
(c) सागर (d) नीमच
21. निम्न में से किस खनिज के भण्डारण में प्रदेश का शीर्ष हिस्सा है?
(a) पायरोफिलाइट (b) कॉपर
(c) डोलोमाइट (d) मैगनीज
22. खनिज व शीर्ष उत्पादन जिला में असम्बद्ध है-
(a) फायर क्ले - शहडोल, ग्वालियर, कटनी
(b) स्लेट - मंदसौर
(c) पायरोफिलाइट - टीकमगढ़, छतरपुर, शिवपुरी
(d) उच्चतम बॉक्साइट किस्म -अनूपपुर
23. मध्य प्रदेश में ग्रेनाइट के भण्डारण वाला जिला नहीं है-
(a) पन्ना (b) छतरपुर
(c) टीकमगढ़ (d) शहडोल
24. निम्न में से कहाँ संगमरमर के भण्डारण नहीं हैं?
(a) कटनी, जबलपुर
(b) नरसिंहपुर, हरदा, झाबुआ
(c) मण्डला, सिंगरौली
(d) सतना, रीवा
25. "भूषण प्रसंग" समारोह कहाँ मनाया जाता है?
(a) पन्ना (b) उज्जैन
(c) होशंगाबाद (d) हरदा
26. ताप विद्युत केन्द्र कहाँ नहीं है?
(a) बैतूल (b) शहडोल
(c) उमरिया (d) सीधी
27. मार्बल की सर्वाधिक उद्योगों वाला जिला है-
(a) कटनी (b) पन्ना
(c) बालाघाट (d) छतरपुर
28. प्रदेश के उद्योगों व स्थल के जोड़ो में असंगत है-
(a) सेरेमिक्स - रतलाम व जबलपुर
(b) कास्टिक सोडा - रतलाम, शहडोल व खण्डवा
(c) पाट्रीज उद्योग - उज्जैन, ग्वालियर
(d) टाइल्स एंड ब्रिक्स- शिवपुरी, छतरपुर।
29. मध्य प्रदेश में हीरे की खोज हेतु अधिकृत कम्पनी नहीं है-
(a) रिलायन्स इंडस्ट्री (b) रियो टिन्टो
(c) डी बियर्स कंपनी (d) NMDC
30. मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग का गठन वर्ष है-
(a) 1975 (b) 1980
(c) 1982 (d) 1985

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

31. निम्न सृजनपीठ व स्थल में असम्बद्ध है-
(a) प्रेमचन्द्र सृजनपीठ - उज्जैन
(b) मुक्तिबोध सृजनपीठ - सागर
(c) निराला सृजनपीठ - भोपाल
(d) बाल साहित्य सृजनपीठ - जबलपुर

32. "रामवन" संग्रहालय कहाँ असम्बद्ध है-
(a) छतरपुर (b) सतना
(c) इंदौर (d) जबलपुर

33. संगीत एवं कला विश्वविद्यालय कहाँ है?
(a) उज्जैन (b) ग्वालियर
(c) इंदौर (d) मैहर

34. 2012 में इनवेस्टमेंट समिट कहां हुई?
(a) इन्दौर (b) भोपाल
(c) ग्वालियर (d) जबलपुर

35. "बैढ़न" कहाँ है-
(a) सिंगरौली (b) अलीराजपुर
(c) सीधी (d) शहडोल

36. म. प्र. के प्रथम राज्यपाल कौन थे?
(a) के रेड्डी
(b) वी. पट्टाभिसीतारमैया
(c) एच. वी. पाटस्कर
(d) सरला ग्रेवाल

37. म. प्र. संबंधित जानकारियों के जोड़े में बेमेल है-
(a) मसाण्या गायन - निमाड़
(b) आल्हा गायन -बुन्देलखण्ड
(c) ग्रामोदय विश्वविद्यालय - चित्रकूट
(d) कृषि विश्वविद्यालय - भोपाल

38. म. प्र. के पौराणिक/ऐतिहासिक स्थल के जोड़े में असम्बद्ध जोड़ा छाँटियें-
(a) बाघ गुफा - धार
(b) भर्तृहरि गुफा- सतना
(c) मंगलनाथ मंदिर - उज्जैन
(d) धूपगढ़ - पंचमढ़ी

39. भगोरिया हाट कहाँ लगता है?
(a) सीधी
(b) सिंगरौली
(c) अलीराजपुर
(d) छतरपुर

40. निम्न नगरों के प्राचीन व नवीन नामों में असबंध है-
(a) महिष्मति - महेश्वर (खरगौन)
(b) चेदि क्षेत्र - खजुराहो (छतरपुर)
(c) वत्स क्षेत्र - ग्वालियर
(d) दशपुर - सोहागपुर

41. मध्य प्रदेश में "जहाँगीर महल" कहाँ है?
(a) रायसेन (b) टीकमगढ़
(c) छतरपुर (d) अशोक नगर

42. बेतवा नदी का तटीय शहर है-
(a) भोपाल (b) ओरछा
(c) सतना (d) चित्रकूट

43. ग्वालियर दुर्ग का निर्माता है-
(a) राजा मानसिंह तोमर
(b) जीवाजी सिन्धिया
(c) राजा सूरज सेन
(d) नरेश कीर्तिपाल

44. "लाडली लक्ष्मी योजना" मध्य प्रदेश में कब प्रारंभ हुई?
(a) 2005 (b) 2006
(c) 2007 (d) 2008

45. कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन करने वाली महिलाओं को आश्रय व अन्य सुविधाओं हेतु चलित योजना है-
(a) स्वाधार (b) स्वयंसिद्धा
(c) तेजस्विनी (d) शक्तिमान

46. राज्य में किस खनिज के उत्पाद से सर्वाधिक आय की प्राप्ति होती है-
(a) कोयला b) हीरा
(c) डोलोमाइट (d) बॉक्साइट

47. मिनरल एण्ड मिनरल बेस्ट प्रोडक्ट्स 'एस. ई.जेड.' कहाँ प्रस्तावित है-
(a) जबलपुर (b) भोपाल
(c) ग्वालियर (d) इंदौर

48. म. प्र. के संबंध में असत्य कथन कौन सा है-
(a) राज्य में 20 प्रकार के खनिजों का उत्पादन होता है।
(b) हीरा उत्पादन में प्रदेश को देश का एकाधिकार प्राप्त है।
(c) स्लेट उत्पादन में म. प्र. शीर्ष राज्य है।
(d) प्रदेश में उत्पादक एकमात्र जिला मंदसौर है।

49. म. प्र. की 2010-11 में प्रचलित भावों पर प्रति व्यक्ति आय रही-
(a) 32222 ₹ (b) 22383 ₹
(c) 51091 ₹ (d) 27037 ₹

50. म. प्र. में जिला सहकारी बैंकों की संख्या है-
(a) 38 (b) 48
(c) 50 (d) 52

51. मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना कब प्रारंभ की गई-
(a) 2008 में (b) 2009 में
(c) 2010 में (d) 2011 में

52. म. प्र. की सामान्य औसत वर्षा है-
(a) 1092 मिमी (b) 842 मिमी
(c) 1132 मिमी (d) 969 मिमी

53. राज्य में धान बुवाई का क्षेत्रफल है, लगभग-
(a) 16 लाख हेक्टेयर
(b) 16 लाख हेक्टेयर
(c) 16 लाख हेक्टेयर
(d) 16 लाख हेक्टेयर

54. मध्य प्रदेश का कुल वन क्षेत्र है, लगभग-
(a) 94 हजार वर्ग कि.मी.
(b) 84 हजार वर्ग कि.मी.
(c) 744 हजार वर्ग कि.मी.
(d) 103 हजार वर्ग कि.मी.

55. प्रदेश का कितना हिस्सा राष्ट्रीय उद्यान/अभ्यारण्य के अंतर्गत है-
(a) 12000 वर्ग किमी.
(b) 10989 वर्ग किमी.
(c) 17989 वर्ग किमी.
(d) 21879 वर्ग किमी.

56. प्रदेश में उद्योग संवर्द्धन नीति कब प्रभावी हुई-
(a) 2010 में (b) 2011 में
(c) 2009 में (d) 2008 में

57. फूड पार्क तथा स्थल के जोड़ो में असम्बद्ध है-
(a) मनेरी = डिण्डौरी
(b) निमरानी = खरगौन
(c) जगाखेड़ी = मन्दसौर
(d) बोरगांव = छिन्दवाड़ा

58. प्रदेश को किस खनिज के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान प्राप्त नहीं है-
(a) डायस्पोर (b) पायरोफिलाइट
(c) ताम्र अयस्क (d) फायरक्ले

59. म. प्र. राज्य विद्युत नियामक आयोग की स्थापना कब हुई-
(a) वर्ष 1993 (b) वर्ष 1998
(c) वर्ष 2008 (d) वर्ष 2005

60. राज्य जल विद्युत गृह की उत्पादन क्षमता है-
(a) 9029.9 मेगावॉट
(b) 10277.93 मेगावॉट
(c) 2932.5 मेगावॉट
(d) 922.95 मेगावॉट

61. म. प्र. में राष्ट्रीय राजमार्गों की संख्या है-
(a) 10 (b) 15
(c) 20 (d) 23

62. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का प्रारंभ वर्ष है-
(a) 1998 (b) 2000
(c) 2002 (d) 2007

63. राज्य का सकल सिचिंत क्षेत्र है (लगभग)-
(a) 7100 हजार हेक्टेयर
(b) 7421 हजार हेक्टेयर
(c) 6892 हजार हेक्टेयर
(d) 7079 हजार हेक्टेयर

64. म. प्र. के संबंध में असत्य जानकारी है-
(a) राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है
(b) राज्य की GDP में परिवहन की भागीदारी 3% है
(c) स्टोन पार्क ग्वालियर में है
(d) जलदीप योजना कृषि विभाग की है

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

65. प्रदेश की प्रमुख योजनाएं एवं प्रारंभ वर्ष के जोड़े में असंगत है-
(a) स्वामी विवेकानंद कैरियर = 2003
(b) जल अभिषेक अभियान = 2006
(c) लाड़ली लक्ष्मी योजना = 2007
(d) मुख्यमंत्री कन्यादान योजना = 2006

66. म. प्र. जिला गरीबी उन्मूलन परियोजना (DPIP) कितने जिलों में क्रियान्वित हो रही है-
(a) 19 (b) 17
(c) 14 (d) 39

67. म. प्र. जिला अल्पसंख्यक समुदाय में शामिल जातियों की कुल संख्या है-
(a) 3 (b) 5
(c) 7 (d) 9

68. ग्रामीण महिला सशक्तीकरण कार्यक्रम का नाम है-
(a) उषा किरण
(b) प्रतिभा किरण
(c) तेजस्विनी
(d) कौशल उन्नयन

69. राज्य में पिछड़ी जाति में शामिल जातियों की कुल संख्या है-
(a) 78 (b) 91
(c) 98 (d) 105

70. राज्य में जवाहर लाल नहेरू राष्ट्रीय नवीनीकरण मिशन के तहत कितने शहरों का चयन किया गया था-
(a) 1 (b) 4
(c) 5 (d) 7

71. म. प्र. ने प्रथमत: मानव विकास प्रतिवेदन कब जारी किया था-
(a) 1995 (b) 1998
(c) 1990 (d) 2002

72. गलत मेल है-
(a) राज्य की ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत है = 72.37%
(b) राज्य की कार्यशील जनसंख्या है = 42.7%
(c) कुल जनसंख्या में कृषक हैं = 52.7%
(d) कुल जनसंख्या में अनुसूचित जाति हैं = 15.2%

73. म. प्र. के संबंध में गलत तथ्य है-
(a) प्रति व्यक्ति आय में शीर्ष जिला इंदौर है
(b) शीर्ष धान उत्पादन जिला बालाघाट है
(c) शीर्ष चना उत्पादक जिला विदिशा है
(d) शीर्ष गेहूँ उत्पादक जिला हरदा है

74. फसल व शीर्ष उत्पादक जिला के जोड़ो में असंगत है-
(a) कपास = खरगौर
(b) सोयाबीन = उज्जैन
(c) गन्ना = बैतूल
(d) मक्का = छिन्दवाड़ा

75. मध्य प्रदेश के निम्न खेल स्टेडियम और उनके **स्थान असंगत को छांटिए**-
(a) एशबाग स्टेडियम - जबलपुर
(b) नेहरू स्टेडियम - इंदौर
(c) रूपसिंह स्टेडियम - ग्वालियर
(d) तात्या टोपे स्टेडियम - भोपाल

76. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 के अंतर्गत अपराध का विचारण किस न्यायालय द्वारा किया जाता है?
(a) सत्र न्यायालय
(b) प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट
(c) द्वितीय श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट
(d) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट

77. सिविल अधिकार अधिनियम, 1955 के अंतर्गत कंपनियों द्वारा अपराध किये जाने की दशा में कौन उत्तरदायी होती है?
(a) निदेशक
(b) प्रबंधक
(c) सचिव
(d) उपरोक्त सभी

78. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अंतर्गत सामूहिक जुर्माना अधिरोपित और वसूल करने की शक्ति किसे है?
(a) जिला मजिस्ट्रेट
(b) राज्य सरकार
(c) विशेष न्यायालय
(d) उच्च न्यायालय

79. अनुसूचित जाति और अनुसुचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन किसी लोक सेवक द्वारा धारा 3 के अधीन अपराध किये जाने पर कम से कम दण्ड का प्रावधान है?
(a) तीन माह
(b) छह माह
(c) एक वर्ष
(d) उपरोक्त कोई नहीं

80. राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति समिति मे निम्न मे से कौन सदस्य नही होता है?
(a) लोक सभा का अध्यक्ष
(b) राज्य सभा का सभापति
(c) लोक सभा मे विपक्ष का नेता
(d) राज्य सभा मे विपक्ष का नेता

81. राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति निम्न में से किसके द्वारा की जाती है?
(a) राष्ट्रपति
(b) राज्यपाल
(c) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति
(d) उपरोक्त मे से कोई नहीं

82. मध्यप्रदेश के किस जिले को ग्रेफाइट उत्पादन के लिये जाना जाता है?
(a) शिवपुरी (b) सतना
(c) मुरैना (d) बैतूल

83. मध्यप्रदेश राज्य का गठन हुआ था?
(a) 1 नवंबर, 1959
(b) 1 सितम्बर, 1956
(c) 1 नवंबर, 1956
(d) 1 सितम्बर, 1951

84. मध्यप्रदेश मे सागौन के वन कुल क्षेत्रफल के लगभग कितने प्रतिशत भाग पर पाए जाते है?
(a) 17.8% (b)20.6%
(c) 27.8% (d)33.0%

85. मध्यप्रदेश मे जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान स्थित है?
(a) सीधी में (b) मंडला में
(c) शिवपुरी में (d)खण्डवा में

86. मध्यप्रदेश मे वर्तमान में सिंचाई क्षमता लगभग कितने लाख हेक्टेयर मे है?
(a) 68.20 (b) 44.94
(c) 78.20 (d) 34.94

87. मध्यप्रदेश मे अफीम की खेती किस जिले में होती है?
(A) देवास (b) रतलाम
(C) मंदसौर (d) झाबुआ

88. जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश की कुल जनसंख्या मे से ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत है?
(a) 72.4 (b) 67.8
(c) 75.4 (d) 62.8

89. जनगणना 2011 के अनुसार मध्यप्रदेश में सर्वाधिक स्त्री-पुरूष अनुपात वाला जिला है?
(a) झाबुआ (b) डिडोरी
(c) मण्डला (d) बालाघाट

90. नर्मदा घाटी किस पर्वत श्रृंखलाओं के बीच स्थित है?
(a) भांडेर और मैकाल
(b) सतपुड़ा और अरावली
(c) सतपुड़ा और विन्ध्याचल
(d) विन्ध्याचल और अरावली

91. नर्मदा घाटी उदाहरण है?
(a) भ्रंश कगार का
(b) भ्रंश घाटी का
(c) ग्रीवा खंड का
(d) हॉर्स्ट का

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

92. बिरसिंगपुर जल विद्युत केन्द्र निम्न मे से किस जिले मे स्थित है?
(a) उमरिया (b) जबलपुर
(c) बालाघाट (d) शहडोल

93. मध्यप्रदेश मे मलांजखण्ड किसके लिये प्रसिद्ध है?
(a) मैंगनीज (b) तांबा
(c) लौह अयस्क (d) टंगस्टन

94. किस वंश के राजाओ ने खजुराहों स्थित मंदिरो का निर्माण करवाया था?
(a) बघेल (b) परमार
(c) चंदेल (d) बुंदेला

95. मध्यप्रदेश से प्रतिवर्ष निमाड़ उत्सव कहां आयोजित किया जाता है?
(a) खजुराहो (b) महेश्वर
(c) ऑकारेश्वर (d) मांडू

96. गौर नृत्य किस जनजाति से संबंधित है?
(a) बैगा (b) मुड़िया
(c) दंडामी माड़िया (d) कोरकू

97. तानसेन सम्मान 2014 निम्न मे से किसे प्रदान किया गया?
(a) लता मंगेशकर
(b) प्रभाकर कारेकर
(c) अनुपम खेर
(d) पंडित रविशंकर

98. कौन-सा साहित्यकार मध्यप्रदेश से संबंधित नही है?
(a) धर्मवीर
(b)शरद जोशी
(c) प्रभाकर माचवे
(d) हरिशंकर परसाई

99. मध्यप्रदेश का कौन-सा क्षेत्र सफेद बाघों के लिये जाना जाता है?
(a) रोहिलखंड (b) बघेलखण्ड
(c) मालवा (d) निमाड़

100. बेतवा नदी के किनारे स्थित शहर है?
(a) ओरछा (b) उज्जैन
(c) मंडीदीप (d) मुरैना

101. मध्यप्रदेश का महालेखाकार कार्यालय (AGMP) निम्नांकित मे से किस शहर मे स्थित है?
(a) भोपाल (b) ग्वालियर
(c) जबलपुर (d) रीवा

102. आर.सी.वी.पी. नोरोन्हा प्रशासनिक अकादमी किस शहर मे स्थित है?
(a) जबलपुर (b) मसूरी
(c) मुम्बई (d) भोपाल

103. सिविल अधिकार संक्षरण अधिनियम,1955 के अधीन सभी दण्डनीय अपराध है?
(a) संज्ञेय तथा अजमानतीय
(b) संज्ञेय तथा अशमनीय
(c) असंज्ञेय तथा जमानतीय
(d) असंज्ञेय तथा शमनीय

104. महारानी लक्ष्मीबाई की समाधि कहां स्थित है?
(a) मण्डला (b) माण्डू
(c) जबलपुर (d) ग्वालियर

105. इनमे से कौन-सी मध्यप्रदेश की बोली नही है?
(a) भोजपुरी (b) ब्रजभाषा
(c) मालवी (d) निमाड़ी

106. भीमबेटका की गुफाएं कहां स्थित है?
(a) भोपाल
(b) पचमढ़ी
(c) सिंगरौली
(d) अब्दुल्लागंज-रायसेन

107. भारत की सबसे बड़ी जनजाति कौन-सी है?
(a) गोंड (b) इरूला
(c) पनियन (d) राजी

108. तानसेन का मूल नाम था?
(a) मकरचन्द पाण्डेय
(b) रामतनु पाण्डेय
(c) लाला कलावन्त
(d) बाज बहादुर

109. देवास प्रसिद्ध है?
(a) वस्त्र उद्योग के लिए
(b) शहद उत्पादन के लिए
(c) करेन्सी नोट की छपाई के लिए
(d) सिक्के की ढलाई के लिए

110. इंदौर मे आकाशवाणी केन्द्र की स्थापना कब हुई है?
(a) 15 अगस्त, 1952
(b) 22 मई, 1955
(c) 24 मई, 1955
(d) 16 अगस्त, 1952

111. मध्यप्रदेश मे विधान सभा सीटों की संख्या है,
(a) 230 (b) 232
(c) 225 (d) 216

112. सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 के अधीन सभी अपराध .... है?
(a) संज्ञेय
(b) जमानतीय
(c) शमनीय
(d) कारावास तथा जुर्माना दोनों से दण्डनीय

113. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 अधीन अपराधों का विचारण करने के राज्य सरकार.....की सहमति से न्यायालय को विशेष न्यायालय विनिर्दिष्ट सकती है?
(a) राज्यपाल
(b) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(c) संबंधित जिले के सत्र न्यायाधीश
(d) विधि मंत्रालय

114. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन निम्न मे से क्या पूर्णत: निषिद्ध है?
(a) गिरफ्तारी पूर्व जमानत
(b) गिरफ्तारी पश्चात जमानत
(c) परिवीक्षा का लाभ
(d) उपरोक्त सभी

115. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन अभीयोजन मे, न्यायालय निम्न मे से क्या उपधारित कर सकता है?
(a) दुष्प्रेरण
(b) सामान्य आशय
(c) सामान्य उद्देश्य
(d) उपरोक्त सभी

116. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन विशेष न्यायालय निम्न मे से कौन-सी शक्ति का प्रयोग नही कर सकता?
(a) व्यक्ति को हटाया जाना
(b) सम्पत्ति का समपहरण
(c) व्यक्ति का माप लिया जाना
(d) सामूहिक जुर्माना आरोपित करना

117. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन किये गये अपराध का अन्वेषण ऐसे पुलिस अधिकारी द्वारा किया जायेगा जो.....रैंक से कम का न हो?
(a) उप-निरीक्षक (b) निरीक्षक
(c) उप-अधीक्षक (d) अधीक्षक

118. न्यायालय उपधारित कर सकता है कि अपराध गठित करने वाला कोई कृत्य 'अस्पृश्यता' के आधार पर किया गया था, यदि ऐसा अपराध.....के संबंध मे किया गया है?
(a) अनुसूचित जाति के सदस्य
(b) अनुसूचित जनजाति के सदस्य
(c) किसी भी समुदाय क सदस्य
(d) उपरोक्त मे से कोई नहीं

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011

119. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अधीन अपराध के लिए अभियोजन में, अभियुक्त अपने बचाव मे अभिभावक नही ले सकता है कि?
(a) कार्य निजी प्रतिरक्षा के अधिकार के प्रयोग मे किया गया था।
(b) वह भी पीड़ित की ही जाति का है।
(c) कार्य से इतनी थोड़ी अपहानि हुई है, जो शिकायत का विषय नही हो सकता है।
(d) उपरोक्त मे से कोई नही।

120. 'यूनिवर्सल डिक्लेरेशन ऑफ ह्यूमन राईट कुल कितने अनुच्छेद है?
(a) 29 (b) 28
(c) 30 (d) 32

121. भोपाल गैस त्रासदी कब हुई?
(a) 2-3 दिसम्बर, 1984
(b) 2-3 नवंबर, 1984
(c) 2-3 दिसम्बर, 1985
(d) 2-3 नवंबर, 1985

उत्तरमाला

अभ्यासमाला-1

1.(B), 2. (A), 3. (B), 4. (C), 5. (B), 6. (D), 7. (B), 8. (B), 9. (B), 10. (D), 11. (A), 12. (A), 13. (D), 14. (D), 15. (D), 16. (A), 17. (D),18. (D), 19. (D), 20. (D), 21. (D), 22. (A), 23. (B), 24. (B), 25. (A), 26. (A), 27. (C), 28. (C), 29. (A), 30. (B), 31. (C), 32. (D), 33. (C), 34. (B), 35. (D), 36. (D), 37. (D), 38. (A), 39. (C), 40. (C), 41.(D), 42.(A), 43.(C), 44.(C), 45.(A), 46.(C), 47.(B), 48.(c),49.(B), 50.(A),51.(A),52.(A), 53.(C),54.(D), 55.(A), 56.(B),57.(D), 58.(D), 59.(B), 60.(D), 61.(B),62.(B),63.(C),64.(B), 65.(A),66.(B),67.(B),68.(A), 69.(A), 70.(B), 71.(a), 72.(C),73.(B), 74.(B), 75.(C),76.(D), 77.(a), 78.(A), 79. (D), 80. (D), 81. (A), 82. (D), 83. (D), 84. (D), 85. (D), 86. (D), 87. (D), 88. (A), 89. (D), 90. (A), 91. (B), 92. (C), 93. (D), 94. (A), 95. (D), 96. (D), 97. (D), 98. (C), 99. (A), 100.(C). 101.(D), 102.(C), 103.(A), 104.(C), 105.(C), 106.(D), 107.(D),108.(B), 109.(D), 110.(A), 111.(C), 112.(A), 113.(D), 114(D), 115.(B), 116.(A), 117.(C),118.(A), 119.(A), 120.(D), 121.(A), 122.(B), 123.(D), 124.(D), 125.(D), 126.(D), 127.(B), 128.(B), 129.(D), 130.(D), 132.(B), 133.(A), 134.(D), 135.(C), 136.(B), 137.(A), 138.(B), 139.(B), 140.(C), 141.(D), 142. (C), 143. (B), 144. (C), 145. (D), 146. (B), 147.(A), 148.(D), 149.(D), 150.(A), 151.(A), 152.(D), 153.(D), 154.(D), 155.(C), 156.(D), 157.(B), 158.(B), 159.(C), 160.(D), 161.(B), 162.(D), 163.(C), 164.(D), 165.(c), 166.(a), 167.(b), 168.(a), 169.(c), 170.(a), 171.(d), 172.(a), 173.(c), 174.(a), 175.(d), 176.(d), 177.(a), 178.(c), 179.(a), 180.(d), 181.(c), 182.(b), 183.(d), 184.(a), 185.(a), 186.(d), 187.(d), 188.(d), 189.(a),190.(b), 191.(a), 192.(d), 193.(c), 194.(c),195.(b), 196.(a), 197.(d), 198.(b), 199.(c), 200.(a),

अभ्यासमाला-2

1. (a), 2. (a), 3. (b), 4. (a), 5. (c), 6. (c), 7. (b), 8. (a), 9. (a), 10. (a), 11. (a), 12. (b), 13. (a), 14. (b), 15. (b), 16. (b), 17. (a),18. (a), 19. (d), 20. (a), 21. (d), 22. (c), 23. (a), 24. (c), 25. (d), 26. (b), 27. (a), 28. (c), 29. (d), 30. (c),31. (c), 32. (b), 33. (a), 34. (b), 35. (a), 36. (b), 37. (c), 38. (b), 39. (a), 40. (b), 41. (c), 42. (c), 43. (d), 44. (c), 45. (b), 46. (d), 47. (d), 48. (a), 49. (c), 50.(a). 51.(a), 52.(b), 53.(b), 54.(d), 55.(a), 56.(a), 57.(a), 58.(b),59. (a), 60. (d), 61.(b), 62.(d), 63.(d),64.(a), 65.(a), 66.(d), 67.(b), 68.(b), 69.(c), 70.(b), 71.(a), 72.(a),73.(b), 74.(b), 75 (a), 76 (c), 77(a), 78(b), 79 (c), 80 (c), 81 (d), 82 (d), 83 (b), 84 (b), 85 (d), 86 (b), 87 (d), 88 (d), 89 (c), 90 (d), 91 (b) 92 (b), 93 (c), 94 (b), 95 (b), 96 (c), 97 (c), 98 (b), 99 (b) 100 (a)

अभ्यासमाला-3

1. (a), 2. (d), 3. (b), 4. (a), 5. (b), 6. (b), 7. (c), 8. (a), 9. (d), 10. (b), 11. (c), 12. (c), 13. (a), 14. (a), 15. (b), 16. (a), 17. (a), 18. (b), 19. (d), 20. (b), 21. (a), 22. (d), 23. (d), 24. (d), 25. (a), 26. (d), 27. (a), 28. (d), 29. (a), 30. (b), 31. (d), 32. (b), 33. (b), 34. (a), 35. (a), 36. (b), 37. (d), 38. (b), 39. (c), 40. (d), 41. (b), 42. (b), 43. (c), 44. (c), 45. (a), 46. (a), 47. (a), 48. (d), 49. (a), 50. (a), 51. (a), 52. (a), 53. (a), 54. (a), 55. (b), 56.(a), 57. (a), 58. (d), 59. (b), 60. (d), 61. (c), 62. (b), 63. (b), 64. (d), 65. (a), 66. (c), 67. (b), 68. (c), 69. (b), 70. (b), 71. (a), 72. (c), 73. (d), 74. (c), 75. (a). 76.(b), 77.(d), 78.(b), 79. (b), 80. (b), 81. (b), 82. (d), 83. (c), 84. (a), 85. (b), 86. (*),87. (c), 88. (a), 89. (d), 90. (c), 91. (b), 92. (a), 93. (b), 94. (c), 95. (b), 96. (b), 97. (b), 98. (a), 99. (b), 100. (a), 101. (b), 102. (d), 103. (d), 104. (d), 105. (a), 106. (d), 107. (a), 108. (b), 109. (c), 110. (b), 111. (a), 112. (*),113. (b), 114. (a), 115. (d), 116. (d), 117. (c), 118. (a), 119. (*),120. (c) 121. (a)

Watch & Learn SABDHANI COACHING INSTITUTE
Visit us at : Www.sabdhanicoaching.in
FOR INFO ON VACANCIES & RESULTS 24 X 7
HELPLINE 8602511011